Chippin Chippi

لِهِ مِنْ اللّهِ السَّالِيَّةُ مِنْ السَّالِيَّةُ مِنْ السَّالِيَّةِ مِنْ السَّالِيِّةِ مِنْ السَّالِيَّةِ مِنْ السَّالِيَّةِ مِنْ السَّالِيِّةِ مِنْ السَّالِيَّةِ مِنْ السَّالِيَّةِ مِنْ السَّلَّةِ مِنْ السَّالِيَّةِ مِنْ السَّلَّةِ مِنْ السَّلَّةُ مِنْ السَّلَّةُ مِنْ السَّلَّةُ مِنْ السَّلَّةُ مِنْ السَّلَّةُ مِنْ السَّلَّةِ مِنْ السَّلَّةِ السَّلَّةُ مِنْ السَّلِّقِ السَّلَّةُ السَّلَّةُ مِنْ ال

أردوز حبركنا مستطاب

مُن العَالِين العَالِينَ العَلَيْنَ العَلَيْنَ العَلَيْنَ العَلَيْنَ العَلَيْنَ العَلَيْنِينَ عَلَيْنِ العَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ العَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلِينَانِ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِ عَلِينَ عَلِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِ عَلَيْنِينَ عَلِينَ عَلِينَانِينَ عَلَيْنِينَ عَلَيْنِينَ عَلِينَانِ عَلَيْنِينَ عَلِينَانِ عَلِينَانِ عَلِينَانِ عَلَيْنِينَ عَلِينَانِ عَلِينَائِيلِي عَلَيْنِينَ عَلَيْنِي عَلَيْنِي عَلَيْنِي عَلِينَانِي عَلِينَ عَلِينَ عَلَيْنِي عَلِينَائِقِ عَلَيْنِي عَلِينَائِقِ عَلَيْ

تصنيف

امام بتمام مجنزالا سألام حضرت مام عزالي رحمنه التعليك

ترجمهم كحوانني

ازمولانا محرسعيث الحمائقشندي

خطيب الممتي حضرت المجنح بحن حمنالته عليه لا المح

نانش

تفيظ كيا ولواردوبازارديلي ٢

#### ( جملة حقون ترحمب بحق ناست محفوظ بين )

باردوم اند منهاج العابرين أردو وسم مرساله المناهد كتاب منهاج العابرين أردو تصييف عبد العابرين أردو تصييف عبد العام المنه المن

| فهرست مضابين منهاج العابين أردو |                                     |       |                             |       |                              |  |  |  |  |  |
|---------------------------------|-------------------------------------|-------|-----------------------------|-------|------------------------------|--|--|--|--|--|
| بمنح                            | عتوان                               | نبرخم | عنوان                       | نمرضح | عتوال                        |  |  |  |  |  |
| ١١٨٠                            | دومرااسول                           | ^^    | يجرتماعا تن ( ما نع )نفسس   | ٣     | فرست كناب                    |  |  |  |  |  |
| 110                             | نيسرااصول                           | 9.    | سوال وجواب                  | ۵     | بيتش تفظ                     |  |  |  |  |  |
| 113                             | جرتھا اصول                          | 91    | سوال دیجاب                  | q     | مقدمه کتاب                   |  |  |  |  |  |
| 113                             | پاینجوان اصول                       | 94    | سمال وجراب                  |       | يهلى گھا فى علم كے يبان بي   |  |  |  |  |  |
| 112                             | سعال                                | 1-1   | سوال وجواب                  | 19    | سوال وجواب                   |  |  |  |  |  |
| 114                             | جوا ب                               | 1-1-  | فصل اوّل أنكه كه كيان مِن   | ۳.    | سوال وجواب                   |  |  |  |  |  |
| 119                             | طول ال كابيان                       | 1.4   | بيىلااصول                   | 20    | ووسرى كھائى توبەكے بيانىي    |  |  |  |  |  |
| 1200                            | دوسری، فنت حسد                      | 1.0   |                             | ٣٢    | سوال وجواب                   |  |  |  |  |  |
| 124                             | جلدبازی کے نغضانات                  | 1.0   | تيسرااصول                   | ٣^    | سعال                         |  |  |  |  |  |
| IFA                             | كبركا بيان                          | 1-4   | فصل دوم کان کے بیان میں     |       | جواب                         |  |  |  |  |  |
| 15.                             | سوال وجواب                          |       | نیسری فعسل زبان کے بیان میں |       | فصل                          |  |  |  |  |  |
| اسوا                            | أمك كي خفيفنت كا ببان               | 1     | بيلااصول                    |       | تبسري كمعانى بعوائق اربعه كے |  |  |  |  |  |
| ١٣٢                             | سوال                                | 1.0   | دومرااصول                   | ۴۹    | بيان بر                      |  |  |  |  |  |
| اسس                             | سجراب                               |       | تىسرا امىول .               |       | بيلاعاً تن رمانع ) دنيااور)  |  |  |  |  |  |
| 155                             | سرر کی حقیفت کا بیان                | 11-   | بجرتقا اصول                 | ~9    | جرکھاس بس                    |  |  |  |  |  |
| دس                              | عجلت كيخفيفنت                       | nt.   | بإنجياں اصول                | ١٥    | سوال وجراب                   |  |  |  |  |  |
| 100                             | كبركي خيفت                          | 11P   | بیلی وجر                    | ٥٣    | سوال وجواب                   |  |  |  |  |  |
|                                 | یا نخرین فساست کم کی سفاخلت         | sir   | دومری وج                    |       | دوسری رکاوٹ مخلرق سے         |  |  |  |  |  |
| 124                             | کے بیان یں                          | 117   | تبسری وج                    | 54    | ميں جول                      |  |  |  |  |  |
| 144                             | پېلى آفت                            | 117   | چیمنی وج                    |       | مكايت                        |  |  |  |  |  |
| 179                             | 11.50                               |       | بوتفى فصل دل كے بيان بس     |       | - سوال دیواب                 |  |  |  |  |  |
| 79                              | دوسری آفت<br>تیسری آفت<br>میسری آفت | 111   | ببيلااصمال                  | 44    | تبسرى ركا وث ننيطان          |  |  |  |  |  |

| 7 |   |   | d | , |
|---|---|---|---|---|
| 1 |   | , | • |   |
| ۱ | ľ |   |   |   |

| زيو  | عنوان .   | زمن     | معنوان                               | برمغ | عتوال                             |
|------|---|---------|--------------------------------------|------|-----------------------------------|
| 141  | قبرا وربعدا لموت كا حال   | 199     | تيسراعارصنه                          | ۱۳.  | ببرتفى آخت                        |
| rrr  | روز فیامت   | y       | خصنا رالني سيداصني مونيكي مدسري      | 18-  | يالخح يرافنت                      |
| 440  | بجنن اور دوزخ کابمان  | ٧.س     | بجرنفاعا يضرمصائب اذركابيق           | 141  | جھٹی آفت                          |
| ۲۷.  | ق <b>ص</b> ل  | r-9     | سوال مبركي حقيقت بجواب               | 101  | سانوین آفت                        |
| 1000 | بجشاياب عفينة الفواوح   | r-9     | مبرس طرح پیدا کیا جائے ہ             | 164  | آ تعویر آفت، نوین آفت             |
|      | عبب عجب كي خيفت اورمعني   |         |                                      | (64  | وسویں آفت                         |
|      | عجب اور ریا <u> سے بیحنے کا</u> مل  |         | فصل                                  | 104  | فصل                               |
| M    | بسلااصول  |         | ,                                    | (55  | الميس تنرسے بيناننروري ہے         |
| FAA  | دومرااصول   | 714     | 10,071                               | 1    | مرگوں سے جبل جول کی ندمت          |
| 109  | تبسا بجونفااصول   | 414     | تيسرانكنة ببوتفا بحت                 |      | مذمت بعش کا بیان                  |
| 19-  | سکایت   |         |                                      |      | نصل آنکه کی حفاظت                 |
| rar  | عجب كإبيان  | 444     |                                      |      | زبان كى حفاظن                     |
| 191  | حباب  | E       | 1900                                 |      |                                   |
| 191  | فصل .   | 472     | صبرفترارسال جيزوك كودوركترنا         | 170  | دل کی حفاظت                       |
| 194  | فصل   | :۳۲     | قصل                                  | 140  | فصل                               |
| ٣.۷  | فصل المالية   | 744     | بِالْجِوال باب بِالْجِينِ كُمَا لَيْ | 120  | جوتفاباب جوتفي مگھا في بي         |
| ۳1.  | ساترين گھائی شکر کے بیان یں   | 444     |                                      | 11   | يبر كمعا في حقبة العوار من كه نام |
| 711  | نعمت تزنين اورتعمن عصمت   | ۲۳۸     | Y                                    | 11   | سے موسوم ہے                       |
| דוש  | ف <i>ص</i> ل  | ٢٣٩     |                                      | 11:  | 1.1                               |
| rre  | نصل   | سابهاما | قصل                                  | ١٨٢  | **                                |
| 444  | قصل   | 444     | اصل اول ترغيب وزيهيب                 | 126  | توكل ببداكرنے كاطريقه             |
|      | التنزنعالي كي اطاعت كاتمره  | 119     | دوسرى اصل الشرتعالي كطفعال           | 191  | وورراعارمند بمقرك خطرات           |
| MAR  | جالبس عنايات بميس دنياس   | 109     | يسرى اصل أخراك وعدوميد               | 197  | سکایت<br>تغریبن کے منی            |
|      | جالبس عنایات بیس دنیایس<br>جالبس عنایات بیس دنیایس<br>اور بیس آخرت بیس<br>افریسی آخرت بیس | 129     | موت کابیان                           | 191  | تغریبن کے معنی                    |

### لأنفرالله التحري التخيف

## يلين لفظ

( ازجاب کیم هجد موسیٔ ماحب امرت سری )

مجة الاسلام حقرت الم مغزالي قدس سرّهُ (متو في **هن هم ح**)اسلام تحصيل القدرعالم، عارف مفكر اورمجة دَتسلِم كِيه مُحتيمي -انهول نفقه اصول فغه صريث ، تفيير كلام اصول كلام اخلاق، تعتوب وإحسان، فلسفه، مناظره اورد تكريملوم وفعون برايك سوست زائدكتا بي تصنيعت كيرجوان كى زندگى يى ې مقبول پوگئي تقيل-ان کې تعليمات وا فکارکواسلامي دنيا پس پيدنيا ه نبولېت د بېرېرا يې کےعلاوه پورپ یں بھی قدر کی نگاہ سے دیکھا گیا۔ اورا بک عوصة تک ان کی تصانبعث ویاں سے اہل مکی تحقیق کا مرکز نبی اب امام غزالي كے زمانے بن فلاسفہ ٹمنگلین اور بدند بہبوں نے اسپیے غفا ٹریاطلہ اور خیالان فاسدہ كو برسے تندو مدسے جیلانا شروع کردیا نفااور دین کے نام برطرح طرح کے فتنے سراکھارہے تھے۔ ان حجة الاسلام نے ان بر زمبول کے زموم وسموم نظریات کا بلیغ ردکیا 'اور اسپنے علم کلام کے فررسیعے مغیبٹ اسلام کی پرزور ترجمانی کی یتق پہ ہے کہ ا مام غزالی ابنے علم کلام کے خود موجدا درخود تما تم تھے۔ ان کا طریق استدلال اورا ندازا فهام بالکل زالا ہے۔ ان کے بعدان مبیاکرٹی اور نفکراور کی مرنیا شے اسلام میں بیدانبیں ہوا۔علامہ افبال نے بھی اسی لیے فرایا ہے۔ . رو کمی دسیم ا ذان موح جلالی نه رمی

فلسفەرەكىپ يىلقىن عزالى نەرىپى

حصزت المم عزالى رحمنة التشرتعالي عليه كي مشهورومعروف اورمفنول ومطبوع تصانيف بي سے ايک "منهاج العابدين الى جنت ربّ العالمين" ہے يجس كا ترجميثين نظر ہے . اس كنا ب بار سے بم صنرت ا ما مغزالی کے ثنا گروخاب عبدالله بن عبدالله کا بیان ہے کہ بدا مام صاحب کی آخری تصنیف ہے اور اس کوان کے خاص ٹیا گردوں کے سواکسی اورنے تقل نہیں کیا ۔۔۔ کتا ب کا موضوع ام سے ناہم ادرخود مسنون علام نے موسوع اور منفسر تسبیف کوابندا وکتاب میں بصراحت ببان کیا ہے جمقہ رہد کہ حضرت الم منے علام نے علیت جن وانس اور جنت ہیں داخل ہونے کا واحد فد دید جمادت کے موفوع پر منفسوفا ندا نداز ہیں بید کا جا کھی ہے ۔ سالک کواس را ہیں تسم فسم کی جور کا وہیں پیدا ہوتی ہیں 'ان کی او نئیطانی ونعنسانی وساوس کی ہلاکت آفرینیوں کی نشاق دہی کرکے ان سے نیجنے کی تدا ہر نبائی ہیں او محف ان شرکی خوش من کی خوش استرکی خوش مندگی کورنے کی مجنب کی ہے اور بے شمار مسائل نئر بعیت وطریقیت اور معمد اور معنسان منز بعیت وطریقیت اور معمد کا معنس منز کی ہے اور جو نشری کی ہے اور جو نشری کی میں اور اس کی عمدہ السامی محمدہ السامی محمدہ السامی شمدہ السامی شرید بنازاں ہیں منفد بھی کی بی کا ب میں کھنے ہیں :

"بزرگان برن نے جن کا درگاہ ایندی میں بہت دنفام ہے، نفنول اعزاضات کی پرواہ انکرنے ہوئے اور تمام است برنظر کرم فرائے ہوئے اس موضوع برگئی کنا بین تعینید فند اور آیام است برنظر کرم فرائے ہوئے اس موضوع برگئی کنا بین تعینید فند اور آئیں - میں بھی اس فوات اقدس کی طرف ہتی ہواجس کے قبضہ قدرت بین تمام عالم خال و امر کی چیزوں ہیں کہ مجھے ایک ایسی کنا ب تعینید کرنے کی توفیق دسے جس پرسب تعنق ہوں اور جس کے بیٹے سے تمام کوفا نگرہ بینچے۔ تواس رضیم وکریم فوات نے میری انتجا قبول اور جھے اس نے اپنے نشال وکرم سے جا دت کے عجیب وعزیب اسراد ور توزیر مطلع فرایا۔ اور جھے اس کتا ہی ترتیب میں کھو کا المام فرایا ۔ ایسی ترتیب میں کسی اور کتا ہوں گنا ہی تصنیعت بین کا تم نہیں رکھ کا ۔ یہ وہ تعینی سے جس کی بین خود تعربیت کتا ہوں ؟

اس تصنیعت منیعت کی افا دیت واجمیت کے بینی نظر بعض علما ، و تسر فیبر نے اس کی نزوج کھیں۔
اور کھف تیار کیے ۔استا د بلال الدین ہما بی (ننران) رقم طراز ہیں :
درایں کتاب واہم بعض علما دنٹرے و کھنے کہ وہ انداز جمل شمس الدین بلا کھنسی دو نشرح
مختصر و مغسل برآن نوشت و نیز آن و کھنے میں کر دہ "بغینہ الطالبین" نام نہا ہو؟
مشمور عارف وعالم اور نتعد د کمنب نصوف کے صنیعت حضرت شاہ کلیم الشریشی جمان آباوی رحمت
اسٹر نفالی علیہ نے بھی سے نام کھیم اسٹر العالمین کی بجس کا نام "ما لا بد" ہے ۔ نشاہ کلیم الشریف

مله عزالی نامدمطبرعه نشران صابع

پاک ومبندیں منہاج العابدین کے متعد داردونزاجم ہوئے۔ اس دنت برے بیش نظرمرن بن رجے ہیں ۔ ان بی قدیم ترجمہوہ ہے جے طبع نظامی لدھیا نہ نے سائٹلہ جمیں شائع کیا تھا۔ دوسرا ترجمہمولانا محدمنیر نے سنٹلہ ہے بیں کیا اور شنٹلہ جمیم بیں مطبع مشنی نوککشور سے طبع وٹٹا تع ہوا۔ یہ دونو ترجمہ اپنے زبانے کے کھا ظرسے بہت اچھے ہیں تبسرا ترجمہ مولانا عابدالرحمٰن کا ندھلری کا ہے جونپد سال ہوئے کراچی سے بھیا تھا۔

منهاج العابین ایسی عده ، مغید اورنا فع کتاب کے ایک ایجے نزجے کی انند منرورت تھی المیشر منهاج العابین المیسیدا می نقش بندی مجدوری تدفیلهٔ خطیب جامع مجدور با رحفرت و تا گائی مجنی قدس سرّه العزیز نے اس منرورت کو بدرا کر دیا ہے۔ جذا الله فعالی احسن الجناء مولانا محرسعید احمد زید مجدهٔ کے ترجے کو بی نے پیلے اکثر زاج سے بہتر پایا ہے۔ فاضل منزج نے تابیات واحادیث کے علاوہ افوال بزرگان دین اورانتعار کو بھی اصل عربی زبان بیں درج کر کے ان بالتعابی ترجید دباہے جی سے سے ان کی قررانیت و برکت قائم رہنے کے ساتھ ساتھ عربی ادب سے بلتھا بل ترجید دباہے جی سے ان کی قررانیت و برکت قائم رہنے کے ساتھ ساتھ عربی اوب سے شخصت رکھنے والوں کے ذون کی تمکین کا سامان موجود د باہے ۔ انٹر تعالی جناب مترجم کو شخصے سے فواز سے اوراس کتاب کے قارمین اوراستھر کو جنت بیں جانے والے ریدھے راستے بر برائے خیرسے فواز سے اوراس کتاب کے قارمین اوراستھر کو جنت بیں جانے والے ریدھے راستے برائے خیرسے فواز سے اوراس کتاب کے قارمین اوراستھر کو جنت بیں جانے والے ریدھے راستے برائے خیرسے فواز سے اوراس کتاب کے قارمین اوراستھر کو جنت بیں جانے والے ریدھے راستے بولی کی توفیق عطا کرسے ۔ آبین تم آبین بجاہ بی الایمن صلی اللہ علیہ آلہ واصحابہ وسلم ۔

محد موسی عفی عنه ـ لامهور \_\_\_\_\_ کلامهور \_\_\_\_\_ کلامهور \_\_\_\_\_

#### المتمللة التخير التخييرة

#### مَعْدُلُهُ وَنُصِلَى عَصَلِي عَصَلِي الْكُرُورُ وَلُو الكِرَا الْكُرُورُ وَلَا الكُرُورُ وَالكُرُورُ وَاللَّهُ وَالكُرُورُ وَالكُرُورُ وَالكُرُورُ وَالكُرُورُ وَالكُرُورُ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَلَّهُ وَلَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّالِي اللَّالِي لِلللَّالِ اللَّهُ وَاللَّهُ وَال

یشخ ، صالح ، زا صد علامه عبدالملک بن عبدالله نفر با دانله تعالی اسے بختے ) کی میر سے بننے امام اجل ، نیک بخت ، توفیق با فتہ ، جخة الاسلام ، دین کی زبیت ، اُسّت کے بیے نشرف ، ابر حامد محد بن محد بن

كناب كالم غازان الفاظ سعيمونا ہے:

سب خربیال الله تقالی کے بیے ہیں جوتمام کا تنان کا مالک ہے ہیں سے تمام موجودات کو ابنی حکمت کا ملہ سے ترتیب دیا۔ جو حکیم جواد ، غالب اور کریم جیسے اعلیٰ صفائی اسماء سے متصف ہے جس نے انسان کو ہترین قطرت پر بیدا فرباہا۔ اور زبین واسمان حیدی غلیم مخلوق کو اپنی قدرت کا ماہے وجود کا جا سر بہنایا۔ اور جس نے دونوں جمان کے امور کو احسن طریق پر جبلایا۔ اور جس نے دونوں جمان کے امور کو احسن طریق پر جبلایا۔ اور جس نے دونوں جمان کے امور کو احسن طریق پر جبلایا۔ اور جس وانس کو صرف این ہی جبا دت کے بیے بیدا کیا۔

نفائے اللی کا نصد کرنے والوں کے بیصائ تک بینجے کی داہیں کٹا دہ ہیں، اور عور وفت کر کے دائیں کٹا دہ ہیں، اور عور وفت کر کرنے والوں کے بیصائ کرنے والوں کے بیصائی کے دلائل موجود ہیں ۔۔۔ بیکن انٹر تعالیٰ بیصے جا ہے گراہ کرے اور جسے جا ہے ہدا بیت کی داہ دکھائے۔

اور فیامت تک حصنور پُروْدست بدا نبیاء صلی اعتٰدعلبه ولم پراورآب کی آل اور آب کے اصحاب پر مجرظا ہرد باطن میں طبیب وطا ہر نقے ، انتٰد تعالیٰ کی رحمت اوراس کی طروب سے سلامتی نازل ہوتی ا رہے۔اوریمبیٹ آپ کی اور آ بھے تعلقین کی عظمت فائم رہے ۔ احتا بعد؛ اسے عزیز بھا ٹیو' (انٹرنعا بی مجھے اور آ پ سب کواپنی رصاکا پا بند بنا ئے 'جوجنتِ

فردوس کی را و ہے) خداوند کریم کا ارتثا دہے:

یں ہی تھا دا دہب ہوں اس ہے میری ہی عبادت کرو۔

وَانَارَتُكُمُ فَاعْبُدُونِ .

فران مجيدين ايك اور طكه فرمايا : سان ميدين ايك

رجنینوں کو جنت بی واضل موتے وفت کما جائے گا یہ تنہ ارامسلہ ہے اور تمساری کوشسش (جوتم نے دنیا

إِنَّ هٰذَاكَانَ لَكُمُّرَجَزًاءً وَّكَانَ لَكُمُّرَجَزًاءً وَّكَانَ سَنْعُيكُمُ مِّشْكُومًاه

يىكى مقبول بوئى -

آبیات مندرج بالاسے معلوم ہوا کہ جنت ہیں جانا اسی کونفسب ہوگا جس نے وزیا ہیں کوشنٹ کی اور کھنے فلاکی بندگی ہیں مصروت رہا ۔ اس ہے ہم نے عبا دات کی تقیقت ہیں نظر کی اس کے طریقوں پر عور کہا اس کے بنیا دی امورا وران مقاصد میں نظر دوڑائی جو سالک ملاء آخرت کو در بیش ہیں ۔ نوغور کرنے سے معلوم ہما کہ طریق عبادت نما بیت دشوار اورشکل ہے ۔ اس راہ میں نمایت ننگ و ناریک گھاٹیاں عبور کرنا بڑتی ہیں ۔ سٹ مید مشغتوں کا سامنا کرنا بڑتا ہے ۔ بڑی بڑی آفات راستے ہیں بیش آتی ہیں اور منزل مقصوف تک بہنجنے ہیں بہت مواقع اور دکا وہیں در بیشیں ہیں اور طول وطویل غیرمرئی مسافنوں کوسطے کرنا پڑتا ہے ۔ ب

عورکرنے سے پہمی معلوم ہوا کہ جا وت کے داستے ہیں گرناگرن ہلاک اور تباہ کن چیز ہیں مخفی ہیں ۔
اور بدکہ یہ داستہ خطرناک وشمنوں اور ڈاکو وُں ہیں گھرا ہوا ہے۔ اور بدکہ اس داستے کی شاخیں اور ڈروعات
سخت ہجیبیدہ ہیں \_\_\_ گراس داستے کا ایسامشکل اور سچیب یہ ہمونا صروی ہے کہونکہ بیجنت کا
داستہ ہے۔ اور جبت ہیں ہینچینا کوئی آسان نہیں ۔

، اورعبادت كا اتنامشكل بونا حصنور عليالصلاة والسلام كے اس ار شاد كى نصدين كرنا ہے - آہے

فرمایا ہے:

الاَوَإِنَّ الْحُنَّةَ مُحَفَّتُ بِالْمَكَ آيره مِن وَبَعِنت مَلان وَ الْمَدَنِ مِن وَبَعِنت مَلان اللَّهُ وَال وَإِنَّ النَّامَ مُحَفِّتُ بِالنَّهُ هُواتِ - مِرَّى اوروونت مِن المَدوونة مِن المَدوونة مِن

جائیں گے۔

م کو د بونت خاه من نفس کام کرنے سے حاصل موگی'ا در دودندخ میں لوگ شہوات کی بیروی کی وج م اوردونے میلے پیننگلاخ زین کی طرح سے اور دونے صحن میں زم وہموار زین کے ماندہے الى بارسے بى آب كا دوررا ارتا ديہ : الا قران الجنكة تحوّل برُبُوةٍ قران الكار من الكار من المجنكة تحوّل برنور الكار من الكار من

بعنی اقرل الذکرزین بس کا شند کر کے میل حاصل کرنا ندایت محنت طلب ہے۔

بھرعبادت سے تعلقہ شکلات کے ساتھ ساتھ انسان ایک کمزور فلوق ہے اور زمانہ طرح طرح کی سعو بتوں سے لبرنے ہے اور دبن کا معا ملہ ترتی کے بجائے تمزل کی طرف رجوع کر رہا ہے۔ بھر و زبری منعولیتیں بہت بیں اور عبادت کے واسطے و قت بہت مختفرہے۔ او معرانسان کی عرببت کم ہے اور مزید بیر کہ انسان اعمال سالحہ کی بجا آوری بیں بہت لاپر وائی کرتا ہے بعنی خشوع اور خصنوع و غیرہ کا بنیال بست کم رکھتا ہے۔ اور حس ذات نے اعمال کو بیکھنا ہے وہ انتہائی بھیرہے ۔ اور حس ذات نے اعمال کو بیکھنا ہے وہ انتہائی بھیرہے ۔ اور حس ذات سے اعمال کو بیکھنا ہے وہ انتہائی بھیرہے ۔ اور جس فرد میں ہے وہ بہت برانیا نبول کے ساتھ ساتھ موت ہزئا نبیر قریب آرہی ہے اور انسان کو جوسفر در بین ہے وہ بہت مول بیانیوں کے ساتھ ساتھ موت ہزئا نبیر قریب آرہی ہے اور انسان کو جوسفر در بین ہے وہ بہت مول بیا ہے۔

مندرجه بالاستکاب می گھرے ہوئے انسان کو بنتہ ہونا جا جیے کہ اس خطرناک اور صنروری سفر
کا تریشہ صرف جادت ہے ۔ اور سفریں نادِ راہ کا ہونا صروری ہے ۔ اور اس زادِ راہ کو فراہم کرنے کا وقت
اس نیزی سے گزر رہا ہے کہ ہرگز وابس نبیں آئے گا۔ تو جو نخص اس خفور سے سے وقت میں نادِ آخرت
تیا دکرنے ہیں کا بیاب ہوگیا ہمھو وہ نجات پاگیا اور اس نے ہمیشہ کی سعا دت ما مسل کرلی لیکن بس
المن نے اس انتہائی قیمتی وقت کو اس ولعب بی کھو دیا 'اور زادِ آخرت میبا نہ کر سکا تو وہ بلاٹ ک ناکام ا

ندکورہ وجوہات کے باعث بہ عبا دہ جس قدر شکل ہے اس سے کمیں زیادہ اہم بھی ہے۔ اسی
بیاس سفر بربگر بسند ہونے والے تخور سے ہیں۔ اور کھر جم کرانتقلال سے اس سفر کی منا زل طے کرنے
والے اس سفر بربگر بسند ہونے والے تخور تک بہنجنے والے ہی فلاکو بیا دے ہیں۔ انہی کوا مشرنے اپنی مجب
والے اس سے تفور سے ہیں۔ گر منزل تفسوذ تک بہنجنے والے ہی فلاکو بیا دے ہیں۔ انہی کوا مشہوط کرتا ہے۔
ومعرفت کے بیے بینا اور منتخب کیا۔ اور انہی لوگوں کورب تعالیٰ تزفیق و معمس سے ما تف مضبوط کرتا ہے۔
بھر یہی لوگ جنت فردوس کے منتی بنتے ہیں اور اس کی رہنا کا منام بیاتے ہیں۔ نوہم الشرتعالیٰ
سے جس کا ذکر میندہ ہے) انجاکر نے ہیں کہ وہ تم ہیں اور منبیں اپنی رحمت سے سعاوت مندکرے اور کا بیاب

اوگوں بین شامل کرسے۔

اسباب پر پردا پررا بررا بردا خرکیا اوران جیزول بیخر رکیا بون کا انسان فریفنه عبادت اداکرتے وقت مختاج ہے مثلاً عبادت کی استعلا واور فرت برنا استعملی طور پر بجالانا اس سے علی ضروری کم مختاج ہے مثلاً عبادت کی استعلا واور فرت برنا استعملی طور پر بجالانا اس سے علی ضروری علم ماصل کرنا اور دیگر صروری تعلی براختیا اکرنا جواللہ کی توفیق والمائنت سے ہی عمل میں لا فی جاسکتی ہو۔ اور خدا کی جمت سے ہی بندہ اس کی مشکل گھا ٹیوں کو عبور کرنے میں کا بیاب ہوسکتا ہے ۔ تو ہم نے سفر اور خدا کی جمت سے ہی بندہ اس کی مشکل گھا ٹیوں کو عبور کرنے میں جیسے اجباء علوم دین ""القربۃ الی لٹیر اور خدا کی دون میں جبادت کے دفائن وغوامین ریجٹ کی گئی ہے ۔ ان کتا بوں ہیں ایسی تحقیقات ہیں جن کو عامته ان س کے ذہن فہیں سجو کے توائن وغوامین ریجٹ کی گئی ہے ۔ ان کتا بوں ہیں ایسی تحقیقات ہیں میں میں میں میں ایسی تحقیقات ہیں کو میامته ان سرور عالمی کرنے ان میں میا ہیں کو میامته ان سے دون تو بی ان کی میامته ان میں میں اور او بینے سائل ور میا دی معنای سے ایک است و بلاغت و بلاغت اورا و بینے سائل اور میا دی معنای سے اعتبار میں ہور میں اور او بینے سائل اور میا دی معنای سے اعتبار میں ہور میں اسے بی شال ہے برگر مقرضی میں نے اس کے معنای ہور کی دون کے ان کا اور میا دی کھیا کہ دیا کہ دیا

بہ ذاکلے وقتوں کے تصنے کما نیاں ہیں -

إِنْ هَٰذَا لِكَا اَسَاطِئْوَالْاَوَّلِيْنَ .

اوركيا آي صفرت زين العابدين رضى الشرتعالي عنه كے بداننعار نبس سنے:

را) إِنَّ لَا كُنْتُمُ مِنْ عِلْمِي جَوَاهِمَ ﴾ ! كَيْلاَ يَرَى ذَاكَ ذُوْجَهُ لِي نَيْفُتَنِنَا

(٢) وَتَقَدُّ مَنِي هَا لَهُ الْهُوْحُسَين

رس، يَارَبِّ بَحُوْهُمُ عِلْمِي لَوْاَبُوْمُ رِبِهِ

رسى وَلَاسْتَتِ لَوْجَالُ مُسْلِمُونَ وَفِي

إِلَى الْحُسُنُ فِي وَوَصَّى فَبْلُهُ الْحُسُنَا إِلَى الْحُسُنُ فِي وَوَصَّى فَبْلُهُ الْحُسُنَا لَقِيلُ إِنْ انْتَ مِثْنَ يَعْبُدُ الْوَثَنَا يُورُنُ افْبُحَ مَا يَا تُونَهُ خَسَسُنًا

زجميه

د 1) مجھے اپنے کئی علمی جراہر ہارسے پونٹیدہ رکھنے پڑنے ہیں تاکہ مجلاء ان کی نہ تک نہ پینچنے کے باعث کمیں فنتنہ میں مبتلانہ کر دیں۔

و١) اورمجه سے بہلے بررے جدا مجد دسے علی صنی اللہ تعالیٰ عند) بھی امام صن وحسین رصنی اللہ عندا

كو فرماكت بين كه:

سروسی اللہ اگرین ابنے علمی مونی لوگوں کے سامنے ظاہر کردوں توجھے برکمیں سکے کہ بیتر کوکی کے ۔ (۳) جُت برسن ہے۔

د ۴) وه ایسے بُراسرارعلوم بیں کدان کوئن کرسلمان مجی میرسے تن کے دربے ہو جا بیں اور قتل کی ہسس بدتر بن حرکت کر درست خیال کریں۔

توبزرگان دین خبن کا درگاهِ ایز دی پی بلند تقام به نفنول اعتراضات کی پرواه نرکرنے برک کتابین تصنیعت فرمائی بسیمی برک کتابین تصنیعت فرمائی بسیمی اس ذات افدس کی طرف براجی سے بنعند گذرت بین تمام عالم خلق وا مرکی چیزیں بین کہ جھے ایک اس ذات افدس کی طرف بنتی برواجس کے نبعند گذرت بین تمام عالم خلق وا مرکی چیزیں بین کہ جھے ایک ایسی کتاب تصنیعت کرنے کی توفیق و سے جس برسب متنفق بول اورجس کو برسطے سے تمام کوفا کہ و بہنچ نواس دھیم وکریم ذات نے میری برالتیا قبول فرما ئی ۔ اس نے ابنے نف مل وکرم سے جما وت کے عجیب نواس حیم وکریم ذات نے میری برالتیا قبول فرما ئی ۔ اس نے ابنے نف مل وکرم سے جما وت کے عجیب غریب اسرار و در موز برمطلع فرمایا ، اور مجھے اس کتاب کی عجیب ترتیب و تدوین کا المام فرمایا ۔ ابنی ترتیب عرب اسرار و در موز برمطلع فرمایا ، اور مجھے اس کتاب کی عجیب ترتیب و تدوین کا المام فرمایا ۔ ابنی ترتیب میں میں نوروسفت کرتا ہوں ،

مست بہلے بندے کورب کی عباوت کی طرف جو چیز متوج کرتی ہے وہ التاری طرب سے بندہ کے دل میں عبادت کے دل میں عبادت کا خیال اوراس کی طرف سے نیک اعمال کی توفیق ہے۔ رب تعالیٰ کے اس قول میں اسی توفیق وخیال کی طرف اشارہ ہے۔ رب تعالیٰ کا ارشادہ ہے :

ضانان نعلی کامیدت سلام کے لیے کھول

دیا ہماس میں ضراکا ایک قرربدا ہوجاتا ہے۔

أَفَمَنُ نَتُمَ اللهُ صَدُركَ اللهِ سُكِرِمَ وَهُوعَلَى نُورِم مِنْ سَرَيْهِ -

اور حنور بربورنبی کریم صلی الله تعالیٰ علیه ولم نے بھی اسپنے اس از اور بی اسی کی طرف اثنارہ فرمایا ہے: رات النوس اِ ذَا دَخَلَ الْقَلْبَ اِنْفَسَعَ جب بندہ کے دائیں خداتعالیٰ کا فرردا مل ہوا

- باردلي وسمت الدرانترا پدا برماتا،

وَانْتَكُومَ ۔

صحابہ کام نے بنی صلی اللہ تعالیٰ علیہ ولم کی خدمت ہیں عرصٰ کیا یا رسول انٹر! اس تورا ورخیال کے بندوبیں آنے کی کیاعلامت ہے ، تواہب نے جواب دیا : ہسس فانی دنیاسے کنارہ کشئی 'آ خرت کی طرت رمج ع ، مونت آ نے سے بیلے موت کی تیاری ۔ اَلَتَجَافِيُ عَنْ دَارِالْغُمُ وُمِ وَالْإِنَاكَةِ إِلَى دَارِالْخُلُودِ وَالْإِسْنِعُكَا دُلِلْمُونِ تَبَلَّ دَارِالْخُلُودِ وَالْإِسْنِعُكَا دُلِلْمُونِ تَبَلَّ مُودِ لِلْمُونِ -

قرست بہلے بندے کے دل ہیں جب پینے اللہ اللہ تعالیٰ کی طرف سے انقاء ہوتا ہے کہ

بیں تواہد تعالیٰ کی قسم قسم معتوں میں ڈوبا ہوا ہوں جیسے زندگی کی نعمت۔ قدرت عقل بول جال اور دبگراعلیٰ صفات ولذات کی چیزیں اوراس نے بمرسے لیے ابیے اسباب بھی متیا فرائے جن کے ذریعہ بیں ابنے آپ کو تکا بیف اور نقشان دہ جیزوں سے محفوظ رکھ سکتا ہوں اور آفات سے ابنے آپ کو بچا سکتا ہوں اور کھر بندہ جب یہ بھی سوہ نجا ہے کہ جس نعم نے مجھے بیمتیں عطاکی ہیں وہ مجھ ان فعمتوں کا نشکہ اور ابنی خدمت کا مطالبہ کرسے گا ۔ اوراگریس نے نعمتوں بیٹ کراوراس کی خدمت منہ کی خود سے وہ مجھے بیمتیں مجھے ہیں ہے گا اوراس کی خدمت منہ کہا ورایک ڈنر منہ کی خود سے وہ مجھے ریف منہ اور نا دامن ہوگا اورایک ڈنر

اوربندہ بب بیمی خیال کرتا ہے کہ اس معم نے اپنی معرفت وفدمت کے آواب بنانے کے لیے ہماری طرف رسول بھیج بجن کوابیے ایسے معجزات عطا کیے جوانسانی عقل وطاقت سے باہر تھے ۔ انموں نے ہماری طرف رسول بھیج بجن کوابیے ایسے معجزات عطا کیے جوانسانی عقل وطاقت سے باہر تھے ۔ انموں نے ہمین کہ لے بند سے ہمینشہ سے کھا ہے ، جرچا ہے ادادہ فرمانی ہے ۔ اس نے مجھے بعض کام کرنے کا اور بعض نہ کرنے کا حکم دبا ہے ۔ اس نے مجھے عذاب دے گا اور طاعت کا نیک صلہ دے گا۔ اس ہے بہ کہ اگریں نے نافرمانی کی نومجھے عذاب دے گا اور طاعت کا نیک صلہ دے گا۔ وہ میرے تمام بہت یہ دامرار کو جانتا ہے اور سوکھ جمیری فکریس آتا ہے وہ اسے بھی جانتا ہے ۔ اور اس فی طاعت کرنے والوں سے تواب کا وعدہ فرما باہے اور نافر مانوں کو عذاب سے ورا باہے ۔ اوراس نے احکام شرع کی بجا آ وری مجھ برلازم کی ہے ۔

اُن تمام مندرجہ بالا بجیزوں کا بنیال کرنے سے بندہ کے دل میں بیہ بات راسخ ہوجاتی ہے کہ بیں ایک ممکن اور فانی بجیز ہوں کا بنیال کرنے سے بندہ کے دل میں بیہ بات راسخ ہوجاتی ہے کہ بیں ایک ممکن اور فانی بجیز ہمول ۔ میرسے اندر نود کورئی کمال نہیں اور مذہبی کوئی فرائی خوبی ہے ۔۔۔ ابنے تعلق بیرائے تا ایم کرنے میں عفل انسانی کوزیا دہ غوروٹ کرکرنے کی صرورت نہیں ۔

تزان تمام امور کا تصور کرنے سے بندے پراینے بروردگار کا نوف طاری ہوتا ہے اوروہ گھرا گھنا

ہے یہی گھراہٹ بندے کوخواب غفلت سے بیدارکرتی ہے۔ اور میں گھرا دینے والانفسورائم ہے جمت کرتا ہے اورانسان کے تمام بہانوں کو قطع کرکے رکھ دنیا ہے یہی خیال اسے آیات اللی بیرغوام فکر کے رکھ دنیا ہے یہی خیال اسے آیات اللی بیرغوام فکر کے رکھ دنیا ہے یہی خیال اسے آیات اللی بیرغوام فکر کے برجمبورکرتا ہے اوراس میں فکر کرنے پرجمبورکرتا ہے اوراس میں فکن واضطراب بیدا ہوجات ہے تربندہ ابنی نجات کی را فہ خلاش کرتا ہے اور جھول امن سکے ذرا نع خصونڈ تا ہے۔ کچھ توا بنے دماغ سے سوجیا ہے اور کچھ دو سروں سے معلوم کرنے کی کوٹ مٹ کرتا ہے۔ تربندہ اس کے سوا اور کوئی راستہ نہیں یا اکر کا نما ت بیں خور و ت کرکھے تاکہ خات کی معرفت اور پہان حاصل ہوا اور کوئی راستہ نہیں یا اگر کا نما ت بیں خور و ت کرکھے تاکہ خات کی معرفت اور پہان حاصل ہوا اور تربی کا مکلف بنایا ہے۔

توبیخورون کرکنا اورا بنے خال کے منعلق علم بغین حاصل کرنا بیلی گھا ٹی ہے بوطریق جیا دت
میں بیشیں آتی ہے ۔ اسے علم و معرفت کی گھا ٹی سے موسوم کیا گیا ہے ۔ بیعلم و معرفت اس بیے صروری
ہے تاکہ بندسے کو عبا دت کے معاملریں اہم معلومات کی واقفیت حاصل ہو'اور ناکہ اس داہ کو موج بچار
اور عورو فکرسے ملے کرے ۔ بیسوچ و بچارا ور عورون کرعلم و معرفت کی گھا ٹی میں واصل ہے ۔ بند سے
کرجا ہے کہ آخرت کی طرف داہ نما ٹی گرنے والے علی سے کھی اس عقبہ (گھا ٹی ) سیتعلق معلومات حاصل کرجا ہے کہ آخرت کی طرف داہ نما ٹی گرنے والے علی سے کرام سے بھی اس عقبہ (گھا ٹی ) سیتعلق معلومات حاصل کے رہے ماصل کے سے معلی اس عقبہ درگھا ٹی ) سیتعلق معلومات

ہم نے علمائے آخرت کی تخفیص اس بیے کی ہے کہ ایسے علماء ہی صراط مستقیم کی داہ نس در سکتے ہیں۔ ایسے علماء ہی اُمت کے دائن ہیں۔ توسفر کرسکتے ہیں۔ ایسے علماء ہی اُمت کے دائن ہیں۔ توسفر آخرت کے مسافر کو جا ہیے کہ ایسے ہی علماء سے استفادہ کرسے اورانی کی نیک دعائیں نے کہونکہ ایسے باکیزہ میں سے کہونکہ ایسے باکیزہ میں سے تاکہ بندہ ان کی باکیزہ میں میں معالی کی توفیق کے ذریعہ دا ہی آخرت کو طے کرسکے ۔

اس علم ومعرفت کے ذریعہ ان امور کا بقین بھی موجائے گاکہ، تیراایک معبود رہی ہے ہی کا کوئی شریب نہیں۔ مُنی نے محصے ببداکیا اور طرح کی نعمنوں سے نوازا۔ بندسے کواس کا بھی بقین ہوجائے گاکہ شریب نہیں۔ مُنی نے مجھے ببداکیا اور طرح طرح کی نعمنوں سے نوازا۔ بندسے کواس کا بھی بقین ہوجائے گاکہ اُس معبود برحق نے مجھے ان عطاکروہ نعمتوں کے شکر کا حکم دیا ہے اور نظا ہروباطن میں خدمت وطاعت کا اُس معبود برحق نے مجھے ان عطاکروہ نعمتوں کے شکر کا حکم دیا ہے اور نظا ہروباطن میں خدمت وطاعت کا اُس معبود برحق نے مجھے ان عطاکروہ نعمتوں کے شکر کا حکم دیا ہے اور تیا تیا ہے کہ اگر بندہ امر فربا با ہے۔ اور تی فیصلہ مُن دیا ہے کہ اگر بندہ امر فربا با ہے۔ اور تی فیصلہ مُن دیا ہے کہ اگر بندہ

اس کی خدمت وطاعت کرسے گا تروہ آخرت بیں اسے غیرفانی صلہ اور برلہ عناشت فرمائے گا' اور افرانی و مرکشی کرنے والے کو وائمی عذاب بیں مبتلا کرے گا۔

توریقین ومعرفت بندسے کواپنے مالک ومولیٰ کی خدمت وطاعت پرا بھارتے ہیں اور اسس اس کا کی خدمت کی ترغیب دیتے ہیں جس نے اس کو ہرسم کی خمیس عطا فرمائیں ۔ اور بندہ اگر خلوص سسے اس آقاکی تاسشس کرسے تواسے پابھی ہے۔ اوراس کی پیچان ومعرفت ہوجا ہے با وجود یکہ بہے اس جابل ہوتا ہے۔

اگرچ بندہ اس معرفت وبہجان سے رب تعالیٰ کی عبادت وخدمت کی طرف راغب ہوتا ہے لیکن اسے یہ معلوم نبیں ہوتا کہ اس کی عبادت کیسے کی جانی ہے۔ اوراس کے بیے بندہ کے ظاہر باطن میں کیا کیا ہے یہ معروری ہیں۔ اس بیے مذکورہ علم دیفین کے ساتھ ساتھ ان فرائفن کو سیکھنے کی ضرور ہے ہی تی گیا گیا ہے جن کا تعلق بندہ کے ظاہر و باطن کے ساتھ ہے۔ بیس بندہ جب فرائفن کو اجھی طرح جان لین اب انبین عملی طور پر بجالانے کا اوادہ کرتا ہے جب شروع ہونے لگتا ہے توا بنے آب کو طرح طرح کے گئا ہوں اور معاصی سے طورت پاتا ہے۔ اور یہ اکثر لوگوں کا حال ہے۔

وجب بندہ اپنے گناموں پرنظرکر نا ہے تو دل ہیں کتا ہے کہ بن جارت کی طرف کیسے متوجہ ہوسکتا ہوں ، جبکہ میں گناہ کو ان اور جبکہ میرا ظاہر وباطن گناموں کی نجاست سے آلودہ ہے یعادت کی طرف متوجہ ہونے سے قبل مجھ پر لازم ہے کد گناہ ہوں سے بچی تو بد کرون تاکد گناہ ہوں کے بعادت کی طرف متوجہ ہونے سے قبل مجھ پر لازم ہے کد گنا ہوں سے بچی تو بد کرون تاکد گناہ ہوں کی نجاست سے باک ہورکوں ۔ اور معاصی کی مندگی کی بساط بچھا سکوں ۔ تو گنا ہوں سے باک ہونے کے بیے جبا دت کی طرف متوجہ ہونے سے قبل تو برگی گی ان جھا سکوں ۔ تو گنا ہوں سے باک ہونے کے بیے جبا دت کی طرف متوجہ ہونے سے قبل تو برگی گھائی عبور کرنا پڑتی ہے ۔ اس گھائی کو عبور کرنا پڑتا ہے ، تاکہ اللی کا تو بہت کو اس بنا پر بندسے کو نفر دری طور پراس گھائی کو عبور کرنا پڑتا ہے ، تاکہ اللی مقصم و کی طرف متوجہ ہونے کے لائن ہم پی کے ۔ اس بیے بندسے پر لازم ہے کہ پورسے ادکان تشرا لکھا کی کو عبور کرے بوب تو بدسادتی نعیں بوجائے کے ساتھ تو بوبر کے ساتھ تو بوبر کے ساتھ اس گھائی کو عبور کرے بوب تو بدسادتی نعیں بوجائے اور بیم صلہ طے کرنے تو تو بادت کی طرف متوجہ ہو۔

ر مرکو جب بنده توبه سے فارغ ہوکرعبا دت کی طرف منوجہ ہوتا ہے نوعبا دن کوہمی طرح طرح مرکو جب بندہ تو بہ سے فارغ ہوکرعبا دہ اسی کی طرف منوجہ ہوتا ہے نوعبا دن کوہمی طرح طرح کی رکاوٹوں اورمشکلات بیں گھرا ہوا یا تاہے۔ ہررکا وٹ اپنی نوعیت کے اعتبارہے اسے جا دت سے روکتی ہے ۔ اورعبادت سے روکنے والی اصل میں چارجیزیں ہیں :

د ۲ ) لوگوں سے بیل جول -

۱۱) دنیس ـ

رمه ، نفسس

رس)سنيطان -

لنذا بیلے ان میار چیزوں کوراہ سے بٹانا اور دورکرنا صروری ہے۔ وربنہ بندہ اپنے تقصدین كا بياب نيبن موسكتا - نزان جارجيزون كوجا رطريقوں سے دُوركرے :

(۱) دنیا سے نطع تعلقی کرے ۔ (۱) لوگوں سے بیل جرل زک کرے ۔

رس ابلیس سے محاربہ اور جنگ کرے ۔ رس نفس بیخی کرے ۔

مرانس بالكريان است زياده شكل م من توبنده است بالكل يدنياز موسكا مواكن م اورنهي شبطان کی طرح اس برصرسے زیا دو پختی کی جاسکتی ہے کیونکہ عبا دت کی منزل طے کرنے کے بیے یہ نفس بى بندسے كى سوارى اور آلەر ذربعه ب- اوراگر جنفس عبادت كا آلدا در ذربعه بے گرعبادات پر اس کی موافقتت ومطابقتت کی بھی ایرنہیں کی جاسکنی کیونکہ نیک کام کی مخالفنت نفس کی جبکنت میں داخل ہے۔ بہ نولھ ولعب کا مشتاق ہے۔ اس لیے اس سے کام بینے کے بیے دنوری ہے کہ اسے تفویٰ کی لگام دی جائے۔ تاکہ یہ بندسے بیں رہے توسی گرمطیع و قرمال پر دار ہوکر'نہ کہ مکرشس د باغی ہوکر: ناکہ حسب صنرورت نیک کا موں میں اس سے کام بیا جائے اور فسا وانگیز دہلاک کو اُمورسے

جب بندوان جارج زول کورانسے۔ سے مٹا دیتا ہے اور خدا کی امدا د واعانت سے اس مرصلے کو بعى طے كرىتا ہے اور عبادت كى طرىت منوج من ا ہے نواب جندا ورموانع اسے بنی آتے ہی جوعادت كے بيے فراغت، ول جمعي اور كيونى بيدانبيں بونے ديتے۔ اور بيرانع بھي تعداديں جارہي : ا وَل رزف ركبونكم نفس اس كامطا به كرتاب اور بندے كے دل ميں يه وسوسه وات بے كرزے یے رزق اور غذا منروری ہے۔ اگر تو دنیا. سے کنار کشش ہوگیا اور مخلوق سے علیٰحدگی اختیار کر لی تو تیری غذا اوررزن کهاں سے مبتیا ہو گا۔

دوسرا عارضه ووخطرات دنجالات بسجوبندے كے دماغ بي براكس چيز كے معلق بيدا ہوتے

ہیں جس سے انسان دنا ہے ابھی جیزی اُمیدر کھنا ہے بچھے پیندیانا بیندنفسور کرنا ہے۔ اسے نہیں معلوم ہونا کہ اس کام میں میرسے بیے بھلائی ہے یا خرابی کیونکہ اُمور دنیا کے نتا کج پوٹ بدہ ہیں ۔ نوبندہ انسی خیالات میں کھوجا تا ہے اور بسا او قات براگندہ نجالی کے باعث ہلاکت و تماہی میں حافرتا ہے۔

یک مون میر می سے جما دت کرنے میں نیٹ را عاد صند یہ ہے کہ بندہ جب خلوص فلہ ہے جما دن کی طرف منوج ہوتا ہیں جسکوسا کی طرف منوج ہوتا ہے تو جاروں طرف سے دُنیوی مصائب و کا بیف اُکھ کھڑی ہوتی ہیں جسکوسًا جبکہ بندہ خلن سے علیا حدگی ، نتیطان سے جنگ اور نفس کی مخالفت کرنے پر آ ما دہ ہوجائے ۔ نوان مصائب مشکلات کو ہر دائشت کرنے وقت کس فدر غصر مینیا بڑتا ہے اورکیب کی خینا انجھ بینی پڑتی ہیں اور کینے میں و در کتنے میں و ولال ہیں گھ کنا پڑتا ہے اورکیب کیسی بھیا ناکسیب بنیں آتی ہیں ۔

عبادت کے سلسلے ہیں بچی نقا عارصنہ تعنائے خدا وندی ہے ۔ جو فتلعت نوعینوں ہیں بندسے پر وارد ہونی ہے بینی کہی آرام ، کہی کیلیعت ۔ اور نبدسے کا نفس طبعًا نشرارت و فقنے کی طرف ما کل ہے عقد ہیں مبلدی آجا تا ہے ۔ نوعیا دت میں بجیٹوئی بیدا کرنے کے بیے ان جا رمندرہ بالا عوارض کی گھاٹی بھی عبود کرنا بڑتی ہے ۔ کی گھاٹی بھی عبود کرنا بڑتی ہے ۔

برعوارص اربعہ جارج وں سے ذربعہ دفع ہوسکتے ہیں:

رن رزق مح معالمه من خلانعالی برزکل کرے۔

د ۲) خیالات وتفکرات کے بجوم کے وقت اپنے معاملے کورب کے حوالے کرے۔

ر ۲) میکالیف ومصائب بیش آنے برصبرکریے۔

رس قفنائے النی برراضی رہے۔

جب بنده الشدنعائی کے افن اس کی تاثیداورنظرت سے ان عوارفن اربعہ کو نطع کر کے عباد
کی طرف متوج ہوتا ہے تو ابنے اندرنظر کرنے سے صوس کرتا ہے کہ بمرانفس نبک کام کرنے ہیں ہے س
کے طرف متوج ہوتا ہے تو ابنے اندرنظر کرنے سے صوس کرتا ہے کہ بمرانفس نبک کام کرنے ہیں ہے تا کہ در بعث اور بہت ہوتی اور نکیوں

بر طرف جی طرح را عنب ہونا جا ہے واعب نہیں ہوتا ۔ بلکہ اس کا زیادہ تر رجحان عفلت نہیکیوں سے
تفرت ہے ام طبعی، لغو، جیمودہ اور جا بلانہ ہاتوں کی طرف رہتا ہے۔ اس بھے ایک ایسی چیز کی منرور

بر تی ہے جونفس کوان خوابیوں سے رو کے۔ اورابسی شنے کی منرورت بڑتی ہے جوا سے امور خیر کی طرت را منب کرے۔ اورعبادت کی مجت اور شوق عبادت اس میں پردا کرے۔

توخرابیول سے رو کنے والی اور نیکیوں کی طرف متوجد کرنے والی دو بینی بن خوف و دیجاء ہیں۔

رجاء تو بہ ہے کہ بندہ طاعت وعبادت کے سلمیں بہت بڑے تواب کی ابید رکھے اورالشرفعا نے نے جوجنت کی عمدہ عمدہ نعمین عطاکر نے کے اسے علیے ۔ یہیں ان براحتما داور بھین کرے۔ نوابر عظیم کی امیدا ورجنت بی عمدہ عمدہ نعمیوں سے لطعت اندوز ہونے کا بھین بندے کے بیے نیک کام کرنے کا ابیدا ورجنت بی عمدہ عمدہ نعمیوں سے لطعت اندوز ہونے کا بھین بندے کے بیے نیک کام کرنے کا باعث و ذریعہ نبتا ہے۔ طاعات کی ترغیب دیتا ہے اور دل بیں اعمال صالحہ کی تخریک بیداکرتا ہے ، اور عبادت کے جذبے کی بیداکرتا ہے ، اور عبادت کے جذبے کی بیدارکرتا ہے۔

اور خوت برہے کہ انسان ہرونت رب تعالیٰ کے در دناک عذابوں سے فرزنارہ اوران مزاد س ادرعذابوں کا نفستور فرہن میں رکھے ہونا فرمانی اورگنا ہ کرنے وائوں کو دیے جائیں گے۔ ایسا خوت جب بند سے کے دل میں دائخ ہوجا تا ہے توبندہ اس خوت کے باعث گنا ہموں سے باز دہتا ہے۔ اور دل میں گنا ہموں سے نفرت پرباہم جاتی ہے ہے تکہ خوت ورجاء بندے کرجا دت پرا ہمارتے ہیں اس لیے ہس گما ٹی کا نام عَقَبَدُ اُلْہُوَا عِنْ رکھا گیا ہے۔

جب بنده خوت ورجاء کی مندرجر بالاگها ٹی السّرتعا کی کے نفسل اوراس کی ایدادواعا نت سے بور کر لینیا ہے اوراصل مفلسو دیعی بجادت کی طرف منز جر مزنا ہے تواب اسے بچرکو ئی اور دل جمبی سے بجادت کی طرف منز جر مزنا ہے تواب اسے بچرکو ئی اور دل جمبی سے بجادت کر سے بیں کوئی جبز بانع اور عارض نہیں ہوئی ۔ بلکہ وہ ا بہنے اندرا پیے اوصا ف با ناہے اورا بیے جذبات محسوس کرتا ہے جو اسے بجادت کی طرف ترجیب اور طاعت واعمال صالح کی دعوت دینے ہیں۔ تواب اسے بجادت کرنے وقت نشاط و مرورا و رلذت و راحت ماصل ہموئی ہے اور برجادت پر دوام نسیب ہوتا ہے۔ گریکا یک دوران عبادت دواور بڑی آفیتی مزکالتی ہیں۔ ایک دیبا ، دو مری عجاب ۔ بعنی این ناہے کی موران عبادت دواور بڑی آفیتی مزکالتی ہیں۔ ایک دیبا ، دو مری عجاب ۔ بعنی اینے منعلی نیک اور بالی کا بینا بینے کہی توابی عبادت کو اس طرح خواب اور نباہ کرتا ہے۔ کہ دورمروں بیظا ہم کرتا ہے ۔ اور کبھی اینے آپ کوئیک اور باکیزہ خیال کر کے اپنی نیکیاں ضائع کر دیتا ہے۔ کہ دورمروں بیٹا ہم کوئی گری اینے آپ کوئیک اور باکیزہ خیال کر کے اپنی نیکیاں ضائع کر دیتا ہے۔ کہ دورمروں بیٹا ہم کوئی گری ایس اور اسے عقب کہ الفتواج ہے کہتے ہیں بین بی بی بی بوئی جو جوادت ہیں اسلامی اور دب نعال کے گوئاگری اصانات کو ذہن ہیں موٹولار کھتے ہوئے بندہ اس مشکل گھا ٹی کوئی فعدا

کے فضل وکرم اس کے افن اور اس کی رحمت سے برری امتباط اور دانش مندی کے ساند عبور کرنا ہے۔ اکد اس کی نیکیاں ریا وعجب وغیرو جیبی آفنوں سے سالم ومحفوظ رہیں۔

جب ان مندرہ بالا و شوارگزارگھا ٹیوں سے گزرجا تا ہے تواب کما سخد عبادت بجالا کے قابل ہوتا ہے اوراب اس کی بندگی تمام عبو ہے نفائس سے باک ہوتی ہے۔ ببئن جرجب بندہ اپنے حالاتِ ندکھی پر نظر کرتا ہے تواہیے آب کورب تعالیٰ کے بیشما راحمانات ' بیشمار عطاؤں اور خور خور کم نفر ندگھی پر نظر کرتا ہے تواہیے آب کورب تعالیٰ کے بیشمار احمانات ' بیشمار عطاؤں اور خور خور نما کہ معتوں بیں خور کہ وغیرہ وغیرہ وغیرہ ۔ توان احمانات اور نمشوں کو بھر خور کے دو میں محفر فات بر عظمات وزرگ وغیرہ وغیرہ و توجہ ہوتا فان نہ ہوجاؤں اور کفر افیات کے گئی میں ان کے شکر سے عافل نہ ہوجاؤں اور کفر افیات کے گئا ہ بیس مبتبالا نہ ہوجاؤں ' اور کفر ان نمست کے باعث کمیں اس کے خلص خدام کے بلند زنب ہے گریہ جاؤں ' اور ناشکری کونے سے بیمتی مجھ سے کہیں جھیں نہ جائیں ' اور بی اللہ نواکی نظر کرم اور اس کے فروجہ ہوتا ہے ' اور کفر زنب کر کے اس سے فارغ ہونے کے بعدود ا بنے آب کو ۔ کو در بیاس کے فریجہ اور ابنے مطلوب کو سامنے با تا ہے ۔ اس سے فارغ ہونے کے بعدود ا بنے آب کو ۔ کو منظور دے قریب اور ابنے مطلوب کو سامنے با تا ہے ۔

چنائچاس کے بعد مسافت طے کرنے سے بندہ التّذنعائی کے الطاف کی رم زبن اور شوق وجہ کے میدان میں جائینچنا ہے ۔ پھر رسا ہے یا غات ، انس کے گلسناں اور روحائی فرحتوں کے منفام پر بہنچ جاتا ہے۔ اب اسے فعا کا قرب خاص عطا ہوتا ہے اورا للّہ تعالیٰ سے مناجات کرنے والول کی مجلس میں جگہ بالبناہے ، اوراس کی طرف سے خاص انعامات واکرا مات سے شرف ہوتا ہے تو نبدہ مجلس میں جگہ بالبناہے ، اوراس کی طرف سے خاص انعامات واکرا مات سے شرف ہوتا ہے تو نبدہ ان فعمنوں سے لطف اند وز موتا ہے اورا بن عمر کے بقید ریام روحائی راحت و سرور ہیں بسرکر تا ہے۔ بیاں نوظا ہری جیم کے اغتبار سے آرام باتا ہے اورا ترقیت میں روحانی اغتبار سے -

ایساانسان ہرونت بیغام اللی تعین اس دنیاسے کوچ کرنے کا منتظر رہتا ہے۔ اس کا دل
وزیاسے اچا ہے ہم جوجاتا ہے۔ دنیا کو حقارت کی نظرسے دیجیتا ہے یموت کا مشتاق رہتا ہے اور
طاء اعلیٰ کے ساتھ کمی ہونے کا نوا ہشمند رہتا ہے یہ بنیا بخد خدا کے قاصدا جا نکساس کے پاس جنت
کی نونٹی ری اور جنت کے فرسٹنے جنت کی خوشہوئیں ہے کرانا نٹروع ہم جاتے ہیں اوراس کو پاک وے
کی نونٹی ری اور جنت کے فرسٹنے جنت کی خوشہوئیں ہے کرانا نٹروع ہم جاتے ہیں اوراس کو پاک وے

مترت انگبزبتنارت اورکال اُن میبار کے ساتھ اس دارفانی سے جنت کے باغات کی طرف منتقل کرتے ہیں۔ وہاں یہ مومن اپنی هنعیف و جنبے وائمی فعمتیں اور میبت بڑا لک باتا ہے اور نفام و فنسل دکرم کرنے والا معربان رہ اسے مرجبا کہتا ہے۔ ابنا قرب خاص عطا کرتا ہے، اور انعام و اکرام کرنے ہوئے اس سے ملافات کرتا ہے۔ یہ مومن بندہ وہاں ایسے انعامات سے نوازا جاتا ہے۔ اگرام کرنے ہوئے اس سے ملافات کرتا ہے۔ یہ مومن بندہ وہاں ایسے انعامات سے نوازا جاتا ہے جن کے بیان سے بیان کرنے والے عابر زہیں۔ اور صفت کرنے والے جن کی صفت نمیس کر سکتے۔ اس کے بیان سے بیان کرنے والے عابر زہیں۔ اور صفت کرنے والے جن کی صفت نمیس کر سکتے۔ اس کر جمیب نئی نئی اوراعلیٰ اعلیٰ اور عمدہ عمدہ تعمین عطا ہوتی رہیں گی .

نوابیے انسان کوکنتی ٹری سعادت نصبب ہمرتی ہے۔ ادریہ مومی کتنی ٹری دولت کا مالک بن جا تا ہے۔ ابینے خص کو جا تا ہے اور کتنی غطیم کا بیابی حاصل کر لیتیا ہے 'اور کیسی بلند شان کا حامل بن جا تا ہے۔ ابینے خص کو ہزار ہمارک کیو کمراس کا انجام مبت ابجھا ہے ۔۔۔ ہم بھی دریا رایز دی میں النجا کرتے ہیں کہم برجھی براحسان ظیم فرمائے 'اور عمیں بھی اس فعمرت غطی سے نوازے ۔۔۔ اور رب تعالیٰ کے بیے یہ کوئی شکل نہیں ۔

ہم دربار فلاوندی بیں بیھی دعاکرتے ہیں کہ وہ ہمیں ان لوگوں میں سے ندکرہے جن کو اس احسان فلیم سے زبانی بیان، سرف سننے، سرسری علم اور وقتی آرز دیے سوا حالی طور برکر کی کھر نہیں لا۔
ہم بیھی دعاکرتے ہیں کہ قیامت کے روز ہما راعلم ہم برجمت مذہبنے ۔ اوراللہ تعالیٰ سے النجاکرتے ہیں کہ وہ ہمیں اس بیمل کرنے کی توفیق وے اور بھی میں استقامت دے ۔ وہی سے بہتر رجم و ہیں کرم کرنے والا ہے ۔۔۔ اور ہما دے صنور وونوں ہمان کے سردار قرر دیول اللہ برلا تعداد مساؤہ وسلام نازل ہو اور آب کے اسحاب اور آب کی آل بر بھی ۔ اوراللہ تعالیٰ انہیں زیا وہ سے زیا وہ شرت وعزت عطافہ الے ۔

بیہ ہے اس کتا ب کی نرتیب ہو مبرے مونی نے عبادت کے سلسلے میں مجھے الدام فرمائی۔
اسے عزبز از جان ااب تو الشرنعان کی نو بنن سے یہ جان کہ کل سات گھا مجیاں بنتی ہیں ۔ بہا علم
کی۔ دوسری تو بہ کی ۔ تبیسری عوائق و موافع کی ۔ چوتھی عوار من کی ۔ پانچویں بواعث بعنی عبادت برا بھا تے
والی جیزوں کی جھبٹی نواد ج بعین ان چیزوں کی جوعبا دت ہیں خوابی پیدا کرتی ہیں۔ ساتویں حمد وشکر کی۔
اس کتا ب منہاج العا بدین میں انبی سات عقبات کا ذکر ہے ۔

اب ہم ہرایک کی اس طرئ نٹرج کرتے ہیں کہ الفاظ آد مختضر ہموں گرتمام نٹر دری نکتے ہیا ن بھی ہر جہ ہرایک کی اس طرئ نٹرج کیلئے دہ علیٰ کہ الفاظ آد مختضر ہموں گرتمام نٹر دری نکتے ہیا ن بھی ہر جہ ہرایک کی نٹرج علیٰ کہ وہ علیٰ کہ وہ باب میں کریں گے ۔ الشّد سبحانۂ و تعالیٰ ہی توفیق کا دینے والا ہے اوراس کے کرم سے ہی بیان دعمل میں درستی بر قرار رہ سکتی ہے ۔۔۔۔۔۔ وَکَالْحَوْلُ وَکُلُونُونَةُ اِلْکَا مِلْکَا الْعَظِیْ الْعِیْ الْعِیْ الْعَظِیْ الْعَظِیْ الْعَظِیْ الْعِیْ الْعَظِیْ الْعَظِیْ الْعِیْ الْعِیْ اللّٰ الْعَلَیْ اللّٰ الل

# بهلي كمها في علم كريب ان من

مرن بی ایک آیت نفنیلت علم کے ترت کے بیے کانی ہے۔ فاصکر علم نوجید کے بیے: مرن بی ایک آیت نفنیلت علم کے ترت کے بیے کانی ہے۔ فاصکر علم نوجید کے بیے: ری ری حکا خکفت الجِت وَالْإِنْسَ لَاکا ہے۔ بی نے جن اوران از ن کو مرت اپن عبادت

مروودی و کیا ہے۔ کے بیدیاکیا ہے۔ لیمندان ون ور کی اس کے دیا کیا ہے۔ اس مند کر مرد کی اس کے دیا کیا ہے۔ اس کی دیا کی

یہ این کربر نز انت عبادت کے نبوت کے بیے کائی ہے۔ اس آبت سے برمعلوم ہوا کہ ندسے بہ آین کربر نز انت عبادت کے نبوت کے بیے کائی ہے۔ اس آبت سے برمعلوم ہوا کہ نبدسے

#### منهاج العابدين أردو

برا بنے رب کی بندگی لازم ہے۔ نواس علم دعبا دت کو ہی سے زیا دہ عظمت والی بجز تصور کرنا چا ہیے۔
کیونکہ ببدائن کا کنات سے تغصر دانسی دو بجیز دن بیں کمال حاصل کرنا ہے۔ اس بیے بندے کو جا ہیے
کہ انسی دو کے ساتھ مشتغول رہے۔ انہی دو کے حصول کے لیے شقیس بر دانشت کرے اور انسی
دو بیں غور ومن کرکڑ تا رہے۔

اسعزیز! نوبین کرکمان دو کے سوا ہو کچھ دنیایی ہے سب باطل ہے کہ اس میں کوئی مجلائی شہیں۔ اوران کے علاوہ ہو کچھ سے بجھ حاصل نہیں بجب نیرے ذہن بی علم و عبادت کی اہمیت اگئی تواپ بدیات ہے کھی کے علاوہ سے بجھ حاصل نہیں بجب نیرے ذہن بی علم و عبادت کی اہمیت آگئی تواپ بدیات ہے کھی کے علم عبادت کی اہمیت آگئی تواپ بدیات ہے کہ کے علم عبادت سے افعنل وائٹرون ہے۔ اسی بیے نبی کریم صلی الند علیہ ولم نے فرایا:

عالم کی فغیبلت عا بدہرایس ہے جبیبی میری پیے ادنی امنی پرر إِنَّ فَضُلَ الْعَالِعِ عَلَى الْعَالِدِ عَلَى الْعَالِدِ كَفَضِ لَى عَلَى الْعَالِدِ مَعْلَى الْعَلَى الْعَلَ الْعَلَى الْعَلِى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلِى الْعَلَى الْعُلَى الْعُلِي عَلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلِي الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى الْعُلَى ال

عالم کی طرف ایک با دنظر میرے نزدیک مورس روزے رکھنے اور مورس دات کوڈوافل پڑھنے سے بہنرہے ۔

ابك ادرمگرات نے فرمایا: اگذا کُدُکُتُوعَلَیٰ اَشْرَفِ اَهْلَالْکُتُهُو قَاکُوٰ ابکیٰ یَارَسُولَ اللّهِ قَالَ هُ ہُرُ عُکمیُ آغِ اُمِینیٰ یہ عُکمیُ آغِ اُمِینیٰ یہ

کیابی تمبی ست زیاده بلدم زندوا مع منتی دیاده بلدم زندوا مع منتی دیاده بلدم زندوا مع منتی منت از می این منت کے ملیا دیں ۔ ترایب فرایا کہ وہ میری اُمت کے علما دیں ۔

مندرجہ بالااحادیث سے نابت ہڑا کہ عبادت سے علم افضل ہے لیکن علم کے ساتھ ساتھ بجاد کھی ضروری ہے۔ بغیرعبا دت علم کا کوئی فائدہ نہیں۔ کیونکہ علم درخت کی بانندہے اورعبادت بھیل کی طرح و اور درخت کی فدر مجیل سے ہمونی ہے 'اگر چردرخت اصل ہے ۔ لاندا بندسے کے بیعلم وعباد دونوں کا ہمونا صروری ہے۔ اسی بیے صفرت حسن بھری رحمت اللہ علیہ نے فرایا رعام کو اس طرح حاصل دونوں کا ہمونا صروری ہے۔ اسی بیے صفرت حسن بھری رحمت اللہ علیہ نے فرایا رعام کو اس طرح حاصل کے دوکہ عام کو انتقابان نا ہموں اور بہ بڑی بجنت ہم کے دوکہ علم کو نقصان نا ہموں اور بہ بڑی بجنت ہم کہ دوکہ علم کو نقصان نا ہموں اور بہ بڑی بجنت ہم

بات ہے کہ علم عبادت دونون منزوری ہیں۔ گریہ علم حاصل کرنا ضروری ہے۔ کیونکہ علم عبادت کی بنیاد اوراس کا رمبنا ہے۔ اسی بیے بنی کریم مسلی اللّٰہ تعالیٰ علیہ ولم نے فرایا:

اَلْعِلْمُ إِمَا مُرالْعَكُ لِ وَالْعَمَلُ مَا يِعُدُ - علم على بنياد بادر مل اس كة الع ب-

علم کاعبادت کی اصل ہونا اورا سے عبادت سے پہلے عاصل کرنا دو وجہ سے ضروری ہے:

ایک اس بیے تاکہ بندہ رب کی جادت کر سکے اوراس عبادت کوتا معیوب و نقائص سے محفوظ رکھ سے بیر کہ بندے برلازم ہے کہ پہلے اپنے معبود کر ہیجا نے اور پھراس کی عبادت میں مصروف ہو۔ اور بندہ اپنے معبود بری کی عبادت کری کیسے سکتا ہے جبکہ اسے یہ علوم نہ ہو کہ اس معبود کے نام کیا ہیں۔

اس کی صفتیں کیا ہیں ' اور کون سے چیزیں اس کی نشان کے لائق ہیں اور کون سی بائیں اس کی نشان کے فلات ہیں۔ بہا اوقات ایسا ہوتا ہے کہ جہالت کی بنا پر بندہ اپنے معبود بری کے لیے ایسی صفتوں پاغت اور اس سوءاغتقا دی کے بیا دی صفتوں پاغت عبادت صفائع ہو کہ تان کے دائی تعییں ہوتیں۔ اور اس سوءاغتقا دی کے باعث عبادت صفائع ہو جانی ہے۔ ہم نے اس عظیم صطر سے کی چربی طرح اپنی کتا ب احبکاء العکوم کے باب سُوء خانہ م

پھواسے عزیز ابخھ پرلازم ہے کہ ان تمام فرائفن و واجبات نشرعیہ کاعلم ماصل کرہے جن کا تخصیکم ویا گیا ہے ہاکہ انہیں میجے طور برا واکر سکے ۔ اوران تنام امور کا بھی علم حاصل کرہے جو نا جائزا ورخلاف ترج ہیں، تاکہ ان سے بڑے سکے ۔ ورنہ جب تک طاعت وعبا دت کی حقیقت، نوعبت اورکبغیت ادامعسلوم نہ ہو، اس کی میجے بجا آ وری کیسے ہو سکتی ہے ۔ اور حبب تک یہ علوم نہ ہو کہ یہ یہ چیزیں گناہ براس و نت نہو، اس کی میجے بجا آ وری کیسے ہو سکتی ہے ۔ اور حبب تک یہ علوم نہ ہو کہ یہ یہ چیزیں گناہ براس و نت کی کیسے ان سے پر بہز ہو سکتی ہے ۔ اور حبب تک یہ علوم نہ ہو کہ یہ یہ چیزیں گناہ براس و نت کیکھیان سے پر بہز ہو سکتی ہے ؟

اس پیے بیلے عبادات نترعیہ جیسے طہارت، نماز، روزہ وغیرہ کی حقیقت، ان کے جملہ احکام اوران کی تمام نٹرائط معلوم کرنا صروری ہیں۔ اور کھیرہ کی درست طریقہ سے ان کوادا کیا جاسکتا ہے۔ بیٹی کے سبب بہت ممکن ہے کہ انسان برسوں اور مدتوں ایک ایسے علی کو نیک خیال کر کے کرتا رہے، جو درخقیقت اس کی طہارت اوراس کی نمازوں کو نواب کر رہ ہو۔ بلکہ طہارت اور نماز بی ضلاف سنت طریقہ برادا ہوتی رہیں۔ اور کرنے والے کو بالکل علم نہ ہو۔ اور بعض اوقات ایسا بھی ہوسکتا ہے کہ جب کو نی منتوں سند در بیٹیں آئے تونہ تو وہ خود رسیکھا ہوا ور منہ می بروقت اسے صل کرنے والا کوئی کے تود تت اسے صل کرنے والا کوئی کے تود تت

ہوگی ۔

پیمرظاہری عبادات وطاعات کی فہولیت کا دارو مدار باطنی اخلاق فاضلہ بہہ جودل سے تعلق رکھتے ہیں۔ اس بیصان کا جانتا بھی فنروری ہے۔ جیسے ڈکل کی تغیقت، تغریف، رہنا ہمبر، تزیدادرا فلاص وغیرہ کے معانی ، جن کا مفصل ذکران شاءالترنعائی ابھی آئے گا۔ ان کے ماتھ ماتھ ان اور کے معانی کا جانتا بھی فنروری ہے جو باطن کے عیوب ہیں اور جو زُوکل ، صبراور رہنا وغیرہ کی ان امور کے معانی کا جانتا بھی فنروری ہے جو باطن کے عیوب ہیں اور جو زُوکل ، صبراور رہنا و خروری کی مندیس ۔ جیسے غفتہ، طول آئل ، ربا اور نکر وغیرہ کی کہ کہ کہ کہ ان خصائی د ذبلہ کو دور کرنے کا حکم اپنی کتاب میں واضح استر تعالیٰ نے اخلاق فاضلہ پراکرنے اور خصائی د ذبلہ کو دور کرنے کا حکم اپنی کتاب میں واضح طور ردیا ہے۔ تو کل کے منعلی فر بانا :

اودانشريبى بعروس كرواگرتم ايماندارم.

ن نیم را تیا گاه اورا بنی رب کاشکرکرداگر تم اس کی مجادت کرتے ہو۔

صبركرو اورتم الندتعانى بى كى تدفيق سے مبركر يكتے ہو

تمام سے علیٰمدہ ہوکرصرف اسی کے بیے ہوجاؤ۔

رَا شُكُمُ وَارِللْهِ اِنْ كُنْ تُعُرِاتِكَاءُ وَاشْكُمُ وَارِللْهِ اِنْ كُنْ تُعْرِاتِكَاءُ تَعْبُدُونَ ه

صبر کے منعلق ارتباد ہونا ہے: واضیبر وکھا صَبر کا اللهِ م تفویق کے منعلق برن ارتباد فرایا: وَنَبُنَتُلُ إِیدُهِ نَبْرِیْدُهُ

اسی طرح اور محمی کئی آبات بین جن بین اخلاق فاصلد سے منعمت ہونے کا حکم دیا گیا ہے۔ نوجی طرح نماز اسی طرح اور محمی کئی آبات بین جن بین احکام و فرائفن آبات فرآ نید سے نابت بین اسی طرح نوکل ، رصنا اور صبر وغیرہ بھی قرآن باک کی آبات سے نابت ہیں۔

توجب توکل دغیرہ بھی لازم و صروری بی توصرت نماز روزہ وغیرہ پرہی سارازور دیا اورعدہ اضلان کا حال نہ بنا درست نہیں کیو کمہ دو زرت مے خطاہری وباطنی احکام کے تعلق ایک ہی رب نے ایک ہی کتاب بی کتاب کتاب بی کتاب ب

کومرائی کا اور مرائی کونیکی کا درجہ وسے دیا ہے۔ افسوس اتم ایسے لوگوں کے بیے فنوی نوبی برہ شغول مورکران پاکیزہ علوم سے بے پروا ہ ہو گئے ہوجہ بیں الٹر تعالیٰ نے اپنی مفدس کتاب بیں تورہ مکمت اور ہو آبیت وغیرہ کے الفاظ سے تعبیر فرایا ہے یتم ان لوگوں کے فلاف کچھ نہیں کنتے جنہوں نے کسب موام کو میٹنیہ بنالیا ہے اور جولات دن ذلیل دنیا جمع کرنے بی مصروف ہیں۔

اسے بھلائی کے دعویدارو اہتیں اس کا تون نہیں کہ بڑے بڑے فرائفن کو تربی بیٹ ڈال
رہ ہوا ورنغل نمازروز ، وعیرہ بین شغول ہو۔ فرائفن سے نادک ہور نوافل اداکرنے والو! ان نوافل
کی کوئی وقعت نہیں ۔ اکثرایسا بھی ہوتا ہے کہ تم ایسے گن ہ برتائم ہوتے ہو جو نہیں دوزخ بیں ڈال کے
مگر بہارے کھانے بینے اور نیندوغیرہ سے بیختے رہتے ہو ہو با دت بین تم کو نقویت دیتے ہیں۔ تو تسالا
ایسا پر ہمیز ہے معنی اور فعنول ہے ۔ اوران تمام سے بدتر بہ ہے کہ تم دنیوی ایمدول بین برست ناہو
مالانکہ دنیا کی امیدیں محص گنا ہیں ۔ اور جمالت کی بنا پرتم ان ایمدول کو نیت بخرگان کرتے ہو کہ کہ
تم ان دونوں کے فرق سے جائل ہو۔ تم دنیوی ائیدول اور نیت بخریس اس بیے بھی فرق نہیں کرسکتے
تم ان دونوں بغلا ہرایک دوسرے سے ملتی جائی ہیں ۔

بعض اوقات تم بے جین موتے ہوا ورجزع فرع وغیرہ کرتے ہو'ا ورا سے اسٹرنعالیٰ کے درہا میں گرد گرانا اورعا جن کرنا جال کرتے ہو۔ اورکھجی تم محسن ریا کر رہے ہونے ہو گر تما را گمان بہ ہونا ہے کہ ہم اسٹری حمد کر رہے ہیں اور لوگوں کو نیکی کی دعوت دے دہے ہیں۔ اس طرح نم گنا ہوں کو نیکیا اور عذاب کو فواب سیمھنے لگ جانے ہوا ورا بک بہت بڑے دھو کے ہیں مبتلا ہوجاتے ہوا ورا بک بہت بڑے دھو کے ہیں مبتلا ہوجاتے ہوا ورا بک بہت بڑے والوں کے بید رہتے بڑی مسیدت ہیں ہے۔ خرابی میں بڑجا نے ہو۔ نوخل کی تصمیدت ہیں ہے۔ خرابی میں بڑجا نے ہو۔ نوخل کی تا معنی اوصاف کے ساتھ ایک خاص تعلق ہے۔ اگر باطن خواب ہو فرط اہری اعمال کا باطنی اوصاف کے ساتھ ایک خاص تعلق ہے۔ اگر باطن خواب ہو فرط اہری اعمال کھی خواب ہوں گے۔ اور اگر باطن جری دیا اور نکیر وغیرہ عیرہے باک ہونو ظا ہری قرظ ہری اعمال کھی خواب ہوں گے۔ اور اگر باطن جری دیا اور نکیر وغیرہ عیرہے باک ہونو ظا ہری

ترظاہری اعمال بھی خواب ہموں گے۔ اوراگر باطن صدائر با اوز نجر وغیرہ عیوہے باک ہمونو نظاہری اعمال بھی ورست ہوتے ہیں۔ اگرول بیں اخلاص ہمرگا توظاہری عمل بھی ٹھیک ہمرگا۔ اوراگر باطن بی دبیا ہمونوظاہری عمل بھی ٹھیک ہمرگا۔ اوراگر باطن بی دبیا ہمونوظاہری عمل بھی نا درست ہمرگا۔ اسی طرح اگر کوئی ابنے اعمال صالحہ کورب تعالیٰ کا فضل وکرم سیمھے تو عمیں ہے۔ اوراگر انبیں ابنا ذاتی کمال تفتور کرسے نوخودستائی کے باعث وہ اعمال براً ہموجائے ہیں۔ اس لیے تجب نک باطنی امور کا ظاہری اعمال سے تعلق ، باطنی اوصا ف کی ظاہری ہموجاتے ہیں۔ اس لیے تجب نک باطنی امور کا ظاہری اعمال سے تعلق ، باطنی اوصا ف کی ظاہری

اعمال مین ناینرا وراد صان باطنی کے ذریعہ ظاہری اعمال کی مخاطب کی کیفیت دغیرہ کا پتہ نہ جائے ظاہر اعمال میں درست نہیں ہوسکتے۔ اور جمالت و بے علمی کے باعث نہ تو ظاہری اعمال میں درستی بیدا ہو کتی ہے۔ اور جمالت و بے علمی کے باعث نہ تو ظاہری اعمال میں درستی بیدا ہو کتی ہے اور نہی باطنی اخلاق فاصّلہ یا خصالی ار ذبلہ کا بہتہ جل سکتا ہے۔ اور عمل کرنے والے کے لا نقیب سوائے شخصان ہے۔ کے لا نقیبی سوائے شخصان ہے۔ اور میں ستے بڑا خسارہ اور نقصان ہے۔ اسی بیدے سرکار دوعالم صلی اسٹر نعالی علیہ ولم نے علم کی شان میں فرا با:

اسی بیدے سرکار دوعالم صلی اسٹر نعالی علیہ ولم نے علم کی شان میں فرا با:

اسی بیدے سرکار دوعالم صلی اسٹر نعالی علیہ ولم نے علم کی شان میں فرا با:

اسی بیدے سرکار دوعالم صلی اسٹر نعالی علیہ ولم نے علم کی شان میں فرا با:

قالی جھی ہے۔

کیونکہ علم کے بغیر عمل کرنے والے کے اعمال اکثر اوقات بجائے درستی اور تواب کے نواب اور باعث کی علم کے بغیر اس اور باعث عذاب بن جائے ہیں علم کی شان میں صفور بنی کر بم رؤن ورحیم سلی الشارتعا کی علیہ ولم نے رہج فی با علم کی شان میں صفور بنی کر بم رؤن ورحیم سلی الشارتعا کی علیہ ولم نے دیج بی اللہ کہ گھے گھے اور استعماد اور معلم سفادت مندوں کونعیب ہوتا ہے اور اللہ کا نامی میں اللہ کا نامی کے دوم دہتے ہیں ۔ اللہ کا نامی کے دوم دہتے ہیں ۔

اس ارث دکا مطلب بیر ہے کہ بے علم کی شفاوت بہ ہے کہ اس نے علم توسیکھا نہیں ہوتا نفالی عبادت کی مشقت کے کچھ ٹواب عبادت کی مشقت اور دِقت اُٹھا تاہے۔ توابی عبادت سے سوائے جہماً تی مشقت کے کچھ ٹواب وغیرہ نہیں لتا ۔ باعمل اور زا ہر علماء ہج نکہ علم وعمل کے جا مع ہوتے ہیں اس بیے ان کا درجہ فدانعی ال کے ہیں باتی تمام لوگوں سے زیا وہ ہوتا ہے اور علم ہی اس بندی مرتبہ کی اصل ہے کیونکہ علم طاعت وعبادت کا موتوف علیہ ہے 'اور اسی پاعمال کا دارومدارہے۔ اہی بھیرت اور اصحاب توفیق قائید نے بوں ہی اس مضمون کربیان فرایا ہے اور وہ پوری طرح اس معاملہ کی نہ کر بہنچے ہیں۔

مندرجہ بالا بیان سے بہ بات واننے ہوگئ کہ عبا دت نہ نزعلم کے بغیری جاسکتی ہے 'ادرنہی سالم روسکتی ہے۔ تو ثابت ہوگیا کہ مجھ طریقہ سے عبا دت بجالا نے کے بیے بیلے علم حاصل کرنالازی اورونروری ہے۔

عِمادت سے علم کے مقدم ہونے کی دوسری وجہ بیہ کے علم سے ول بیں اللہ تعالیٰ کا خوت اور اس کی ہیبت پیلا ہوتی ہے۔ اللہ تعالیٰ کا ارتبا دہے: اس کی ہیبت پیلا ہوتی ہے۔ اللہ تعالیٰ کا ارتبا دہے: اِنگہا یَختی اللّٰہ مِنْ عِبَادِ مِو الْعُلْمَا آءِ۔ اللہ کا خوت علماء کے دارں میں ہی ہے۔

تروه کون ساعلم ہے جس کی تلائٹ لازم اور صروری ہے، اور درستی عباوت کے بیے کتنے علم کی صرور ہے ؟ تتمارے اس سوال کا جواب بیہ ہے کہ جن علوم کی طلب فرص ہے وہ بین علم ہیں ؛

(۱) علم توجیب د (۲) علم برتر یعنی جس علم کا تعلق دل اور دل کے متعلقات سے ہے ۔ (۳) علم تربیب بیکن ان بین علوم سے انتی مقدار لا زم اور سروری ہے جس سے لازم وضروری امور کی پرری بیرری معرفت ویفین ہم جائے۔

علم توجیدسے آنا فنروری ہے جس سے دین کے اسول معلوم ہمرجائیں۔ وہ اسول یہ ہیں کہ:۔
ثنییں بیمعلوم ہمرکہ ہمارا ایک معبود برخ ہے ، ہو ہر شنے کوجا تاہے۔ اور تمام ہمکتات براس کی فلارت صاوی ہے بیم چاہے اول دو کرتا ہے ۔ ہمیت رزندہ ہے ۔ ازل سے تعکم ہے یرب کچھ دیجھتا او سنتا ہے ۔ ایک ہے ، کوئی اس کا نثر یک نمیں ۔ وہ تمام صفات کمالیہ سے ازلا ابنا متصف ہے ۔ ہویے با فقص سے منزہ ویاک ہے۔ اور قدیم فقص سے منزہ ویاک ہے۔ اور قدیم بھی صرف وہی ہے۔ اور قدیم بھی صرف وہی ہے۔

اوربيهى يقيبن كرم فضرت مخترمهل التأرنعالى عليهوهم الشرنعالي كحفاص بندسا وررسول

ہیں اور جواحکام آب خلاکی طرف سے لائے سب بی ہیں۔ اور اکنون کے بارے ہیں ہونجہ ہی آبنے دی ہیں سب بی ہیں۔ بھران تمام احکام و مسائل کو بھی معلوم کرسے جوسنت ہیں ۔ اکہ خلاف نزع کا موں اور برعات سے محفوظ رہے۔ اس بیے کہ برعت ہیں مبتلا ہو کرانسان سنت کی پیروی سے محروم ہوجا تا ہے اور دین خطرے ہیں بڑجا تا ہے۔

دلائل توجید کے اصول وکلیات کتاب اللہ بین موجود بین اور ہمارے مشائخ نے اصول دیانات کی کتابوں بیں ان دلائل کو وضاحت سے مکھا ہے۔ خلاصہ بہ ہے کہ جس چیزسے جابل رہ کر گراہی بیں بیٹ کی کتابوں بیں ان دلائل کو وضاحت سے مکھا ہے۔ خلاصہ بہ ہے کہ جس چیزسے جابل رہ کر گراہی بیں بڑنے کا خطرہ ہواس کا علم حاصل کرنا منروری ہے علم کی اہمیت کو انجی طرح ذہن نتین کرو۔ اور توفیق اللہ یہ کے انفین ہے۔

اورعلم برتساس فدرجانا صروری سے جس سے مفائی قلبے اسباب معلوم ہوجائیں۔ اور بر معلوم ہوجائیں۔ اور بر معلوم ہوجائیں۔ اور بر معلوم ہوجائیں۔ اور بر معلوم ہوجائے کہ کس کس چیزے ول کو پاک کرنا صروری ہے تناکہ دل بیں اللہ تفائی کی ہیبت اور تعظیم اور اعمال میں اخلاص ببیلا ہو۔ نیبزان امور کو جانا بھی مغروری ہے جن سے نیت درست رہ سکے۔ اور ظاہری و باطنی اعمال وعبا دات ، ملا ہری و باطنی آفات سے محفوظ روسکیں۔ اور ان سب امور کا بیان اِن شاء اسٹے تعالیٰ عماری اس کتاب میں آئندہ آسٹے گا۔

اورعلم شریت سے اس قدرجا ننا صروری ہے جس سے بیمعلوم ہمرجائے کہ یہ امور منروری ہیں۔

اکہ انہیں اداکیا جاسکے ۔ جیسے تماز، روزہ دغیرہ ۔ گرچ ، زگرۃ اور جماد وغیرہ کے اسحام وسی الل ان کم جانے لازم ہیں جن پریہ فرص نہیں ان پران کی جزئیات اوران کی تفصیلا جانے لازم ہیں جن پریہ فرص نہیں ان پران کی جزئیات اوران کی تفصیلا جانا لازم وسنروری ہے جو ہم نے بیان کردیا ہے جانا لازم وسنروری ہے جو ہم نے بیان کردیا ہے منہ کا لازم وسنروری ہے جو ہم نے بیان کردیا ہے۔

مائے اللہ نہ منہیں ۔۔۔۔ ان تین علموں سے سبس اتنا جانا لازم وسنروری ہے جو ہم نے بیان کردیا ہے۔

مائے اللہ نہ منہیں ۔۔۔۔ ان تین علموں سے سبس اتنا جانا لازم وسنروری ہے جو ہم نے بیان کردیا ہے۔

کیاعلم توجید بس ان تغیبلات و دلائل کامعلوم کرنا بھی صروری ہےجن سے نما ہمب باطلہ کی تردید ہم سکے اور جن ولائل سے نما ہمب باطلہ کی تردید ہم سکے اور جن ولائل سے نمام بدعات کو باطل تردید ہم سکے اور جن ولائل سے نمام بدعات کو باطل نابت کی جا سکے اور جن ولائل سے نمام بدعات کو باطل نابت کیا جا سکے اور میکن نبوتیہ کی حفاییت واضح کی جا سکے ہ

جواب:

اسعزيزاان تنام تفاصيل كاجاننا فرص كفايه ہے بعنى تمام پرلازم نبيں - إن تم پرات

جانتا مروی ہے جس سے متمارے عقائد درست رہ کہیں اورس نم پریدازم نہیں کہ علم توجید کی تمام فروعات اوراس کی باریحیاں اور دیگر متعلقدا مور کوجانو۔ ہاں اگر کہیں دین کے بنیادی مسائل بیں منہیں شعبدلاحق ہویا لاحق ہونے کا خوف ہم توخفر گفت گرسے کسی دو سریخ خص سے پیٹ بھل کا دیکے ہو۔ گرجھ گڑے وجلال ایک مملک مرس ہے جس کا کو فی موجہ گڑے وجلال ایک مملک مرس ہے جس کا کو فی علاج نہیں اس بیے بہیشہ اس سے بچو کیونکہ ہو تخص سے مرص میں بنتلا ہم جا گرانشہ تعالیٰ کی رحمت و معربانی شائل صال نہ ہم تواس کا محفوظ رہنا مشکل ہوجاتا ہے۔

بھراسے عزیز اید بھی جان سے کہ جب دنیا کے ہرعلاتے یں اہل سنت وجماعت کے مبلغین ایک مرحور وہیں جو گراہ فرقوں کے رویس معروت ہیں اور وہ اس فن تردید بیں تھوس معلومات کے الک معلی اور گراموں کے وساوس وشیمات سے اہل می کے سینوں کو پاک کرتے رہتے ہیں۔ تو تمہا ہے فرے سے ان فعی بات میں بڑنا ساقط ہوگیا۔

اسی طرح علم برتر کے دفائق معلوم کرنا بھی صنروری نہیں۔ اور نہی نما مجائب قلب کی نہ تک بہنجنا لازم ہے ۔ صرف اس قدر معلومات صنروری ہیں جن سے عبا دت کو بقرم کے عیوب نقائص سے مفوظ رکھا جاسکے اور جن کے ذریع عبا دات کو مکمل طریقہ سے اوا کیا جاسکے ۔ جیسے اخلاص ہمد نشکرا ور توکل وغیرہ کی حقیقت ۔ اس کے علاوہ زا ٹدمعلومات ہیں بڑنے کی صنرورت نہیں ۔

اسی طرح علیم شریعیت کے اندر تمام بیع ، نشراء ، اجارہ ، نکاح ، طلاق اور جنایات وغیرہ کے سائل سیکھنے بھی تمام برلازم نہیں . بلکہ ان تفصیلات کاعلم بھی فرص کفا بہ ہے۔ سیکھنے بھی تمام برلازم نہیں . بلکہ ان تفصیلات کاعلم بھی فرص کفا بہ ہے۔ سیوال :

كياعلم زيب ركى عنرورى معلوات استاد سے سيكھے بغير صرت اپنی نظروفكرسے قال ہوسكتی بين بچواپ :

اس سلیلے میں استادسے استعانت صروری ہے کیونکہ وہ شکل مقامات کو واضح کرتا ہے اور علمی بجیب گیوں کو آسان کرتا ہے۔ اس کی رمہنمائی میں انسان علوم کی تحبیل آسانی وسمولت سے کرسکتا ہے۔ اور بیش خص برخدا کا خاص احسان ہوتا ہے اُسے ہی دین کے معلم بننے کا نثر صنعطا موتا ہے۔

بھراسے عزیز! نوید بھی جان سے کے علم کی گھاٹی اگرچہ بست سخت گھاٹی ہے گراس کے بغیرطلوب ومقصود كاحصول بعى نامكن م اوراكر جياس كانفع ببن ب كراس كها في سے كزرتا بھى وتثوار بار اس میں بڑے بڑے خطرات ہیں۔ کتنے ہی ایسے ہیں جنوں نے علم حاصل ندکیا تو گمراہ ہو گئے۔ اور کتنے ہی اليسے بيں جواس راه پرجلے گرراستے بين عبسل گئے ۔ اوراس بي كننے ہی گھومنے والے جرانی كا ٹنكار ا در ہزاروں اسس راستے پر جیلنے والے لاپنہ ہوگئے۔ اور کننے ہی ایسے بیں جواس گھاٹی کو بھے کرنے کے در بیے برسے نوا دیٹر کی امدا دستے تھوڑ ہے ہی وقت بی منزل مقصود برجا بینچے۔اور بعض وہ ہیں ہو سنرسال سے اس منزل کو طے کرنے ہی مصروت ہیں \_\_\_\_\_ اور ہر پیز کا اخینار در حقیقت التندنعاني بي كوسے ـ

لیکن جبیاکہ ہم نے بیان کیا ہے علم کا تفع ہدت زیادہ ہے کیوکر نیدہ عبادت کے معالمہ یں علم کاسخت مختاج سبے۔ اور عبادیت کی دیوارعلم برہی قائم ہوتی ہے۔ خاص کرعلم نوجیدوعلم ہر يريعكم كمضنعلق بيردوايين آئى سي كدايك دفعه المثارتعالى سنص معفرت داؤد علىالصلاة والسلام کی طرمت و سی فرمانی که:

يكذاؤك تعكيرالعلم التكاضع اسے داؤد!علم نا فع حاصل کر۔ آبنے عرص فَقَالَ دَاؤُدُ وَمَا الْعِلْمُ النَّافِعُ فَقَالَ أَنْ نَعِم فَ، جَلَا لِي وَعُلْمِتِي وَكِبْرِيا لِيُ وَكُمَالَ قُدُرَتِي عَلَى كُلَّ شَيْءٍ فَإِنَّ هَٰذَا الَّذِي يُقِرِّ بُكُ إِلَى ٓ -تھے میرے قریب کرسکتا ہے۔

كيا نافع علم كونسا ہے ؟ تزرب تعالىٰ نے فرایاعلم نا فع وہ ہےجس سے تجھے بیرے جلال میری عظمت میری بڑائی اور مرتضے پہ برى كمال قدرت كابية جليكيونكه بياعلي

اورستبدنا محفزت على رصنى الثناني عندس مردى مدكرة بيد فرما بابين اس بات كو ببندنبين كرتاكربين نابالغي بمن ني نوت بهوجاتا اورحنت بين داخل كرديا جاتا اور برا بوكرخدا كأمعر عاصل مذكرنا واوربياس كيي كبيس كوالته نغالي كي معرفت زياده بوگي اس مي خدا كا توف يعي زياده بوگا. اورجس كوخوف زياوه بمركا وه عبادت زياده كرسه كا-اورجوعبادت زياده كرسه كاس كانعلق مي التنر كمي مساتة زيا د وخالص موكا - سیم ما مسل کرنے و نت سے زیادہ خلوص کو گاہ رکھنا جا ہیے۔ اور روایت کی نسبت کو زیادہ کو نیا ہے کہ جو نخف اس خون درا بت کو زیادہ طلب کرنا جا ہیں ۔ کہونکہ علم بین خطرات بھی ببت ہیں۔ اس بیے کہ جو نخف اس خون سے علم حاصل کرے کہ وگئے اس کی طرف توجہ کریں اور علم کے ذریعہ امراء کی جہنشینی ماصل ہو۔ اور زاک کے سیم ماصل کرے نوایسے علم کے سبب بحث ومنا ظرہ کرنے والوں کے سامنے فی سیم کی کرے اور ذایل دنیا کو جمع کرے توایسے منام کے سبب بحث ومنا ظرہ کرنے والوں کے سامنے فی سیم کی کریے اور ذایل دنیا کو جمع کرے توایسے شخص کی نیت قاسد ہے اور اس کی بیتجارت نباہ اور اس کا بین دبن نقصان وہ ہے برکار دو عالم صلی الشافی علیہ ولم نے فرایا ہے:

بوشخص اس بیے علم حاصل کرسے ناکہ علماء کے سنے فخر کرسے 'یا برو قرفی سے ساتھ علم سے ذریعہ جھکڑھے 'یا لوگوں کی ترج اپنی طرف چیبرسے ' تو ایستے عس کوا نشر تعال دفرج کی آگئیں ڈواسے گا۔ ایستے عس کوا نشر تعال دفرج کی آگئیں ڈواسے گا۔ مَنْ طَلَبَ الْعِلْمَ لِيُعَاخِرَالُعُكَمَاءَ الْمُلِيْمُكَارِى بِهِ الشَّفْكَاءُ أُوْلِيَضِرِتَ بِهِ وُمُجُوْكَ النَّاسِ إِكِيهُ وَاحْتَى لَهُ اللَّهُ النَّارَ ، (مَثْلُونَة ) اللَّهُ النَّارَ ، (مَثْلُونَة )

یں سنے نمیس سال مجا ہدہ کیا توعلم اوراس کے خطرات سے زیا وہ سخنت کسی بیجز کونہ یا یا۔ محفرت بایز بدلسطامی رحمة التّدعلیت فرایا: عَیْدُلْتُ فِی الْمُنِعَا هَدَةِ تَلَاثِیْنَ سَنَهُ عَیْدُلْتُ فِی الْمُنْعَا هَدَةِ تَلَاثِیْنَ سَنَهُ فَمَا وَجَدْ ثَتُ شَیْطًا اَمْنَدَ کَا عَلَیْ صِنَ

اوراس بات سے بھی بجباکہ تبیطان کمیں تنہارے ذہن میں بہ وہم نہ ڈال دیے کہ جب علم بیں استے خطرات ہیں تواسعے حاصل ہی تبییں کرنا جا ہیں ۔ ایسا دہم درست نہیں کہونکہ صنور علبالسلام سے مودی ہے کہ آہنے فرایا :

معراج کی رات بی نے اہل دوزخ کر دیجیا تو محصان بی فقیرو ممتاج زیادہ نظرائے میحائیہ نے عرصٰ کیا یکیا مال و دولت کے ممتاج ، نو سنے فرمایا نہیں ، بلکہ علم کے ممتاج . اطلعت ليلة المعماج على النام فرأيت اكثراهلها الفقراء قالوا يارسول الله من المال وقال لا بل من العلم

توجونخص علم نه سیکھے وہ عبادات اوران کے ارکان ٹھبک طریقہ سے ادانہیں کرسکتا. بالفرمن اگرکوئی شخص تمام آسمانوں کے فرشنوں جینی عبادت کرسے گرعلم نہ ہو' تو وہ خسارے یں ہی رہے گا۔ اس بیے جس طرح بھی ہوعلم صرور حاصل کرو۔اوراس کے حاصل کرنے ہیں پریشان اور سست نہ بز۔ ورند گمراہی کے خطرات سے دو جبار ہم جاؤگے۔ ہرسم کی گمراہی سے الٹیری بنا ہ ۔ مدھ نی بان اللہ کر سے میں میں کا سے دو جبار ہم جائے کے اس کی گھراہی سے الٹیری بنا ہ ۔

بجرجب نم التأنفالي كاربكرى مين غوركروك اورخوب كسرى نظرست ديجيو كم توتميس يفين بربائے گاکہ ہمارا ایک معبود ہے جرب کچھ کرسکتا ہے بصے ہر چیز کاعلم ہے ہوہمین زنده ہے اور جوچا ہے کرتا ہے ہو ہر بات کوسنتا اور دیجبتا ہے، ہوازل سے تعلم ہے ہی کا علم'ارا دہ اور کلام فناو زوال سے منزہ ہے بجر ہر عیب ونقص سے پاک ہے بومکنان کی صفا معے موصوت نہیں ہرسکتا'ا ور مذہی مخلوق اسٹ بیاء کی نصوصبات اس بیں یا تی جاسکتی ہیں۔ نہوہ مخلوق میں سے کسی بات بین مشا بہ ہے۔ اور ندمخلوق ہی کسی امریس اسے مشا بہ ہے۔ وہ مکان اور جهت کی تبدسے پاک ہے۔ اور آ فان وحوا دث اس پرنہیں اسکتے۔ اسی طرح جب تم مرکار دوعالم صلى التُدَنَّعَالَىٰ عليه ولم كم محمع زات الب ك خصائل دو رعلا مات نبوت برغور كروگ تومتين بقين ہوجائے گاکہ آبب انٹر کے رسول اوراس کی وحی مبنجانے میں ابین ہیں بخود کرنے سے تم براس ام كى خقانيت بھى واضح ہمرجا ئے گى كەسلىپ صالحين كا بېرغتىد ە كەجنت ميں الىنەنغا يې كا دېدارېغىر جمت اورمکان کے ہرگا می ہے ۔اور بیکہ وہ ہمیشہ سے موجو د ہے، مگرکسی حدیں محدو دنیں او تم براس امرک متفاینت بھی روٹن ہوجائے گی کہ اس کا کلام غیرمخلوق ہے۔ اور پیکہ وہ حروف و انسوات سےمرکب نہیں کیونکہ حروت واصوات سے زکیب حاوث ہے اورحاوث جےزفیم

مؤرکرنے سے تم پرید بھی عیاں ہوجائے گاکہ ملک و ملکوت میں ہو کچھ دقوع بذیر ہمزناہے وہ خدائی نفد برا ورتفنا سے ہمزنا ہے۔ اور ہر بہزکا عالم وجو دبین ظہور بھی اس کے ارا دے اور شبیت مدائی نفد برا ورتفنا سے ہمزنا ہے۔ اور ہر بہزکا عالم وجو دبین ظہور بھی اس کے ارا دے اور شبیت سے ہوتا ہو اور نفع ونقصان کا مالک بھی درحقیقت دہی ہے اور نفع ونقصان کا مالک بھی درحقیقت دہی ہے اور کفروا بیان بھی اسی کی جانب سے ہیں۔ اور خلوق کے سلیے اس برکو ٹی بجزلازم نہیں۔ وہ اگر کسی کو قراب دے تو بیاس کا عدل ہے۔ اور اگر کسی کو عذا ب دے تو بیاس کا عدل ہے۔

ا ورجب متبس اس کا بھی بقبن ہوجائے کہ جوارثنا دات بھی نبی کریم مسلی استّدعلبہ ولم کی زبان حق ترجمان سیے صادر ہوئے ہیں مسب حق ا ور درمت ہیں ۔ اورمشرننز، عذا ب قبر مسوال منکر ذبجیر، وغیرہ کے متعلق آئیے جو خرس بھی دی ہیں اسب بھی اور حق ہیں ۔ اور سلف مسالمین کا ان سب باتول پراعت اور سلف مسالمین کا ان سب باتول پراعت اور ان سب امور پراغ امن نفسانی و برعات بہیدا مرف اور نفسانی و برعات بہیدا مرف سے تعام نفے ۔ اور ان سب امور پراغ امن نفسانی و برعات بہیدا مرف مرف سے بہلے ہی اتفاق واجماع ہم جہا ہے ۔۔ (انتر تعالی خواہ شات کی بیروی اور خلاف نشرع امور کی بیروی کرنے سے ہم سب کو بچائے )۔

پیرجب دل کے اعمال، باطنی اسب اوران انٹیاء پیغور کروگے جن کا جائز یانا جائز ہزا اس کا بیں ندکورہ ۔ بیرمتیں ان امور کی پیچان بھی ہوجائے جن کی متیں جا دت ہیں فرورت ہے۔ جیسے طمارت، نما ڈاوررو ذہ وغیرہ کا علم خلاصہ پی کہ جب تہیں تنام مندرج بالا چیزوں کا پوری طرع علم و بھیں ہوگیا ۔ تواب تم امت محمد یہ کے راسخین علما ، کے زمرہ میں شال ہوگئے ۔ اب اگر تمنے علم کے مطابق پوری طرح عمل بھی کیا ۔ اور اپنی آخرت درست اور آباد کرنے ہیں لگ گئے توقع عالم ہو کے ساتھ را تھا ایک مما حب بھیرت عالم بھی بن گئے ۔ اور دین کے بارے ہم اب تم فیضن فعل جا اور نہ تا ماہ میں استان میں استان ہو اور نہ تی کسی کے مقدر ہے ۔ تہیں ایسے نٹر وت پربرا دک دینی جا ہیے ۔ تہما رے علم کی گھا ٹی کو عبور کریں ۔ اور خصیر علم کے جارے میں اسٹر تعالیٰ کو عبور کریں ۔ اور خصیر علم کے جارہے میں اسٹر تعالیٰ کا جوتم پرخی نما' اسے نم نے بعون اللی ادا کردیا ۔ عبور کریں ۔ اور خصیر علم کے جارہے میں اور تہیں دین بر قائم رہنے کی توقیق عطا فرائے ۔ دھوکر آنگرا چھیئی ۔ وکلا تحوٰ کی کوئو تھا گھا گیا یہا ملکو الفی آنکو ظیفیو۔

# ووسرى كھافى نوبىر كيے بيان ميں

پھراسے عبادت کے طالب المخھر پرعبادت بین شغول ہونے سے قبل ابنے گنا ہوں سے توبہ کرنالازم ہے۔اوریہ دو وجہ سے لازم ہے :

ایک نواس بین ناکه نوبه کے باعث تنهیں طاعت وعبادت کی زفیق نصیب ہو کیونکد گناہوں كانخوست بندسے كوطاعات وعبادات بجالانے رسے محروم كردبنى ہے؛ اوراس بيرذ تت ورسوا في مسلط کردینی ہے ۔ بقین جانو کہ گناہ ایک ابسی زنجیرہے جو بندے کو دلاعات ونیکی کی طرف جیلنے سے ردک دینی ہے اور گنا ہمون کے ہونے ہوسے امور خبریں جلدی نبیں ہرسکنی کیونکہ گنا ہول کا نفل اور ہو جھ نیکبول کے سکون کو بیدا نبیس موستے دتیا۔ اور نہ ہی طاعات میں نشاط وخوشی بیدا ہونے دنیا ہے۔ ا ورگنا ہوں براصرارا وراً ٹررہنا ول کوسیا ہ کردنیا ہے۔ اس طرح انسان قساوت فلبی اورگنا ہوں کی تاریکی بین بنتا هموجا تا ہے۔ نهاس بی خلوص بیدا ہوسکنا ہے اور نہ ہی دل کا تزکیبہ ۔ اور نہ ہی عبادت بیں لذ وحلاون پیدا ہوسکنی ہے ۔ بوتخص گنا ہوں سنے نائب نہیں ہوگا ، اگرخلا کا نضل اس کے ثنا مل صال نہوا تورفتة رفتة ببرگناه أسے كفر كاب ببنجا ديں گے۔ابينے ص برنتا ون اور برمخنی غالب آجائے گی ۔ تواپیے تشخص رتيجب نبے كماس نحوست وقساوت كے ہوتے ہوئے اسے طاعاب اللى كى توفيق كس طرح ماسكنے ہے ا ورگنا ہوں براڑنے والانخص طاعات خدا وندی کا دعویٰ کیسے کرسکتا ہے اورخلا من نشرع امورکوا بنانے ہوئے وہ عبادتِ خلاوندی کیسے بجالاسکتا ہے ، اسی طرح بخص گن ہوں کی گنرگی اور بلبدی سے آلوڈ ہو' وہ الشّٰدنعا بیٰ کی مناجانٹ کا فرب کیسے حاصل کرسکتا ہے ، اسی بیے حضوراکرم صلی الشّٰہ نعا بی علیہ

جب انسان مجموث ہوتا ہے تو دونوں کواڈ کاتبین مجموٹ کی بربوکی وج سے اس سے علیحدہ مرجانتے ہیں . اذاكذب العبد تنخاعند الملكان من نتن ما يخرج من فيه ـ

اورچھوٹ وغببنت کے ہونے ہوئے زبان ذکرائنی کے لائن کیسے ہوسکتی ہے ۔ اس بیے گنا ہوں را دار کرنے وا۔ ہے آ دمی کونیک کام کی تزفیق مانا بست مشکل ہے ۔اورنہ پی عبادت کرنے وقت اپسے عوصے اعضا دين مين اورسكون بيدا مرسكتا ہے۔ ابسائنفس اگر تجيد ٹوٹی بھوٹی عبادت كرے گانو ددئجی نت کے ساتھ ۔ پیرایسی عبادت میں ازن دصفائی وغیرہ کچھ نہ ہوگی ۔ پیسب کچھ گنا ہوں کی نوست اور زك توبسسے ہوگا - استخص نے بتح فرمایا ہے جس نے كما ہے كہ اگر تورات كونماز سجد برصنے كى اوردن كوروزه ركھنے كى فوت نبيس ركھتا ترسمجھ سے كەنومنحوس برجيكا ہے اورمعاصى كى تحوست بخدرملط مو حکی ہے۔

توبه کے عفروری بونے کی دوسری وجہ یہ ہے کہ بغیر نوبد کے جا دات فبول نبیں ہوئیں جس طرح قرمن تواه كا فرمن اداكرنے سے بيلے اس كے سامنے ہديے اور تخفے كوئى الميت نبيس ركھنے اوربنہ وہ انہیں فبول کرنا ہے ۔اس طرح بیلے گنا ہوں سے توبدلازم ہے اس کے بعد عام عبا دائِ نافلہ۔اسی طرح جب فرانفوکسی کے وسے لازم ہوں تواس کے زافل وعفرہ کیسے تبول ہو میکتے ہیں۔ یوں بی بر کر فی شخص ہرام وممنوع کام ززک نرکے گرماح وحلال استہیا دیں بر میزواحتیا الاکرے۔ نواس كا ایسا پرمیزگیا وفعنت ركه سكتاسهد ا درو تنخس خدانعالی سیدمناجات اس كی درگاه پس بسنديده اوداس كي ثناكرنے ركے لائن كيسے موسكنا ہے جس برخلانعالیٰ ناداعن اور شخصتے ہو مگنا ہوں براصراد کرنے والوں کا اکثریبی حال ہے۔

تزبه النعسوح كے كيامعنى بن اس كى تعربين كيا ہے اور بندے كوكياكرنا جا ہيجس سے اس كے تمام كناه معافت موجائيں ؟

ول مے کا موں میں سے ایک کام توبہ ہے اور عام علما و نے اس کی تعربیت برکی ہے: تَنْزِيْهُ الْقَلْبِ عِنَ الذَّبْرِ - دل كُرًّا بول سے إكرنا

اور بمار مينيخ رحمة التُرعببك بين نعربين كى ب:

آيده كے بياہے كن ه كوزك كردين كا

اِنَّهُ تَوْكُوا خِيبًا رِذَنْ إِسْبَنَ مِنْهُ

تعدد کرنا جس درجے کا بہلے گناہ برجیکا ہو۔الا یہ ترک محض خدا کی تعلیم احداس کی نا داختگی سے ورکے باحث ہو۔ عَنْهُ مَنْزِلَةً لَاصُوْمَ أَةً تَغَظِينُمَا يِلْهِ نَعَالِ وَحَلَمُ لَاحِرْ صَحْطِهِ-

يشنح كى تعريب كي مطابق ترب كي چارترطيس بين :

(۱) گناہ ترک کر دہنے کا الدہ ۔ اس کا مطلب یہ ہے کہ اپنے دل کواس بات بر پہندا ورمضبوط کرے کہ آئدہ کم می گنا ہول کی طرف رجوع نہیں کروں گا بیکن اگر کوئی تنخص بالفعل گناہ ججوڑ دہے مگول بین اگر کوئی تنخص بالفعل گناہ ججوڑ دہے مگول بین نظر دہ ہم جو کہ بیا ابتدائی ججوڑ نے کا ادا دہ ہی منز دد ہم بر تواب تنخص مگول بیا آبتد ہم بیا تا ہم ہم بین اللہ ہم جاتا ہے ۔ ایساننخص اگرچہ دفتی طور برگنا ہم بل سے مرک جاتا ہے ۔ ایساننخص اگرچہ دفتی طور برگنا ہم بل سے مرک جاتا ہے ۔ ایساننگول اور اسے تا ئب نہیں کہا جاسکتا ۔

ده) دوسری نظر ایسے کہ جس گنا ہ سے تو بدکر رہا ہمواس مرتبے کا گنا ہ بیلے کمیں اس سے ما اور ہمرے کا ہمور کی دیکھ کی اس سے بیتیا ہے تو ہمرے کا ہمور کی دیکھ کی بیٹ اس سے ایساگنا ، صا در نہیں ہموا مرض اُ تندہ کے بیان اللہ تعالیٰ علیہ ایسے خص کو نا بُ نہیں کہ بس کے بیان تبیان معلی منیں کہ نبی کریم ملی اللہ تعالیٰ علیہ وسلم کو کفر سے بجنے والا تو کہ سے تی بن مگر کفر سے نزیہ کرنے والا نہیں کہ سے ما در نہیں ہما۔ اور حضر ن عمر رضی اللہ نعالیٰ عنہ کو کفر سے تا بہ کمیں گے بیوں کہ سے صا در نہیں ہما۔ اور حضر ن عمر رضی اللہ نعالیٰ عنہ کو کفر سے تا بہ کمیں گے بیوں کہ سے ما در نہیں رہ جگے رفتے۔

(۳) تیسری شرط یہ ہے لہ دوگراہ رتبہ یں بیٹے گناہ کی طرح برنہ کے صورت بیں ۔ کیا تہیں معلوم نہیں گہری برائے بوڑ سعے نے جوانی کے زمانے بین زنایا ڈاکرزنی کا ارتکاب کیا ہوا وہ اب بڑھا ہے بیں تربہ تز کرسکتا ہے کہونکہ تو بہ کا دروازہ بندنیس ۔ گراب اسے زنایا ڈاکہ زنی کے تزک کا انتہائیس کی کہاب وہ عملی طور پریگناہ نہیں کرسکتا ۔ توج کھاب وہ زنایا ڈاکہ زنی برنا درنہیں اس سے یہ نہیں کہ سکتے کہ وہ ابنی اس سے یہ نہیں کہ سکتے کہ وہ ابنی برخوار ہے ایا ان سے دک راج ہے ۔ کیوتکہ اب وہ عاجز ہو بجا ہے اور اسے اب ان پر قدرت نہیں دہی ۔ گروہ اس وقت بھی زنایا ڈاکہ زنی جینے دوسے حوام وجمنی افعال برنا درہے ۔ جیسے جھوٹ بون ، کسی پر زنائی تمت لگانا ، کسی کی غیبت یا جونی کرنا وجرہ اس وقت بھی زنایا ڈاکہ زنی جینے دوسے حوام وجمنی افعال برنا درہے ۔ جیسے جھوٹ بون ، کسی پر زنائی تمت لگانا ، کسی کی غیبت یا جونی کرنا وجرہ اس وتب کے عتبار سے فرق ہے ۔ لیکن یہ تمام گناہ ایک ہی رتبہ کے شمار

ہرتے ہیں گریگناہ برعن کی بیروی سے کم بین اور بدعت کی بیروی کفرسے کم ہے۔ نوبہ تو بہجوزنا یا ڈاکہ زنی سے ہمرگی صورۃ تو بہ ہمرگی ۔ یا ڈاکہ زنی سے ہمرگی صورۃ تو بہ ہمرگی ۔

رم ، بج تفی شرط بہتے کہ گن ہوں سے تو بدالٹا نعالیٰ کی تعظیم کے بیے اوراس کے در دناک عذاہیے ڈرکر ہو کسی دنیوی غرص یا لوگوں سے ڈرکر باطلب ننا کے بیے با اپنی مشہوری یا جسمانی لاغری کی وجہسے یا محتاجی اورکسی اور رکا وٹ کی وجہ سے نہ ہو۔

ر ما ما ہے۔ جب تو بہ کے بدار کان ونٹرائط پائے جائیں گے تو تو بہ کمل طور برہمرگی اورا سے تو بہ صا و قنہ ما حالے گئا۔

نوبہ کے مقدمات نین امر ہیں بعنی جن چیزوں کا توبہ سے پیلے ہونیا صنروری ہے۔ اقبل: بدکہ ابنے گنا ہوں کو نہا بہت قبیح افعال نصور کرہے۔

مسوه: بیکه اپنی کمزوری اورگناه کے باره بیں اپنی بے حیاتی کو محسوس کرسے اوراس کا اعتراف کے

کیونکہ ہوتھن سکورج کی تیزدھوپ، پوکیدار کے دھیرا ورجیونٹی کے ڈنگ کورداشت
نہیں کرسکا وہ دوزخ کی شدیدگری ہجینم کے فرشتوں کی مارا ورانتمائی زہر یلے سانبوں کے ڈنگ
کیسے برداشت کرسکتا ہے۔ دوزخ بین مجھو تجر جننے بڑے اور وہاں کے سانب اونٹ کی گردن
جننے موٹے ہوں گے۔ اور بیرسانب اور مجھوویٹرہ دوزخ کی آگ کے ہوں گے۔ اس ونت وہ ففنب
اور عضعے کے مکان میں دیکھے ہوئے ہیں ۔ ہم بار بار خدا کے عفنب اور عذاب سے بناہ

تم اگران دمشت ناک امورکو با در کھوگے، اور ہردن رات میں کسی وقت ان کی یا ذکارہ کرتے رمجرگے، تو صرور تمہیں گنا ہوں سے خالص تو بہتھیا ہم جوجائے گی ۔۔۔ اللّٰہ تعالیٰ ہرایک کو لینے نصال سے تو بہ کی توفیق دے ۔

سوال:

کیے ہیں ان کا مضورّتے توکوئی ذکرنییں فرمایا ۔ بحواہب :

صرف ندامت كوتربنين كما جامكتا كيونكه كالمون بربيمياني بنده كے اختيارو قدرت ميں نبيں۔ تم اس چیز کومحسوس کرنے موکد بساا ذفات بندہ ایک فعل پرنا دم دلیٹیمیان مورد کا ہوتا ہے۔ حالا کردل سے وه اس ندامت وبشمانی کوبیسندندین کرد با مونا - نومعلوم مواکه ندامت وبشمیانی بنده کے اختیار میں نبیں -ا ورتوبه تواخباری چیز ہے۔ اسی لیے توبه کا حکم دیا گیاہے۔ نواس نشریح سے معاف طور ربعلوم ہماکہ نما وبشيماني بقنباعين توبهبين اس بيد مذكوره حديث كروه معنى نبين جوظام المجهم واستدين بكداك بمعنی ہیں کداللہ تعالیٰ کی عظمت وہمیبت کا تفتور کرکے اوراس کے دروناک علا ایجے خوت سے جو ندامت اور بشیمانی بنده کے دل میں بیدا ہم تی ہے وہ بندیے کوخانص تو بدکرنے پرابھارتی ہے۔اور ایسی ندامت و بشيباني منح تائبين كاحال اوران كى صفت ہے۔كيونكه بنده جب مندرجه بالا توبد كے مفدمات كو باربازجيال یں لاسے گا تواسے اپنے گنا ہوں پر ندامت محسوس ہوگی اور بہی ندامت اس کوزک بمعاصی براجھا ہے گی ، اورائسي ندامت آينده كے ليے بھي ناميكے دل مين فائم رہے گیا و رضدا و ندنعا لی کے دريار بس عاجزی اور زاری بربرانگیخنهٔ کرے گی - توپو مکه ایسی ندامت نوبه کاسبب اورنائب کی صفتوں میں سے ہے اس بيعضنورعلبالصلاة والسلام نصابسي ندامنت كونوبه قرما دبا - اس معنى كواججى طرح سمجھ لو - التّد تعالىٰ تنهیں سمجھنے کی توفیق دیے۔

سوال:

به کیسے ہوسکتا ہے کہ انسان ایسا ہوجائے کہ اس سے کوئی صغیرہ یا کبیرہ گناہ صادرہی مذہو ،
حالانکہ انبیاء کرام صلواۃ الٹنز تعالیٰ علیہم وسکلا مئہ ہو تمام مخلوفات سے قطعی طور برایشرف واعلیٰ نے ان کے متعلق بھی اہل کا متعلق بھی اہل کے ان کے متعلق بھی اہل کا میں اختلاف ہے کہ دہ اس مرزبہ بر بہنچے یا نہیں ۔
متعلق بھی اہل کم بیں اختلاف ہے کہ دہ اس مرزبہ بر بہنچے یا نہیں ۔
بحواب

ایسے درجربینی جاناکہ کوئی صغیرہ باکبیرہ گناہ صادر نہ ہو ہمکن ہے محال نہیں۔ بلکہ اللہ تعالیٰے کی توبیق جاناکہ کوئی صغیرہ باکبیرہ گناہ صادر نہ ہو ہمکن ہے محال نہیں۔ بلکہ اللہ تعالیٰ جس کے جاناکہ کو جائے اس کے بہے آسان ہے۔ اللہ تعالیٰ جس کو جاہے ابنی رحمت کے ساتھ خاص کر لیتیا ہے۔

بجریہ بھی نوبہ کے نٹراٹھ یں سے ہے کہ قصدًا گناہ صا در نہ ہو۔ ہاں گر بھول بچک سے کوئی لغرض ہوجائے تو خدا تعالیٰ رؤون ورجیم اُسے معاف کردے گا۔ اور جسے خدا کی نوفین حاصل ہوگئی ہووہ گنا ہو سے ہاسانی محفوظ رہ سکتا ہے۔

اگرم توبدندکنے کا بربرا نرکور میں اپنے نفس پاعتما دنمیں، تا ید توبہ کے بعدگنا ہوں سے بازرہ یا بندرہے۔ اور شاید ہم توبر پڑابت وصفی کو بن یا ندریں اس بیر توبرکرنے سے کیا فائدہ نواس اویل کا ہواب من لوکہ ایسا نیے النہ بنال کا سراسر وصو کا اور فریب ہے کیونکہ نہیں کیسے علوم ہے کہ توبہ کے بعد من مور تم سے گاہ ہو جو ان کا موسکتا ہے توبہ کے بعد تفسل ہی تم پر بوت آجائے اور گناہ کرنے کا موقع نہ ہے باتی بدو ہم کہ شایدگناہ ہوجائے تو بیے وہم کا کوئی اعتبار نہیں ہم پر بوص نہ بدلازم ہے کہ تو بہ کے وقت آندہ اس ادا د بے بہتر کی مور ہے جا تو بی اور سے بی اگر اس ادا د بے بہتر کی کرو ہے کا اور بوجا ہو۔ باقی اس ادا د بے بہتر سے اس قامت د بنا فدا کا کام ہے بہا اگر اس ادا د بے بہت گرشتہ گن ہوں کے عذا ہے تو تہ بی ساگر اور کے عذا ہے تو تہ ہوگئا اور گئا اور گئا اور اس بی تو بھی تعدار کوئی کوئی کے توبہ کے بعدا گرکوئی گناہ ہوا ہو توبہ کا کہ موسکتے توبہ کے بعدا گرکوئی گناہ ہوا ہو توبہ کو توبہ کے بعدا گرکوئی گناہ ہوا ہو توبہ کو باکہ کوئی کہ موسکتے توبہ کے بعدا گرکوئی گناہ ہوا ہو توبہ کو بی تعدار کے توبہ کرنے سے ڈرکوئی کر موبہ کے بیا تو ہمیات کہ بی توبہ کے بیا تو ہمیت ہو بول سے ایک فائدہ تو نوٹینیا ہوگا کہ کربادہ بھرگنا ہو جو بیا اس میں ہو بھرگناہ کرنے سے توبہ کرنے سے توبہ کی بیا بابنا گاناہ دوں سے ایک فائدہ تو نوٹینیا ہوگا کہ کہ بیا تو ہمیت ہی کوئی و بدایت کا ماک ہے۔ اس تعدال کا ماک ہے۔

گن ہوں کے تعلق یہ یا در کھوکد گن ہوں کی نوعیت ختلف ہے کیونکد گنا ہیں تھم کے ہیں : ایک یہ کرنم نے خدا کے فرص کردہ احکام کوا دانہ کیا ہم' اوران کیا دائیگی تنمارے ذریہ ہو۔ جیسے نماز ، روز ہ ، زکوٰۃ اور کفارہ وغیرہ۔ تو بیمض زبانی تو بہ سے معاف نہیں ہوں گے۔ بلکہ حتی الامکان ان

ی فضالازم ہے۔

دو آمری نسم وه گنا ه جن کی اب قضانونهیں ہوسکنی گرموں وہ بھی تنہارے اور خدا کے در مہان می ۔ جیسے کمیں نشراب نوشی کی موا بیا راگ رنگ کی مفل سجائی موا بیا سود کھا یا ہو۔ نواس نسم کے گنا ہوں کی معافی کی صورت یہ ہے کہ گزمٹ تنہ گنا ہوں برندامت و نشیمیانی کی جاشے اور آئندہ کے بیے انہیں

زک کردینے کا حمم ارا دہ کرایا جائے۔

نیستری شم ودگناہ ہیں جونمارے اور خلوق کے درمیان ہیں۔ تمام گناہول سے ریادہ سنگین گناہ یہ تیستری شم کے گناہ ہیں۔ ان کی نوعیت مختلف ہونی ہے یعجن کسی کے مال سنعلن ر لینتے ہیں گناہ یہ بیسری شم کے گناہ ہیں۔ ان کی نوعیت مختلف ہونی ہے یعجن کسی کے مال سنعلن ر لینتے ہیں اور بعض کسی کی دات سے ۔ اسی طرح بعض وہ ہونے ہیں جن کا تعلق کسی کی عز ت وحرمت سے ہوتا ہے۔ اور بعض وہ ہونے ہیں جن کا تعلق کسی کی عز ت وحرمت سے ہوتا ہے۔ اور بعض وہ ہونے ہیں جوکسی کو دہنی طور رزیق ماں بنجا یا ہوتا ہے۔

توجن کانعلق مال سے ہے ان کے تعلق صروری ہے کہ اگر ہوسکے تو وہ مال واپس کر دباجا ۔ کے اگر غربت وافلاس کے باعث واپس کرنے سے معدور ہے تو مما حیب مال سے جائز وحلال کروائے اگر غربت وافلاس کے باعث واپس کرنے سے معدور ہے تو مما حیب مال مرحبکا ہے ؛ یا و ہاں ہوج دنبیس تو مال کی مقدار کے مطابق کوئی چیز صدفہ کر دے ۔ اوراگر یہ میم مکن نہ ہو تو اعمال صالحہ کی کثرت کرہے اورائٹ زنعالیٰ کے دربار بین گریہ وزاری کرہے: ناکر دوزِ قیامت خدا تعالیٰ اس صاحب مال کوراصنی کر دے ۔

ادروہ گنا ہجن کا تعلق کسی کی جان با ذات سے ہمر جیسے کسی کوفتل کیا ہمر ۔ تواس کے وض قصاص دینالازم ہے ۔ بامفتول کے وار تؤں سے معاف کرانا صروری ہے ۔ اوراگروارٹ موجود نہیں نو دربار ایزدی بس گریے و زاری صنوری ہے ۔ اور خداسے اس کی معافی جا ہمنا لازم ہے ۔ تاکہ اللہ رتعالیٰ اس مقتول کو نم سے راصنی کرد ہے ۔

اورکسی کی عزت و آبر و سیمتعلق برگناہ ہے کہ کسی کی غیبت کی جائے۔ یا کسی برببت ان لگا یا جائے۔ یا کسی برببت ان لگا یا جائے۔ یا کسی کوگا یا اللہ دی جائیں۔ تو اس قسم کے گناہ کی معانی کی معردت یہ ہے کہ اس کے سامنے اب کو جھوٹا کہا جائے اور اپنی ذیا و تی اور خطا کا اعترافت کیا جائے۔ اور اگر پین طرہ مرکہ اس کے سامنے بجائے اعزافِ گناہ کے اور زیا وتی اور تعدی ہوجائے گا اور در رسی وصلے کی بجا اور فتننہ پیلا ہم جائے گا تو اس صورت میں بھی معانی کے بیے فدا کے درباریس ہی گریہ وزاری کرے اور فتننہ پیلا ہم جائے گا تو اس صورت میں بھی معانی کے بیے فدا کے درباریس ہی گریہ وزاری کرے ان کا معانی ہوجائے۔ اور کسی کی آبر وسے تعلق یہ گناہ ہے کہ کسی کے اہل وجیال سے بیجانت کی جائے یا کوئی اور حرکت بدکی جائے اور نہ ہی گئاہ کر اس کے سامنے ظاہر کیا جا سکتا ہے اور نہ ہی گئن اور حرکت بدکی جائے اور نہ ہی گریہ وزاری کرنی جا ہے۔ ہی اگرفتنہ کا جاسکتا ہے تو اس کی معانی کے بیے جی دربارایز دی ہی ہی گریہ وزاری کرنی جائے۔

بیکن وہ گناہ جن کا تعلق کسی ہے دین سے ہوئیہ ہیں کہ کسی کوکا فریا بدختی یا گراہ کسا جائے تو یہ ہی سے ہوئیہ ہیں کہ کسی کوکا فریا بدختی یا گراہ کسا جنے اپنی خطا اور سخت گنا ہوں کی معافی ہمی اسی صورت بیں ہوسکتی ہے کہ اس کے ساحتے ابنی خطا اور غلطی کا اعزاف کی جائے۔ اوراگر وہ موجود نہ ہوتو دربا دِالنی میں گڑ گڑا ہے اوراستغفار کرسے اور ابنی میں گڑ گڑا ہے اوراستغفار کرسے اور ابنی میں گڑ گڑا ہے اوراستغفار کرسے اور ابنی میں کر گڑا ہے اوراگر وہ موجود نہ مواقعا لی اسٹخص کوراصنی کردہے۔ ایک کہ دوز قیا مست خدا تھا لی اسٹخص کوراصنی کردھے۔

فلاصدید کرجمان نم گناه کے ساتھ تکلیفت دینے والوں کو داختی کرسکووہ ال ان کو داختی ہی کرسکووہ ال ان کو داختی ہی کر وہ ورنہ معافی اور کجنشش کے بیے خدا تعالی کی طرف دجھ کا کہ داس کے درباریں گربہ وزاری کروا ورصد ند وخیران کرو: تاکہ روز قیامت اللہ تعالی تمارے درمیان دضا مندی کراد ہے۔ اس بیے کہ خدا کے نفسل و کرم سے یہ امید ہے کہ وہ تماری صادت گربہ وزاری دیکھ کرتما دسے خوانوں سے عطاکی کے تماری طرف سے دامنی کردے۔

توبد کے ادکان وشرا کھا جوہم نے بیان کیے ہیں، جب تم ان پر پردی طرح علی ہرا ہم جاؤگے
اورا تندہ کے بیے اپنے ول کو بترم کے گن ہم سے پاک رکھنے کا عدر کرار گے نو تما سے گزشتہ گناہ
معاف ہم جائیں گے۔ اب آئندہ اگراس عدر پر توتم قائم رہ گرگزشتہ نصا بیس اوا نہ کرسے کی یا نارا من
دواس باب المتو بلہ کی شرح بہت طویل ہے جب کی گنجائش پیختھر کا بندیں رکھتی اگر
اس کی ذیا وہ شرح مطلوب ہو توک ب احیا ، العلوم کے باب المتو به یا القریدة الی الله یا کاب
الغایلة العقدی کا مطالعہ کرو۔ یماں صرف اسی قدر بیان کیا ہے جس کی اشد صروت تھی۔
بھر تمیں معلوم ہونا جا ہے کہ توبد کی گھا ٹی بہت سخت گھا ٹی ہے۔ اس کی اہمیت بہت نیادہ
ہواراس سے فعلت نندیز نقصان کی موجب ہے۔ توبد کی ایمیت و مزورت اس واقعہ سے طاہو تی

علما دیں سے تھے۔ آپ قرماتے ہیں:

"بیں نے بمبس برس اللہ تعالیٰ سے توبہ النصوح نعیب ہونے کی النجا کی بیش برس کے بعد

میں اپنے دل میں تعجب بودا اور دربار فلا وندی بی عرض کیا " اے پرورد گار! مجھے بیس برس ہوئے

میں اپنے دل میں تعجب بودا اور دربار فلا وندی بی عرض کیا " اے پرورد گار! مجھے بیس برس ہوئے

میں اپنے دل میں تعجب موا اور دربار فلا وندی بی عرض کیا تو نے اب تک وہ بھی پوری نہی جب میں

میں بخوسے مرون ایک حاجت مے بیے النجا کرتے بیکن تونے اب تک وہ بھی پوری نہی جب میں

سویا نوخواب بیں ایک شخص دیکھا ہو مجھے کہ ہم انھا" تواپنی تیں سالہ دُعا پُرتعب کرتا ہے ۔ مجھے یہ معلوم نہیں کہ نوکننی بڑی چیز کا مطالبہ کر رہاہے ، تواس چیز کا مطالبہ کر رہا ہے کہ الشارتعالیٰ مجھے ابنا دوست بنا ہے کیا نونے الشارتعالیٰ کا یہ ارشا دنہیں شنا کہ :

بیٹک انٹرتعالیٰ تزبہ کرنے والوں اور تخفرارہنے والوں کو دوسنت رکھتیا ہے۔ إِنَّ اللَّهُ يُحِيثُ النَّوَّا بِيْنَ وَجُحِبُ النَّوَّا بِيْنَ وَجُحِبُ النَّوَّا بِيْنَ وَجُحِبُ المُنْتَعَلِمِ يُنَ وَالْمَصَالِقِ المُنْتَعَلِمِ يُنَ وَالْمَصَالِقِ الْمُتَعَلِمِ يُنَ وَالْمُتَعَلِمِ يُنَ وَالْمُتَعَلِمِ يُنَ وَالْمُتَعَلِمِ يُنَ وَالْمُتَعَلِمِ الْمُتَعَلِمِ اللَّهِ الْمُتَعَلِمُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ الللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللّلْمِي الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ الللَّهِ الللَّ

نزكيا تو تو به كومعمولی شفيخيال كرّ ماسهـ" ۽

اسے غافل مسلما نو! ذرا ان ائمۂ دبن سے حالات پرنونظرکر دکہ وہ نوبہ کے بیے کتنا اہتما م کرتے تنصے اوراصلاح فلوب کے بیے کس طرح مسلسل مگ ودوییں لگے رہتے نضے اور نوٹۂ اُنرت تیارکرنے کی خاطرکس طرح جانفٹنانی سے معمروت رہننے تنفے۔

نوبدین نا جرکرناسخت نفضان دہ ہے کیونکرگناہ سے ابتداء تساوت قبلی پیا ہم تی ہے بھردفنہ رفتہ انسان کفرد گراہی تک جابینیت ہے ۔ کیا نمبیں ابلیس اور بلیم باعور کا وافعہ بادنیس ہو ان سے ابتدا ہیں ایک ہی گناہ صا در ہوا گروہ بعد ہیں کفر و گراہی تک بہنے گئے اور مہینہ کے لیے نباہ حال لوگوں ہیں ننا ل ہو گئے۔ اس بینے تو بہ کے بارہ ہیں نم پر بیدا ری وکوسٹن لازم ہے۔ اگر خی جاد قرب کو دیکے تو ابید ہے کہ عنظر بیب گنا ہموں برا صراد کرنے کے معن کا تمادے دل سے قلع تمع ہو جا اورگنا ہوں کی خوست کا بوجھ تنہا دی گردن سے اُر جائے اورگنا ہوں کی وجسے جو فسا ویت قبلی اورگنا ہوں کی خوست کا بوجھ تنہا دی گردن سے اُر جائے اورگنا ہوں کی وجسے جو فسا ویت قبلی اورگنا ہوں کی وجسے جو فسا ویت قبلی اورگنا ہوں کی خوست کا بوجھ تنہا دی گردن سے اُر جائے اورگنا ہوں کی وجسے جو فسا ویت قبلی بیدا ہمونی ہے۔ اس سے ہرگز بے خوس نہ ہو۔ بلکہ ہروقت اپنے دل برنگاہ دکھور کیونکو تکونک میں بیدا ہونی ہوئے :

بینک گنا ہ کرنے سے دل بیاہ ہوجا آہے،
اور ول کی بیابی کی علامت یہ ہونی ہے کہ
گنا ہوں سے گھبراہٹ نہیں ہوتی مطاعت
کے بیے ہونع نہیں لما بقید سے کوئی
فائڈہ نہیں ہوتا ۔ اسے عزیز کسی گناہ کو معمولی
خانگرہ نہیں ہوتا ۔ اسے عزیز کسی گناہ کو معمولی
خانگرہ اور کبیز گنا ہوں بیا صرار کرنے کے
خریال کر۔ اور کبیز گنا ہوں بیا صرار کرنے کے

إِنَّ سَوَا دَالْفَلْبِ مِنَ الذَّ نُونِ وَعَكَرَمَهُ سُوَا دِالْفَلْبِ انْ الذَّ نُونِ وَعَكَرَمَهُ سُوَا دِالْفَلْبِ انْ الدَّيْ فَوَي مَنَ الذَّي الْمَاعَةِ مِنَ الذَّي وَي مَفْنَ عَا اللَّهُ الْمَاعَةِ مَنْ عَلَى اللَّهُ الْمَاعَةِ مَنْ عَلَى اللَّهُ الْمَاعَةِ مَنْ عَلَى اللَّهُ اللْمُلْكُولِلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَ

باوجردا ہے آپ کو تا سُرگمان ندکر۔

مُحِثَّى عَلَى الْكَبَائِرِ.

حضرت کمس بن لحبین رحمنه التدعلیه سے منقول ہے کہ آئے فرما باکہ مجھ سے ایک گناہ مرز دمؤا۔

نوبی اس پر جالیس برسس رونا رہا "لوگول نے پوجھا اُسے ابوجی التّٰد! وہ کونساگن ہ نفا "ہ نوا پ نے

فرمایا" ایک وفعہ میرا ایک دوست میری الافات کو آیا نویس نے اس کے بیے مجھل بہائی بجٹ کھانا
کھا جکا نویس نے اُٹھ کو ا بنے بڑوس کی دیوارسے مٹی ہے کرا بنے معمان کے یا تھ دصلائے "

بب اسے لوگو انفس کوگنا موں پرٹو کتے دم ہواس کا محاسبہ کرتے دم واور تو بہ کرنے میں مستی اور تا بجر کرے کیے در کہ کا مور کیے وفریب میں ڈال در ہے اونفسس و خرکہ و کی کو گئی میں تنظمان دو خطرناک و تنمن تنہیں گراہ کرنے کی تاک میں بیت ۔ اس بیے ہرد قنت در با را بزدی میں نفرع و تنہیں کہ اور کے کا تاک میں بیت ۔ اس بیے ہرد قنت در با را بزدی میں نفرع و زاری کرتے دم و اور اپنے والد ما جد محفرت آدم علیا لیصلون والسمام کا حال اکثر او قات ذمن میں دو ہر تنہیں کر جن کو رب تعالیٰ نے خود اپنے دست فردت سے پربافر بایا اور ان میں اپنی روح مجھون کی ۔ اور بھر فرشنے انہیں اٹھا کر جنت میں لیے دست فردت سے پربافر بایا اور ان میں اپنی روح مجھون کی ۔ اور جم فرشنے انہیں اٹھا کر جنت میں لیے گئے ۔ آ ہے صرف ایک لغرش مونے کے بعد اللہ تنعالیٰ نے آپ سے پوجھا :

اسے آدم این نیراکیسا پروسی نفا۔ آب نے عرض کیا بہت اچھا پروسی ۔ نوالٹرنعائی نے فرایا میرے پڑوس سے دُور میلا جا۔ اور میری مطاکردہ عن شاع ناج مرسے آنار دسے کینوکم مطاکردہ عن شائی کرنے والا میرے پڑوس میں رہنے کا میرے کا فرمانی کرنے والا میرے پڑوس میں رہنے کا

يَا ادَهُ اَئَى جَايِر كُنْتُ لَكَ ؟ قَالَ نِعُكَمُ الْجَائُمُ يَاسَ بِّ وَقَالَ يَا قَالَ نِعُكُمُ الْجُورُمُ مِنَ جَوايرى وَضِعْ عَنْ ادَهُ الْحَرُمُ الْحُرْمُ مِنَ جَوايرى وَضِعْ عَنْ سَرَا مِسِكَ تَنَاجَرُكَمَ احْمِنَى . فَإِنَّهُ لَا يُجَارُومُ فِي مَن عَصَافِي .

اہل نبیں۔

ایک روایت بین آیا ہے کہ آ دم علیالصلوٰۃ والسلام دوسوری اس لغزش پررو نے رہے۔ نب ماکوانٹ تغالیٰ نے آپ کی توبہ قبول فرائی ا وراس لغزش کومعا عن فرایا۔ بہ اس کا مل بزرگ کا حال ہے جو اس کا بنی اور دوست تھا، تو عام لوگوں کا کیا حال ہو گا جو بے شمارگنا ہوں کا ان کاب کر جکے ہیں۔ دوسو برس دواخلاص کا بیکر رویا جو عاقبی تا شب اور خدا کی طرف رجوع کرنے والا تھا۔ نوگنا ہوں برا صرار کرنے والے خافل کوکس و تدرزیا دہ گریہ وزاری کی ضرورت ہوگی ، ایک شاع نے اسی چیز کو کتنے اچھے اندازیں اوا

کیاہے پننعر

یَخَافُ عَلیْ نَفْرِ الله مَنْ یَنْوُبُ کیکف نَرنی مَال مَن کا یَنوُبُ و کیکف نَرنی مَال مَن کا یکوبُ و می الله می ال

اور توبہ کرنے کے بعد اگر توبہ نور ڈالوا ور پھرگان ہ شروع کر دو توجلہ توبہ کی طون لور اور نفس کو توبہ براع خب کرنے کے بلے بہ کمو "لے نفس! اب دوبارہ قلوص سے توبہ کرنے یہ ناید بہ نیری آخری توبہ براوراس کے بعد از تکاب گان ہ کے بغیرہ ی توم جائے "اسی طرح گان ہ کے بعد توبہ کرتے رہو۔ اور جس طرح نم نے گناہ کرنا دستور بنا لیا ہے ، گن ہ کے بعد توبہ کو بھی بہنیہ بنالو۔ اور گناہ کرنا دستے میں توبہ سے منہ نہ موڑو۔ اور شیطانی وصوکہ بن آکر توبہ سے ہرگزن دکو کمیونکہ توبہ کا مارٹ دیو کمیونکہ توبہ کا بیارٹ دئیں منے نہ کہ میں المتر تعالیٰ علیق آلہ و کمی کا یہ ارث دئیں سے ایک ہونے کی علا مت ہے کیا تم نے بی کریم مسل المتر تعالیٰ علیق آلہ و کمی کا یہ ارث دئیں سے آب فرمانے ہیں :

تمیں سے بہتروہ خص ہے جسسے اگر گسناہ میا درموں توبعد بیں فوڑا تو بہ کرسے ۔ میا درموں توبعد بیں فوڑا تو بہ کرسے ۔ خَنْبُرُكُمْ كُنُّمُ كُنُّمُ مُفَتِّنَ نَوَّابٍ ـ

اورخداکی طرمت زبا ده رجوع کرسے اورگنا بوں بربشنیمیان زبا ده بهر۔ اورخدانعا بی سے درکر پسنغفار زیا ده کرسے ۔ نم اس آیت فرآنی سے معنی پر توغورکرو:

جوبرُسے مل کرسے یا اپنی جا ان بڑھلم کرسے بچرائٹہ تعالیٰ سے معانی ہانگ سے توانٹ دنعالیٰ کومنرور بخشنے والا معربان یائے گا۔ وَمَنْ يَعْمَلُ سُوُوًا اَوْ يَظْلِمُ نَفْسَهُ مُرَيّنَ نَغْفِرا لللهُ يَجِدِا لللهُ عَفْوسًا تُحَرِّبَتُنَغْفِرِا لللهُ يَجِدِا لللهُ عَفْوسًا تَرَجِيمًا هُ

فصل

الغرض جب تم نوبه واستغفار کے ذریعہ ابنے دل کوتمام گنا بوں سے معاف کر لوا درا مُندہ کے ابنے البنے دل کوتمام گنا بوں سے قربہ کرلوکہ اللہ نغالیٰ تہا ہے کے لیے ابنے دل کوگنا ہوں سے دور رکھنے برجکم کرا۔ اوراس خاوس سے قربہ کرلوکہ اللہ نغالیٰ تہا ہے دل کو توبہ یں سیجا اورخانص بائے۔ اورجمان تک ہوسکے لوگوں کوراضی کرلوجنبیں تم نے مالی، بدنی، با

دین قسم کی افتیس بنجائی ہمں اورگزشتہ زمانے کے جھوٹے ہوئے نمازیں اور روزے وغیرہ ہمی حتی
الامکان قصا کر ہو۔ اور جوقصنا نہیں کر سکتے ان کی معانی کے بیے دربا بر ضلان دی ہی گربہ وزاری بھی
کر چکوجس کے ذریعہ تنہارہ باقی ماندہ گناہ اور لغربٹیں معافت ہم جائیں نو پھر نم شال کروا اور پاک
کہم ہے بینوا اور وغوکر کے پور نے شوع و خفنوع سے چار رکعت نمازا واکر و۔ اور اپنی بیٹیانی کہ ایسی جگہ زبین بر رکھو جہاں نہیں اسٹر کے سواکوئی نہ و کبھر ہم ہم جھر تم اپنے چرہ برخاک ڈالو اور اجرا بنے جرے کر
جوزنام اعضاء سے اعلیٰ عفوے ہے فاک سے آلووہ کروا اور حالت یہ ہم جائے کہ آگھوں سے آنسو ہم
رہے ہموں ، ول عنم کے دریا میں نیر رہا ہم اور نرترت خوت کے باعث تمارے رونے کی آواز ہے شات بول کو بلند ہمور ہی ہموا ایک ایک کرکے تنہا رہے گنا ہوں کو بلا منے پھر دے ہموں ، نوا بنے گنا ہوں کو بلاد کرتے ہمور ہی ہموا ایک ایک کرکے تنہا رہے گنا ہوں کو بلاد خواب کرو:
یا دکرتے ہمور شی ہوا ایک ایک کرکے تنہا رہے گنا ہوں نوا خطا ب کرو:

سے نفس کیا تجھے قداسے نٹرم نیس آتی ، کیا نیری تو ہا کہ کا دقت ابھی فریب نہیں آ یا ، کیا تجھ بی قہا کو بھا کے در دناک عذاب بر داشت کرنے کی سکت ہے ، کیا تواہیے ادیر فلا کونا لافن کرنے کی کا خواہش ممن دیے ،

آمَانَنَ مَنْ يَنْ يَكُونُ الْمَانَ الْمَانَ الْمَانَ الْمَانَ الْمَانَ الْمَانَ الْمَانَ الْمَانَ الْمُنْ الْمَانَ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللهِ اللّهُ اللّه

اسی طرح بیند بارگنابوں کو بادکر کے ان الغاظ کا تکرار کرو'ا ور بورے سوز وگدا زسے دوُوا ورگر بر وزاری کرو ۔ پیچر سی سے سرا کھا وُا ورا بہنے صربان خدا کے آگے دعا کے لیے ہاتھ بھیلا دو' اور بہ دُعاکر و:

مولیٰ اِنیرا بھاگا ہما بندہ تیرے در بروایس اگراہے : تیرانا فران بندہ مبلح کی طرف لوٹ آیا ہے اور نیراگندگا رہندہ عذر خواہی کے بینے بیر ورباریں حاصر ہے ۔ مجھے اپنے کرم سنے کن ہے اور مجھے فہول فرالے اور مجھے برنظر حمت مسے ا یا اللی اِمیرے گزشتہ تما م گن و بجش ہے ۔ اور باقی الِهِيُ عَدُلُوالْ إِنَّى مَ جَعَمَا لِيكُ وَ عَدُلُوالْعَاصِى رَجَعَ إِلَى الصَّلُحِ وَهَبُدُكُ الْمُدُنِبُ اتَاكَ بِالْعُدُنِ وَهَبُدُكُ الْمُدُنِبُ اتَاكَ بِالْعُدُنِ كَاخْفُ عَيْنَى بِجُودِكَ وَتَقَبَّلِينَ الْمُعُمَّلِكَ وَانْظُرُ إِلَى بَرَحُمَتِكَ بِفَضِيلِكَ وَانْظُرُ إِلَى بَرَحُمَتِكَ اللَّهُ تَعْمَاعُ فِيلُ فِي مَاسَلَفَ مِنَ اللَّهُ تَعْماعُ فِيلُ فِي مَاسَلَفَ مِنَ النَّهُ وَبِ . وَاعْصِمْ فِي فِيمَا بَقِي مِن النَّهُ وَفِي مِن النَّهُ وَفِي مِن النَّهُ وَالْمَا النَّهُ وَالنَّ الْخَانِدُ كُلُّهُ بِيكَ يُلِكُ وَانْتَ الْمَاءُ وَفَى تَرْجِيدُ وَاللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

عمریں ہرگناہ سے مجھے محفوظ رکھوا۔ ترہی ہر بھلائی کا مالک ہے۔ اور تربی ہم پرمسربان اور زمی فرانے والاہے۔

بهريه وُعاكرے بحص وُعائے نندن كھتے ہيں ۔ وہ وُعايہ ہے:

اسے شکلات کومل کرنے والے المع فناک اور پربیٹان مال لوگرں کی جائے بناہ ااسے وہ قا در ذات جس کی شان یہ ہے کہ جب کسی چیز کاالا وہ فرائے تو نفظ کن فرما نے سے کہ کھڑت معاصی نے ہم کو گھیر کیا ہے ۔ نزمی ہرا ڈسے معاصی نے ہم کو گھیر کیا ہے ۔ نزمی ہرا ڈسے وفت میں ہما دا ذیخرہ ہے ہیں تجھے اہے ہی دقت میں ہما دا ذیخرہ ہے ہیں تجھے اہے ہی معاص فرا دے ۔ بیشک تو ہی تو بقبول فرنے معاص فرا دے ۔ بیشک تو ہی تو بقبول فرنے يَا مُجَلِي عَظَائِعِ الْأُمُورِي يَا مَنُ الْمُعُورِي يَا مَنُ الْمُعُمُورِي يَا مَنُ الْمُعْمُورِي يَا مَنُ الْمُعْمُورِي يَا مَنُ الْمُعْمُورِي يَا مَنَ الْمَادَ الْمُمَّا الْمَادَ الْمُمَّا الْمَادَ الْمُمَا يَفُولُ لَكُ لَكُ لَكُونُ الْمَادَ الْمُلَاثُ الْمُنَا الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنَا الْمُنَا الْمُنَا الْمُنَا الْمُنْ الْمُنْ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ السّاعِمَ فَتُكُلُكُ السّاعِمَ فَتُكُلُكُ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ السّاعِمَ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ السّاعِمَ اللّهُ وَالسّاعِمَ فَتُكُلُكُ السّاعِمِ السّاعِمِ السّاعِم السّاعِم اللّهُ وَالسّاعِم اللّهُ وَلِي السّاعِم السّاعِم اللّهُ وَالسّاعِم السّاعِم اللّهُ وَالسّاعِم اللّهُ وَالسّاعِم اللّهُ وَالسّاعِيمُ السّاعِم السّاعِم السّاعِم السّاعِم السّاعِم السّاعِم السّاعِيم السّاعِيم السّاعِم السّاعِم اللّهُ وَلِي السّاعِيم السّاعِم الس

بهم جننازیا ده روسکورو گواوراینی ذلت وعاجزی کا اظهار کرو اور زبان سے به دُعاکرو: سه مردی مرد ور مرحق م

اسده ذات بن کوایک کام دومرے کام سے
منتغول نبیں رکھ سکت اور نہ ایک طرف سننا
دومرے سنف سے باذر کھ سکتا ہے۔ اسے وہ
ذات بھے مسائل کی کٹرت مغالط بی نہیں
ڈال سکتی ۔ اور نہ دعا بی امراد کرنے والوک امرا کے
اسے دو ڈوک بات کرنے پر مجبور کرسکتا ہے بیں
بی معانی کی تھنڈک بہنچا ۔ اور بششن کی صلادت بھی بیتر وحت کرنے دائے دائے ہم پر دم

يَامَنُ كَا يَشْغِلُهُ شَأَقُعَنُ مَنَ الله عَنْ سَمُع عَنْ الله عِن الله عِنْ الله عَنْ الله

## تنبسري كمها في عوائق العبي كيان مي

ا سے جادت کے طالب إنزب کے بعد موانع اور رکا وٹرل کو دورکر نا بھی تجہ برلازم اور خرور کا مرفرور کے جہ برلازم اور خرور کے دیم بیلے بیان کر میکے بین کہ موانع جا رہیں : سے تاکہ تیری عبادت درست اور مقبول موسکے یہم بیلے بیان کر میکے بین کہ موانع جا رہیں : اقرال دنیا اور حرکم بجھے اس میں ہے ۔

اس رکاوٹ کو دورکرنے کا بہی طریقہ ہے کہ نواس سے بچر داور علیٰحدگی اختیار کرسے اور دل سے اس کی مجت کال ڈالے۔ بہ بخر داور زبر دووجہ سے صروری ہے۔ ایک تواس بیے کہ نوعیا دت کرنت سے کرسے اوراس میں درستی بیلا ہوسے۔ کیو کمہ دنیا کی منتخولیت بیرسے ظاہر دیا طن کو عبادت سے روکے گی۔ فلا ہر کو نواس طرح کہ نوطلب دنیا کے بیے ما دا مار بجر نارہے گا۔ اور باطن کو اس طرح کہ تیرے دل میں کمحہ بہ کمج تھیں دنیا کے اداد سے اور دسوسے بہیلا ہوتے رہیں گے۔ اور بدا دادہ اور وسوسے بہیلا ہوتے رہیں گے۔ اور بدا دادہ اور وسوسہ دو نول میں کمحہ بہ کمج تھیں دنیا کے ادادے اور دسوسے بہیلا ہوتے رہیں گے۔ اور بدا دادہ اور وسوسہ دو نول میا دستایں دکا وطربین گے کہونکہ دل ایک ہے۔ توجیب وہ ایک بجر کے ساتھ مشغول ہوگا تو اس کی مقدرے ساتھ اس و فنت مشغول نہیں ہوسکتا۔ اور دنیا واتوت کی مثال دوسوئوں کی سے ۔ اگر نیز ایک کو نوش کر دیے دوسری نا داخش ہوجا۔ ٹیگی۔ اور دنیا واتوت کے درمیان مغرب و مشرق جننا فاصلہ ہے۔ جننا ایک سے فریب ہونے جا ڈگئ دوسری سے دور ہونے جا ڈگئ۔

ہم نے بہجوکماکہ نبدیے کا ظاہرطلب، و تیابی شغول موجاتا ۔ ہے، اس کا بنوت مندرجہ ذیل وایت

سے بہزنا ہے جو حضرت ابو در داء رصنی اللہ تغالیٰ عنہ سے مروی ہے۔ آب فرماتے ہیں:

یں نے عبادت و تجارت کو جمع کرنے کا تجربہ کیا'

میکن ب<sub>و</sub> دونوں جمع نہ ہوسکیں۔ تو بیں نے عبادت

كواختياركيا اورتجارت كوجيور دبار

ذَا وَلُتُ اَنُ اَجْسَعَ بَابُنَ الْعِبَا ذَةِ وَ النِّجَاسَةِ فَلَحْدَ يَخِيَّعَا فَأَ فَهَلُتُ عَلَى الْعِبَا دَةِ وَتَرَكُنُ النِّجَاسَةَ

حضرت فارون اعظم منی الله تعالی عنصے مردی ہے کہ آب نے فرمایا: کو ککا نَنَا جھے تم عندین لاحل غیری اگر عبادت و تجارت میرے سواکسی یہ اکٹسی برسكنين تو تحصه دونون صرور لمنين كيو كم مجھ

لاجتمعتالى لمكااعطانى الله سيحانه من القوة واللين.

التُدتعاليٰ في تقوت اورزمي دونور عطافرائي مِي -

تزجب معامله بيهب كددونون كااجتماع مشكل م تزفنا بونے والى دونيا ، كانفصان گواراكرلو كمرسلائنى اور حفاظت والى جيزيعني أخريت كونه مجيورو . باقى را بندسے كے باطن كا دنيا كے ساتھ مشغول مونا . نو

اس كا تبوت اس ردايت سے مناہے جونبى كريم صلى الله نعالىٰ عليہ ولم سے مردى ہے۔ آب فرانے ہيں: مَنْ أَحَبُ دُنْيَا لُهُ أَضَرَّ بِإِخِرَتِهِ

جس نے دنیا کوسیند کیا اس نے آخرت کا نقصا

كيا اورجس في اخرت كوسيندكيا اس في دنياكا وَمَنْ آحَبُ اخِرَتُهُ أَضَرَّ

نقصان كيا . تواس كراختيار كروحي كانغع بإكرار

بِدُنْيَا ﴾ فَا تروا مَا يُبْقَى عَلَىٰ اوردائمى ما وراس كومجيور دوج صرف بخدات،

ان گزمشنهٔ روایات سے تجھ بریہ بات واضح ہوگئی ہے کہ جب کک نبراظا ہرویاطن کونیا كے ساتھ مشغول رہے گا كما سفة عبادت نہيں ہوسكے گی . گر حب نؤ دنیاسے بے رغبت بموجائ كاورظا هروباطن كودنيا سيفالي اورفارغ كريس كانو تخصي كما حقه عبادت بجالاني نصیب ہوجائے گی۔ بلکہ ظاہری وباطنی اعضاء تیرے معاون ویدد گار ہوجائیں گے۔ حضرت میں

فارسى رصنى الشُّدّنعاليٰ عنه فرمات ين :

جب بنده دنیا سے زہروہے غینی اختبار کریا، اِتَالْعَبْثُدَا ذَازَهَدَ فِي اللَّهُ نُيكًا تواس كأقلب مكمت سيمنور مروجا تام اور اِسْتَنَابَ عَلَٰهُ وَبِالْحِكْمَةِ اس کے اعضاءعا دت کے سلسلہیں اس کے وتعاونت أغضاء كالرف

معاون وہر دگا رہن جانتے ہیں ۔

عوائق اربعه كودوركرية كى دوسرى وجربيب كعوائن ختم بوجانے كے بعد تنهار سے اعال صابحه كى فدر وقيمين بره جائے گى اوران كى عظمن ومزنبه زيا ده بوجائے گا بنى كريم صلى التعليم

كر المحمض في الما المحكد:

زا پروعا بدعالم کی د ورکعت نما زانشرتعالیٰ مے ہن بکلعن سے جادت کرنے والوں ک

ركفتان من رجل عالم زاهد قلبة مغيرواحت الى الله جل قیامست تک کی میا دمنٹ سصےانفسل و

جلاله من عبادة المنتعبدين الى

اعلیٰ ہے۔

أخرالدهمايدًاسرمدًا

توجب دنیای زېرا وراس سے ملینی گافتیا دکرنے سے جادت کی خلمت زیادہ ہمرنی ہے اوراس ہی انتخاص ہے اوراس ہے اوراس ہے انتخاص سے جادت کی خلمت زیادہ ہمرنی ہے اور سنتہ استفاصت وکٹر نسسے ہمونی ہے توطالب عبادت پرلازم ہے کہ زہد ونجرد کا داسستہ افتیا دکرے۔

سوال: زېرىكى مىنى بى اوراس كى خىنىت كيا ہے ؟

بحواب ; علمائے اہل سنت کے زدباب زہد دوختم ہے ۔ (۱) زہر مفدور (۲) زہر غیر نقار کر زبر مفدور بعبی وہ زہد جو بندہ کے اختیار ہیں ہے ۔ وہ بین چیزوں کے مجموعہ کا نام ہے :

(۱) دنیا کی جو پیزیاس نهرواس کی طلب نهرے۔ روز ان میا کی جو پیزیاس نه مرواس کی طلب نهرے۔

(۲) بوموجود ہواس کوراہِ خدایں تقسیم کردے۔

رس، دنیای است بیام کا ارا ده اورانهیس بهند کرنازک کردسے.

سیکن نتیخیر مقدور لعین ده جوبدسے اختیارین نہیں ، یہ ہے کہ اس کا دل و نیری اشیا ،
کو حاصل کرنے کے نئوق سے مرد پڑجائے ، نہ ہوغیر تقدور نہ ہوتقدور کے ذریعہ حاصل ہوتا ہے ۔
کیرنکہ نہ مقدور فیرمقد ورکا ذریعہ وسبب ہے ۔ جواست بیا ، بند ہے کے پاس نہ ہوں جب ان کی
طلب جیوڑ وے اور موجو دانتیا ، کو را و خلابیں بانٹ دے ۔ اور تواب آخرت کی نیت سے دنیں و
اسباب دنیا کی آفات یا دکرتے ہوئے بندہ جب آئدہ کے لیے مال دنیا کے حاصل کرنے کا ارادہ اور
اس کی جا ہمت ول سے نکال دے قراس کے ذریعہ دل ہیں دنیا کی طلب مرد پڑجائے گی ۔ اور دنیا و
اسباب دنیا کی طلب حدل کا مرد پڑجانا ہی خنیقی زیر ہے ۔
اسباب دنیا کی طلب دل کا مرد پڑجانا ہی خنیقی زیر ہے ۔

پھریہ جاننا چا ہیے کہ زہر مقدور کی تمیسری جزوی طلب نباکا ارادہ بھی دل سے بکال دینا ہمت مشکل ہے کیونکہ بہت بیل و رہا و پر سے نز نارک دنیا ہیں گران کے دلوں میں دنیا کی مجت بیلیاں مشکل ہے کیونکہ بہت ایسے ہیں جواور او پر سے نز نارک دنیا ہیں گران کے دلوں میں دنیا کی مجت بیلیاں مینی رہتی ہے۔ ایسانتھ ماسک شکٹ میں مبتلار ہتا ہے۔ حالانکہ زہر کی اصل نشان اس تعمیری جزوسے میں بیدا ہوتی ہے۔ کیا تم نے اللہ بلندو بزرگ سے یہ ارشا وات نہیں مسنے:

ہم آخرت کا گھرمرف ان لوگوں کوعطاکر برسے جو دنیا میں مرکنٹی ونسا دکا الا دہ کس نبیں کرنے ۔

تِلُكَ النَّامُ الْأَخِرَةُ نَجْعَلُهَا لِلَّذِيْنَ لَا يُرِيدُ وُنَ عُكُوًّا فِ الْآنِهُ مِن وَلَا فَسَاكًا و رَبِّى الْآنِهُ مِن وَلَا فَسَاكًا و رَبِّى

اس آیت یں اللہ نفالی نے جنت میں واضلے کا حکم ان لوگوں کے بیے بنایا ہے جو مکرشی وفسا و کا ادا وہ نبیس کرنے دان کیلئے نہیں بتا یا جو مرکشی وفسا و طلب نبیس کرتے یا عمل طر ربز نبیس کرنے ۔ ایک کا ادا وہ نبیس کرنے دان کیلئے نہیں بتایا جو مرکشی وفسا وطلب نبیس کرتے یا عمل طر ربز نبیس کرنے ۔ ایک

منقام پرفرمایا ہے:

بوتخف آخرت کی کھیتی کا الا دہ دکمتا ہے ہم اسے اس کھیتی کی اور زیا دہ ترفیق دیتے ہیں اور جرد نیا کی کھیتی کا الادہ کرسے ہم اسے کچھ دسے دیتے ہیں گرآخرت ہیں اس کا کوئی مقسہ نبیس رہنیا ۔

مَنْ كَانَ يُورُيدُ حُونَ الْأَخِرَةِ نَرْدُلَهُ فِي حَرْثِهِ وَمَنْ كَانَ يُرِيدُ نَرْدُلَهُ فِي حَرْثِهِ وَمَنْ كَانَ يُرِيدُ حَرْثَ اللَّهُ ثِنَا نُوتِهِ مِنْ فَصِيْدٍ هِ لَهُ فِي الْلِيخِرَةِ مِنْ نَصِيْدٍ هِ رب ۲۵)

جرشخعی اس دنیا کرچاہیے ہم اس کوائی شیت محے مطابق اس سے کچھے ہے دبیتے ہیں ۔ ايك اورمفام ريسترايا: مَنْ كَانَ يُرِيُدُالْعَاجِكَةَ بَحِنْكُا مَنْ كَانَ يُرِيدُالْعَاجِكَةَ بَحِنْكَا كَهُ فِيْهَا مَمَا نَشَاعُ و د بِثِي،

جس نے آفوت کوچا اوداس کے لیے کوشش کی ۔ کوشش کی ۔ ايك اورمقام روست رمايا: مَنْ أَرَا دَ الْاَحْرَةَ وَسَعَى كَهَا مَنْ أَرَا دَ الْاَحْرَةَ وَسَعَى كَهَا مَنْ عَيْهَا ريك ـ بن اسرائيل)

توم ان تمام مندرج بالا آیات کا مطابع نہیں کرتے کہ ان تمام میں اطاد سے کی طرف اشارہ کیا گیا ہے تومعلوم ہوا کہ ارادہ ایک بہت بڑی چیزہے لیکن جب انسان بہی دو چیزوں دیعنی موجود مال داوجن میں صدفہ کرنا اور فیر موجود کی طلب بے بے نیاز ہونا) پرعزم داستقلال سے ل شروع کوف ۔ نوامید ہے کہ رب تعالیٰ ا بنے فضل و کرم سے طلب نیا کے اداوے کو بھی گئی طور پردل سے تکال نے کہ اور کیونکہ وہ ذات نہایت فینسل و کرم فرمانے والی ہے بھرجس چیزسے داہ فدایس ال لگانے اور زرک دنیا برید دمتی ہے۔ اور جوئئی اس سلسلے ہیں اسانی کا باعث ہے وہ بہے کہ آنا تب دنیا ترک دنیا برید دمتی ہے۔ اور جوئئی اس سلسلے ہیں اسانی کا باعث ہے وہ بہے کہ آنا تب دنیا

اوراس کے عبوب کو ذہن میں دہرایا جائے۔

نرمن دنبا كم منعلى مشائخ رحمهم لتركه مبست اقوال بين ريضا بخربعض مشائخ ني فرايا تركتها لقلة غنائها وسُرُعَة يرب دنيا سيمتنف بول كي دم يه ب كرده فنأتها وخسه شركائها

تغورًا وقت انسان كودولتمندكرتي سصاصطلري

فنا برجاتی ہے اور منت اس کے طالب بی سی سیس اور کمینے ہیں۔

مير مين وممنا الله عليه في ما يك كمندر جربالا قول مسيمي دنيا كيرما نفر تعلق كي و الى ہے۔ کیونکہ بوخص کسی شی سے جلائی کاشکوہ کرتا ہے وہ در خیفنت اس کے وصال کا ارزومند ہونا ہے۔اسی طرح بوض کسی شک سے اس بنا پر علیٰ کی اختیار کرنا ہے کہ اس میں اور مجی منریک ہیں ۔ وہ ورخفیقت اس امرکا خواہنمند مونا ہے کہ کاش میں اکیلائی اس کا مالک ہوتا۔ اس لیے مذمت دنیا کے

متعلق زباده درست وي بهجومير ميضى رحمة الله تعالى عليه فرمايا به السيخ فرمايا:

دنیا خداکی دخمن ہے اور توخداکا دوست ہے

اورقاعده ہے کہ جوکسی کو دوست رکھتا ہو وہ ابنے دوست کے نٹمن کوچی اپنا ڈٹمن مجمتا ہے۔ الدنباعد قالله وإنت محته

من احت احدا ابغض عدوه

## میرسے بنتے نے رہی منسرمایا:

لان الدنيا في اصلها وسخه جيفة الاترىان إخرها الى القذى والفساد والتلانثى و الاصمحلال والنفاد لكنها ضمخت بطيب وطوييت

كيونكه يددنيا درخبقت ييلے كيليے مردادكى اند ہے۔ تم دیکھتے نیس کہ اس کے لذید کھانے تعوری وریس بدبودارگندگی بن جاتے بین اورانجام کار اس کی زیب زمیت والی چیزی خلب ، پر مرده اورفناومعدوم بوجاتی بی مگراس کے ظاہر کونوبو داراورمزین کردیاگیا ہے۔

توغافل اس كے ظاہر كود كھوكراس كے دھو كے ين آگئے . گردانا لوگوں نے اس سے كنار مكثى اختيارى -سوال: كياز براختياركنا فرمن بيانقل ، جواب : مثائح الى سنت كے زديك زېددو چيزوں سے ہوتا ہے ۔ ايك موام سے وومرے

صال سے برام انبیاء سے زبد فرص ہے اور صلال سے تب بھرجن لوگوں کوطاعات وعبادات بس استقامت ما مسل ہے ان کے زدیک مرام ایک بخس اور مردار جبر کی طرح ہے ۔ فدا نخواست ما گل اس کے استعمال کی صرورت ببین آئے تو بہت معمولی اور بقدر صرورت استعمال کرنے کی نزعا اجازت ہے ۔ گرابدال و کا ملین کے نزدیک ملال بھی صرورت سے زائداستعمال کرنا مرداد کی اندہ ۔ وہ ملال بھی فقد رضورت وصاحت ہی استعمال کرنے ہیں ۔ باتی رہا حرام ، نو وہ ان کے نزدیک آگ کی ماند ہے ۔ اس کے استعمال کا اندیں وہم کک نہیں آتا ۔ ول کے دنیا سے نکل جانے کا بی مطلب ہے کہ طلب دنیا کی نفرت لیں جاگزیں منیا کے براگندہ نبیالوں سے دل پاک وصاحت ہوجا ئے ۔ اور بیان تک دنیا کی نفرت لیں جاگزیں مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مروبانے کہ وہ است منیا کا کوئی دا عب مدنیا کی میں مذر ہے ۔

سوال:

بیکیے موسکت ہے کیجیب عجیب شہونوں اور لذتوں سے آراست بیراست دنیا کوانسان آگیا بک گنرے مردار کی طرح سمجھنے لگے فاصکر ہم جیسے کمزور خلفت اورضیعت طبیعت نو بالکل ایسے ہیں مرسکتے ۔

جواب:

الله تعالی جس انسان کواپنی خاص توفیق سے نواز تا ہے اور جوآ فات دنیا سے وا نف و اس کاہ موجا تا ہے تو دنیا اسے ایسی ہی تغیرو ذلیل معلوم ہوتی ہے گرج برو فوف اس کے عیوب اور اس کی آفات سے اندھار ہے اور اس کی ظاہری ٹیپ ٹیپ زینت سے فریب خوردہ مووہ دنیا کے اس کی آفات سے اندھار ہے اور وہ دنیا کو تغیرو ذلیا سمجھنا ناممکن خیال کرتا ہے بیں ایک لیبی منعلق ایسے تعب ہی کرتا ہے ، اور وہ دنیا کو تغیرو ذلیال سمجھنا ناممکن خیال کرتا ہے بیں ایک لیبی منال دیتا ہوں جس سے دنیا کی تغیقت تم پردوشن اور واضح موجائے گ

ایک شخص برری انتیا ، ڈال کنفبس اور عمدہ صلوہ تبار کرنے ۔ گرتبار کرنے کے بعداس میں زہر فائل کا ایک قطرہ ڈال دے ۔ زہر ڈالنے وقت ایک شخص نو دیکھ رہ تھا ، گردو مرااس سے بے خرتھا جب کا ایک قطرہ ڈال دے ۔ زہر ڈالنے وقت ایک شخص نو دیکھ رہ تھا ، گردو مرااس سے بے خرتھا جب دونوں کے سامنے وہ بہترین اور عمدہ ملوہ کھانے کے لیے رکھا جائے گانو جسے زہر کی طاوٹ کا علم ہے دونوں کے سامنے وہ بہر دا اور اس کے وہ ہرگزاس کے کھانے کی طرف راغب منہیں ہوگا ۔ بکد کھانے کا خیال بھی نہیں کرے گا۔ اور اس کے وہ ہرگزاس کے کھانے کی طرف راغب منہیں ہوگا ۔ بکد کھانے کا خیال بھی نہیں کرے گا۔ اور اس کے

زدیک برملوه بیشین آگ ڈالنے سے بھی زبادہ شکل ہوگا کیونکہ وہ اس کی اندرونی آفت سے وافقت ہے۔ وہ اس کی ظاہری بحدگی اور نفاست سے دھو کے بین نبیں آئے گا ۔ گردوم خص بھے آئی ہوئے سے ماس کی ظاہری بحدگی و نفاست سے فربب بیں آئے گا ۔ گردوم خص موص و آئی ہوئے سے ملوے بروٹ بیل وہ اس کی ظاہری بحدگی و نفاست سے فربب بیں آ جائے گا۔ وہ برص و الیاج سے ملوے بروٹ بیل کے اور اپنے ساتھی پر اس ملوے سے نفرت کی وجر سے تجب کرے گا ۔ وہ بیا کی جام است یا بھی بعینہ اسی طرح بیں جو اہل بعیت بلکہ اسے اسے اس تقویت کے داستے پر گا مزن بیں وہ قوالی بحث بند اس بھر جرام کے نقصانا میں سے بے جرادگ اس پر فدا ہور ہے ہیں۔

اوراگر صلوه تیارکرنے والے نے اس بین زمری طاوف ندی موا بلکاس بین تفوک دیا ہویا ناک صاحت کی ہوا بلکاس بین تفوک دیا ہویا ناک صاحت کی ہوا اوراس محقوک وغیرہ کو حلوہ بین طاکراوپرسے اچھی طرح درست کردیا ہوا توجوا دمی اس کار روائی کو دبکھ رہا ہوا دہ تو اس صلوے سے کرامت اور نفرن کا اظہار کرسے گا اور موائے تروز ور تو اس کی حد گا سے کھا نے بردھنا مند نبیس ہوگا لیکن بیخ تھی ندکورہ کار روائی سے نا وافقت ہوگا دہ اس کی حد گی افران اور نفاست سے متا تز ہوکر خوشی خوشی سب جیٹ کرجائے گا۔ بلکہ اس برفرحت و ببند بدگی کا اظہا کرے گا۔

زندگی قائم رہ سکے۔ تو دنیا سے گلی طور پر علیٰجد گی کیسے ہو<sup>ری</sup> ہے ، بچاہ :

زید سے تفصر ویہ ہے کوففول از اندا ورغیر صروری انٹیاء سے اجتناب کیا جائے عز فیدکہ مون اس فدر طاقت و فدرت موجود رہے جس سے عبادت وطاعت خدا فندی اوا موسکے محصل کھانا پینیا اور لذت گیر ہمونا مقصود و نہ ہم ۔ اور فعدا تعالیٰ کواس پر بھی قدرت ہے کہ تنہیں سبب و فراید سے زندہ رکھے کیا بغیر سی طاہری سبکے ۔ جسبے بائیر کہ ان ما دی اسباب و فرائع کے بغیر ہی زندہ ہیں ۔ فدا تعالیٰ کواس کی بھی طاقت ہے کہ تنہیں تممارے پاس موجود شی کے فرایعہ فرندہ رکھے یا البی شی میتیا فراوے جس کا منتیں وہم و مگان تک نہ ہو جیسا کہ رب تعالیٰ نے ایک جگ فرایا :

قر مَن تَن تَنِیْقَ اللّٰه کَیْجَعُلُ لَا تَنْ اللّٰه کَیْجُعُلُ لَا تَحْدُولُ اللّٰه کَانِ اللّٰ ال

اس بیداگرنم تقوی پرکار بندم وجا و ترمتبین بقار جیات کے بید طلب و نیا وغیرہ کی حاجت تیس ۔
اوراگرز پرکا پرور درمتبین سانسل نہ ہوتا زا و ترت اورتفوی کی نیت سے نلاش کرویشوت وازت کی
غزین سے الائز ، ندکر در کیو کر جب متعافری نبیت نبک ہوگی تو بیطلب آخرت میں ہی شمار موگ - اور
اس طرح تندار سے زبر بی کوئی فرق نبیس آئے گا - اس مذکورہ بیان کواچھی طرح فرن نبین کو —
و سا ملاح النہ فیت ...

ووترى ركا وط مخلون سيميل جول:

پیم فلوق سے علیہ گی اورع دلت بھی لازم ہے اوراس کے دوسب ہیں :

ایک یہ گرنم میں جل میں بتلا ہو کرعبا دت سے محردم ہوجا وُگے ۔ ایک بزرگ فرما تے ہی کہ بین ایک بی کرنم میں جل میں بتلا ہو کرعبا دت سے محردم ہوجا وُگے ۔ ایک بزرگ فرما تے ہی کہ بین ایک بین میں منے گزرا جو بحث ومباحث بر ہمتنا موا کیا بھی اورا کی شخص ان سے متعودی دور مہٹ کرا کیلا بھی اجوا تھا بیس نے اس کے قریب جاکواس سے گفت گوکر نی چاہی تواس نے جواب دیا" میں فرکا اللی بین شخول رہنے کو نیرے رانے گفت گوکر نے سے زیا وہ مجد ب سمجھتا ہوں" بیں فرکا اللی بیان اکیلے بیٹھے ہوئے ہو۔ تواس نے کما" میں اکبلانہیں جگر میرے سے تواس نے کما" میں اکبلانہیں جگر میرے مور تواس نے کما" میں اکبلانہیں جگر میرے میں۔ تواس نے کما" میں اکبلانہیں جگر میرے

ساتھ ایک بیرارب ہے اور دوکرا ما کا تبین ہیں "۔ اس کے بعدیں نے اس سے سوال کی بحث مباحثہ کرنے والوں بی بہترکون ہے ، نواس جواب دیا "بس کو خدا نے بخش دیا ہو" بیس نے پر جھاب دھی وا ہ کوئی کرنے والوں بی بہترکون ہے ، نواس مجواب دیا "بس کو خدا نے بخش دیا ہو" بیس نے پر جھاب دھی وا ہ کوئی ہے ، تو اس نے ہا تھ سے آسمان کی طون اثبارہ کیا اور کھڑا ہو کر جل بڑا ۔ جلتے وقت وہ بہ کمہ دما تھا "الے لیٹر کی کا فرائد کا مناز کی کوئی کی کوئی گریٹ میں کرتی ہے "۔

ترمعلوم ہمُاکہ مخلون کے ساتھ تعلقات عبادت سے غافل کر دیتے ہیں کیکی عبادت سے روک دیتے ہیں بلکہ بعض او فائٹ ہلاکت اور بُلائی میں ڈال دیتے ہیں۔ جمیسا کہ مصرت حانم اصم رحمته اللہ علیہ نے فرمایا ہے:

"بین نے نخلوق سے پانچ بیز بی طلب کیں گرنہ ل سیس میں نے ان سے کہا زیروطاعت میے بیے مبیاکرو، گروہ نہ کرسکے۔ بین نے کہا زہروطا عت بین بیری اعانت ہی کرو، گروہ اعانت بھی نہ کرسکے۔ میں نے کما اگر زہروطاعت کے بیے تم سے کناروکنٹی کروں تو ناراعن نہ ہونا ، مگروہ کنارہ کشی پرنارا عن ہوگئے۔ یں نے کماز ہروطاعت کے حاصل کرنے ہی تم رکاوٹ نہ بنا ، گردہ رو کنے سے بازنہ آئے۔ انجر ہی نے کها مجھے خلاکی نا فرمانی کی طرون تزید کو د گرانعوں نے میری کسس بات کو بھی سبیم نہ کیا۔ سبب لوگوں سے میری کوئی مرادیمی پوری نه بوئی توبس ان سعے کنارہ کسٹس ہوگیا اوراصلاح نعن میں شغول ہوگیا۔ اسع بزابني كريم على التنزنعاني عليه ولم نے گونندنيني كى حقیقت ، گونندنيني كے زمانے اوراس زمانے کے لوگوں کی وضاحت فرمادی ہے۔ اور حکم دیا ہے کہ جب وہ وقت اور زمانہ آئے تو مخلوق سے يحسركناره كمنش برجانا ورنه تمهارا دبن تباه اورآخرت برباد برجانے كى داور بدواضح ہے كه نبى كريم صلى لندنعا علبه ولم أمت كم مصالح مم سے زیادہ جانتے تھے، اوراپ م سے ذیادہ بمارے خرخواہ تھے۔ تواگر تم ووزمانه بإذجس مين البجيع ولن كاحكم دياهي نواكي حكم كى صرور ميل كروا ورآب كي نفيه حت رعمل كرو اورابیا ویم بھی نذکروکریم اپنی بھلائیوں کو حضور سے مبترجا نتے ہیں ۔ اورع دلت وگونٹہ تبینی کے زک کے ہے نچروبیروده تا ویلات نه کرو . اور رقبن حیلوں کے ذریعه اپنے دل کو نه بهلاؤ . اگراس مازک وفت بر صفور کے ارشاد کی تعبیل نبیس کرو گے تو ہلاک ورباد مرجاؤ کے اور آخرت میں تنها را کوئی عذر نبیس سنا جائے گا۔ ايكم مشهورهدميث بب جو مصرت عبدالله بن عمروبن عاص رصنى الله نعالى عندس مردى ب كوزنيني کے وقت کی تشنز کے کردی ہے۔ بینا بخد مصنرت عبداللہ فرما نے ہیں"ایک دِفعہم مصنور کی فدیمت میں مار

نظے فتنوں کا ذکر برد ان تھا۔ تو آپ فرایا:

اذا سایت حالناس می جت
عمود همو خفت امانتهم
دکا نوا هکذا و شبک بین
اصابعه فالزمربیك واملك
عبیك لسانك وخذ ما نغرف
ودع ما تنكر وعلیک بامی
الخاصة ودع عنک امی
الوا ها

جب تم دیکھوکہ لوگ وعدہ خلائی بیں مبتلا ہم جا
اورا مانت بیں خیانت کرنے گئیں اور لوگوں بی
بیجا اختلاط بڑھ جائے (ادر بیجا اختلاط کا ندکو
کرتے ہم ہے آئیے دونوں ہاتھوں کی انگیاں ایک
دوسری بی ڈال دیں ) تواس وقت شدید مزورت
کے بغیر گھرسے با ہرنہ کل اپنی زبان برکنٹرول کڑئیک
کام اختیار کر مجرا کی سے اجتمال کی عزلت کوا بنے
اوپرلازم کچر اور میں بول سے پوری طرح احترا زکر

ایک اور درین بین کریم ملی التر نعالی علیه ولم نے زمانه عزبت کی بذشانی بیان فرمائی ہے:

ذلا ایا حدالہ ہے بعنی اس و تت گوش نشبنی لازم ہے جب ہرج عام ہو۔ حاصرین نے عرض کیا ہرج اسے کیا مراد ہے و نوا ہو ب نے فرما یا جب کوئی شخص ابنے مہنشین سے بے خوت اور مطمئن نہ ہو۔

سے کیا مراد ہے و نوا ہب نے فرما یا جب کوئی شخص ابنے مہنشین سے بے خوت اور مطمئن نہ ہو۔

اور صفرت عبدالتدین مسعود رصنی اللہ عنہ ہے ایک حدیث مروی ہے کہ صفور علیالہ لام نے حرث بن عمرہ کوفرمایا:

اگرنیری عمر نے وفائی ترترابیان اندیائے گا جس یں خطیب بہت ہوں گے الیکن جامع عالم کم ہوں گے ۔

د کا گرمیت ہوں گے الیکن انہیں دینے والے بہت کی الیکن انہیں دینے والے بہت کی میروں گے ۔

د کا گرمیت ہوں گے لیکن انہیں دینے والے بہت کے بابع ہوجائے گا

ان يده فع عن عمرك فسياتى عليك زمان كثيرخطباء لا فليل عليه كتيرسوالد فليل معطولا علماء لا كتيرسوالد فليل معطولا الهوى فيه قاعدالعلم

بب نمازوں کی پرواہ نہیں ہوگ ۔ رشوت کا بین جب نمازوں کی پرواہ نہیں ہوگ ۔ رشوت کا بین دین عام ہوگا ، اور دین و ندیمب حقیر دنیا کے عون فرونحت کر دیا جائے گا ۔ ایسے دفت بین مجین مہر نے بہنے کا لفظ بین بار دہرایا ۔ ایس نے بہنے کا لفظ بین بار دہرایا ۔

سعفرت وحث بن عميره نے عمل ايسازماندكب آئے گا ۽ نوآ بنے فرايا :

اذا احيت الصلوة وقبلت الرشاء جب نازوں كى پرواه فريا عمال يون بعم ضيسيو من دين عام برگا ، اور دين الدين بعم ضيسيو من دين عام برگا ، اور دين الدي فالنجاء الغاء تحد فروخت كرديا جائے كالفظ و يجه الغاء م

بی کمتا مون حفور سے زمانہ موز دلت کی جوعلامات بتائی ہیں وہ سب کی سب ہمارے ذمانے بیں موجود ہیں۔ آج بیں موجود ہیں۔ امام صاحب رحمۃ الٹر تعالیٰ علید پانچ سو ہجری کی حالت بیان کر رہے ہیں۔ آج بجود حسویں صدی کا اخیر سے ۔ اس بی عز لت گزینی کی اہمیت و مغرورت کا خودا ندازہ لگال بجور حسویں صدی کا اخیر سے بی اس بی عزاب وقت کے لوگوں سے علیٰجدہ رہنے کی سمنت تاکید فرماتے بھر سلف صالحین ایسے خواب وقت کے لوگوں سے علیٰجدہ رہنے کی سمنت تاکید فرماتے سے فقے۔ وہ خود نمام عمر میں جول اور اختلاط سے کنارہ کئی رہے اور دو مسروں کو اس کی تاکید فرماتے درجا سنہ وہ لوگ ہم سے کہیں زیا وہ صماحیب بھیرت نفے۔ ان کے بعد کا زمانہ ان کے زمانے سے بہتر نہیں ، بلکہ دینی اغتبار سے زیا وہ خواب ہے۔

حضرت بوسف بن اسباط نے فرایا کہ حفرت شغبان نوری دیمنداللہ علیہ فدائ قسم کھاکر کہاکرتے فقے کہ ہما سے زمانے بس گونٹ نئینی جائز ہوگئ ہے بیں (اما مغزال) کمتنا ہوں اگران مے زمانے بس جائز بھی تو ہما دسے زمانے بیں فرض ہوگئ ہے بحضرت سقیان توری محسے بیعبی منفول ہے کہ آ ہے حضرت عبا دا لخواص دیمتر الٹر تعالیٰ علیہ کو مندرجہ ذیل خطاکھا:

المبعد، تواسے ذما نے یں ہےجس سے عنوام کے صحابہ بنا و مانگئے تھے۔ مالا کر وہ ہم ایک مالا کر وہ ہم ایک مالا کر وہ ہم اسی خطر ناک زما نے یں ہیں اور جب ہما واک مال مرک ہم جب کہ ہم اسی خطر ناک زما نے یں ہیں اور بھر ہم علم میں ان سے کم ہیں ، مبری کم ہیں اور نیکی برا مانت کرنے والے بھی اب کم ہیں ۔ اور وزیا برنسبت امس وقت کا بوقت کا بوقت اور وزیا برنسبت امس وقت کا بوقت کا بوقت کا بوقت نارو ایک میں نیا وہ خواب ہے ۔ اور لوگوں میں نساد میں زیاوہ آگیا ہے ۔ اسی لیے معزت فارو میں اساد منا وقت کے میں اور وزیا استراحالی منہ نے فرایا «ام کے میں راحت ہمنے میں راحت ہمنے میں راحت ہمنے یہ منسین سے کمن روکشی میں راحت ہمنے ۔ ۔

اما بعد فانك في زمان كان الله الله الله تعلى عليه وسلم يتعوذون تعالى عليه وسلم يتعوذون بالله من الله من الله على وقلة علم وقلة صبر و على قلة علم وقلة صبر و قلة اعوان على الغيروك در من الدنيا وفساد من النا شاكمة قال: في العزلة داحة من أكما على الغيروك در فان عمى بن الخطاب من النا قل عنه قال: في العزلة داحة من من من من من من الدنيا والمنا والمن

بەمندرجە ذىلى عربى انتعارىجى اسى سىسلىدىن كىھسىگئے ہيں :

١١) هٰذا الزمان الذي كنا نحاذره في قول كعب وفي قول ابن مسعوم

ر ٢) دُهُرُّ به الْحُقُّ مردود باجمعه والظلم والبغي فيه غيرهر دود

رس) اعبى اصم من الازمان ملتبس فيه لا بليس تصويب وتصعيد

رس) ان دام هذالو تخدث له غير لم بيك ميت ولم يفرح بمولود

۱۱) نرجمہ: ہمارا بہ زمانہ وہی ہے جس سے ہمیں صفرت کعیث و صفرت ابن سعورہ کے قول ہی ڈرایا گیاہے۔

ر ۲ ) بدابسازمانه سے میں میں خق مردو دہے اور ظلم دبغا دست مقبول ومحبوب ہے۔

(۱۳) اس وفنت دبن سے اندسے اور مبرے سلما دن ہیں دل لی گئے ہیں'ا وراس وفنت البیس کو سچا اور لمبند نجیال کما جا تا ہے۔

رم ) اگلاس زمانے کی ناذک حالت ہیں مہی اوراس میں کوئی بھرتبدیلی رونما نہ ہوئی تواس کے مرفے والوں پر نظما رمترت مناسب ہوگا.
والوں پر نما ظمار افسوس لائت ہوگا اور زینے پر اہونے والوں پر نظما رمترت مناسب ہوگا.
اور میں (امام غزائی ) نے مُناہے کہ ایک دفعہ صخب سفیان ہوجیدیز نے حضرت سفیان تروی سے کہا "مجھے کوئی نعیب سے کہا" مجھے کوئی نعیب سے کہا "مجھے کوئی نعیب سے کہا "مجھے کوئی نعیب سے کہا "اللہ من معی فات الناس" بینی" لوگوں سے میل جول اور تعارون کم رکھ" توسیل ان تو کہا " اللہ آپ پر رحم کرے ' صربت میں تو آبا ہے اکثو واحن معی فات الناس فان لکل مؤمن شفاعات مین گوگوں سے تعارون بڑھا کہ کیوں کہ ہم واقعت موسی میں دوسرے موسی کی شفاعت کرے گا" تو حضرت سفیان توری نے اس کے جواب بیں واقعت موسی کہ تاہم کے جواب بیں فرایا " میرا غالب گمان ہیں ہے کہ تجھے جو کلیف اور ایز آپنچی ہوگی دہ کسی واقعت کا رہی سے تنہ کی ہوگی وہ سی واقعت کا رہی سے تنہ کی ہوگی دہ کسی واقعت کا رہی سے تنہ کی ہوگی وہ سی واقعت کا رہی سے تنہ کی ہوگی ہوگی سیفیان توری گری ہوئی کوئی نصیب کے بیا کہ ہوئی کے بیا کہ کوئی نصیب کے بیا کہ کوئی نصیب کے کہا ہوئی ہوئی ہوئی ہیں میں نے عرب کیا کہ کوئی نصیب کی توسید کی ہے۔ بعد دفات خواب بیں دیکھا کہ آپ بلندم اتب پر فائر ہیں بیں میں نے عرب کیا کہ کوئی نصیب کی ہیں۔ بعد دفات خواب بیں دیکھا کہ آپ بلندم اتب پر فائر ہیں بیں سے عرب کیا کہ کوئی نصیب کی ہیں۔ بو فرایا :

بهان تک برسکے لوگرں سے تعارف وا تغبت کے۔ کم دکھ کیونکم مخلوق کے انتقالا طاسے خلاصی باناسخت

اقلل من معم فلة الناس مأاسنطعت فأن التخلص منهم نشد يلا -

## الك عربى نناع نے اس صفرن كواس طرح اواكيا ہے:

(١) رمازلت مذلاح المشيب بمغرقي افتشعن هذا الودى واكشف

(٢) نمان عما فت الناس الإذممنهم جزى الله خيرا كل من لست اعماف

(۳) وما لى ذنب استنحق به الجفكر سوى اننى احببت من ليس ينصف

( ۱ ) یں دگرں کے مالات کی تعتیش اوران سے تعاریت بیدا کرنے بیں معرومت رہا بیان کسیس بڑھا ہے کی عمر کوچنے گیا ۔

۱۲۱ نومیری جن سے بھی وا تعبیت ہوئی میں نے ان کی مُلاثی بی کے ۔انشرتعالیٰ ان کونیک بزا دسے جن کوپ نبیں جانتا ۔

(س) وه غلطی جس کے باعث دیں زیادہ قابل نمرست ہموں ہیں سے کہ پی سفان کودوست بنایا بوانعساف وفاسے نا آسٹ نا تھے۔

## ایک مکان کے دروازے پربیالفاظ تخربہ نفے:

جزى الله من لا يعن فنا خيرًا ولا جزى بذلك اصدة قائنا فما اوذينا مرانيس ندر مرمار ودرت بي كيولك قط الا منهم - مير جرانيا وكيم بيني بي وودوستول بيني بي المنهم -

عربی کے بہ دوشعر بھی اسی سلسلے بیں کھے گئے ہیں:

(١) جزى الله عنا الخيرمن ليس بيننا و لا بينه و لا نتعاس ف

(٢) فماً مستاهد ولا نالنا انى ! من الناس اَلا من نود و نعم ف

( 1 ) الشَّاس كوجزائي نيردس جي كم سے كوئى دوستى اور تعارف نبيل -

( ٢ ) كبونكهميں جوبمي ايرابيني سے وہ اپنے دوستوں اوروا فقت كاروں ي سے بنجي ہے۔

مصرت فضيل رحمة الشرعلية في فرما يا به :

هذا زمان احفظ لسانك واخف اس نازك دُورِس ابن زيان كامغاظت كرايخ

مکانك دعالبح بنبلك وخذ ما مکان کومنور دکه ـ اپنے قلب کی املاح کو تعماف ودع ما تنکر ـ نیک کام انتیاد کراد دران سے اجتناب کر۔

marfat.com

مضرت مفيان نورى دهما لترتعالى نے اپنے زمانے كے تعلق فرا يا :

یخاموشی اختیارکرنے کا زمانہ ہے۔ اس دنت گھرکی چاردیواری کے اندر رہنے بیں ہی اس ب اور عمولی معاش رگزرب کرنا ہی مبنر ہے بیان ک کرموت آجائے۔ هذا زمان السكوت وكمن وم البيودت ـ والرضاء بالقوت ـ المان تهوت

ا ورحصنرت دا وُ وطا فی رحمته الله نعالیٰ علیه سے منتقول ہے:

دنیایں روزہ سے رہ آخرت یں جاکر بدازہ افطار کر۔ اور لوگوں سے اس طرح دُور بھاگ جی طرح شیر سے بھاگتا ہے۔ صمعن الدنيا. واجعل فطرك الاخرة وفرمن الناس فراس ك من الاسلاء

بس نے جس دانا کو بھی دیکھا اوراس سے گفتگو کی اس نے ہو بہی کہا کہ اگر تواس بات کو بیندکڑا ہا کہ دیکو کہ اس نے ہونو کھے زیرا اللہ کہ دیکوں بیری جان بیجا بن نہ ہو تو کھے زیرا اللہ

حضرت ابرعبيده نے فرمايا: ما دأيت حكيماً قط الا قال لى عقب كلامران احببت الا مورت فانت على بال

کہ ہی کھے مقام ہے۔
است می روا بات اس قدر زبادہ ہیں کہ اس مختفر کتاب ہیں ان کے بیان کی گفجائش نہیں ۔
ہم نے اس می دوا بات کو ایک متعل کتاب ہیں جمع کر دبا ہے جس کا نام ہم نے "اخلات الابرار
والنجان من الانٹراز رکھا ہے 'اس کامطالعہ کرو ینہیں اس ہیں عجبیٹ غریب معلوات ملیں گی۔

اور عفلمند کونوا شارہ ہی کافی ہے۔ و بالتدا انتو بنت ۔ ووسراسبہ جس کے باعث مخلوق سے علیجد گی ضروری ہے، یہ ہے کہ لوگوں میں مخلوط رہ کر

تنهاری عبادت وطاعت تباه وبر با دېروجائے گی، الاما شاءا نشد۔ وه اس طرح که درگوں بیں ده کر تم ریا ، خود منتا نی اور زینت بیں مبتلا ہم جا وُ گے یونئرت بھی بن معاذ دازی رحمہ انٹیڈتعالیٰ نے کیا

بى ببترفرايا - آب فرا نتے ہيں : دؤية الناس بساطه الرّياء

وگرں کا دیجمنا ریا کی جٹائی ہے۔

بزرگوں نے رہا کے خوف سے لوگوں سے لافات اور ایک دومرسے کی زیارت نزک کردی تھی۔ روایات بیں مذکورہے کہ حضرت ہم بن جمان نے حضرت اوبیں قرنی رمنی الٹر عمنہ سے عرص کیا" ہمیں طافات وزیارت کے ذریعہ اپنے سا غظائے رکھیے"۔ نوا پہنے نے فرایا" بین مخصے ان دوسے بھی زیادہ ناخ شی کے ذریعہ اپنے ساتھ طار کھا ہے۔ اوروہ نیری عدم موجودگی می تیرے حق بین دعائے نیرے حوالات وزیارت تھیک نہیں کیونکم اس سے ریاء وزیز نے بی پیرا ہونے ہیں۔

جب صفرت ابرائمیم بن ادیم رحمة الدعلیه صفرت ایمان خواص رحمة الده علیکے نشری شریت الله است نو لوگوں نے حضرت ابرائیم است ملائے ہے نو لوگوں نے حضرت ابرائیم است ملائے ہے نو لوگوں نے حضرت ابرائیم بن ادیم کی بجائے سرمشوں شیطان سے طاقات کرنے کویں زیادہ ببند کرتا ہموں " لوگوں نے اسیے جواب بر مران ایا تو آ بنے فرایا "مجھے اس جیز کا فررہے کہ جب یں است ملاقات کروں گا توان کے ما تھ گفت گوا ور ملیک سلبک یں تکھن اور تریق کروں گا بیکن اگرشیطات کو دیکھے ہاؤں تواس سے بھنے اور دینا ہ کی تدریم کو دیکھے ہاؤں تواس سے بھنے اور دینا ہ کی تدریم کوں گا۔

ابک دفعہ برے (امام غزائی سے بھرافت کا کسی عارف کا ل سے طاقات ہوگئی۔ درہ کہ دونوں ایک دوسرے سے موگفت گورہ بھرافت ام کلام پر ایک دوسرے کے بیے دعائے خرکی ۔ میلی دونوں ایک دوسرے سے موگفت گورہ بھرافت ام کلام پر ایک دوسرے کے بیے دعائے خرکی ۔ علیٰ دو برتے وقت بر سے بننے نے اس عارف سے مخاطب ہو کہ کہا تھی گابل کو بہتری مجلس تعبقر کرتا ہوں کی دورار گفتگو تفتور کرتا ہوں کی دورار گفتگو تفتور کرتا ہوں کی دورار گفتگو ہم این اپنی گفت گو کو مزین اورا بنے ا بنے علوم کو ایک دوسر سے پرظا ہر کرنے کو مشن نیس کردہ ہے تھے اور اننے اور کی اس طرح ہم ریا و تکلف بی مبتدا نہیں ہوگئے تھے ، یہ من کرمیر سے بنج دو پڑے اور اننے دور کے کہا سے ایک میں کرمیر سے بنج دور ہے اور اننے دور کی اس طرح ہم ریا و تکلف بی مبتدا نہیں ہوگئے تھے ، یہ من کرمیر سے بنج دور ہے اور اننے دور کی اشعار دورار النے دور کی دور کی دورار کے دورار کا مندر جو ذیل اشعار دورار النے دورار کی دورار کیا دورار کی د

اخوف من ان يعدل الحاكم وليس لى من دونه ما حمر اسرف الا انه نا دم!

(۱) ياويلنا من موقف ما به (۲) اباس زائله بعضياً ته

س) ياربعفوا منكعن مدنب

(٣) يقول في الليل اذا نادا لا أها لذنب سترالعاً لم

(۱) ہمارسے مونعت وروبتے پراقسوس! کم خینق عدل کے وقت بدانتہا ہی خونناک تنائج کا موجوگا۔

( ۲ ) میں انٹرنعالیٰ کی نا فراتی کر کے اس کے عذاب کوچیلنج کرد ہمیں ۔ مالا کمہ اس عفور درجیم کے سے سوا محمد برکوئی رحم کرتے والا بھی نہیں ۔ سوا محمد برکوئی رحم کرتے والا بھی نہیں ۔

رسا) اسے انٹر! بیں ا بینے گنا بول کی معافی کا توانسٹگا رہوں ۔ بیں نے اگرچرگنا دکرکے نتنائی زیادتی
 کی سے گریں اس پرنا دم صرورمیں ۔

ر مہ ، جب اندجبری رانت کا کنانت بین تا رکی پیبلا دبتی ہے ۔اس دنت بیں درگا ہ فدا وندی بی آ ہ و زاری نثروع کردتیا ہوں جس نے میرسے گنا ہوں پر پروہ ڈال رکھا ہے ۔

اسعزیز از جان که عزلت کے اعتبار سے لوگ دو طبقوں میں تقییم ہو سکتے ہیں :

ایک دہ جو زعالم ہیں اور نہ حاکم ۔ ایسے لوگوں کی طرف مختل ق مختل نہیں ۔ توا بیسے لوگوں کو

چا ہیئے لہ مختل ن سے الگ اور علیٰ می و رہیں ۔ مرف جمعہ ، جماعت ، عید ، حج یا دین مجلس ہیں نئرکت

کریں ، یا معین نن کے بیے بقد رومز ورت میں جول کریں ۔ اس کے علاوہ لوگوں سے الگ رہیں ۔

کسی سے معرفت اور وا تعینت پیوانہ کریں ۔ اوراگراس قسم کا آدمی کسی مصلحت کی بنا پر لوگوں سے

بالکل می علینحدہ رہنا جا ہیں اورکسی ہی یا دنبری کام ہیں منرکت نہ کرنا چا ہیں ۔ تزاس نخص کے جو الت اختیار کرنے کے بیے مندرجہ ذبل امور میں سے کسی ایک امر کا ہونا صروری ہے :

(۱) یا تو آبادی سے اتنا دور جلا جائے کہ جمعہ ، جماعت دینرہ اسکام اس پر لازم نہ رہیں جیسے بہاڑوں کی ہوٹیاں ، یا دور دراز وا دیاں یعبن بزرگ جو عبادت کے بیے دور دراز مقامات پر جیا گئے ان کے جانے کی ایک وجرنا بدہی تھی ۔

(۲) دوسرا امریہ ہے کہ ایسے تفسی کواس امرکا بقین ہونا چاہیے کہ لوگوں سے معولی انتخلاط سے بھی نفصان ہینچے گا۔ نواس بنا پراگر وہ جمعہ جماعت وغرہ میں بھی شریک نہ ہم تو وہ معذور ہے۔ اور بی خود کم معظمہ بیں (السّرا سے ہم حادثے سے مفوظ رکھے) بعض البیے مثا ٹے کو د بچھا ہے جربیت السّر شریب خود کم معظمہ بیں (السّرا سے ہم حادثے سے مفوظ رکھے) بعض البیے مثا ٹے کو د بچھا ہے جربیت السّر شریب کے بالکل مست ریب وزند رست ہونے کے باوجود نمازی جماعت میں شریک نہیں ہونے تھے۔ بی نفواس نے وہی وجربیان کی جس کی طوف ہم نے بی نے ایک دن ایک بزرگ سے اس کی وجد دربافت کی تواس نے وہی وجربیان کی جس کی طوف ہم نے انسادہ کیا ہے کہ اختلاط سے نعتصان مین تبا ہے۔ بیں کہتا ہوں معذور پرکوٹی طامت نہیں ۔ اورا فیڈتعالی ہم انسادہ کیا ہوئے جمعہ بھا عت اور دیگرا مور نیم براگ کے عذر کو خوب جا نتا ہے ۔ کیو نکہ وہ بینوں کے دانہ جا نتا ہے بیکن زیادہ بہتر اور مناسب ہی ہم دربی سے معزم ہوئے جمعہ بھا عت اور دیگرا مور نیم براگ کے دربیکونت اختیار کرے کرمندر دربالا نشری وہ بینوا مور بی بی انسان میں بھی تشریک ہونا نہیں جا بنا تو آبادی سے آئی دور سکونت اختیار کرے کرمندر دربالا نشری اس کیا اس بیلازم نہ دربیں بیکن شخص ہے نوشنہ بیا آبادی میں بھی مجمعہ جماعت وغیرہ بی میشریک نہیں ۔ اس کا ابساکرنا مجمعہ کیا عت وغیرہ بین شریک نہیں ۔ اس کا ابساکرنا محمد محمد عدی دیم ہیں میں نشریک نہیں ۔ اس کا ابساکرنا محمد محمد عدی دربی ہیں۔

دوسراطبقروه لوگ بی جو بین کے اغبارے لوگوں کے مفتدا ہوں، خلاف نظری امور کی تزدیداور اثباتِ حق بین مصروف ہوں ، توان علمائے کوام کو اثباتِ حق بین مصروف ہوں ، توان علمائے کوام کو اثباتِ حق بین مصروف ہوں ، توان علمائے کوام کو نظر ماع دلت کی اجازت نبیس ، بلکہ ابیے حصرات پرلازم ہے کہ عامۃ ان س میں رہ کر دین کی نشروا شاعت مشرعاع دلت کی اجازت نبیس ، بلکہ ابیے حصرات برلازم ہے کہ عامۃ ان سیم اللہ کے نبیدا نے اور واضح کریں ۔ مخالفین اسلام اور فرن باطلہ کے نبیدات کے جوابات دیں اور اسکام اللید کے بھیلا نے اور واضح کرنے بین ہمن تن شغول رہیں کیونکہ نبی کریم صلی اللہ تعالیٰ علیہ ولم نے فربا باہے:

جب خلات تشرع ا مودعام برجا بُرِها ورعالم دبن خاموش دہے توابیسے عالم برگذاکی تعنت ۔ إِذَاظُهُمَالِيدَعُ وَسَكَنَ الْعَالِمُ نَعَلَيْهُ لَعُنَاةً اللهِ -فَعَلَيْهُ لَعُنَاةً اللهِ - فلاصد بدکہ وینی پینیوا کے بیے کسی صورت بی عزلت روانیس ۔ اُستا دا ہو کمرین قورک خمالتہ علیہ کے منعلق منعول ہے کہ جب ایب نے عبادت کی غرمن سے لوگوں سے علیلی گی کا ارا دہ فرابا او پیماڑوں بین بینجے گئے ' تو ایک آواز دینے والے نے غیب سے آواز دی " اے ابو کمر اجب تو مخلوق کے بیاڑوں بین بینجے گئے ' تو ایک آور دیل ہے تو تو انہیں جیوڈرکر کیوں بیاں آیا ہے' ہ

اورمجه سے امون بن احمد نے بیان کیا کہ استا دا بواسحات اسفرائنی رحمتہ اللہ علیہ نے جبل بہنان کے گوشنر شیبینوں کو فرطیا" اسے گھاس مجھوٹر کرنے والوئے تم سرکار دوعالم کی اُمن کو گھاموں کے گوشنر شیبینوں کو فرطیاں آگئے ہو"، تو انہوں نے جواب دیا ہمیں لوگوں میں رہنے کی طاقت نہیں اور خوالے میں کے فورت دی ہے۔ اس بیے آب رہ سکتے ہیں '۔۔۔۔۔ اس کے بعد آبنے ایک تا ب تصنیعت فرائی ہجس کا نام ابجا مع معنی والجلی "دکھا۔

ليكن يه علما مصر كلام جس طرح علم بي ميثل تفيح بل اورانمورانخرن كى معرفت بي بعي سيسي آگے تقے۔آسے عزیز' جان ہے کہ ایسے عالم میں دوجیزوں کا ہونا عنروری ہے۔ ابک توصیرعلم' اپنےنفس کا محاسبدا ورجه بیشند خلاتعالیٰ سے سلامتی کا طلب گار رہنا ۔ دوسری بدکہ باطن کے اعتبارسے لوگوں سے جدا رہے۔ اگرچہ ظاہری جم کے اغتبارسے وہ ان کے ساتھ رہے۔ اگر لوگ اسسے کلام کریں توان سے کلام کرے۔ وہ اس کی زیارت کو آئیں توسیب مہاتب ان کا ٹنگریہ اوراخرام کرے۔ اوراگرلوگ ہی سے اعراص كريں اورخاموشی برنیں تروہ اسے نیمت شمار كرہے۔ نیك بان میں ان كا با نفرٹائے اور اگروہ مِلا ٹی اورمشرارت کی طومن ماکل ہوں تواُن کی نخا لغنت کرسے اوران سے الگ رہے ۔ اوراگرہوگ ہسس کی ڈانٹ ڈبیٹ سے بُرائی سے بازا سکتے ہوں نوانہیں مناسب ڈانٹ ڈبیٹ بھی کرسے۔ اور پڑھنو قان میں رجنے کے یاعث اس پر لازم آتے ہیں ان کواواکرنا رہے۔ جیسے دَنّا فوتنا ان سے بل لاقات، بماوں کی بیاوت اورصب امتعاصت ان کی حاجات بوری کزا گران سے کسی مکامطالبہ نہ کرسے۔ا ورنہ اس کی اُمید ر کھے جنی الوسیے ان ریخرے کرسے مگران سے کوئی جیزنہ سے یچنکلیفٹ یا ابداءان سے پہنچے اسے برداشت كرسے ـ اور مرايك كوننده پنتيانی سے ہے ـ اپنے آب كوان كھ ما منے بے پرواہ ظاہر كرسے ـ اپنی حاجات ان سے پرشیدہ رکھے اوران کا خودا تنظام کرسے۔ پھران با توں کے ساتھ ساتھ نفلی عبادت کے بہے بھی پوبس گھنٹوں میں کوئی وقت خاص کرنے تاکہ ابنے ظاہراوریا کمن کی اصلاح بھی جاری رکھ مسکے۔ جیساکہ صنر

فاردن اعظم رصى المتدتعالي عنه نے فرایا:

ان نمت الليل لاضعين نفسى و ان نمت النهأ دلاضعين الرعية

فكيف بين هاتين ـ

اگردات کوسوتا جول تواپی آ فوت بریادی برل اوداگردن کونیندگرمل تردهینت تیاه برگی تران دوبا تول کرمزنت بمریفی وکس طرح آرا)

کا دقتت نکال مکٹ ہمل ۔

الى منمون كيموافق مي نه مندرج ذيل بخدا شعار كي بي -

(١) فأن كنت في هدى الانمه واغبًا قوطن على ان تنتجبك الوقائع

اگرنم این اندربزدگوں کی میرت پیدا کرنے کے آرزومندم و توزائے کے معاثب و موا د ث رواشت کرکے اپنے اندرنری اور تواضع کومفہوط کرو۔

(۲) بنفس و قورعند كلملمة وقلب صبود وهوفى العدد ما نع برنكيف كوفت نفسي منجيك اور قرت بردائت بيلاكرو. دل كرمها برناو اگر موهاس ما نع ب -

(۳) لسكانك هخزون وطل فك ملجم وسيتم كفعكتوم لدى المرّب خاتمع من اسكانك هخزون وطل فك ملجم وسيتم كفعكتوم لدى المرّبي والمرتبي والمرتبي المحين الكام من ربني والمين المما الما المركب المرتبي والمرتبي والمرتبي والمرتبي والمركب المركب المركب المركب والمركب والمركب المركب المركب والمركب والمر

رس) وذكرُك معنبودوبابك معلق وتُعلك بسام وبطنك جاتُع تماراكون برجانه بورتمارا دروازه بندير بتماراظا برخ ش براوربيث بعرك بو-

(۵) وقلبك عجروم ومسوقك كاسد وفضلك مدفون وطعنك شائع

تهادا دل عثق مولی سے زخمی مرد تها دا بازار سے رونی مورتها دسے کمالات مفون میں اور تهار سے تعلق طعن ویشنع عام مرد

(۲) ونى كل يوچ انت جادع غصة من الده موالاخوان والقلب طائع
 بهبشذ داند اودا بل زماند سے مصائب ذكاليف كے گھونٹ چنے دہو۔ درائى ليك تما داول شوق الحا عت سے لبرز ہو۔

ر ، ) نهارك شغل الناس من غيرمنة وليلك شوق غاب عنه طلائع

دن کوبغیرا حسان جمائے نیک کا موں میں لوگوں کے انقرابات رہے۔ اور دات نفا مے لئی کے مشرق میں کا معنی کے مشرق میں کا معنی کے مشرق میں کا ہے۔ اور اس زون ومثون کا کسی کوبٹیر نہ ہمو۔

( ٨ ) فدونك فذا الليل خذه ذريعة ليوم عبوس عزفيه الذي اتع

تم ان موجردہ را توں کی فدرکرو۔ ان کواس سخنت دن کا ذریعہ نباؤ بجب بھرم کے ذرائع کا یما بی مغفود بھوں گے۔

نوعالم دین برلازم ہے کہ ظاہری نولوگرل سے طارہے۔ گردل سے ان سے بالکل الگ ہے۔
اور خلاکی قسم برمبن شکل اور تلخ ہے۔ اس کے تعلق ہمار سے شیخ رحمته اللہ علیہ نے قرابا:
یا بہی عشی مع اهل ذما نك ولا الديرے عزيز بيلے الم زانہ كے ساتندندگ تعتد بھے۔
تقتد بھے۔
تقتد بھے۔

بعربير سيضيخ في فراياس طرح كى زندگى بركزااننها أى تلخ اورشكل ہے۔

حفرت عبدالله بن مسعود رصى الله تعالى عنه سے مردى ب

خالطان س وزايلهم - دگون سيمپ منرورت ملط لمطاورلين ين ركھو گرا بنے دين كوخردست بجائے ركھو-

بین که امون جب نفتنون کی توجین الاظم مین بون جب می نوال پذیر بورجب لوگ دین سے مند بجیرکر دو سری طرف متوج بهر جائیں اور کسی تو ابت یا حد کا پاس لحاظ نہ کریں جب لوگ عالم وین سے متنظر موں اورا سے نہ چاہیں ، اور نہ دبن کے معالم بین اس کا عائت کریں ۔ اور فضنے عوام و خواص میں بھیبل جائیں ، تواہی حال میں عالم اگرع زلت وعلی گرا جینا ارکر ہے ، اور اپنے علم کو بھیلانا توک کر دے تو وہ معذور ہے ۔ اور بین تو بین کتا ہوں کہ صفور منے جس زانے بین عزلت لائم اس تو بین کر دے تو وہ معذور ہے ۔ اور بین تو بین کتا ہوں کہ صفور منے جس زانے بین عزلت لائم اللہ تعالیٰ ہی ہے ۔ اسی بر تو کل کرنا چاہیے ۔ و مندوری بریان ، اس کو انجی طرح و بین جین کرو۔ برین بین کی اور زمانہ عزلہ اس کی انجی طرح و بین جین کرو۔ برین بین کی کی کی کھیل کے بین کی منافع کا کہ کو کہ اس میں غلط فعمی کا تعظیم ضطرہ ہے ، اور زمانہ عزلہ لت میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کہ برنکہ اس میں غلط فعمی کا تعظیم ضطرہ ہے ، اور زمانہ عزلہ لت میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کہ برنکہ اس میں غلط فعمی کا تعظیم ضطرہ ہے ، اور زمانہ عزلہ لت میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کی کھیل کی کو جب اور زمانہ عزلہ لت میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کے برنکہ اس میں غلط فعمی کا تعظیم ضطرہ ہے ، اور زمانہ عزلہ لت میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کے بین کہ اس میں غلط فعمی کا تعظیم ضطرہ ہے ، اور زمانہ عزلے لت میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کے بین کہ سے دور سے میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کے بین کی سے دور سے میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کیں کو سے میں دور سے میں اس سے گریز کرنے بی سخت نقصا کے بین کی سے دور سے میں دور سے میں دور سے دور سے دور سے میں دور سے دور سے میں دور سے دور سے

ہے ( و بانٹران زنین ) سیوال ہے :

بنی کریم سلی اکٹرنعالیٰ علیہ ولم نے تو پیم دیاہے:

عليكربالجماعة فأن يدالله على الجماعة وإن الشيطان

ذئب الانسان ياكل المشاذة

والناجية والقاصيـة و الفاذة .

تم پرجماعت بی دنها لازم ہے کیونکہ انڈرتھا۔
کا دست عنا پرت جاعت پر ہی ہے۔ اور کا دشینطان انسان کے حق یں بھیڑ ہے گی ہائے ہوئے کا ہے۔ جوریوٹیسے جدا ہونے والی یا آگے نکل ہے ایروں میں جوریوٹیسے جدا ہونے والی یا آگے نکل جانے والی یا آگے نکل جانے والی یا آگے نکل جانے والی یا آگے نول

والى بكرى كوالا بعيا تاسى -

اسى طرح مصنورعلبالقلاة والسّلام في قرما بله :

ان الشيطان مع الفذوهومع الاتنين أبعك م

بحواب :

تنها آدی کے رائے شیطان ہوتا ہے اورجب دوہوجائیں توان کے قریب نبیں آتا ۔ دوہوجائیں توان کے قریب نبیں آتا ۔

بهال سركار دوعالم بايدالسلام نے جماعت بين رہنے كى تاكيد قرمائي ہے وہاں يہى فرمايا : الزهر ببيتك وعديدك بالخاصة الناهم سے گھرين ہى دہ : تنائى افتياد كراور مام ودع اهم العاملة - ميل جول سے منت اجتناب كرد

نواس مدین بی صنورعلیالسلام نے عوام سے الگ رہنے کا حکم دیا ہے ، اوراس مدین اور بیل و کے درمیان درختیفت کوئی تناقص با اختلاف نہیں ہم بزونیق اللی ان برتطبیق عرض کرتے ہیں ۔ حضور علیالسلام کے ارشا و علی کھ بالجسماعة بین بین احتمال ہیں :

را) دبن اوراحکام بین جماعت سے علیٰحدہ راہ اختیار کرنے کی ممانعت ہے کیو کرنمام مت گراہی پُرتفق نہیں ہوسکتی ۔ نواجماعی مسائل اور فبیا دی احکام بین حبور سے علیٰحدگی باطل اور گراہی ہے بیکن اگر کوئی شخص ابنے دبن کی حفاظت کی غرض سے نہائی اختیار کردہے تو اس صدریث بیں اس کی ممانعت نہیں ۔ وری عام سلمانوں سے ناز اجاعت اور عمد وغیرہ میں علیمی گافتدار نہ کی جائے کیوں کہ مسلمانوں کا اجتماع کے کو کا کمان ظاہر ہوتا ہے اور کھا رو لمحدین مسلمانوں کا اجتماع دید کر صفح ہیں۔ اور حمد وجاعات و غیرہ اسلائی اجتماعات پرالٹ تعالی مسلمانوں کا اجتماعات پرالٹ تعالی کر کمیں اور رحمین نازل ہوتی ہیں۔ اس لیے ہم نے کہا ہے کہ گونٹرنشین شخص پر لازم ہے کہ جمعہ ہماعت وغیرہ و بنی اجتماعات ہیں عام سلمانوں کے ساقد مشرکی رہے ۔ اوراس کے سوا عام تعلقات اور میل جول سے پر ہم بڑرے کہ کھا مان خلاط میں بہت آفات اور نفسانات ہیں۔ تعلقات اور میل جول سے پر ہم بڑرے کے کیونکہ عام اختلاط میں بہت آفات اور نفسانات ہیں۔ وسی علی میں اور میل جول سے بر ہم بڑر کے جان اور عمل اور نفسانات ہیں۔ منعیف الاغتقاد شخص کے لیے ہے بلین قری الاغتقاد ، صاحب بسیرت شخص جب لیسے زائے کہ کو بائے جوں ہی فقت و فساد ہم اور میں جول سے ہم اور اور جی ہوتا رہے ، اور جس ہیں عزلت کا حکم دیا تواس کے لیے و لئت مناط ملط اور میں جول سے ہم ہر ہے ۔ ناکہ آفات و فسادات سے مفوظ رہے۔ لیکن فرایا ہے ، اور گردی کے جون اور اگر دور کو سے عیائی گرائی خان اور اور ویرائے بین کی جان اور اگردی کو سے عیائی دیں کی جون کی جون کے باعث اپنا دین علی معفوظ رکھ سکے۔ عیائی کرنا ہا جہ توکسی بیاٹر کی جونی یا دور ویرائے بین کی جائے جس کے باعث اپنا دین محفوظ رکھ سکے۔ عیائی کرنا ہا جہ توکسی بیاٹر کی جونی یا دور ویرائے بین کی جائے جس کے باعث اپنا دین محفوظ رکھ سکے۔

میں کہتا ہموں کہ ایستے فس کو بھی جا ہیے کہ نیک اجتماعات اولا مورخیر بس ضرور نشریک ہو۔

اکداس کا یہ نواب ضائع نہ ہمو۔ اوراسلا می اجتماعات اللہ تعالیٰ کے زدیک بست اہمیت رکھتے

ہیں ۔ اگرچ وگوں میں فساوا ور دین سے اعراض پا یاجا تا ہمو۔ اور ہم نے اہلال کے تعلق سنا ہے کہ وہ

ہماں بھی ہموں ' ذکورہ اہتماعات میں نشرکت کرتے ہیں ۔ اور یہ وگ زبین میں چلتے بھرتے رہتے ہیں '
اور تمام زبین ان کے بیے ایک قدم ہے۔ اجہار میں آیا ہے کہ ابدال کے بیے زین ہمٹ جاتی ہے۔

انہ بیں اللہ کی طون سے معزز خطا بات ، ہرکتیں اورانواع واقعام کی روحانی فعیس عطا ہمتی رہتی ہیں

ان ابدال کو اس ظیم کا میابی پر مبارک ہمو۔ اور ہم دعا کرتے ہیں کہ اللہ تعالیٰ آخرت سے فعلت برتے

والوں کے مالات بھی اپنی وجمت کا ملہ سے درست کرے۔ اور جو اپنی آخرت درست کرے ہیں مورون

ہیں انہ یہ منزل مقصود تک بہنچا ئے ۔۔۔ ہیں نے اپنی اس حالت نار کے متعلق بیاشعار

متماج العابدين الأدو

(1) ظفى الطالبون واتصل الوصل وفاز الإحباب بالإحباب جدّوجد كرنے والے كايباب بوگئے -ان كومل كى معادت نعيب بوكئ الدووست دوستول کی املادواعانت سے منزل مقصور پر بینے گئے۔

(۲) وبقينامذبذبين حياسي بين حدالوصال والاجتناب

اوريم اسى طرح تذبذب وجراتي كعمالم مي كحرسين اور بجرووصال كعد ويان علق بي -

ر ٣) وترتجى القرب بالبعادوهذا تفسحال المحال للإلباب

تنهارا حال تربيب كدروز بروز خداس دور مورس مود اورا ميديد ركهن موكدوه متيس اين فرب نصيب كرے عقل انساني ايس ايد كوبعيداز عقل محتى ہے۔

(٣) فأسقناً منك تشرية تذهب الغمر وتهدى الى طريق المصواب اسےالٹر! ہمیں اینا مٹربتِ وصال میکھا، ہو تہم کاغم دورکزنا ہے اور ما ہ تواب کی طرمت رمنمائی کرتا ہے۔

(٥) ياطبيب السقام يامهم الجوم ديامنقذى من الاوصاب اسے ہماری ظاہری باطنی بیمارپول کے طبیب! اسے ہمارے زخموں کی مرہم!! اوراسے ہمرم کی بماری سے بجات دینے والے۔

(٢) لست إدرى بما أداوى سقاهى اوبمأذاافوزيومالحساب میں نبیں جا تاکہ میری بمیار بول کی دوا کیا ہے۔ باکس نفے کے ذربعہ روزقیا من میری نجات ہوگی۔ بم اس بیان کویبین حتم کرتے ہیں اور مسائل عود لت کی طرف متوج مہتے ہیں۔ سموال: بى كريم صلى الله تعالى عليه ولم نے توفر ايلے كد:

رهبانية امتى الجلوس فے مرى أنتى عودت بي مهكرده مامدكو المساجد - اين شتكاه بنائے ـ

اس صدیث میں لوگوں سے علیمدہ ہو کرکسی بیاڑیا جنگل میں سکونت اختیار کرنے سے رو کا گیا ہے ا در لوگوں سے علیحدگی اختیار کرنے پرزجری گئی ہے۔ اور تم کتے ہوکہ لوگوں سے علیٰحدہ ہوکھیں دورجيلاجلتُ ۽

بواب:

حضورنی کریم علیالصلوٰۃ واسلام کا یہ ارشا دگرامی اجھے زمانے کے لیے ہے مذکہ فقنہ وضاہ کے زمانے کے لیے جسم نے کرکر جکے ہیں۔ مذکورہ عدیث کے یرمعنی بھی ہوسکتے ہیں کہ پخوض مسجد کو اپنی نشخص مسجد کو ایس کے معاطلات ہیں ملاخلات مسجد کر دے۔ تو وہ اگر چر بطا ہران میں ہے مگر حقیقت ہیں ان سے جدا ہے عزلت وگوٹر نشین کے مقصور دہمی ہیں ہے محصل معان یا جسم کی علیجد گی مقصور نہیں۔ اس کنے کو اچھی طرح ذہان شین کو خدا ہے میں ان ایس کے کو اچھی طرح ذہان شین کو خدا ہے میں ان ایس کے کو اچھی طرح ذہان شین کو خدا ہے میں ان ایس کے کو اچھی طرح ذہان ارشا دیں اس کے کو اپنی کو ایس کے کو اپنی کو اپنی کو ایس کے کو اپنی کو ایس کے کو اپنی کو ایس کی طرف انشارہ فرایا ہے۔ آپ فراتے ہیں :

تم دگرں سے بنطا ہر کے جلے رہ ہے۔ گرنتہ اری انسیسنت دمجبت صرف دب تعالیٰ کے ماتہ ہو۔ دگوں سے تمہا را قلبی تعلق نہ ہو۔ كن واحداجاً معيا۔ ومن بهك ذا أنس ومن الناس وحشياً -

سوال: مارس دینیه کے مربین اورشروں می تقیم صوفیا مے کام کے منعلی تماری کیا آء ہے کیونکہ وہ توعود لن وگونشہ نیبنی پرعال نہیں ہیں ؟

بحواب : مدرسین کی مدربین اور صوفیا شے عظام کی مجانس بہت اجھی چیزیں ہیں۔ اس من دو فائد سنتہ ہیں :

(۱) فلبی وربرلوگوں سے علیے گئی ان کی مج س اوران سے معاملات میں تشرکت اوران تخلاط سے رہمہ:

و بن جمعه بماعات اور دیگراسلامی اموری شرکت -

توان وگرن کوری سلامتی حاصل موگی جولوگوں سے بالکل علیحدہ رہنے والوں کونفید بھے تی ہے۔ سلامتی کے ساتھ ساتھ ان معزات سے ایک اور مبت بڑا فائدہ حاصل مؤتا ہے۔ وہ یہ کہ خوام ان کی اقت کا کرتے ہیں۔ ان کی برکات سے نیین یا ب ہوتے ہیں۔ اوران سے دین یہ کہ خوام ان کی اقت کا کرتے ہیں۔ اوران سے دین کے متعلق بیش قیمیت بندونصا کے حاصل کرتے رہتے ہیں۔ توان معزات کا حال درست رہا ہے۔ اس نیمن رسانی کے بیے اکا ان کوعلم وہمل کی بدولت سکون وا ملینان میترر نہنا ہے۔ اس نیمن رسانی کے بیے اکا

عارفین لوگوں بیں رہے ہیں۔ لوگوں کے ان کے حسن اخلاق کی وجہسے کوئی تکلیفت نہیں پنجتی تھی۔ بلکہ تکلیفت نہیں ہنجتی تھی۔ بلکہ تکلیفت کی بجائے ان سے فائدہ بنیجنا تھا۔ عامنہ الناس ان کے آواب ورسوم کی آفتداء کرتے کے ۔ اس طرح میالجین کے اخلاق لوگوں بیں اسلامی اخلاق کو مفنبوط کرنے کا ذریعہ بنے رہے۔ فطا ہرہے کہ فال سے حال کی تبلیغ زیا وہ مُوزّا ورمفید موتی ہے۔ تو عارفین اور معالجین کا عوا میں دہنا تعمیر میرت کے لیا فاسے بہت ہی مفید تھا۔

سوال: وه مربد جواکنز متازل تصوف طے کر حکا ہم ۔ اسے ابتدائی مربدین کے ساتھ رہنے کی اجازت ہے یانہیں ؟

بحواب : وه بندی اگرسلف ما لیبن کے آواب ان کی برت اوران کی در سوم بر دل سے قائم ہوں اوران کی در سے بی مضائفہ نہیں ۔ وہ دین بیں تمادے بھائی اور رائتی بیں اور عبا دت کے سلسلہ بیں تمہارے معا ون اور مددگار ہیں ۔ البیول سے علیم ہونا ور ست نہیں ۔ البیول سے علیم ہونا ور ست نہیں ۔ البیول سے علیم ہونا ور ست نہیں ۔ البیو مبندی کو بدنان وغیرہ کے نارک الدیباز اہروں کی طرح ہیں ۔ ہم نے سنا ہے کہ کوہ بدنان کے نا بدین بن کئی ایسے گرو د ہیں جو تفقوی اور نیکی ہیں لوگوں سے تعا ون کرتے ہیں اور حق وصبر کی سلفیس کرتے ہیں ۔ ہاں وہ ابتدائی مرید بن جواسلاف کی سیرت ، ان کی پاکیزہ ور سوم اوران کے بیندیڈ طریقے جھوڑ ہے ہوں ۔ اور نا منا سب ، غیر شعلی اور بے فائد وامور کو انہوں نے اپنا شعار بنا یا ہو تو ان سے بھی اجت ہوں ۔ اور نا منا سب ، غیر شعلی اور بے فائد وامور کو اخیر کو اس سے بھی اجت کہ اپنے کہ اپنی کو اخیبار کر ہے ۔ گران کے اجوال اوران کی آ فات سے اپنے آب کو بچائے رکھے ۔ اس طرح ہیں میں ان کے ساتھ شمولیت کرے ۔ گران کے اجوال اوران کی آ فات سے اپنے آب کو بچائے رکھے ۔ اس طرح ہیں میں ان کے ساتھ شمولیت کرے ۔ گران کے اجوال اوران کی آ فات سے اپنے آب کو بچائے رکھے ۔ اس طرح ہیں میں میں ان کے ساتھ شمولیت کرے ۔ گران کے اجوال اوران کی آ فات سے اپنے آب کو بچائے رکھے ۔ اس طرح ہیں میں میں ان کے ساتھ شمولیت کرے ۔ گران کے اجوال اوران کی آ فات سے اپنے آب کو بچائے رکھے ۔ اس طرح ہیں میں میں ان کے ساتھ شمولیت کرے ۔ گران کے احوال اوران کی آ

بساب سیال : اگرکونی ربا نست و مجابده کرنے دالا مبتدی علماء کے مدارس اور سوفیائے کوام کی مجانس سے بحل کرسی تنها مقام برا مسلاح تفس اور دو سرول کی آفات سے بہنے کی غرمن سے جبال جائے نوکیا اس کا جانا درست ہے ؟

بحواب : جاننا چاہیے کہ باعل علماء کی دینی درس گا ہیں اورطا لیب آخرت صوفیا مے کوام کی مقدمس خافقاہیں ایسے مرید کے بیے مفوظ قلعہ کی حیثیت رکھنی ہیں مبتدی ان ہی رہ کردہ ک واکووں اور چردوں سے معفوظ رہ مکن ہے۔ ان درس گا ہوں اور خاتھا ہوں کے باہر کا خِظّہ ایسے صحراء کی اندہ ہے ہماں ہروقت شیطانی سٹ کھو سے رہنے ہوں جو خلعہ سے باہر رہنے والے کو ہاک کر دبنے یا گزنا دکر لیتے ہوں۔ ترجو دیا صنت و مجا ہدہ کرنے والا مبتدی محفوظ تلعے سے محل کر جیا روں طرف سے شیطانی سٹ کروں کے ذریعے میں آجائے اس کا جو حشر ہوگا، ظاہر ہے۔ اس بیعے ایسے مبتدی کے بیعے ان مدادس و مجالس سے باہر قدم رکھن کسی طرح میں خطرے سے خالی نہیں میکن و تہ تحص ہوگال ہوا یا فی اس مدادس و مجالس سے باہر قدم رکھن کسی طرح میں خطرے سے خالی نہیں میکن و تہ تحص ہوگال ہوا یا فی سے برمور اساوی ہے شبطانی شکر اس برہر گرز خالب نہیں ہے مورب ہوسکت ہے۔ اگر جو ابسے اس پر ہرگرز خالب نہیں ہے مورب ہوسکت ہے۔ اگر جو ابسے اس پر ہرگرز خالب نہیں برموسکت ہے۔ اگر جو ابسے سے خوص ہونا ورست نہیں برمونیک ہا بہتر ہے۔ اس بیے کہ دشمنوں کے آتھا تی اور اجانگ محلوں سے برخوص ہونا ورست نہیں برمونیک ہا بہتر ہے۔ اس بیے کہ دشمنوں کے آتھا تی اور اجانگ محلوں سے برحوص ہونا ورست نہیں برمونیک ہا بہتر ہے۔ اور صاحب استقامت واسخ الی لیے برمونیک ہونے اس کی میں بہتر ہے۔ اور صاحب استقامت واسخ الی لیے برعون لیے اس بی بہتر ہے۔ اور میا حب استقامت واسخ الی لیے برمون لیے اس بی بہتر ہے۔ اور میا حب استقامت واسخ الیے لیے برمون لیے اس بی بہتر ہے۔ اور میا میں ان میں ان می سے طلب خبر کر ناا بچھا ہے۔ اور صاحب استقامت واسخ الی لیے برعون لیے اس بیں بہتر ہے۔ اور میا میں ان میں میں می میں بیے برمون ہیں برمون ہیں برمون ہوں ہوں ہے۔

ان بیان کرده مسائل عزلت پراگرتم عمل کرویگے توان نناء الله آفات سے مفوظ رہوگے۔ سیوال: دبنی بھا بُروں کی زیارت۔ اینے مخلص اجاسے الاقات اوران کے ساتھ منگو

وعِبْره كاكبامكم ہے ؟

بواب : دینی بھا بُوں کی زیارت و طاقات جبہوہ نیک اور بزرگ ہوں ایک جھی جیز بہدائت و سے ایسا اسلام کی زیارت سے جادت بیں قوت ، معا طات بیں برکت ، خدا کا قرب اور دل کی اصلاح ہوتی ہے ۔ اور درگر مبت سے فائد ہے حاصل ہوتے ہیں ۔ بین دوبا نزں کا لحاظ ہست .

دا) حدسے تنجا وزند مو کیبونکہ نبی کریم صلی اللہ تعالیٰ علیہ ولم نے صفرت ابوہرریہ درخیاللہ تھا

عنه كونسرمايا:

ہماری زیارت کے بیے ناغہ کرکے آیا کو خاکہ

وُرعِبًا تزدد حُبًا ـ

مجست زیا ده ېو -

ر ۲) یه که ریا کاری این آی که ادار ترک این لغوهنت گریجیبیت اور بے فائدہ با ذن سے

پورے طور برا جنناب کی جائے۔ وریہ فائڈے کے بجائے نعقبان مرکا۔ محکامیت:

ایک دفعه مفرت نفیس ا درمیان نوری رحمها الترتعالی کا پس پی طاقات بوئی و دونوں بزرگ دیزنک معروب گفت گورہے ، کھردونوں روپڑے ۔ اسخ بی معزت مغیان نوری عفی کم اس مجست کو مبترین معجست نفور کرنا بول " حضرت ففیس شنے فرایا " بی قواسے ایک خطرناک صبحت خیال کرنا بول " بسغیان توری نے کما کبوں ، معزت ففیس شنے جواب دیا :
ایک خطرناک صبحت خیال کرنا ہوں " بسغیان توری نے کما کبوں ، معزت ففیس شنے جواب دیا :
"کیا ہم دونوں اپنی باتوں کو مزین اور آرائن نہیں کررہے نفے ، اور کیا ہم کلف وریا ہیں مبت نلا نہیں شقے " بسفیان توری رحمت اللہ علیہ رہے من کردور پڑھے ۔

نوچا ہیے کہ اجباب کی زبارت و لا قات بیں میانہ روی امتیا طاکو لمحظ رکھا جائے اور ریا و تکلفت وغیرہ سے اختنا ب کیا جائے۔ ایسی الا قانت سے متماری عزدت بیں کوئی فرق نہیں ہوگا' بلکہ فائڈسے کی امید ہے۔

سوال: کن چیزوں سے عزان کی رغبت اوراس میں آسانی پیدا ہوتی ہے ہ محواب : نین چیزوں سے :

(۱) دن رات کے پر بیس گھنٹوں بیں اکٹرا وقات بیں جما دن بین مشغولیت ومعروفیت سے کیونکہ اصل معروفیت بین ہے۔ اور لوگوں سے بے صفرورت میں جول اور اُنبیت فلاس کی علامت ہے۔ بجب تما رافض بلا صرورت و بلاہ اجت لوگوں سے ما قات ان کی زیارت اور آت میل جول کا نائی ہو تو سمجھ لوگہ تم ففنول بن ، دبن سے اعرامن اور نفس کے دھو کے بین مبتلا ہو گئے میں ایک عربی مبتلا ہو گئے ہو۔ ایک عربی ناع نے مبت خوب کہا ہے :

ان الفادغ الى سلامك قادن! ولوبياعدل الفضول ف اسغ! "نيكيول سے فراغنت كى بنا برمين تم يے ملائم كيف آگيا ہوں ۔ واقعی ہے كار "دمى بست سے نفنول كام كر بينجة تا ۔ بيئ

بعب تم میم معنون بی مجاوت خداوندی بن تنغول برما و گے اور منا جا النی کامزه پالو تو متیں خود مجود کتاب الترسے انسست بیدا برجائے گی ۔ تما داول عامته ان سے ملیلی و دہنے بیں

لاحت محموس كرے كا و تنبيل لوكول كى آوازا ولان سے فنت كوكرنے سے نفرت آئے گى -مروی ہے کہ حفرت موسیٰ علیہ السلام کرہ طورسے جب وابس آتے تھے تو آ بب کو لوگوں سے وحشت آتی منی -آپ کا نوں میں انگلیاں ڈال بیتے منے اککسی کی آ مازمُنا ٹی ندوسے -اور آب لوگوں كاة وازكونغرت ووحشت كے اعتبار سے گدھے كى اندخيال كرتے تھے۔ اس بيے تمبيں جا ہيے كہا ہے يشخ رحمها لتدك مندرج ذبل ارشا درعل كرور آب نے فرایا:

ر 1 ) \_\_\_\_\_ ارض بَا لله صَاحبًا! و ذرا انناس جا نبًا

تم ہوگوں سے بانکل کنا رہکشش ہوجا ؤ۔اورم ون خلاہی کودوست بنانے پی نوشی تعتورکرو ر٢) \_\_\_\_ صادق الود شاهدًا كنت فيهم وغائبًا

تم لوگوں سے چلہے خلص دوست بنوا وران بس رہویا ان سے خائب ۔

رس \_\_\_\_قلب الناسكيف نشئت تنجد هدعقاس بأ

جب متیں ان سے واسطہ بڑسے گا توا پنے حق یں ان کے دل مجھوڈں کی ماند یا ڈسکے۔

ده) گونشنینی کی رغبت ببدا کرنے والی دوسری جیزیہ ہے کہ تم لوگوں سے ہترم کا طمع اورابید منقطع كراو اس طرح تم ان سے باسانی كناروكش موسكو كے كيونكة جب تمييركسنخص سے سختی طمع بذبرو قونهارے بیداس کا بونا ندمونا برابرموگا-

د ۱۷) اورتمیسری بیمیزیه سهے کمتم لوگوں میں رہنے کی آفات بیغورکرو- ان کوہروفت با در کھواور ول میں دوہرانے رہو۔ بب نم ان تین امور رہا بندی کروگئے توضرور مغلوق سے الگ ہوکر تہا را رجدع فداوند تعالیٰ کی طروت برجائے گا اوراس طرح تمیں عزدت گزینی کی سعا دت نصبب بوجائے گی ۔ اور يهمن منزل تنيس ول بسند لگے گی -اوراس كے ذريع تنيس دربا رخلاوندى مي صحكنے كى توفيق نعبب مِمْ جِائِكُ ﴾ - (وبالله التوفيق والعصمة )

### عبادت بن تبيري را ور شيطان:

ا برا درعز بزاعبا دن من ترقی اور کامیابی حاصل کرنے کے بیے ٹیطان سے جنگ اوراس بر سختی کرنا بھی لازم اور مزوری ہے۔ اور بیدو وجے سے منروری ہے:

ہٹا دیے۔

دوسراطریقہ بہت کراس سے مقابلہ کیاجائے۔ اس کو ہٹانے اوراس کی خالفت کے بیے
ہردقت کرب تذراع جائے بیں (امام غزائی ) کتا ہوں کہ بہر نے زدیک زیا وہ مناسب اور بہتر
بہت کہ دو نوں طریقوں پرعس کیا جائے۔ اول نواس کی نثرار نوں سے بہبی محفوظ رکھنے کے بیے کافی ہے۔
جائے جیسا کہ ہم کو حکم ہے۔ اورالٹہ تعالیٰ اس کی نثرار نوں سے بہبی محفوظ رکھنے کے بیے کافی ہے۔
بھراگرتم بیعسوس کروکر شبطان حق نقالیٰ سے بناہ مانگئے کے باوجود تما داہی جیانیں چیر نواز اس کا مطلب یہ ہے کہ الٹہ تعالیٰ کو بھارے بھا بہدے ،
اور غالب آنے کی کوئٹ ش کرتا ہے، نواس کا مطلب یہ ہے کہ الٹہ تعالیٰ کو بھارے بھا بہدے ،
ہماری قوت اور بھارے مبرکا امتحان مطلوب ہے بینی حق تعالیٰ یہ دیجھنا چا ہما ہے کہ تم
نشیطان سے مقابلہ اور محاربہ کرتے ہو بیاس سے مغلوب ہوجاتے ہو۔ جیسا کہ اس نے ہم پرکف روغیزہ کو مسلط کر رکھا ہے۔ حالائکہ وہ اس پرفا درہے کہ ہمارے جماد و بیزہ کے مینے بیاں ان کی ٹرائی اور فرنی کو کول دے لیکن وہ ایسانہ میں کرتا ۔ بلکہ بند وں کوان سے جماد کا حکم کرتا ہے تاکہ آنیا نے فرآن مجد ہیں ورکون پورے فلوص ، تند ہمی اور مرسے کہ کم کہ حدول میں جذبہ جماد اور شمادت کی ٹرب ہے، اور کون پورے فلوص ، تند ہمی اور مرسے ان کا مقابلہ کرتا ہے۔ اسٹہ تعالیٰ نے فرآن مجد ہیں فربایا :

وَلِيعَكُمُ اللَّهُ الَّذِينَ الْمَنُوا وَيَنَّخِلَ مِنْكُمُ مِنْكُمُ اللَّهُ الَّذِينَ الْمَنُوا وَيَنْخِلَ

اوزناکدانشدتغانی مخلص ایمان واروں کوظائر کرفیے اوزناکرتم بربعبن کوشا دست کا زنب عطا فرائے۔

ايك مقام بريون ارزاد فرما ا امر حسب نُدُوكَ نَكُ حُكُوا الْجَهَّةَ امر حسب نُدُوكَ نَكُ خُكُوا الْجَهَّةَ وَكُمَّا يَعْلَيْ اللَّهُ الَّذِي يُنَ جَعَاهَ لُهُ وَا

مِنْكُمُ وَيَعُكَمُ الصَّبِوِيْنَ ه

کیا تہ نے برگان کریاہے کہ تم جنت یں وافل ہوجا وکے رما لا کھ الٹرتعالیٰ نے تم برے ابھی نک مجا ہدین اور مبرکریتے والوں کرجہ آ کے ذریعے متازا ورالگ نہیں کیا ۔

نزاسی طرح نیبطان کے مقابلے بیں ہی ہمیں جین اور پرسی کوششش کامکم دیا گیاہے۔ پھرہما دے ملائے کوام نے فرایا ہے کہ شیطان کومغلوب کرنے اوراس سے مقابلہ کرنے کے بیے بین چیزوں کا ہونا منروسی بیلی چیزیہ ہے کہ تم اس سے حیوں اور چالا کیوں کو معلوم کروا ور بہجا نویجب تنہیں اس کی حیب لہ سازوں کا علم ہوجائے گانز بھروہ تم کونفف ن نیس پہنچاسکے گا۔ جیسے پچرد کو جب معلوم ہوجائے کہ معاصب مکان کو میراعلم ہوگیا ہے تو وہ بھاگ جانا ہے۔

دومری بجیزیہ ہے، کنم نیطان کی گراہ کُن دعوت کوہ گذِ منظوریذ کرو۔ اور تنہارا دل تطعالی منائز منہ ہو۔ اور نم اس کے مقابلے کی طرف توج نہ دو۔ کبونکہ البیس ایک بھو کئے والے گئے کی ماند ہے۔ اگر نم اس کر جھیڈو گئے توزیا دہ نٹور جائے گا۔ اوراگراع اص کروگے تودہ بھی فا موثن ہوجائیگا۔ جہ ۔ اگر نم اس کر جھیڈو گئے توزیا دہ نٹور جائے گا۔ اوراگراع اص کروگے تودہ بھی فا موثن ہوجائیگا۔ ابلیس سے معفا خلت کی نمیسری ند بیر ہے کہ ذکر اللی کی کنرت کی جائے سرکا ردوعالم فوقتم البیس سے معفل بنی کریم صلی اللہ نعالی علیہ ولم نے فرا باہے۔ شیغیر عفلم بنی کریم صلی اللہ نعالی علیہ ولم نے فرا باہے۔

ننيطان كے بيے خدا تعالىٰ كا ذكراً نا تكيف ٥

ان ذكرالله تعالى فى جنب الشيطة كالأكلة فى جنب ابن ادم.

ہے جس طرح ا نسان کے بیے خادمنش

سوال: شیطان کے کروفزیب کس طرح معلوم ہوسکتے ہیں ؟

جواب: شیطان کے کروفریب کئی طرح کے ہیں۔ اقدل تواس کے وسوسے ہیں جواس کے جواب کے جواب اقدان وسا وس کا جواس کے تیرہیں جون کے ذریعہ وہ لوگوں کے قلاب مجروح کڑنا ہے۔ اور ان وسا وس کا جمجے انکٹا ف خواطر اور خواطر کی اقسام معلوم کرنے سے ہوسکتا ہے۔ اور خواطر کی اقسام معلوم کرنے سے ہوسکتا ہے۔

دوسری جیزاس کے جیلے ہیں، جو بمنز لہ جال کے ہیں جن سے لوگوں کے دلوں کو بھانت ہے۔
اوران کی معرفت، شیطان کے دھو کے ان کے اوصا ف اوران کے داستے معلوم کرنے سے ہونی
ہے علی مے کوام رحمہ مالٹہ تعالیٰ نے ان خواطرو ورا وس کی تفصیل ہیں کئی باب لکھے ہیں۔ اور ہم (اہ)
عزالی گی نے اس سیسے ہیں ایک تعلیٰ کی بٹر بلیس ابلیس نا منصنبیف کی ہے۔ اور ہماری بزرینیف
عزالی کی نے اس سیسے ہیں ایک تعلیٰ کی بٹر بلیس ابلیس نا منصنبیف کی ہے۔ اور ہماری بزرینیف
کی ب اختصار وا بھاز کے باعث ان خواطرو ورسا وس وغیرہ کی تفصیلات کی تھیل نیس ہوسکتی لیکن ہم
ہرا بک جیز کو اس کی بیں ایسے اختصار کے ساتھ بیان کرنے ہیں کہ اگران برعمل کر بیا جائے تو
مرا بک جیز کو اس کی بیں ایسے اختصار کے ساتھ بیان کرنے ہیں کہ اگران برعمل کر بیا جائے تو

ا سے عزیز! دل میں جوخطرات آنے ہیں'ان کی اصل بیہ کہ التارتعالیٰ نے ہرانسان سکے اسے دیز! دل میں جوخطرات آنے ہیں'ان کی اصل بیہ کہ التارتعالیٰ نے ہرانسان سکے دل برا کی فرشند مقرر کیا ہوا ہے جواسے کیبوں کا المام کرناہے۔ اس فرشند کو کمہم کنتے ہیں۔ ول برا کی فرشند مقرر کیا ہوا ہے جواسے کیبوں کا المام کرناہے۔ اس فرشند کو کمہم کنتے ہیں۔

اوراس کی وعوت کواتهام اس کے مفایلے بیں غدا کی طرف سے دل پر ایک بٹیطان مسلط کردیا گیا ہے ہو گرائی کی طرف بات اسے اس تبیطان کو و تہواس اوراس کی دعوت کو و تہوسہ کہتے ہیں بہتم انسان کو نیکبوں کی طرف بیدا گر علماء کی دائے ہے لیکن میرے نیکبوں کی طرف بیدا گر علماء کی دائے ہے لیکن میرے نیکبوں کی طرف بیدا گر علماء کی دائے ہے دراصل بیاں بھی بننے زحمہ اللہ نے فریا ہے کہ نشیطان بسا او قات بظا ہر نیکی کی دعوت دنیا ہے۔ مگر دراصل بیاں بھی اس کا مفصد گرائی کی طرف گیا تا ہوتا ہے۔ اور وہ اس طرح کہ بڑی نیکی کی بجائے جھوٹی کی طرف گباتا ہے جس سے ایک بڑے گئا ہوتا ہے۔ اور وہ اس طرح کہ بڑی نیک کی بجائے جھوٹی کی طرف گباتا ہے جس سے ایک بڑے گئا ہوتا ہے دو وہ اس طرح رہیں۔ ہرایک اپنی فرعیت کی دعوت بین لگا ہوتا ہے اور انسان اپنے دل سے دو نوں کی دعوت کو منتا اور محسوس کرتا ہے۔ روایا ت بین آبلے کہ نبی کریم اور انسان اپنے دل سے دو نوں کی دعوت کو منتا اور محسوس کرتا ہے۔ روایا ت بین آبلے کہ نبی کریم صلی اللہ نتا انی علیہ ولم نے فرایا :

بجب کسی انسان کے گھر بچہ پیدا ہوتا ہے آواللہ انعالیٰ اس کے ساتھ ایک فرشتہ لگا دتیا ہے۔ اور انسیطان اس کے ساتھ ایک نشیطان لگا دیا ہے ساتھ ایک نشیطان لگا دیا ہے سنیطان اس کے ساتھ ایک نشیطان لگا دیا ہے سنیطان اس کے دل کے بائیں کا ن بی پھوزی تا میں اس مارے دونوں دہ نوں سے اس مارے دونوں ابنی اپنی دعوت میں لگے دہتے ہیں۔ اس مارے دونوں ابنی اپنی دعوت میں لگے دہتے ہیں۔

اذا ولدلابن ادمرمولود قرن الله سُبُحانه به ملكا وقرن الشيطان به شيطانا والتنيطان جاثم به تشيطانا والتنيطان جاثم على اذن قلب ابن ادم الايسرو الملك جاثم على اذنه الايمن و فيهما يدعوانه و فيهما يدعوانه و فيهما يدعوانه و

اورنبی کربم سلی الشزنعالی علیم ولم نے پریھی فرایا ہے: للشنیطان لمه کا بان ادم وللدلك

نشیطان بھی اپنی دموت کے پیےانسان کے

ياس تاب اورفرت تديمي -

بھرایک شے اور بھی تی تعالیٰ نے انسان کی طبیعت میں رکھی ہے جس کی وجرسے وہ ہرقتم کی شہوت اور لذت کی طرف اُ کی ہوجا نا ہے ' چا ہے جا کر ہو بیا نا جا کڑے۔ اس نمیسری چیز کا نام خوا ہمن نفس ہے بھر انسان کو آ فات بیں مبتلاکہ تی ہے ۔ تو یہ تین چیز بی بیں جوانسان کو مختلف امور کی طرف بلاتی ہیں۔ انسان کو آ فات بیں مبتلاکہ تی ہے ۔ تو یہ تین چیز بی بیں جوانسان کو مختلف امور کی طرف بلاتی ہیں۔ بھراس مفدھ ہے بعد جا ننا چا ہیے کہ خواطروہ ہنار ہیں جو بندے کے دل ہیں بیدا ہوتے ہیں۔ اورا سے کسی کام کے کرنے با نہ کرنے کا حکم دیتے ہیں۔ خطرہ کے معنی ہیں "اصطراب"۔ پچونکہ برجمی کھی دل ہیں اورا سے کسی کام کے کرنے با نہ کرنے کا حکم دیتے ہیں۔ خطرہ کے معنی ہیں "اصطراب"۔ پچونکہ برجمی کھی دل ہیں

آناہاور کمجی جاتا ہے بیس طرح ہوا کہ کہی آنی ہے اور کہی جاتی ہے۔ نزاس آنے جانے کے اضطراکے باعث اس کوخطرہ کہنے ہیں -

حنیقت بی جرم کےخواطر کا خالق اللہ ذنعالی ہی ہے۔ اسباب و ذرائع کی طرف مجازُ انسبت ہونی اسباب و درائع کی طرف مجازُ انسبت ہونی اسباب و درائع کی طرف مجازُ انسبت ہونی اسباب و درخواطر کل جا رفسم ہیں :

ایک وه جوانبلاءًا مشدنعا بی کاطرف سے انسان کے فلب میں بیدا ہوتے ہیں ۔ ان کوحرف نخواطر کنتے ہیں ۔

دوسرے وہ جوانسانی طبیعت کے موافق فلب بیں بیدا ہوتے ہیں۔ ان کو تھوائے فنس کتے ہیں۔

تیسرے وہ جوانسانی طبیعت کے موافق فلب بیں بیدا ہوتے ہیں۔ ان کو تھوائے فنس کتے ہیں۔

تیسرے وہ جو ملمم فرسٹ تھ کی دعوت کے ذریعہ حق تعالی کی جانسے ول ہیں بیدا ہوتے ہیں۔ النہیں

انسام کے نام سے موسوم کونے ہیں۔

انسام کے نام سے موسوم کونے ہیں۔

بو تفروه جوشیطانی دعوت سے فلب انسانی بن آنے ہیں انفیس وسوسہ کہا جا ناہے۔ اوز شیطان کی طرف منسوب کرنے موسے انہیں نبیطانی خطرات بھی کنتے ہیں ۔

خلاصه بدكه خواطر جارانسام بي سين كا ذكر بموا-

پھریہ بھی معلوم ہونا چا ہیے کہ جوضل و با واسطہ رب نعائی کی جا نہے ابتداءً دل ہیں آ نا ہے وہ دو طرح کا ہونا ہے کہ بھی نیک ہوتا ہے اور کھی گیا۔ اچھا تو اکلم وائنام مجت کے بیے ہوتا ہے ۔ اور ہوضل و ملم کی جا نب سے ہوتا ہے وہ غیر ہی ہوتا ہے کیونکہ می اور شفتت بیں ڈالنے کے بیے ۔ اور ہوضل و ملم کی جا نب سے ہوتا ہے وہ غیر ہی ہوتا ہے وہ کونسیعت اور ارت دکے واسطے ہی مقر کی گیا ہے ۔ اور ہوضل و شیطان کی جانب سے ہوتا ہے وہ گراہی ہو متر کی گیا ہے ۔ اور ہوضل و شیطان کی جانب سے ہوتا ہے وہ گراہی ہوتا ہے ۔ تاکہ بندہ اس کے ذریعہ گراہی ہیں مبتلا ہم اور راوح ت سے تھیلے ۔ اور کھی استدراج کے طور بربعنی وصو کے ہیں ڈالنے کی غرض سے بطا ہم زیک بھی ہوتا ہے ۔ اور جوخط و قلب میں ہولئے نفس سے پیدا ہوتا ہے وہ فعنول اور قبری جیزوں کے متعلق ہوتا ہے ۔ تاکہ بندہ امر خیرسے رکا رہے ۔ اور ہی میں اوقا ت انسان کو نیک امور ہر اُبھار تی اور ہیں نے بھی صلف سے بیر المجمعی سامن کو نیک امور ہر اُبھار تی اور ہوسل کی طرف لگانا ہوتا ہے ۔ یہ ہیں خواطرار بعد بھی کم فوال رکھنا فنروری ہے۔ یہ بیر خواطرار بعد بھی کم فوال کھنا فنروری ہے۔ یہ بیر خواطرار بعد بھی کم فوال کھنا فی جو اسے بیر ہیں خواطرار بعد بھی کم فوال کھنا فی جو ان گھانا ہوتا ہے ۔ یہ بیر خواطرار بعد بھی کم فوال کھنا فی کے جوالے کہ کہ خوال کھنا فیروں ہے۔

بهرتین اورا مورکوبھی جا ننا ابتد منروری ہے ، جواصل مقصور ہیں ۔ ایک بیر کہ خطرہ ننراور خبر

یں کیافرق ہے۔ دومرے برکہ خطرہ تشریحانی، تنبطانی اورنفسانی بیں کیا منبازے بیمبرے برکہ خطرہ خیراندائی رحمانی ، باالهامی باتنبطانی اورنفسانی بیں کیا فرق ہے ۔ تاکہ خطرہ خیررحمانی اورانهامی کی اتباع کی جائے ، اورنفسانی و ننبطانی سے اجتناب کیا جائے۔

خطرہ تیرا ورنٹر بیں فرق کا طریقہ علمائے کا مہنے یہ کھا ہے کہ ہوخطرہ قلب بیں آئے اس کا میزان نشرع سے موازنہ کیا جائے۔ اگر اعتوں نئر بیت کے موانق ہوتو وہ خطرہ درست اور بیجے ہے ورنہ علمط اگر میزان نشرع سے فرق معلوم نہ ہوسکے توسلف هما لیمین کی میرت مطہرہ سے موازنہ کیا جائے اگر ان نظر عالی میرت کے مطابات ہم تو خیر ہے ورنہ نشر۔ اگر میرست اسلاف سے بھی بنتہ نہ جل سکے نواس کو اسٹے نفس اورخوا ہمن سے بر کھا جائے۔ اگر نفس اس سے طبعًا نفرت کرے کسی فارجی خوف وڈر کے باعث نفرت نفرت نہ کرے تو وہ نیک ہے۔ اور اگر قلب میں آئے والا خطرہ ابرا ہمو کہ نفس سابئی طبیعت اور مرزشت کے اعتبار سے اس کی طوف ان کی طرف ہی مائل ہو۔ الشر تعالیٰ سے کسی امیدیا ترغیب کی بنا پر طبیعت اور مرزشت کے اعتبار سے اس کی طوف ہی مائل نہ ہو تو وہ خطرہ منز ہے کیونکہ نفس می میٹ مربا ٹی کی طرف ہی مائل ہوتا ہے کیونکہ نفس کی فطرت میں بڑا تی ہے سے جب تم ان خرکورہ بالا طریقوں کے ذریعہ خوب کوشش اختیا طاور جب ان میں برائی گی سے اس خواطر مذکورہ میں فرق وامیتیا ذکا ارا دہ کر دگے تو تم پر بینجند انسانی نیک اور بہ خطرہ کے دربیا فرق واضح ہم جائے گا۔

دوسرسامریں فرق معلوم کرنے کا طریقہ ہمار سے علی سے کوام نے بہ تبا باہے کہ اگرتم بیمعلوم کرنا چا ہم کہ بہ خیال اورخطرہ شیطانی بارحمانی بانفسانی ہے۔ نواس خیال کو بین طرح سے جا بخو۔ اگر وہ خیال اورخطرہ بختہ اور صغیرط اور راسخ ہو نو وہ اسٹر تعالیٰ کی طرف سے یانفس کی جا نب سے ہے۔ اور اگر داسخ نہ ہم بلکہ اس میں اصطراب اور ترد دہم نوابسا خیال شیطانی ہے۔

بعن بررگ فرمایا کرتے تھے کہ ہوائے نفس چینے کی اندہ یہ بجب نک اسے سمنت شکست نہ دی جائے اوراس کے سافھ شدرت کا معا ملہ نرکیا جائے، مغلوب ومرعوب نہیں ہوگی۔ یا فارجی لعنید مخص کی طرح ہے۔ کہ جب تک فارجی کو ما دا اور قبل نہ کر دیا جائے اپنی نٹرارت سے باز نہیں آتا ۔ اور شبیطان بھیٹر ہے کی ماندہے۔ اگرتم اس کوایک جانب سے دو کر تو دو سری طرف سے آگھتا ہے۔ اور شبیطان بھیٹر ہے کی ماندہے۔ اگرتم اس کوایک جانب سے دو کر تو دو سری طرف سے آگھتا ہے۔ خیال نٹریس امتیاز کا و در مراطر بھتریہ ہے کہ اگر دوگن ہی کہ عدد ل بیں آئے تو دو رجانی خیال نٹریس امتیاز کا و در مراطر بھتریہ ہے کہ اگر دوگن ہی کرتے سے بعد دل بیں آئے تو دو رجانی

مبر مين عمران تنعالى فراياكرن تف كاك و وفئة رفئة فنا وت قلبى مين مبتلاكر ديتي بي -اقل اقل اقدل مين مركب خطرات آنے بي اور بجروبن اور ذنگ لگ جاتا ہے -

اور فراخیال گناه کے بعد مضل دل میں ندہ کے نوا بسا خیال شیطانی ہوتا ہے۔ گراہ کرنے کے لیے ابدیں اکثر فرسے کر ور با کم ندہمو نوسمے اوراگرا بساخیال ہوکہ ذکر خوسے کمزور با کم ندہمو نوسمے اوراگرا بساخیال ہوکہ ذکر خوسے کمزور با کم ندہمو نوسمے اوراگر ذکر سے کمزور با کم ہم توا بساخیال شیطانی ہے جسیا کہ قرآن مجد کے اوراگر ذکر سے کمزور با کم ہم توا بساخیال شیطانی ہے جسیا کہ قرآن مجد کے ان الفاظ کی نفسیر میں کما گیا ہے:

مِنْ مَنْ يَرَالُوسُواسِ الْخَنَّاسِ ه

کہ بلیں انسان کے دل کے سانفرلگار نہناہے۔ بندہ حب ذکر خداکن اسے تو وہ علیٰمدہ ہوجا تا ہے اور حب غفلت کرتا ہے تواس کے دل میں وسوسہ اندازی کرتا ہے۔

من تعانی یا فرسنتے کی جانہے بندہ کے قلب ہیں جو خیال آنا ہے ان دو قرن میں فرق دانیا نہ کی بیجان بہ ہے کہ اگر وہ خیال پختہ اور قری ہم توابیا خیال رحمانی ہے۔ اوراگراس میں تر در دواضطراب ہم تو ملکی ہے کہ اگر وہ خیال پختہ اور قری ہم توابیا خیال رحمانی ہے۔ دہ ہر طرح بندے کوئیبوں کی ہم تو ملکی ہے کہ در کری فررسائے لاتا ہے تناکہ انہیں قبول کرے اور ان بیٹل کرے۔ طرف ماٹل کڑتا ہے اور زیک امر رسائے لاتا ہے تناکہ انہیں قبول کرے اور ان بیٹل کرے۔ فرن وا متیا زکی دور مری مورت بہ ہے کہ اگر خیال طاعت و مجا ہمہ کے بعد دل میں آئے تورطانی الم میں ایک تورشانی الم میں ایک تورطانی الم میں ایک تورشانی الم میں ایک تورش میں آئے تورشانی الم میں ایک تورش میں آئے تورشانی الم میں آئے تورشانی الم میں آئے تورشانی الم میں ایک تورش میں آئے تورشانی الم میں ایک تورش میں آئے تورش میں آئے تورشانی میں تورش میں آئے تورشانی میں تورش م

بولوگ می بینجهای کوشش کرنے بی ہم ان کے بید منرورا بینے وصال کی را بی کشا دہ کردیتے ہیں -

ا درایک مقام روسنسرایا: دالگذیش اختکهٔ وایزد که همهٔ همگی ه

ج جولوگ ہدایت یا فتہ ہیں السُّرتعالیٰ ان کی ہر یت اوراگرنیک بنیال طاعت و مجاہدہ کے بعد فلب بین پیدا نہ ہو بلکہ ابتداء پیدا ہوتو وہ کئی ہوتا ہے۔ اوراگرنیک بنیال باطنی اصول واعمال کے متعلق ہم تو وہ خدا تعالیٰ کی طرف سے ہوگا۔ اور اگر تک بری فروع واعمال کے متعلق ہم تو وہ خدا تعالیٰ کی طرف سے ہوگا۔ اور اگر تل مری فروع واعمال کے متعلق ہم تو فرمٹ تدکی طرف سے ہے کیونکم اکثر علماء کے نزدیک فرمٹ کے کو باطنی امور کی معرفت نہیں۔

اور جونیک نیمال ابلیس کی جانسے ہونا ہے اور جوسے در فیفن اس کا مقصودگا و بین بنتا ا کرنا ہوتا ہے۔ تو ہمارے شیخ دیما لٹر تعالیٰ نے اس کی بہجان بیا تا گہے کہ اگراس سے دل بین خوشی بیدا ہو خوف ہے۔ پربدا ہو خوف ہوئی ہے کہ اگراس سے اور آخرت کے متعلق غفلت بیدا ہو بھیرت بیدا نہو نوابسا نیمال شیطانی ہے اس بیدا ہو جو اس بیدا سے اور آخرت کے متعلق غفلت بیدا ہو بھی اس سے فلب بین خوشی کے بجائے خوت پیدا ہو جو الت کے بجائے خوت پیدا ہو جو الت کے بجائے متا الی تعلق میں اس میں اس کے اس کے اس کے بجائے خوت بیدا ہو در بیدا ہو اس کے اس کی بالے میں اس میں اس میں اس کے اس کی میں اور ایک ہو کہ اس کی میں اور بیدا ہو واقع می دو دہیں۔ ایک مدین بین ہی کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس قیم کی خوشی دفر موت بیدا ہو تی ہو اس کے مواقع می دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس قیم کی خوشی دفر ہو ہو کہ بین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس فیم کی خوشی دفر ہو کر میں بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس فیم کی خوشی دفر ہو کہ بین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہو کے دور بین ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس فیم کی مواقع می دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس فیم کی مواقع می دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہے ۔ اس فیم کی مواقع می دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم نے فرایا ہو کی خوشی دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم کی مواقع میں دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ والم کی مواقع میں دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نوانس کے مواقع میں دو دہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نوانس کے مواقع میں دور ہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر نعالیٰ علیہ کی مواقع میں دور ہیں۔ ایک مدین بین کریم سی الٹر کو کی مدین بین کی کریم سی الیک مدین بین کی کریم سی الیک کی مدید دور ہیں۔ ایک مدین بین کریم سی کریم سی کی کریم سی کریم سی

پایخ کاموں کے علاوہ باتی تمام کاموں بی عبلت شیطانی فعل ہے۔ وہ پایخ کام یہ ہیں۔ بجب لاکی بالغ ہوجائے توجلدی بیاہ دی جائے جب فرض واجب ہو توجلدی اداکیا جائے۔ جب ممان محمان وائی جائے جب ممان ممان فوائی جس کری مرے جلدی وفن کیا جائے جب ممان آئے تواس کی مهان فوائی جس جرک کی جائے۔ اورگناہ مرز دمونے پر مبلدی تو بہ کی جائے۔ اورگناہ مرز دمونے پر مبلدی تو بہ کی جائے۔ اورگناہ مرز دمونے پر مبلدی تو بہ کی جائے۔

العجلة من الشيطان الاقى خىس مواضع نزويج البكر الخادركت وقضاء الدين اذا وجب و تجهيز البيت اذا مات وقرى الضيف اذا نزل ونؤبة وقرى الضيف اذا نزل ونؤبة الذنب اذا اذنب

اورخون سے مرادیہ ہے کہ بندے کے دل یں یہ ڈر ہوکہ ثنا پدیں ارادے کو علی طور پر کما سقت اداکر سکوں یا نہ ۔ اور تصبیرت کا مطلب بیہ کہ اس ارائے اداکر سکوں یا نہ ۔ اور تصبیرت کا مطلب بیہ کہ اس ارائے ۔ ادر اکر شکوں یا تر تراب ملنے کی ابیدے یا نہیں۔ بین عور و نا ال کر ہے اور آخرت یں اس پر تواب ملنے کی ابیدے یا نہیں۔

بزین امور منروری نظیری کا معرفت سے ملی خواطرو نیا لات بین فرق وامنیاز معلوم ہوگا ہے۔
اس بیے انہیں ذہن نیبن کرنا صروری ہے۔ اور جمان کک موسکے ان کی تہ تک بہنچنا صروری ہے۔
کیوں کہ ان بین امور کی معرفت و واقفیت علوم لطبی فی اور اسرار شریفی بیں سے ہے۔
باتی رہے ابلیس کے وصورے ، جن کے ذریعہ نبدے کو طاعات سے روکنے کی کوششش کو ا

ہے، وہ سان قسم ہیں۔ اوّل طاعات سے روکنے کی کوشن کرتاہے ۔۔۔ نواگرانٹد تعالیٰ بندے کو بچاہے اور بندہ اس کے مطابعے کو اس طرح ردکردے کہ مجھے طاعات وعبا دات کی سخت صرورت ہے۔ کبوں کہ

يه سفرا خريت كا توسنه بن اور بغيرنوسنه سفر طفي نبس موسكنا " نو :

جب البیس بیال بھی ناامید ہوتا ہے، نوکتا ہے کہ مقدی جلدی کروہ تاکہ فلال فلال کام کے بینے فاسغ ہوسکو۔ ۔ اگر بندہ اس کے اس حربے سے بھی بڑے جائے اوراس طرح روکر دے گرفایس نیکی اطبینان و سکون کے ساتھ اس نیکی سے بہتر ہے جو مقدار میں زیا دہ گرنا فقس ہو" اگر بیبال بھی وہ ناکام ہو نو بندہ کو تیابی بہلاکرنے کی کوشنن کرتا ہے ۔ اگراس وقت بھی بندہ اسٹرنعالیٰ کی اہلاد و مخاطمت ہے نے اور بید کہ کہ وسوسر اریا کو مسترد کر دے کہ میں ہے ہو اور کی نما کشن کے بیے جا و اسلے کانی نیس ہے ہو اور کی نما کشن کے بیے جا وت کیوں کروں ۔ کیا صوف فداتھا لیٰ کا دیکھنا میرے واسطے کانی نیس ہے ہو تو کو بیٹ میں بندہ اسٹر کیا ہو میں مینلاکرنے کی کوشش کرتا ہے، اور نبداز روئے وسوسر کسا ہے کہ تو کننا ہا عظمت اور شب بیلار ہے، اور ترکنی فضیلت کا الک ہے ۔ ۔ اگری تعالیٰ کے فضل دکرم سے نبدہ اسٹری اور شب میں میری کیا برس کے اس وسوسہ کو اس طرح روکر دے کہ اس میں میری کیا برس کے سے دیا تو میر ہے کہ معفوظ رہے اور میں اسٹرنعالیٰ کا احسان ہے جس نے جھ گناہ گار کو یہ توفیق دی ۔ اور میں جس کا کو میے کہ میرے جیرونا قص اعمال کو شروب فہولیت سے نوازا ۔ اگراس کا نصل دکرم نہ مونا تو میر سے بیرگنا ہوں میر سے جیرونا قص اعمال کو شروب فہولیت سے نوازا ۔ اگراس کا نصل دکرم نہ مونا تو میر سے بیرگنا ہول

كے مفا بلے ميں ميرسے ان فليل اعمال كى كيا وقعت مفى ي

اگرابلیس کے بہ ندکورہ حربے ناکام ہوجائیں تو پھرایک بچٹے داست سے آنا ہے اور پر مب سے
زیادہ خطرناک ہے۔ بہت ہی وانا اور ہوت پائینی انتخص کے سواکوئی اس کے دھو کے سے محفوظ نہیں و سات
اور نہی اس سے وافقت ہوسکت ہے بچنا بچہ ابلیس یہ کہتا ہے کہ " لے نیک بندسے! تو لوگوں سے پونیدہ
پونیدہ نیک عمال میں کوبٹ نن کرتا ہے۔ اسٹہ تعالی خود بخود تیر سے اعمال نیم کو لوگوں بی شنتر کر دسے گائی
یہ کئے سے اس کا مقصور دریا میں مبتلاکنا ہونا ہے۔ اگرانٹر تعالیٰ کی عنا بہت سے بندہ ابلیس
کے اس مغا سے بھی بہم جائے اوراس کے اس وسوسے کواس طرح ناکام بنا دسے کہ" بیں اس چیز کا
متمنی نہیں ہوں کہ بیری نیکیاں عوام بیں مشہور موں۔ بلکہ جوالٹہ تعالیٰ کی رہنا ہے وہی درست اور ہی ہے۔
جا ہے ظا ہر کرنے جا ہے ظا ہر نہ کرے۔ وہ مجھے کوئی مرتبہ عطا کرے یا نہ کرے بسب اس کی مرضی ہے۔
جا ہے ظا ہر کرے جا بے ظا ہر نہ کرے۔ وہ مجھے کوئی مرتبہ عطا کرے یا نہ کرے بسب اس کی مرضی ہے۔
بوا ہے ظا ہر کرے جا بے ظاہر نہ کرے۔ وہ مجھے کوئی مرتبہ عطا کرے یا نہ کروں کے با نخر بی میرا نفی نقصان نہیں ہے۔

اس طرح گراہ کرنے سے ابوس ہونے کے بعدا بلیس براگراہ کرتا ہے کہ انسان کے نیک وید

ہونے کے تعلق روز ازل میں فیصلہ ہو بچکا ہے ۔ جوائس روز بُروں میں ہوگیا وہ بُراہی رہے گا ،اور بچا بچوں

میں ہوگیا وہ ابچھا ہی رہے گا ، تعمارے اعمال نیک و برسے فیصلگا زلی میں ہرگرہ فرق نہیں آسکا "

اگرانشرتفا کی بندہ کو اس وسوس ننیطا فی سے بھی بچا سے اور بندہ ابلیس بعین کویوں ہواب وے

کر "میں تو خوا تعالیٰ کا بندہ ہوں ،اور بندے کا کا مہے اپنے مولی کے حکم کی تعمیل ۔اورا لٹرتفا کی چونکررت

العالمین ہے اس بیے ہوچا ہے حکم و سے اور ہوچا ہے کرے ۔ اور پھر عبادت وطاعت کی طرح بھی مضرنیس کیونکہ آگر میں علم النی میں میعد ہوں تو پھر بھی اور زیا وہ تواب کا مختاج ہوں ۔ اور اگر معا ذالٹہ مضرنیس کیونکہ آگر میں علم النی میں میعد ہوں تو پھر بھی اور زیا وہ تواب کا مختاج ہوں ۔ اور اگر معا ذالٹہ علم النی میں میرانام بدیختوں میں لکھا ہوتر بھی تیک اعمال کرتے سے اپنے اور پر یہ طامت تو نہیں کوں گا، اور کہ اذکہ میں بی فرانس کا وعدہ بی ہوا ور اس کا کہ مجھے اوٹر نفالیٰ طاحت و وعبادت نہ نکرتے پر منزا دے گا۔ اور کہ اذکم میں ور مذاس کا وعدہ بی ہوار اس کا کی نہیں ہوا تا بہتہ ہے۔ اور الٹر تعالیٰ نے توجادات کی بجا آوری پر تواب میل کے وعدے کر اسے بیں ۔ تو بوج علی بیا کہ عامات و وجادات کی بجا آوری پر تواب جیل کے وعدے فرائے بیں ۔ تو بوج علی بیان و طاعت کے رسائندر ب تعالیٰ کے دربار میں صافر ہرگاؤہ ہرگر دورنے میں فرائسے بیں ۔ تو بوج علی بیان و طاعت کے رسائندر ب تعالیٰ کے دربار میں صافر ہرگاؤہ ہرگر دورنے میں فرائسے بیں۔ تو بوج علی ایان و طاعت کے رسائندر ب تعالیٰ کے دربار میں صافر ہرگاؤہ ہرگر دورنے میں

نه جائے گا۔ بلک خدا تعالیٰ کی معربانی اوراعمال صالحہ کی وج سے بحنت فردوس بیں اِن نناء اللہ جگہ بائیگا میں حقیقت بیں یہ دخول بھی وعدہ خلاوندی کی وج سے ہوگا۔ اسی صدق وعدہ کا اظمار کرنے کے لیے اللہ تعالیٰ نے قرآن مجید بیں سعید لوگوں کے اس مقولہ کونفل فرما با ہے:

الکھے ڈی و ٹالمے اللّذِی صَد قَدَا سے اِن میں حق تعالیٰ کے لیے بیں جن نے اللّہ تھی اللّه کے اللّه بیں جن نے میں ایک وعدہ پر الرّدیا۔

ہم سے اپنا وعدہ پر داکر دیا۔

ہم سے اپنا وعدہ پر داکر دیا۔

للذافدا فم پررم کے انتہ بیں المبیں کے جبوں سے بھنے میں موٹ بیارا ورچوکنا رہا چاہیے۔
کیونکہ معالمے کی نزاکت تنہار سے سامنے ہے۔ اوراسی پراپنے باتی اسوال وافعال کو بھی تیاس کر لو
اور سروقت اللہ تنائی سے مدوطلب کرتے رہو۔ اوراس کی پناہ میں رمو کیونکہ سرمعا ملماس کے باتھ
میں ہے۔ اور توفیق عطا کرتے والا بھی وہی ہے ۔ ولا تحول و کا فقو فا ایکا یا ملله
الْعَلِی الْعَظِیمُ و۔

# جوتها عَائِن مَا نِع "نفس"

بھراسے عبادت کے طالب! رائٹد نعالی نجھے اور جبیں سرلغزش سے مغوظ رکھے ) اس نفس ارد کی شرار نوں سے بچنا بھی بہت ہی صروری ہے کبونکہ بہ نہایت نفصان وہ وتئمن ہے اوراس کی آفات نمایت سخت ہیں ۔اس کا علاج بہت شکل امرہے ۔اس کی بیماری نمایت خطز ماک بیماری ہے اور اس کی دواسب دواؤں سے وسٹوارہے۔

نفس کاس ندر مفراور خطرناک بونا دو وجسے ؟

اقل به کونفس گھرکا بچورے اور چرجب گھریں ہی جھبا بوزاس سے مفوظ رہنا بہن شکل اول به کونفس گھرکا بچورے اور چرجب گھریں ہی جھبا بوزاس سے مفوظ رہنا بہن شکل مختل بنا ہے اور بہت زیا دہ نفصان بہنچا تا ہے نفس کی مترار نوں کے تنعلن کسی شاعر نے کہا خوب کہا ہے :

منا ہے اور بہت زیا دہ نفصان بہنچا تا ہے نفس کی مترار نوں کے تنعلن کسی شاعر نے کہا خوب کہا ہے :

منا ہے اور بہت زیا دہ نفصان بہنچا تا ہے نفس کی مترار نوں کے تنعلن کسی شاعر نے کہا خوب کہا ہے :

منا ہے اور بہت زیا دہ نفسی الی ما ضرفی دا جی کے نفسی الی ما ضرفی دا جی کے نفسی الی من عدادی بین اضلاحی کیف احبالی من عدادی بین اضلاحی کے نفسی الی من عدادی بین اضلاحی کیف احبالی من عدادی بین اضلاحی کے نفسی الی من عدادی بین اضافی کی نفسی الی من عدادی بین اضافی کونٹر کی بین اضافی کے نفس کے نفس کے نفس کی نفسی الی من عدادی بین اضافی کی نوان عدادی بین اضافی کی نفسی کی نفسی الی من عدادی بین اضافی کونٹر کی بین اضافی کی نفسی کی نفسی الی من عدادی بین اضافی کونٹر کی نفسی الی من عدادی بین اضافی کونٹر کی کونٹر کی کونٹر کی کونٹر کی کہا کہ کونٹر کی کونٹر کی کونٹر کونٹر کی کونٹر کونٹر کی کونٹر کونٹر کی کونٹ

کیف احیالی من علای ادا ترجمه (۱) نفس مجھے معنرت زرمال کاموں کی طرف بلا تاہے اور میری بیماریوں اور امراص کوزیادہ

کزنارہتا ہے۔

۲۱) اس دشمن سے بچینے کی کیا تدبیر ہوسکتی ہے جو دونوں مبلووں کے درمیان مجھیا بدیٹھا ہے۔ کے وسسری دج پیہے کہ نعنمی ایک مجبوب دخمن ہے۔ اورانسان کوجب کسی سے مجست ہوتی ہے نواس کے عیوب نظرنہیں آتے۔ بلک مجست کی دجہ سے مجبو سے عیوسے اندھار بہنا ہے۔ ایک نٹاع نے

اس بجيز كومندرجه ذيل دو تنعرون بي بيان كياهے:

لست تراى عيباً لذى الود والإخا ولابعض ما فيه اذاكنت داخبيًا

وعين الرضاءعن كلعيب كليسة لكن عين السخط تيدى المساديا

ز جمد (۱) جب نیزی کسی سے دوستی اوراس سے بھائی جارہ ہو تا ہے اور تھاس سے راضی ہو تا ہے نو تخصاس کاکوئی عیب نظر نہیں آتا۔

۲۱) رصناءاور پاروالی آنکھ ہرجیسے اندھی مونی ہے بین دشمن انکھ کو برائیاں ہی ٹرائیا و کھائی وبني ہيں۔

نوجب انسان ابني مزنباحت كونظراستخسان سے دیجھے اورنفس کے بیوسے آگاہ نہ ہوجو مرفت انسان کے سانفه عدا دت اور نقصان رسانی برم صروف ہے۔ نوابسا شخص اگر خدا تعالیٰ کی رحمت اوراس کا فضل نه بُوا نوعفر بب باكت اور ذكت كمكرك يُرتعين جارُسك كا -

ا سے عزیز ، نواس ایک شختے پر ہی غور کر بہی تبرہے ہے کا فی ہے۔ فائحنہ یہ ہے کہ جب تو ما منی پر نظرکرسے گا، نو بخص معلوم ہوگا کہ اقرل روز سے جو ذلنت و خواری جو تباہی جوگنا ہ اور جوآ فنت و صیب بنت ونبایں واقع موئی اور فیامنت کک ہوگی سب نفس کے باعث ہی موئی اور ہوگی یعیض رُا بُیاں اکیلیفس کے باعث اور بعض نفس کی معاونت ورٹرکت کے ذریعہ ۔اللہ تعالیٰ کی سے اول نا فرمانی البیس نے کی ۔ ا دراس کا با عنت تجرو صد نفا جب البیس نے حکم اللی کے آگئے بجرکیا اور مصنرت آ دم علیالصلاٰۃ والسام سے صدکیا نواس کی استی بزاربرس کی عیاونت ضائع ہوگئ اوروہ بمبیشہ کے بیے صلالت وگرا، کے گہرے سمندر مین عزقا به گیا اس و فنت به دنیا نفی نه مخلوق اور نه بی کوئی اورا بلیس تفاجواس ابلیس کو گمراه که تا ۔ للذا ابليس كے اندر مكتروحسلاس كے نفس كى وجهسے صاور مؤا:

ابلیس کی مردو دبیت کے بعد حضرت آدم دیتوا علیها السلام سے جولغزی ظروربذیر ہوئی اس برمی

چاہت نفس کارگرفتی ۔ ابلیس نے مماکرکہ اکر دانہ کھا بینے کے بعد تہیں تہیں ہیں ہنا اور نفی ۔ ابلیس نے میات میں اس کے ۔ نوید لغزش بھی ( بحو بعد میں بالکل معا من ہوگئی) نفس کی معا ونت ونٹرکت سے دافع ہوئی ۔ اور دو نول صفرات سی بنا پر الت تعالیٰ کے بڑوس وفرب سے دور کر دیے گئے اور حبت فردوس سے اس فانی ، حقیر کھوٹی ، ہاکت اس ڈالنے والی دنیا کی طرف منتقل کر دیے گئے ۔ اوراس لغزش کے باعث انبیس بہت کچھ دقت بس میں ڈالنے والی دنیا کی طرف منتقل کر دیے گئے ۔ اوراس لغزش کے باعث انبیس بہت کچھ دقت بس میں ڈالنے والی دنیا کی طرف منتقل کر دیے گئے ۔ اوراس لغزش کے باعث انبیس بہت کچھ دقت بس میں ہنتلا ہوگئی ۔

بھر ہابیل کا قتل بھی بخل وحمد کی وجرسے ہی ہڑا۔ اور ہاروت وہاروت بھی شہوت کے مبب فقتے ہیں مبتلا ہوئے۔ اوراسی طرح قیامت کے نفس کی وج سے نا فابل گفتہ بہ واقعات رُونسا ہوئے رہیں گے۔ مغلوق ہیں جو فقتے ہو قابیاں ، جو گرا ہمیاں اور جو گناہ واقع ہوتے ہیں اور ہوئے رہیں گے ان کی بنیا دنفس اور نفس کی خواہن ہی ہوتی جب نفس بنیا ونفس کی خواہن ہی ہوتی جب نفس کی عداوت اس حد تک خطرناک ہے توعافل کو جا ہیے کہ نفس کی شرار توں سے بچاؤ کا اہتمام کرے۔ (ما مللہ المها دی )

سوال: توابید وشن سے ضافلت بیں رہنے کا جبلدا ور تدبیر کیاہے ، اس کی وضاحت فرہ کیے۔ تاکہ اس کے مطابق عمل کیا جا سکے۔

اس بیان سے واضح بڑاکہ نفس کا علاج بہت مشکل امرہے اور بڑی دقیت نظر کی صرورت ہے ہم پر بھی بیان کر بھیے ہیں کہ اس کو تفویٰ اور ورع کی لگام دیے رکھو: ناکر کسیب مشانت اورگنا ہوں سے حفا ووٹوں فائمہے صاصل ہموں -

سوال:

نفس آبارہ نوبہت ہی مرش فنڈی اور برفطرت شے ہے، اس کا لگام سے فاہویں آب نا مشکل ہے۔ اس بیے اور کونسا حیلہ ہوسکت ہے جس سے ہم اس کوزر کرسکیں ، جواب :

نمهارایا تنکال درست ہے۔ واقعی بیانتهائی کرش ہے۔ گراس کا جیلہ بیہ کما سے بہت ذہبل وخوار کر کے رکھا جائے تاکہ لگام میں ہے۔

علمائے کام نے فرابا ہے کنفس کو خوارا دراس کے زور کو بین بچیزوں سے نوڑا جاسکتا ہے : اقرآل بدکہ اسے شہرات سے روکا جائے ۔ کبو کہ اڑ بل جیوان کوجب جارہ کم مناہے قرزم ہوجاتا ہے دورتسری جیز بید کہ عبا دان کا بھاری ہو جھراس بہلاد دیا جائے بجیو کمہ گدھے کو سبب جارہ کم دیا جا ادر ہو جھرزیا دہ لا داجائے قولاز می طور برا بی شیخی جھوڑ دیتا ہے اور طبیع و منقاد ہوجاتا ہے۔

نبسری بیمزید ہے کہ ہروقت رب نعالی سے امداد طلب کرنا رہے کہ وہ نفس کے نٹروف اوسے بیائے رکھے۔ نم نے فرآن کیم بیرستید نا حضرت یوسف علیاد لصائرة والتلام کا بدار ثنا د نبیں بڑھا:

اِنَّ اللَّهُ مِنَ لَاکْمَا دَةً بِاللَّهُ وَ وَ اللَّهُ مِن لَا مُعَالِدُ اللَّهُ مِن لَا مُعَالِدُ اللَّهُ مِن لَا مُعَالِدُ اللَّهُ مِن لَاللَّهُ وَ وَ اللّهُ مِن لَا مُعَالِدُ اللّهُ وَ وَ اللّهُ مَن لَا مُعَالِدُ اللّهُ وَ وَ اللّهُ مَن لَا مُعَالِدُ اللّهُ وَ وَ اللّهُ مَن لَا مُعَالِدُ اللّهُ وَ مُعَالِدُ اللّهُ اللّهُ وَ مُعَالِدُ اللّهُ اللّهُ وَ مُعَالِدُ اللّهُ وَ مُعَالِدُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَ مُعَالِدُ اللّهُ اللّهُ وَ وَ اللّهُ وَاللّهُ وَ وَ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

جب نم ان بین با نوں برکا ربند ہوجا وُ گے نوان نناء الله نفائی نفس رکست مطبع ومنقاد ہوجائیگا اس دفت منہ بس اس کوزیر کرسف اور لگام دینے بس جلدی کرنی جا ہیے: ناکمہ مندہ کے بیطس کی نمرازنوں سے معفوظ رہ سکو۔

سوال:

درانفوی کی وضاحت بھی فرا دیں، تاکہ ہم تفویٰ کی خفیقت سے واقف بوجائیں ، جواب :

اسعزیز اول بخصیہ جانا چا جبے کہ تفوی ایک نا در نزانہ ہے۔ اگر نم اس نزانے کو پالینے میں کا بیاب ہوگئے نو تمہیں اس بیر بین قبیت موتی وجوا ہرات بیس گے۔ اور علم ودولت روحانی کا بست بڑا نزانہ { تفریکے کا۔ رزن کریم نمادے إنفا آجائے گا۔ تم ببت بڑی کا بیابی ماصل کروگے۔

بست بری تنیست با و گھے، اور ملے عظیم رجنت ، کے مالک بن جاؤگے۔ بول مجھوکہ دنیا وآخرت کی بهلائيان نقوى بن جمع كردى تني بين يتم ذرا فرآن عليم بين توغوركروكدكسين ارننا دفرمايا" اگرتم تقوي ا خیتار کرو گے نو ہتم کی خیروبرکت کے مالک بن جاؤ گے' کہیں تفویٰ اختیار کرنے برا جرو نواب کے وعدے فرمائے گئے ہیں ۔ اور کمیں فرمایا گیا کہ سعاوت کا ذریعہ تفوی ور بہیز گاری اختیار کرناہے۔ بس بیاں قرآن حکیم سے تفویٰ کے بارہ فوائد بیان کرنا ہوں :

د ١) منقی شخص کی رب تعالی حمدو نناکزنا ہے۔ ارتشاور باتی ہے:

اگر تقوی اور مبرا ختیار کر و گئے تربے ٹنک یہ یا ہمت کا موں میں سے ہے۔

وَإِنْ تَتَعَوْا وَتَصَيِرُوا فَإِنَّ ذَٰ لِكَ مِنْ عَنْ هِمَ الْأَصُورِينَ -

( ٢ ) متفی شخص وشمنول سے مامون و محفوظ رمنا ہے بینا بجہ ارتنا دم زنا ہے:

اگرتم نفوی وصبراختیا دکر دیکے توتہیں نمالغو کے کرو فریب کجیونقہان نہ دسے سکیس گے۔

وَإِنْ تَصُبِرُوا وَتَنَقَعُوا لَا يَضُرُّكُمُ كَيْنُ هُمُ شَيْئًا ـ

(١٧) منفی تنخص کی الله رتعالی تائيدوا ملا د فرما ما ہے۔ ارشار خلاوندي ہے:

بینیک الله تغانی متفی او نیکو کارلوگوں کے

إِنَّ اللَّهُ مَعَ الَّذِينَ اتَّفَوْا وَالَّذِينَ هُ مُ هُجِيدِنُونَ ه

ما تقرے۔

ايك جگه فرايا :

اورالشدمتقيون كاحمائتى اوركارسازى

وَاللَّهُ وَلِيُّ الْمُتَّقِينَ ه

دمه ، ابل تقوی آخرت کی ہون کیوں اور وہاں کے نندا نگے سے نجانت بس رہیں گئے۔اور دنیے ابس

انبيس رزق ملال نعيب بوگا ينا بخدارتا درباني به:

مَنْ تَيْنِينَ اللَّهُ يَجْعَلْ لَكَ مَخْرَجًا وَ يَعْمُونَ عَلَى وَرِبِهِ بِرُكَا مِي كُوا بِالنَّعَارِ بِالْكِي كُا

يَرْدُونُهُ مِنْ حَيْثُ كَا يَحْتَسِبُ و التَّرْنَعَالَ السَّتِهِم كَا مُرابِي سَ بَجِيحًا السَّهَ

متیاکردے گا دوراسے ایسی جگرسے روزی عطاکرے گا جماں سے اُسے وہم و کمان بھی نہ ہوگا ۔

( ۵ ) اس کے اعمال کی اصلاح ہوجائے گی قرآن باک بس واروہے:

اسے ایمان والو! الله تعالی سے ڈرنے رمو،

يَا يُنْهَا الَّذِينَ امَنُوا اتَّقُوا اللهُ وَ

ا ورمبيشه درست اورمجي بات كمو- اس طرح الترتعاني تشايسط عمال كى اصلاح فرافيه كا. وَقُوْلُوا فَوُلَّا سَدِيْدًا يُصَلِمُ لَكُمُ اعْمَالِكُوْ

اورنغوى اخيتاركرني سعاط متدتعالي تهايسه

( ٢ ) تقویٰ کی برکت سے تمام گناہ معافت ہوجاتے ہیں ۔ فرآن مجیدیں ہے: وَيَغَفِمْ لَكُمْ ذُنُوْبَكُمْ

گناه معاوت کردسے گا۔

د ٤) منفى تنفص الله تفالى كا دوست بن جاتا ہے جبياكه كلام الله تشريف من باہے: إِنَّا للله يُحِبُّ الْمُتَّلِقِيْنَ ـ بينك الشرتعالي متعى لوگول سيعبن ركهتام

( ^ ) تفوی سے اعمال درج قبولیت کو بیجیتے ہیں بیجا بچدا رشاد ہے: إِنَّهَا يَنَفَتِكُمُ اللَّهُ مِنَ الْمُتَّفِيدُنَ . الشذنعان كم إل صرحت ابل تقوى كطعال

پی قبول مستے ہیں۔

و ٩) نفزى كے باعث انسان خدا نغالی كے بال اعز انرواكرام كاستن برجا تاہے ۔ الله تعاليے كا ارزشا دگامی ہے:

تم بس سے فدا کے ہاں وہی زیادہ اکرام کاستحق ہے جوزیا دہ تعتی ویر ہمیز گار ہے۔ إِنَّ أَكُرُمُكُمُ حِنْكَ اللهِ اتَقْتُكُمْ.

۱۰۱) منقی لوگوں کو بو قتب موت و پدارا نئی اور آخرہ ت میں منجات کی بشارت وی جاتی ہے۔ ارز ا خداوندی ہے:

جولوگ ایمان لائے اور تقویٰ کی زندگی اختیار

الكَنْ بْنَ الْمُنْوا دَكَا نُوْا يَتَقُونَ كَهُمُ

كانبين دنيا وآخرت بي بشارت وخوشخري

الْبُشُوع فِي الْحَيْلُونَةِ اللَّهُ مُنِياً وَفِي الْلَهِ خُرْفِة

(١١) منفی لوگ آتش دوزخ مے مفوظ رہیں گے رسب تعالیٰ کا ارتشا دہے: ثُمَّ نُنِجَى الَّذِبُنَ اثَقَوْا -يهرجم ابل تقوى كونار دوزخ مصاسخات ويركم

دومسرى جگه فرما يا :

متقى انسان نار دوزخ سے بچایی جائے گا۔

وَسَيْجُنَّبُهُا الْأَنْفِيٰ \_

(۱۲) اہلِ نقویٰ کو بمبیشہ کے بیے جنت بی رہنے کی سعا دن نصیب ہوگی جیسا کہ حق تعالیٰ کا ارتمادیج

أَعِلَّ تُ لِلْمُنْتِقِيْنَ م جنت البابِ تقويُ كے ليے تياري مُن ہے۔

توخلاصه به بحلاكه ونیا وآخرت كی نمام سعادت مندبال اور بھلائیال اس ایک نقوی میں جمع كردى كمى بير-اس بيسے اسے عزيز إنو بھى را و تفوى اختيار كراور حب استطاعت اس سے حصر حاسل كر-بهرندكوره فوائدتفوى من بين امورخا صكرعبا دت سينعلن ركهني ب

اوَّل عبادت كى توفيق اوراس مِن اعانت وْنَا مُبد - جيسے فرما يا گيا :

اِتَ اللَّهُ مَعَ الْمُتَّقِيْنَ . بينك الله تعالى متع المُتَّقِيْنَ . بينك الله تعالى متع المُتَّقِينَ .

وقوم اعمال كماصلاح و درستى اورعبادن كى خاميوں كو بوراكرنا - بيېجېز بھى تقوى سے حاصل

ہوتی ہے بینانچہ فرمایا:

نفری کی برکت سے رب نعالیٰ تنهارے اعمال کی

وَيُصْلِحُ لَكُواعْمَا لَكُوْ -

اصاباح فرا دے گا۔

متوم فبوليتِ اعمال فبرليتِ اعمال كى يفسيلت بهى النفوى بى كونصبب بوتى ہے۔ ازارادِ

خلاوندی ہے:

ا مَتْدَنِعَالَىٰ كَى درگاه بين اللِ تَقوىٰ كے اعمال ہى

إِنَّهَا يَتَفَيَّلُ اللَّهُ مِنَ الْمُتَوِّقِبُنَ م

ا ورعبا دن کا دارو ملادهی ان بین اموربرہے۔ ببلے نوخود نوفینِ عبا دنت ناکہ اس کی بسندگی کی جا سکے۔ پھراس میں جو کمی رہ جا شے اس کی اصلاح ' اور پھراس عبادت کا در گاہ حن تعالیٰ مِن مفتول نہا ية بين امورىيني توفيق عبادت ، اصلاح اعمال اور نبول اعمال - به وه جيز بن بن جنيس عا بدلوگ الله تعالى سے روروكرمائكنے بين اور دعاكرتے بين :

اے ہما سے پرور دگا زیمیں طاعنت کی توینق ہے اوریماری کوتا بمیرن کوبورا فرما اوریماری طاعت

تهتبنا وَقِفْنَا لِطَاعَيْكَ وَٱنْمِهُ تَقْصِيْرِنَا وَتُقَبِّلُ مِنْنَا ـ

میکن انتدنعالی نے ال نقوی سے خود ہی بغیرطا ابدان بن امور کا وعدہ فرما بیا ہے اوراصبحاب نقویٰ کے اعزاز واكرام كا ذكر فرما يأسب - اس جيب اگررب تعالى كاعبا دت وبندگى كرنا جا جنتے بو بكائريا مآخرت

كى تمام سعادات بمبننا جا منت موتوا بني بن صفت نقوى پياكرو-ايك نناع نے تقوى كى كيا بى عمده اندازیں تعربین کی ہے:

> من اتفى الله فذاك الذى سيناليهالمتجرالرابح لايتبع الماء الى قبرع غيرالتقى والعمل الصالع

> > ١١) بخِيْحُض التَّدنعا لي سع وزنا ہے وہي نعع والي سننے ماصل كزنا ہے ۔

٢١) نېرين انسان كەسانقە مرمن نفوى اور عمل مسالى بى جاتىيى -تقویٰ کی ثنان بعض دوسرے تنعراء نے اس طرح بیان کی ہے:

(۱) \_\_\_ منعرف الله فلعرتفننه معرفة الله فذاك الشقى

(٢) \_\_\_ ما يصنع العبد بعز الغني والعزكل العرز للمتنغى

(٣) \_\_ ماضرذاالطاعة ماناله في طاعة ومأذا لقى

۱) جن شخص کوانشذنعالیٰ کی معرفت صاصل جواوروه اس معرفت کو کافی نه جانے توابسانشخص بریخت ہے۔

(۱) دولت سے انسان کوکیاع تن عاصل ہو<sup>ک</sup>تی ہے یعن ت توسب نقوی سے وابستہ ہے۔

«٣) منتقى تنخص كو جو بجيز بن التذنعاني كى طاعت بين حاصل برتى بين وه مضرنيين بكيمفيد بي خير و«

بعن لوگوں نے کسی کے مرتے سے بعداس کی فبر پر بیٹنع لکھا:

ليس زاد سوى التف خنى منه او دعى

(نعوی بی آخرت کا توشه اب تیری مونی ہے کہ اسے حاصل کرہے یا جھوڑ دے)

بجراس اصل بريمي عوركروكه نم سارى عمر عبادت كي بيضنقين أعقات اور مجابد سے درياضتين

كرتت بؤببان نك كمتم عبادت كصفف دكوبإلين بي بكن خلانخاسته وعبادت أكر درباراللي مي مقبول

ىنى جونۇسارى كوششىنىس اور مجا بدسے ضائع جو گئے . نتىبىن معلى سے كدانتە تعالى نے قرآن مجديس فرايا

إِنْهُمَا يَبَعَيْنًا لَهُ مِنَ الْمُنْفِقِينَ . الله تعالى متع وكون بى كى جادت تبول فرمات -

نوظا ہر ہوًا کہ تمام معاملہ تفویٰ ہی سینعلن ہے۔ اسی بیے حصزت عائمنٹہ رمنی اللہ تعالیٰ عنها فرما نی ہیں کہ دسول التلصل الثذتعالى عييشآ لهولم دنياكى كسى نتري باكسى انسان رتعجب نيس فرما نتے تقے گرصاحب

تقویٰ بر۔ اور صفرت فتارہ رصنی اللہ تعالیٰ عنہ سے مردی ہے کہ تررات شریب بی مذکورہے: "اے

انسان! تومتغی بن جا ، پھرجہاں جا ہے سو"

حصرت عامر بن قبس مے منعلق شنا ہے کہ آپ بر فنت موت رو بڑے۔ حالا کہ زندگی بن آب کی مالت یہ بنی کہ ہر دن دات بین ایک ہزار دکھت نفل بڑھتے نفے ' پھر اپنے بہتر رپر آتے نفے اور بستر کو مخاطب ہوکر فرماتے نفے" لے ہر مُرائی کی جگہ اِتسم خدا کی میں نے بخصے ایک بلیک بھر بھی بیسند نہیں گیا" حب آپ روئے نوکسی نے کہا آپ کیوں روتے ہیں ؟ آپ نے جواب دیا میں دب تعالیٰ کے اس قول کویا دکر کے روتا ہم ن : إِنَّمَا يَتَقَبَّلُ اللَّهُ مِنَ الْمُنْقِيْن -

بحرابک اور بکتے بربھی عور کرو بونمام اصولوں کی اصل ہے۔ وہ بدکہ بعض سالجبن نے اپنے کئی شیخ کی خدمت میں عرصٰ کیا" مجھے کوئی وصبت کیجیے"۔ نوشیخ نے فرایا" میں تجھے اللہ تعالیٰ کی وہ وصبت کزاہوں جواس نے تمام اولین و آخرین کو کی ہے بینا بچہ ارشا د فرایا:

بیشک ہم نے ان کوج تم سے پیلے کتا بوں والے گزرے ہیں اور تمین ناکید کی ہے کہ اللہ تعالی سے وكفتُدُ وَصَّنِينَا الَّذِيْنَ الْأَوْلِالْكِنْبَ مِنْ تَبْلِكُمُ وَإِلَيْكُاكُمُ اللَّالِيْنَ القوا اللَّهَ-

زتے رہو۔

اس تقریر سے تم پر یمجی داضح ہوگیا کہ اللہ تغالی نے ہر کھلائی، ہرراہ نمائی، ہراد تنا د، ہر تبیبہ و نا دیب، ہر تعلیم و تہذیب کو تقوی ہی سے تعلن کیا ہے۔ اور بداس نے ابنی حکمت ورحمت کے عین مطابی کیا ہے۔ اور تمہیں میر معلوم ہوگیا کہ تقوی ہی دبنی و دُنیوی اور اُخروی بھلا بُیوں کا جا مع ہے۔ اورتفویٰ بندگی دعبا دن کردرجات تبولیت پربینچانے کا صنامن دکفیل ہے۔ ایک نشاع نے کیا خوب کما ہے :

الا انما التقوى هى العن والكرم وحبّك للنبيا هوالذل والعدم وليس على عبد تفى نقيصه في الخاصح التقوى وان حاك اوجم النقوى وان حاك اوجم (۱) من لوكة نقوى مي تن وبزرگ هـ ونياك مجنت توذتت وخوارى هـ ونياك مجنت توذتت وخوارى هـ ونياك مجنت توذتت وخوارى هـ ونياك مجنت و دنياك محتن و دنياك مجنت و دنياك محتن و دنياك م

(۲) جب کوئی شخص ابنے اندر وصف نقوی پیاکھیے تودہ اگر جولا ہے کاپیشہ یا حجام کا بیننہ اختیار کریے تواس میں کوئی عیب نہیں۔

به آخری نکته وه اصل بے که اس سے اعلیٰ کوئی اصل نبیں اور نورو بدایت والے کے بیے بر اصل کافی ہے۔ جا ہیے کہ اس بھل کرسے اور دوسری جیزوں سے بے نیاز موجائے۔ والله تعالیٰ ولی الهدایة والمتوفیق۔

سوال:

نماری استفعیل سے معلوم ہرتا ہے کہ نقوی سبت اعلیٰ شفے ہے۔ اس کا مرتبہت ہی بلند ہے اور دنیا و آخرت بیں اس کی شدید مفرورت ہے۔ اور اس کی بیجان کرنا از مد مفروری ہے۔ لہٰذا ہمین نفعیل کے ساتھ اس کی خینفت بتائی جائے۔ ہمین نفعیل کے ساتھ اس کی خینفت بتائی جائے۔

بحواب:

بات بوں بی ہے کہ تفوی ایک نہایت ہی عظیم نے ہے۔ اس کی تخصیل منزوری ہے اوراس کی معرفت ماصل کیے بغیر جارہ کارنبس لیکن تہیں معلوم ہے کہ بس قدر کوئی کام اعلیٰ ومفید ہوتا ہے ، اس قدراس کا حصول د ننوار ہوتا ہے اوراتنی ہی زیا دہ مشقت وجد و جدرکا تقاضا کرتا ہے۔ اوراتنی ہی زیا دہ مشقت وجد و جدرکا تقاضا کرتا ہے۔ اوراتنی ہی زیا دہ بلندیمتی جا ہتا ہے۔ لہٰذا بحس طرح یہ نفتوی ایک نفیس اعلیٰ چیز ہے ، اسی طرح اس کے حصول کے بیے غلیم مجا ہرے اورن دید جد و جدد کی مفرورت ہے ۔ نیزاس کے حقوق و آ دا ب کی مجمدا شت کے بیے غلیم مجا ہرے اورن دیم مدوج کی کوئٹش کی مجمدا شدورت ہے۔ کیونکہ درجات جب بہا ہدہ عطا ہوتے ہیں۔ اورجس درجے کی کوئٹش کی مجمدا تو ہے اس درجے کی کوئٹش کی جاتم ہو اور ہیل متا ہے۔ قرآن مجید ہیں فرایا گیا ہے۔ و الکوئین کی احداث کی میں میں میں ایک ایک ہے۔ و الکوئین کیا ہم کا میں افراؤیک کا کہ کو کو کوئٹر کا کہ کی جو کہ کوئی کوئٹر کا کہ کوئٹر کا کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کی کوئٹر کا کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کا کہ کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کا کائٹر کا کہ کوئٹر کا کہ کوئٹر کا کوئٹر کوئٹر کا کوئٹر کا کہ کوئٹر کا کہ کوئٹر کا کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کا کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کوئٹر کا کوئٹر کو

معریک کے اتنا ملک مع المع کے سینین میں دریافتیں کی بی ہم انہیں مزور بالفرد دیائے کک معرول کے دامند میں کا دریافتیں کے دامند میں کا دریافتیں کے دامند میں کا میں کا میں کا دامند کی دریافتی کے دامند میں کے دامند میں کا میں کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کا دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کی کی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کے دریافتی کی کے دریافتی کے دریافتی

اور فعا تعابیٰ رو من ورحیم ہے۔ ہمر کی آمان کرناس کے دست قدرت ہیں ہے۔ اب تم ہاری بالا کی طرف کان لگا وُاوران کو ذہن ہیں کرنے کے بیے بیدار ہوجاؤ۔ اور تعویٰ کی اہمیت و تقیقت کو ہر تع غور سے جھوتا کہ اس کی حقیقت سے وافقت ہونے کے بعداس کو حاصل کرنے کے بیے کم لیسنہ ہوسکو۔ اوراس کی حقیقت کو جان بینے کے بعداس بڑعل ہیرا ہونے کے بیے دب تعالیٰ سے مدد طلب کرو۔ کیونکہ اصل چیزوہی ہے۔ اسٹر تعالیٰ ہی سب کو اپنے فضل و کرم سے ہدایت و توفیق و نیا ہے۔ اسے عزیز! (السٹر تعالیٰ تیرے دین ہیں برکت اور تیرے نقین میں اضافہ فر فرائے ) تقویٰ کے ہو معنی مثاری کی کوام نے بیان فرمائے ہیں ہیں جو ہواں۔ بچنا بچہ بعض مشائح نے نقویٰ کے ہمعنی کے ہیں : تنزید القلب حق ذین لعدید بین اس گناہ سے دل کو بچانا جس کی شائے تھوئی کے ہمان کے ہمان کے بیان فرمائے ہیں کے ہیں :

مها درنهیں موًا -

عنك مثله ـ

دوسری مگرونسرهایا:

اوراس دن سے ڈروجی دن تم دربار فدا دندی میں شیس کیے جا وگھے۔

وَاتَّفَوْا يَوُمَّا نُرْجَعُونَ فِنْهُ رالى

اورتعویٰ کا لفظ طاعت وعبادت کے معنی من میں استعال ہؤا ہے بینا میے رب نعالیٰ کا ارتبادِ

1.13

استابهان والواات وتقانى ستعاس طرح وثرو جن طرح اس سے ڈرنے کا می ہے۔ لَيَا يُهَا الَّذِينَ أَمَنُوا اللَّهُ وَاللَّهُ حَقُّ تُفَا يِتِهِ ـ

بهاں ڈرنے سے مرا وطاعت وعبادت ہے بہتدنا معنونت ابن عباس دمنی الٹرتعالیٰ عنہ نے ہی معنی كيه بن ينائيراب ن زجر كرت بوئ بول فرايا ب:

الترتعالى كى ايسى اطاحت كرومبيى كرجاسي

اطيعوا الله حق اطاعته

اور مفرت مجا ہر رحمۃ اللہ علیہ ہے اس ایت کی بوں تغییر فرما تی ہے:

انقواا لله حق تقانة كيعني رب تعالى كى ايسى اطاحت كرناكه بھرنا فرمانی نەمجدا وراس كى ابسى يا دكانغشرول بي قائم كرناك بعرنسيان هوان يُطاع فلا يُعَصى وان يذكر فلايُنىي وان يشكرفلا

واقع نه بو-اوراس کی اس طرح شکرگزاری کی جائے که برگزنا شکری کا صدورت مو۔

اورلفظ نقوى قرآن حكيم بن تميس اسمعن بن استعمال بُواسب :

تنزيه القلب من الذنوب و دركمنا و لكرك بون سعدور ركمنا و

اورنقوی کے جینی معنی ہی مبرسے معنی ہیں۔ بیلے دونر ن معنی مجازی ہیں کیا تم نے قرآن مجید ہیں یہ ر. آینهٔ کریمهٔ تبیس برهی :

ا درجولوگ الشد تعالیٰ اوراس کے رسول کی اعل كرتي بي اوران مس درتي بي اورول كوكن بو

وَمَنْ تَيُطِعِ اللَّهُ وَرَسُولَكُ وَ يَجْتُنَّلَى وَيَتَّقَهِ فَأُولَئِكَ هُمُ الْفَايِرُونَ،

سے دور رکھتے ہی تواسے ہی لرگ کا میاب اور فائز المرام ہیں ۔

اس آیه کربریں بیلےاطاعست اورخومت کا ذکرفرا با اور پیرنغوی کا . تومعلوم ہواکہ تفوی اطاعیت و خنیست کے سواکسی تمیری شے کا نام ہے اوروہ ہے تنزیہ القلب من الذنوب۔

بهرعلمائے کرام رحمهم الله رتعالی فرمانے بین کہ تغوی کے بین مراتب ہیں:

۱۱ ، ننرک سے نقوی (بینا) - (۲) برحمنت سے تقویٰ (بینا) - (۳) گنا ہوں سے تقویٰ (بینا)

ا ورا تشرتعالی نے بیمیوں مرتبے اس ایک آین میں ذکر فرا دیے ہیں ، وہ آین مبارکہ بہے:

ان دوگوں پرکوئی گئ ونیں اس میں جواندوئے کھا یا جبکہ دو انعقوی اختیا کریں اورا بیان لائیں اور اعمال معالج بجالائیں، بھرتعوی اختیار کریں اور اعمال معالج بجالائیں، بھرتعوی اختیار کریں اور ایمان لائیں ، بھرنعوی اختیار کریں اورا حسان ایمان لائیں ، بھرنعوی اختیار کریں اورا حسان کی راہ اختیار کریں ۔

لَيُسَ عَلَى النَّهِ يُنَ الْمَنُوا وَعَهِلُوا الشَّلِحُنِ بُحَنَاحٌ فِيمَا طَعِمُوا إِذَا الشَّلِحُنِ بُحَنَاحٌ فِيمَا طَعِمُوا إِذَا مَا النَّقَوُا وَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ مَمَا اتَّقَوْا وَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ ثُمَّا اتَّقَوْا وَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ ثُمَّا تَقَوَّا وَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ ثَمَّا اتَّقَوْا وَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ ثَمَّا اتَّقَوْا وَامَنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَالْمَنُوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَالْمَنُوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةِ وَالْمَنُوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَالْمَنْوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَالْمَنُوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَالْمَنْوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَالْمَنْوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَالْمُنْوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِحَةُ وَالْمَنْوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَمُؤْمِوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَمُلْوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَعَمِلُوا الصَّلَاحِ وَامْنُوا وَامْنُوا وَلَوا الصَّلِحَةُ وَالْمُعُوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَامْلُوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَامْنُوا وَامْلُوا وَامْلُوا وَامْنُوا وَامْلُوا وَامْنُوا وَامْلُوا وَامْلُولُوا وَامْلُوا وَامْلُولُوا وَامْلُوا وَامْلُوا وَالْمُعْلِقُوا وَامْلُوا وَامُلُوا وَامْلُوا وَامُنْفَا وَامْلُوا وَامْلُوا وَامْلُوا

ين دا مع فرالي كتا مول كدين في تفوى كا أيك اور معنى بيا يا ب - اور بعنى صنور عليالسارة

والسلام سے ایک مشہور مدمیث بی مروی ہے۔ حدیث کے الفاظ بیم بی :

منقبول کونتقی اس بیے کہا گیا کہ انسوں نے اس کام کوبھی ترک کردیا جس بین شرعا کوئی موج نہیں یہ امتیاط کونتے ہوئے کہ اس کے ذریعہ ایسے کام نہ طی جا بیس جس میں جرج اورگن ہ ہو۔

ان سمى المتقون متقين لنزكهم مالاباس به حدم ابه عما به بائش ـ

بی مناسب بنیال کرتا ہوں کہ علماء کرام کے بیان کردہ معنی اوراس مدیث بین نقویٰ کے وارد شدہ معنوں کو جمع کردون ناکہ نقویٰ کے محمل اور بورسے عنیٰ بیان ہوجائیں۔

زنفوی کے جامع تزبن معنی یہ ہوئے کہ" ہراس نشے اور کام سے اجتناب کرناجس سے بن کونقصا پنیجنے کا خوف ہو"۔ نتمیں معلوم نہیں کہ بخار بر مبتلاشخص کوجب وہ ہراس چیز سے بر ہمیز کرسے جواس کی معن کے بیے معنر ہو۔ جیسے کھانا ، بمنیا اور مجل وغیرہ ۔ تواسے اسل پر ہمیز کرنے والا کہنے ہیں ۔ اسی طرئ بخوض ہرضلا ب مشرع آمرسے اجتناب کرسے تواب ای شخص در حقیقت متعفی کملانے کا متحدار ہے ۔ بھروہ بجیز بنجن سے دین کو نفصان بہنجنے کا خوت ہے دوطرح کی بیں : (۱) موام و معصیت ۔
(۲) حلال گرفترورت سے زائد کیونکہ زائد انفاز ضرورت حلال انٹیاء بین شغولبیت اورانهماک بھی دفتہ رفتہ گئاہ و حرام میں مبتلا ہونے کا باعث بن جاتا ہے ۔ اور وہ اس طرح کرزا ٹکاز خردرت حلال انٹیاء کے ستعال سے اوران کی عادت ڈوالنے سے نفس کی حرص اس کی سرکتنی اور شہوات زور کمیڈ جاتی ہیں اور بندہ گناہ بی مبتلا ہوجا تا ہے ۔ نو جو شخص ا بنے دین کو کمی طور بر محفوظ کرنا جا ہتا ہو' اس کے بیے صنر وری ہے کہ حوام مبتلا ہموجا تا ہے ۔ نو جو شخص ا بنے دین کو کمی طور بر محفوظ کرنا جا ہتا ہم' اس کے بیے صنر وری ہے کہ حوام اور نصول صلال سے اجتناب کرے ۔ تاکہ نصول صلال سے حام کا کم نیم پنج جائے ۔ اسی امرکورسول الشرصلی الشرائی علیہ میں منا ب کرے ۔ تاکہ نصول صلال سے حام کا کم نیم پنج جائے ۔ اسی امرکورسول الشرصلی الشہ نعالیٰ علیہ میں نے اس ارتا دہمارک ہیں بیان فرما یا ہے :

سركه حدداعما ففرل ملال سعبى يربيز كرية بين اكرام بي به بأس ـ نير جائي . به بأس ـ

نوتفویٰ کی جامع ترین نعربیت یہ ہوئی کہ وین میں ہر نقصان وہ جیزے اجتناب وربہ میزکرنا ''سے یہ ہے تفویٰ کی خیفنت و ما بہت کا مفصل بیان ۔ والحمد مللہ ۔

اورعلم بترکے اعتبارسے نفویٰ کی خیفنت بہ ہے کہ مراس گرائی سے دل کو ڈورر کھناجس کن ل بندسے نے پہلے بُرائی نہ کی ہوئے تاکہ گنا ہوں سے دور رہنے کا عزم ان سے حفاظ نش کا ذربعہ بن جائے۔ بھر نمتر دوقسم ہے:

ایک شراصلی، اور به وہ ہے جس سے نفرع نے صراحنہ روکا ہو۔ جیبے گناہ اور معاصی۔ وقتم استرغیراصلی - اس سے وہ نفرم ادھے جس سے نفرع نے نا دِبًا روکا ہو۔ اور وہ فضول اور زائداز صرورت صلال ہے۔ جیسے عام مباح جیز بی ہجن سے شہوت کو تقویت ملتی ہے۔

سر اصلی سے بجنا فرض ہے اور نہ بجنے کی صورت بیں تین عذاب ہوگا۔ شریخ راسلی سے بنتر وسنخب ہے اور نہ اجتناب کرنے پر دوزقیا مت سختر بیں ساب کے بیے دوکا جائے گا۔ اوراس سے بہتر وسنخب ہے اور نہ اجتناب کرنے پر دوزقیا مت سختر بیں ساب براسے عار و ندامت و لائی جائیگی۔ ہر نئے کا سماب بیا جائے گا۔ اور و نبا بیں بلا عنر ورن امور کے ارتکاب براسے عار و ندامت و لائی جائیگی۔ نثر اصلی سے بجنے والے کا نقویٰ کم درجے کا ہے اور بہطاعت براستقامت کا درج ہے۔ اور ترخ مراسی کا تقویٰ کے بیا ورج بند ہے اور بیترک بہاج زائدا زمنر ورن کا درج ہے۔ اور ج خص دونون منم کا تقویٰ ایسا ایسے اندر بریا کرنے وہ کا ل متق ہے اور بہی و شخص ہے جس نے نقویٰ کے بورے عنون ملح وارکھے۔ ایسا ایسے اندر بریا کرنے وہ کا ل متق ہے اور بہی و شخص ہے جس نے نقویٰ کے بورے عنون ملح وارکھے۔ ایسا

تنخص ہی تفویٰ کے پورے فوا نکہ حاصل کرتا ہے اوراسی کا نام کا مل ورع ہے جس پر وہن کے کمال کا دارہ مدارہے۔ دربا را لئی ہیں حاصری کے بیے جن آ داب کی صرورت ہے وہ اسی تفویٰ سے حاصل ہونے ہیں تفویٰ کے ان معنوں کو خوب مجھوا ور کھران رچمل کرو۔ سموال:

یہ بیان فرا بجے کہ اس تقویٰ کے حصمول کا کیا طریقہ اور کیا ذریعہ ہے ۔ اور ہم اپنے نفس کواس کا کیسے مال بنا سکتے بین ناکہ یملم ہم وجائے کہ نفس کواس تقویٰ سے لگام کس طرح دی جائے ؟ عال بنا سکتے بین ناکہ یملم ہم وجائے کہ نفس کواس تقویٰ سے لگام کس طرح دی جائے ؟ بحواب :

إس كى صورت به ہے كہ نفس كو بورسے و م و ثبات سے ہم عبیت سے دوكا جائے ۔ اور ہم طرح كے نفسول صلال سے دور ركھا جائے ۔ ابب كرنے سے بدن كے ظاہرى و باطنى اعتنا صفت تقویٰ سے مُوصو نفسول صلال سے دور ركھا جائے ۔ ابب كرنے سے بدن كے ظاہرى و باطنى اعتنا صفت تقویٰ سے مُوصو ہم جائيں گے ۔ آئكھ ، كان ، تربان ، دل ، بيت ، نتر مگا ہ اور باتی جملدا عضاء اورا جزاء بدن بين تقویٰ بيدا ہم جائے گا۔ اور نفس تقویٰ كى لگام میں اجھی طرح آجائے گا۔

اس باب کی شرح بهت طوبل ہے "اجباء علوم دین" بمی ہم نے اس کی تفصیل کی طرف اٹسارہ کیا ہے لیکن جس امر کا بیان بیماں زیا دہ صروری ہے وہ یہ ہے کہ با ریخ اعضاء کی خصوصبیت سے گمہدائشت کی جا د داع فذار دیمیں:

ر المراسط من المراضي المراضي

دبن کو صفرر و نقصان سے بجانے کے لیے ان مذکورہ اعضاء کو ہر عصبت، ہر حرام، ہر فضول حلال اور ہر امرات سے حفاظت میں رکھنا صفروری ہے بجب ان بابنج اعضاء کی حفاظت ہوگئی نوا میدہ کہ بدن کے باتی اعضاء بھی محفوظ ہوجا میں گے اور نبدہ پورسے طور بر تفویٰ کی صفت کے ساتھ موصوف میوجائے گا۔

ہے۔ ہم پابخ فصلوں بیں ان اعضاء سے تعلقہ امور کا بیان کرتے ہیں اور نمبیں بتانے ہیں کہ کون کون ہم پابخ فصلوں بیں ان اعضاء سے تعلقہ امور کا بیان کرتے ہیں اور نمبیں بتانے ہیں کہ کون کون ہم پابخ فصلوں بیں ان کو حفاظت میں رکھنا عنروری ہے۔ لیکن بیاں یہ بیان اس کتاب ہجیزان کے بینے حرام ہے جن سے ان کو حفاظت میں رکھنا عنروری ہے۔ لیکن بیاں یہ بیان اس کتاب کے حجم کے مطابق ہوگا۔ یعنی مختصر۔

# فصل اقل أنكه كيريان من

بھرتم برائی آنکھ کی حفاظت بھی لازم ہے۔ (الشّرتعالیٰ ہمیں اور تنبیں حفظ نظر کی نوفین دسے )۔ کبونکہ آنکھ ہی ہرفتنے اور ہر فنت کا سبب ہے۔ اور بی اس کے متعلق بین اصول بیان کرتا ہوں ہوں ب کاربند ہونے سے نظر کی حفاظت اِن ثناء الشّرتعالیٰ بوری طرح مبتر ہوجائے گی۔

ببلااصول وه جوقران مجيد كى اس درج ذيل آيت بس بيان كباكبهد:

ا سے بیب! اہل ایمان سے کموکر اپنی نظر محکائے ا کھیں اور اپنی شرنگا ہوں کی مخاطبت کریں ۔ یہ ان کے بیے بہت باکیزہ بات ہے ۔ اور ( لط یان وال ا) تم جر کچھ مجی کرتے ہوات تقال اسے باخرہے۔ قُلْ كِلْمُؤْمِنِيْنَ يَغُضُّوا مِنْ أَبْصَادِهِمُ وَيَحْفُظُوا فَرُوْجَهُ مُ ذَٰلِكَ آئُم كَىٰ لَكُ مُوْ إِنَّ اللَّهُ تَحِيب يُرُوْجِهَ لَكُ مُوْ إِنَّ اللَّهُ تَحِيب يُرُوْجِهَ نَصْنَعُونَ .

اسے وزیز افرجان کہ اس مختصر سی آبت بیں غور کرنے سے مجھے بین عجیب ونا درمعانی معلوم ہوئے ہیں۔ بعنی اس آبت بین تا دیب ، نبلید اور نبلت بین امر جمع کر دیے گئے ہیں۔

تا دبیب بین ادب سکھانا ۔ نواس آیت کے اس جلے یں ہے قُلُ لِلْمُوْمِنیْنَ بَعُصُوْامِنَ اَبْصَانِ اِللَّهُ وَمِنیْنَ بَعُصُوامِنَ اَبْصَانِ اِللَّهِ مَا اِللَّهُ وَمِنیْنَ بَعُصُوامِنَ اَبْصَانِ اِللَّهُ وَمِنیْنَ اَبْعُصُوامِ اِلاَمْ مِوجاً اللَّهُ وَرِدْ ہے ادبوں بین شمار ہے کہ آفاکے حکم کی نعیل کرسے ادراس کے بہائے ہوئے آداب کو بجالائے ۔ ورز ہے ادبوں بین شمار ہوگا ۔ اور ہے ادب محلام کو آفاکی مجلس میں حاصر ہونے کی اجازت نہیں ملتی اور نہوہ آقا کے سامنے مرکا ۔ اور ہے ادب اور ہے اس نکتے کو ذہن تین کر لواوراس میں خور کرو کہونکہ اس بی بہت بجد ہے۔ اس نکتے کو ذہن تین کر لواوراس میں خور کرو کہونکہ اس بی بہت بجد ہیں۔ اور نن بیب ان الفاظمیں ہے : ذلک اُذکی لکھ نے اس جلے کے دو مطلب ہو سکتے ہیں۔ اور نن بیب کہ ان الفاظمیں ہے : ذلک اُذکی لکھ نے اس جلے کے دو مطلب ہو سکتے ہیں۔ ایک یہ کہ نظروں کو جمکائے رکھنا مومنوں کے دلوں کو زیا وہ پاک کرنے والی شف ہے ۔ کیونکہ زکوہ طارت

دوسرامطلب به برسکتا ہے کہ نظروں کوجھکائے رکھنا مومنوں کی نیکیوں کو بڑھانے اور ذیا وہ کرنے کا باحث ہے کیونکہ زکڑۃ کے معنی لعنت بی بڑھنے اور زیا وہ ہونے کے بھی آتے ہیں۔ نوطلب بہ بخاکہ نظر نیجی رکھنا ول کو مبت زیا وہ پاک کرتا ہے اور طاعت و خیریں اصافے کا ذریعہ ہے۔ اور

يباس بيه ب كداكرة نظريجي ندر كهو بكداس آزا دانه برجيز رد الونوبسا ا وفات تم ب فائده اورففنول بعی ا دمعراً وحرد کیمنا نشروع کرو گے اور کیچر دفتہ تماری نظر حرام رہی پڑنا نشروع ہم جائے گی۔ اب اگرقصدًا سرام پرنظر دالوگے توبیبت بڑاگنا ہ ہے۔ اور بہت ممکن ہے کہ تنہا را ول حرام نے برفر بعبنة موجائے اورتم تباہی کاٹشکار ہوجاؤ کیونکہ روایات بیں وار دہے:

بعض اوقات بندوكس فصرينظر والتاس واس اس طرح الزقبول كرّناسيجس طرح جمرٌ عمسيل دباخت سے زنگ کو۔

ان العيد ينظم النظرة بينفعل فيها قلبه كمآ يتفعل الاديعرق

ا وماگراس طرون دیجینا موام نه به ملکه مباح بو نوبوسکتا ہے که تنها را ول مشغول بوجائے - اور اس کے مبیب تہارہے دل بر طرح طرح کے دموسے اورخطرات آنے نٹروع ہوجا بیں۔ اورنا بدوسوسے کی چیزون تک عملی طور پرندینی میکوا وراس طرح وسوسول کا شکار موکزیکیوں سے رہ جا ڈیکین اگرتم نے كسى طرف ديجعا ہى نبيں ترہر فتنے، وسوسے اورخطرے سے محفوظ رہوگے 'اوراپنے اندر راحت نشاط

اس بجيركو مصنرت عيسى عليه الصلوة والسلام ندان الفاظين ا وا فرايا به : ابنة بكزنظر وام سے پورى اختيا طرسے بجاؤ كيونكابسي بذنغرى دل مي شهوت كي تخم ريزى كرتي ہاوراس گن و کا اڑکاب کرنے والے کو ننتنے

اياكمروالنظرة فأنهأ تنزرغ فى القلب الشهوة كفى بهالصاحبها

یں مبتلا کردیتی ہے۔

حصرت ذوالنون مصری دحمته الله تنانی علیه کا ارتثا و ہے: م ککه کو نظر موام سے روکن شہوات سے بھنے کا نعمرحا جب الشهوات غض بىتەر بن طربقيە ہے۔ الابصاس۔

لعلك يومًا اتعبتك المناظر عليه وكاعن بعضه انت صابر

كى ناعرنے كيا اجھاكها ہے: وانت اذا ارسلت نظرك ممائدًا دايت الذى ما كله انت قا در

(۱) اگرتم ابنی آنکه کو کھا بھوڑ دوگے نورنگارنگ نظارے ایک روز متبین نقت بین آل دیں گے۔

(۲) نم وہ اشیاء دیجھو گئے کہ نہ تو ان تمام برتم کو قدرت ہوگی اور نہ ان بی بعض سے مبر ہوسکے گا۔

جب نم سروفت نظر بچی رکھو گئے اور اسے بے فائدہ اور لا بعنی جیزوں بینیں ڈوالو گئے تو نہا راسینہ وساوس سے میافت رہے گا۔ ول فارغ ہو گا اورخطرات سے دا مست بیں دہو ہے۔ نما دا نفس آفات سے سلامتی ہیں دہے گا اور کسب مناشا کی طرف زیادہ نوجہ دے سکو گئے۔ ان مکتہ جامعہ کو خوب مجھولو۔ والله تعالیٰ الموفنی

اور تها به اس جمله بين به اكله خبير بيما تصنعون وورس عكد فرمايا: يَعْلَمُ حَالِمَنَهُ الْاَعْبُنُ وَمَا يَحْتُقَى الشّه تعالَىٰ ، فَا يُن آنكهون كراوربين بين الصّيدُ في من الشّه تعالَىٰ ، فا يُن آنكهون كراوربين بين الصّيدُ وين بين المصند المصند المسترد المعتمد وين بين المسترد المناسب المسترد المناسب المسترد المناسب المسترد المنتقل المناسب المسترد المنتقل المناسب المنتقل المنتقل

حق تعالیٰ کا خوف رکھنے والے کے بیے بہ تبیہ اور تندید کا فی ہے ۔ و و مسرا اصول : و و مسرا اصول :

اس سلسار بین دوسراامه ل ده ہے جو حصنور نبی کریم مسلی الٹیرتعالیٰ علیقۃ الہ وہم سے مردی ہے کہ آب نے فرایا :

غیرمحرم عورت کے حصن دجمال پرنظرڈان ابلیس کے زہر بیں بچھے ہوئے نیروں پی سے ایک نیر ہے۔ توجشخص ا بساکرنا ترک کرنے کا الٹارتغا لیٰ اسے سرورا میتر میسا دن کا مزا چکھا ہے گا۔ ان النظمالي محاسن المرأة سهم مسموم من سها مرابليس فعن تتركها اذا قه الله طعم عبادة تسترك

عبا دت بین ملاوت اور مناجات بین لذت عابدین کے زدیک ایک ببت بڑی بیز ہے ، اور بیا اصول ایک بخربه ننده اصول ہے ۔ جوبھی اس بیمل کرے گا اسے خوداس کی تینین ہوجائے گی ۔ بلات به جب کوئی ننخص نظر کولا بعنی اور ہے فائدہ امورسے بازر کھے گاتو وہ عبا دت بین لذت اور طاعت بین صلاوت اور دل بین صفائی محسوس کرے گا بجس سے قبل از بین فالی تفا۔

ببشرا أصول:

مندرج بالااعصناء كي تكداننت وحفاظت كانبسراطريقه بيهدكهاس رعوركيا جائے كه فيامت

کے دن ان اعضاء سے کیا کام لبنا ہے' اور قیامت بیں ان سے کون سے کام مرائجام دینے کے بیے بنایا گیا ہے۔ اگر بدائس کام کے قابل نہ رہے توسخت حسرت وخسارہ اُٹھا نا پڑے گا۔ بہ خیال دل بس ماگزیں ہوجائے سے بھی ان کی نگھلاشت ہوسکتی ہے۔

پاؤں توفردوس بریں کے باغات و محلات بیں چینے بھرنے کے بیے بنائے گئے ہیں۔ اور ہ فرجنت بیں مشراب طہور کے جیکئے جام پکڑنے اور مبوہ جات تو رُنے کے لیے دیے گئے ہیں ، اور آ نکھ دیداراللی سے لطعت اندوز ہونے کے بیے عطا ہوئی ہے علی طفذا القیاس بانی اعضا مبی علیٰحدہ علیٰحدہ کا موں کے لیے بنائے گئے ہیں۔ اوران مذکورہ مقا صدسے دونوں بھان میں اورکوئی اعلیٰ اورانصل مقصد نہیں ہوسکتا ۔ بنائے گئے ہیں۔ اوران مذکورہ مقاصدے لیے نیار کیا گیا ہوانہ بیں لاز انصنول ونا مناسب فعال وحرکات سے معفوظ رکھنا جا ہیں۔

اگرنم ان مذکوره بین اصولوں برکاربندم وجا وُ گئے توان ثناء اللہ تنعالیٰ ہرنصول وحرام جربے بیجے رم ویگے۔ وَا دَلَٰهُ وَلَى النوفِيق وهوحسبى ونعوالوكيل -

### فصل ووم كان كے بيان مي :

کان کویمی بڑی اورفصنول با تول کے سُننے سے محفوظ رکھنا صروری ہے۔ اوراس کا منروری ہونا رو جسسے ہے۔

ایک نواس بیے کدروایت بیں آیا ہے کہ سننے والابھی کلام کرنے والے کے سانھ مٹر کیک ہوتا ہے۔ کسی شاعر نے اس جیز کوان درج ذیل اشعار ہیں بیان کیا ہے:

(1) نحرّمن الطرق اوساطها وعدعن الجانب المشتبه

رس وسمعك عن سماع الفنيح كصون اللسانعن النطق به

رس) فأنك عندسماع القبيع شريك لقائله فانتبه!

۱۱) افراط و نفربط سے بے کردر بہانی راہ جلنے کی کوشش کردا ورنشیعے والی جانب سے دُورر ہو۔ ۲۱) ابنے کان کو بُری باتیں شیننے سے رو کے رکھو جس طرح زبان کو بُری گفت گوسے۔ ۱۳) کبو کراگر نم خلاف رفترع باتین سنو گے تو یا ورکھوکہ تم بھی کہنے واسے کے ساتھ مشرکی سمھے جاؤگے۔ مری باتیں سننے سے پر ہمیز کی دوسری وجہ یہ ہے کہ اگرتم انبیں سنوگے تو دل میں وسوسطون خیالا ببلا ہوں گے۔اس طرح نم خیالات بیں مستغرق ہم جاؤگے اوراس صورت بیں لاز ما عبادت بین غیر مولی رکا وٹ ببلا ہوگی۔

بجراسے عزیز وجان کہ جگفت گوانسان کے دل اور زبان کٹ پینختی ہے اس کی خامیت ایسی ا ب جيسے بيٹ بن طعام - اورسب مانتے ہيں كەبعى كھانے نفضان دد اوربعی نفع دہنے والے ہوتے ہيں. بعف کھانے جم کی غذا بنتے ہیں اوربعی زہر کی ماند مراا ٹرکرنے ہیں ۔ تھبک اسی طرح انجبی اور باکبر گفتگو سے ایمان تازہ ہوتا ہے۔ اور بری تفت گوسے مردہ ہوجا ناہے۔ بلکہ طعام کی نسیست کلام کا اڑزیا وہ ہوتا ہے اور زبا دہ دبر بانی رہناہے۔ اس لیے کنقصان وہ طعام معدہ سے بیندو بخبرہ کے ذریعہ زائل موجا تا ہے اوربسا او فان اس کا اڑ کچھو قت باتی رہنے کے بعد ختم موجا تا ہے۔ اگرا ٹرزائل مذہبی مو تودوا کے ذربعیه زاگل کیا جاسکتا ہے بیکن بعض بانیں بساا د فات انسان کے دل میں اس طرح جاگزیں ہوجاتی ہیں کہ بھولتی ہی نبیں ۔ اگروہ خواب اور ناروا ہوں نوانسان کو تمیشندان کا تفتور خرابی میں ڈالے رکھتا ہے اور ان کی دجہ سے ول وسوسوں کی آ ماجے گاہ بڑے ہا ہے۔ حالا نکسان خیالات سے ول کریاک رکھنا عنروری ہمزیا ہے۔ایسے درما دس سے دل کو مفوظ ر کھنے کے لیے حق نعالیٰ کی مدد طلب کرنی جا ہیے کیونکہ بسا او فا به وموسے کسی بلاا ورآفت بین مبتلاکر دیتے ہیں اورانسان کے احسا سات کو خواہ مخواہ موکنت دینے رہتے ہیں۔ پیمان کک کہ بندہ ان کے سبب کسی ٹری آفنت ہی مبتلا ہوجا نا ہے۔ بیکن اگرانسان اپنے کا نوں کو ففنول دلابعنى باتزل كصسنف سيمحفوظ دكھے توبسن سي فات سيرام ميں دنها ہے عقل مندكو جابي كداس بي مؤركري ". وبالله المتوفيق"

### تبسرى فسل زبان كے برکان میں :

بھرزبان کی حفاظت ونگداشت، اورفضولبات و نغریات سے اسے بازر کھناہی منروری ہے کیونکہ زیادہ سرکشی وب ویغی اورسے زیادہ نسادہ ونقصان اسی عفو ( زبان ) سے رونما ہونا ہے ۔
کیونکہ زیادہ سرکشی وب ویغی اورسے زیادہ نسادہ ونقصان اسی عفو ( زبان ) سے رونما ہونا ہے ۔
حضرت سفیان بن عبدالتّدر منی اللّہ دتعالی عنسے مروی ہے کہیں نے ایک دفعہ دربار رسالت میں عضرت سفیان بن عبدالتّدر منی اللّٰہ دتعالی عنسے زبادہ خطرناک اورنقصان دہ کس چیز کر قرار دیتے ہیں ہے عض کیا یا رسول اللّٰہ ' آب مبر سے بیے سے زبادہ خطرناک اورنقصان دہ کس چیز کر قرار دیتے ہیں ہ

توحضورعليالصلاة والسلام نے اپنی زبان مبارک بجرگراشارہ فرباباکڈا سے۔

حضرت بونس بن عبداً متنز فرمانتے بین که بمبرانفس بھرے جمیے گرم شری سخت گری کے دنوں میں روزہ رکھنے کی طاقت تور کھنا ہے لیکن فضول گرئی سے زبان کورے کے طاقت بین کھنا۔
تزمعلوم ہڑا کہ زبان سہے زیادہ صنرد رساں اور خطرناک ہے۔ لنذا اس کی حفاظت بست منرور اوراس رکا خطرت کے البیاری کوششش دجہ وجمد کی صنورت ہے۔ ہم میماں اس کی حفاظت بین اُمگول بیان کرتے ہیں:
تین اُمگول بیان کرتے ہیں:

بین الممول وہ بورتیدنا مصرت ابوسعید خدری رمنی الله تفائی عندے مروی ہے کہ انسان روزانہ مبیح جب بدیار مہزنا ہے تو تمام اعضاء زبان سے مخاطب ہوکراس امرکی اسے ناکید کرنے بیں کہ دن کو درستی وصدا فت برنا کا اور بیبودہ وفضول گوئی سے نیجے رہنا کیونکما گر تو درست اور بھیک دن کے دوی کے دہنا کیونکما گر تو درست اور گھیک روی کے دائی تو ہم بھی کو روی کے داستے برجیے گی تو ہم بھی کی دوی کے داستے برجیے گی تو ہم بھی کی دوی کے دور کی کے دوی کے دوی کے دور کی کے دوی کے دوی کے دوی کے دور کی کے دور کی کے دور کی کے دور کی کے دور کے دور کی کے دور کے دور کی کے دور کی کے دور کی کے دور کے دور

میں کتا ہمرں کداس کلام مے معنی ہے ہیں کہ زبال کی ہے مُری بانیں انسان کے اعضا ، پر باقی عضا پر از انداز مونی ہیں ۔ مجمی بانین قرمزید توفیق ضلاوندی کے حصول کا قدیعہ بنتی ہیں اور مُری لت وخوا یک کا باعث ۔ اس سیسلے ہیں حصرت الک بن دنیا رجمتہ التدنعا لی علیہ ہے ہوئنقول ہے و دیھی سمعنی کی تا مُیکرنا ہے ۔ آپ فرانے ہیں :

عب تم این دل بین فساوت ، بدن بی سسی اور رزق بین نگی محسوس کرد توسیمه لوکه تم سے کمیں فضول اور لا بعنی کلمے نکل گئے بین حس اذارأيت قساوة فى قلبك وهنأ فى بدنك وحرمانا فى رزقك ناعلم انك تكلمت فيما لا يعنيك

دوسما اصول:

وقت بہت قبنی نئے ہے۔ اس کی قدر کرنا بہت صنروری ہے۔ اور ذکر اللی کے سوا اکثرافاقا بند سے سلخواور میکاریا بیں موجاتی بیں اور ان میں بڑکروقت ضائع بوجاتا ہے۔ حضرت حسان بن منان رحمت الشرعلیسے مروی ہے کہ آب ایک بالا خانے کے بہس سے

بەنتىجە ہے۔

گزرے تراس کے مالک سے دریا فت کیا" یہ بالا فانہ بنائے متیں کتناع صد گزرا ہے"، یہ برال کرنے کے بعد آب دل میں سخنا دم ہوئے اور نفس سے مخاطب ہوکر بوں فربایا" لے مغرو تفن توففول کے بعد آب دل میں سخنا دم ہوئے اور نفس سے مخاطب ہوکر بوں فربایا" لے مغرو تفنول ولا یعنی سوالات بی وقت عزیز کوضائع کرنا ہے" بجراس ففنول سوال کے کفار سے بیں آ ہے ابک سال روز سے رکھے۔

وہ لوگ کس فلر رخوش نصیب بیں جو وفنن عزیز کی فیمنت جان کاس کی قدر کرنے ہیں، دراہنی اصلاح نفس بی مصروت رہنتے ہیں ۔ اور کننے برقسمت اوراحت ہیں وہ لوگ جنوں نے زبان کی لگائم جیلی چھوڈ رکھی ہے اور یغربات بین شغول رہنتے ہیں کسی شاعرنے کیا ہی اچھا کہا ہے :

(١) واغتنم ركعتبن في ظلمة الليل اذاكنت خاليامستريحًا

(٢) وإذاهمنت باللغوفي الب طل فأجعل مكانه تسبيعًا

رس) ولزوم السكوت خيرمن النطق وان كنت في الكلام فصبيحًا

د ۱ ) حب تمها را دل دُنیوی تفکرات سے خالی اور راحت بیں ہو توابیے وقت کوغنیمن جا نو اور رات کی تاریکی بیں نوافل بین مصروت رہو۔

(۲) اوراگرکسی و قتند نغو و باطل سخن زبان سے بکاسنے نگر تو زبان کواس سے روک لواوراس کے مبکہ رب تعالیٰ کی تبییح و تفدیس زبان سے اواکرو۔

۱۳) کیونکہ لغوو باطلگفت گوسے سکونت وخا مونٹی ہنروری ہے۔اگرچیئم کے تنے ہی صا من زبان کیول نہو۔

تيسرا اصول:

خفط زبان سے اعمال صمالی کی سخاطنت ہوتی ہے کیونکہ ہوتخص زبان کی نگیدائنت نہیں کرنا بلکہ ہروقت گفت گریں مصروف رہاہے تولامی الدایسائٹ تحص لوگوں کی غیبت بیں مبتلا ہوجا ناہے۔ مشہور فقرہ ہے:

من ڪ تولغطه کنوغلطه پين زياده گوزياده غلطيان کزنا ۽ ۔

ا در منیب اعمال صالح کواس طرح تباه کرتی ہے جس طرح اسمانی بجلی۔ اور منیبت کرنے والے ادمی کے اعمال اس طرح صنائع ہونے ہیں جس طرح و منجنبتی دا کیس طرح کی نویب ) میں رکھ کرمشرق و مغرب اور

جنوب وننمال میں تھینیک دیے جائیں۔

منفول ہے کہ حفرت امام میں بھری رحمۃ اللہ تنعالیٰ علیہ کو کسی خص نے کہا کہ فلان خص نے ہے آب کی غیبت کی ہے ۔ تو آب نے غیبت کرنے والے آدمی کو مجوروں کا ایک نفال بھر کرروا نہ کیا اور سا نفہ کہا بھیجا کہ سنا ہے تو نے مجھے اپنی نیکیاں بدیہ کی ہیں ۔ تو بی نے ان کا معا وضہ و بنا بہتہ جانا حضرت عبداللہ بن مہارک رحمنۃ اللہ علیہ کے سامنے کسی نے غیبت کا ذکر کیا انوآب نے فرایا اس مستحق میں نے غیبت کو اور میری نیکیوں کی خیبت کرنا و رست جانتا تو اپنی ماں کی غیبت کرنا ۔ کیونکہ سے زبا وہ میری نیکیوں کی مستحق وہ ہے۔

نقل ہے کدایک و فعہ صفرت حاتم اصم رحمتہ اللہ علیہ کی نماز نتجد فوت ہوگئی نوآپ کی بیری نے آپ کواس پرعار دلائی۔ آپ نے جواب دیا کہ گذشتہ شب ایک جماعت ساری رات نوافل بی مصرو رہی ہے۔ اور صبح انہوں نے میری فییب کی ہے نوان کی اِس رات کی عبادت نیامت کے روز میرے اعمال کے تراز دیس رکھ دی جائے گی۔

#### يجُونها أُصُول:

زبان کی گرانش کرنے سے انسان دنیا کی آفات سے سالم رہنا ہے جھنرت سفیان نوری رحمندان کا دنیا ہے جھنرت سفیان نوری رحمندانٹ علید کا فربان ہے کہ زبان سے ابسی بات نہ نکا لوجے سُن کرلوگ تسارے وانت توردیں ۔
ایک اور بزرگ فرمانے ہیں "اپنی زبان کو ہے لگام نہ چپورڈوڈ ناکہ تبیں کسی فسا دہیں مبتلانہ کرنے ۔
ایک اور بزرگ فرمانے ہیں :

احفظ لسانك لا تقول فتبتلی ان البلاء موكل بالمنطق زرجمه ) ببنی زیان کی حفاظت کرواور بے جا باتیں نه کرو کیونکه بساا و فات گفت گرآنت بیں پڑنے کا باعث بن جاتی ہے۔

#### عبدالتدابن مبارك رحمنة التدنعالي عليه فرات بن :

ر) الااحفظلسانك اللتان سريع الحالمرء في قتله

رب) وان اللسان دليل الفؤاد يدل الرجال على عقله

(۱) پوری امتباط سے زبان کی مفاظن کر کیونکہ میمولی ساعضو بعض دفعہ بہنت جلدانسان کو بلاکت

مِی ڈال دیتا ہے۔

۲۱) بلاشبرتهان انسان کے دل پردبیل ہے بوگفت گوکرتے والوں کی عقل کا اندازہ بتاتی ہے۔
 ابن ابی مطبع رحمتہ الشرتعالیٰ علیہ فرمانے ہیں:

(١) لسان المروليث في مكين اذا خلى اليه له اغاس

(٢) فصنيعن الخنا بلجاً مرصمت بكن لك من بليات ستارة

(۱) زبان (تباه کرنے میں) گھانت بس چھیے ہوئے تثیری ماندہے ، بوموقع پانے پرغازگری کرناہے۔

(۲) اس بیے اسے فامونٹی کی نگام دے کر بغربان سے بندر کھے۔ اس طرح تربہت سی آفات بیات سے بے جائے گا۔

بهت سے کلمات ایسے ہوتے ہیں جوزبان سے کا لئے والے کو کھتے ہیں "ہمیں زبان سے باہر مذکال سے باہر مذکال سے اللہ ایمان کوآ فاتِ اللہ سے مغوظ دکھے۔ مذکال ایمان کوآ فاتِ اللہ سے مغوظ دکھے۔ یا نہواں اُ صُول:

زبان کی مفاظت ندکرنے کے باعث آخرت بیں انسان علاب بیں مبتلا کیا جائے گا۔ اس علاب کا نصور فربن بیں دکھا جائے۔ اور جوآفات وہاں اس بنا پر بیش آئیں گی اغیس یا در کھا جائے۔ اور اس سلسلہ بیں تم یہ کھنے کہ کرنے ہو وہ یا تو حوام ونا جائز ہوگی یا فعنول ولا بعنی اگر اس سلسلہ بیں تم یہ کھنے کہ کو خوام ونا جائز ہوگی یا فعنول ولا بعنی اگر محام ونا جائز ہوگی توابش کھنے کہ باعث جو وہ کا باعث ہے۔ جسے بروائن کرنے کی طاقت انسان بی نہیں ہے جھنور نبی کریم میل الٹارتعالی علیم آلہ دیم کی صدیث مبارک ہے:

ليلة أسرى بى رأيت فى النادقوماً معراج كى دات بى نے ايك قرم ديجي جرم داركما

يا كلون الجيف نقلت يا جبرئيل ري تن ين خبول مع برجها يكن ركي ،

من هؤلاء ۽ قال هؤلاء الذين جري عياسام فرون يا بده لاگين جودرو

يأكلون لمحوم الناس - كاگرشت كماتے تعین ان كینیت كرتے تھے۔

ا درایک و فعد منورنبی کریم ملی الشد تعالیٰ علیه آله و کم نے صنرت معا ذرحنی الشدنعالیٰ عندسے فرایا:

اقطع لساً نك عن حملة الغران علماء ورطاب علموں كي فيبت سے زبان بند وطلاب العلم و لاتمن ف الناس ركھنا اورعام وگرں كوزبان سنے پينا ديعي فيبت مذکرنان کاکرروز قیامت دوزخ کے کتے مجھے دانوںسے نہجائیں۔

بلسائك فتمزقك كلاب الناس -

حضرت ابوفلا بدرصى التُدتعالي عند في صندما يا :

غیبت کی وج سے انسان کا دل ہایت سے من جاتا ہے اور وبرانے میں تبدیل موجاتا ہے۔ ان الغيبة خراب القلب من الهدى

نسال الله العصمة من ذلك بفضله -

به کلام نزنا جائز دم دامگفتنگ سی تنعلی نفا اب دہی مباح بینی غیرصروری گفت گو۔ نووہ ہی جاروج سے ٹیمیک نہیں ۔

دومدی وجه به به که به انجی بات نین که نغوا در بهیوده با تون سے بھرا برا اعمال نامسه
رب نعالی کے صنور بیں بیٹی بوراس بنا بربندے کوجا جیے کہ نفتول گفت گرسے نیچے یعمن کتابوں بی نگرا
ہے کہ ایک شخص نے کسی کو نفتول گفت گر کرتے دیجا تو کہا نیرے بیے خوابی ہوئیری برب با نیں اللہ تعالیٰ
کے صنور سینیں بوگی ۔ تو دیکھا ہیں با نیں کیوں میٹیں کر دیا ہے۔

نبسیری وجہ یہ کہ بندے کو قیامت کے دوزکہا جائے گاکہ اپنے اعمال نامے کو اللہ انعالیٰ کے صفورتمام مخلوق کے دوبر و بڑھ کرمنائے ۔ اس دفت حشری خوفاک سخباں اس کے ماسے مرد ہوگا جم برکبڑ انہیں ہوگا بھوک سے کر ٹوٹ دہی ہوگا ۔ مرد گی ۔ انسان بیاس کی شدت سے مرد ہوگا جرم برکبڑ انہیں ہوگا بھوک سے کر ٹوٹ دہی ہوگا ۔ جنت میں داخل ہوئے سے دوک دیا گیا ہوگا ۔ اور تشرم کی داحت اس بربندکردی گئی ہوگا ۔ ایسے مال میں ابنے ایسے نامڈ اعمال کو بڑھنا ہو ففنول و بیبود در گفت کو سے فرجو ہو کس فقد ترکیلیف دو جیز ہوگا ۔ اس لیے جا ہیے کہ ذبان سے سوائے انجی بات کے نہ کا لے ۔ جو تھی وجہ یہ ہے کہ نہرے کو ففنول اور لا بعنی با توں پر ملامت کی جائے گی اور نظر م

دلائی جائے گی اوربندے کے ہاس اس کا کوئی ہواب نبیس ہوگا۔ اورانٹر تعالیٰ کے مباعض شرم وندامت کی دجہ سے انسان بانی بانی ہوجائے گا۔

بعن بزرگول سف فرایا ہے اپنی زبان کونفنولیات سے دوک کیونکہ ان کا سماب طویل ہوگا.
جوننخس نصبیمن کا آرز و مندہ اس کے بیے بہ چاراصول کا فی ہیں ۔ اور ہم نے اپنی کتا ب
"اسرار معا لانت دین" ہیں ایسے اصول بوری منزے سے مکھے ہیں ۔ اگر زیا وفضیل مطلوب ہوتذاس کا
مطالعہ کرواس ہیں تم کو ہر شے کا ٹافی بیان ملے گا۔

## ببوغفی فضل ول کے بیان میں:

پھرتم بردل کی مفاظت اس کی اصلاح اوراسے درست رکھنے کی کوئٹن کرنا بھی عزودی ہے۔
کیونکہ دل کا معالمہ باقی اعصناء سے زیا وہ خطرناک ہے اوراس کا اثر باقی اعصناء سے زیا وہ جہ اسکی
ورسنی زیا وہ رِزَقَت طلب اوراس کی اصلاح زیا وہ ننگل ہے اوراس کا حال زیا وہ محنت طلب ہے۔
میں اصلاح نلے منعلق بالحج بات اصول بیان کرنا ہوں جن پڑس کرنے سے دل کی اسلام اِن نا اِنْد

بهلا أُصُور:

التٰدنعالیٰ فرما یا ہے:

يَعُلَمُ خَارِثُنَةً ۚ الْإَعْبُنِ وَمَا تُخْفِي

الصُّكُوْدِه

دوسرے مفام برفرمایا:

وَاللَّهُ يَعْدُ لَهُمُ مَا فِي فَكُوْ بِكُمْ .

ایک اور جگه فرمایا:

إِنَّهُ عَلِيْمُ بِنَ احِتِ الصُّدُومِ،

بيك الله تعالى سين كرازمانا ع

التر تغالي فائ آ بكھوں اور دل كے بوست بيره

را زوں کو جانتا ہے۔

جربجه نتها يسد داون بي بالتدتعال اس بانجرج

دیکھو الشرتغالیٰ نے قرآن مجید برکتنی دفعهاس بان کو دبرایا اور نکرارکیا ہے۔انٹرنغالے کا رسید سرای میں میں میں میں اس میں اس میں اس کی میں اس کا میں

سینے کے امرار براگاہ ہونا ہی ڈرنے اور خوت کرنے کے بیے کا فی ہے کیونکہ علام الغیویے ساخد

معالم ببت نازک ہے۔ اس لیے تنیس خیال مونا جا ہیے کہ تما اسے دلوں بی کس طرح کے دانہ بہ جن سے اسٹر تغالیٰ یا خرہے۔ اگر معا ذائد تمارے خیالات وارا دے گندے بول تو تنیس نئرم وجا کہ ناجا ہے۔ دوسرا اصول:

حنورنبى كريم سلى الله تعالى عليدة لدوهم فرمات بين:

يعتى الشرتعابي تتهارى سرحث ظا برى مورتون

ات الله تعالى لا بيظرالى صوركمره

کھالوں کونبیٹ بجیتنا بلکہ وہ متراسے لوں کوہعی کمیتیا

ابتشاركم وانمأ ينظراني فلويكم

اس مدین برارک سے معلوم بڑا کہ دل رب العابین کی نظرکا تقام ہے ۔ نوائش خص رتعب ہے جو خلا ہر چیری کا اہتمام کرے ۔ اسے دھوئے ، بیل کمبیل سے متعوار کھے تاکو خلون اس کے چرسے کے سی جب برطلع تہ ہو ، گر دل کا اہتمام نہ کرے ہور ب العالمین کی نظر کا تقام ہے ۔ جا ہیے نویہ فقا کہ دل کو باکیزہ رکھے ، اسے آراستہ کرے اور سخوار کھے ناکہ رب العالمین اس بی کسی عیب کو نہ بائے بیکن افسوس کا منام ہے کہ دل گندگی ، پیدی اور غلاظت سے لبر زہے ، گر جس پر خلوق کی نظر پڑتی ہے اس کے بیے کوٹ من ہوتی ہے کہ اس میں کوئی عیب فی فیاحت نہ بائی جائے۔

تيسس اأصُول:

ول ایک بادشاه کی ماند سے سب کی اطاعت کی جاتی ہے۔ اور باتی اعضاء رعایا کی طرح ہیں کیب اس کی ہیروی کرتی ہیں ۔ نواگر سردار درست ہوتواس کے نابع بھی درست ہوتے ہیں ۔ اسی طرح اگر بادشاہ درست ہوتور عایا بھی درست اور عیک ہوتی ہے۔ اس بیان کی و مناحت جعنور علبالسلام کی درج ذیل مدین سے جوتی ہے۔ آپ کا ارشا و ہے:

انسان کے اندرگوشن کا کیک دفقرا ہے۔ اگر وہ درست موتوسا راجم درست مجذبا ہے اور اگردہ خواب موتوسا راجم خراب مبنیا ہے بن لو اگردہ خواب موتوسا راجم خراب مبنیا ہے بن لو

ان فحالجسد مضغة اذا صلحت صلح الجسد كله واذا نسدت

فسدالحسد كله الا وهي

القلب

جب نما مجم کی اصارح قلب کی اصابح پرموقومن ہے ، تو دل کی اصلاح برت

مزوری ہے۔

#### يَّوتها أصُول:

دل بندے کے نفیس وا علیٰ جواہر کا نمزانہ ہے۔ ان اعلیٰ جو ہروں ہیں سے ایک جو ہراعلیٰ وعدہ ہے۔ وہ معرفت فعل و ندی ہے، جو دونوں جمان کی سعا دت کا ذریعہ ہے۔ اور وہ قلبی بھیرت ہے جس کی وجہ سے دربارالہٰی میں انسان کو وجا بہت اور بزرگی حاصل ہوتی ہے بھیرول سے تعلق سطحنے والی عمدہ بجیزوں میں سے ایک عمدہ جیزعبا وات وطاعات میں نبیت فالص ہے جس کے سانھ تواب اور جزار کا تعلق ہے۔ اس کے علاوہ دل کے متعلقات میں سے علوم اور حکمت کی با نیں ہیں جو بندے کے بیا کا تعلق ہے۔ اس کے علاوہ دل کے متعلقات میں سے علوم اور حکمت کی با نیں ہیں جو بندے کے بیا شرف کا باعث ہیں۔ اور باکیزہ ا خلاق اور اجھی عا ذبیں ہیں جن سے انسان کو نفیدلت ، عظمت اور عرف کا باعث ہیں۔ اور باکیزہ ا خلاق اور اجھی عا ذبیں ہیں جن سے انسان کو نفیدلت ، غظمت اور عرب کے مامنل ہوتی ہے۔ ہم نے اپنی کتاب "اسرار معا لات دین" میں اس بات کو پوری نشرے نفیس سے کھا ہے۔

توجب دل ایسے گلاں قدراور مہنرین جواہر کا خزانہ ہے، توابیے خزانے کی ہرتسم کی میل کھیل،
ہرآ فنت اور بچروں و ڈاکو ڈول وغیرہ سے حفاظت و گھملاتشت عنروری ہے۔ بیابیا خزانہ ہے جس کی
حفاظت ہر طرح عنروری ہے: تاکہ اس سے گلاں قدر موتی خواب نہ ہول، اور نہ کوئی و نئمن ان پر
قبصنہ کر سکے ۔

يا جُحُواں اُصُول:

میں نے دل کے صالات پر عورکیا تو مجھے اس کے پانچ صالات ایسے ملے جود وسر کے عضو میں نہیں بائے جاتے :

دا) به که و نثمن برونف اس کی طرف منوج ہے اور اسے تباہ کرنے کا فصد کے ہوئے ہے۔ کبو کک نبیطان انسان کے دل کے ساتھ ہروفت اگار نہا ہے۔ تو فلب الهام و وسوسہ دونوں کی منزل ہے نبیطان اور فرشنہ دونوں اسے اپنی اپنی دعوت دینے بین معروف رہنے ہیں۔

(۲) اس کی دوسری حالت بہ ہے کہ قلب کی مصروفیت بہت زیادہ ہے کہ بونکے فقل در شہوت دونوں کے بشر کا میدان دونوں ابنے اپنے کشکروں کا میدان دونوں ابنے اپنے کشکروں کا میدان دونوں کے مشکروں کا میدان کا رزادہ ہے۔ اس طرح دل دونوں کی جنگ اور دونوں کے منقابے کا منفام بنا رہنا ہے۔ توجومنام دونوں دونوں کے منقابے کا منفام بنا رہنا ہے۔ توجومنام دونوں دونوں کے درمیان حد کی جنٹیت رکھنا ہواس کی محکما شت بہت منروری امرہے۔

(۱۳)س کی تمیسری حالت بدہ کہ اس کے عوارض ولوا حقات بہت، زیا وہ بیں۔ اس بید که وسوسے و خطانت نیزوں کی اند بیں جو بہ بینداس پر برسنتے رہنتے ہیں۔ یا بارش کی طرح بیں کہ جہنیہ اس پر گرتے رہنتے ہیں کو بھی بند نہیں ہوتے۔ اورانسان کو بید طاقت نہیں کہ انہیں روک یا بہند کرسکے۔ اور ول کو ئی آئکھ کی طرح نو ہے نہیں کہ خطرے کے وقت اسے بند کر لیا جائے اور بوقتِ امن کھول لیا جائے۔ نیزیہ فلب کسی تنما نقام ہی بھی تہیں اور نہ بر کہ بیں وات کی نار بکی ہی نفی ہے کہ وقت اسے نہ براسکیں ۔ اور نہ بیا بیان کی مانند وانتوں اور بونتوں کی سفا نطت بیں ہے کہ تواسے کہ وتئمن اسے نہ باسکیں ۔ اور نہ بی زبان کی مانند وانتوں اور بونتوں کی سفا نطت بیں ہے کہ تواسے بیا سکے اور معنوظ رکھ سکے ۔ بلکہ ول تو خطرات و وساوس کا نشا نہ ہے ۔ اور نہ ہیں ان خطرات و وساوس کور در کنے کی بوری قوت نہیں کہ جی معنی ہیں اس کی تکداشت کرسکو ۔ لہذا خطرات و وساوس کور بینو تقویت بہنچا تا رہا ہے۔ اس بنا پر فلسے تعلن رکھنے والے خطرات کا مقا بلسخت کوئٹ شل ور محنت بیا ہتا ہے۔ اور ان خطرات کا وفاع غلیم جدو جہد کا متقاصی ہے ۔

ده )اس کی با بخوب حالت بہ ہے کہ آفات اس برجلدی تملہ آور بونی ہیں اور بہ ہر دفت انقلاب و تبدیلی کے بیار رمبا ہے بعض لوگوں نے کہا ہے کہ دل ہنڈ با کے اُبلنے سے بھی جلدی انقلاب میں آجا تا ہے کہ ماہے :

ماسعی القلب اکامن تقلیه وسائی بنجوب بالانسان اطوارًا رترجمه فلب کانام اسی بنا برقلب رکھا گیا ہے کہ بہ ہرآن اول بدل مزنا رنہنا ہے۔ اوراس بی ختلف رائیں بیدا ہوتی رہتی ہیں۔

بیں اگرول لغرش کھا جائے نواس کی لغرین بہت بڑی لغرش ہوگی۔ اوراس کا بگڑھا نا نما بیت پرلینان کُن امر ہوگا۔ اس بیے کہ ول کی لغرش کا اوٹی درجہ قسا ون اور عبرا شد کی طرف مبلان ہے۔ اوراس کی تغرین کا آخری ورجہ یہ ہے کہ اس برکفر کی مُمرلگ جاتی ہے کیا تم نے سی تعالیٰ

کا بدارشادِ گرای نبیس مُنا:

البيس نصبحده سحانكاركردبا ادريجركي ماه اخينار

کی اور کافروں یں سے بوگیا۔

اَیٰ وَاسْتَکُ بَرُ وَکَانَ مِنَ

الْكَافِرِيْنَ ـ

اس مے ول بن بحتر نظاجس کے باعث وہ حکم رتی سے منکراور دا فر ہوگیا۔ دوسری جگدارٹنا و فرمایا:

میکن ده توزین سے جبٹ بگا اورابنی خوا بش و

وَلَحِينَا أَخُلَدُ الْحُلَدُ الْاَهُمِن وَ

اتَّبُعُ هَوْمَهُ .

توگنا ہوں کی طرمت مبلان اور خواہشات آگی بیروی جبکداس کے دل میں تفی اس کے باعث وہ ایک منوں

گناه بلا ما ده موگبار قرآن مجیدیس طار دے:

اورمم ان محه دلول اورآ بحمول کواکٹ دیں گے

تزجييعاس فرآن ربيل بارايان ندلا شحاى طرح

بجرجى ايمان تبيس لائيس كئه واورم ان كرجيوروبي

كداپى مركثى بى مينكنے بھربى -

وَنُقَلِبُ اَفِيدَتَهُ مُودَا بُصَارَهُ مُ كَمَا لَمُ يُؤُمِنُوا بِهَا قَلَ مَرَّةٍ قَ

نَذَ رَهُمُ فِي كُلُغِيَا نِهِمُ كَيْعُكُمُونَ .

اسے عزیز اضامیان حق تعالیٰ اسی بنا برول کے معاملے بی نمایت ہو کئے رہنے بی اورگریڈ زاری ی*ی معروفت دینے ہیں ۔اوراپنی بوری کوششن اس کی اصلاح ودرستی میں مسرف کردیتے ہیں ۔قرآن* حكيم بن واروسے:

اورده اس دن سعة درتے بی جس دن خوف باس كے باعث دل اوراً نتجيس المن جاميں گی۔

يُحَافُونَ يَوُمَّا تَتَقَلَّبُ بِيْرِالْقُلُوبُ

التذتعالي بم سب مسلما نول كوعرت بجرائے والوں ہوابت یا فتہ لوگوں اوراصلاح تلب كی يگ و دوكرنے والوں بن نتامل فرما شے ۔۔۔۔ وَهُوَا دُحَمُ الرَّحِيدِيْنَ ۔

بینک دل کی اصلاح کا معالمہ نہا بن ہی اہم ہے۔ اس بیے بمیں ودا مورتبائے جن کوا**خی**ا کرنے سے اس کی اصلاح ہوسکتی ہے ۔ اوران آفات ومسلکات کی بھی نشان دہی کر دیجیے جونزا بھیب کا باعنٹ بیں یمکن ہے بمبریھی اسٹرتعالیٰ ان پھیل ببرا برنے کہ ترنیق دیدسے ۔اس طرح بم آپ کے

marfat.com

بتائے ہوئے اصولوں کی روشنی میں دل کی اصلاح کرسکیں ؟

اصلاح فلب سے اسباب و ذرائع کی تفصیل خاصی طویل ہے۔ بیختفز البعث اس بورنی سیل كمتمل نبين علمامے آخرت نے اصلاح فلب کی تعقیسلات بیان کرتے ہوئے ایک جامع کمت کی طرف انشارہ فرمایا ہے۔ اورانہوں نے ول کو درست کرنے والے نوتیسے خدما کی حمیدہ اوراننی تغدا دبن خصائل رذبله بيان كيهين بونسا ذفاب كا باعنث بين يجراصلاح سيتعلق افعال دائر اوراس سلسله بسی وست شدی کا طریقدا ور لائت اجتناب امور کو مفصل طور بربیان کیا ہے .اگرج فلب سے تعلق ر کھنے والی ابحاث بطاہر طوبل معلوم ہوتی ہیں گر خدا کی سم بوتنے خص دین کی اہمیت سے داففے غافلوں کی طرح خواب غفلت میں نہیں ہے، ہمرا مکہ بدارہ اورا بنی بھلائی کے امور بس غور ونکرکڑ ارتہا ہے۔ نوابیا تنعفی اللہ نعالیٰ کی نوفین وا عانت سے ان تمام تفصیلات کوجانے اوران بھل بیرا ہونے كونها ووتصورتيس كرسے كا -

اوريم ني العنبلات كالجه تقور احتسابني تأب اجاء العلوم "كے باب شرح عجائب فلب ين بيان كيا هي بكن إور تفصيل اوركيفيت علاج دغيره كابيان مم ني ابنى كتاب اسرار معاملات دین میں کیا ہے۔ اور و دا بیک علی کناب ہے جو فوا معظیمہ میں میں سے بین ان نفلیدلات سے جیلادر راسخ علماء بى كما حقة فائده حاصل كريكتے بين اوراس كناب منهاج العابدين بي مم نے وہ اسلوب بان اختبارکیا ہے جس سے ہرمبتدی منتنی فزی اور صعیف نفع حاسل کرسکے بعنی اس کتاب میں ہم یا ڈ مرائى اور باركى مى منيس كيف-

جب ہم نے ان اسولوں بیغور کیا جوعلاج فلیصے سلسلے ہیں کام آنے ہیں اور جن کی سبت سرورت ہادر کوئی بھی خص ان سے بے بیاز نبیں ہوسکتا تز جاراً معول ممارے سامنے کئے ۔اسی طرح فسانیلب ببداکرنے واسے بھی جارا مورسا منے آئے جو عا بدین کے بیسننٹ بیجیدگی پداکرنے واسے اوراس مجاہد مے بیہ افن ہیں ونوں کے بیے فننہ بغس کے بیے بلا ،اصلاح بیں رکا دھ بیداکرنے والے ہیں جیزوں موعیب ناک اوربر با دکرنے والے ہیں ،اوران کے مقابلے بیں چار اور ہیں جن سے عبادت کا معالم نظم و نسط افتياركتا باورفلوب اصلاح بدرموت ين

فسادِ فلب كا باعث به جپار جزیں ہیں :

(۱) دنیاکی آمیدیں - (۲)عبادات بیں جلدبازی - (۱) صدر رہم ہیجر-

اس كم مقابل بساسلاح كرت والى به جارج بن بن :

۱۱) امیدین کم کرنا- (۲) معا مانت بین مخل و آستگی - دس) مخلون کے ساتھ بخیرخواہی -

· (۲۲) نحنوع اور تواضع سے پیش آنا۔

به بیر وه آتھ پیمبزیں جن کے سانفر فلب کی اصلاح یا نوا بی وابستہ ہے اورانبیں بیسلاح وفسا و كادار وملارسے - اس بيسا سباب فسا وست بجو- اور مفيد فلب بانوں كواختيار كرو: ناكه اخرىت كى مشفنت سے محفوظ رہم اور ابنے مقصود کوحانسل کرسکو۔ میں تمارے آگے مختفر گرجا مع طریقہ سے ان آ فان*ت* کی وبنیا *حنت ک*ڑنا ہوں ۔

### طول الل كابيان:

لمبی ایدین نیکی رطاعت کی راه پس رکاوٹ ہیں' نیز ہرفتنے اورنٹرکا باعث ہیں کمبی امیدوں میں مبنیل ہوجا نا ایک لاعلاج مرمن ہے جو لوگوں کرا ورمبت سی مختلفت امراص میں مبنیلاکن اہے۔ اسے عزیز اجب نولمبی ا میدوں میں مبتلا ہوجائے گا نواس سے چار جیزوں میں احتیافہ ہوگا:

ابك زك طاعت ومن زيادتي اوراس كي ددائيگي من مستى مي احتياف موگا. اورعبادت و نبكي بجا لانے کے وفتن تم اپنے دل میں کھو گھے ابھی تقیمڑی دبربعد کرلوں گا۔ ابھی کا فی وفتت ہے یجیا دست کا

موقع فوت نبیں ہونے دول گا جھنرت واؤر طائی رحمنہ اللہ علیہ نے یالکل ہی فرما باہے:

من خات الوعيد نن بعليه بوانسرتماني كى وعيدسك دزنا بيده دوركوبهي

البعيد - ومن طال امله سآء زدیک بیال کرتاہے۔ اور جلبی امیدوں بیمتبلا

موجاتا ہے وہ براعمالی کا شکار موجاتا ہے۔

حضرت بحیی بن معاذ رازی رحمندانشد علید نے فرما یا ہے:

دنیاکی ایردیرا نسان کوہرنیک کام سے کا ہے دیتی بن او طمع ولالح برحق سے انسان کوروک

الاصل قاطع عن كلخيروالطمع ما نع من كل حق. والصبرصاع دنیا ہے، ورصبر ہر بھالائی کی طریف رسمنمائی کرتاہے اورنفس امارہ ہر نشرا ور کرلائی کی طریف بلانا ہے۔ اورنفس امارہ ہر نشرا ور کرلائی کی طریف بلانا ہے۔

الى كلخير. والنفس داعية الى كل شر.

دوسری بیزجس بسے طول امل بیں زیادتی ہم تی ہے ازک نوبہ ہے یطول ال کی وجہ سے انسانی بہ کرنے سے ٹال مٹول ننروع کردنیا ہے اور دل بیں کہنا ہے ابھی توبہ کرلوں گا۔ ابھی کا فی وقت ہے۔ بس ابھی جوان ہوں بیں ابھی کم عمر ہوں۔ تربہ ہروقت برسے اختیار بی ہے ، جب جا بور گا کرلوں گا۔ اسی طرح کے بیورہ خیالات بیں بڑجا تا ہے اور اصلاح احوال سے بیلے ہی موت اجا کک آگر کی کی بینی ہے۔ اور وہ خمرالدنیا والا خرہ ہوجا تا ہے۔

تنسری بیزمال جمع کرتے کی مرص ب بوطول امل سے اور بڑھ جاتی ہے۔ اس مرص کے نشدیں انسان آخرت سے غافل موجا ناہے اور انتخال دنیا میں ڈوب جا تا ہے۔ اور حرس میں مبنال ہوکرا ہے آب سے بول کتا ہے" نا بدمی بڑھا ہے میں جا کر مختاج ہوجاؤں صنعف بیری اور کمزوری کے ع<sup>یث</sup> ن پرخرد نه کماسکوں مندا ببرہے بیاس فانسل ذخیرے کا ہونا منروری ہے تاکہ جماری با بڑھا ہے یا و نگ وسنی کے وقت کام ہم سکے ۔اسی طرح کے ہزاروں خیالات اسے دنیائی حریس کی طرف اور زباد را عنب كرشته دینی بندایسا انسان كهانے بینے كی چیزوں كا بڑا امنمام كرناہے كیمی كتا ہے م کیا کھا ذرہ مجھی کنتا ہے کیا ہمیں مجھی بیاس کی فکریں ہوتا ہے کیھی کنتا ہے گری سردی سربہے ا درمبر سے پاس کرئی شنے نبیس کیمی بیرونیا ہے تٹا برمبری عمربی ہو۔ اور آخر عمر بس جاکزنگدست موجاؤں اور مجھیلی مربی مختاجی زیا وہ غلبہ کرتی ہے۔ ابیسے نازک و نت کے بیسے کچھ نہ کچھ باس ہرنا ضروری ہے ۔ تاکماس وقت لوگوں کا دست گرنہ ہونا بڑے۔ بدا وراسی تسم کے ببیبوں زیمات اس كوطلب ورغبت دنيا موجود سامان دنيا بن مخل كسف اورمز بدجمع كرف بالمحصارت رسنت بين ان ببيوده بنيالات كاكم ازكم ازبه مؤنا ہے كدايسا انسان دنيا كى أمبدوں بي لينس جاتا ہے۔ اس كالم منی عمراوراس كاوقنت عزيزان ابريدول كى ندرموجا نام يب بائده اورلغوغم وتفكران لاحق مرجات ہیں مصرت ابو ذر عقاری رسی التر تعالیٰ عندسے مردی ہے۔

آنے والے دن کی فکرنے جھے پربشان کر کھا۔

كسى نيع من كياوه كيسيد و آ بي فرا باكد ميرى

قتلنى هدريو مرلدادركه بيل وكيف ذلك يا ابا درقال ان لمبی ایدیں بہری مونت سے تجا مذکر چکی ہیں۔

املی جاوزاجلی ۔

پوتقی چیز فنیا وت فلب اور خفلت آخرت ہے جس بیں طول ال سے امنیا فہ ہم ذناہے کہونکہ سبب انسان کے دل ہم ناہے کہونکہ سبب انسان کے دل ہم بین وعشرت کی لمبی ایر برس جاتی ہیں تو موت بھول جاتی ہے بخبر پارنہ بسبب انسان کے دل ہم بین وعشرت کی لمبی ایر برس جاتی ہیں تو موت بھول جاتی ہے بخبر پارنہ بسبب مردی ہے:

علب كعر تماك دو بيزون مي مبتلا موجان كا محصبت عاج المهي زياده ورب ايك طول ال دومرى أتباع نوابت

طول ال تو آخرت كويعلا ديتى ہے اورخوا بهنات

کی بیروی انسان کوئ سے دوک دیتی ہے۔

ان اخوف ما اخاف عليكمر اثنتان طول الامل واتباع الموي الا وان طول الامل بينسي الأخرة

واتباع الهوى يصدعن الحق ـ

طول الرکاشکار ہونے کے بعدانسان کے زدیک سے اہم اوراس کی توجمان کامرکز دنیا اور دنیا ہوں میں توجمان کامرکز دنیا اور دنیا ہوں میں بین وعشرت کے اسباب و درائع بن جانے ہیں۔ لوگوں سے میں بول اور خلط لمط کا غلبہ ہم جا تا ہم اوراس طرح انسان کے دل پر فتسا و ت جھاجاتی ہے کیونکدر فنت اور سفائی فلب تو موت کو با در کھنے ، فرک و صنت و تنہائی بین نظر اسبے ، آخرت کے تواب و عذا ہدا ور و ہاں کے خوفناک مناظر دوافعات با در کھنے سے محرتی ہے ، اور جب ان میں سے کوئی بات بھی مذہر توصفائی کے سے بہبرا ہم ہواستار نعالی فی ایر در کھنے سے محرتی ہے ، اور جب ان میں سے کوئی بات بھی مذہر توصفائی کے سے بہبرا ہم ہواستار نعالی اور در کھنے سے محرتی ہے ، اور جب ان میں سے کوئی بات بھی مذہر توصفائی کے سے بہبرا ہم ہواستار نعالی ا

ان کوزندہ دستنے عرسہ درا زگزرگیا **توا**ن کے دل سخنت ہو گئے۔ فَطَالُ عَلِيهِ مُ الْآمَدُ فَقَسَتُ وم. دو تلويهُ مُر

ترجوں جون الم يدبر لمبى موتى جائيں گى طاعت كا جدبهم مرتاجائے گا- توب كا خيال ول سے كى جائے گا موں كى كترت موجائے گا ، دورا بنا انجام بالكل بھول كا موں كى كترت موجائے گا ، دورا بنا انجام بالكل بھول جائے گا ، دورا گارائند تعالىٰ كى رحمت سال حال نہوئى نوا بينے تفسى كى آخرت بريا دموجائے گا . تواس جائے گا اورا گيا ہم گی ۔ اور است موالی اور كيا ہم گی ، اور يرسب خوابی طول ال كے باعث بريا برمالى اوركيا ہم گی ۔ اوراس سے بڑى آفت اور بلا اوركيا ہم گی ، اور يرسب خوابی طول ال كے باعث بريا ہم ئى ۔ دندا ابنى اميد بن كوتا ور كون ابنى جان كو موت كے قريب تستور كرون ا بنے افار ب اور سائيموں ہم ئى ۔ دندا بنى اميد بن كوتا ور تنا بدتما لا بھى كا حال يا وكرو جہ يہ مالى يا وكرون بن عدالت كا يول يا وكرون ابنا كے عدالت قرار و اور عوف بن عدالت كا يہ تول يا وكرون ابنا كى عدالت كا در اورا بنا كا يہ تول يا وكرون ابنا كى عدالت كا درا و دراو

كه من مستقبل يوما لمر يستكمه ومنتظرغما لمريددكه -

کتنے ایسے بن جسی کہ پانے بیں گرنٹام سے فبل موت كى آغونش بس جلے جانے بين اور كتنے بی آئنده کل کی انتظاریس موتے بیں گر وہ انىيى نفيىب تبين بزنا ـ

اگر منبوی فی الواقع موت اوراس کے شدا ند کا احساس مزنا نوئم طول ایل اوراس کی فریک رو<sup>ل</sup> سەن دِ زِغرب رَقه من نصصرت عيسلى عليالصلاة والسّلام كا قول نبيس مُنا ۽ آپنے فرما باہے: دنیاتین روز ہے۔ایک دوجو گزرگیا۔اس کا كجه عبى تيرك تبضير بنين ابك أئده كل جس کے متعلن کوئی علم نہیں کہ رہ تجھے نعبیب مو با نه مو - اورابک آج کا دن جس بن نم موجور

ہو۔نواس کوغنیمت جا نو۔

الدنيا ثلاثة إيام امس مضى، مابيدك منه شيء وغد لا تدرى اتدركه امكا- ويومر انت فيه، فأغتنمه ـ

نيزكياتم في حضرت ابو ذر مغذاري رسمي التدتعالي عنه كابه فول نهيس مناء آب فرما نفيس: دنیا سرت بین *ساعت ہے*۔ایک دو<sup>عت</sup> جوگزرگنی . اورایک و چس میں تم اب مو۔ اور تيسري وه جو تنابدتنين نصيب موياينه موي

١١ ، نياثلاث ساعات . ساعة مضت وساعة أنت بيها دساغة اتدركها امرلا-

تو خیفت میں منهارے پاس صرف ابک ہی گھڑی ہے۔ بیرے شیخ قارس سترہ کا ارشاد ہے: وْنِيانْدِين مانس سه ١٠٠ برگزرگيا بنم نے جوعمل اس بس كرايا كرايا - ايك و د جواب نم لے رہے ہو -ا ورایک آندوجس سے پانے کا کوئی علم نہیں کیونکہ کئی ایسے سانس جینے والے ہیں جن کو موت نے ود سرے سائس کی مهلت نه دی " تز ورخفیفنت انسان ایک ہی سانس کا مالک ہے۔ ایک دن بابور ایک گھٹری کابھی مالک نبیس ۔ دلمڈا اس ایک سانس میں طاعت وعبادت کی بھا آ دری میں کزنائی ہیں کر نی چاہیے۔ابیا مذہوکہ بیجی فوت ہوجائے۔اور نؤبہ کرنے بیں بھی حلدی کرو۔ابیا نہ ہوکہ و تت ع تقسے بحل جائے اور موت ہے نے والے سانس کی فرصنت نہ دیسے ۔ آنے والی گھڑی کے بیے رز ت کی فكرية كرو إنا بداكلي ساعت بك زندكي وفانه كرسے اورخوا ومخوا و فكرمعان ميں منبلا ہوكر بيو وقت بھي

ضائع برجائے اور کوئٹ شعب جائے بیکن انسان رزق کی گک ووویی مصروف برکر ابنا و نت عزیز عنا تع کردنیا ہے کی تنہیں حضورتبی کریم علیالصلوۃ والنسلیم کا وہ ارشا دیا دنہیں جرا ہے حضرت اُسامہ بن زیدرسنی الشدنعا لی عنما کے منعلق فرمایا:

اے دگر! نم اسامہ بیعب نیس کرتے ہوا یک اہ کے بیے خربرد ہ ہے بیشک گسامہ بیر نے ایس کی سامہ بیر نے ایس کا مربی ایس میں ان شکار ہوگیا ہے۔ فلائی فنم بیر نے جب بھی زبن پر قدم رکھا تومیرا بہی گسان فغا کہ شاید کا طفا نے سے پہلے مون آجائے۔ اور بین مربی اللہ میں مذہبی فقہ ڈالا تو بیری گسان فغا کہ شاہلی تا بیر نامیر تا میں میری جان ہے جب بیا کہ میں میری جان ہے جب نیا کہ جن ایس کے بیا تا را انعیب تیم میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تدرت ہیں میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تدرت ہیں میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تدرت ہیں میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تدرت ہیں میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تدرت ہیں میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تدرت ہیں میری جان ہے جب نیا کہ جن با ذول کا تھے تا کہ دول کا تھے تا کہ دول کا تھے تا کہ دول کی تا کہ دول کا تا کہ دول کا تھے تا کہ دول کا تا کہ دول کا تھے تا کہ دول کا تا کہ دول کا تا کہ دول کا تا کہ دول کی جان کے جب نے کہ دول کی تا کہ دول کی

اما نعجبون من اسا منة المشترى بصبر شهران اسا منة لطويل الامل والله ما وضعت ندمًا فظنت إنى ارفعها و لقدة فظنت إنى ارفعها حتى يدركنى فظنت انى اسبغها حتى يدركنى الموت والذى نفسى بيده الموت والذى نفسى بيده ان ما توعد ون الات وما انتم بمعجزين و

وعده كيا جار باب ود سرور كرربس گى اورتم الشرتعالى كوعا جزو بيس تبيس كريكتے .

ر دابت ہے کوئسی خص نے حصنرت زیارہ بن او فی رحمنہ اللہ تعالیٰ علبہ کوان کی وفات سے بعب ر

نواب میں دیجیا توان سے پوچھا اے برزخ بیں بسنے والو! تنمارے نزد کیک کونساعمل بہنرہے ؟ نواکیے بواب دیا" رمنیا اللی اورامیدوں کوکوناہ رکھنا"

اسے عزیز ! تو بھی اپنے صال پرنظرکر'ا در پر بلند مقام صاسل کرنے ہیں بوری کوشش کر کیوں کہ طول السے سے بیا بڑی کی بات ہے ، جس سے قلب اور نفس کی اصلاح ہوتی ہے — والله تعالیٰ ولی التو بنیق بفضیل، و بوحد منته -

### ووسرى أفت كمسك

بے نگ سدنیکبوں کوتباہ کرتا ہے اورگنا ہوں پر راغب کرتاہے۔ بہ بڑا مراض ہے جب بی برا مراض ہے جب بی برا مراض ہے جب بی برا میں اور جب بی برا میں ہے میں موام اور جبلاء کا کیا ذکر اس صدر نے لوگوں کو ہلاک کر دیا اور ناروزنے میں ہوا ہے : میں ہوال دیا ۔ کیا نم نے صنور نبی کریم عبیا ہستاؤۃ وانتسلیم کا بیارٹ ونہیں منا ؟ آہنے فرایا ہے :

ستة بدخلون النام بستة العرب بالعصبية والامراءُ العرب بالعصبية والامراءُ بالجور والدها قين بالكبر والدها قين بالكبر والناها قين بالكبر والناها فين بالكبر بالخيانة واهلالرسائيق بالجهل والعلماء بالحسل

بے نزک ہوا فنت علماء کو بھی دوزخ بیں لے جانے کا باعث اور سبب ہے اس سے نجیت بہت سنروری ہے۔

اسع بزا جان ہے كەحسىرىنے يا كى خوابياں أبھرتى بى :

(1) طاعات بين خواجي - رسول الله دسلي الله وتعالى عليه الموسم نے فرما يا ہے:

حدنبکیوں کواس طرح بر با دکرتا ہے جس طرت ساک مسوکھی فکڑ ہوں کوجلا دبنی ہے۔

الحسد ياكل الحسنات كما تاكل النارالعطب -

سے دوسری بیز جو بیدا ہوتی ہے وہ گنا داور برائیاں ہیں بھنرت وہب بن منبہ فراتے ہیں:

طاسدى تين نشانيان بين:

جب را من آتا ہے توچا پڑسی کرتا ہے۔ بشت پیچے غیبت کرتا ہے ۔ اور جب دو مرے پرمسیت آنی ہے زخوش ہوتا ہے۔

يتملك اذاشه د. ويغتاب إذاغامب وبيثمت بالمعيببة

من كتامول حدك رُائى كا سي بانوت برے كانترتعالى تے بميں ماسد كے ترسے بناه ين ريخ كامكم ديا ہے . ميساكه خلاو ندتعالیٰ نے فرمايا ہے:

اورما رركے تنرسے پنا ویس ر کھ جب وہ مدرنے پراُڑائے۔ وَمِنُ شَيْرِحَاسِدٍ إِذَا

الترتعاني فيصدك نثركوشيطان اورساح كساتفه للكرميان كيا اورفرمايان سب يناه مانكو- نوغوركرلوكه مسدكتنا برافتتنه إوراس كانتركتنا براسي اسي بيع فرما ياكه اس ستخفظ كيلي محدسے مدرطلب كروا درميرى بنا ديں آؤ۔

حديس ببرى جيز بيبني اوربي مقصدغم وفكر كالامنى بوناب بلكغم وفكر محرسا غطبيعت ير بوجها ورُعصبت كى رغبت بمى بدا بوتى ب مصرت ابن سماك رحمة الله تعالى عليف قربابا ب: له ادی ظالماً استنبه بالمنظوم یی نے مارد کے مواکسی ظام کونظوم کے رہے

زبا ده مشابهت والانبيل ديجها بيجاره بروتت

افسردوطبيعت رمبًا بي پريشان خال رمبًا

من الحاسب نفسر دائم وعفل هائمروغمرلازه

اوربروقت عم مينتلارمتا ہے۔

حسدسے چوتفی خزابی بیر بیدا ہوتی ہے کہ دل اندھا ہوجا تاہے بیمان تک کہ ادشہ تغالیٰ سے کے حکم " بمیشدخا موشس ربنا اختبار کر کراس سے تیرے اندرورع پیدا ہوگا۔ لا کچی مذبن اکوفتنوں محفوظ رہے ۔ کمتہ چین نہ بن تاکہ لوگوں کے طعن وتشینع سے محفوظ رہے۔ حامد نہ بن تاکہ مجھے فہم کی

حمدس يابخ ين خرابى بربيدا موتى ب كدانسان ذلت اورمحردى كى نعنت بس كرفتار موجاتا ہے۔ ابنی کسی مرادیں کا بیاب نبیں ہونا ، اور مذابیے کسی وشمن پیغالب امکتا ہے بھزت مانم امم

رحمة الله تعالى علين فراياب:

«کیبندپروردین داندپر، بختا ۔ توگوں کے عیب کاسنے والاعبادت گزار نیس بوسکتا بینوبخورکوامن نصیب نیس بوسکتا ۔ اورماس ننخس نُسرتِ نداوندی سے محردم رنہا ہے ۔

یں کتابوں مار شخف اپنی مرادیں کیسے کا بیاب ہوسکانے ، کیونکاس کی مراد تربہ کہ اللہ تعالیٰ کے تمام بندوں سے خدا تعالیٰ کی دی ہوئی نعمیں جین جانیں اور مجھے لِ بائیں۔ اور ماسدادی اپنے وشمنوں پر کیسے نالب اسک ہے کیونکہ اس کے وہمن زا شد تعالیٰ کے بیک بدھے ہوتے ہیں۔ حسرت ابلاغین سے کیونکہ اس کے وہمن زا شد تعالیٰ کے بیک بدھے ہوتے ہیں۔ حسرت ابلاغین سے کیا خوب فرایا ہے:

"اسےاں دا تونے اپنے بندوں پرجنمنیں کی ہیں ہمیں ان کے صدر سے مفوظ رکھ ۔ جک سے کے مالات مزیر میں ترک کے عالمہ کا مالات مزیر میں ترک کے

اورصدایک ایسی بمیاری ہے بوعبادات کے ابرو تواب کو تباہ کرتی ہے ۔ سرومعیس کی فہریز کا ہے ۔ سرومعیس کی فہریز کی ہے ۔ آرام اور سکون کوختم کردیتی ہے ۔ دین کی بھوسے فروم کرتی ہے ۔ اس کے بوتے بیٹے انسان بیٹے دینمین پرفائب بنیس بوسکنا ۔ اور نہ اپنی مرادیس انسان کا بیاب ہوسکتا ہے ۔ تو ثابت ہوا کہ حد سے دینا دہ کوئی خطر ناک بیمیاری امین میں سے علاج کی فوری سرورت ہو۔ لندا اس مرس کے علاج کی فوری سرورت ہو۔ لندا اس مرس کے علاج کی فوری سرورت ہو۔ لندا اس مرس کے علاج کی فوری سرورت ہو۔ لندا اس مرس کے علاج کی فعلت نہ کرد بلکہ جدراس مرس حد کرورت کی فکر کرو \_\_\_\_\_ واللہ تعالیٰ ولی المتونیق بعت و کرم ہے ۔

## عجلت بعنى جلد بازى كي نقصانات:

مدریانی بیک مقاصد کونی ب کرنی ہے اور معاسی یں مبند کرتی ہے۔ اس سے چارٹرا باں و

سے محردم ہوجا نا ہے۔ اور بارباسنت و مجاہرہ میں غلوکر تاہے۔ اوراس افرا طریمے باعث اس مزبر ہرکو حائسل ندیں کرسکتا۔ اور بیر دو زن خرا بیاں بیار بازی کا نتیجہ ہیں جسنور نبی کریم مسلی الشرتعالیٰ عبیشا کہ وہم سے روایت ہے :

ان دیننا هذا متین فاو غلیه برفق فآن المبنت کا ادضا قطع وکاظهم البقی -ادرع بی کی مشمورش ہے: ان لم تستعجل تصل -

ممارایہ دین بڑاستمکم دین سہاس کرزی اور نیا سے مارایہ دین بڑاستمکم دین سہاس کرزی اور نیا سے ماس کر رخوالاک الکے مربی انکل الکی بڑی دبتاہے اور نداس کی نظام رک مطح کوہی بیل حالت بیں باتی دہنے دبتاہے ۔ اگرتم جلد بازی نہیں کردگے تو ایش منز (مقصود کو ایس بینے جاؤگے ۔

ایک عربی نناع کتا ہے: قلایل دنے التائی بعص حاجت مُرد بارخص تواجع مفاصد پایتا ہے۔ بُرد بارخص تواجع مفاصد پایتا ہے۔

ونند یکون مع المستعجل الزلل گرمبد بازاکٹرا ذفات بھیسل ماتاہے۔

دوسری خرابی اورآن بیم که جب ما پنتخص کوکوئی ما جت، اور بیرا و تا تین آتی ہے نو وہ استدنعا کی محصنور میں وما وا سجاکتا ہے اور دما میں بہت کوٹ بن کرنا ہے۔ اور بیا اوقات اس کی خبوایت بی مجلت کرتا ہے۔ دور بیا اوقات اس کی خبوایت بی مجلت کرتا ہے۔ دور بوتی ہے۔ تو خبوایت بی مجلت کرتا ہے۔ دور دما کہ علم اللی کے الدراس دعا کی تبویت بی ابھی کچھ دیر ہوتی ہے۔ تو فرا دعا تنبول نہ بوت کی دید سے وہ دل بردا شتہ ہوجا تا ہے۔ کوٹ من وسعی ترک کردیا ہے اور دعا کرنا جو اور دعا کرنا ہے۔ اور اس طرح نے بی تفسیدا ورا بی ما جت کو نبیں یا سکتا

عجد ن في نعيسرى خوابى اورا قت يه مي كواگري في مسلمان اس دار برطام كزام تو بيخند باك مركز بدر عاكرت مرح بدرعاكرت موجد باك مركز بدر عاكرت الم مسلمان اس بدد عاكرة الزرسة بلاك مرجا آم ميد والاعابد حد مست نجاوز كرجا آما ميك اور بلاكت ومعيب من برجا آما ميد والأغال فرا آما ميد والاعابد حد مست نجاوز كرجا آما ميك اور بلاكت ومعيب من برجا آمام كورت المردع كورتا و بين عجوا الإنسان بود عائين شروع كورتا مي المنظرة و كان الإنسان مجوا كرديا مي المنظرة و كان الإنسان مجوا كرديا مي المنان برا ملد بادم و المنان برا ملد و المنان برا منان برا ملد و المنان برا ملد و المن

#### كبركابيان:

کبرایک ایسی آفت ہے جرنیکی کا نام دنتان ہی مٹا دہتی ۔ ہے ۔ کیا تم نے انتدنعالیٰ کا بہ تول میں سنا ؟:

اعمال اور فروعات دینبه کونفسان دینی والی تمام آفات انتی مستراور فراب نبیس جننا کبریج کیونکه به تراصل بنیا و (وین) اوراغنفا دیم ضلل انداز بونا یه ورحب بیم صن کبر برده جانا یم نظاس کا علاج شکل موجاتا ہے ۔ اور کبراس سے اور سزاروں طرح کی بیما ریاں ببلا موباتی بسی چار خرابیاں قوصنو دربیدا موتی بیں ۔ ایک می سے محروم موجانا، دل کا الشد تعالیٰ کی آیات معرفت سے اندھا ہوجانا ۔ اور احکام ضلاوندی کے قدم کے متعلق ذہن کا کند موجانا ۔ الشد تعالیٰ فرانہ ہے: بمعنقربب إبئ آيات كے فتم سے ان لاگول كو بعيردون كا بوناس كبركرت بين- سَأَصْرِفُعَنُ أَيَا تِيَ ٱلَّذِينَ يَتَكُبُّرُونَ فِي الْأَدُونِ بِغَيْرِالُحَقِيَّ ـ دوسری مبکه مسنسرایا :

اسىطرح الشدتعالى برنكبرا ورمرمش كصدل ير مُرلگا دبیّاہے۔ كَذَٰ لِكَ يَظْبَعُ اللهِ عَلَىٰ كُلِّلَ قَلْبِ مُتَكَبِّرِجَبًا مِن ـ

بنكبرسه دوسرى خرابى بربيامونى سب كه المترنعاني الحبركيف والدير بخفت اوراس معنارامن برمانا ہے یضائجہ فرمایا :

بينك الله تعالىٰ منكبر توكون كودومت نبين كمننا

إِنَّهُ لَا يُحِبُ الْمُسْتَكُيرِينَ .

مروى سے كەحھنرت موسى علىلەلىسىلۈن واستلام نے الله تعالى سے در يافت كياكه ليے فلاسے فدوس إنرسي زياد وكسريا راص بوناهم والتنزتعالي ف ارتثا وفرايا:

جس کے دل بن بجتر روہجس کی زبان زیش ہو، جس کی آنکھوں میں حیانہ ہوجس کے ہاتھجیل موں اور جو بداخلاق ہو۔

من تكبرنلبذ، وغلظ لسيًا نهُ وصفق عبنة وبجنلت يدائ و ساءخلقة.

يحترس ببيامونے وانى بسرى خرابى دنيا واسخرت بين ذلت وخوارى ہے بحضرت حاتم اصم رحمنالله علیہ نے رفر ما با ہے:

تین مالنوں پر موت آنے سے بی می کیریہ۔ وم يرشيخي بر-اس يه كمتكنغم كوالله تعالىٰ اس وقنت بك موت نهيس ديّاجب بك اسے ابنے رذیل اہل وعیال اورخا دموں سے ذلیل وخوا رندکرہے۔اود مولیس کواس قت تک موت نبیں دنیا جب تک اُسے روٹی کے ایک محكومت اورباني كابك كلمونث كيدي نه زما ہے۔ اورینی بھارنے ولمے کوائ قت تک

اجتنبان يدركك الموتعلى ثلاثة على الكبروا لحرص الخيلاء فأن المننكبر لا يخرجه الله من المانياحتى يربه الهوان من ارذل اهله وخدمه والحريص لإيخرجه الله تعالى من الدنياحني بجوجه الى كسرة اوتشربة ولايجدمساغا مرالعمنال لايخرجه الله تعالى مون نبیں دیتا جب کک اسے اس کے بول و پیشاب میں آلودگی کی ذکت نہ دکھا ہے۔

حتى يمرغه ببوله وقذره

روایات بین بیمی آیا ہے کہ منگر کوالٹر نعالی ضرور ذلیل وخوارکتا ہے۔

متكير خصرير جنفي مصيبت وآفت يداومنى بكروه الخرت بن دوزخ كى آگ يس جلے كا دا بك

مدمین فارسی می نوں وار دہوا ہے:

بڑائی میری جا در ہے اوعظمنت میری ازارہے۔ توجیخص ان دونوں بہسے کوئی ایک بھی مجھے لینے کی کوشنش کرے گایں اسے نا ردونوخ بیں

الكبرياء ردائى والعظمة ازارى فمن نازعنى فى واحد منهما ادخلته نارجهنم -

مطلب یہ ہے کہ بڑائی اور عظمت اللہ تعالیٰ کی صفات مختصریں سے ہیں کہی دوسر سے کوائی ہیں از جو چیز تم سے خدا نعالیٰ کی معرفت زائل کر سے اسحکام خدا و ندی کے قدم سے محروم کر سے رہو نمام کیمیوں کا اصل ہے) ۔ پھرجس کے باعث اللہ نغالیٰ نا راض ہو، و نبایی ذلت و خواری اور آخرت ہیں عذاب دونی حصر ہیں آئے، ایسی خطرناک اور معملک آفت سے بجنا اور دور رہنا نمایت صنروری ہے کسی عقلند کو نریبانییں کہ ایسی نقصان وہ چیز سے فقلن برتے ۔ بلکہ اس سے پر مہز کر کے اورا لٹہ نعالیٰ کی پادیس آکر اس سے اپنے آپ کو بچائے سے واللہ تعالیٰ ولی العصمة والمتوفیق بعث سے بیان آفات اربعہ کی نفصیل کا بجھ صحتہ ہے۔ اور عقلن آ دمی جو اپنے قلب کی اصلاح کی المجبّب کو جاتا ہے' اس کے اربعہ کی نفسیل کا بجھ صحتہ ہے۔ اور عقلن آ دمی جو اپنے قلب کی اصلاح کی المجبّب کو جاتا ہے' اس کے اربعہ کی نفایت نمایت خطرناک ہے سے واللہ المونق۔ نو دیک نوان آفات اربعہ یں سے ہرا کی آفت بھی نمایت نمایت نمایت خطرناک ہے سے واللہ المونق۔

جب آفات وامرامن فلب کی نزاکت اور خطرے کا بیا عالم ہے اور حب ان سے بجنااس فار ضروری ہے، اور جب ہمار سے بیےان آفات کی حقیقت وا ہمیت سے واقعت ہونا نها بت ضروری ہے، تواز را ہِ معرباتی ان کی خیفت اور تفصیل بیان کیجیے اور وہ ندا بیراور داستے بھی بنائیے مزوری ہے، تواز را ہِ معرباتی ان کی حقیقات اور تعصیل بیان کیجیے اور وہ ندا بیراور داستے بھی بنائیے جن کواخیتار کرکے ہم ان سے محقوظ روسکیں۔

بحواب : ان افات والمراس كا برابان برى طويل وعربين تفصيل جامتا ہے ، مم نے ان كى

بوری تفصیلات "ایماء العلوم" اور" انرار معاملات دین "بس ککھ دی بیں -اوراس کتاب میں ہم مرت مزوری گفت گربری کفایت کریں گے \_\_\_\_ و با تلف المتوفیق

#### أكل كى حقيقنت كابيان:

بمار سے اکثر علماء کوام نے فرما یا ہے کہ اُٹل اِس پختہ خیال کا نام ہے کہ بن تا دیر زندہ رہوں گا۔ ا دراگرابسانہ ہو، بلکہ دل میں یہ بات جاگزیں ہو کہ میری زندگی اور سیانت اللہ نقالیٰ کی منبت وعلم کے سا نفروا بسته ہے اوراس دنیا ہیں مجھے نیک کام کرنے کے لیے رہنا چا ہیے۔ تواس طرح کی نبیت اورع م وارادے کا نام ففراً کل ہے۔ بعنی امبدوں کو کوناہ رکھنا ۔ توجو تعنی بیعفیدہ رکھے کہ مجھے اس مانس سے بعدد دوسرے سانس کا ضرور موقع ملے گا۔ یا تسنے والی گھڑی تک بیں صرور زندہ رموں گا۔ توالیستے تھی کوآبل کبیں گے بینی کمبی ائمبدوں مِن گرفتار۔ابیاعقیدہ اور خیال گناہ ہے کیونکہ بدایک پونٹیدہ معاملے پر حکم لگانا ہے بیکن اگر کوئی اللہ تفالیٰ کے علم اوراس کی منین سے مغید کرسے اور بوں کھے کہیں إن ثناء التُدرْنده ربوں گا۔ باالتُدنعالیٰ کے علم بیں اگرمیری زندگی باقی ہے تندیں زندہ ربوں گا۔ نوا بیسے خص کو آبل نبیں کہتے۔ بلکہ ایسے فی فی نارک اُس کہا جائے گا۔ بوں ہی اگر کوئی نیک ادا دول سے ما نفرا بسی ا ببدر کھے تواسے طول امل میں گرفت ارنبیں کہیں گے۔ ملکہ ایسانٹخص فاصرالامل (اببدیں کونا ہ رکھنے والله كلائے كا ييونكه ايسانتخص كسى معاطم بسى كوئى قطعى فيصلەنىي كرم ينتم بھى بىي روش اختياركرو. ا در ہروفنت طول الل کے نتائج وعوا فنب بدکر بیش نظر رکھو۔ اور دل کو ابیدیں کو ناہ ر کھنے پر مضبوط

بھرائبدد وقسم ہے: (۱) عام لوگوں کی ایمدیں ۔ اور (۲) خاص لوگوں کی ایمدیں ۔
عام لوگوں کی امیدیں بہ ہیں: سامان دنیا جمع کرنے کے لیے زندگی کی آرزو'اور بیاں طویل عرشک زندہ رہنے کا آرا دہ اور بروگام ۔ اس طرح کی امیب دیس سراسرگناہ ہیں ۔ اس کے برعکس تواب ہے کہ انسان دنیا سے تعلق معاملات بیں اپنی امیدیں کوتاہ کرے اسٹرنعالی ارتباد فرماتا ہے:
فراب بہ ہے کہ انسان دنیا سے تعلق معاملات بیں اپنی امیدیں کوتاہ کرے اسٹرنعالی ارتباد فرماتا ہے:
فراب بہ ہے کہ انسان دنیا سے تعلق معاملات بیں اپنی امیدیں کوتاہ کرے اسٹرنعالی ارتباد فرماتا ہے:

كه كه أبن سامان زبيت مصنع أشا يُن اور

يُلِهِ هِمُ الْأَمَلُ فَسَوُفَ

دنیری آرزووں اورامبدوں کی عفلت بس بھے

يعلمون

ربِي توانبين عنقريب ا ببخطرزِ زندگى كى حقيقتت معلوم بومائے گى -

اورفاص قصم کی ایمدیہ ہے کہ انسان ایسے نیک کا موں کی بجا آوری کے بیے دنیا ہیں دہنے گی ۔
اس وائمبدلگا ہے جن میں خطرے کا اندیشہ ہوا در درستی کی ایمد کم ہو۔ بسا اوقات ایسا ہوتا ہے کہا یک معین نیکی اس کے سامنے ہم تی ہے لیا اسے بجالانے کی اس میں صلاحیت اوراسنعلاد نہیں ہوتی ۔ وہ اس طرح کہ اسے علی ہیں لانے کی صورت میں انسان عجب باریا میں بڑجا تا ہے اوراس نیکی کا اجر و نواب محفوظ نہیں رکھ سکتا ۔ اسی بیے یہ درست نہیں کہ جب انسان نمازیا روزہ یا کوئی اور نیک کا مرفوع کے معفوظ نہیں رکھ سکتا ۔ اسی بیے یہ درست نہیں کہ جب انسان نمازیا روزہ یا کوئی اور نیک کا مرفوع کے دیے نووہ دل میں بیفینین اوراع تقا در کھے کہ میں اسے ضرور پر لاکروں گا ۔ کیونکہ برایک پرشیدہ چزچے کم لگانا ہے ، جو درست نہیں ۔ اس قیم کا کوئی قطعی اوا دہ کر لینیا بندے کے لیے روا نہیں ۔ بلکہ درست بات یہ ہے کہ ہرزیک کا م شروع کرتے و نت یہ بینیال کرے کہ اگر یہ کام میرے لائن اور میرے حق میں ہتر ہو تو فیل اور میں اس کا می کوئی نشیت ہو ۔ بیا میں اس کا می کوئی نشیت ہو ۔ بیا میں اس کا میکوئی نشیت ہو ۔ بیا میں اس کا میکوئی کوئی تیا کہ درازی ا میر کے جیسے بڑے سکے ۔ اشترتعالی نے فرآن مید میں اس بیا میں اس لیے معموظ رکھے تا کہ درازی ا میر کے جیسے بڑے سکے ۔ اشترتعالی نے فرآن مید میں اس بی حسیب پاک اس لیے معموظ رکھے تا کہ درازی ا میر کے جیسے بڑے سکے ۔ اشترتعالی نے فرآن مید میں اس بی حسیب پاک اس لیے معموظ رکھے تا کہ درازی ا میر کے جیسے بڑے سکے ۔ اشترتعالی نے فرآن مید میں اس بی حسیب پاک

اس طرح برگزنه کهناکه به کام بین کل منرورکرون گا بکه پور کهواگرانشه تنعالی نے چا یا توجی به کام کرونگا- وَلَا نَفُوْلِنَ لِينَائَ أِي إِنْ فَاعِلُ ذَٰلِكَ عَدًا إِلَّا أَنْ يَشَاءَ الله " عَدًا إِلَّا أَنْ يَشَاءَ الله "

علماء کرام رحمهم النّه زنعالی نے فرما باہے کہ طول اُس کے مفا بلہ بی مجازی طور پرنیت محمودہ کو قرار دیا گیا ہم کہونکہ نیب محمودہ والاانسان عمواطول اس سے بجا ہم تاہے بچز نکہ نین محمودہ کی بہت ضرورت ہے دراس کی
معرفت اور بہجان کے بغیر جیارہ نہیں ۔ اس میں علماء کرام رحمهم النّه زنعا کی نے اس کی ایک جا معا در رنا اب تعرب
بیان کی ہے ۔ اور وہ تعربیت بہ ہے : "کسی نیک کام کو شروع کرنے کا بجنتہ ارا دہ کرنا اور ساتھ یہ اعتقاد بھی کھنا
کہ اس کا اتمام واقعتام النّه تعالیٰ کی مرضی اور شبیت سے ہے۔

كام شروع كرنے كا الادہ تو يخت كيا جائے، گريھراس كے اختنام واتمام كوفلاتعالیٰ كی شبت ومرتبی

پرموقون کرناکیوں منروری ہے ہجب کہ اس کا انمام خدا نعالیٰ کی مثیتت ومرمنی پرموقون ہے توجاہیے کہ آغاز کا م کے وقت بھی خدا کی مثیتت ہی کمحوظ رہے۔ نہ کہ اپنی طرف سے بختہ ادا وہ کر لیا جائے۔ جوایب :

آغاز کام بیں بجنہ الادہ کرلایا اس بیے درست اور دوا ہے کہ اس وقت کام وجو دہیں نہیں آیا موتا ۔ لہٰذا ابْداء بیں ریا اور عجب وغیرہ کا خطرہ نہیں گراتما م واختام کے وقت چونکہ کام اور فعل کا دوج ہے۔ اس بیے اس وفت دو خطرے ہیں ۔ ایک یہ کہ ننا بدیہ کام مجھ سے اتمام واختنام کے آخری نقط نگ پہنچنا ہے یا نہیں ۔ دو خطرے ہیں ۔ ایک یہ کہ ننا بدیہ کام مجھ سے اتمام واختنام کے آخری نقط نگ پہنچنا ہے یا نہیں ۔ دو تحرایہ کہ در میمان میں ریا اور عجب لاحق ہم وجائے اور وعمل بربا دم وجائے ۔ اس بیے اس کے اچھے اتمام کے بیے اِن نشاء اللہٰد کہنا اور اللہٰد نعالیٰ کے سوالے کرنا عزودی ہے ۔ اِن نشاء اللہٰد تواس کے ایوان شاء اللہٰد کے سوالے اس بیے کریے ناکہ ریا وعجب وغیرہ آفات سے محفوظ و مسے محمودہ ہے ۔ سرعمل خیر کے بیے اس قسم کے اوا دے کا نام نیت محمودہ ہے ۔ سے اس مضمون کو خوب غور سے سے بھو۔

اسے عزیز اجان سے کہ ایمدیں کوتاہ رکھنے کا فلعہ موت کی یا دہے۔ اور موت کو یا در کھنے کا ذریعہ اجانک موت آجائے کا بنیال ہے۔ نیزیہ نیال رکھنا کہ موت کمیں غفلت، بے خری اور عزور کی مالت بی بند آجائے۔ اس بیان کا ذہمن شین رہنا بست صروری ہے: ناکہ نمارا وقت عب زیز نصنول فیل د قال اور گیب بازی بین نہ گزرے۔ اور لوگوں سے بے تقصد میں وطاقات کی وج سے صافح نہ موسے والله المحوفق بفضله

#### حبد کی حقیقت کا بیان:

ابنے سلمان بھائی سے ابسی نعمت ججین جانے کے ادا دے کا نام سیدہ جس بی اس سلمان کے سیے بہتری اور بھلائی ہو۔ اوراگر بچین جانے کا ادا دہ نہ ہو' بلکہ یہ ارا دہ ہو کہ ابسی ہی نعمت مجھے بھی ہل جائے نزیر سر منظم کے اس قول میں کہ" سر معاز نہیں گر میں سے بلا اسے غبطہ کہتے ہیں۔ اور صفور عابیا لصّلوٰ ہ والسّلام کے اس قول میں کہ" سر معاز نہیں گر دونوں میں " سر مدسے تعبیر کر دبا ۔ کیونکہ دونوں مین کے دو جیزوں میں " سر مدسے مرا د غبطہ ہے۔ آب نے مجازاً غبطہ کو سر سے تعبیر کر دبا ۔ کیونکہ دونوں مین کے لیا طر سے قریب ہیں۔

سوال:

م كيسے جان سكتے ہيں كرسلمان كيسبے اس نعمت بيں بھلائی ہے ؟ ناكراس سن بين كااطماً كريں يا حمد كريں -

جواب:

بساا وقات بمبن طن غالب ہوتا ہے کہ اس کام بین سلمان کے لیے بھلائی ہے۔ ایسی صورت بین ضیعت رقبل کرنا چا ہیے اور حدسے بچنا جا ہیے۔ اوراگراس نعمت کی بھلائی اور بہتری شنبہ ہوانو اس کے زوال یا بقاء کا ارادہ نہیں کرنا چا ہیے۔ بلکہ اُسے اللہ تعالیٰ کے علم اوراس کی مثبت سے بہرد کرنا چا ہیے: ناکہ صدسے بر ہمیز اور صیعت رقبل ہوسکے۔

سعدسے وور رکھنے والی چیز رنسیحت اور خیر خواہی ) کے جذبے کو بر فرار رکھنے کی صورت

یہ ہے کہ انسان سلمانوں کے ساتھ دوستی اور موالات کی ناکیدات کو بادکر ہے جواس معا ملہ ہیں اللہ تعالیٰ کے حقوق کا تصور طوف سے وار دم وجی ہیں۔ اوراس یا دکو بجنہ کرنے والی جیزیہ ہے کہ انسان مومن بھائی کے حقوق کا تصور کرے۔ اس کے مرتبے کی بلندی اوراس کے مال کی حرمت جواللہ تعالیٰ کے ہاں ہے نگا وہیں رکھیا ورثون کی ان بزرگیوں اور ظمتوں کا نصور کر سے جو آخرت ہیں اللہ نعالیٰ اس کوعطا کرسے گا۔ اوراس بات کا خیال کی ان بزرگیوں اور ظمتوں کا نصور کر سے جو آخرت ہیں اللہ نعالیٰ اس کوعطا کرسے گا۔ اوراس بات کا خیال کرنے کہ مجھے دنیا ہیں مومنین کے ساتھ نعاون ان کی مدور اوران کے ساتھ جمعہ وجماعات میں نشرکت کے اندر کیا کیا عظیم فا کہ سے ہیں۔ جھرا بل ایمان کے ساتھ نعا ون اوران کی اعلاد کا ایک فائدہ یہ ہے کو وہ آخرت ہیں تنہاری شفاعت کریں گے۔

بهار المسلم محينيالات وتصورات انسان كوابني دومرسي سلمان بهائموں كے ساتھ خيرخوا ي بر فراس محينيالات وتصورات انسان كوابني دومرسي سلمان بھائموں كے ساتھ خيرخوا ي بر انجھارتے ہيں اور حسر سے بجانے ہيں \_\_\_\_ والله ولى التو نبق بفضله -

# عجلت بعنی جلدیازی کی حقیقت:

عبلت درانسل دل میں ایک موجود دقائم معنی کانا مہے ہوانسان کوبے موجے اور بلا خوروفکر
کام کرنے پر آمادہ کر تاہے اور عمل میں جلدبازی کا باعث بنتا ہے۔ اوراس عبلت کے مقابل وصف اناء ت
ہے بعنی عمل وہر دباری سے کام کرنا۔ اوراناء ت دل می موجود ایک ایسے عنی کانام ہے ہوبندے کے کاموں
میں احتیا طرا غوروفکر اور عمل وہر دباری بیدا کرتا ہے۔ اور توقف کی ضداور مفابل وصف نعسف ہے بعنی
ہے سوچے سمجھے کام نٹروع کردینا۔

مبر کے بیخ دحمتا اللہ تعالی علیہ نے توقف واناء ن میں یہ فرق بتا باہے کہ کام تروع کرنے سے قبل اس کے متعلق عوروفکرا ورسوپرح و بچار کرنے کو توقف کتنے ہیں اور کام تروع کرے اس بیں امتنگی افتیار کرنے کو تاکہ کام بہتر طریقہ سے انجام کو بینچے اناءت کتتے ہیں۔

پھراناء ت اور تھل پر اہونے کا پہطریقہ ہے کہ انسان مبلد بازی کی آفات اور نقصانات و نوابیل کو خیال میں ماضر کرے ۔ اور تعسف بعنی بے سوچے کام کرنے اور جلد بازی کرنے سے جو ندامت و طامت ہوگی اسے ذہن میں لائے ۔ اس طرح کرنے سے صرور ان ثناء اسٹر نبد سے میں توقف و محمل کی صفت پر اہوگی۔ نیز نعسف و عجلت سے جی نجات ماصل ہوگی ۔۔۔۔۔۔۔ واللہ تعالیٰ دلی العصمیة :۔

#### كبركى حقيقت:

نفس کی بندی وظمت کے جبال کو کبر کتتے ہیں ۔اس جبال سنے بجتر پیدا ہوتاہے۔ اور لینے آپ کو حفیرو کمتر جبال کرنے کا نام فروتنی ہے اور فروتنی سے تواضع پیدا ہوتی ہے ۔ بھرنواصع و بحبر ہرایک کی دو دو تسمیس ہیں :

> (۱) نواضع عام -(۱) نواضع عام -(۱) نیجترعام -

نواضع عام نوبہ ہے کربندہ معمولی حیثبیت کے باس، مفام رہائش اورسواری براکتفارکرے۔اور بیجرعام بہ ہے کہ انسان معمولی نوعیت کے باس، مکان اورسواری وغیرہ براکتفانہ کرہے بلکہ اس میں بندو

تواضع فاص کوستکام کرتے کا طریقہ یہ ہے کہ بندہ خل سے عدول کرنے اور باطل بین نہمک ہونے والے شخص کے انجام اوراس کے عذاب دسزا کو یا دکریے۔ ایک صاحب بھیبرت انسان کے بیے ای فات فلب برمطلع مونے کے بیے اس قدروضاحت اور بیان کا فی ہے۔ واللہ المعونق دلی المتوفیق

## بالنجوين فصافت كيريان من :

اسے طالب عبارت! بخصریا بینے نکم کی مفاطت بھی لازم وصروری ہے بہیں کی انسلام اور
افلت ایک نمایت امر شکل ہے۔ لہٰذا اس کی اصلاح دحفاظت کے لیے زبا وہ محنت و شفت کی نسرور
ہے۔ اس کے بگاڑ کا از بہت گرا اوراس کی خرابی کا نقصان بہت زبا وہ ہے کیونکہ بیزنا مجمانی قوتوں
ہے۔ اس کے بگاڑ کا از بہت گرا اوراس کی خرابی کا نقصان بہت زبا وہ ہے کیونکہ بیزنا مجمانی قوتوں
کا منبع اور معدن ہے۔ اسٹی کم سے ہمی ہمیں کمزوری یا فوت ہمفت باسرکشی وغیرہ کا ظہور مؤتا ہے۔
اس لیے اگر تم میسمح اور بامنع صدعبا دت کا عزم وا را دہ اپنے اندر بہلاکن اجا ہنے ہموتو تم پر حرام غذا ، نشبیکے
کھانے اور فصنول صلال سے اپنے بہٹ کی حفاظت نمایت سنروری ہے۔

سرام اورشبری بجیزوں سے نین وجہسے بجنا منروری ہے: اقل، دوزخ کی آگ سے محفوظ رہنے کے لیے۔ الٹرنعالیٰ فرما تاہے:

جوادگ تیمیون کا مان ملم کے طریقوں سے کھاتے بیں ایسے لوگ میشیک اپنے شکموں میں آگ جھز کہ بیں ایسے لوگ میشیک اپنے شکموں میں آگ جھز کہ رہے میں اور عنقریب بھڑ کتی ہوئی آگ (ناردوزخ) بج

إِنَّ الَّذِينَ يَا كُلُونَ آصُوالَ الْيَنَا عَلَى الْتَالَّينَ عَلَى الْكَالَّوْنَ آصُوالَ الْيَنَا عَلَى الْ طُلُمَّ الْمَالِنَّ مَا يَا كُلُونَ فِي بُطُونِهِ حَ ظُلُمَّا إِنَّهَا يَا كُلُونَ فِي بُطُونِهِ حَ نَارًا وَسَيَضِلَوْنَ سَعِنْظًاه محسورتبى كريم عليالصلاة والتبيلم نے فرايا: كل لحدربنت من معدت فالنار ب

مل لحدربنت من مععت فألنار بوگوشت غذائے مرام سے نیار مواس کے ولیٰ به ۔ ولیٰ به ۔

دوسری وجیہ ہے کہ حمام اور نشبہ کی غذا کھانے والام دو دیا رگا ہ خلاوندی ہے۔ لمیسے خص کورب تعالیٰ کی میسے اور کارآ مدعبا دن کی تزفیق نصیب نہیں ہوتی۔ کیونکہ ایک باک اور طاہرانسان ہیا لٹہ تعالیٰ کی میسے اور کارآ مدعبا دن کی تزفیق نصیب نہیں ہوتی۔ کیونکہ ایک مینی انسان کواپنے گھریعنی مسجد کی خدمت سے لائت اور مزا وار ہے۔ بین کہنا ہوں کی اللہ تعالیٰ نے ایک مبنی انسان کواپنے گھریعنی مسجد بین داخل ہونے اور ہا نے دلگانے سے منع نہیں کیا ہے صرور منع کیا ہمیں داخل ہونے اور ہا نے دلگانے سے منع نہیں کیا ہے صرور منع کیا ہمید من من ما با :

وَكَا جُعْبًا إِلَّا عَا بِينِ سَيِنِي اِ حَتَىٰ بِي مِوْلَالِ السَّيْ وَرَرِنَ وَالْتَعْمَ كَعَلَا وَمُعَ بَي نَعْمَ كُونَا مُعَيْرُ مِدِينَ قَدَم رَكَمْ فَكَا اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّه دوسرى جُكُر فرا با :

لاَيْمَسُكُ إِلاَّ الْمُطَوِّى وْنَ . اسْ فَعُنِ لَا بِهِ وَرَآن ) وَمَ تَعْمَدُ لَكَا يُمْ مُكُّ

این معدل ماب (مران) توج هدمه این سر یا دمنولوگ به

جنبی اور بے و منو ہونا نٹر عًا مباح ہے۔ نوعور کرو، جب ایک بباح امری وج سے مبدیں قدم رکھنایا فرآن کریم کو ہ نفرنگانا منع اور نارواہے۔ تو وہ خص مسجدیں کیسے آسکنا ہے ہو ہوام اور شبدی کھنایا فرآن کریم کو ہ نفرنگانا منع اور نارواہے۔ تو وہ خص مسجدیں کیسے آسکنا ہے ہو ہوئی کرسکتا ہے۔ نجاست سے آلو دہ ہے۔ اورا بیباشخص کس طرح رب تعالیٰ کی خدرت گزاری کا دعویٰ کرسکتا ہے۔ بایسے خور اوراس کی یا وسے نظف اندوز ہوسکتا ہے۔ ابیسے خوس کو یہ فرفیق نصیب بنیس ہوسکتی۔ باس کے ذکر اوراس کی یا وسے نظف اندوز ہوسکتا ہے۔ ابیسے خوس کو یہ فرفیق نصیب بنیس ہوسکتی۔ حصرت منا دراری رجمۃ اللہ تعالیٰ علیہ نے فرایا ہے:

الطاعة مخزونة من خزائن طاعت الله تعالى كغزاؤن من سعايك فرا الله تعالى ومفتاحها الدعاء و جاوراس فزانى كابى وعا جاور إلى الله تعالى ومفتاحها الدعاء و كورندا في والى وعا جاور إلى السنانه المحلال فأذا لحريكن كورندا في ورواز ونبير كهل مناه المفتاح اسنان فلا ينفتح الباب وافاله ببغت من وافاله ببغت ما بالخزانة حبنك وروازه نه كمك فزانة كرمينيا كيف يصل الى ما فيها من المكن ب-الطاعة

بیمسری وجربہ ہے کہ حرام اور شبہ کی غذا کھانے والانشخس نیک کام کرنے سے مُروم ہوتا ہے۔ اور اگرانغا قَاکو ٹی کار خبراس سے ہوجا مُے تو وہ عندا شرخبول و منظور نہیں ہوتا ۔ بلکدردکرد باجاتا ہے توایسا شخص نیک کام کی انجام دہی ہیں جو وقت اور قوت سرف کرتا ہے اس سے بے فائد و مشغت فسئول رنجے و محنت اور وقت ضائع کرنے کے سوااس کو کچھ حاصل نہیں ہم تا بحضور نبی کریم یا یالعسلوۃ والتسیلیم کا ارتثاد گرامی ہے :

بهت سے دات میں کا شنے والے ایسے
ہوتے ہیں جن کو بداری کی شفت کے سوا کچو صال
نہیں مزنا۔ اور بہت سے روزہ دارا بسے ہونے ہی
جن کو دن بھر کے روز سے سے سوا بھوک اور بیایہ
کے کچھے حالس نہیں ہوتا۔

كومن فأئه ليس له من قيامه الاالسهم وكومن صائد ليس له من صيامه ألا الجوع و الظمأ ـ

حضرت ابن عباس رضی الشرنعالی عنماسے روابیت ہے:
لا بقبل الله صلوٰة اهم عنی جوفه الشرنعال ایستے عمل کی نماز قبول نبیس کر المجس کے حوام اللہ علی میں عذائے حوام بڑی ہو۔
حوام

بافی رہا فضول اور منرورت سے زائد صلال، تواس کا استعمال میں بندوں کے بیے آفت اورائل مجاہد کے بیے بیا ہے۔ مجھے اس میں عور کرنے سے دس آفتیں معلوم ہوئی ہیں جن کواصول کی حیثیت دی جاسکتی کے بیے بلا ہے۔ مجھے اس میں عور کرنے سے دس آفتیں معلوم ہوئی ہیں جن کواصول کی حیثیت دی جاسکتی ہوئی ہے۔ جملال طعام زیاوہ کھانے سے نساوت قلبی پیلا ہم تی ہے اور نورزا کل ہم جاتا ہے۔ بنی کریم علیہ وعلیٰ آلد العن العن صلوٰ قو تسلیم سے مردی ہے کہ آپنے فرمایا:

ماجت اورمنرورت سے زیادہ کمانے پینے سے گریز کردکیونکہ اس سے دل مردد ہوجا آ ہے جس طرح منرورت سے زیادہ بانی سے مینی تباہ ہوجاتی ہے۔ ہوجاتی ہے۔ ہوجاتی ہے۔

الاتمبينواالقلب بكنزة الطعام والشهاب فأن القلب يموت كالزمع اذاك نزعلبه المآء.

بعس صالحین نے اس کی مثال میں وی ہے کہ معدہ دل کے نیچے ایک اُبلتی ہوئی ہنڈیا کی طرح ہے۔ تو معدہ سے بخارات ول کو پڑھتے ہیں اوران کی وجہ سے ول مبلااور خراب ہوجا تا ہے۔ < وسسى افت بر ہے کہ زیادہ کھاتے سے اعضاء میں فتنہ پیدا ہونا ہے۔ فسا دبرباکرنے ا دربیر ده کا موں کی رغبت بیدا ہوتی ہے کیونکہ جب انسان خوب بیٹ محرکے کما تا ہے واس سے ہم یں کمبراور آنکھوں یں بدنظری کی تواہش بیدا ہوتی ہے۔ کان مُری باتیں سننے کے شنان ہوتے ہیں. زبان ببیوده گونی بهآما ده بوتی ہے۔ ننرمگاه شهوت لانی کا نقاصناکرتی ہے، اور باؤں ناچائز مفاما کی طراخہ ہرکت کرنے کے لیے ہے قرار موستے ہیں ۔ اس سے پرکس اگرانسان بہیٹے غذا سے پرندکر بلکہ بھوک باتی رہنے دے نزنمام اعدناء سکون وآرام اختیار کریں گے۔ نہ نوکسی بُرائی کا لابع کریگے ا در نه بُرَا بَی کو د بیچه کرمسرورا ورخوش موں گئے۔اُمنا دا بوج غرحمۃ الله تعالیٰ علیہ نے کہا خوب فرما ہے

تنكم ابك ايساعصنوب كداكروه بجوكا بونز جسم کے باقی اعضاء سر برونے بیں بعنی سکون پیر مونے بی کسی ننے کا مطالبنیس کرنے۔ اوراگر هوجاع سائوالاعضاء ـ شكمير بونودد ساعفاء بعوك موتے

ان البطن عضوان جاء هو شبع سأئرالاعضاء يعنى تسكن فلإنطلبك بنئئ وانشيع

ہیں بعبی ختاعت بُڑا بُیور کی طرمت رجرع کرتے ہیں ۔

خلاصہ یہ ہے کہ انسان کے افعال واقوال واعمال کی ایجھائی کُرا کی کا انخصارغذا پرہے۔ اگر میٹ بین حرام غذا جائے گی نوح ام کا موں کی صورت میں ہی برآ مدموگی ۔ اوراگر فصنول اور منرورت سے زیادہ غذا پہیٹ بس داخل ہوگی تو وہ فضولیان کے اڑکا ب کی صورت بس ہی را مدموگ غذا گوبانخم ہے۔ ادرا فعال وا قوال اس تحم كا بردا ہي جو تخم كے مطابق اكتا ہے۔

نیسسری افت برے که صرورت سے زیادہ کھاتے سے علم ونہم میں کمی دا قع ہوتی ہے۔ كبونك ممرك واناني اورزبرك كوختم كردبتى سب يحضرت داراني رحمة التذنعاني علين بالكارس فرما با ہے ۔کہ اگر تو دنیا اور آخرت کی حاجت وصرورت بوراکرنے کا خواہش مندہے نوخالی بیب است بوراكسنے كى كوسٹس كر ببب بھركم كھا لينے كے بعد عفل اور فيم ميں فتور بدا ہوجائے گا۔ بدبات ہر بخربہ کاربرظا ہردواہتے ہے۔

جوتھی افت ، ببی بھر کھانے سے جادت میں کمی واقع ہوتی ہے کیونکہ انسان جنے ب سبر بوكر كمعاينتا ہے تواس كا بدن وجل بوجانا ہے۔ آنكھوں بن ميند بعرجانی ہے، اوراعضاء مست برجانے ہیں کوشش کے با وجود کوئی کام نہیں کرسکنا ، ہروقت زبین برمردار کی طرح بڑا رہے کہ کا کہا ؟ اذاكنت بطيناً فعد نفسك جب زييرُن مائے زيمرا بنے آپ كو

پا بەزىخىرىممە-

مروی ہے کہ ایک دفعہ حفرت بمی علیالت لام نے البیس کود بھیاکہ ببت سے جال اُٹھائے ہوئے ہے آپ نےان کی طرمن انشارہ کرہے پوچھاکر ہرکیا ہے ، ابلیس نے جواب دیا پیشموات کے جال ہی ج<sup>ت</sup> میں بنی آ دم کوشکارکر تا ہوں ۔ آ ہب نے پوچھاکیا مجھے پھانسنے کے بیے بھیان ہیں سے کوئی جال ہے ۽ نواسے که آنبیں، صرف ایک دان آپ نے بہیں بھر کھھانا کھا یا، نزبس نے اس دان آپ پرنماز کو بھاری کر دیا بیمی علیالسلام نے بیس کر فرما یا «قسم خلاکی ، آئندہ بی تھی سیٹ بھرکرنہیں کھا وُں گا' نوابلیس نے کہا " بیں بھی آئندہ کیمی کسی کوایسی بات نبیس نباؤں گا"

بیاس مستی کاحال ہے سے ساری عمریں ایک دفعہ سیر ہوکر کھا یا ، تواس کا کیاحال ہوگا جس نے سارى عمريس ضرون ايك وفع شكم كوكلوكا ركها بكبا ابسانتحض عباوت كى اميدكرسكنا سب ب معنرت مفيان نورى دحمة الدعلين فرايا:

عبا دت ایک نن ہے جس کے سیکھنے کی مگرتنمائی اورخلوت ہاوراس کا ہتھیار کھوک ہے۔

العبادة حرفة وحانوتها الخلوة والتهاالمجاعة

باً نجویں افت: بیب بھر کے کھانے سے جادت کی حلاوت مفقود موجانی ہے بھنرت صديق اكبروضى التُدنعاليٰ عنت مرايا:

ىجىب سىيىسىلمان ئۇامو*ر كىجى بېيىپ بھركەنى*يى كمعايان باكه عبادت كي ملاوت نصيب بو-اور بب برمسلمان مواموں کھی سرموکر نبیس پایب تعالیٰ کی ملاقات کے شوت سے۔

مأشبعت منذا سلمت لاجد حلاونا عبادنا ربى وماسروبيت منذاسلمت اشتياقا الى لقآء

ا دريصغات الم كشف كي بن يحفرت صديق رصني الترتعالي عندي مكاتفين مي سي تقے اسى مكاتف

كى طروت معنور على السلام نے ابنے اس قول میں انتارہ فرایا ہے:

ماً فضلكم ابوبكر بفضل صوم و الإكرنماز بوزك بنا يرتم مع انعنل نيس بكر

لاصلوة واندا هوتنئ وقوفى ان كالدلاكك شع جبوان كانفييت

نفسه باعث ہے۔

حضرت دا را نی رحمته الله تعالی علیہ نے فرایا ہے کہ:

احلى ما نكون العبادة اذا التزق يسجادت يس ملاوت سي زياده اس وقت

بطنی بظهری -

المن الأوارد

جیھٹی افت : خوب بیٹ بھرکھانے بی وام یا شبے مے طعام میں بڑنے کا خطوہ ہے کبونکہ جلال اتنا وا فرندیں لمنا بلکہ معمول گزارہے کے موافق ملنا ہے بنبی کریم ملی الشدنعا لی علبہ ولم سے روابت ہے کہ آب نے فرمایا :

ان الحلال لا بانيك الآفوتاً ، و ملال مُذَا تجميني الم كُر معولي كذار م

الحواه بانيك جزافا جزافاء كموافق اورطم ترعياس بقائاته

سا تنويس أفنت: ففنول ملال كرجمع كرنے بجراسے تياركر في اور كيم كھانے بي ول اوربان

مشغول ربتا ہے۔ بھراس سے فارغ مونے اور فلاصی بانے بی معروف ربتا ہے۔ بھراس سے پیا

بونے والی خرابیں سے سلامتی کی کوشنٹن کرتا ہے۔کیز کمدزیا وہ کھانے سے برن میں خوابی پدا ہوتی ہے۔

بلكه ديني لحاظ سي تفواس سعيزارون خرابيان اوراً فات ببدا بوقى بين ينى كريم ملى المتدتعالى عليدة السلم

کاارشادگرامی ہے:

اصل كل داية اليرد لة واصل كل بربيارى كاصل برمنى باوربرملاج كى

دوا پرالازمة -

حسنرت مالك بن وبيار فرما ياكرت نفي :

يا هؤلاء لفند اختلفت الى الخلاء ليوكر المحصبيت الخلاك طرت زياده آنامانا

حتى استحييت دبى بسبب كثرة برتا بهان ككرزياده كهانے سے مجھ

marrat.com

ا بنے رہے نظرم آئی کائش انتدنعالیٰ بھری روزی كنكريون مين كردتيا كريم انبين چوس بياكريابيان كه مجھے موت آجاتی۔

الاكل ياليتان الله جعل رزق في حصاة امصها حتى اموت

پھراس مرمن کی روسے ونیا کی طلب کرنی بڑنی ہے۔ بوگوں سطع اورلابے کرنا بڑتا اوراسی خور دو زین کی فکرمی وقت عزیز ضائع موجاتا ہے۔

الشهوس افت: آخرت بس صاب دكناب كى بون كيوں اورسكات بوت كى تندت كا باعث مبی بیٹ بھر کر کھانا ہے۔ روایات بس آیا ہے:

ب*نیک سکوا*ت موت کی نشدت دنیا کی لندنوں كے مطابق ہے توجس نے زیادہ لذین کھائیں اسےزرع کی سکلیف بھی زیادہ ہوگی -

ان شدة سكوات الموت على قدرلذات الدنبيا ممن اكنون هذه اكثرله من تلك

نوس افت : اس سے آخرت کے ثواب میں کمی دا قع ہوتی ہے۔ اللہ تعالی فرانا ہے: نم اپنی ندت کی چیزیں اپنی دنیوی زندگی بی **صا**ل كر بيكه اوران كوخوب برت چكے بوآج تم كو ذلت لی منزا دی جائے گی۔ اس وجہ سے کہ تم دنیایں ناحق کمترکیا کرنے منسے اوراس وجسے كة نم انها بإن كمياكيت نعے .

ٱۮ۬ۿؠؙؿؗم كَيِبَاتِكُمُ فِي حَبْوتِكُمُ الدُّنيَا وَاسْتَمْتَعُتُمُ بِهَا فَالْبِوُمَ تُجْزَوْنَ عَنَابَ الْهُوْنِ بِمَاكُنْتُمْ تَسُنَنكُ بِمُرُدُنَ فِي الْآرُضِ بِغَيْرِالْحَنَ وَبِمَا كُنْتُمُ تَفْسُقُونَ .

توجس فدرتم دنیا کی لذبیں حاصل کرلوگے آنا حسبہ انون سے کم ہوجائے گا۔اسی ہے جب رب تعالیٰ تے ابیے مبیب باک علی السلام برونیا مین کی توفر ایا اگر تواس کی لذت اٹھا ہے نواس کے عوض نیری لذنبی آخرت میں کم نبیس کروں گا" اس دوایت سے معلوم مماکہ پیھنور کی خصوبسیت علی ۔ ووسرے اگریدان اندنیں ماصل کریں گے تواس کے عوص ان کا آخرت کا حصہ کا شابا اے گا۔ ان ا التذنعالي كافنسل بوجائے فرددمرى بانت -

مروى يت كدابك دفعة عشرت خالدن وإيدرين الشذنعالي مندني عنرت فارد في عظم بني الشر تعالى عنه كى دعوت كى بجب أب كھاتے لگے توكھائے كودى كھ كرفرا يا به توجما ہے بيے ہے۔ اُن فقراء ما برین کے بیے بہت جو فوت ہو جگے اور جو کی سے بھی بیر نہ ہوئے ، صخرت خالات نے ہونی کا کہا ہے جو فرت ہو جگے ہیں ۔ اور ہے ان کے بیے بہت فردوس ہے بھنرت جو ٹے فرا با اگر وہ بنت یا نے میں کا بہا ہ ہوگئے ہیں ۔ اور ہے اس کے عوض اپنا حسد میال دنیا بین لے لیا ہے توان کے اور ہمار سے مرتبے میں بہت فرق ہے ۔

منقول ہے کہ ایک و فعہ صفرت فارون اعظم رضی الٹر تعالیٰ عنہ کو بہا بی محکور ہوئی ۔ آپ نے اس کی مختوب ہے اپنے اس کی مختوب ہے اپنے اس کے مختوب ہے اپنے اس کے مختوب ہے اپنے اس کے منہ لگا باتر اس کے فیڈ بابا ۔ آپ ورک گئے اور آہ کھینچی ۔ اس محمل نے کھا فعد اک قسم بین نے اس کے منہ سے باز رکھا ۔

منہ لگا باتر اسے ٹھنڈ اور معیم بابا ۔ آپ ورک گئے اور آہ کھینچی ۔ اس محمل نے کھا فعد اک قسم بین نے اس کے بہتے سے باز رکھا ۔

منہ ماکر نے بین کوئی کی نہیں جھوڑی ۔ تو آپ نے فرا باسی محمل سے ہی تو جھے اس کے بہتے سے باز رکھا ۔

منہ ماکر نے بین کوئی کی نہیں جھوڑی ۔ تو آپ نے فرا باسی محمل سے ہوئے ۔

اگر آخرت کا خیال نہ ہونا نو ہم بھی تہا دی اس عیش وعشر سے بین ترکی ہوئے ۔

منہ سو بین افت : صرورت سے زیادہ غذا استعمال کر کے جوزک اور برکا ان کا برزا ہونہ اس برزا ہے اس برزا ہے اس برزا ہے گا ۔ برزا ہونہ ہا

د سوبس افت : ضرورت سے زیارہ غذا استعمال کر کے جزرک اوب کا از کاب ہوتا ہے اس پر روز حضر موقت سے نا گدغذا سنعا ک کر روز حضر موقت سے نا گدغذا سنعا کی اور مشرورت سے نا گدغذا سنعا کے کرنے پر نظر موقت بیں روکا جائے گا اور ملامت کی جائے گی اور شہوات کی طلب پر کوسا جائے گا ۔ وزیا کی مطالب چروں کے استعمال کا حساب اور اتباع شنہوات پر زجرو تو برسخ کی جائے گی اور حوام پر عذا ب اور اس کی زین استعمال کا حساب اور اتباع شنہوات پر زجرو تو برسخ کی جائے گی اور حوام پر عذا ب اور اس کی زین استعمال کا حساب اور اب دی جس سے گا ۔

یہ دس آفات ہیں جن بی سے ابن نظر کے بیے معنرت میں صرف ایک بھی کافی ہے۔

اسے بادت بین کوشش کرنے والے الجھ رہرام اور شبہہ کی غذا سے بر ہمبز کرنا منروری ہوار رزق کے معاملہ بن سخت اختیاط کی منرورت ہے تاکہ دورخ کے عذاہیے بجات رہے۔ اسی طرح عنور سے زیادہ ملال کے استعال سے بھی اجتنا ب لازم ہے تاکہ بندہ کسی نظراور کرائی بین مبتنلانہ ہو۔ اورتاکہ قیامت کے دن حماب کے بے محتر میں روک نہ لیا جائے ۔۔۔۔۔۔ وائلہ ولی اہتو فیق ۔ سروالی و

جب حرام اورسنبہ سے بجنا آنا صروری ہے تو ہمیں حرام وسنبہ کے حکم اوراس کی خفنت سے جی پورسے طور بزیگاہ کیجیے پورسے طور بزیگاہ کیجیے

جواب إ

میں کتنا ہوں (اسٹرتعالیٰ نیری عمردراز کرے) کہ بس نے حوام وتنبہ کی تفصیلات بوسے طور ر

این آب امرار معاملات دین میں بیان کردی ہیں اور کتاب اسیاء العلوم میں بھی ان تفصیلات بی ایک ایک تنفی بات کی اس کا بیم نیم الله بین میم بیند منروری کلیات کی تعقیمی جن کر میندی اور ضعیف العمالی میں میں بیٹھا سکے کیونکداس مختصر کتاب سے ہما را مفصود ہی مبتدی اور ضعیف العمال میں میں بیٹھا سکے کیونکداس مختصر کتاب سے ہما را منفصود ہی سے کہ مبتدی کو خاص طور پر فائدہ ہم فاور اسی طرح ہر طالب دا و آخریت اس سے استفادہ کر کے۔
بعض مکی منے حام کے تعلق یہ کہا ہے کہ:

ہروہ شےجس کے تعلق تجھے تین ہوکہ یہ غیری کک ہے اور بغیراجا ذہت تشرع اس میں تصرت کا جا کڑھے توالیسی بجیز حوام ہے۔ اجا کڑھے توالیسی بجیز حوام ہے۔ ، كل ما تيقنت كونه ملكاللغير منهياعنه فىالتنهع فهوحرام ـ

مین اگراس کا بقین نه ہو بلکہ کمن غالب ہوکہ بیغیری مک ہے توابسی چیز نشید والی چیز ہے۔ اور بعجن نے حوام کے نتعلن بیکا ہے کہ ہروہ شخص کے نتعلن یقین ہو با بلن غالب ہو کہ بہ غیر کی ہے تواس کا استعمال حوام ہے کیونکہ نشرع نے بہت احکام مین طن غالب کو بھی فیبن کے۔ مدر مردد اس

ُ فَائِمُ مُفَامِ *کِیاہے*۔

ادراگرکسی شے کے حوام با حلال ہونے بین نک ہوا وراس کے جواز با عدم جوازی دونوں جاب برابر ہوں ۔ بیان نک کہ نم اس حذ تک تنک ویں بڑجاؤ کہ حِلّت وحرمت کسی طرف کو ترجیح نہ دسے کو تو ہے شہرے کی غذا ہے کیونکہ اس میں بیعبی شبہ ہے کہ حوام ہو ۔ لہٰذا ابسی غذا کا معالم شنتبہ اوراس کا حال غیرواضی ہے ۔ بیسے کی غذا ہے کیونکہ اس میں بیعبی شبہ ہواس سے احتمال بر میں ہے وجس کی حرمت بی شبہ ہواس سے بر ہم برابر کے دونوں افوال میں سے اس دوسرے فول کو فوقیت حال ہے۔ میں اور میں اور میں اور میں کے اس میں ال رہ

اس زمانے کے با دنیا ہوں کے انعامات و تخالفت قبول کرنے کا کیا حکم ہے ؟ سجوا سے:

اس مشکہ میں علما برکا اختلاف ہے بعض کتنے ہیں کہ جس ال کا حرام ہونا یفینی نہیں اس کے لینے اور فغبول کرنے ہیں حرج نہیں ۔اس کے برکس بعض دوسر سے علماء کرام یہ فرمانے ہیں جس ال کا صلال ہونا واضح ادر تقیبنی نہ ہموا سے لینا اور فبول کرنا درست نہیں کیونکہ اس زمانہ کے سلاطین کے باس اغلب حرام ال مِنَا الله على الصلال بانز بالكل الباب الكل المورس

ادر علما ، کی تمبر ترجماعت بیکنتی ہے کہ سلاطین دفت کا مال غی اور فقیر سکے بیغ قبول کرنا درہت ہے جہ جبکہ اس کے حوام مونے کا یغیبی نہ مو۔ اگراس مال میں کوئی خوابی ہوگی تواس کا گناہ وہ بیغواسے کے سرجہ ۔ ان کی ولیل یہ ہے کہ حضور نبی کریم صلی الشر تعالیٰ علیثہ آلہ ولم نے ماکم اسکندر پر منفوض کا ہدیہ قبول فرایا۔ حالانکہ وہ غیر سلم تھا نیز حضور علیہ لصلوٰۃ والتلام نے ہیود مدمینہ سے قرمن مال یا۔ حالانکہ وہ غیر سلم تھا نیز حضور علیہ لصلوٰۃ والتلام نے ہیود مدمینہ سے قرمن مال یا۔ حالانکہ استہ تعالیٰ نے فرآن کریم میں میو دیوں کے تعلق فرایا: اکا گؤت کی المشیقیت بعینی ہیود مدمینہ انتہا ورجے کے سالم خور ہیں۔ ان حضرات کی یہ دلیل بھی سے کہ مبت صحابہ نے طالم حکام کا زما نہ بیا یا اوران سے ہدیے سے خوج وغیرہ قبول کرنے رہے ، اس سلسہ ہے ہے ابو ہریو ہوئے حت ابو ہریو ہوئے حت ابن عباس اور حضرت ابن عمراس اور حضرت ابن عمراسی میں میں اسکنے۔

اس کے برعکس دوسرے علما دیر کتنے ہیں کہ ظالم حکام سے مال قبول کرناکسی غنی وفقیر کو درست دوا نبیس کیونکمہ از کا بطلم کی وجہسے ہی ان کا نام ظالم ٹرچکا ہے اوران کا مال غاباً حوام ہی موتاہے۔ اوراع تبارا مرغالب کا ہوتا ہے۔ لنذا ان کے مال سے اجتناب منروری ہے۔

بعض دوسے یہ کنتے ہیں کہ من مال کی حرمت نفینی نہ ہواس کا استعال فقیر کے لیے درست ب غنی کے لیے درست نہیں ۔ ہاں اس سورت بی نغیر کے لیے لینا بھی درست نہیں جرکہ یفین ہوکہ یوھئیں مال ہے۔ صرف ماس نبیت سے یہ مال بینا درست ہے کہ اس سے لے کرما لک کو دے۔

ان علماء نے به بھی کہا ہے کہ فقیر کے لیے سلاطین وفت کا مال فبول کرنااور استعال برلاناور رست اوراگر مال فی مرا اور روا ہے کہ برنکہ وہ مال یا توسلطان کا اپنا ذاتی ہوگا تو اس کے فبول کرنے بیں حرج نہیں ۔ اوراگر مال فی مرا عاضر کا بوتو اس میں بھی نشر عًا فقیر کا حق ہے ۔ بوں ہی اہل علم بھی سلاطین وقت کا دیا موًا مال بینے یا خواج یا عضرت کا دیا موج کا دیا موج کہ فرمانے ہیں : تقروف میں لاسکتے ہیں بحضرت علی مرتضی کرم الشہ وج کہ فرمانے ہیں :

"بوشخف اسلام بین بخوشی ما حل بورا ، بھر فرآن کریم کی تلاوت علانیدکرتا ہمروہ مسلانوں کے بیت المال سے سالا مذور ترم بلینے کا سخ دار ہے ۔ ایک روایت بین دوسودیا کا مخت دار ہے ۔ ایک روایت بین دوسودیا کا شخصی اسے بین سے گا تو آخرت بین ہے گا "

اورحب معالمه يه ب ترفق اورعالم اليه مال ك حفلاريس - نؤوه ا بنا حعقه ال كان بي

عطاد نے یہ بھی نہا ہے کہ اگر کسی کا ال غصب ال سے اس طرح کرل لِ جیکا ہوکہ تمیز مشکل ہو باکسی ساطان کے پاس غصب کا ابیا ال ہوجیں کے الک اور الک کی اولا دم حکی ہوا ور وابس کرنے کی کوئی صورت بیں فلاصی باسکتا ہے کہ اسے سید تھ کر دسے ۔ تواس صورت بیں فلاصی باسکتا ہے کہ اسے سید تھ کر دسے ۔ تواس صورت بیل یہ نہیں کہ اسٹے سید تھ کر دے کا حکم دے اور ففیر کواس کے قبول کرنے سے منع کرے کیا فقیر کو دہ ال فقیر کو دہ ال اس کے بیے حوام ہو . تواسے مال میں فقیر کو لیسنے بانہ لینے کا اختیاں ہے۔ الفتیاں ہے ۔ الفتیاں ہے ۔

مگابیے سائل بم علماء کوتمام شقوق میان کیے بغیرادر بوری فقیس بیان کیے بغیرنزی دبن جامزنہ بیں۔

اگرنہاس کتاب ہیں بیاں اسی سٹلے کی تفصیل بیان کرنا نٹروع کردیں توہم ابنے تفصد سے دورجا پڑیں گے بیخ تخص اس کی پرن تفقید لات معلوم کرتے کا خوامین من مرووہ ہماری کتاب اجباء العلوم کے باب ملال وحوام کا مطالعہ کرہے۔ اس بی اس مسئلے کی بوری وضاحت ل جائے گی۔

سوال:

امراءاور ابروں کے تحفہ نحافت کا کیا حکم ہے ، نظراءاور علماءکوان کے ہر بے و تحفے قبول کرنے جائز ہیں یا نہیں ، با وجو دیکہ بدلوگ حسولِ مال ہیں ہے اختیاطی اور اس کی حبلت و ترمت یں بوری عزروا سنجا ما سے کام نہیں لیتے ۔ اور اسی طرح عام دوستوں کے نخفے شخانف کا لینا ورست ہے یا نہیں ہوں ،

جواب:

جب کسی انسان کا ظا برحال ییک مواوراس می کوئی نشری خوابی معلوم نه مونوابسے خصر کاعطبہ
یا صدفہ قبول کرنے بیں کوئی موج نہیں۔ اوراس طرح کی کھود کر بین شرعی طور برلا زم نہیں کہ زانہ جُر سیکا
ہے اور لوگوں میں صلال و موام کا فرق اُ کھ گیا ہے اس بیے نتا بدید صدفہ بھی موام ال سے مو کیونکہ ایسا
بیال سدفہ دینے مالے کے می میں موبلی ہے ہو ورست نہیں۔ بلکمسلمانوں کے تعلق نیک گان
رکھنے کا حکم ہے۔

بعرعطبات ومعندقات کے ہارہے یں اصولی بجزیبہے کہ سرجیز کے متعلق ایک تنری مکم اور

ظ برنزربيت كافيصله بوتا ب وورزانقوى كاحكم اوراس كاخل -

تشرعى مكم نوبه سب كه هروه صدقه باعطبه فنبول كرايا جائع جس كاظا برودست بوراو إس كيعد كوئى نفتيش ندى جائے - ہاں اگراس مال كے سوام يا عسب ہونے كايفين موزو بمبرديا جائز نبيں -مر تقوی بید ب کر بورئ تعین دنفتیش کے بغیرسی سے تطعا کوئی چیز ندلی جانے اگراس بی ندوجی شبه كا كمان بوتوردكرديا مائے - اس يے كەسىخىرىن ابوكرىمىدىن رىنى الله تقالى عشەسے رواين سے كە:

ايك دفعه آبك غلام آب كى خدمت يى دو دعوايا سینے اسے بی یہ علام نے عمن کی میں پیلے جب بعی کرئی بجرا ب کے پاس لانا تھا قدا باس کے منعلن دريا فت فرما ياكرتے تقطيكي بن دورھ كي تعلق آ بي كوئي استغسار نيس فرما يا . تواس وتت آہے پوجیایہ دو رہ کیساہ ، غلام نے جواب دیاکدیں نے زمانہ جالمیت یں ایک ہمیا۔ فما بقى فى العروق فأنت حسبه . تدى بنتر بيونا تفاج كمعاوض بي

ان غلاماً له اتاً و بلبن فنشربه فقأل الغلام كنت اذاج ثمت بشئ نسالنىعزه ولعرلعرتسألنىعن هذا اللبن تقال ومانتصته نقال رتبيت توماني الجأهلية فأعطوني هذا فتقبأ ابوبكرالصدبق رضيالله تعكانى عنه وقال اللهم هذكا ندرتي

دودهآج انبول نے دیا ہے جفترت معدیق اکبرنے بین کرانے ملت: ب انگی ٹرالی اوراُسے تھے کردیا۔ قے کے بعد آبنے نمایت عابزی سے دربالائی بی حرض کیا سامے بیرے مولی اجس بیمی فار نغارہ یں نے کردیا۔ اس کا تھوٹل بہت تصتہ جردگوں ہیں روگیا سے وہ معان فرا دے۔ یہ روایت اس بان کی تری دہیل ہے کہ تفوی برنظر رکھنے واسے تشخص کے بیرے وری ہے کہ غذا کی پر ری طرح جھان بین کرسے اور پھراسے استعال بیں لائے۔

تسادساس ببان سے نابن موا ہے کانقوی حکم شرع کے خلاف ہے ،

جاننا چاہیےکہ طا ہرنٹرو اسانی وسولت پرمعبی ہے ۔اسی ہے نبی سی اٹ تعان علیہ الدولم نەسىرايا: عى آمان دربرباطل سے جلاندمب بي كر مدي دور

بعثن بالحنيفية السمحة

ا و تقوی شدت وا متیا طربهبی ہے کما گیا ہے کوتنقی کا معالمہ دو مری ہزار دل پیمپیدگیں ہی مینیف سے ذیا وہ مخت ہے۔ پھریے خیال نہ کروکر تقویٰ شرع سے کرٹی علیمدہ پھیزہے بکدا مسل میں و زل ایک بیں کیکی شرع کے حکم دو ہیں۔ ایک جواز کا حکم اورایک احتیاطوا نسلیت کا حکم ، جا گڑھ کم کو کم شرع ، ایک بھی فیرے ایک اوج د اوران نسلیت کا حکم ، جا گڑھ کم کو کم شرع ، اوران نسلی و زبادہ با احتیاط حکم کا نام تقویٰ ہے۔ تویہ دو فول حکم ایک دو سرے سے جدا ہونے کے با وج و احسل میں ایک ہیں۔ اس فرق کو ایجی طرح ذہن شین کر لیں۔

سوال:

جب ہرشے کہ تنین اور مجیان بن صروری ہے تواس زمانہ مرکسی پیز کو بھی استعال کرنا صاحبے گی کے بیشنگ اورنسا دستے خالی نہیں۔ حالا کہ صروری چیزوں کا استعال اس کے بیے لاڑی ہے۔ حدا حدی

جانا چاہیے کہ تقوی ایک سخت داست ہے بیٹون اس بہت کا را دو کرے اس کے بیے مزوق ہے اس کے بیام زول ہے اس کے باعث بہت سے الم تقوی اور تنفد بن صوفیا بشروں و آبا یوں کرجپوؤ کر ماہنان پر بیلے گئے ۔ اور ساری محرکھا س اور گئی جبل وغیرہ کھا گزاری جن بی کہ تیم کا شبہ نیس ۔ تو نقوی کا مرتبہ مامن کرتے گجس بی مہت ہوا ہے جاہیے کوشکلات ومصائب اور حوادث کو برداشت کرے اور ان مندرجہ بالاحضرات کا طریقہ اختیار کرے بیکن ہو کرے اور آفات کے میٹ ہور کہ بر برجودہ استعمال کرتے ہیں تو اسے جا ہیے کہ تاقیل کرے دیا تاقیل کرتے ہیں اور استعمال کرنے ہی بردر استعمال کرنے کی اجازت سے مرضا سی قدر پر اتفال کو استعمال کرنے جنا اس کے بیام بیاری تاقیل کو جس سے افتہ تعمال کی عبارت قائم کہ سے ۔ اس قدر استعمال کرنے کی اجازت سے مرضا سی قدر پر اکتفاک جس سے افتہ تعمال کی عبارت قائم کہ سے ۔ اس قدر استعمال کرنے میں جمنے میں جس کے گا ۔ اور بیا ندازہ اس کے بیام منہ مرکا ۔ اگر جاس میں کہتے ہم کا شبہ ہو ۔ اس لیے حضرت حس بھری جمتہ استمال میں تیزام کے گا ۔ اور بیا نوازہ میں کہتے ہم کا شبہ ہو ۔ اس لیے حضرت حس بھری رحمتہ الشر تعالی عابیف فرایا ہے کہ حسد مالائد ہوتی فعلیک کو بالقوت ذریجہ ) جو نکہ ازاروں ہیں جوام دِ مطال میں تیزام کے گا ۔ اس لیے دری میں جوام دو مطال میں تیزام کی گا کو اس لیے دری میں جوام دو میں مرام دو مطال میں تیزام کی گا ۔ اس لیے دری میں جوام دو میں ج

بیں نے سا ہے کہ معنوت وہب بن در گالک ایک یا در دو یا تبی تین دن مجو کے دہنے تھے ، پھرا یک دوئی میضے تھے اور دعا کرنے تھے :

اللهدانك تعلدوانى لااقوى على اللهدان واختى المنعف على العبادة واختى المنعف والا لحراكله اللهدان كان فيرم شيء من خبث اوحرا مرف لا تواخذنى به تديبل رغيفه تواخذنى به تديبل رغيفه

بالماء تُدرياكله ـ

اسے اللہ توجا تا ہے کہ بی بغیر فلا کے تیک جادت کی طافت نہیں رکمت اور مجھے کردی کا ڈر ہے۔ اگرایسا نہ ہوتا تو بی بیمی کمآ ا اسے اللہ اگراس دولی میں کوئی خوابی پارام بوتوجھے اس کھائے چنہ کچڑنا۔ یہ دعاکہ لے بوتوجھے اس کھائے چنہ کچڑنا۔ یہ دعاکہ لے کے بعد آب روٹی کوپائی میں بھٹوتے تھے، اور کھائے تھے۔

یں کمتا ہوں کہ یہ دوطریقے اہل تقویٰ بم سے بند تقویٰ والوں کے ہیں بیکن جولوگ ان سے تقویٰ میں کم ہزب ان کے سیے اپنی وسعت کے مطابق احتیا طومزدری ہے جتی ان بم احتیا طربوگی ای قدا نہیں تقویٰ سے صد ملے گا مشہورت ال ہے کہ مجتنی محنت وکوسٹسٹ کرو گئے اتن ہی تمییں اپنی مراد برگا ہیا بی مورث کی سے صد ملے گا مشہورت ال ہے کہ مجتنی محنت وکوسٹسٹ کرو گئے اتن ہی تمییں اپنی مراد برگا ہیا بی مرگ ۔۔۔ اورا سٹر تعالی کسی نیک عمل کرنے والے کے عمل کرمنا نے نہیں کرتا ، اور لوگر کو کھر می کرنے ہیں وہ سب کچہ جانتا ہے ۔۔
مسوال:

مندرم بالابیان توحام چیزوں کے تنعلق نفا۔ ذرا ملال کے تنعلق بھی بیان کردیکھیے کہ کس مد کساس کا استعال فعنول بیں داخل نبیں اورکس حدیہ جاکر وہ نفتمل کے حکم بی داخل ہوتا ہے جب کے
باحث دوز قیامت بندسے کو سائے بیے ددکا جائے گا اور ساب بیا جائے گا۔ اور ملال کے ستعمال ک متعب درمنا سب مقلار کیا ہے جو نغمل میں داخل نبیں اور جس کا ساب وفیرہ نبیں ہوگا ہ متعب درمنا سب مقلار کیا ہے جو نغمل میں داخل نبیں اور جس کا ساب وفیرہ نبیں ہوگا ہ

مباع تین تم ہے - لیک وہ جو تحزیمیا ہات، بڑائی اور نمائش کے طور پراستعمال کیا جائے۔ ایسے استعمال کا عزور قیامت کے وہ صحاب ہوگا اور اس کے حمال کے بیے عزور وہاں روکا جائے گا۔ اور استعمال کینے والے کو طامت اور شرم دلائی جائے گی۔ ایسا استعمال خلاتعان کو ناپسندا ور کراہے۔

اورايسا استعال بندسے دل بن برائی بيداكرتا ہے بعنی فخزاور بڑائی وغيره جوعداب دوزخ كا بائن ہے اوراس طرح سے استعمال کا الادہ معصیت اورگن ہ ہے کیونکہ اللہ تعالیٰ نے قرآن مجیدیں ایک عجمہ

دنباكى زندكى تومعن كميين كود دنبيت وذببائش مال واولا دبس فخزوغ دراوراس مي كترنت جاہنے کا نام ہے۔

إِنَّكُمَا الْحَيْلُونَ الدُّنْكَاكِعِبُ وَكُهُونَةً زِيْنَهُ وَكَنْفَا مُحْرَوْنَكَانُوْفِ الْاَمْوَالِ

ا ورنبی صلی الشدعلید ولم کاارشا دسے: من طلب الدنبراحلالا مباهيًا

مكاثرًا مفأخرًا مرائبيًا لقى الله تعالىٰ وهوعليه غضبان ـ

جوبا <sub>؛</sub> ت بڑائی ۔ فحزاورنمائن کی خوض ملال کی طلب کریگا وہ بیامن کے دن خدا كواسبنے اور عصے اور خفت سب ناك بائے گا۔

تومندرجه بالاتا بن وحديث بن ايسي تفصدوارا دسے پروعيدسناني كئي ہے -

مباح کی دومری ضم وہ سے جس کا استعمال محف نشہوت کے طور رپہ ہو۔ ایسا استعمال ہی دا ہے جس پر روز فیامت مبس وحساب ہوگا کیبو کمہرب نعالیٰ کا فرمان ہے :

بھرتم سے منرور نعمتوں کے متعلق سوال ہوگا۔

نَحْمَ لَلَّهُ مُنْكُنَّ بَوْمَ بِإِنَّا لِنَعْيُمٍ م

ا در زی صلی اجته زنعالیٰ علیہ وہم نے فرما باہے: وَكُلَاكُهَا حِسَابٌ -

اور حلال کے استعمال بیدر دز قیامت مصاب ہوگا۔

ملال ومباح كى بيسرى تسم يد ہے كم مجبورًا قدر صرورت شے استعال كى جائے يس سے رہنا ليٰ کی عبادت بجالانی مباسکے ۔ اننا انداز دہی بہتر بستعب اور مناسب ہے ۔ انتضاسنعال برکوئی حما وعذاب دعيره ندس موكا علكه أننا فليل استعمال تراب اورمدح كا باعت ب كبونكمه التأدنع الى

ان درگوں کے بیے حصتہ ہے اس سے جوانوں نے کمایا۔

أُولَلِكَ لَهُ مُ نَصِيبُ مِمَّاكَكَ كَلَهُ مُ اورنبی صلی الله تعالی علیه الدو المسلم نے فرمایا:

جس نے موال سے بچنے کے بیے اورلینے مما کے

من طدر، الدانبا حلالًا استعامًا

كى الدادك ليے الدا بنے ميال كى پرورسش کے یصے ملال دنیا طلب کی قیامنے روزاس کا پہرہ بچ دھویں رات کے جاند کی طرح جک عن المسئلة وتعطفا على جارة وسعيباعلى عيراله جآء يوهر القيامه ووجهه كالقسس ليلة البدرر-

اليسے بندسے كى يەنثان ونفيلىت اس ليەسے كەاس كا بتصدوالادە نيك اورخانعى الله تغانى كے يىے

#### سوال:

ودكيا نثرائط ببرجن كمصخ لا كمضف سيصمباح كااستعمال نيرادرنبكى بن حا ناہے ۽ جواب:

مباح اور ملال انشیاء کا انبیاء کا استعال دونشرطوں سے نبکی اور بنیر بنتا ہے: ایک حال ورسرا فتسدوادا وه

حال سے مرادیہ ہے کہ ملال وبراح کو برقت عذر وجبوری استعمال کیا جائے عذراور مجبوری كى صورت يەسى كدا بىلىمونغ بوكداگر حلال كواستغمال بىي نەلايا جائے تومتر مَّا گرفت ہو وواس طرح كم بماح ستے كے استعمال نہ كرنے كے باعث بدن انالاغ ہوجائے كہ فرحن ، سنت بانفل ادا نہ كرسكے ۔ تولیسی صورت بین مباح کاامنعال زک مباح سے انفسل ہے۔ اگرچ دنیا کے مباحات کو بھی سنعال ہیں ندلانا بنترا ورافضل ہے گرعذر کی صورت یں استعمال ہی بہتروافضل ہے۔

مغصدوا را دسے مرادیہ ہے کہ حلال کے استعال سے تقصود مفراخ زن کا نوشہ تیا رکزیا اور عبادن فداوندی کی قون واستطاعت موراس طرح که استعال کے وقت دل بی بیر بات لائے که اگر میرا مغصود خلانعالی کی عبارت مذمونا نویس اس کوامتعمال نذکرتا . بداس کے استعمال کی دوسری وجیب توجس مباح كے استعال بس بير دونوں امر بائے جانيں گے ايسا استعمال ستحب بنكى اور خيرشمار موگا۔ ا وراگرکسی منقام برحانت مذر تو بوگرمندرجه بالا قصد وا دا ده نه بو . یا قصد وا را ده نوم رگرحانت عذب بذمونوو دان مباح كالسنعال نيكي يامستخب مين شمارنيين موگا بعراس بی و درجه استجاب برانتفامت کے بیے بعبرت اور نیک اراد سے کی صرورت ہے.

یعنی جب بھی ملال یا براح نئی کواستعال بیں لانے لگے تو پرتسد کر سے کہ یں جادت کی فرت کی فرف سے اس کواستعال کرنے دگا ہوں۔ اگر کمیں ضدا نخواستداس نصد سے سوہوجائے تو یا دائے پر کرے۔ ہمار سے نیب حرحت اللہ تعالیٰ علیہ نے فرایا ہے کہ بیمان مین امور ہمیں گئے جن کا اعتبار کرنا صروری ہے۔ دونو اس استعمال کوئیل میں واضل کرنے کے بیے بعنی اوا وہ اور مالت عذر اور تمیرا ہمیشداس تصدارا واجی اور حالت عذر اور تمیرا ہمیشداس تصدارا واجی اور حالت مندراور تمیرا ہمیشداس تصدارا واجی اور حالت میں بھالو۔

#### سوال:

ملال کاوه امنعمال جوشهرت کی غرض سے موکیا معصیت اور باعث عذاب ہے یانہیں ؛ اور کیا حالیت عذریب مباح شیے کا امنعمال فرص وضروری ہے بانہیں ؟

#### جواب:

مانت عذری امرمهای کا استعمال انفعل نیم اورسخب بے فرمن اور واجب نہیں ۔ اور شهرت کی غرص سے جواسنعمال ہر وہ بُرا اور نا بہندیدہ ہے ، اوراس سے مما نعت زجرواسخباب کے طور پرہے ۔ بیعیب نیا عذاب کا باعث نہیں ۔ ہل دوز قیامت اس کے صاب کے لیے بند کے مورد کا جائے گا اور اسے طامت کی جائے گی اور شرم دلائی جائے گی ۔

#### سوال:

يمبس وجهاب كي بيزين بيرجن كابندس كوما مناكرنا برسعگاء

#### جواب:

حاب یہ ہے کوفیا مت کے دن تم سے پوچھا جائے گا کہ تم نے یہ شے کس طرح ماصل کی اور اسے کماں خرچ کیا اور کس نیٹ سے خرچ کیا ؟

اورمبس پیہ کہ صاب لینے کے بیے جنت بیں داخل ہونے سے دوک دیا جائے گا۔اور پر مبس میدان محشریں موگا بجب تمام مخلوق میردمشت جھائی موگا ورلوگ نگی اور بیاس کی ماات میں کھوے ہوں گئے۔اور پیست بڑی آزائش کا وقت ہوگا۔

#### سوال:

جب الشرتعالى نے ملال كے استعال كى بميں اجازت دى ہے تويد لامت اور شرم دلاناكيوں

9 65

#### جواب:

بہ طامت اور عار دلانا ترک ا دب کی وج سے برگا۔ جیسے وہ تخص جو با دنشا ہ کے دمنہ خوان پر جیسے اورا دب کو کمخوطرنہ دیکھے تواسے طامت کی جاتی ہے اور تشرم دلائی جاتی ہے۔ اگرجہ وہ طعام اس کے بیے بہاح اور جائز ہوتا ہے۔

مختفرید که الله نفائی نے بندے کو جها دت ادر بندگی کے بیے پیدا فربا ہے اس بے بندے پر الازم ہے کہ ہرا عتب ارسے اس کا بندہ اور خا دم رت ادر مرض کو خدائی مونی کے مطابق کرے راگر وہ جو ادت باس کی دمنا کا خیال ندر کھے بلکہ اپنی شہوت کی بیروی کرے اورا بنے دب کی جها دت و بندگی سے دوگر دان ہوجائے مالانکداس میں دب کی بندگی دعبا دت کی طاقت بھی موجود موکوئی بندگی سے دوگر دان ہوجائے مالانکداس میں دب کی بندگی دعبا دت اور خدمت کی جا دت اور خدمت کی جگر اسے اور یہ دنیا ہے بھی جا دت اور خدمت کی جگر دان کے ہوئے موئے شہوت کی بیروی کرے وہ وہ فرود اپنے مالک و مولی کی طرف سے طامت و بھیزوں کے ہوئے موئے شہوت کی بیروی کرے وہ وہ فرود اپنے مالک و مولی کی طرف سے طامت و عارکا سرا دار ہزا ہے ہے۔ وہ کا دیکا وہ کا گربا ملکھ انگیا العظیری العظیری ا

یسی مقاوه معنمون جوم خاس کاب بین اصلاح نفس کے تعلق بیان کرنا نقا اس بید اس معنمون کواینے زم نول بین محفوظ کروا وراس بیمل کرو- ان نشا دا نشر تعالی دو ترب جمان بین مغیر کنیر کے مالک بن جا وسکے سے فائلہ وئی العصمة والتوجیق بفضلہ۔

### فضُل

نوا سے عزیز ابھے پر لازم سے کہ اس طوبل اور سخت گھاٹی کو عبور کرنے ہیں پرری کو سنست مریب مریب کرے۔ کبونکہ اسے عبور کرنا زیا وہ شکل اور محنت طلب ہے۔ اور یہ گھاٹی ننتوں سے برزیہ کیونکہ جو بھی راہ محق سے سخر صن ہو کہ جو بھی راہ محق سے سخر صن ہو کہ جو بھی راہ محق سے سخر صن ہو کہ جو بھی راہ محق سے سخر صن ہو کہ جو بھی راہ محق سے بی ہو اسے بی ہو اس محل ان اور سم ہے ابنی کتب اسے اوالعلوم "اس محل ٹی کو جور کرنے ہیں کا نی مدد و میں اس تھے واقعات و مسائل محریر کیے ہیں جو اس محل ٹی کو جور کرنے ہیں کا نی مدد و سے ہیں۔

اوراس کتاب میں میرامقصودیہ نفاکہ اللہ تھا کی مجھے معالیہ نفس کے رازا درمیری اعلاح اور بہت فرری اعلام معانی کے فریع اصلاح کے طریقوں سے آگاہ کردہ ، اس بیے بیں نے اس کتاب بی مخفر گرتمام معانی کے جامع نکتوں بہت کا دریفیس نکتے جامع نکتوں بہت کا داور نیفیس نکتے ہاں شامانی میں مؤرکرے گا وہ انہیں کانی بائے گا ، اور نیفیس نکتے ہاں شامانی منرورا سے راہ حق کی طرف رہنمائی کریں گے۔

ادرینصل دنیا ، مخلون ، نفس اور نبیقان سے خلاصی دینے والے کتوں کے ساتھ مخصوصے تواسے عزیر اِ علائی ونیا سے حدر کرنا اور زبراختیا رکزنا بخصر بلاذم اور منروری ہے کیونکہ نر نین مال سے خابی نبین مال سے خابی نبین :

دا) یا توزماحب بعیبرت اورصاحب عقل ہے ۔۔۔۔۔ نوببرسے لیے بہی کافی ہے کہ دنیب اسٹر تعالیٰ کی دنیب اوراللہ تیرا دوست اور جبیب ہے ۔ اوراللہ تیرا دوست اور جبیب ہے ۔ اور بہ کہ دنیا تیری عفل کوئننشر کے والی ہے ۔ مالا کم عقل ہی انسان کا اصل جو ہرہے ۔

ر ۲) اور با توصاحب بهت اورعبادت میں کوشنن کرنے والے لوگوں بیں سے ہے۔۔۔۔ نو تیرے بیے ہیں کافی ہے کہ دنیا اپنی نحوست بیں اس حذاک بہنچ چکی ہے کہ وہ عبارت کے ارا درمے سے بازرکھتی ہے۔ اوراس کی فکر مجھے بندگی واعمال بخبرسے روکتی ہے جب دنبا کی فکر باعث رکاوٹ ہے تو خود دنیا کس فدر رکا وٹ کا باعث ہوگی۔

(س) اور یا توا بل عقلت بی سے ہے ۔۔۔۔ یعنی مجھر بی خقائن کو دیکھنے کی بھیبرت نہیں ۔

اور نہ مجھریں اعمال خیر بجالانے کی ہمت ہے ۔ اس صورت بی نیرسے بید بینی کافی ہے کہ کھنے

ایک ون اس دنیا سے جوا ہونا بڑے گا۔ یا یہ دنیا مجھرسے اجا نک جدا ہوجائے گی جیسا کہ

صفرت صن بھری رحمہ اللہ تعالیٰ نے فرایا ہے:

اگردنباتیرے لیے بانی دہے گا تواس کے لیے باتی نیار سے گا ۔ اس میے طلب دنیا بر کیا فائدہ ایس کی خاراس کی طلب بی ضائع کرنے سے کیا ۔ اس کی طلب بی ضائع کرنے سے کیا ۔ اس کی طلب بی ضائع کرنے سے کیا

ان بقيت لك الدنيا لعرنبى الما فأى فأكدة اذالك في طلبها وانفأق العمر عن يزعليها وانفأق العمر عن يزعليها -

ماصل ۽

ايك عربى شاع تے كيا خوب فرايا ہے:

(1) هبالدنياتساق ايك عفوا الس مصيرداك الى دوال (٢) فمأنزجوا بعيش ليس يبقي وتشبيكا قد تغييره الليبالى

<u>ارم) دمادنیاك اكامتل ظل</u> اظلك تعرأ ذن بأرتغيال

(۱) مان لیاکه دنیا دا فرنقداریس تیری طرف کمینی جارا رمی ہے۔ لیکن کیا یہ ایک من نتانىيى بىرگى ؟

(۲) تجمے اس مین سین سی خینی خونئی کی امیدکیا ہوسکتی ہے جو چیددن کے بعد فناہو جاگی اورحس كاآرام عنقريت كليف اوررنج من نبديل بوجائے كا۔

(۱۷)اس دنیا کی مثال بانکل سائے مبیسی ہے جس میں تو ذرا آ رام کرتا ہے اور معیروہ سابه وبالسص زائل موجاتا ہے۔

توعقل مندکو ہرگز مناسب سنیں کہ اس دنیا کے دھوکے میں اسمے۔ ایک عربی ثناع نے بالكل درست كها ہے سے

أَضْغَاثُ نَوْمِ أَوْكَظِرِ زَائِلٍ إِنَّ اللَّبِينِ بِمِتْلِهَا كَا يَخْدَعُ

ذرجه، دنیا خواب کی طرح ہے . یا زاکل اور فنا ہوجانے والے سائے کی طرح . اور مِینک عفل منال سی ایا نداراورفانی نے سے دھوکانبیں کھانا۔

ابلیس کے منرسے بجنا عنروری ہے:

باتی را تنیطان و نواس کے نزسے اپنے آپ کومفوظ دیکھنے کے بیے عمرت ہی دمیل کا فی بكا للذنعال فساسيفنى محمصل التذنعان عليه ولم كوفرايا:

وَنُسُلُ مَّا يِّ اَعُوٰذُ بِكَ مِنْ العميرس بى إ دعا ك طورير) يوں كدائے مير هَمَزَا مِنَ الشَّيَاطِينِ وَآعُوْدُ رب ایم سنباطین کے درا دس سے تبرہے پاس

بِلْكَ رَبِّ أَنْ يَكْمُ فُرُنِ و بى ينا ولينامول راودلى ميرسه دب يماس مات

سے بھی تبرسے باس ہی نباہ لینا ہوں کہ شباطین بمرسے باس ہم ۔

ترسندرعلبالعسلدة والسلام جرست بهترست زیاده عالم سب زیاده عقلندا ورانشان الم سب زیاده عقلندا ورانشان کے ہاں سب زیادہ بائیں تو توجو کے ہاں سب زیادہ بائیں تو توجو جہاں سب زیادہ بائیں تو توجو جہاں سب زیادہ بائیں ہوں ہے۔ اس سب نیادہ انگے کا متاج نہیں ، — صرور متاج سب اور مفلت کا مجموعہ ہے نبیطان سے نیادہ انگے کا متاج نہیں ، — صرور متاج ہے اور سخت متاج ہے ۔

### لوگوں سے بل جول کی ندمت:

پیرتم ذرایة و یا وکر وکرجب متیں قبریں دفن ہوئے مرت بین یوم ہوں گے و تھے بائل جُلا

دیں گے۔ و یا صرف خدا تعالیٰ کی ذات ہی موجود ہوگی۔ توکیا یہ واضح نقصان نہیں کہ توا بیے لوگوں کے

ساتھ بیٹھ کوا ہے عوزی وقت کو منا لئے کر درجی سے نہ بھے و فاکی ایر دہے اورجن کے ساتھ نہ زیادہ

دیر تو نے دم باہے۔ اور اپنے بیارے رب کی خدرت و طاعت کو زک کر دسے جس کی طرف آخو تونے

دیموع کرنا ہے۔ مرف کے بعد هرف و ہی ہمیشہ کے لیے تیرا ساتھ دیے گا۔ اور تقیقت ہیں سب کا وہ

ما جن روا ہے۔ اور ہر بات میں صرف اسی پر بھروسہ ہونا چاہیے۔ اور ہر صال میں ہر شدت و شکل کے

ونت اسی کی طرف رجوع کرنا چاہیے۔ وہ اکیلاہے، کوئی اس کا نشر کے بنیں۔

اسے عاجز انسان با میری ان باتوں اوفی میمتوں کو خورسے می نشاید بھے اللہ تفالیٰ اپنی مر بانی

#### سے را و ہایت د کھا دے \_\_\_ اورا نٹری ہایت کا الک ہے۔

### مُرْمَّتِ تَعِس كابيَان:

نفس کے برا ہونے کا بی نفرت کا بی مجوز شب وروزاس کے مالات اس نے ہے۔ اور اس کے مالات اس نے ہے۔ اور اس کے ملاف ترع اس کے دفت ہے کہ وفت ور اس اس کے دفت ہے کہ وفت و موں بن جا آ ہے یہ بھو کا ہم تا ہے تا ہے اور آ رام وا سائٹ کے دفت فرعون بن جا آ ہے یہ بھو کا ہم تا ہے ہے اس مرک تا ہے اور جب بر ہم تا ہے تو رکٹ بن جا آ ہے ۔ اگر تواسے بر کرے قو رکٹ کی کہ اس کے دوا کر ہم کا میں مرک اس کے دوا کہ میں کا میں مرک اس کے دوا کہ میں کا میں مرک اس کے دوا کہ میں کا میں کہ اس کے دوا کہ میں کا دور ہے میں کا ملا ہم وکر تا ہے۔ یہ بینداسی طرح ہے جیسا کہ ایک نام کے دوا کر کھورکا دیکھے تو چین اس اور ہے میں کا ملا ہم وکر تا ہے۔ یہ بینداسی طرح ہے جیسا کہ ایک نام کے دوا کہ کہ اس کے سے دور کی میں کہ دور کہ کا میں کہ دور کہ کا میں کہ دور کہ کہ دور کہ کہ دور کے دور کے دور کے دور کے دور کے دور کو کہ کا میں کہ دور کہ کہ دور کے دور کو کہ کے دور کو کہ کا میں کہ دور کہ کہ دور کے دور کو کہ کا میں کہ دور کہ کہ دور کہ کہ دور کر کا میں کہ دور کہ دور کہ دور کہ کہ دور کہ کہ دور کہ کہ دور کہ دور کہ کہ دور کہ دور کہ دور کہ کہ دور کہ دور کہ دور کہ دور کہ دور کہ دور کہ کہ دور کہ دور کہ کہ دور کہ کہ دور کہ دور کہ دور کہ دور کہ دور کہ دور کو کہ دور کہ دو

کحمکارالتوءان اشعبته محمد الناس وان جاع نهی ریخم الناس وان جاع نهی (یغش محرس گریس کا اندسه جومیری کا است بی خوستی برا کردگوں کویا ال کرتا ہے۔ اور جب جعوکا مختاہے تا کا نخاہے)۔

بعق مما لحین نے بالک درست فرما یا ہے کہ :

ان من رداءة هذه النفس و بعهلها بجبت اذا همت بمعصية الرانبعثت لشهوة فنهيتها او نشفعت اليها بالله سبحانه . ثد برسوله عليه السلامرو بجبيع البيائه و بكتابه و بجبيع السلف السالح من حبادة و تعرض عليها السوت والقبروالقيامة والجنة والنارة نقطى الانقيادة ولاتنزك

روسکے ناکہ بیر تھیہ سے اورطعام کی حسوص کو جھوڑ دسے ۔ نو تجھے اس کی کمینگی اورجا است کا اندازہ موجاسے گا ۔ الشهوة تعران استقلبتها بمنع رغيف تشكن وتتوك شهونها لتعلم خسنها وجهلها

اس بیداسے عزیز اس سے فعلت نہ کرنا کیونکہ اس کے تعلق اللہ دنعائی نے فرایا ہے ہواس کی محققت سے بہنا ہا ہے ہواس کی محقیقت سے بہنر جاننا ہے :

إِنَّ النَّفْسَ لَا مَّا رَكُاكِ السُّوءِ بِي السُّوءِ بِيكَ السُّوءِ السُّوءِ السَّوع السُّوءِ السَّوع السَّم السَّوع السَّم السَّوع السَّوع السَّوع السَّوع السَّم السَّم السَّوع السَّم السَّوع السَّم السَّ

محفرت احمدبن ارقم بلخ رحمة المتدنعالى عليس منفول سے كدا يك دفعه برسے نفس نے جهادين نثريك مون يرمجه مجبوركيا بين في دل من كماسبحان الله إ قرآن من توآيا المكانسة برانی کی ترغیب دنتا ہے۔ اور میرانفس مجھے نیک کام کی ترغیب دسے ایسا ہرگز نہیں ہوسکتا۔ بلکہ اس كااصل مقصديد به كدلوگوں سے بل جول كركة تنهائى اور گوشنىينى كى دحشت كودوركرے - اور وكول سے خلط المط موكر راحت حاصل كرے . اوران كے ماسے ابنى گونندنىنى اور بزرگى كا برجاكے ا بن نعظیم اورا بنا اخترام واکدام کرائے بنیا بنجہ بن نے نفس کو جواب دیا کہ بن ہرگز تھے آبادی بنیس ہے جاؤں گا۔ اور کسی جان بیجان کی جگہ تجھے نہیں ہے جاؤں گا۔ توود اس جواب بررا عنی موگیا لیکن مجھے پھرطن مثاکہ بدا ہے خلاف بات پر کیسے رسامند موسکتا ہے۔ اور میں نے اپنے ول یں کماکہ خاراکا كلام ببجا ہے دكەنفس مرانى كى طرف بى جاتكہ ، نزيس نے اسے كمانديس وشمن سے جماد وقتال كرنے كوتبارمون بمين ميراا وليس وشمن توب اس بيه ببله مفابله اورمقا نله مخفه سهمو كاليمريط سجواب ر مجی تعنس نے برانه منایا بین نے جندامت میا ، اور شمار کیس جواس کے خلاف تفیس بیکن وہ اس بر بھی برا فروخست منه مرًا بین دل بین حیران مِوا اور در با را نیردی می منتی مِواکداسے باری نعالیٰ اِیم نفس کر بهرمال جحوثا بمحننا بول اور تخصيجا بمحصاس كاصل تعيقت تنانؤم كانتفه بس بم نف سناكه

الساح احمد إنوم محصے برروز شهوتوں سے روک رفتل کرتا ہے اور ہر بان بی میری مخالفت کرے تو مجھے نگ اور بربینان کرتا ہے۔ اور میرسے اس قبل اور تکلیف کاکسی کو بند نہیں تا اگر توجہا دیں نظر کت کرنے گا تو صرب ایک بار ہی مجھے تن کرے گا . بعد بن مجھے بچھے سے ہمبننہ کے بیے نجات ل جائے گا۔ اور میں اوگر ن میں اس بات کا ہر جیا کروں گا کہ احرفے خات ل جائے ہے۔ اس طرح میرا ہر جیا ہر گا اور مجھے ہی نشرت حاصل ہر گا ؟ نشادت کا درجہ بایا۔ اس طرح میرا ہر جیا ہر گا اور مجھے ہی نشرت حاصل ہر گا ؟ امام احمد بن ارتم فرمانے ہیں کہ اس کے اس جواہی بن نے تبیہ کر دیا کہ ہر گز جماد بی نشرکت نسیس کروں گا۔ جبنا بخیر ہیں نے اس سال جماد ہیں نشرکت مذکی ۔

ا عزیز! ذرا غورکرکنفس کنا دهوکا بازا ورمکارسے کہ بعدالموت بھی تیرے اعمال حسنہ کوریا ہے قدربین ان کے کرتا ہے۔ ایک عربی ناع نے بہت ہی اچھا کہا ہے سے توق نفسد کے لاتا من غوا شلعت .

فاکنفس اخبت من سبعین شبطان کا کنفس اخبت من سبعین شبطان کا رخبہ) ابنے نفس کی عیادیوں سے بے خوت نہ ہو۔

کیونکنفس کی خباشت ستر نبیطانرں کی خباننت سے بھی زیادہ ہے)۔

اس بیداس دصوکا با زبگنا موں بی مبنلاکرنے والے نعش خبیث سے بچوکنا رہ اور بروفت دور مروفت دور مروفت دور مروفت دور مروفت دور مروفت دور مروفال بی البیا کرنے سے نواس کی مخالفت برمضبوط رکھ ۔ إن نثاء الله زنعا کی ایسا کرنے سے نواس کی آفات سے محفوظ رہے گا اور مجھے را مصواب نصیب ہوگا ۔

بھرا سے عزیز ابخے بہلازم ہے کہ اسے شموات وگنا ہوں سے بازر کھنے کے بینے تفویٰ کی لگام دست ۔اس لگام کے سوااس کاکوئی علاج نبیس ۔

اسے عزیز! توجان کہ میں نفس کوگنا ہوں سے باز ریکھنے کا ایک نفیس قاعدہ بیان کرنا ہوں ہو چکہ:

عبادت دوتنم ہے۔ ایک اموران ، ربعن جن کے کرنے کامکم ہے) ۔ دوسرے منہات ۔ (بعنی دہ جیزی کے کرنے کامکم ہے) ۔ دوسرے منہات ، (بعنی دہ چیزی کے منہات سے اجتناب (بعنی دہ چیزی کے منہات سے اجتناب کے بجالاتے اورمنہات سے اجتناب کے مجموعے کانام تقویٰ ہے ۔

سیکن منبیات سے بچنا ہر مال ہیں بندسے کے بیدانفس نیا دہ باعث مفاظت زیا دہ بار بنز اوراعلی ہے۔ مامورات کے مقابلے بین اس بہلی اہمیت زیادہ ہے۔ اسی بیے مجا ہدہ وریامنت کے بندی شردع شردع بین مامورات برزیادہ زور دیتے ہیں۔ وہ دن کرروزہ سے بہتے ہیں اور

لات كونو، قال بى كھوسے رہنے بى وغير دلك .

ا درنتهی وال بعیبرت حندات منبیات سے اجتناب کی زیادہ پابندی کرتے ہیں جنائی وہ ابنے درن کو غیراللہ کے خیال سے مغوظ رکھنے کی کوشش کرتے ہیں اپنے کھول کو ضرورت سے اکمتو داک سے مغوظ رکھنے کی کوشش کرتے ہیں اپنے کھول کو ضرورت سے اکتوراک سے مغوظ رکھنے ہیں اور ہی خوال کا کو توراک سے مغوظ رکھنے ہیں اور ہی خوال کے اور ہی خوال کو لا یعی چیزوں سے بچانے ہیں ۔ اسی بیے عابد ای ای اس میا بدول کی ش معدا دسات مقمی کہ:

درا بربن المبعن ارگ وه بین جن کوست زیاده پیار نما ذوں سے جہ بچنا بجہ وه نما ذرکی کر تبیح نمیس دیتے ۔ ووجها دت کے متون ہیں ۔ وہ پوری طرح مدن و توکل برفائم رہتے ہیں اور مروقت وربار خدا و ندی ہی تضرع ورم کا دیم منتخول رہتے ہیں ۔ اور بعض وہ ہیں جنبیں سے نہا وہ مروزہ سے مجمت ہے جینا بجہ وہ دوزہ برکسی اور عمل کو ترجیح نمیس دیتے ۔ اور بعض وہ ہیں جومسد فدکو رہے زیادہ عزیز خیال کرتے ہیں ۔ اسے بونس ایس تخصے ان ممبول نماز ، روز سے اور مدتری تغییر باتا میں کو ان ممبول نماز ، روز سے اور مدتری تغییر باتا میں کہان سے مراد کیا ہے ؟

ترنمازسے مرادیہ ہے کہ ترجمین تکالیعن ومصائب بیش آنے برصبر کی نمازا داکر تا رہے اور میٹ ایکام خدادندی کی بجا آوری بین فائم رہے۔ میٹ ایکام خدادندی کی بجا آوری بین فائم رہے۔

روزہ سے مرا دیہ ہے کہ تو ہر برائی سے ابنے آپ کور دکے رکھے۔ اور مسترفہ سے مراد یہ ہے کہ تیری طرف سے کسی کرا ذیت اور کلیف نہ پنچے کیونکہ تواس سے اعلیٰ شے کا مدد و نمبیں کرسکتا بھی کوا ذیت نہ دنیا ہی سبت بڑا مدفہ ہے اور سب سے زیادہ پاکٹر فعا ہے۔

مندربه بالابیان سے جب مجھ پر روشن ہوگیا کہ منیات سے بجنانہ با دہ اہم اوراس کی رعایت
اور کوشنش زیا وہ اولیٰ ومناسب ہے : فراگر بھے دونون تسم کی مباوت داوام کی بجا آوری اور منہ یا سے اجتناب عاصل ہوجائے اور قردونوں کا پا بند موجائے تو توجا دت کے معالمے یں کمال کہ بہنج گیا ، اور تیری مراد ماصل موگئی ، اور آفات سے مفوظ ہوگیا ، اورا سل غنیمت تیرے احقادی ۔
بہنج گیا ، اور تیری مراد ماصل موگئی ، اور آفات سے مفوظ ہوگیا ، اورا سل غنیمت تیرے احقادی ۔
اوراگردونوں تم کی عبادت بھے حاصل نہ ہوسکے ، نوچا جیے کرنوجا نب احتناب کواختیا ر

کرے۔ بربانب انبہارکونے سے ترب السی اورگناہ سے ذرالم اور محفوظ دہے گا اوراگر توبیربان انبہار انہبار المرکب اورگناموں دُرائبوں سے نہ بھے توساری داشت توافی اواکرنے ون کورو ہور کئے اور گرستی امور برن تنغول مونے سے بھی کو کوئی فا مگرہ نہیں بینچے گا نیری پر شب بیداری کی شغیس ہے مود ہوں گ کر برنگر کن ہوں اور برائبوں سے آب ناب نہ کونے کی وہد سے تیری کی بیاں ساقد سا تو بربا وا در نسائع برنی جائی گی ۔ اور ون کوروزہ رکھ کر بہ توغیب نے بیا دردو مری بہودہ گئستگر سے بربیز نہ کرے گا ور تیر سے ایس موردے کا کیا فائدہ بہنے گا۔

تحضرت ابن عباس رمینی الله تعالی عنها سے سے دیجیا کہ ان درا دمیول ہیں افسنس کہ بن ہے ایک وہ برگیا کہ ان درا دمیول ہیں افسنس کہ بن ہے ایک وہ بوئیکی اربعی کم کرے اور گنا ہ بھی ایک وہ بوئیکی اربعی کم کرے اور گنا ہ بھی کم کرے و رگنا ہ بھی کم کرے و رگنا ہ بھی کم کرے و رگنا ہ بھی کم کرے و باکہ دو توں برابر ہیں ۔

تصنور کے ارتباد کا معاب بہت کہ برمیز بجائے تودایک بہنز بن ملائے ہے۔ اس کے ہونے برئے کسی اور ملائے کی منرورت نہیں بڑتی اسی بیے سنا گیا ہے کہ مندوستان کے درگوں کے زدیک بیار کا سبتے بڑا اوراعلیٰ علاج نیمار کو کسانے بیٹ اور کام کاج سے برمیز کرانا ہے ، ان کے ہی مسون برہیز کا سبتے بڑا اوراعلیٰ علاج نیمار کو کسانے بیٹ اور کام کاج سے برمیز کرانا ہے ، ان کے ہی مسون برہیز سبت برمیز کرانا ہے ، ان کے ہی مسون برہیز سبت برمیز کا مربیق مندرست اور صحن باب بوجاتا ہے۔

### فصُل

بھر مخدر چارا عنداء کی محداث مجی لازم اور منروری ہے کہو کہ جم بس بہی جارعت وڑے اورامسل ہیں۔

#### مريكه كي حفاظت:

اقدل آنکھ ۔اس کی مجھلانشن اس بیے صنروری اورلازمی ہے کہ دین و دنب کے کاموں کا دارو ملارول بیسے ۔ اورول کی خرابی اوراس میں وسوسے وغیرہ اکثر دبنینتر آنکھ کی وجری سے ببدا موسقے بنید اسی بیسے ماروں کی خرابی اوراس میں وسوسے وغیرہ اکثر دبنینتر آنکھ کی حفاظت نہیں ہوتے ہیں۔ اسی بیسے معنرت علی رصنی الشدتعالی عند نے فرایا ہے کہ جوخص اپنی آنکھ کی حفاظت نہیں کرتی اس کی دل سے فیمین بخرنا ہے بعنی اس ہیں کوئی کمال یا نور وغیرہ نہیں آسکتا۔

### زبان کی حفاظت:

دوسراعضوزبان ساس کی حفاظن اور گیمانشت اس بید منروری اورایم ہے کہ نهاری جاد وطاعت کا نفع ، بجیل اور مسالم سی کی گھرانشت سے وابستہ ہے ۔ اور عبادت ہیں وسوسے عبادت کا منا نع اور تحراب ہم ناہمی اکثر اسی نہ بان کے باعث ہونا ہے کیونکہ بناوٹ اور سجا کرگفتگوا ورغیبت وغیرہ اگر جہا یک نفظ ہی ہم تیری سال کی جگر نیررہ سال کی عبادت وریاضت کو تباہ اور برباد کردبنی ہے ۔ اسی سیے بعض بزرگوں نے فرایا ہے کہ:

ماننی احق بطول السجن من سے زیادہ جم بیز کو نیرو بندی رکھنا مزد کا اللسکان۔ ہے دو زبان ہے۔

مروی ہے کہ مات عابدوں میں سے ایک عابد نے کہا اسے بونس! ہو اوگ بوری مخت اور کوشن سے عبادت بی مشغول رہتے ہیں ان کوعبادت پرجوان تقامت نصیب ہوتی ہے وہ زبان کی بوری طح نگرانشت کا نتیجہ ہے بھواس عابد نے کہ اضغط زبان سے زبادہ بیندیدہ تیر سے زدیک کوئی چیز نہیں ہونی چا ہے کیو کہ ول کو ہم مے وہوسوں سے باک رکھنے کا ذریع ہیں ہے۔

بهرنو زرا زندگی کے وہ نیمتی کمحات نویا دکر ہوتو نے مبیورہ اور لغوگفت گویں صائع کیے ہیں اگرتوان عزيز لمحان من توبه واستغفار كرنا تونيا بركسي بيك كلفري من تيري توبه قبول موجاتي اور نيرسے كناه بخن دسيه جات اور تخص نقع بوتا باان لمحات بن كآلاك أكا الله كاور وكرتار تها وتخصيص ا جرونواب منا با ان لمحات بس به دعاكرتا" اسعا مشر! مِن تجد سعا فینت اور علامتی كاسوال کرنا بو ثنابدكسى مبارك رماعت بس بدالفاظ تيرسے منہ سے شكلنے اور تبرى دعا فيبول ، وبياتى ـ اس طرح نودنيا و م انخرت کی آفات سے نجات بیا جاتا <sup>ہ</sup> توکیا لغوا در بیبودہ کلام بی لمحانت زندگی کوضا ٹع کرنا واضح اور بين خماره نبين ۽ ان اوقات ميں اگر زبان كواورا دو وظائف بين شغول ركھنا تو برسے بڑے فاكرے مماصل ہونے۔اورابنے تعس اور وقت کوفضول کا موں میں نہ لگا ، ٹاکہ روز فیامنت مجھے ملامن نہ ہو۔ ا ورمیدان محترین حساب کے لیے زیادہ دیر مذرکنا بڑے اس صفرن کوایک نناع نے ایھے ہوائے میں اواکیا ہے سے

واذاماه كمثت بالنطن في الباطل فأجعل مكانه تسبيحا (جب توزبان سے کوئی باطل بات کھنے کا تھىدكرے ۔ نواس باطل سے زبان کوروك اوداس کی مگہ خلاکی نیسے کر)۔

### ببيك كى حفاظت:

تیسراعصنویس کی حفاظت اورنگداشت ضروری ہے وہ پیش ہے۔ اس کی نگداشت اس اسطے صروری ہے کہ بندہ دنیا بس عبادت کے بیے آیا ہے۔ اور غذاعمل کے بیے بنزل بیج اور پانی کے ہے۔ بميساتهم ادرجن نناسب سے اسے يانی ديا جائے گا ديبا ہى بيج اُگے گا اور جب تخم نزاب ہوتواس کمینی ایمی نبیں ہوگی ۔ بلکہ ایسے بیج سے بیخطرہ ہے کہ ثنا بدوہ نیری زبین ہی ممیننہ کے بیے خواب کرویے اورآینده زراعت کے قابل ندرہے۔اسی بیے حضرت معروت کرخی رحمتہ الٹنزنعالیٰ علیہ نے فرمایا ہے: ا ذا صمتَ فا نظر على اى شي ي جب توروزه ركھے تماس بات كا بنيال ركھ ككس تفطروعندمن تفطروطعامر بجيزس اسانطاركزاب وركس كياك نطار

مر ماكان أومن اطل اكل الله فيدنظ بدرة بدة عماكان عليه فيدنظ بدرة بدة عماكان عليه فالإ يعود الل حاله ابدا وكور من اكلة حدّ مند الله الله أكلة فيحره وان العبد لياكل أكلة فيحره بها قيام سنة -

کتا ہے اورکس کے کھانے سے افطارکتا ہے۔
کبونکر بہت دفعا بہا بڑا ہے کہ ہرف ایک خرا

یقے سے ال کی کیفیت خوا ہے بوجاتی ہے اور بھیر
ماری عمروہ ابنی اسلی حاات پرندیں آگا ۔ اور
بہت دفعا ہیا ہوتا ہے کہ ہرف ایک خواب فخمہ
بہت دفعا ہیا ہوتا ہے کہ ہرف ایک نماز تنجدا دا
بہیٹ بیں جانے سے ایک ان تک نماز تنجدا دا
کرنے سے انسان محروم ہوجاتا ہے۔ اور بہت نعہ

ایسا بوتا به کیمرن ایک نعد بنظر کیف سے بدہ ایک وستک الارت قرآن پاک سے محرم مرجا آبا اس بیدا سے عزیز اگر توانسلاح قلب اور نونیز عوادت چا برتا ہے نو مجھ برلازم سے کہ اپنی غلاک بارسے یں سخت احتیا طاکرے۔ بیاصل غلاکے متعلق حکم سے بھراس میں درجا سنجاب نگاہ رکسناھی فرودی سے ورنہ نونغلاا تھا نے والا ٹرفرین جائے گا اور این الوقت ہوجا کے گا کیونکہ ہمیں فنیوں ہے بلکہ ہم نے کئی بارٹ ایدہ کیا ہے کہ بیٹ بھرار کھانے سے عبادت تو نا سی ہو کتی اوراگر نفس کو مجرا کے کا کیونکہ ہمیں فنیوں ہے بلکہ ہم نے کئی بارٹ ایدہ کیا ہے کہ بیٹ بھرار کھانے سے عبادت تو نا ایس ہو کتی اوراگر نفس کو مجرا کہ کے اور چیلے بال نے سے عبادت کی مزود کی ایس موالد شنیں ہوگئی اسی ہے بالے ایس موالد شنیں ہوگئی ۔ اسی بیل بین سے فرایا ہے ۔

اگر تربی بھرکے کھانے کا عادی ہے توملات عبادت کی ابیدنہ رکھ ۔ اور دل میں بغیرعبادت نور کیسے آست کی اب یا اس عبادت سے بھی کھنے ترب مہرکت ہے جہ ہے لذت اور ہے : وق ہو۔ را المامع في حلادة العبادة مع الانظمع في حلادة العبادة مع كثرة الإكلواى نورني نفس بالاعبادة وفي عبادة بالالذة وفي عبادة بالالذة وحلاوة و

اسی دیے حصرت ابراہیم بن اوہم دھمتراں تندنعالی علیہ نے فرایا ہے کہ میں کرہ ابنان ہی بہت سطیل شر کی سجت ہیں رہا ہوں ۔ الن ہی سے ہرا یک مجھے ہیں دسیت، کیا کڑا تھا کہ لے ابراہیم اجب نوال وزیا کے پاس جائے نوار ، کوار ، چار بانوں کی نسیعت کرنا: (۱) جوربیٹ جھرکر کھائے گا ہے جہا دت ہیں ارت نعیب نہیں ہوگا ۔ (۱) جوزیا دہ ہر مے گااس کی عمر میں برکت نہیں ہوگا ۔ رس) بولوگود، کی نوشنرد در بیا به وه الشرکی نوشنردی سے نا ایمدم وجائے۔ (س) بوغیست، اور فسنول گو تی زباده کرے گاده دین اسلام پرتبیس مرسے گا۔ حضرت بسل بن عبدالشرنستری رحمت الشرنعان علیہ ہے دنرایا ہے کہ تمام سیبیاں انسی جا رہاؤد، میں بندین :

(۱) نظم کوخالی رکھنا (۱) خاموشی (۳) نملون سے کنارہ کشی اور (۲) شنب بیواری ۔ بعض بسالیون نے فرا بیسے کہ:

بعض بسالیون نے فرا بیسے کہ:

البعوع مناس ماکنا۔

بعوک بمالا مرا یہ ہے۔

اس نول کے معنی بہ بین کے ممبیں جو فراغت ، ملامتی ، عبا دت ، ملاوت علم اور عمل ناخے وغیرہ نسیب مزنا ہے وہ سب بھرک سے سبب اور صبر کی برکت سے ہزنا ہے۔

#### دل كى حفاظت:

پوتفاعفوجی کی خفانلند، اور کھراشت ان معرفروری ہو وہ دل ہے کیونکہ یہ تمامیم کا اسل ہے جنا بخداگر نیواں کی اصلاح کرے تو با بخداگر نیواں کی اصلاح کرے تو باتی سب اعتمادی اصلاح برجائے گا، کیونکہ دل درخت کے تنفی کا مندہ اور باتی تعنا شاخوں کی طرح ، اور شاخوں کی اصلاح با خوابی درخت کے تنفیری وقو مت ہے ۔ تواگر تیری اسمحہ کہ زیان بریٹ ویئرہ درست موں تو اس کا مطلب یہ ہے کر تیرا دل درست اور اسلام یا فتہ ہے ، اور اگر ان کھر خواب نیکھ ویئرہ درست موں تو اس کا مطلب یہ ہے کر تیرا دل درست اور اسلام یا فتہ ہے ، اور اگر ان کھر خواب نیکھ ویئرہ درست موں تو اس کا مطلب یہ ہے کر تیرا دل درست اور اسلام یا فتہ ہے ۔ اور اگر ان کھر خواب نیک مون کی طرف پری المحمد نیان نیکھ ویئرہ گئا موں کی طرف پری افساء کی اصلاح موجائے اور تا کہ تو روحائی راحت محسوس کرے ۔ پھر تعلی اصلاح نمایات تشکر اور در تشوار ہے کیونکہ اس کی خوابی خطرات و درساوس پرمبنی ہے موجائے اور تا کہ تو روحائی راحت میں بوری موثباری میداری ادر بست ہوں کو بیا بری اصحاب میں بوری موثباری میداری ادر بست میں دور یا دہ جدد جمدی کر منز در بات بی ماعی در یا متا ہے مامی در بات ہیں موجوبات کی بنا براصحاب میں بوری موثباری میزان برین یا دو جدد جمدی کی منز در سرب بھیبرت اس کی اسلاح کا زیا دہ اسمام کو تھ ہیں بینا پنج معنون با برید و مید وجمدی کی منز در ارباب بھیبرت اس کی اسلاح کا زیا دہ اسمام کو تھ ہیں بینا پنج معنون با برید

بسطامى رحمنة الشرعايك منفقل م كرات فرايا:

بس نے اینے ول ازبان اورنفس کی اصلاح پر دس دس برس مرمن کیے ان بی دل کی اصلاح محصرت زیا دہ دشخا رمعلوم ہم تی ۔ عالجات فلبی عشرًا ولسکانی عشرًا ونعسی عشرًا فکان فلبی احبعب الشلاشة -

پعرامداد خ نلب کے سیسلے ہیں چا را مورج ہم بیجھے ذکر کر ہے ہیں بعنی کمبی ایں دول 'اعال میں جلد با زی ' مسدا ور کر سے بچنا اورا مقراز کر نالازم ہے۔

اس تقام بران چارا مورسے اجتماب کرنے کی تخفیص ہم نے اس لیے یہ کہ اگر جوعام لوگ بھی ان امور میں مبتلا ہیں، گرجا دت گزارلوگ فاص طور پران ہیں مبتلا ہیں۔ اس لیے یہ چارا مور نہا وہ تیسے اور کرے ہیں۔ ایسا عام موزا ہے کہ جادت کرنے والا کسی لمبی ابید ہیں بنتلار ہمنا ہے اور وہ اسے ایک اچھی نبیت جبال کر رہ ہوتا ہے۔ اور آ تزالام دہ اس کے باعث عمل ہیں ستی اور کا ہی بس گرفتا رہ جا تا ہے۔ اور کھی ایسا ہوتا ہے کہ وہ بلندر تنبر حاصل کرنے میں جلد بازی سے کام بیتا ہے۔ اور جلد حال فا بنا ہے۔ اور جلد حال فا بنا ہوتا ہے۔ اور جلد حال کا فال مرو پر جاتا ہے۔ اور جعن وفعد کسی بزرگ سے دھا کر نا ہونے کے باعث اس سے بھی لول ہوتا ہے۔ اور جعن وفعد کسی کے حق میں بدوعا در ہے اور بعد میں بیشیمان ہوتا ہے۔ اور بعض وفعد اس سے بھی لول ہوتا ہے۔ بابعض وفعد کسی کے حق میں بدوعا در کہتا ہے اور بعض اوقات آ فت حد بیس گرفتا دم کرا ہے۔ ایسے بیسی اور برسے الی اولا و وغیرہ بر حمد کرنا ہے۔ اور بعض اوقات آ فت حد بیسی گرفتا دم کرا ہے۔ ایسے بیسی اور برسے افعال کرگز زنا ہے جن کے کئے کی ایک فاستی وفا ہم آوی کو بھی جرآت نہیں ہم تی ۔ اسی بنا پر حصر ت سینان توری رحمۃ الشرفعال علید نے فرایا ہے کہ :

"جمعے ابنی جان کے تعلق سے زیا دوخطرہ علماء اور عبادت گزار لوگوں سے ہے"۔ لوگوں نے آپ کی اس بات کو زلامنا یا تر آپ نے جواب دیا "یہ بات بیں نے اپنی طرف سے نہیں کہی کہا۔ یہ حضرت ابراہیم نحنی رحمتہ اسٹنر علیہ نے فرایا ہے"

اور حضرت معلاء سے مروی ہے کہ ایک د فعہ حصرت مفیان نوری رحمنہ التارتعالیٰ علیہ مجھے کہا ۔ عبادت گزار کو کو کہ ا کہا عبادت گزار لوگوں سے خطرے میں رہو۔ اوران کی طرح مجھ سے بھی خطرسے میں رہو کیو کمہ بساا فقات میں ایک انار کے متعلق کموں گا یہ میٹھیا ہے۔ دوسرا کے گانبیں بہترش ہے۔ اسی معمولی بات سے ہمالاً بھرار بڑھ جائے۔
اور حفرت بینے جائے۔
اور حفرت بالک بن دینار رحمۃ الٹرتعالیٰ علیہ فراتے ہیں کہ بی جائے۔
دوسروں کے حق بی تو قبول کرنے کو تیا رہوں بیکن ان کے ابنے اندرایک دوسرے کے تعلیٰ ان کا شاق قبول کرنے کو تیا رہوں بیکن ان کے ابنے اندرایک دوسرے کے تعلیٰ ان کا شاق قبول کرنے کو تیا رہوں بیکن ان کے ابنے اندرایک دوسرے کے متعلیٰ حدسے جوا ہوا پایا ہے۔
قبول کرنے کو تیارنیس ہوں کیونکہ میں انداز تعالیٰ نے اپنے لڑکے کو فرایا کہ جمعے جا دت گزارادر رہی موفیوں میں دہنے سے کیا فائدہ ہو میری لغزین دیکھ کراس کا برجا سے دورکوئی مکان خرید دے۔ کیونکہ مجمعے اس قوم میں دہنے سے کیا فائدہ ہو میری لغزین دیکھ کراس کا برجا

تم نے خود تھی دبچھا ہو گا کہ خشک عابدا ور رسمی صوفی تکبرسے بیش اتنے ہیں۔ دوسروں کو حقیر خیال كرنة بي ينكبركي وجهست ابينے دخرارے كوٹم رطعا د كھتے ہيں اور لوگوںسے بمنہ بسورسے ر كھنتے ہيں گوبا کہ دورکعت نماز زبا دہ پڑھ کرلوگوں براحمان کرنے ہیں . با شایدانہیں دونہ سے نجات اور حبن کے داخلے کا رمینکبیٹ بل بچکا ہے۔ یاان کویقین ہو بچکا ہے کہ صرف ہم ہی نبک بخت ہیں ہاتی سب لوگ برنجنت اورشقی ہیں۔ بھروہ ان تمام برا برکے مہتے ہوئے باس عا جزا ورمتواضع لوگوں مبیا ببننے ہی مبیے صوف وغیرد -اور بناوٹ سے خوشی اور کمزوری کا اظهار کرنے ہیں ۔حالا نکہ ایسے لباس اورخموشی دعیرہ كالجمبراورغ ورسے كيا تعلق. بلكه يه چيزي تو نجمراورغ وركے منا في ہيں . ليكن ان اندھوں كوسمجونيس . نذكورسه كدايك دفعه فرفد سنحى حفزت حن رصنى الثرتعالي عنه كمياس أباءوه اس قن ابك در وبشانه گودڑی بہنے ہوئے تفاا ورحعنرت نیا جوڑا بہنے ہوئے تھے۔وہ بار ہار حضرت حس کے پڑو كود يجينا تقااور إخذلكا ناخفا آب نے قربا یا توبار بارمبر سے بیاس كوكیا دیجیتا ہے بئن لے ! میرابیاس اہل جنت کا لباس ہے اور نیرالباس دوز خیول کا لباس ہے بھنرت حن نے فرایا مجھ تک بات بیجی ہے کہ اکٹرابل دوزخ گودڑی سینے ہوں گے ۔ بھر صفرت صن نے فربابا ان لوگوں نے کیڑوں بی توزُ ہلاختیاری ہے گرمینوں میں بحتراور عزور کو جگہ دیے رکھی ہے قنم خدا کی بنوش پوش گرصاف دل لوگ رہمی گودڑی بينفوا لون سے ہزاد در جے بہترين .

حفنرن ذوالنون مصری رحمانتٰدتغالیٰ محدندرجه ذیل اشعاریجی اسی صنمون کی طرف است اره رننے ہیں سے وبعضرالذاس يلبسه مجانه

وليس الكبرص شكل المعانه

ومأمعنى تصوفه الاحانه

ارد به العلية ، الى الخيساً ده

(1) نه رف فازدهی بانسرف محلا

(٢) يريد مهانة وبريك كبرا

رس تصوف کے یقال له احدین

رمم) ولحربر الإله به ولكن

ترحمه. (۱) بعق لوگ صونبور کا را اباس بینتے ہیں اور از را ہِ جمالت دورروں کو نظرخارت سے دیجھتے ہیں۔اوربعض لوگ تو نصنول ہی صوفت کا ابس بینتے ہیں۔

(۱) ابسے جاہل صونی و درسروں کے سامنے اپنے آپ کو کمزورونا تزاں فلا ہرکرنے ہیں اور و درسروں کو پمکیرسے دیکھتے ہیں ۔ حالا کہ عاہزی کرنے والوں بین پکیرنہیں ہمزتا ۔ (۱۱) ایسے صوفی یہ لباس صرف اس عزص سے بینتے ہیں تاکہ عوام الفیس این ورنیک درس کر ساتھ تا ہے ہیں کہ مدون از کرمن نیک بیٹ نید موتا

نیال کریں ۔ گر در حقیقت ان کی اس صونیا ئی کا مفصد نیکی ادر شرافت نبیس ہوتا۔ رہم ، در دبیثا یہ باس سے انہیں خوشنو دی خدا مقصو د نبیس ہوتی . بلکدوہ اس طرح عوام کو

وصوكا وسى اوران كے سائفے خيانت كى را و مجواركرتے ہيں -

نواسے عزیز اِ نوان جار مملکات سے بیج ۔ خاصکر نگبرسے ، اس بیے کہ دوسری بین آفین نو ایسی آفیس بیں جن سے تو صرف گناہ اور نا فرانی بیں مبتالہ موگا مگر نجرایسا خطرناک مرض ہے جوبسا او فا انسان کو کفراور گمراہی نک بینجا دنیا ہے ۔

### فصل

خلاصہ بیری جب نوعفس و انت سے دیجھے گاتو تخصیمعلوم موجائے گاکہ دنیا فانی ہے اوراس میں منتخول ہورنے کا نفصان نفع سے زیادہ ہے۔ اور دنیا بیس بہتیں آئے والی پرنٹیا نیاں اس کی راحت منتخول ہونے کا نفصان نفع سے زیادہ ہے۔ اور دنیا بیس بہتیں آئے والی پرنٹیا نیاں اس کی راحت کے دائر دنیا بیس کرفتار رمنا ۔ اور بھر آخرت بی سرسر چیز کا حما ہے۔ زیادہ بین برسر چیز کا حما ہے۔

اورابيا دردناك عذاب بس كرداشت كى تحدين بركزها تن بنين.

توسبب بخصابچی طرح معلوم بوگیا که دنیا اورسامان دنیا پی خساره بی خساره سے تو مجھیرلاذم ہے کہ اس کی چیزیں مرمن اسی قدرات تعمال میں لائے جس ہے خدا تعالیٰ کی عبا دنت بجالا تا رہے۔ اور تعميس اورلذني ماسل كرنے كے بيتميث رسف والى جنت كا أتنظار كرتا رہ جمال خلاوندنغالى كا قرب بھی حامسل ہوگا۔

اورجب تخفے برہمی الجیمی طرح معلوم ہوگیا کہ مخلوق میں دفا داری نبیں اوراس کی طرف سے ا مراد و ا عانت کے بجائے تکا پیٹ اور دکھوڑیا وہ بینجا ہے۔ نو تجھے چا ہیے کہ لوگوں سے سوائے سخت مغرورت کے میل جول نذکرسے . نیک با زں میں ان سے نغن حاصل کر گرنقنسان دہ چیزوں بی ان سے اجتناب کرۃ اوراس خدا سے دوستی انگاجس کی دوستی برتسم کے خسارے سے پاک ہے۔اوراس خلاکی الماعت کرجس کی طاعت سے تھے بنیانی نبیں ہوگی ۔اوراس کی کتاب مقدس کوابنی منتعل راء بنا ہے۔اوراس مکا محام کو بوری بابندی سے بجالا کارہ ۔ ایساکرنے سے صروروہ نبری ہرصال میں دستگیری کرسے گا۔ بخد پر نبرے ویم و کمان سے نیا دوا نعام واکرام کی بارش کرہے گا .اور دنیا وانخرت بیں ہرشکل وفنت تیری فریا دری كرك كا . مبياكه بنى كريم رؤف ورحيم عليالعسلاة والنسائم كاارثنا وُلامى ہے:

بميشه خداكي مي إدبن منتعزق رة تاكه جد معرقه

احفظائله بجده جبث إتجهت

متوبهاوهم بي تحصاس كعطوت نظراً يُس.

ا درجبکه بچھے یہ بھی المجی طرح معلوم ہوگیا کہ شبعان خبیب سے اوزنیری عداوت پر ہروقنت کم لبہتے تماس لعین کتے سے بینے کے سیے ہرونت خداسے بناہ ماجمنارہ اورکسی وقت بھی س کی مکاروں اور عياريوں سے غافل نرمو بلك فدانعالى كے ذكر سے اس كنے كو بعكا دسے بعب نوم وان خداسياع مو یقین اینے اندر بیلاکرے گا توبعنبل فدا اس مین کے داؤ تخفے کچھ مزدنیں سنجا سکیں گے جیساکدرب نغالى نےخود فرما ياسے:

بيننك شيطان كاكوني بس كال بناروں اوررب

نغا بي پرتوكل كرينے دا در رينين ميل مكتا ۔

إِنَّهُ أَيْسَ أَلَهُ سَلَطَاكُ عَلَى الَّازِيْنَ

اَمَدُ رَعَلَى رَبِيهُ كَيْنُوكُلُونَ ه

ابوحازم دحمة الشرنعاني عليهن بالكل درست ، فرما باب كردنيا كى خبىنت، ترب ب كرج كزرى

وه گریا ایک خواب تنما اورجو باقی ہے وہ نفسانی خواہشات بی صرف ہورہی ہے۔ اورشیطان کی بیت یہ ہے کہ حب تک وہ خدا کا مطبع رہاتو اس سے خدا کا نفع نہ ہڑا۔ اور حب نا فرمان مرُا تواسس کا بجھ بھاڑ نہ سکا۔

اورجب تو نے جان بیا کہ یفنس انتائی نا دان ہے اور نقصان دہ وہلاک کن جیزوں پر فرینیہ ہے اور نقصان دہ وہلاک کن جیزوں پر فرینیہ ہے اور نو ختلہ نداور زتا کئی پر نظر رکھنے والے علی ، کی طرح نفس کے حالات پر عور کیا ۔ ان لوگوں کی طرح اس کی خاطر تواضع ندگی جوجا بل ہیں اور صرحت زانہ حال پر ہی نظر رکھتے ہیں ۔ اس کے امراص اور عبوب کو نہیں دیکھتے ، اور زبد و تفویٰ کی گڑوی دواسے بھا گئے ہیں ۔ قوجب تو نے نفس کو تفویٰ کی گئام نے کی اس طرح کہ فعنوں جیزوں سے اس دو کا جیسے فعنول کلام ، ناجا کر نظر صرورت سے زائد طعام ، اور اسے اُن فینے چیزوں سے دو کا جن ہیں ہر گرفتارہ ہے ۔ جیسے لمبی اگریدیں ، جلد بازی بمسلمان کے ساتھ میں ایک اور شہرت و حرص کے طور پر کھانا ، اور صرف و ہی چیز بن اُسے دیں جو صروری ہیں ۔ ہے کا ربا تواسے کھرا ور شہرت و حرص کے طور پر کھانا ، اور صرف و ہی چیز بن اُسے دیں جو صروری ہیں ۔ ہے کا ربا تواسے طرح اس انسان کو بھی اپنی دھمت اور اپنے فضل سے اس کے ایمان کو نقصان بہنچا نے والی چیز سے محفوظ طرح اس انسان کو بھی اپنی دھمت اور اپنے فضل سے اس کے ایمان کو نقصان بہنچا نے والی جیز سے محفوظ کریا تا ہے ۔ تو نفول کا دور کے کا موں کا خود کھیل بن جا تا ہے ۔ تو نفول اور بے کا ربیزوں میں شغول بونے کی کیا حاصت ہے۔ انسان کے کا موں کا خود کھیل بن جا تا ہے ۔ تو نفول اور بے کا ربیزوں میں شغول بونے کی کیا حاصت ہے۔

بعض صالحین نے فرایا ہے ممرے بیے تفویٰ آسان ہے کبونکہ جب مجھےکسی چیز کے جائز ناجائز ہونے میں شک ہوتا ہے تو میں اسے زک کر دنیا ہوں کیونکہ میرانفس میرا میلیع ہوجیکا ہے ۔ اور جوعادت میں اسے ڈالوں وہ اس کا عادی بن جاتا ہے اور ہے شک نفس کی حالت بہی ہے ہوا یک عربی ناعر نے اس شغریں بیان کی سے

فالنفس ماغية اذا رغبتها واذا ترد الى قليسل تقنع!

(زرجمہ) نفس کرجب توکسی طرف راغب کرے توراغب ہوجا تا ہے۔ اور جب نفوڈی شے بر کفایت کرنے کا اسے عادی بنا ہے نودہ اسی پرصا بر ہوجا تا ہے۔ کرنے کا اسے عادی بنا ہے نودہ اسی پرصا بر ہوجا تا ہے۔

ایک اور تخص سے کما ہے ؛

اس نفس کو توجس بجیز کا عا دی بنائے گا وہ اس کا عادی بن جائے گا۔ هى النفس ما حملتها تتحمل

ایک ثناع نے ہوں کما ہے سے

والزمن نفسى صبرها فاستمرت

(١) صبرت عن اللذات حنى تولت

فأن اطعمت تأقت والانسلت

(٢) وما النفس الاجبت يجعلها الفلي

(نوجمہ) (۱) بیں سنے دُنبری لذنوں سے اپنے آپ کوردکا ابہاں کک کہ وہ مجھے علیٰ کہ م کرکبش اور بیس نے تغس کو صبر کا عادی بنایا تووہ اس کا عادی بن گیا۔

(۲) نفس وہی حالت اختیار کرتا ہے جس برا نسان اسے رکھے۔ اگراسے خوب کھلایا جائے تواس کی شمتیں ہوئٹ بس آتی ہیں۔ اوراگر بقدر کفا برنت اسے غذا دی جلئے ق اسی بربطرش ہوجا تا ہے۔

توجب بھے وہ تمام باتیں معلوم ہوگیئی، اور نوان کا عالی بی بن گیا ہوہم نے بیان کی ہیں، تو بے شک نوزا ہدوں میں شامل ہوگیا۔ اور آخرت کی طرف منوجہ ہونے والے نوگوں میں سے ہوگیا۔ اسے عزیز اِ توجان ہے، جس پرزا ہدکا لفظ بولنا درست ہوگیا۔ گویا وہ ہزارا چے صفتوں سے منصف ہوگیا۔ ان قو بھی مخلوق سے کنارہ کنٹی کرنے والے منصف ہوگیا۔ اسی طرح جب تو ذا ہدوں میں شامل ہوگیا۔ نو تو بھی مخلوق سے کنارہ کنٹی کرنے والے اور سے دست ہوگیا۔ اور تو بھی منا عت کرنے والے اور تو بھی منا میں شامل ہوگیا۔ اور تو بھی ان لوگوں میں شامل ہوگیا۔ کو مسفت ایک عربی نامونے مندرج ذبیل انشعار میں کی ہے ؛

(١) تشأغل قومربدنياهم وقومرتخلوا لمولاهم

(٢) فالزمه حرباب مرضاتِه وعن سأثر الخلق إغناهم

(٣) يصفون بالليل اقدامهم وعين المهيمن ترعاهم

(٣) فطوبي لهم تُقرطوبي لهم اذا بالنحية حياهم

(توجمه) (۱) ایک قوم وه به جو دنیوی عین وعشرت می محرب اورایک وه خالص بندے ہیں جوسب سے علیٰجدہ موکر صرف اپنے مولیٰ کے ہو گئے ہیں۔

۲۱) خلانے ابنے فعنل سے انہیں اپنے استانہ رضا پر جگہ دے دی ہے۔ اور تمام مخلوق

سے انبیں ہے پرواہ کردیا ہے۔

د ۳ ) دات کوصفیں بنائے ابنے مولیٰ کے درباریں عبادت کی حالت بیں کھڑے دہنے ہیں، اور دب، نعالیٰ کی نظر عزایت ان کی تھیانی کرتی دہتی ہے۔

( ۲۲ ) انسیس اس دفتت کی مبارک ہو یجب ان کا موٹی انبیں ابنے اتعب م واکرام سے نوازسے گا۔

توجب توجمارے بیان کردہ زہدونقویٰ کے تمام تعقیبات پر پرری طرح عمل بیرا ہوجائے گاتو تو خدا کی راہ بیں نفس سے جما دکرنے والے زا ہر بن اور خدا کے ان خاص بندوں بی سے ہوجائے گاجن کی صفت بیں رب تعالی نے یوں ارشا و فرایا ہے:

اسے المیس! میرسے خاص بندون برتیراکوئی بس

إِذَّ عِبَادِ يُ كَلِيْسَ لَكَ عَلِيْهُمُ سُلْطَانُ.

اوداب تیراان بربیزگارلوگرد بین نام درج برجائےگاجن کوسعا دب دارین صاصل میداور اب تیراان بربیزگارلوگرد بین نام درج برجائےگاجن کوسعا دب دانگر مفرین سے بھی افعنل واعلیٰ بوجائے گاکیونکہ الانگرشروات اونفس خبیبنے اب تو بہت سے الانکر مفرین سے بھی دہنا زیا وہ کمال نہیں ، ۔
باک ہیں (اس بیےان کاگنا ہوں سے بھے دہنا زیا وہ کمال نہیں ، ۔

ا در جب نو بماری بیان کرده بدایات کاعا مل بوگیا . نو نونے بر بمبسری لمبی اور شکل گھاٹی بھی عبر ا کر لی اور نوتمام رکا و نول سے ایکے کل کرا ہے اصل مقصود کے قریب بوگیا ۔ اور حب خدا نعالیٰ کی امالہ داعانت شامل حال بونز بھرکوئی مشکل جبکل نہیں ۔

ہم خدا ہی سے سوال کرنے ہیں . وہ بہتر حمل المشکلات ہے ۔ کہ وہ ہمیں اور تہبی ابنی مداد رُدنین کے قلعے ہر محفوظ کرنے کیو ککہ در تضیفت وہی کا نی المہمات ہے ۔ اور بہر کل ہیں در تقبقت اسی سے ا ملاد طلب کرنی جا ہے کیونکہ وہی ہر شنے کا خالق ہے اور اسی کے دست قدرت ہیں تجیفتہ اختبارہ اور وہ سب مجھ کرسکتا ہے ۔

اس ببسرے باب بیں جومزوری اموریم نے بیان کرنے تھے وہ ببی تھے ۔۔۔۔ وَ کِحُولَ وَلَا نَدْ وَالْ اللّٰهِ الْعَلِي الْعَظِ الْعَلَى الْعَظِ الْعَظِ الْعَظِ الْعَلَى الْعَظِ الْعَظِ الْعَلَى الْعَظِ الْعِلَى الْعَظِ الْعَلَى الْعَظِ الْعَلَى الْعَظِ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَظِ الْعَلَى اللَّهِ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلِي الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلِي الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلِي الْعَلَى اللَّهِ الْعَلَى الْعَلَ

# برونها بائر بحقى كمها في مين

## اوربه كھائی عقبہ العوارض كے نام سے وموم ہے

بھراسے طالب مبادت؛ (بخصالتٰ رتعالیٰ زفیق دسے) ان موار من سے بجنا اوران کے راستے بند کرنا بھی بخصر برلازم اور منروری ہے ۔ تاکہ بخصے اصل مقصرُ دسے نہ روکس سے بیا اور ہم بیلے بیان کر میکے بیں کہ وہ عوار من جارہیں۔

### ا قرل عارضه رزق، او زنفس كارزن تصفعلق مطالبه:

اس عارمنے سے نجات کی بیصورت ہے کہ تورزق کے بارسے بی خداسے نعالیٰ پرنز کل اور بھروسہ کرسے ۔۔۔۔ یہ نوکل دو وجہ سے لازم اور صروری ہے :

پیلی وج تویہ ہے کہ تاکہ نوعباد ن کے واسطے فادغ ہوسکے اور کماسخہ نیک کام کرسکے اس کے اس کے اس کے اس کے اس کے اس کے کہ تاکہ نوعباد ن چھوڑکر تلاش روزئ کے بارے بی خدا تعالیٰ بربتوکل نرمووہ منرور خدا تعالیٰ کی عباد ن چھوڑکر تلاش روزئ معانی معانی ما جا ت اور معالیے رزق بی مشغول ہوگا ۔ یا توفا ہری جبم سے شغول ہوگا ، یا نیجا لات کے طور بر۔

ظاہری جم کے اعتبار سے نواس طرح سے کہ کائن روزی بی ارا مارا بھرسے گا اور بدن سے محنت مزددری کیے کمانے کی کوشنش کرسے گا سے جیسے عام لوگوں کا حال ہے۔

اور خیالات کے طور پراس طرح ۔ ۔ کہ تلاش رزق کی تدبیری سویے گا ، طرح طرح کے اراد ہے کے اراد ہے کے ۔ اور خیالات کے طوح کے اراد ہے کرے گا ، اور ختلف نوعینوں کے وسوسے اس کے دل میں آئیں گے ۔ جیسے وہ لوگ چورزق کی ندبیر سویے نی برائیں ۔ سویے بی گرفت ارہیں ۔

ا ورعبا دت کماسخفراس دفتت بوسکتی ہے جب دل اور بدن پرری طرق اس مے بیے فانغ ہمل۔ اوراہبی فراغنت صرف منزکلیس کر ہی مبسرا سکتی ہے۔ بلکہ بس کتنا موں کرمیستے منعیعت الاعتقاد وگاس وقت مکطنت نبس موتے بعب کانعیس درق یا مجدر دربیہ بیبہ انف ناہجائے۔ توابیہ منعیت الاعتقاد لوگ دنیا والوٹ میں اپنے اصل مقصود سے دہ جانتے ہیں۔ بیس نے بار اپنے نئے ابو محد معتالا عقاد لوگ دنیا والوٹ بین اپنے اصل مقصود سے دہ جانتے ہیں۔ بیس نے بار اپنے نئے ابو محد محت الاحتمالی علیہ سے سناکہ آپ فرا باکرتے تھے:

"جمان میں دوخمص ہی کا بیاب ہوتے ہیں۔ ایک با جرائت آوی اور دور مرامتوکل" میں کتا ہوں کہ یہ ایک جامع فقرہ ہے ۔ کیونکہ با جرا تشخص ابنی قرت الادی اورجراُت قلیے جس کام کا الادہ کرنا ہے اسے کرگز رہا ہے اور کوئی چیزاس کے داستے ہیں رکا وط نہیں بنی ۔ اور کنوکل شخص اس بیے کا بیاب ہے کہ وہ وعدہ فعلاوندی برا بنی بھیرت اور بقین کا ل سے اعتماد رکھتا ہے اور ہرکام کرتے وقت اسے فعدائے تعالیٰ پر کا لی بھروسہ ہوتا ہے ۔ وہ ابنا الادہ پوراکرنے ہی کسی انسان سے نہیں ڈورتا ۔ اور ذئیبطانی وسوسے اس کے بیے رکا وٹ بن سکتے ہیں ۔ اس بیے وہ ابنے تقاصد و مطالب بیں کا میاب ہوجاتا ہے۔

مین معیم البلسا و و میسیف الاختفاد آدمی مهیشه خدا تعالی پرتوکل اور کیم و سرکرنے بی مترد و رہا اور مهیشا سے دماغ میں فتورا و را مبیعت پر پر بشیانی سلط رم بی ہے ۔ اور بند سے مجو کے گدھے یا تغین بند پر ندرے کی طرح منتظر رہا ہے ۔ اسی پراگندہ خیالی میں اس کی عمر گزرجا تی ہے ۔ ایسا شخص کوئی بڑا فابل متاکش اور معزز کام نہیں کرسکتا ۔ اگر کم بین کرنے کا الادہ بھی کرسے نواس میں ناکام رہ نیا ہے اور لسے پورا منیں کرسکتا ۔ تم دیکھتے نہیں کو فرزوی بلندم انب حاصل کرنے والے بھی بڑی پوسٹ اور بلندر نبراس وقت تک حاصل نہیں کر سکتے جب تک اپنی جان، اپنے مال اور اپنے اہی وعیال سے نوج مٹاکل بنے منفصد کی طرف منتوج نہوں ۔

مثلاً وہ لوگ ہوکسی خطام زبین کے بارشاہ بنتے ہیں انہیں اس کے یہے جنگ حوال کرنے بڑتے ہیں وشمنوں کو کمچین بڑتا ہے بعنی یا تو دشمنوں کو ہلاک کرنا بڑتا ہے یا ابنا بطبع بنا نا بڑتا ہے انب جاکروہ بادشاہ بنتے ہیں۔ یا اقتلار حاصل کرتے ہیں۔

منقول ہے کہ جب حضرت ایر جہا اور رصنی اللہ تعالیٰ عنہ نے جنگ صفین کے دن اپنی اور صفر علی منقول ہے کہ جب حضرت ای بر حملا اور صفر علی رصنی اللہ تعالیٰ عنہ کی منفوں کو ایک دو مرسے کے منفا بل کھڑھے در کھا تو فرایا «جو بڑی جیز کا ارادہ کڑا ہے اسے بڑی بڑی مشکلات بیش آئی ہیں"۔

اورتا ہر لوگ ختی اور تری کے نمایت خطرناک مفراختیا دکرتے ہیں۔ ابنی جانوں اورا ہے اور کور کرتے ہیں۔ استرن سے مغرب اور مغرب من مقرب من سے مشرق تک ہے جائے ہیں۔ اور دولوں کو نفع یا نفصان بر قائم کرتے ہیں۔ تب جاکر بڑے منا فع، بست مال اور بڑی بڑی اعلیٰ اور قیم بی اشیاء کے الک بغتے ہیں، وہ اتنی ہوائت بائی رہے چھوٹے درجے کے عام دو کا ندار ، ہودل کے کروراور عزم کے کچے ہیں، وہ اتنی ہوائت نمیس کرتے کہ دور در دانر کے سفر اختیا دکریں ۔ بلکہ خیر مال کے ساتھ ہی دل لگائے رکھتے ہیں ۔ ایسے لوگ ساری عمر مکان سے دو کان تک اور دو کان سے سکان تک ہی محدود در ہتے ہیں ۔ اسی بنا پر وہ بادشا ہول ساری عمر مکان سے دو کان تک اور دو کان سے مکان تک ہی محدود در ہتے ہیں ۔ اسی بنا پر وہ بادشا ہول جیسے بڑے مرتبے پہنیں پہنچ سکتے ۔ اور سنہی وہ بڑتے تا ہروں کی طرح کافی سرمایی طال کے سات ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی اور اہل دنیا کا حال ہے بیکن وہ مقدس اور موسیت نظر ہی آئنی ہوئی ہے ۔ یہ تزدنیا اور اہل دنیا کا حال ہے بیکن وہ مقدس وگ ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی اور دل کو خدا کے سوا و دسری چیزوں سے دل گرا ہیں اس کا اصل موا یہ بین تو کل اور دل کو خدا کے سوا و دسری چیزوں سے بڑالینا ہے ۔

جب به لوگ نوکل کی صفت کما صفهٔ اپنے اندر حاصل کر بیتے ہیں اوراس بر مفتبوطی سے قائم اور جانے ہیں فیق سے کنارہ کئی کو اسے توائم جو کر شغول ہوجائے ہیں فیق سے کنارہ کئی کو اپنا دستور بنا لینتے ہیں ۔ لن و دق صحرا وُں میں پیا ڈوں کی چر ٹیوں پرا ورخطر فاک گھا ٹیوں ہیں دندگی بسر کر نا ان کے بیاے آسان ہوجا تا ہے ۔ توا یسے لوگ رہبے طافت وراور یا ہمت ہوجاتے ہیں ۔ در حقیقت بہی یا ہمت لوگ دین کے ستون 'تام سے معزز اور خلائی زبین کے بادشاہ کہلانے کے ستعدار ہونے ہیں ۔ اور معظرا مہرت ہیں کہ کو کرتے ہیں۔ اور عظم کو کرتے ہیں۔ کوئی چیزان کے مقصد میں دکا و شدیا حاکل نہیں ہو سکتی ماری نیون ان کے سامت ہوتی ہے اور ماحنی 'حال وستقبل ان کے بیاے ایک ہوتا ہے بنی کے ماری نیون ان کے سامت ہوتی ہے اور ماحنی 'حال و شدیا جائے ہیں اس کا میں اس طرحت اشارہ فر ایا ہے بین پڑتی ساری نیون ان کے سامت ہوتی ہے اور ماحنی 'حال و شدیا ان کے سامت ہوتی ہے اپنی کریم میں اسی طرحت اشارہ فر ایا ہے بینیا پڑتی ہوتی ہوتی ہے اپنے مندر جو ذیل ادشا دیمی اسی طرحت اشارہ فر ایا ہے بینا پڑتی ہوتا ہوتے ہیں ؛

بوتخص یہ جاہے کہ سہے توی ہوجائے تو اسے چاہیے کہ اٹٹریہ توکل کرسے اور جربہا ہے کہ سے من سرئان يكون اقوى الناس فليستوكل على الله ومن سرئان اعزت موجائ تراسے جا جیے کہ تقویٰ اخیار کرے ۔ اور جو جائے کہ سب درگوں سے زبا دہ دولتن در بر نواسے جا جیے کہ اینے باس موج دشتے دولتن بر نواسے جا جیے کہ اینے باس موج دشتے سے زبا دہ اس نے براعتما دکرے جو فعدا کے درت

یکون،اکس مرالناس فلیستن الله و من سره ان یکون اغنی الناس فلیسکن دمانی یرن الله اوثق منه بمانی بده ا

تدرت میں ہے۔

حضرت بیمان الخواص شف فرایا که اگر کوئی شخص صدف نیت سے اللہ میمان و تعالیٰ پرتوکل کرئے تعدم معدن نیت سے اللہ میمان الخواص شف فرایا که اگر کوئی شخص صدف نیت سے اللہ میمان المحتاج نبیں ہوگا کی بوجائیں گے اوروہ کسی کا محتاج نبیں ہوگا کی بوزکد اس کا مالک تمام زمین و آسمان کے خزانوں کا مالک ہے۔

سعفرت ابرامیم الخواص رحمة الترنعالی علیه فراتے ہیں کہ ایک وفعربی نے ایک خیل بی ایک فوبس نے ایک خیل بی ایک خوبس ورن تزین فلام دیجھا . تو بی نے اسے کھا ' اے قلام ا تو کھاں جا رہے ہاس نے جواب دیا :
سمجے " یس نے کما بغیر سفر خرچ اور بغیر سواری کے ، تواس نے کما سلے ضعیف الیقین وہ فات ہو سات آسما فرل اور سات زمینوں کی محافظ ہے 'اسے یہ طافت نمیں کہ مجھے بغیر فا واربغیر سواری کے متح بہنچا دے " ، حصر سن ابرامیم خواص" فرائے ہیں کہ ہیں جب کم معظمہ ہیں داخل مؤا تو دیجھا کہ دہ فلام طواف کر دیا ہے اور بیا شعار بڑھ درہ ہے سے

یانفسسیجی ابدا واز تحبی احدًا

الاالجليل الصمدا يانفس موتى كمدا

، ترجمہ) اسے میری جان! ہمیشہ سیر دمیا حت بیں رہ اورخدا کے سواکسی کو ا بنا دوست نہ بنا ۔ اورا سے نعنس! غم آخرت ہیں ابنی جان دسے ۔

جب اس نے مجھے دیکھا تو کھنے لگا" لیے نیٹے ! تواہی کا صنعیف الاعتقادی میں گرفتارہے۔ حصرت اومطع رحمنہ اللہ تعالیٰ علیہ ہے معفرت حاتم اسم رحمتہ اللہ تعالیٰ علیہ کوفرا باکہ بی نے سنا حیات نیا بن خوفناک خبگوں بی بغیر خرج کے صرف خدا کے توکل پر بھیرتے رہتے ہیں اور طے کرنے

مب به پهرون در این مامیم شنے فرا یا «میرازا دسفه چار بین بی می بیمندت ابوزیطین نے بوجھا و د رینته بیں یا ترحصرت مامیم شنے فرا یا «میرازا دسفه چار بین بی بیمندت ابوزیطین نے بوجھا و د

كونسى إلى ۽ ترحسنه نِت مانته اصم خضيجاب ديا :

ایک به کرم محصیتین سے که دنیا واتوت خداکی لک بیں۔
دو تسری به که تمام مخارت خداکی مطبع اور فرماں بروارہے۔
تبستری بیا کہ رزق اور دزق کے تمام الباب خدانعالیٰ کے ہندیں بیں۔
بجر تمتی بیر کہ خداکی تفنائام دنیا بین افذہے۔
ایک ناع نے بہت اچھا کیا ہے:

(۱) ارى الزهاد في رويج و راحة قلوبه عرض الدنيا مزاحه (۲) اذا ابصرته ما بصرت قومًا ملوك الارض سيمتهم سماحة

(توجهه) (۱) میں دیجیتا ہوں کہ زا ہداؤگ آرام و احت میں ہیں۔ ان کے دل دنیا کی مجست سے مطبع کے ہیں۔

۲۱) جبب میں اندیں دیجھتا ہوں تو ابک ایسی قوم کو دیجھتا ہوں جوزمین کی با دننا ہ ہے ان کی نشانی سخا دیت ہے۔

نوکل کرنے کی دوسری وج بہے کہ اس کے ترک کرنے ہیں بڑا خطرہ اور بہت نعقعان ہے ہیں کتا ہوں کیا خدا تعالیٰ نے بیلائش انسان کے ساتھ منفسل اس کے رزق کا ذکر نبیس کیا ، بینی کیا ہے۔ چنا بخدارتنا دفر ایا:

مَّلِقَكُمُ نَعْرَرُزُنَكُمْ خَلَقَكُمُ نَعْرَرُزُنَكُمْ فَالْمَاسِياكِ بِعِرْتِينِ رِياكِ الْمِرْتِينِ رِياكِ الْمِرْتِينِ رِياد

اس سے معلوم بڑا کہ جس طرح وہ خالت ہے ارازی بھی ہے۔ بھر مرست اسی قدر برکھا بت یہ کی ، بلکہ سرزمے طور بررزق کا و عدہ فرما یا بینا بخہ فرما یا :

إِنَّ اللَّهُ هُوَ الرَّزَّاقُ مِ اللَّهُ اللَّهُ مُو الرَّزَّاقُ مِ اللَّهُ اللَّهُ مُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّه

بمرصرت اس وعدسے پراکنفاء مذکیا بلکه مهات طور بررزق کا ذمه اینے برایا اور فرمایا :

وَمَا صِنْ كَا بَيْ فِى الْاَرْضِ إِلَا عَلَى نِينِ يَن مِن مَا نلارنبيل مُراس كارز ق فلا الله عِلَى الله على الله على

پعرصرف ذمربراکتفا ندکیا بکداس بقیم کھائی بنا بخدارشا دفرایا: نَوَدَتِ السَّنَدَ مَا لَاَدُضِ رانَّهُ تَوْسَمان اورزبن کے رب کضم بینک پر

marfat.com

ی ہے دہیں ہی زبان میں جوتم پوسلتے ہو۔ لَحَقُّ مِنْ لَكُمُ مَا أَنَّكُهُ مِنْظِفْتُونَ ه بهرمدون فسم بإكتفاء مذكيا بكدنها بيت واضح الغاظ بن ذكل كاحكم ديا اور تزكل كرنے كى تنبيه فرما تى جنا بخير

اس حی دفیوم ذانت پرتوکل کرجس پرنشا نبیل سکنی -

وَ أَوْ كُلُّ عَلَى الْحِي الَّذِي كَا كَيْمُونَ

دوسرى حكه فرايا:

اورخدای برزوک کرداگرنم سیحایا ندارمو

وَعَلَى اللَّهِ فَتَوَكَّلُوْا إِنْ كُنْتُمُ مُؤْمِنِينَ توبیخص خدا کے فول براعتبار نہ کرسے اس کے وعدے کو کا فی نہ سمجھے اوراس کے ذمہ لینے بڑھم نن نہو۔ بھراس کے وعدے وعیداور حکم کی کوئی پرواہ نہ کرہے ۔ نوابسے خص کے نحوس اور بُرے ہونے بن کیانک ہوسکتا ہے۔ اورابیا شخص جن معاشی بربشانیوں می گرفتار مونا ہے روکس سے پونشیدہ ہیں۔ یہ ایک بهت سخت بات ہے سے عام دنیا غافل ہے۔ ایک دفعہ سرکار دوعالم نورمحبم ملی اللہ تعالیٰ علیہ ولم

اسابن عمرا نبرااس وقت كياحال مركا جب نو ابسی فوم میں ہو گا جوسععت بفین کے باعث تحط سالی كى خونىك رزق كا زىچرە بنائے گى -

كبعن انت اذا لقيت بين توهر يُخبئون رزق سنتهم لضعف

نے حضرت عبدالتٰ دبن عمر دمنی التُدتعالیٰ عنها سے فرایا:

حصنرت صن بصرى رحمته الله تعالى عليه فرمات بين كديعنت مواس قوم برجيد خلا كي نسمول بريهي عنبه نداً با يجب آيت قدُ دَتِ السَّمَاءِ مَا لَا يُضِالِح نازل بوئى توطل كمه نے كما بلاكت بوابن آ دم كے يے كه اس نے رب کو عصے کیا بیان کک کہ اس نے رزق دینے بہتم کھائی۔

حضرت اوبس قرنی رصنی الله زنعالی عنه نے فرمایا ہے:

اگرزخدا کی آنی عبادت کرھے بنی زمین واسمان کی تمام مخلون تو بھی وہ تیری عبادت نبول نہیں کرپگا جب کک تواس کی تصدیق مذکرے کسی نے سوال كاتصديق سے كيام ادب ، توآب نے جواب دیا کہ تواس سے مرتی ارازتی اور کفیل ہونے ہے۔

لوعدرت الله عبادة اهسل السملوت والإرمش كايقبسل منك حتى تصدرته نيل وكبف تصدقه. قال تكون امنًا بما تكفل الله لك من امروز قك

مطمئن موجائے اور حبم کواس کی بندگی کے لیے ... بر و ننری جسد دے فاس غا لعباد ته ۔

فارغ كردے.

جب ہرم بن جمان کی ملاقات محفرت اویس فرنی رضی الله تعالیٰ عنه سے ہوئی تو محفرت ہرم نے پوچھا" میں کماں افامت اختیار کروں" ، تو آب نے اپنے افقہ سے نام کی طرب اثبارہ فرایا ۔ تو محفرت ہرم سے کہا" نئام میں گزرا و فائ کس طرح ہوگی" ، نو آب نے جواب دیا" افسوس ان پر محفرت ہرم ہے کہا" نئام میں گزرا و فائ کس طرح ہوگی" ، نو آب نے جواب دیا" افسوس ان پر محفرت ہر مہندا ہوگئی ہیں۔ اب انہیں کوئی نصبحت فائدہ نہیں دیتی"

منفنول ہے کہ ایک کفن جور نے حصرت بایز پدلسطامی رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ کے ہاتھ پر توب کی بحضرت بایز بدلسطامی رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ کے ہاتھ پر توب کی بحضرت بایز بدنے قبور کے نتعلق اس سے سوال کیا تواس نے جواب دیا "یمس نے تعریف ہوئے تھے۔ تو سے کفن جائے لیکن سوائے دومردوں کے باتی تنام کے مرنہ قبلے کی جانب سے بھر سے ہوئے تھے۔ تر آب نے فرایا ان لوگوں کو رزق کے بارسے بی فعا پر توکل نہیں تھا۔ اس لیے قبریں ان کے چرسے قبلہ سے بھر سے ہوئے تھے۔ قبلہ سے بھر سے ہوئے تھے۔

برسایک دوست نے مجھ سے ذکر باکر بری ایک نیک اوری سے طاقات ہوئی تو میں نے برجیا کیا حال ہے ،اس نے جواب دیا سوال توان کا ہے جن کا ایمان محفوظ ہے۔اوروہ صرت منو کا بین ہی میں جن کا ایمان محفوظ ہے ۔اوروہ صرت منو کا بین ہی میں جن کا ایمان محفوظ ہے ۔ہم دعا کرتے ہیں کہ خدا نعالیٰ اپنے فضل سے ہمار سے اور تہار سے حال کی مسلاح فرائے ۔ اور ہمارے بُرے اعمال کی منزا ہیں ہمیں نہ بکر شے ۔ بلکہ ہمار سے ساتھ روز حشروہ سلوک کرے جو اس کی رحمت اور شان کے لائن ہے۔ وہ سب سے بہتر رحم وکرم کرنے والا ہے۔ دور ساتھ دور ہمان کے لائن ہے۔ وہ سب سے بہتر رحم وکرم کرنے والا ہے۔

اگرنم کموکہ نوکل کی حقیقت اوراس کا حکم کیا ہے۔ اور رزق کے بارسے بیکس مذبک توکل لازم وضروری ہے ہ

#### جواب:

نواس سوال کا جواب سمجھنے کے بیے چار جیزدں کا سمحنا صروری ہے:

اقرال نفظ نو کل ہے معنی ۔ دوم تو کل کے استعمال کا مقام سے م توکم کی تعربیت بچارم تو کل کے استعمال کا مقام سے م توکم کے استعمال کا مقام میں میں میں میں اور ایکے ۔

پیدا کرنے کے اسباب و ذرا نکے ۔

نفط نُوَی کُل نَفعة کُل کے وزن بربصدرہ بیس کا اور دکا لَدہ ہے۔ نومنوکل سے کئے ہیں جوکسی دومرے کو بنزل وکیل کے نفستورکرہ جواس کی طرف سے اس کے کام کاج کو سرانجام کہ اور جواس کی طرف سے اس کے کام کاج کو سرانجام کہ اور جواس کے معاملات کی دیستی کا ضامن ہو اور جو بغیر کلفٹ اور بغیرا ہتمام اس کی مشکلات کے بیے کا فی ہو۔

اس نفط کا استعمال نین منقام برکیا جا ناہے۔ ایک نوشمت پر قِسمت پر توکل کرنے کے عنی بیز ب کہ خدا نعائی نے تہاری شمت بیں جرکچھ تکھ ویا ہے اس براطینان کیا جائے کیونکمہ اس کاحکم بدیل نیس ہوسکتا۔ اور تشرع کی طرف سے براطمینان لازم اور سٹروری ہے۔

اس نفظ کے استعمال کا دور را منعام نظرت ہے۔ نسرت (مدد) مِن نوکل کرنے کے بیعتی مِن کہ استحال کا دور را منعام نظرت ہے۔ نسرت (مدد) مِن نوکل کرنے کے بیعتی مِن کہ استحال کی امدا دیرا عنما داور تغیین کیا جائے کیونکہ جب نم اس کے دین کی مدداور اس کی نشروائٹا عت میں کوئٹ میں کروئٹ نودہ بھی صنر در تمہاری املاد کرے گا کیونکہ اسٹہ تعالیٰ نے فرایا ہے:

فَا ذَا عَنَ مُنَ فَتُوكَلُ عَلَى اللهِ جب تركدن كام كرنے كا اداده كرے تو خداكى الماديرى الم

دورسے متفام پرفرایا: اِنَّ مَنْصَرُّوا الله يَنْصُرُ كُعرِّ۔

اگرنم خدا کے دین کی خدمت کروگ نورہ تمہاری الماد کرسے تکا ۔

ايك اور حكه نرمايا:

كَكَانَ حَقًّا عَكِيمُنَا نَصْمُ الْمُؤْمِينِينَ. ادريونسران المادكرا بالاحق ب-

توا مدا دی کے سلسلے بیں بھی التہ دنعا لی کے وعدے کے مطابق اس برتز کل وبسروسہ ضروری ہے۔

اوترمیسرامنفام جمار نوکل کرنا جا ہیے وہ رزق ادرروز مرہ کی ماجات ہیں کیونکمانٹ دنعا ہے اس جیز کا منعامن اور کفیل ہے جس سے تہارا جسم نائم رہے'ا وجس کے ذریعینم اس کی عبادت برفا در رمو

كيونكه خدانعاني كارتناوس :

اور جشخص الشرتعاني بيرتركل كريع توالشرنعاني

وَمَنْ تَبَنُّوكَالُ عَلَىٰ اللَّهِ إِنَّهُ مُوكِحُسِبُهُ

اس کے بیے کافی ہے۔

بنی کریم سلی الشدعابیہ ولم نے فرما یا ہے: لونوكل تدعمي الله حق توكله رزقكم كمايرزق لطيرتغدوا

خماً ما و تروم بطاناً ـ

اگرتم خدا برکما حقهٔ توکل کرتے تو دومتیں بندو ككطرح دزق دنيا جوميح خالى بيبي كمحوتسلوك جانے پی اورثنام کوبہیے بھرکے والیسس

ا وررزق کے مسلیدی مغلاً ونٹرعًا خلابرتوکل کرنا لازم ہے۔ اور رزق کے مسلیلے ہیں ہی خدابر نوکل کرنا صوفیاء کے زدیک عام طور پرنفظ نوکل سے مرا د ہنونا ہے۔ اوراس کتاب میں اسی توکل کی بحث مغفرد ہے بکین رزق کے بارے بی خدابر نوکل کرنے کے معہوم کی اس وفنت وضاحت ہوگ جب رزن کے تمام اقسام بیان کیے جائیں گے۔

ترجان ہے کہ دزق چارفتم ہے:

رزن مضمون - رزن منسوم لرزن مملوك - رزن موعود

رزة بمضمون سےمرادوہ غذا اوروہ انتیاء ہیں جن سے انسان کا بدن فائم رہے تمام اب ونیوی مراد نبیں۔ اور بیانو کل نفرعا وعقلاً واجب ہے کیونکہ جب خدانے ہمیں اس کی خدمت دعبارت کامکتف بنایا تومنروروہ ہماری ان بجیزوں کا کفیل وضامن ہوگاجن کے ذربعہ ہمارسے بدن فائم ڈپ اورىم اس كى عبادن بجالاسكين - اوربعن مثنائخ كرامبه نے ابنے سلك كے مطابق اس توكل كتے تك اجچی گفت گری ہے بینا بچہ انموں نے کما ہے کہ خلا نعالیٰ کا بندوں کے رزق کا ضامن ہونا تین وجسے

ایک اس بیے کہ ہم اس کے غلام ہیں اور وہ ہمارا آفاو مالک ہے۔ توجی طرح غلاموں ہا قا کی خدیمت واطاعت لازم ہے اسی طرح آ فا پرلازم ہے کہ غلاموں کے رزن اوران کی دیگرمنروری

دومرے اس بیے کہ خدانعا بی نے بندول کورزق کا مختاج پیدا کیا ہے بیکن انبین تلاش دزق کاکونی یتینی ذریع نبین نبا با بمیزنکه بندسے نبیں جانتے کہ ان کا رزق کون شے ہے'اورکہاں ہے' اور كب ميترة ك كاداس بيے رب نعالىٰ برلازم ہے كہ دہ ان كے رزق كاكفيل بوا وران كے بيے رزق

مبتاكرے۔

تیسرے،اس بیے کہ خدا نے بندوں کو حکم دیا ہے کہ وہ اس کی عبادت وطاعت میں شغول رہیں۔ نواگروہ تلاش رزق میں مرگردان رہیں نووہ اس کی عبادت کے داسطے فارغ نہیں ہوسکتے۔اس وجسے بھی چا جیے کہ رب تعالیٰ ان کے رزق کا کینل ہنے: تاکہ فراغت سے وہ اس کی عبادت طاعت بیالاسکیں۔

نیکن کامبد کا بہبلک درست نہیں۔ اس بیے کہ بہ کہنا کہ بندوں کورزق دبنا ضا پرواجہ اسے ا غلط ہے۔ اورائیسی فنتگوا سرار ربریت سے نا وانغینت کی وجہ سے ہے اور ہم نے علم کلام کی تنابوں یں ابیسے فدیمب کی نمایت مدتل طربقہ سے تردیدکر دی ہے۔

. ہم نے ابھی بیان کیا ہے کہ رزق چارتسم ہے ۔ اول رزق مضمون — اس کی مختفرت سے تم ن مصلے ہو۔

قیم دوم رزن مفتوم ہے۔ اس سے مراد وہ رزن ہے جو فدانے بندسے کی ضمت کردیا ہُوا ہے اور اس کا دفت معین سے دبار ہو کہ میں میں کہ بہ جبے گا، یہ بہنے گا۔ اس رزق مقسوم کی تفدار اور اس کا دفت معین ہے۔ اس میں کمی مبتی نہیں ہوسکتی اور نہ اس میں تقدیم ذانے مرزم سے جبیا کہ

بنى كريم ملى الله تعالى عليه ولم نے فرا باہے:

الرزق مقسوم رمض وغ منه الرزق مقسوم رمض وغ منه البس تقوى تقى بزائده وكا فجور فاجر بنا فضه -

رزق روزازل سے بیم کردباگیا ہے اور فلم فدت اسے تقریر کررکے فارغ موجکا ہے ۔ اب کسی پرمنے گا کی رہنے گا کی پرمنے گا کی پرمنے گا کی پرمنے گا کی پرمنے گاری اسے زا گرنسیں کر کسنی اور ذرکسی جر کے فیمن و فجورسے وہ کم موسک ہے۔

تبسری شمرزق مملوک براس سے مرادوہ رزق اوروہ مال واسباب سے سرکا بدہ العمل درجہ میں اندہ ہملوک ہے۔ اس سے مرادوہ رزق اور وہ مال واسباب سے سے کا بدہ العمل درجا میں میں موتا ہے۔ اور قرآن مجید کی مندر جو دیل آیت بس میں رزق مراد ہے۔

م رويا. مَا نَفِقُنُوا مِسْكَا رَزُنْنَكُمُ

اوراس رزق سے راہ فدا بس خرچ کر وجر ہم نے

تنیں دیاہے۔

اس آیت بی لفظ مِیتاً دَزُقَا کُھُر کے معنی بیں مِیتاً مَلکنا کھُر بین جس کاہم نے متبین لک

بچوتھی میں درق موعود ہے۔ اس سے مراد وہ رزن صلال ہے جس کا خدا تعالیٰ نے بریم ہے۔ گام وگوں سے وعدہ فر ما یا ہے کہ وہ انہیں بغیر محنت ومشقت کے دیا جائے گا جبیا کہ ارث ا دباری نعا

اور جوشخص فداسے ڈرتا ہا اور بر ہمیز گاری اختیار کرتا ہے تواس کے بیار مٹر تعالیٰ راونکال دیتا ؟ وَمَنُ تَيْتَنِا لِللهَ يَجُعَلُ لَكُهُ تَعَنِّرَجًا وَيُرُدُّونُهُ مِنْ حَيْثَ لَا يَمُ تَبِيبِ مَا وَيُرُدُّونُهُ مِنْ حَيْثُ لَا يَمُ تَبِيبِ مَا

اورا سے وال سے رزق دنیاہے جماں کا بندے کو گمان تک نہیں ہوتا۔

بہ ہیں رزن کی چارا قسام ۔ ان میں سے قسم اقل میں تو کل واجب ہے ۔

## توڭل كى نعرىين:

نوکل کی تعربیت میں مثائخ طریقت کا انتقلات ہے۔ عام مثائخ تو کہتے ہیں کہ مرت خدا پر ہمورسہ کرتے اور مخلوق سے ہتر تیم کی ایم بدین منقطع کرتے کا نام نو کل ہے۔ اور بعین مثائح کہتے ہیں کہ فیرسے نعلق منقطع کرکے ول کو صرف خدا کی سفاظت ہیں دینے کا نام نو کل ہے۔ اورامام ابوعم رحمتہ الشرنعائی علیہ نے فرا یا ہے کہ خدا کے سوا سرشے سے زک تعلن کا نام نوکل ہے اور زنگی قائم موصوف بیم اور بیتے ہیں کہ بندہ اپنے بدن کے نوام اور نمگی قائمی نام کو اور کے سوا سرے فرام اور نمگی قائمی نام کا خدا کے سوا

اورمیرسے بننج رحمۃ اللہ تعالیٰ علیسنے فرایا ہے کہ اپنی ہزنگی اور بجبعث کا ذکر مرن فداسے کرنے کا نام توکل ہے۔ اور مخلون سنے نگی و کلیعث کا ذکر کرنا غیرسے تعانی رکھنا ہے۔

میرسے زویک مشائخ کے افوال کا خلاصہ بہ ہے کہ ترکل اس کا نام ہے کہ بندہ کواس مرکافین موجائے اوراس کا دل اس بریفنبوطی سے قائم موجائے کہ بمرسے ہم اور ڈھا بیخے کو باقی رکھنا، بمری حاجات کو برداکرنا اور نہزنگی و تکبیعت سے بچانا صرف فعلا کے قبضتہ قدرت بیں ہے کسی دو مرسے کے ما جاخریں نہیں۔ اور نہ ہی اسبا ہے وسائل و نبا کے سبت ہے۔ فعلا اگرچا ہے تو بمرسے ہم کی بقا اور گرگر ماجات کے بیکسی مخلون کو دسیلہ بنادیّا ہے یا دنیا کی سی اور ننے کو ذریعہ بنا دیّا ہے ۔ اوراگروہ جا بھے معامات کے بیکسی مخلون کو دسیلہ بنادیّا ہے ۔ اوراگروہ جا بھے نوبین کے اسرے کے مجھے زندہ رکھ سکتا ہے ۔ وہ اسباف ذرائع کا مختاج نہیں ۔

جب نیرا عنفاد تو کل کے اس مفہوم برہوجائے اور نیرادل اس عقید ہے برمفنبوطی سے نائم ہوجائے۔ اور نیرادل مخلوق اور اسباب دنیا سے بے نیاز ہرجائے نوسمجھ نے کہ کما سخفۂ مجھے وصف تو کل حاصل ہرگئی ۔ اور نومنو کلین میں شامل ہوگیا ۔

## توكل بَيداكرنيك كاطريقه:

نوکل اس طرح پیدا ہونا ہے کہ بندہ رزق اور دیگر ضروریات کے تنعلیٰ خلاتعالیٰ کے سامن اور کفیبل ہونے کا نصور دیکھے اور خدا کے کمال علم اس کی کمال فدرت کا نصور کرسے اوراس بات پر یفیبن رکھے کہ خدا تعالیٰ خلاف وعدہ ، بھول ، عجز اور نیفض سے منزہ اور پاک ہے ہجب ہمبیت ایسا نصور ذہن ہیں رکھے گا نو صرورا سے رزق کے بارسے ہیں دب نعالیٰ پر نوکل کی سعا دن نصیب ہو جانے گا ۔

### سوال:

كابند يرز النش رزق لازم م يانيس و

#### جواب:

رزق مضمون کی نلاش بنده تهیں کرسکا کیونکداس سے مراد ہے جسم کی تربیت اوراس کونشوہ نما دینا ، اور بیہ خدا کا فعل ہے جس طرح موت اور زندگی عطاکرنا رب تعالیٰ کا فعل ہے ۔ اور ظاہر ہے کہ انسان ان افعال برتا ورنہیں ہے جو خدا کی صفات ہیں ۔

اوررز قرمقسوم كى ملائن بھى انسان كولازم نبيل كبيز كدوہ تورز قرمضمون كامختاج ہے وررز ق مضمون كاصامن اوركفيل خداہے ۔ اورخدانغالی نے بیجو فرایا ہے: وَا بَیَّعُنُوا مِنْ فَضَلِ اللهِ

تراس مراد تلاش رزن نهيس بكه طلب علم اورطلب نواب مرادم واوراكريبه كها جانے كه رزن مضمو

ارباب کے ماتھ وابستہ ۔ توکیا ارباب کی تلاش بھی لازم ہے یا نہیں ، تواس کا بواب بیہ کرارباب کی تلاش بھی لازم نہیں ۔ کیونکہ فعدا تعالیٰ جب دزق مقرر مبلے ماتھ یا بغیر بربھے میں ارسک ہے۔ تو تلاش ارباب کی کیا حاجت ہے ، بھر فعدا تعالیٰ نے مطلقاً فربا ہے کہ ہم دزق کے فعامی ہیں۔ یہ نید نہیں لگائی کو نفوں رزق کے ہم ضامی ہیں اوراس کے اربا ہے فدرائع فراہم کرنا بندوں کے ذریہ بینا نیر فربایا :

اورزبن میر کوئی جا ندار نبیس گراس کا رزق فدا کے ذمر کرم رہے۔ وَمَا مِنْ دَاتِهِ فِي الْرَدُونِ إِلَا عَلَى اللهِ رِذُقُها۔ اللهِ رِذُقُها۔

بھرانسان وہ ننے تلاش بھی کیسے کرسکتا ہے جس کی جگہ کا اسے بہتہ نہ ہمو کیونکہ بغین سے انسان کو یہ معالی سے انسان کو یہ معلوم نہیں کہ اس فرریعہ سے رز ف حاصل ہوگا ۔یا بہ نئے میری غذا ہے اوراس سے میری نشوونما ہے کو ٹی فرد بشریہ نبیں جانتا کہ میرارزق بغینًا اس فرریعہ سے حاصل ہوگا۔

اس سیسے بی نیرسے اطیبنان کے بیے بین کا فی ہے کہ انبیاء کرام علیم اسلام اوراولیاء عظام رزق کے معاطب بین خدا برزق کی کا شرکتے تھے۔ بلکہ اپنے بدن کو خدائی جات کے معاطب بین خدا برزق کی کا شرکتے تھے۔ بلکہ اپنے بدن کو خدائی جات کے بیاد خارع رکھتے تھے۔ اوراس پرا تفاق ہے کہ انہوں نے تلاش رزق کو ترک کرکے خداتھا لی کے کے بیاد خارج و کھتے تھے۔ اوراس پرا تفاق ہے کہ انہوں نے تارک ہوئے۔ تو اس بیان سے واضح ہوگیا کہ ملکم کی نافر انی نبیس کی۔ اور نہ ہی وہ کسی حکم خداوندی کے تارک ہوئے۔ تو اس بیان سے واضح ہوگیا کہ رزق اوراس باب رزق کی تلاش کو فئی صروری نبیس۔

سوال:

تلاش سے رزق زیادہ اور تلاش نزکرنے سے رزن کم ہوتا ہے یا نہیں ہ جواب :

لوص محفوظ میں رزق کی مقدارا دراس کا وقت معین طور لکھا ہو اے۔ اور خدا کے حکم میں کوئی تبدیلی منبیں ہوسکتی اور نہاس کی تغییم میں کوئی تغیر برسکتا ہے۔ اور بہی علمائے اہل سنت کے نزدیک مجمع ہے۔ صرف حانم اور شغین کے بیروکاراس کے خلاف ہیں۔ وہ یہ کتے ہیں کدرزی نو تلاش وعدم تلاش سے نیادہ کم نمیس برسکتی کے اور یہ فا سدہ یہ جس طرح کم نمیس برسکتی گرمال بین لائن وعدم تلاش سے ذیا دتی یا کمی ہوسکتی ہے۔ اور یہ فا سدہ یہ جس طرح مرزی میں کم نمیا دق نہیں ہوسکتی اسی طرح ال میں بھی نمیس موسکتی کیونکہ دونوں کی دیں ایک ہے۔ خدا

تعالى ندرج ذيل آيت بن اس طرف اتثاره فرايا سے:

رِلكِبْلُا تَنْ السَّوَا عَلَىٰ مَا فَا تَكُورُولاً الكِبْلُا تَنْ السَّوَا عَلَىٰ مَا فَا تَكُورُواور بِرِ مَعْ مُحُوا يِمَا التَّكُورُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ السَّالِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ السَّالِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ السَّالِ اللَّهُ السَّالِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّ

اگر تلاش سے درزی بیں زیادتی ہوتی اور عدم نلاش سے کمی توالبتہ عمٰی یا نوشی کا مقام ہوتا ۔ کبوں کہ سستی اور لا پروائی سے جب کوئی شے منا کئے ہوجا کے تواس پرانسان غمناک ہونا ہے ۔ اور کوشش مرب ستہ ہونے سے جب کوئی شے حاصل ہوتو اس پرانسان کو فرحت ہوتی ہے بنی کریم سایا للہ تعالیٰ عیہ ولیم نے ایک سائل کو فرایا :

من ہے، تواگر روزی کی تلائش ندیمی کرنا تو ہمی جونبرے نقدر بیں ہے وہ تخصے بل جاتی ۔ جونبرے نقدر بیں ہے وہ تخصے بل جاتی ۔ هَا كُو لَمْ تَأْيِنِهَا لَهُ اللهِ اللهُ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ المُلْمُ المُلْمُ اللهِ المُلْمُلُمُ اللهِ اللهِ اللهِ المُلْمُلِمُ الم

سوال:

تواب اورعذاب بھی قولوح محفوظ میں لکھا ہڑا ہے بھر بھی ہمبیں مکم ہے کہ طلب تواب کی جا۔
اور جواشیا معذاب کا باعث بنتی ہیں ان سے اجناب کیا جائے۔ تو کیا طلب سے تواب زیا وہ
ہوسکتا ہے۔ یا عذاب کا موجب بننے والی اشیا مسے اجتناب کرنا عذاب ہمرکمی کا باعث بن سکتا ہے،
ہوسکتا ہے۔ یا عذاب کا موجب بننے والی اشیا مسے اجتناب کرنا عذاب ہمرکمی کا باعث بن سکتا ہے،

جان ہے کہ خداتھ الی نے طلب تواب کا حکم قطعی اور واضح طور پرجمیں دیا ہے۔ اوراس کے ترک
کرنے پرعذا ہے کا درسنایا ہے۔ اور خدانے یہ ذرینیس لیا کہ بندہ نیک اعمال نہ کرے تب ہمی وہ اسے
انجھا اجر دے گا۔ اس بیے عذا ہ و تواب کی زیادتی بندسے کے فعل پربمبنی ہے اور رزق و تواہ عذاب
میں فرق ہے، جو بعق علی ہ نے بیان کیا ہے۔ وہ یہ کہ رزق اور موت کے متعلق لرح محفوظ برب بغیر کسی شرط
و تعلین کے ایک قطعی فیصلہ اکھا محوا محوا ہے۔ تم نے قرآن مجید بیں دیجھا نہیں ،کہ خدانے کس طرح موت کے تعلق
فیرمشروط طور پرفرایا ہے۔ ارتشاد ہے:

اورزین بی کوئی جاندار نبیل گراس کا رزق خدا کے ذرر کرم پہے۔ ير روسية برق برق براي الكارم الكارم الكارم الكاعلى وتما مِنْ دَا تَبَادٍ فِي الْاَدْضِ الْكَاعَلَى اللَّهُ وَ اللّهِ دِنْهُ تُنَاكُمُ اللّهِ مِنْ فَكَا اللّهِ مِنْ فَكَا اللّهِ مِنْ فَلَا اللّهِ مِنْ فَا اللّهِ عَلَى اللّ اورموت محصنعلن فرما آيا : بعب بون كا دقت آجا نا ب قدايك ساعت أكر بيجي نبين بوسكنا . فَإِذَاجَاءَ إَجَلُهُ مُولَايَسُنَا خِرُونَ سَاعَةً قَكَا يَسْتَقُدِهِ مُونَ ه

اور حفنورنبی کریم صلی الله تعالیٰ علیه ولم نے فرمایا ہے:

مپارچیزدرسے فراخت ہوچک مجد بی سے انسان کے ڈھا بچے کی بنا دہے۔ سے اس کی عادست و ادبعة قد فرغ منهن. الخَلْقُ، والخُلُقُ والرِّرُقُ والاَجَلُ

مبيعت سے ۔اس كى موت اوراس كے رزق سے

اورعذاب و نزاب کی مخربر لوح محفوظ بین بندسے کے فعل کے ساتھ معلق و مشروط ہے بینی اگر بندہ بیکی کرندہ نیکی کرے گا نو نزاب کی مخربر لوح محفوظ بین اگر بندہ بیکی کرے گا نوعذاب کا سزاوار ہوگا جبیبا کہ قرآن مجید کی مندر جبزیل آبت بین ندکورہ دیا۔
آبت بین ندکورہ :

\* اگراپل کن ب ایمان سے آنے اور تقوی اختیار کرنے تومنروریم ان کے گناہ معامن کردیتے اورانہیں نعمت واسے باغات بیں داخل کرنے۔ وَكُوْاَنَّ اَهُلَ الْكِتَابِ اَمَنُوْا وَ النَّغُواُلَكَ قَهُمُ سَيِّنَا نِهِمْ النَّغُواُلَكَ قَهُمُ سَيِّنَا نِهِمْ وَلَاذْ خَلْنَاهُ مُرَجَّنَا مِن النَّعِيْم سوال:

ہم نے دہجھا ہے کہ جولوگ رزق کی تلائش اور سعی کرتے ہیں ان کے پاس رزق اور مال وا فرم زنا ہے اور سخو تلاش اور سعی نہیں کرنے وہ کنگال اور محتاج ہونے ہیں۔

#### جواب:

ابیانیں، بلکدد بجھاگیا ہے کہ بعض تلاش اور سے کرنے والے رزق سے محروم بوتے بی اور بعض النظر نظر نے والے دولت منداور با نعمت مونے بی ۔ ہی اکثر بیہ ہے کہ سعی کرنے والے فقیر و فلک شو منیں ہوئے۔ اور سعی نہ کرنے والے اکثر و بیٹ تر فقیر ہونے ہیں۔ بیداس بینے تاکہ تمییں معلوم ہو کہ عزت و مکمت والے فلاکی تدبیر و نقد براسی طرح جاری ہے۔ ابو بکر محمد بن سابق صفلی واعظ شام نے کیا مخرب فرما با ہے ہے۔

مهذب الراىعة الرزق مغرف

، ۲) وكرضعيف صعبف في تقليمه

(۱) كىرەن نۇي قوي فى تقلب 4!

كانه من خليج البحريغ تزف

رس) طذا دلیل علی ان اکا له که فی الحاق سرخفی لیس بینکشف نوجمه دا ، بعث سے توی لوگ جوند بیریس بعث بونٹیا روچالاک بموتے ہیں، رزق سے محروم بموتے ہیں۔

ر ۲) اورببت سے میں میں اندین کیتے دنباان کے پاس اس طرح آتی ہے جیسے وہ سمندر کی تہ سے دونوں یا مقوں سے میرسے اور جوا ہرات کال رہے ہیں ۔ سمندر کی تہ سے دونوں یا مقوں سے میرسے اور جوا ہرات کال رہے ہیں ۔ دس) بیاس بات کی دلیل ہے کہ رزق کے بارسے میں مخلوق کے ساتھ خدائے نعال کا ایک مخفی تعلق ہے ہے۔ تعلق ہے ہے سمجھنے سے انسانی دماغ قاصر ہے ۔ معد ال

کیاکسی صحرایں بغیرزا دراہ سے داخل ہونا درست ہے ، اوربغیرکسی ساز دسامان کے اسے کھے کرنے کا ادادہ تھیک ہے ،

#### جواب:

جان سے کہ اگر تیرا دل نوکل بیم محکم مرا در سخفے خدا کے دعدسے بریمل بفین ہو تو تبرے ہے بے زا درا معرا نور دی درست ہے ۔ ور نہ عوام کی طرح تر بھی زادِ را ہ سے کر چل ۔

اوریں نے ام ابوالمعالیٰ رحمہ اللہ تنعالی سے مناکہ آب فرائے نفے" بوتخص اللہ تعالیٰ کے مانھ اسی دستنور سے بنیں آئے جواس کالوگوں کے مانھ دستے ، تو خلا بھی اس کے مانھ اسی طرح بیش آئے جس طرح لوگ اس سے بیش آئے جی ایراث او بہت ورست ہے اورغور کرنے والے کواس سے بن فائدے ماصل ہو سکتے ہیں ۔

### سوال:

نها داید کمناکه بغیرزا دراه محف نوکل فلارسفرا خینارکرنا درست ب تیجیک نبیس کیونکالتانهالی فی الله می مینونکالتانه الله می مینونکالتانه می مینونکالتانه می مینوند می مینوند مینوند

وَرَزَقُودُواْ فِإِنَّ كَنْ يُرُالِزَّا دِ التَّقُولِي - اورزادرا وليكرسفر بن علو-اور بنترزا رتقوى ب-

#### جواب:

اس آیت کی تغییری دو قول ہیں۔ ایک یہ کہ زا دسے مرا د زادِ انزت ہے۔ اسی بیاس کے ساتھ

فرايا خيرالزًادِ التَّقُولى - ندكر ديري اباب اور ممولى مفرخ يع وغيره -

دوسراتول بیرے کہ جب بعض اوگر صفور ملی الشرنعالی علید کم کے ذمانے میں مج کو دوانہ ہوتے سے نزبغیر سفر خرج روانہ ہیتے ہے۔ راستے میں لوگوں سے انگتے تھے اورائی متاجی کا شکور کا ہیت کرتے تھے۔ راستے میں لوگوں سے انگتے تھے اورائی متاجی کا شکور کا ہی کرتے تھے۔ لوگوں کو تاکہ کرتے تھے اورا مراد کے سا نفان سے انگتے تھے۔ نوا یسے لوگوں کو مکم ہیا گیا کہ ذاورا مرا ہونیا کو دکمائے ہوئے ال کے سانقہ جج کرنا ہی اصل کر ذاوران سے بھر سے کا کا کو کرکے انگتے بھرنا اور داستے میں ہرایک سے جج کا ذکر کے انگتے بھرنا اور بھراس ذکت وخواری کے سانقہ جج کرنا ہے فائدہ ہے۔ اور بھراس ذکت وخواری کے سانقہ جج کرنا ہے فائدہ ہے۔

سوال:

كبامتوكل شخص مجى سفريس زا دراه كرمين ہے ، جھوا ہيں :

بساا و فات متوکل آدم بھی زادراہ اپنے ہمراہ سے کردوانہ ہوتا ہے بیکن اس کاول اس بات بر محکم نہیں ہوتا کہ بسی میرارز ق ہے اور سفریں اسی برمیراسما لا ہے، بلکہ اس کا ول فلا کے ساتھ محکم بوتا ہے، اور اس کا بھروسہ فلا پر ہوتا ہے۔ اور وہ دل میں کدر ہا ہوتا ہے کہ میرارزق روزازل سے میرے سفے بی کھو جا ہے گا ہے۔ اور فرشتے میرے سصے کا رزق لکھ کرفارغ ہم بچکے ہوئے ہیں اواللہ تعالیٰ اگرچاہے تواس رزق کے ذریعہ میرے بدن کوفائم رکھے، یاسفریں کوئی اور فدیعہ ببداکر دہے۔ اور بسااد فات متوکل شخص اپنے ہمراہ زا دِراہ اس نمیت سے بھی برایت ہے کہ اس سے میں مالات کہ اس کے کی سلمان کی اعانت کرے گا ، یاکسی اور شے کوفائد ہو سنیجا ہے گا۔

ایکن در تقیقت زادرا ہ نے کر جینے یں اصل چیز دل کی حالت ہے تیرے دل میں ہے بات ہونی جا ہے کہ خدائے ہرحال ہیں مجھے رزق وینے کا دعدہ فرایا ہے اور وہ بمیر کفیل اور منامن ہے اس بیے کر مبت سے درگ ایسے برنے ہیں جو فرق تو لے کر جیلتے ہیں گران کا تو کا مکل طور پر غدا پر موتا ہے نہ کہ اس خرج پر اور مبت سے طا برا خریے ہے کر تو نہیں جاتے کی ان کا دل اس میں گرفتار ہوتا ہے ندا پر انمیس کر تی بھروسر نہیں ہوتا۔ تو معلوم ہوا کہ اصل بات دل کی ہے ۔۔۔ اس اصول کوا مجھی طرح فرہن نے یں کر کے بھروسر نہیں ہوتا۔ تو معلوم ہوا کہ اصل بات دل کی ہے ۔۔۔ اس اصول کوا مجھی طرح فرہن نے یں کر کے بیونکہ یہ بہت مفیدے۔

#### سوال:

بنی کریم ملی الله نفالی عابیه ولم وصحابهٔ کرام اورسلف صالحین بهیشه زادِراه بے کرسفرکرتے قے تم کیسے کھتے بوکہ زادِ راه کی منرورت نہیں ؟ جواب:

کیاآپ جو کھانایا پنی یا دریم یا دینا رسا نفر ہے کرسفراخینا رکتے نفے تواہیے خدا کے اس فرکورہ مکم کی نافر انی کی ، حاننا و کلا ، آب سے تطعنانا فر انی صا درنہیں ہوئی بلکہ دریم و دینار کے جوتے ہوئے بی تعینیا آپ کا دل خدا کے ساتھ تھا اور نفینیا آپ کا نو کل خدا بہی نقا ، جیسا کہ ان کے رہنے انہیں حکم دیا تھا کیو کہ آپ ہی وہ بیش ذات ہیں جس نے دنیا کی کسی چیز کی طرف نطعاً انتفات نمیں فر بایا ، اور تمام زبین کے خزانوں کی چا بیوں کی طرف جب کہ آپ کو پیش کی گیئر انظراً ٹھا کہ نمیں دریجھا ۔ بلکہ آپ کا اور سلعن صالحین کا سفر خرب سے کھا ، دوسروں کی اعانت و دستاگیری کی نیت سے تھا ۔ اس بیے نہیں تھا کہ وہ زاد واد کو ہی معا ذالت را پاسما واسم سے تھے اور خدالی نہیں کی بھروسہ نہیں تھا۔

تومعلوم بواکداصل اغتبارارا دسے اورتصد کاہے۔ اس کو خوب زیرن نئین کرا درخواب فعلت سے بریدار می اور بات کو پوری طرح زمن ہیں بھا: ناکہ ض ایخصے نیکی کی را و درکھائے۔

سوال:

كيازا دراه كرمين افضل هج يانه ك كره

جواب:

زا دراہ سفریں ہے کرمانیا یا نہ ہے کرمانیا حالات وانتخاص کی بنا پرختلف ہے۔ اگر ایک مقتدلے فوم زا دراہ اس آرا دسے سے ہے کر چلے کہ دوگوں براس کا جواز دا باحث دوش دواضح ہو۔ با سفریں دوسرے سلمان بھائی کی اعانت کی نبت ہو، یا کسی حسنتهال کی فریا درسی مطلوب ہو، یا استیسم کا کوئی اور نبک ارادہ ہو تو زا دراہ ہے کرمیانا افضل ہے۔ اوراگر کوئی شخص اکیلاسفر کورہ انہ ہو بھر بھر کی توکل خلائعالیٰ برقوی اور مضبوط ہو۔ اوراسے یہ خدشتہ ہو کہ زا دراہ خداسے غافل ندکرہ فوا میسے خافل ندکرہ فوا میسے نزک زاد بہتر ہے۔ اس فرق کوا بھی طرح معلوم کر ہے ۔ خدا بھے نزک زاد بہتر ہے۔ اس فرق کوا بھی طرح معلوم کر ہے۔ خدا بھے نئی کی توفیق سے ہے ترک زاد بہتر ہے۔

دُوتُدسرا عارضه \_\_\_سفرکخطران کانفوراورخیال اس عارضے سے محفوظ رہنے کی صورت یہ ہے کہ توابنا معاملہ بورسے طور پر فعدائے تعالیٰ کے حوالے کا کا کے دو وجہ سے بہترہے۔

ایک نودلکواسی وقت اطبنان اور مین نعیب موجائے گا۔ اس میے کہ وہ امور جواہم ہوں اور ان کی اجھائی یا بُرائی تم بر واضح نہ ہو توا بیدا مورکی فکریں مضطرب اور نزور بیرہ فاطر رہوگے۔ اور حب نے اپنے ہر معاطے کو فلا کے حوالے کر دیا نو تنہیں نغین ہوجائے گاکہ ان ناء اللہ تعالیٰ اور حب نے اپنے ہر معاطے کو فلا کے حوالے کر دیا نو تنہیں نغین ہوجائے گاکہ ان ناء اللہ تعالیٰ صلاح و جر ہی نصبب موگی۔ نوا پنے معاملات میر رفداکر نے بین تم خطرے اور تیزم کی نشو بن سے محفوظ ہوجاؤ کے اور بین واطبینان میت اور دل کا اطبینان میت رفعہ علی اور بیامن وراحت اور دل کا اطبینان میت رفعہ علی محفوظ ہوجاؤ کے اور بین واطبینان میت اور فعد مجاس میں فرمایا کرتے نقے:

ابنی نذبیراس ذانت سے مپردکر ہے جس نے مجھے پیدا فرایا نولاحت بیں ہوجائے گا۔ دع التدبيرا لى من خلقك نسترسم ـ

بركيشيخ عليدار ممة نے مندرجه ذبل نمن انتعار مي اسي سليد بس كھين فراتے ہيں:

ب تقع له او المكروة

( ۱ ) ان من كان ليس يدرى فى المعيو

المالذي يكفيه

(٢) لحرى بأن يفوض ما يعجز عنه

احتىمن امله و ابيه

رس للاله البرالذي هو بالراحة

توجمه (۱) بوخص بر نه جانتا موکه مبرانفع میری محبوب شی بی ہے یا اس میں جو بھے ناپسند ہے۔ (۲) نزچا ہیک اِس کام کو جیسے وہ صل کرنے سے عاجز ہے اُس ذات کے حوا ہے کر ہے ہو ہر (۲) واجت میں کافی ہے بعنی خلانعالی کے میبرد کر سے جو نیکو کا رہے اورا بینے ماں باب سے

مھی زیا وہ جیم وتنفیق ہے۔

تعزیق الی الله کا دومرا فا کده به ہے کہ آندہ جی تم صلاح و خبر بیں دہوگ ۔ اور بہ اس ہے کہ معا لات و حالات ، تا ایج وعوا فنب کے اعزبار سے بہم اور مفی ہیں کیو کم سبت برانبال ایسی ہیں ہوسو و خیر معلوم ہوتی ہیں۔ اور بہت ایسے نقصان وہ امور ہیں جو نظا ہز ریور نفع سے آلائے دکھا کی دیتے ہیں اور تم اسرار وحوا فنب سے بے خبر مور توجب تم اور بہت ایسے ہیں جود کھنے ہیں نشمد معلوم ہوئے ہیں اور تم اسرار وحوا فنب سے بے خبر مور توجب تم کسی امر کو عزم سے اور اپنے اختیار سے نئر وع کروگے تو بہت جلد ہلاکت و نبا ہی ہیں پڑھا و گے در مسی امر کوعزم سے اور اپنے اختیار سے نئر وع کروگے تو بہت جلد ہلاکت و نبا ہی ہیں پڑھا و گے در متیں شعور تک نبیس ہوگا ۔

حكايت:

ایک عابد کے منعلق منفول ہے کہ وہ رب تعالیٰ سے بیمول کیا گزا نفا کہ اسے ابلیں بعبن دکھایا جائے۔ اللہ تقالیٰ کی طرف سے بیں جواب ملنا نفا کہ اس خیال کو مجبور اورعا فیت وامن کی دعا کیا کہ گر وہ اپنے اسی بنجال پر مصرففا۔ آخوا بک روزا نشر تعالیٰ نے ابلیس کو اس عابد برنظا ہر کر دیا جب عابد نے ابلیس کو دیکھا تو اسے مارتے کا ارادہ کیا۔ ابلیس نے کہا اگر تو نے سوسال زندہ نہ رہنا مونا نوبی مجتبے ابلیس کے دیا اور کھے سحنت مزا دیا ۔ ما بدابنی عمرسوسال سن کر معرور ہوگیا اور دل بی کھنے لگا میری عرب بہ کہ کہ دیتا اور مجتبے سکا ہ کرتا ہم میں اور فندی و فی من و فجور بی مبتدا ہوگی جب کے ۔ ابھی آذادی سے گن ہ کرتا ہم میں آخروفت پر تو بہ کرلوں گا جینا بخہ وہ فسنی و فجور بی مبتدا ہوگی جب ترک کر دی اور ہلاک ہوگیا۔

اسے فاطب! نیرسے بیے اس کا بت میں اس امر برنبید ہے کہ تواہنے الاوے کی بیروی نہ کرے
اور ابنے مطلوب نفسانی کے حسول میں اصرار سے کام نہ لے ، اوراس کا بیت سے تجھے بیبن ہی ملائے
کہ طول اُس سے بچے کیونکہ مول اُس طبیم کریں آفت ہے ، ایک نماع رہے کیا انجیا کہا ہے ؛
وایا کہ البطاً مع والاماً فی

فكرامنية جلبت منيه

نوجمه : طبع کی جیزوں اور لمبی امیدوں سے بجو۔ کیونکہ سبت ابیدیں ایسی ہمرتی ہیں جن کے بختہ ہمے انسان نقمۂ موت بن جانا ہے۔ پیچھے انسان نقمۂ موت بن جانا ہے۔ پیچھے انسان نقمۂ موت بن جانا ہے۔

بربر. بیکن جب تم ایبامتعا نکه انته بسخانهٔ و تعالیٰ مے میپردکرد و گے اوراس سے سوال کروگے کہ دہ تمہار بیایی شے کا انتخاب کرہے ہیں تہاری بہتری ہو تو منرود تہیں خیراور درستی ہی نعیب ہوگی اور تم نبک کام سے ہی ہمکنار ہوگے۔ الٹر تعالی نے اپنے ایک سانے بندے (مصرت ہوئی علبالسلام) کے الفاظ نقل کرنتے ہوئے فرایا:

بیں اپنا معاملہ انٹر کے موالے کرتا ہوں بیٹک دہ بندوں کود بچشتا ہے۔ توانٹر تعالیٰ نے اسے ان کی بری ان کی بری ان کی بری جانوں سے معوظ کہ کھا۔ اور فرموزیوں کو دیکھ دینے والے عذائے آگھے را ۔

وَأُفُوضُ اَحْمِى كَاللّهُ إِنَّ اللّهُ سَرِيبَاتِ مَا مَكَمُ وُاوَحَاقَ إِلَا لَمَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

تم دیکھتے نہیں کہ رب نعالی نے کس وضاحت سے اپنے معاملات اس کے حوالے کرنے پر صفا طن وُنمنوں کے خلاف ان کر خرایا ہے والے کرنے پر صفا طن وُنمنوں کے خلاف ایرا داور بندسے کا اپنی مرا دیں کا میاب ہونے کا ذکر فرمایا ہے و سے اس میں خوب عور کرو سے اسٹر تعالیٰ نمنیس بھلائی کی ترفین بختے۔

#### سوال:

تفویین کامعنی اوراس کا حکم داضح فرایا جائے۔ جھوا ہے:

جاننا جا سبے کہ بیاں دو جیزیں ہیں جن کے مجھ لینے سے بات واستے ہوجائے گی: ایک نو تغویفی کا مقام اوراس کا حکم ۔ اور دو سری تفویف کا معنی اس کی تعربیت اور تفویف کی ضد کا بیان ۔ مقام تفویش کی تفسیل بیہ ہے کہ مرادین ہمن تسم ہیں :

ایک و دمرازس کونم نینیا اور قطعًا بری اورخراب سمجننے مویہ تنہیں اس کے بُرا ہونے ہی ذرا شک نہیں ہڑتا ۔ بیبیے جہنم اور عذا ب اورافعال ہیں کفرا در برعت اور معصیت وعیرہ ۔ ان امور مذکور کا ارا دہ کرنے کی فرقطعًا کونی گنجائن اورا جازت نہیں ۔

دوسری ده مرادیس کے اچھا اور مبتر ہونے کا تمبین کمل بیتین ہے جیسے جنت ، ابہان اور سنت وغیرہ - ان امور کا ارادہ کرنا صروری اور لازم ہے ۔ بہاں نفویون جائز نمیس اس بیے کان امور بی کرئی خطرہ نہیں اور نہ ہی ان کے بہتر اور اچھا ہونے بیں کوئی نزک و شبہ ہے ۔ امور بین کوئی نزک و شبہ ہے ۔ امور بین کوئی تنا دسے بیے جولائی ہے باخل بی تمیسری وہ نئے ہے جس کے منعلن تم خما نہیں جائے کہ اس بی تمیاد سے بیے جولائی ہے باخل بی

اورفائده به بانقصان بمید نوافل اورمباح ا مور ان امورکاتم بنینی او قطعی ادا ده نبس کرسکتے تواہید امورکا ارا ده کریتے وقت بان نشا والشدسنرورکما جائے و بلاان شا دالشدان امورکا ارا ده درست نبیس و بلاإن شاء الشدان امورکا ارا ده ندموم بوگا بجس سے نشرعًا روکا گیا ہے ۔ نواس تحقیق کی کروسے نفویض کا بلاإن شاء الشدان امورکا ارا ده ندموم بوگا بجس سے نشرعًا روکا گیا ہے ۔ نواس تحقیق کی کروسے نفویض کا مقام اور مبرده شف سے جس کے اندر تمهار سے بیدے کوئی خطرہ ہو۔ اور نمنیس اس کے بہتر برنے کا نیشن کا ن نام در مبرده شف سے جس کے اندر تمهار سے بیدے کوئی خطرہ ہو۔ اور نمنیس اس کے بہتر برنے کا نیشن

تفویض کے معنی

بمار ب يبعن مشائخ نے تغويف كيميني كيے ہيں:

تفویف کے معنی ہیں ہروہ نفیحس بی خطرہ ہواس ب اپنے اراد سے اور اختیار کو ترک کر دینا اور مربر کا نتا ختا رمطلق اور مخلوق کے مصالح جا نضوا ہے اللہ

هو تنوك اختيارها فيه مخاطرة الى المختار المدروالعالم بمصلحة الخلق لا اله ألاهو

تعالی کے بیرد کر دنیا

ا ويشبخ ابو محد سنجرى رحمنه الله عليه نے تغویض کے بهعنی کیے ہیں:

تفویفی نیراخطرے کی شے بی اینے اختبار کورک کردنیا اور مختار مطلن کے حوالہ کردنیا ہے اکہوہ مختار مطلق تیرہے لیے اسبی چیز پہند فرائے جس بی تیری مجلائی اور منبری مجد۔ تیری مجلائی اور منبری مجد۔

هوترك اختيارك المخاطرة على المختارلين المختارلين ما هوخير المدن ا

ا ورشیخ ا بوعمرورهمة الله علیائے نفولفن کی ية عربیت کی ہے:

بعنی تقویص ترکطع کا نام ہے۔ اور طمع ایسی نئی

هوترك الطمع والطمع هواراده

کے الے کا نام ہے جس می خطرہ ہو۔

التنتئ المخاطريا لحكمر.

تفویین کے معنی میں بیمٹنا کے کام کی عبارات تفیں جو نقل کی گئیں ۔ اور ہمارے نزدیک تفویفز کے

يىمعنى بى :

جنابور بن نم كوخطره كاخوت بوابسط بور بي يارا د منت كرينا كاشرتعا لي تسادي صلحنز ل درمتريوں كي خا أرادة الله على المصافية المخطر في المنامن فيه المخطر في المنامن فيه المخطر في المنامن في

اورنگداشت كرسة ايسهادا دسه كانام تغويق مهد

اورتفویف کی مندطع ہے۔ اور طبع دوطرح کا ہے۔ ایک وہ جورجا کے معنی ہے بینی ایسی شے کاارادہ

كرناجس مين كونى خطره نه بورباخطره بو گمران نشاء الشدكسريا جائے.

يه طمع بورجاء كے معنی يں ہے مدورح اور مخبر فرموم ہے جيساكد پرورد كارعالم مل وعلا فيطم كو

اسمعنى بين قرآن مجيدين استعال فرمايا هم ارشاد موتاهم:

اور وه ذات جس سے محصا میدہے کردنہ قیامت

وه ميرى تمام نطائي مجن دسے كا-

والذى اطمع ان يغفى لى خطيئتى

يوم الدين ـ

دوسرم معقام برفرمایا:

بمين بورى المدع كمهادا بدورد كارجمارى تما

خطائي معان كردے كا۔

اناً تطمع ان يغقرلتا دبنا خطايانا

اورہم بہال اس طمع محمودیں بات نبیں کرتے۔

دُور اطمع ندى م جسب سي كانتعلى بى كريم ملى المترتعاني عليه ولم كا ارزا وگرامى ب:

ابنے آ پ کوطمع سے بچا وُ کیونکہ وہ ایک ہفعل

متاجی اور تنگدمنتی ہے۔

اياكم والطمع فأنه فغي

حاضر.

اوركهاگيا ہے كە:

یعنی دین کی بلکت اوراس کا نسا وطعے میں ہے اور

رین کی مفاظت اور نیتگی ورع اور تفوی میں ہے۔

هلاك الدين و فسادة الطمع وملاكه الوسع

اور بماركيشيخ رحمة الشرعليه نے فرما يا كى طمع ندى دو بچيزيں بين:

ايك بيى تتے سے مكون قليب حاصل كزاجس كا نفع

مشکوک مور دوسری ایسی چیز کا اداده کرناجس می

سكون القلب الى منفعة منتكوكة

والتثانى ادادكا التثى المنخاط يالحكع

خطره مو-

ان امور کا بیان جن کاتصور تفویض الی استر کا موجب ہے:

(۱) اموراورمعالمات مي خطره -

۱۲) بلاکت کا امکان -

( **س** ) فساداورخرابی کا خوت ـ

( ۱۷ ) انسان کا خطرسے کی بیزوں سے محفوظ دہنے سے عابز ہونا۔

د ۵ ) انسان کی خفلت اور نا دانی کے باعث خطرے کی پیزوں سے نہ بے سکنا۔

اگرتم ان با بخ امورگوسنجدگی سے ذہن میں ما منرکروسگے تونمنمارسے دل میں خواہ محواہ ارا دہ بدا ہوگاکہ ابنے تمام امورومعا ملات احکم الحاکم بن کے حوالدکر دینے جا ایسیں اور بلا اِن شاء اللہ نعالے کیے ان کا ارا دہ نبین کرنا جا ہیں۔ ہل اگران امور بی خیروسلاح کا بقین کا ل موتو بھر بلانشونش ارا دہ کرنے بین کوئی حرج نبیں۔ و با داند النوفیق ۔

### سوال:

تم جب خطرے کا بار بار ذکر کرتے ہوکہ اس کی وجہ سے نغویفِ الا مورالی الٹد صنر دری ہے آخر وہ خطرہ کیا ہے ؟

#### جواب:

جان لوكة خطره دوطرح كاسېه:

ایک توخطرہ ننگ، کہ ننا پریہ کام موگا یا نہیں۔ اور ننا بدیں اس کک بہنے سکوں یا نہ ۔ اسی خطرۂ ننگ کے باعث اِن نشاءالٹہ کمنا صروری ہے ۔

کے دوسرا خطرہ فسا د<sup>ہ</sup> کہ تنہیں یہ نقین نہ ہوکہ اس ہیں تنہارے لیے صلاح اور مہنزی ہے۔ اسس کر میں نزندہ ن

خطرہ کی بنا پرنفویین منروری ہے۔ پیمز خطرہ کی تعربیت بیں امرہ کرام کی عبارات مختلف ہیں یعین انمہ کرام نے یہ تعربیت کی ہے۔ "خطرہ وہ شے ہے جس کے غیریں نجات ہوا دراس کے کرتے سے از کاب گناہ کا امکان ہو''۔ اس معنی کی موسے ایمان استقامت اور سنت ہیں کوئی خطرہ یا خدشہ نہیں کیونکہ ان کے بغیر تجا نام کن ہے۔ اور پہھی ظاہرہے کہ استقانہ علی الشرع کسی از کا پاعث نہیں۔ للذا ایمیسان

التنقامت اورسنت كالراده بقينًا مونا جاسير

بماريج وحمة الته عليت خطر في الفعل كي يتزيز كي فرما في سي كد: "خطره وه شف اورده امرعار ص بصب معين افقات امس فعن زک کر کے واکزا بڑے اوداس وتنت السل فعل كى بجائے اس ام عارض گوا واكرنا زيا وہ بنتر ہو" خطره کی بینعربیب مباحات ،سنز اورنر نفن کوبھی نشامل ہے۔ اس اجمال کی تعصیل برسمجھو کہ ابكشخص كاوقتت نماز تنگ بوجها مواوراس نے اسے ادا كرنے كا اراده كريا بر عين اس زقت وہ تحق کبیں مبنی آگ یا دریا بس گریرا، نوابسی صورت بن اس کا قصیرنما زکے بجائے اپنے آب کو بجانا حرری اورلا بری ہے۔اس تعربین کے مطابن سب خطرہ کا نعلق مباحات بسن اور فرائض سے بھی ہوگیا تو ان كالمجى قطعى ارا وه كرنا درست نهيس . كمكه سا غدان نشاء الله كمنا جا ہے ۔

به کیسے ہوسکتا ہے کہ رب نعالیٰ بندے بایک کام فرص کرے اوراس کے زک پر دعبد فرائے بعراس بندسے کے بیاس فعل میں کوئی بھلائی اور بہتری نہرہ

ہمار سے بننے رحمالتٰ دنعالیٰ نے فرما یا ہے کہ "التٰ دنعالیٰ بندسے پر جو بجیزلازم اور فرمن کرناہے، بندے کے بیے عنروراس بیں بھلائی اور بہنری بونی ہے بجکہ وہ عوار من اور رکا وٹوں سے خالی ہو۔ ہاں الشذنِعالى كسى لا زم اور صنرورى فعل بن اس طرح تنگی نبیس فرما نا كداس سے كسی اور طرف عدول نه ہوسکے۔ اور عنرور سرفر من اورلازم فعل من بندسے کے لیے صلاح اور مہتری منمرہے ببت دفعراب ابونا ہے كما تشدتعالي كي طرف سے اس فرص اور لازم فعل سے عدول كے اسباب بيلا بموجانے بيل ورا بيے حالات بن ایک واجب کوزک کرے دوسرے واجب کوا خینارکزا بتزاوراولی ہوجا تا ہے۔ جيساكهم ذكركرائث بن مابيساسياب كييش آنے بربنده زك فرض برمانو ذنبي بوگا ، بكه اجرو نواب سلے گا۔ یہ اجرو نواب نزکِ فرص سے نہیں بلکہ دومرا وا جب ا داکرنے کی وجہ سے ہے۔ اوریں نے اپنے سینے اورا مام کو کھنے سنا ہے کہ تمام فرا تھڑ ہوا تٹرتعالی نے لینے بندوں پرلاز) کیے یں جیسے نماز روزہ ، ج اورزکرۃ وغیرہ ۔ ان می نفینًا بندہ کے بیےصلاح اور خیرہے ، اس ان کی بجا آوری کے ارادہ کے وقت إن ثناء الله کھنے کی صرورت نہیں ملکہ ان کا بفینًا اور قطعًا ارادہ

ہونا چاہیے۔ اور ہمارسے بیخ علیالر محت نے فرایا کہ آخر کا زنمام مناکح کا اس بیانفاق ہو جکا ہے۔ اس اعتبار سے جب فرائض و واجبات خطرہ کے حکم سے خارج ہو گئے نومرت بماحات و نوافل ہی اس محل خطرہ بیں رہے \_\_\_\_ ہماری یہ مجت اس باب بین شکل ترین مجت ہے۔ و با ملته التو نیق۔ سوال:

کیا اجنے جملہ امورکو موالہ خدا کرنے والا ہلاکت اور فسا دو غیرہ امورسے کا مون و محفوظ ہوجا تا ہے۔ حالا نکہ دنیا وارا کمصائب والا لام ہے ہ

جواب:

اغلب ببی ہے کہ ایساننحض ان خطرات سے محفوظ رہتا ہے ۔ ہاں نا درا ورقبل طور رکیجی اسے اغلب ببی ہے کہ ایساننحض ان خطرات سے محفوظ رہتا ہے ۔ ہاں نا درا ورقبل طور رکیجی اسے خلاف اسے ہوجا تا ہے ہوجا تا ہے ہوجا تا ہے ہوجی سے گرجا تا ہم خلاف کے اسے کرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے گرجا تا ہم خلاف کے اور درجُ تفویعی سے درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تفویعی سے درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم خلاف کے درجہ تا ہم خلاف کر درجہ تا ہم کر

اور کماگیا ہے کہ ایشخص کوان امور بیں جواس نے حوالہ خدا کیے ہوئے ہیں بھلائی اور درستی ہی بیر ہے ہوئے ہیں بھلائی اور درستی ہی بیش ہی ہے ۔ نا درطور بھی وہ ذلت ورسوائی وغیرہ بیں مبتلا نہیں ہوتا ۔ ہما رہے ہی وہ ذلت درسوائی وغیرہ بیں مبتلا نہیں ہوتا ۔ ہما رہے ہی وہ نا کہ اس سے معفوظ کے زریعہ مہالک اور مفاسد سے معفوظ رہنے کہ اگر تفویعن کے ذریعہ مہالک اور مفاسد سے معفوظ رہنے کی ایس دنہ ہوز تفویعن (بعنی ابنے امور کو حوالہ خدا کرنے) سے فائدہ ہی کیا ۔

میں خداتعالیٰ پر واجب ہے کہ مفوض کے لیے افضل بیبز ہی متیا کرسے ؟ کیا خدا تعالیٰ پر واجب ہے کہ مفوض کے لیے افضل بیبز ہی متیا کرسے ؟

بدا مرتنفی علیہ ہے کہ ہاری نعالیٰ پرکسی شے کا ایجاب محال اور ناممکن ہے۔ اور بندوں کے لیے اللہ تعالیٰ برکر ٹی شنے وا ہجب اور لازم نہیں کیجی ایسا ہوتا ہے کہ اللہ تعالیٰ بنقاضائے مکنت ایسی چیز مقدر کر دیتا ہے ہوتھیفت بی ہنتراورا صلح ہوتی ہے گر نبطا ہر نبدسے کی نظر بیں وہ انعنسل ور ایسی چیز مقدر کر دیتا ہے ہوتھیفت بی ہنتراورا صلح ہوتی ہے گر نبطا ہر نبدسے کی نظر بیں وہ انعنس اور اسلی نہیں ہوتی ۔ دیکھیے ابنی کریم صلی اللہ تعالیٰ علیہ ولم اور آ ہے کے صحابہ کیا رکے لیے لیا النازی النازی بیں دن چڑھا ہے کہ اید مقارکہ دی ۔ بیمان تک کہ آپ کی اور صحابہ کرام کی رات کی نماز زنتج کی اور خار نجر

فوت ہوگئی۔ حالانکہ بیند تھے بہائے تماز کی ادائی انعنل اور پنتر نغی ۔ اسی طرح بسا ادّ فات اللّٰہ تعالیٰے

ایک بندے کے بیے دولت اور نعمت مقرد کردتیا ہے۔ مالانکہ در خبقت فقراس کے حق میں افضل ہوتا ہے۔

اسی طرح بسااوقات رب تعالیٰ بندے کے بیے بیویاں اور اولاد مقدرکر دیبا ہے۔ حالانکہ در حقیقت اس کے بیے ذکرالٹی اور عبادت زیادہ مبتر اور افعنل ہوتے ہیں۔

اس کی مثال براسمجھوکہ ایک حافق اور خیر خواہ طبیب مربین کے بیے بڑکا یانی بیندکرتا ہے اگر جم مربین کے بیے بڑکا یانی بیندکرتا ہے اگر جم مربین کی بخور اور اس کا یانی افضل اور عمدہ بنیال کرتا ہو کیونکہ اس طبیب کومعلوم ہے کہ مربین کی اسی میں اصلاح ہے۔ اور بندے کا مقصود بھی تو ہلاکت سے بجان ہے۔ فساد و ہلاکت کے ساتھ رائھ مصود بھی تو ہلاکت سے بجان ہے۔ فساد و ہلاکت کے ساتھ رائھ منظم میں افسال و مشرون اور اجھائی ما مسل کرنا مقصود نہیں ہوتا ۔

سوال:

كِيامُغُوصْ (ا بِنِے مجلمامور حوالهُ خداكرنے والا) نفویین کے با وجود مجی مختاد منفقر رہوگا ۽ جعواجب:

علمائے اہل سنت کے زویک صحیح ہی ہے کہ تعویف سے اس کا اختیار باطل اور زاک نہیں ہونا۔ بلکہ وہ مختار ہی شمار ہوگا۔

نبیس اعارضه نصاءاوراس کے نخلف اقدام کا انسان پروار دہونا ہے۔ اس کا علاج صرف یہ ہے کہ انسان تفتیاءالٹی پردامنی ہوجائے۔ اس بیے تم پردو وجہ سے تفناء اللی بردامنی رہنا منروری ہے۔

اقول، عبادت کے بیے فراعن ۔

اوریہ فراغت بوں ماصل ہوگی کہ اگرتم تھنا ، النی پر داضی نہ ہوتو تما دا قلب ہمینے یغمی اور منتعول دہے گاکہ یہ بات اس طرح کیوں ہو ہجب اس طرح کیوں ہو۔ جب اس طرح کی ۔ اس تفکرات بی تما دا فلس ہر وقت منتعول دہے گا توعبا دت کے بیے فراعت کب نصیب ہوگی ۔ اس کہ تمہادے بہلویں دل نومرت ایک ہی ہے اور اسے تم نے تفکرات دوسا وس سے بھر دیا ہوا ہے۔ جب تما دے دل کے تما م گونے و تیوی خیا لات سے بر ہوں گے تو یا دخوا ، اس کی عبا دت اور ن کر جب تما دے دل کے تما م گونے و تیوی خیا لات سے بر ہوں گے تو یا دخوا ، اس کی عبا دت اور ن کر ساکرت کے لیے کون ساگرت ہے جو فالی ہوگا۔

حضرت نفينق بلحى رحمة الته عليه في نوب فرايا به:

و تساری گزشته دا نعات پر حسرت اور آئنده

کی تدبیر کے نیمالات نے اس موجود دساعت کی کہیں تاریک

ک برکت کوتباه کردیا ہے۔

ان حسى لا الامور الماضية و تدريد الأنهة قدة هست بدكة

تدبيرالأتية قدذهبت ببركة ساعتك هذه

فضناءاللی بردامنی مونے کی دوسری وجہ:

تعناءالی پراظها رنادامنی سے خضب فداوندی کا خطرہ ہے روایات اورا نجا بین الگ ہے کہ کسی نبی نے بنی کسی تعلیم است کا رب تعالیٰ کی طرف سے وی آئی کہ کیا تو بیرانسکوہ کرتا ہے ، حالا نکریں ندست اور شکوہ کا مستی نہیں ہوں کیا تو ایسی نا مناسب بات کا اظماد کر رہ ہے ، تو بیری فضا دینا داخلی کا اظماد کیوں کر رہ ہے ، کیا تو بیری فضا دینا داخلی کا اظماد کیوں کر رہ ہے ، کیا تو بیری فیا از ایسی جا بتا ہے کہ بین تیری خاطر دوں یا تیری خاطر دوں یا تیری خاطر دوں معنوظ بین تبدیلی کروں اورایسی جیز تیرے یہ منیا کہ وں جو بجھے بین عزت و مبلال کی قسم الگر تیرے بینے بی ایک میں اس کو نہ چا ہموں ، اورایسی جیز تیرے بینے بی مینا کر دوں جو بجھے بین منرور کچھے سے تبوت کا مقدس باس آنار لوں گا ۔ آبندہ کھی اس قسم کا خطرہ اور وسوسہ گزرا تو بیں منرور کچھے سے تبوت کا مقدس باس آنار لوں گا ۔ اور کچھے نار دوز خ میں ڈال دوں گا ، اور مجھے کوئی پر وا ہ نہیں "۔

یں کتا ہوں عقل منڈ خص کو گوش میون سے سننا جا ہیے کہ رب نعالی کس طرح اپنے ہمیوں اور برگزیدہ بندوں سے اپنی معنت گوفر ماکر ڈوانٹ را ہے بجب وہ اپنے برگزیدہ اور باک بنڈل کوا بیے کلمات کہ سکتا ہے توغیرا نبیا د مے ساتھ بطری اولیٰ ابسی نعتگو کرسکتا ہے۔

پھررب تعالیٰ کا پدارتنا و بہت فابل عورہے کہ" اگر نیرے دل میں دوبارہ اس م کا خیال آیا تر نیری نبرت جیبین ہی جائے گئ"۔ بعب محض اوا دسے اور خیال براس قدر سخنت وعیدا ور ڈوانٹ فرمائی تواس نخص براس کے عقتہ کا کہا عالم مو گا جو بے صبری سے بیچنے اور طبائے اور بادبار فریا درس کے بیے بلائے یشکوہ کرسے اور رب کو اپنی تباہی اور برباوی کے بیے عام کوگوں کے سامنے بچا سے صرف اکیل نہ بچا رہے بلکہ اس میں ، بنے ساتھی اور دوست بھی تنا لی کرنے ، بھر بہ اس کوڈوانٹ ہے موٹ اکیل نہ بچا رہے بلکہ اس میں ، بنے ساتھی اور دوست بھی تنا لی کرنے ، بھر بہ اس کوڈوانٹ ہے میں نے ساری عمر ہی رب تعالیٰ کے شکووں اور جس نے ساری عمر ہی رب تعالیٰ کے شکووں اور حس نے ساری عمر ہی رب تعالیٰ کے شکووں اور

ننكايتون ميں گزري بواس كاكيا انجام بوگا ۽

بهرائ می کی نخ گفتگواس کے ساتھ ہے جس نے اس کے دربار بین شکوہ کیا : فریخ تحص فروں کے اسٹر تعالیٰ کاسٹ کوہ کرے وہ نوسخت ترین مزاکا متحق ہے ۔۔۔۔۔ نعوذ بالله من شرورانفسدا ومن سیانت اعمالنا . ونساً له ان یعفو عنا ویعفی لنا سوءاد بنا ویصلحنا جعس نظری انه ارحم الواحمین ۔

سوال:

قضاء بررامنی ہونے کے کیا معنی بین اوراس کی خفیفنت اور حکم کیا ہے ہ جواجب:

ہمارے علمائے کرام نے فرایا ہے رضاع فتہ ترک کردینے کا نام ہے ۔ اور عفتہ ایسی بیز کواول ا اور بہتر کینے کا نام ہے جو ففنا مالئی کے خلاف ہوا ورجس کا کرایا اچھا ہونا یفینی نہویں خطرا ورغصے بیں ابسا ذکرا ورخیال منروری ہے نب غصرت تحقق ہوگا۔

سوال:

کیا نشرورومعاصی الله رتعالیٰ کی فضناء و قدر سے نہیں ، توانلہ دنعالیٰ بند سے سے شرر کیسے دامنی ہوگا اوراس پر شرکیسے لازم کرے گا ، واسی ہوگا اوراس پر شرکیسے لازم کرے گا ، واسی ہوگا اوراس پر شرکیسے لازم کرے گا ، استخاب ، محواب :

رصنا کا تعلن قصنا سے ہے'اور فصنائے تٹر بُرانہیں بلکہ وہ نئے بُری ہے ہی کے ما تھ تھنا علی مونی ہے ہوئی ہے تا تھ تھنا علی مونی ہے ۔ دلنلا رصنا بالنٹر نہ بائی گئی ۔ ہما رہے مشائخ رحمہ اللہ تغالی نے فرما یا ہے جن امور سے قصنا علی ہونی ہے وہ چارفسم ہیں :

(۱) نعمت (۲) شدت (۳) خير (۲) شر

تعمت بیرامنی مونا واجب ہے اور اس کے نعمت ہونے کے اعتبار سے اس کا تشکر بھی واجب ہے۔ اوراس طور ریا طہار نعمت بھی فردر سے جس سے نعمت کے انزکا اظہار ہو۔

(۲) تشدّت بعنی معیبین اور تکلیف داس بس بھی قاصنی بینی الشرتعالیٰ اس کی قصنیا اور

مفعنی بعنی اس معیب ن اور کلیفت بمینول براضی بونا صروری اورلازمی ہے۔ اوراس کے ختی او محیون برونے کے اغتبار سے اس برمیر بھی وا جب ہے۔

(س) خیر بینی بھلائی اور نبی ۔ اس بین بھی ندکورہ نیمنوں اسٹیا ، بیر رصا مند مہم نالازم ہے۔
ا دراس بیں بیرور دگار کے اس ان کا اعتراف کرنا کہ اس نے خیر کی نونبن دی بھی صفروری ہے۔
د مہی نتر بعبی کولئی ۔ اس بین بھی فاصنی بعبی ضلاا ورفقت اورفقت بعبی اس گرائی بیاس اعتبار
سے کہ اس کے ساتھ اللہ نفالی کی فقنا کا تعلن ہے کہ رضا مند مونا حضروری ہے ۔ ہاں! اس عنبارے
اس کے ساتھ رضا کا تعلق نمیس موسکتا کہ وہ نشرا ورگرائی ہے ۔ اوراس نشر کا نیمسلہ نشدہ اورفضائ کہ موہ نشرا ورگرائی ہے ۔ اوراس نشر کا نیمسلہ نشدہ اورفضائ کہ موہ نیم اس کی قضا کی جانبارے ۔

اس کوبون مجھوکہ تم منگا کسی برے ندمہب بررضا کا اظہار کرو'اس اعتبار سے کہ مجھے س کا علم اوراس کی بہجان موجائے۔ نواس ندمہ کا معلوم علم اوراس کی بہجان موجائے۔ نواس ندمہ کا معلوم ہونا دراصل تنہارے می طرف ہی رجوع کزنا ہے۔ نورضا اور مجبت در تنفیفن اس ندمہب باطل سے نہیں بلکہ اس کے ساتھ ہے۔ اسی طرح بہاں نظر بررضا مندم و نے کامطلب اس کی کہائی پررضا مندم و نانییں بلکہ اس بررضا مندم و ناہے کہ یہ بھی خدا نعائی کے مقدر کرنے سے ہے۔

سوال:

کیا را منی بغضا ننخص کوزیا دنی کاطالب ہونا درست ہے ہ م

جواب:

ہاں، اس برت سے کرمیرے بیے صلاح اور خیر بیں اضافہ ہو، زیا وہ کا طالب ہونا درست به اور بیر صابا نقط اور بیر منا اس کی دیا۔ اور بیر صابا نقط نام کے خلاف نہیں کیونکہ اس نبیت کے ساتھ زیادتی کا طالب ہونا اس امرکی دیل ہے کہ وہ اس پر کلی طور سے رامنی ہے۔ انسان اسی وقت زیادتی کا طالب ہوتا ہے جبکہ وہ اس پر کلی طور سے رامنی ہے۔ انسان اسی وقت زیادتی کا طالب ہو تا ہے جبکہ وہ اس پر کلی طور سے رامنی ہے۔ انسان اسی وقت زیادہ کی طالب ہوسکتا ہے۔

۔ سطنورنبی کریم صلی اللہ زنعالیٰ علیہ ولم کی عادت مبارکہ تھی کہ حب آپ کے سامنے دودھ مینب کیاجا آنو فروانے:

الله عربارك لنافيه وزدنا منه الدالله بمين اسيركت بي اوراسي اضافه فرا)

اوراگر کوئی اور شے بیش مرتی تو فرمانے:

وزد ناحیرا منه به مارے بیاس سے بتری امنا فرا۔

اوران دونوں مقاموں میں کمیس بھی ظاہر نہیں ہونا کہ آب انٹر تعالیٰ کی مقدرت دہ بھیز پر رامنی نہیں سفے۔

#### سوال:

بنی کریم سلی انٹرعبیہ ولم سے بہ تومنقول نبیں کہ بنیٹ نیرومسلاح زبادتی جاہے جیسا کہ آپ نے کہ اسے ہ

#### جواب:

اس طرح کے امور کا تعلق قلب سے ہوتا ہے۔ اس بیے عمومًا انہیں زبان رہنیں لایا جا تا مگروہ مرا دھنرور ہوتے ہیں ۔

بجوتفاعاً رضك مسائب اوزياليف:

ان میں کا میابی کی واحدصورت صبرہے۔اس سیے ایسے تمام مقامات بر مبربہت متروری ہے۔ا در بہ دو و مبرسے صنروری ہے :

(۱) تاکدانسان عبادت کت بنیج سک اورا بنا مغصود حاصل کرسکے۔ اس بیے کہ عبادت کا دارو بدارہ سراور شغنت بردانشن کرنے برہے۔ تو ہوشخص معا برندیں ہوگا اس سے فی الحقیقت کوئی نیا نیا بھام کو نمین بہنچ سکتی ۔ یہ اس بیے کہ ہوشخص معلوم تالب سے عبادت کرے گا'اسے کئی طرح کی شخص مناوم تالب سے عبادت کرے گا'اسے کئی طرح کی مشقبیں معیب بنیں اور نشاد کر میتن آئیں گی:

ایک، قراس بنا برکدایسی کونی مجادت نیین جس بین شفتت مذمو یکبونکه جب تک نوایس کا فایس کا کونی فعل می این می این م قطع قمع اورنفس برختی مذکی جائے عبادت کا کوئی فعل عما در نبیس بوسکتا ۔ اس میے کہنوا ہم ش اورنفس ا دو نول انسان کوعبا دنت سے رو کتے ہیں ۔ اورنفس اور خوا ہمش برتا بو پانا انسان کے بیسے کا ترین ام سے ۔

دوسرسے اس بیے کہ انسان جب کوئی نیک کام کرتا ہے تواس بی احتیاط حرودی ہے، اوراخیاط مشغنت کے بغیر نہیں ہرسکتی۔اورکسی کام کواحتیا طرودرستی کے ساتھ اسجام دینا ہمٹی کل

کام ہے۔

تیسرسے اس بیے کہ دنیا دارمحنن ہے ۔ نوبخص اس بیں ہوگا اسے منرورطرح طرح کی شکلا مصائب اوزیکا بیعن بیش آئیں گی ۔ یہ مصائب کئی طرح سے بیں :

د 1) اہل وعبال، دستند داروں، بھا بیُوں اور دوستوں کا مزنا 'یا ان کا گم ہوجانا 'یا ان سے حال ہے۔

د ۲) اس کی اینی ذات کاگوناگوں امرامتی مملکہ بی منبلا ہونا۔

ه ۱۳) وگون کا استے تنل کر کے اس کی عن مت بربا دکرنا اوراس کے زن وفرزند پر درست ورازی کرنا ، استے تغیرجا نتا ، اس کی غیبت کرنا ، اس برالزام تزاشیاں کرنا ۔

(س) مال كامنائع اورتباه بونا۔

اوریہ نذکورہ معیائب ق کا لیعت اینے اپنے میں اور ورجے مطابی انسان کوزخمی کرتی ہیں اوراس کے دل کوجلاتی ہیں۔ نوان سب شکالیعت ہیں لامحالہ صبر کی منرورت ہے۔ورنہ خم وانسوس اور ہے مبری انسان کوعما دنت سے یاز ریکھے گی ۔

بچوتھے بہ کہ طالب آنون سخن آزمایا جا اور اسے نندید محنت بیں بتالکیا جا آہے بوشخص اللہ تعالیٰ سے جتنا قریب موگا آنا ہی اسے مصائب بھی دنیا بیں زیا وہ در بین آئیں گے بیصور بنی کریم مسلی اللہ علیہ ولم کا ارتنا دہے:

رگدن میں ست زیا رہ انبیاء آ زائش میں ڈرائے جا بیں بھرعلما را بھرجوان کے قریب بیں بھرجوانے بیں بھرعلما را بھرجوان کے قریب بیں بھرجوان . الشدالناس بلاء الانبياء ثمر العلماء تعرالامثل فالامثل

زىيبىس -

بونخص بین کافصد کرسے گا اور را م آخرت اختیا دکرے گا وہ صروران محنتوں اورشفتوں بین بسندلا بوگا۔ نوبونخص ان برمبرنه کرسکا اورانہیں بردا شنت نه کرسکا وہ راستے یں ہی رہ جائے گا اورعبا دت سے محروم رہ جائے گا۔ نوعبا دت بیں سے کچھ صاصل نہیں کرسکے گا۔

اور خداوندنعائی نے ہم کو ہالکل وا منبح الفاظ مِن بتایا ہے کہم صرورتم کومصائب و تربکالیف من آزائش کے طور پرمنتلاکریں گئے بیٹا بنجدار شاد باری تعالیٰ ہے: من آزائش کے طور پرمنتلاکریں گئے بیٹا بنجدار شاد باری تعالیٰ ہے: ا ودنمهاری عنروراً زمانش بوگی تسادے الوں یں اور تم منرورسنو گے ہیرودو اور تم منرورسنو گے ہیرودو منصاری اور منٹرکین سے اذبہت دینے والی باتیں منصاری اور منٹرکین سے اذبہت دینے والی باتیں

وَلَنَّبُلُونَ فِي الْمُوالِكُمُ وَانْفُسِكُمُ وَلَنَّسُمَعُنَّ مِنَ الَّذِينَ اُونُوالِكُمُ وَانْفُسِكُمُ وَلَنَسُمَعُنَّ مِنَ الَّذِينَ الْوَنْوَ الْكِنْبَ مِنْ قَبْلِكُمُ وَمِنَ الَّذِينَ الشَّرَكُوْرَ الْحَيْنَ اللَّهُ مِنْ اللَّذِينَ الشَّرَكُورَ

بھرفرایا :

قداگرنم مبرکروگ اورتغوی اختیار کروگے نذبہ بہت ہمت کے کام ہیں ۔ مَانَ تَصُرِبُرُوْا وَتَتَقَوُّا فَإِنَّ ذَلِكَ مِنْ عَذْمِ الْاُمُورِي -

نوگریا دسترتعالیٰ ان آیات بین به فرار کا ہے کہ ابنی جانوں کومصائرت کی لبعث بردانشت کرنے کا خوگریا دستر تعالیٰ ان مصائب بین مبرکروگے تووا فعی تم ابنی مردا نگی کا بیون دو گے اوروا فعی تنہار الا دے مردوں والے بول گے۔

پس جڑھف بھی عبادت کاعزم کرے گا'اس کے بیے منروری ہے کہ پیلے معرفیم کاارادہ کرے اونفس کوسٹ کرئی منگلات برواننت کرنے کا عادی بنائے ، بیان تک کو موت آجائے۔ ورنہ وہ ایک ایس کے بیان تک کو موت آجائے۔ ورنہ وہ ایک ایس جیز کاارا دہ کرر ا ہے جس کااس کے باس ہتھیار نہیں ۔اور جس فدیعہ سے وہ کام انجام کو بہنے سکتا ہے وہ اس کے عکس کرنے کا قصد کرر ا ہے۔

محضرت ففیل بن عیاص رحمنه الشرعابیسے منقول ہے کہ جوشخص طربی آخرت طے کرنے کا عزم کرسے وہ ابنے اندر بیلے موت کے چاررنگ بدیا کرسے: (۱) مفید (۲) مرخ (۱۱) سیاہ ۔ رمم) مبز۔

موت کاسفیدرنگ توبھوک ہے۔ اورسیاہ لوگوں کی ندمت ۔ اورمرخ مخا لغنت نبیطان ، اورمبزحادث ایام برمبرکرنا ۔

اور مبرکرنے کا دوسرا فائدہ بیہ کہ اس سے دنیا وائزت کی بھلائی نعیب ہوتی ہے۔ اور نجات وکا برابی سے انسان ممکنار ہوتا ہے۔ ارتثا دہے:

وَمَنُ يَنِيَّ فِاللهُ يَجِعَلُ لَهُ مَخْرَجًا وَيُرُونُهُ مِنْ حَنِيثُ لَا يَعْنَسِبُ. وَيُرُونُهُ مِنْ حَنِيثُ لَا يَعْنَسِبُ.

رزق دے گا ہماں كااسے دسم وكمان عبى نبيس موكا -اس آین کے معنی بر ہیں جو تخص صبر کے ذریعہ اللہ تعالیٰ سے ڈرسے گا اللہ تعالیٰ سے شدا مُرسے

رم ، صبر کے ذربعہ انسان و تتمنوں پر فتح مند م وناسہے۔ التّٰ د تعالیٰ فرما ناہے: آپ مبرکریں بینک نیک نجام مقین کا ہی ہے فَاصِبِرُ إِنَّ الْعَانِبَةَ لِلْمُتَّفِقِينَ .

رس مبركة ذربعدانسان ابنى مراد پالتا سے ـ قال الله تعالى:

الترتعاني كے نيك كلمات بني اسرائبل بيان كے وَتُمَّتُ كَلِمَهُ رَبِّكَ الْمُسُمَّعَىٰ

مبرکی وجسے پورسے ہوئے ۔ بَيِي إِسْرَ إِنْ لِيكَ بِمَا صَابُرُوا -

كماكيا ہے كہ حب بعیقوب علیالسلام نے فراق کے عم واندوہ كانذكرہ بوسف علیالسلام كو لكمها تويوسعن عليه السلام نے جواب بيں لكھا:

أبجية باواجلاد نے صبركيا توكا يباب موثے آب ان أياءك صبروا فظفه وا فأصبر كماصبروا تظفهكما ظفهوا-

بعی مبرکریں مبیاانہوں نے کیا تو آب بھی کا بیا ہوں گے جیسے وہ ہوئے ۔

به دوننع بھی اسی سلسلہ میں کھے گئے ہیں : اذا استعنت بصبران ترى فرجا ١١) لاتياسن وان طالت مطالبة ومهامن القرع للابواب ان يلجسا ر م ) اخلق بذى الصبران محظى بحاجته تزیجه (۱) مایوس برگزنه مواگر جیمنے گزارش کرتے موئے عصد دراز گزرجائے بجبکہ تونے صبح

استعانت بی بو کیونکه اخرتو منرور دسعت دکشا دگی سے بمکنار ہوگا۔ ويرى صاتبخص كتني بنداخلاني كامظا بروكرتا ہے بيان كك كروه ابنے مقصدا ورجاجت كوبإليتا ہے۔اسى طرح درگا وايز دى كوسسل دمنىك دينے والا بيان تك كاس كى مرادوں كا دروازه كھل جاتا ہے۔

رہم، صبر کا یہ می فائدہ ہے کہ اس سے لوگوں کی میشیوا فی اوران کی امامت کا ورجہ مناہے -

ارتنادرتانی ہے:

اوریم نے ان کوان کے مبرکے یا حش وگل کا ای بناياكهما المصم مع وكون كوبوايت كم بليغ كوتي وَجَعَلْنَاهُ مُ إِنْمَنَاهُ بَهُوْهُ وَنَ بِأَفْرِهَا لَمَّاصَبَرُوْا۔

(۵)مبرسے انسان الله نعالیٰ کی ثناکاستی موتاہے۔ ارشادہے:

بم نےاسے صابریا یا ، وہ (ایوب) بست ہی

إنَّا وَجَدْنَاءُ صَابِرًا نِعْحَرَالُعَبُ لُهُ

الجما بنده ہے اور مبت ہی دجع کرنے والاہے۔

إِنَّهُ أَوَّاكِ .

(۱) صبر سے جنت کی بننارت ملنی ہے اور معابر شخص الٹیزنعالی کی دھمت اور معربانی کا مستخق

ېز نا ہے۔ فرما یا :

صبركرنے والوں كوجنت كى بشارىت دور

وَبَتِيرِالصَّابِرِبُنَ ،

ا ورفسسرما يا :

ببی لوگ ہیں جن بیان سمے بیروردگا رکی معلواتیں

أُولِلِكَ عَلِينِهِ مُ صَلَواتُ مِنْ يَرِيمُ وَّرَحْمَهُ ـ

اور رحمتین نا زل برتی بین -

(٤) صبركی وجهسے الله تعالیٰ انسان سے محبت كرتا ہے۔

ا درا دنترتعا لی میرکهتے والوںسے مجنت کریلہے

وَ اللَّهُ يُحِبُّ الصَّابِرِيْنَ ه

(٨) مىبركے ذريعة جنت بن درجات عاليه عطاموں كے - ارزنادم وناہے:

ان لوگوں کومٹر کے معلمیں جنت سکے ا تدر

أُولِيِكَ يُجِعُرُونَ الْعُرُفَةَ بِمَا

بالاخلىنى مىرى محكے ـ

(٩) صبر محطفیل انسان الته زنعالیٰ کی طرف سے کلامت اور عزت کامستی بونا ہے۔

قَالَ إللهُ تَعَالَىٰ :

تهايده مبركرت كے صليبى تمالت ديكاتم كوملام

سَلَامُ عَلَيْكُمُ بِمَا صَبَرُنُهُ .

(۱۰) عبرکے یاعث بندے کوآخرت بی بے صاب وبے تثمار نواب عطام وگا ہولوگ

کے وہم وگمان سے بہت ہی بالاتر ہوگا ۔ قال الله تعالیٰ:

إِنَّمَا يُوفَى الصَّابِرُونَ بِعَيْرِحِسَامِ مِم مَركَ والون كوب ماب ثواب على ا

سبحان الشد! اس بزرگ اور برز داست نے انسان برکس قدر کرم فرمایا . اور صبر کے صلی

marfat.com

جوندگوره دس کامنیس اوز فنیلیس نیا ماخرت می بروردگادانسان کوعطافرا تا ہے . بر محف ایک کمی بر محمد برگیا کد دنیا و آخرت کی خبراور بجالائی صبریس مضمرہ نبی کریم مسلی اللہ تعالیٰ علیہ ولم کا ارشاد گلامی ہے:

مسلی اللہ تعالیٰ علیہ ولم کا ارشاد گلامی ہے:

مرسی کشارہ اور دسین جلائی اور خوادر

مبرجیسی کمشا دہ اور دمین بھلائی ادر خیراور کرتی انسان کوحطا تبیں گرگئ ۔ کرتی انسان کوحطا تبیں گرگئ ۔ مَا الْحُطِّى آحَكُ فِينَ عَطَآءِ حَدِيدٍ مَا الْحُطِّى آحَكُ فِينَ عَطَآءِ حَدِيدٍ اَوْسَعَ مِنَ الْعَهْدِيرِ

معنرت عمرفاروق دمنی الشرعنسے مروی ہے۔ آب فرانے ہیں : جدیدہ خبرالدو مندین فی صبر مونین کی ہرتم کی مبلائی ایک لمرہم کے

مبریں ہے۔

ساعت المعاملات ایک نشار براید می اواکیا ہے اشعار میں مبت اعلی بیراید میں اواکیا ہے :

(١) الصبرمفتاح ما يرجى! وكلخيربه بكون

(١) فاصبروان طالبت الليالي فريماً امكن العرون

تنجیر (۱) مبربرامیدی چا بی ہے اور بربجلائی مبرسے ہی حاصل ہوسکتی ہے۔ ۲۱) نم مبرکرواگر ج مبریں عصد ورازگزرجائے کیونکہ مبت دفعہ ایسا ہوتا ہے۔ رم کر مبرکرواگر ج مبریں عرصہ ورازگزرجائے کیونکہ مبت دفعہ ایسا ہوتا ہے

كهايك وتثوارشنے آخركوممكن موجاتی ہے۔

(س) رس بسانیدل باصطباس ساقیدل پهاست کا یکون! (س) اور مبت دفع مبرسے ایسے امور ربکا بیابی حاصل کرلی گئی ہے جن کے تعلق یہ کہا جاتا تفاکہ ان کا ہونا بسن مشکل ہے۔

ایک شاعراسی معنمون کویوں اواکرتا ہے:

ر ، صبرت وكان الصبرمني سجية وحسيك ان الله انتي على الصبر

ر ، سام برحتی بعکم الله بینا

ترجمه (۱) پی میبرکزنا بول اور میبرمیری عادت بوجکاہے۔ اور نتهادے ہے مبرک نعنیات بیں بیری کانی ہے کہ خدانعالی نے میبرکی نعربیٹ کی ہے۔ بیں بیری کانی ہے کہ خدانعالی نے میبرکی نعربیٹ کی ہے۔

ر در می صبر رقائم رمون گابیان کمد کوانته تعالیٰ بمارے دربیان نیصله فرادے،

فأماالى يسرواما الى عسر

marfat.com

يا آساني كايا تنگي كا -

جب تم معلوم كريك كه مبرك يه نضائل بين - توتم يدلازم الم كداس نفيس اور عمده خصلت کواپنے ہیں پیاکہ و۔اوراس کے حصول کے بیے پرری جدو جدکرد۔اس خصیلت کے جامس موجا ير صنرورتم كا بماب لوگوں بي سيم وجاؤگے . اوران تناني بي قوفين كا مالك ہے ۔

> مبركى حقيقت اوراس كاحكم بيان كيجيه جواب:

و تعنت بين صبر كے معنی روكنے كے بين و جيسے كەقران بين يونفظ روكنے كے عنی ماستعال مِوْاسبِ - قال الله تعالى:

لینی ذات کوان لوگوں کے ساتھ رد کے دکھیے جودن دات رہے کی یا دی*ں مشغول رہتے ہیں*۔ وَاصْمِيرُنَفُسَكُ مَعَ الَّذِينَ بَدُعُونَ

ورا تنذنعاني كوبعى صابراس سسے كما جا تاہے كہ وہ مجربین سے عذاب رو كے ركھتاہے اور مبدئ ن عناب نازل نہیں کرتا۔

اوراصطلاحًا صبردل کی کوششتوں بی سے ایک کوشش کا نام ہے۔ کیونکہ مبرنفس کو جزع سے روسکنے کا نام ہے۔ اور جنع کی علماء نے بہ تعربین کی ہے:

ذكر اضطم ابك في النندة - يمين كوتت إني ريثيا في النندة -

اور تعبض نے جزع کے بیمعنی کیے ہیں کہ اپنے زور سے نگلے کا فقید کرنا ۔ اور میراس جزع کے

صبركس طرح ببداكيا جائے ۽

اس کاطریقه پیرسیے که آدمی شدت او راس کے وقت کو بادکرسے ۔ اور پینیال کرسے کہ نہ تومیری سیصبری سے اس بی اصافہ ہوگا اور نہ کمی۔ اور بنراس بی تعذیم ہوگی اور نہ تا بجر- تربیم جزع اور بے مبری كبا فائده ؟ بكراس بي بجلف فائده كے نعضان اورخطرہ سے اورائیے اندرصبركا وصعف ببدا كرنے كى ست اعلى بيزيه ب كدة وى مبرك س عومن كا تفتوركر يرس كا برورد كارف وعده فربايا ب وي تلدالنونيو

# فصل

عباوت کے بیے فراغت ماسل کونے کی خاطر نم پرلازم ہے کہ ان عوار من اوران کے اسباب علل کو اپنے داستے سے مٹاکراس اہم اور سخت گھاٹی کو عبور کرو ، ور نہ اگر نم ان عوار من و موانع نمکورہ مین نبلا رہ نو متیں ابنا مقصود یا دکرنے کی معلت ہی نہیں ملے گئ بیہ مبائے کرتم مقصود کو باؤ اوراس کو مال کرو اوران عوار من میں سے ہرایک عار مند موانوعیت کی مشغولیت و معسروفیت دکھتا ہے بعبن مبت جلد انسان کو مشغول کر میں اور معمن ویرسے۔

بھران جاریں سے سے بڑا اور سے سخت ترین رزق کا معا کمہ ہے۔ اوراس کی تدیہ ہے۔
کیونکہ مختوق کے بید سے مغلیم مسیب یہ رزق ہی ہے جس کی نگ ودو نے مختوفات کو دراندہ اور
عاجز کر دیا ہے، اور دلوں کو عباوت سے فا فل کر رکھا ہے۔ اور لوگوں کو بے بنا ، نفکات اور پرتنا پر
میں مبتلا کر دیا ہے اور عمروں کو منا ٹع کر دیا ہے۔ اور بیر رزق ہی لوگوں کے بیے بڑے برٹے گنا ہم ل اور
معاسی کے انڈکا ہ کا باعث بنا ہے۔ اور بیر رزق کا معا لمر ہی لوگوں کو فدمت بروردگارسے ہٹا کر
فدمت دنیا اور فدمت مختر فات کا باعث بنا ہے۔ تولوگ اس رنق کے دھندے ہیں جبنس کر باب
می سے خفلت اور گنا ہم رسی کی فار کی ہیں ڈورب جاتے ہیں، اور دزق کی نلاش میں سرگر دانی، پربشانی،
اور ذلت وخواری ہیں عمر عزیز کو بر باد کر دیتے ہیں۔ اور الشر تعالیٰ کے درباریں اعمال سے فلسل ورقلان
ہور خیت ہیں۔ اور اگر خوا تعالیٰ کی رحمن ان کے نشا بل مال منا ہم تو پریتیا ن کئی حساب اورجائکاہ
عذب ہیں مبتلا ہم تے ہیں۔

ریجیے اس رزق کے معالمیں اللہ تعالیٰ نے کس کٹرت کے ساتھ آیات نازل فرائی ہیں اور
اللہ تعالیٰ نے کس فدر وعدے کیے ہیں ۔ اور رزق کی فرمدواری کے تعالیٰ نے کل کی لمفین کرتے آئے ہیں ۔
اور لوگوں کے بیے صبیح راہ کی وضاحت کرتے آئے ہیں ۔ اور علما دنے اس سلے ہیں بینگروں تعاب کی ہیں اور لوگوں کے بیا ورطرح طرح کی نثالیں دے کر جھانے رہتے ہیں ، اورا نشر تعالیٰ کے خضب مواخذہ سے ڈرائے رہتے ہیں ، اورا نشر تعالیٰ کے خضب مواخذہ سے ڈرائے رہتے ہیں ، اورا نشر تعالیٰ کے خضب مواخذہ سے ڈرائے رہتے ہیں کی بین افسوس کے لوگ اس کے با وجو دراہ ہوایت پر نسیس جلتے اور تقوی اختیا رنبیس کرتے اور زق کے بار دیں علمی نتیں ہونے ۔ بلکہ وہ رزق کی الماش میں بے موشی کی مذک بینی جھے ہیں جمیشہ رزق کے بار دیں علمی نتیں ہونے ۔ بلکہ وہ رزق کی الماش میں بے موشی کی مذک بینی جھے ہیں جمیشہ

اس بات سے ڈرتے ہیں کہ کیس جے یا ٹام کا کھانا فرت نہ ہوجائے۔ اوراس مخلت کی اصل اور بڑی وجائے۔ اوراس مخلت کی اصل اور بڑی وجا آب خرائی ہیں فلت قرائی ہیں فلت تربز اورا لٹر تعالیٰ کی قدرتوں ہیں فلت نی فلت کورو فکر نہ کرنا ہے۔ اوراس کے مقدس کلام سے نعیب بندیر نہ ہونا 'اورسلف کے مقدس کلام سے اوس جو بیکے ہیں۔ اورا بل ساتھ رسا تھ دلوگ ورا وس تبیطانی کا تسکار ہو جی ہیں اور جملاء کے کلام سے اوس ہو بیکے ہیں۔ اورا بل مخلت کی عا دات سے منعم مند ہو بیکے ہیں۔ بیان کم کہ ابلیس بعین ان بیک طور بیس لط ہو جبکے ہیں۔ اور غلط عا دات ان ہیں گھر جگی ہیں۔ اس طرح لوگ ضعف اغتما دا ورضعف بین ہیں کے مرس بس مرتب کے مرس بس مرتب کے مرس بس مرتب کے مرس بس مرتب کے مرس بس مبتلا ہو گئے ہیں۔

بيكن اسحاب بسيرنذ اورارباب رياضت ومجا ېره بورب تعالى كے برگزيره بندے بن وه ضدا تعالیٰ کی رصابرراصی بین اس بیے رہ اسیاب ونیوب کو ضاطریس نبیس لاتے ۔ انسوں نے فدانعالیٰ کی رستی ددین ،کومنبوطی سے تفام لیاہے اورمخلوف سے گلی طور پرہے نباز ہوگئے ہیں۔ انبیں رب تعالیٰ کی آیات ريفين كال هد وه اس كے بتائے ہوئے صراط سنفنم كوبئ نگاه در كھتے ہیں رزق كے مسلديں وساوسس شیطانی مخلوت کی طرح طرح کی با نوں اورتغیر ضبیث کے فریب بین ہیں ہتنے۔ اور حب اس سارین نیطا<sup>ن</sup> باكوئى انسان ياان كانفى صوساندازى كى كوشنن كرنا ہے تؤوہ بردى طرح مفا بلەكرنے بين اورشل طور سے پرافعت اور نما لفت کرتے ہیں۔ بہال تک کمخلوق ان سے منہ بھیریتی ہے ورشیطان ان سے جدا برجا باسها ورنفس ان كالبلع بوجا تاريه اورانبين صراط مستنقيم راستحكام ورزيا وونصيب بوجاته إس كسله بين صفرت الراميم بن ادمم رحمة الترعليسك متعلق بيحكايت منقول ہے كہ جب آپ نے زادراه کے بغیرایک بینگل عبود کرنے کا ارادہ کی ، نوابلیس نے آگڑایپ کویوں خانفٹ کرنے کی کوششن کی ، که بدایک خطرناک خبگ سه و اورآی کے پاس نه توزا دراه سے اور نه بی اسے طے کرنے کاکوئی اور ذربعيرسيئ يثبطان كى طرصت بينون ولان براسي بخندادا ده كربياكه مي مزورية وناك منظل زادراه کے بغیرطے کروں گا۔اورصرف بغیرزا درماہ ہی طے نہیں کروں گا، بلکہ ہمیں برا یک ہزار دکھنت نفل ا داكرول كا ينا بنه آين بخاراده قرمايا وه برراكردكها با اورآب باره برس استفكل مي رسي بيانك كرمبب بادول دنثيل بضبخ بببت الثاد فتربعيت كحادا وسه سي گزدا تواس نے ديجھا كما پ ايك مگرنوانل پی شغول ہیں ۔ لوگوں تے اسے بتایا کہ یہ نیاز پڑھنے والے بزرگ معنوت ابراہیم بن ا دہم

یں۔ تواس نے اسے کما الما ابواسماق! آپ اس مال یں اپنے آپ کوکیدا یا تے ہیں ؟ وَآپنے اس کے جواب میں یہ دو تعریب ہے :

ر ۱) نُرَقِعُ دُنْيَانًا بِتَمْزِيْقِ دِيُنِينَ! فلاديننا يبقى و لا ما نوقع

ر ٧) فطوبی لِعبْ دا الله سَ تبه! وَجَادَ بِدُ نُبَاكُ لِمَا يُبَوقع

نوجمہ (۱) ہم ابنے دین کو برباد کرکے دنیا سنوارنے کی کوسٹسٹ کریتے ہیں تو نہمارادین رہتا ؟ اور نہی دنیا سنورتی ہے۔

(۱) تووی خص کس فدرمبارک اورنوش قسمت ہے جس نے ہرمعل طیم بی ابنے رب کی رمناکو ہی تربیح دی اوراس کی نجات کی ایمدرپر دنیا کو قربان کر دیا ۔

بعن صالیین کے متعلق منقول ہے کہ وہ کئی جی مصلے کہ ابلیں ان کے پاس آیا اوراس طرح وسوس اندازی کرنے لگا کہ آ ہداس ویرانے میں زادرا ہ سے نہی دست ہیں۔ اور بیا ایسا جنگل ہے جس میں ہلاک گو اشیاء بکر شرت ہیں۔ اور اس میں نہ توکمیں آ با دی کا نشان ہے اور نہ ہی اس بی کسی انسان کا گزرہ جس تواس بزرگ نے اس شیطانی وسوسے کو ممکوس کر کے عزم معم کر لیا کہ بی زادرا ہ کے بغیر بی اس کوھے کوں گا اور یہ اس میں جباتا رہوں گا۔ اور نہ توکسی سے کوئی شنے لوں گا ، اور نہ اس وقت کے کھو کھوا کوں گا جب تک کہ میرے منہ میں جبراً گھی اور نہ مدو عیرہ نہ ڈالا جائے گا۔

یدارده کریکای نے اسخبگ کے بالکل بی اجاؤ سے کی طرف اپناکٹے کربیا 'اوراس کی سیاحت بین مشغول ہوگئے۔

وہ بزدگ فرماتے ہیں ہیں اس ہیں گھوتا رہا۔ بیان کک کوایک دوزیں نے دبجھا کو ایک قافلہ واستہ بھول کرمبری طرف کو آرہ ہے ہیں انہیں دیجھتے ہی زین پرلیٹ گیا ہاک وہ مجھے ندد بجھ بہت کی فلالی شان کہ وہ میری طرف ہی بید سے جیلئے دہے۔ بیان مک کہ میرے سرپر آ کھڑے ہوئے۔ میں نے آنکھ بین برکرلیں او وہ میرے بالکل ہی قریب کھڑے ہوکرا بیک دوسرے سے کھنے گئے کہ معلوم ہونا ہے کہ استخفی کا سفر خرج ختم موجھا ہے اور جبوک بیاس کی وجے سے شک کھا کر گرا ہوا ہے اس بیے گھی اور شد لاؤ اکد اس کے صلق میں ڈالین آ اکہ وہ مونٹریں آئے بنیا بنچہ وہ گھی اور شد لاؤ اکد اس کے صلق میں ڈالین آ اکہ وہ مونٹریں آئے بنیا بنچہ وہ گھی اور شد لاؤ اکد اس کے صلق میں ڈالین آ اکہ وہ مونٹریں آئے بنیا بنچہ وہ گھی اور شد لاگ اور شول ہے۔ میں خول ہیا۔ قریس میں نے بنا کر این میں ڈالین میں ڈالین میں ڈالین میں ڈالین میں میں اور شد کر دستی سے کھول ہیا۔ قریس

ہنس پڑا ورہی نے منہ کھول دیا ۔ بیری بنسی کرد کھے کروہ کھنے گئے نم قرکوئی باگل ہو۔ توہیں نے جواب دیا ۔ سے منہ کھول دیا ۔ بیری بنسی کرد کھے کروہ کھنے گئے نم قرکوئی باگل ہو۔ توہی نے جواب دیا ۔ سے اسمال کی دسوسہ اندازی کے وافعہ سے انہیں آگا ہ کیا سمنے موں کروہ بہت ہی نعجب ہوئے۔

ایک اور بزرگ فرمانتے ہیں کہ طالب علمی کے زمانہ بیں سفرکے وکوران بیں سنے ایک ابسی سجد ین نیام کبا جوآبادی سے کافی فاصلے پر تنمی ۔ اور میں اپنے مشائخ کی سنن کے مطابق سفر خرج سے خالی ؛ تقریضا ۔ ابلیس نے آگرومومہ اندازی مثروع کی کہ بیمبیراً بادی سے مبنت دورہے ۔ اس مسجد ہیں نبام کے بجائے اگر نوکسی ایسی سجدیں قیام کرسے جوآبادی میں واقع ہونو وہاں تیرسے خور دونوشش کا انتظام بوسكے كاريس نے اس كے جواب بن كهاكدين بين رمول كا . اور خداى فنم بن علوے كے سوااو كوئى شنصكھا وُں گا بھى نىيى ۔ اور صلوه بھى اس وقت نىك نىيى كھا وُں گا جب تىك ابك اياك لقمه كركے ميرسے منديں نہ ڈالاجلئے بينا بنجديں نے وہاں نما زعشاء اواكى اورمىجد كا وروازہ بندكر دبا۔ جب رات کا اندائی معتدگزرگیا نواجا نک کسی مخص نے س کے انھیں شمع تھی مسجد کا دروازہ كمتكم اليجب اس نے كافى زور زور سے دروازه كھٹكھٹانا نئروع كيا توبس نے اكھ كردروازه كھولا یں نے دیجھاکہ ایک بڑھیا ہے جس کے ساتھ ایک نوجوان ہے ۔ بڑھیا دروازے سے اندروا خل ہم نی ۔ اورمبرے سامنے ملوسے سے بھرا ہوا ایک تفال رکھ دیا۔ اور کھنے لگی بہ نوجوان میرازد کا ہے یں نے پیطوہ اس کے بیے تیارکیا تھا۔اورگفت گوئے دُوران اس نے تھم کھالی کہیں پیملوہ اکبیلا نبیں کھا ڈن گا۔بلکسی مسا فرکے ساتھ کھاؤں گا'یااس مسا فرکے ساتھ جواس مبحد میں ہے۔اس بیے تواسے کھا، انٹرنعالیٰ مجھ پررحم کرہے۔ اس کے بعد بڑھیا نے لقے بناکرایک ببرنے منہ ہیں اور ایک ابنے اڑمے کے مندیں وبنائٹروع کمیا۔ بیان کک کہم نے میر ہوکہ کھایا۔ پیدوہ نوجوان اور ارمعیا والبس جلے گئے اور میں نے مسجد کا وروازہ بدکر لیا۔ اس واقعہ بریں دل بی دل میں دیز نک متعجب ناری۔ اسے مخاطب! یہ اوراس طرح کے ہزاروں وا نعات ہیں جوصا بین سے مجاہرے اور خالفت شیطان کے طوربروفوع پہریم ہے ہیں۔اس طرح کے واقعات سے تہیں نین طرح کے فا مُرسے

١١) اول ايدكه تم جان لوكه جورزق مقدر موجيًا ہے وہ بسرصال انسان كولمے گا۔

(۱) دوم بیر کمتیب معلوم ہوجائے کدرزق اوراس میں توکل ایک اہم نئے ہے۔ اور یہ کدرزق کے معاملہ بین شیطان کے فریب اور وسوسے نمایت ہولناک اور غظیم ہیں جنی کہ مندرج بالقہم کے زاہدین ، اکمئہ کرام اور بزرگان دین بھی ان وساوس سے معفوظ نہ رہ سے ایوس نہ ہوا بیمان کے جہا ہوات اور ریاضات نتاقہ کے باوجو وابلیس انہیں گراہ کرنے سے بایوس نہ ہوا بیمان کے ان ان المئہ کوام کوان وساوس سے معفوظ رہنے کے لیے ایسے ایسے جیرالعقول قدائے اختیار کرنے ان ان المئہ کوام کوان وساوس سے معفوظ رہنے کے لیے ایسے ایسے جیرالعقول قدائے اختیار کرنے برطے۔ اور خلائی تسم جو محفوظ رہنے سے جا بدات وریاضات ہیں مصروت ہو وہ بھی نظران فرائح وہ میں نہ برس سے جا بدات وریاضات ہیں مصروت ہو وہ بھی نظران کے وساوس وسوسوں سے اسون و محفوظ نہیں ہوسکتا جس طرح مبتدی اور غائل لوگ اس کے وساوس و خطرات سے محفوظ نہیں رہ سکتے۔ اور اگر نفس و شبطان کا ذرائعی داؤ ہے تو وہ اسے ہاک کرکے محفوظ نہیں رہ وہ غافل اور غروریں مبتدات تھی کہ ہلاک کردیتے ہیں۔ (و فی فدالگ عبد ق

(۱۳) انمیٔ کام اور بزرگان دین کے اس طرح کے واقعات سے بیسرافا کدہ بہ مانسل ہوتا ہے کہ انہے

بنت جیتا ہے کہ درزق کے سلسلہ بن توکل کی منزل کوشش تندیداور مجا بدہ بلیغ کے بغیر طفنیں ہوتی

اور وہ اٹمۂ کرام اگرچہ تنہاری طرح گوشت، خون، بدن اور دوح کامجموعہ تھے۔ بلکہ ان کے بدن

مہسے زیا وہ لاغ اوران کے اعضاء تم سے زیا وہ صنعیف اوران کی بڈبان تم سے زیا وہ بہت لی

تقیس بیکن ان میں توت علم تھی، نوریقین تھا۔ اور دین کے معاملے میں ان کی ہمت توی تھی اس خوراس قدر سخت مجا بدے کرتے دہے میہان کہ کہ ان بندی تھا بات پر فائز ہوئے ۔

وہ اس قدر سخت مجا بدے کرتے دہے میہان کہ کہ ان بندی تھا بات پر فائز ہوئے۔

ان بزرگان وین کی زندگیوں کے نقابے میں ذرا اپنی طرف جی خور کرو۔

متمیں جا ہیے کہ اس لا علاج بمیاری کی دواکر و تاکہ آخرت میں فلاح پاسکو۔

متمیں جا ہیے کہ اس لا علاج بمیاری کی دواکر و تاکہ آخرت میں فلاح پاسکو۔

# فصل

اب بیں اس سیسے میں نہیں جذا ہے بہتے بنا کا موں جو بیرے علم میں آئے ہیں۔ اور جو پورا دھیان رکھ کر سننے سے تہارہے قلب ہیں جاگزیں ہوجا ئیں گے اور توکل فی الرزق کے مسئلے میں یاوہ کن کمش سے بے جا دیگئے۔ اوران بیمل کرنے اوران میں غور و تا مل کرنے سے تہبیں واضح طور پر را ہو حق كى الموت راه نمانى نفيب موجائے گى \_\_\_\_والله سُبُعَانه المُوفق. بىلانكىن :

تنہیں بیفین ہونا چاہیے کہ خوا نعالی نے اپنی نقدس کتاب میں تعمارے در تن کی ضمانت و کفالت کا ذیرا نفاید ہے۔ اس جیز کوئم یول مجمولہ کوئی دیوی با دشاہ تم سے بدوعدہ کرسے کہ اس متماری مبرے ان میمانی ہے . اور تمییں اس کے تنعلق بیش نظان بھی ہوکہ یدا بنی گفت گر میں سیا ہے جھوٹا نہیں اور وعدہ خلاتی نہیں کرتا . بلکہ اگر ایک با زاری یا کوئی بیودی یا نصرانی یا کوئی آتش پرست جس کا ظاہر صال انچھا ہموہ تم سے اس طرح کا کوئی وعدہ کرے تو تم ضروراس کی بات پر علمائی ہم براؤ کے اور درات کے طعام کے سلسلے بیں کی بات پر عجم وسے کر کو موا و کے ۔

جب تم اد، مدر مربالا انتخاص کے محف ظاہر صال اور ابنے صنظن کے باعث ان پر فراً اعتماد کر ابنے ہو۔ توافسوس ہے کہ ابنے پرور دگار کی بات پرا محماد نہیں کوتے جس نے رزن کے متعلق نمایت سرج الفاظیں سمانت و گفالت کا وعده فرایا ہے۔ مرف وعدہ ہی نہیں فرایا بک قرآن مجید ہیں تتعدد مقابات پراس وعدہ رزق برقسمیں کھائی ہیں۔ افسوس! کہ الٹرنفائی کے الن الن ایری وعدوں کے باوجود رزق کے معالمہ بی فتمارا داملی نہیں ہوتا اورا لٹرنقائی کی کفالت صنمانت پر سکون پر برنیس ہوتا اورا لٹرنقائی کی کفالت صنمانت پر سکون پر برنیس ہوتا۔ اور تم الٹرنقائی تقییم ازلی پر نظرتیس کرتے ، بلکر تمارا قلب منٹوئن اور مضارب رہتا ہے۔ کاش! کہ الٹرنقائی کے ان اگر دور میں معدوں پر عدم اعتماد کے و بال کا ایک ان اور معمد تر میں اور اس کی برائی اور معید ہیں اندازہ ہوجائے بھرت علی رمنی اور تقائی عنہ اس سلم میں فرماتے ہیں :

(١) انظلب، رزق الله من عند غيرة وتصبح من خوف العواقب إمنا

(٢) وتنرمنی بصراف ولوکان مشرکا ضمیناً وکانترصی بربك ضامنا

رس، كانك لعرتقم، وبما في كتأبه فاصبحت منحول اليقين مبايتا

توجمہ (۱) کیا تم دب تعانیٰ کے سوا دومروں سے رزق طلب کرتے بھرنے ہو۔ اوراس طرح تم زمانہ کے عواقب ومصائب سے ما مون ومحفوظ ہونے کے خام نیال بی مبتلاہو۔ (۲) افسوس کرتم ایک مشرک حراف کے ضامن بننے پر دصنا مندموجا نے ہو جمرانے يرورد كاركى صنمانت برتنيس اعتماد نيس-

رس گویا نم نے درق کے متعلق آیات خداوندی کویشهای نمیس اس لیے تم لاہِ

من سے جدا اور بین سے برکشتہ معلوم ہوتے ہو۔ رزن كے معالمه بن الله تعالیٰ به عدم اعتما دا يك البي تياه كن بيز ہے جوانسان كوئىك و

شبهي مبتلاكرديني سبصاورا بينض مختفلن خطره بهكداس سعاس كادين اوردين كي معرفت ساب مذہوجائے۔۔۔ العیاد بائلہ ۔۔۔ اسی پیے الٹرسبمانہ وتعالیٰ نے قرآن مجید

ا ورانشد تعالیٰ ہی پر بھرومسے کرواگرتم ایماندارمو-

وَعَلَىٰ اللهِ فَنَنُوكَا وَأَن كُنَّمُ

اورفت سرمايا:

اوديومنوں كوم رصن الشرہى بہجروسے وَعَلَىٰ اللّهِ فَلِينَتُوكِّلِ الْمُؤْمِنُونَ ٥

دین کاپیمے اسماس رکھنے والے ایما ندار کے لیے صرف بیں ایک بھٹے کا فی ہے وَلَا حَوْلَ وَكَا فَتُوَكَّ إِلَّا بِاللَّهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيْم

دُوسرانکت،

قرإنى آيات اورارشادات نبوى صلى التدنعا لأعليه ولم سي نها بت صحت كرسا نفريات ہے کہ ہرایک کارزق ازل سے تعتبیم ہوجیاہے اس بیے تنہیں اس تقبیم خدا وندی ریفین ہونا جاہیے اوراس امر کابھی اعتقاد ہونا جا ہے کہ اس کی تقیم بن تغیرو تبدّل اورزمیم وغیرہ نامکن ہے ۔ تو اگر تم ان دلا كى كے باوجود تقبيم ازلى كا انكاركرو' يا اس ميں رووبدل كوجا أنه خيال كرو توبيم مربح كفر ہے۔ يَعْدُونِ اللهِ مِنْهُ \_\_ أورجب تهيس اس امركايقين برجيكاكماس مي رةوبدل نامكن سے - نو اسلىلى المنام اورطله وحبتحري فائده واسعقيده كيموت موئ عير للاش وحبتحو دنيا یں ذکت اورخواری اور اخرت میں ملی اورخسران کا باعث ہے۔ اسی بیے نبی کریم صلی اللہ علیہ دلم

### نے فرمایا ہے:

مجھلی ا مدیس کی پیشت پر مکھا ہڑا سے ، کریہ فلاں بن فلاں کا رزق ہے تورزق کے معالمهب ويعتخعن كوبيجا مشقست سكصموا بجعدماصل نبين بردنا \_

مكتوب على ظهما لحوت والثور رزق فلان بن فلان فلایزداد الحريص الكاجعلاًا۔

ببرسين حق رحمة إلله عليه فرمات بين: ان ما قدرلما ضغيك ان يمضغا بيشكسةن لقمول كابيجانا نيرسد مقددين بمطجا فلايمضغه غيرك فكل رزقك ويجك بالعن وكاتأكل بالذل

سے انبیں کوئی دومرانبیں پیباسک ۔ تواہیے محته سكردزق كوعزت كحرما تغ كمعا ذلت وخوادی سسے نہ کھا ۔

دانش مند شخص كسيديد دوسرانكته بعى ايك جامع بحتهد

ببهكنتهي سنے اپنے شخ رحمالٹ تعالیٰ سے مناہے جصے انہوں نے اپنے کسی امتا ذرحمہ اللہ سےنقل فرما یاہے کہ:

" میرسے شنح کے استا ذرحمالتٰ دتعالیٰ فرماتے ہیں: رزق کے معاملہ بی حس چیزہے مجھے سکون مِرُا وہ بیہ ہے کہ میں نے ابنے نفس سے کہاکہ میر رزق زندہ انسانوں کے پیے بی تو ہے۔ مُردوں کورزق سے کیا تعلن . اور ص طرح انسانی زندگی الٹڈنعالیٰ کے بخذا نے اور اس کے دمت قدرت پی ہے اسی طرح رزق بھی اسی کے دمیت فدت يں ہے، چاہے مجھے دسے اور چاہے نہ دسے ۔ اس سلسلہ بیں اللہ نعالیٰ کی شبیت میرسے علم سے بوشیدہ ہے۔ وہی جیسے چاہتا ہے تدبیرکہ تاہے۔ اور مجھے لینے نفرکج مكون وقراربس ركمنا جا ہيے"

الراتجبت كے بيے يہ كنته بھى بہت مفيدہے۔

بيح تفا بحت ، الله تعالى بمارك رزق كا صامن ادكيس ب مراس من تك بوغذا اور

تربیت بس کام دے سکے، زیادہ کانبیں۔

ہمارے اس ندکورہ بیان سے واضح ہوگیا کہ ایسے والات بس اسباب ظاہری کا پیندال عنباً
منیں بچرنکہ یہ چیز بزرگان دین اور زاہدین اُمت کے قلوب ہیں بوری طرح جاگز بی تنی اس بیان ہو طول طویل مسافیتیں کئی کئی را تیں اور دن کھائے ہے بغیر کاٹ لینے تھے بینا بخیران ہی سے بعض بس دس روز کچیونیس کھا تے تھے اور بعض ایک ایک ماہ اور بعض دو دوما ہ بغیر کچیو کھا کے بے گزار البیتے میں روز کچیونیس کھا تے تھے اور بعض ایک ایک ماہ اور بعض دو دوما ہ بغیر کچیو کھا کے بے گزار البیتے

ادر بعق ایسے بھی مقے جو موت رہت بھانک بیتے تقے اور وہی ان کوغذا کا کام دے جاتی تھی جیسا کہ صغرت سفیاں توری رحمۃ اللہ علیہ کے تنعلق منقول ہے کہ کم معظمہ بن آپ کا خربی ختم ہوگیا تو آمیل بندرہ روز دبیت برگزا راکرتے رہے۔

ابومعاوية الاسود فرات بين كرين نے اور مضرت ابالميم بن ادہم رحمنة الله تعالیٰ عليہ نے

مسلسل بیس روزگارے پرگزار دید اور جفرت اعمش رحمته الله نفانی علیہ بناؤل ہے کہ مجھے ایک دفعہ حضرت ابرائے ہیم بن ادیم رحمته الله نفائی علیہ دو ایک دفعہ ایک ایک دفعہ ایک ایک دفعہ ایک خصر بن کو کہ مندائی نہیں کھایا بیا یہ بلکہ دو ما ہ سے ۔ اوراس دو ماہ کے عرصہ بین صرف ایک دفعہ ایک شخص نے فعدائی نمیں کھایا بیا یہ بلکہ دو ماہ سے ۔ اوراس دو ماہ کے عرصہ بین صرف ایک دفعہ ایک نمائی ہوں۔ قسم دے کر مجمع مقور سے سے انگور کھیلا دیے 'اوراس بات پر بین اب نکس ابنے شکم کا ناکی ہوں۔ میں کہتا ہوں اسے مخاطب ابنے ہے ایس سے کا بات اور بزرگان سلف کے ایسے وافعات س کر متعجب نہیں ہونا جا ہیے کہونکہ اللہ تقالی ہر شے برتا در ہے۔

اوراس سیسے بس تنہارا وہم ہوں دورکیا جاسکتا ہے کہ بعض مربین ایک ایک ماہ اور دودوماہ کھھ کھانے ہیں بغیرزندہ رہتے ہیں۔ حالانکہ بمیار سیمانی طور پر تندرست آدمی سے زیادہ کمزوراور محبیت موتا ہے۔ اور چنخص ایسے توکل میں بھوک سے ہلاک ہوجائے تواس کا مطلب میہ ہے کہ اس کی زندگی صرف اتنی ہی تھی ۔ نہ ہو کہ خدار توحل کرنے سے اس بر موت وار دہوگئی جس طرح بعن لوگ خوب سیم ہوکر کھا بینے کی وجہ سے مرجاتے ہیں ۔

اورمجة مک حفرت ابرسعیدخوا در حمة الله تعالی علیه کی یه بات پنیجی ہے کہ آپ فی فربا افراک سلسلہ میں میرادستور فقا کہ سر بیسرے روزاللہ تعالی کیس نہ کیس سے انتظام کر دنیا تھا۔ ایر فعہ مجھے ایک خبگل عبور کرنا پڑا۔ اس دورال پورسے بین روزگزر۔ نے پر کھانے بینے کی کوئی صورت میبانہ موکی۔ آخر چر بقے روزیں نے مجھ کمزوری محمول کی اورایک جگہ ذرا آرام کے بیے بیٹیر گیا۔ تواجا تک فیسب آواز سائی دی "اسے ابرسعید ایک نویہ جا ہتا ہے کہ خرور تبرہے بینے خوراک ہی میں امرون فوت وال مال میں میں امرون کی مجھے عرف قوت اس قدر کا تی سے کہ مجھے عرف فوت و سے دی جائے ، بیں نے عرف کی المجھے جھے میں کے بیرسخ کوئی ہے۔ اس قدر مجھے کے میرس نہ ہوئی۔

توجب بنده دیجهے که خرد دونوش کے ظاہری اسباب میں دکا دیے۔ ہورہی ہے اوراس کا خدا تعالی میں دکا دیے۔ ہورہی ہے اوراس کا خدا تعالی من دوغیری قوت سے امدا دفر مائے گا۔ نو برق کل بھی ہم تواسے بینین دکھنا جا ہے کہ الشرسیحان و فعالی خروغیری قوت سے امدا دفر مائے گا۔ نو بندش اسباب بر طول خاطر نہ ہو۔ بلکہ الشرتعالیٰ کی ذات کریم کا اس بات برکٹرت سے شکر بدا داکونا بندش اسباب بر طول خاطر نہ ہو۔ بلکہ الشرتعالیٰ کی ذات کریم کا اس بات برکٹرت سے شکر بدا داکونا جا ہے۔ کہ اس نے ابنے تصوصی احسان ، کرم نوازی اور صربانی سے مشقت سے بچا کرنصر ہوئی ہے۔

مرفراز فرمایا اور مفصودا مسل کم بینجایا اور خوردونوش کے اسباب ظاہری کی بریشانی اور بوجھ سے خوات معطا فرمائی ۔ اور خوت عادت کے طور بریاسے قوت مرحمت فرمائی اور کھائے بیے بغیراپنی یادکی قدرت نصیب فرمائی موطاس کے حال کو طائکہ کرام کے حال کے مثابہ کر دیا ۔ اور بہائم اور مامت ان اور بہائم اور عامة الناس کے حال سے بندکر ہیا ۔ اور اسے اپنے قرب کی عربت سے سرفراز فرمایا .

ہمارے آس بیان بی سنجیدگی سے غور کرون ٹاکہ تمبیں نفع کثیر ماصل مو \_\_\_اِن مَشَاءَ نام تعالمار ۔

یں کتا ہوں تاید تریہ کے کدر ق کے موضوع پرتم نے گفت گو کا سلم فلا ب معمول بہت درازکر دیا ہے۔ حالا بکہ تم کہ چکے ہوکہ اس کتاب ہیں اختصار کا دامن ہا تقد سے نہیں جم ہوئے گا۔ تو یہ بین کتا ہوں کہ فعدا کی قسم ارزق کا معا لمرجس فدراہم اور نازک ہے اس کی نبست یہ بیان بہت ہی فلی اور مختصر ہے۔ کیونکہ رزق ایک ایسی بچر ہے جس پر دنیا و دبن کے تمام امور کا دارو ملارہ ۔ قیب اور مختصر ہے۔ کیونکہ رزق ایک ایسی بچر ہے جس پر دنیا و دبن کے تمام امور کا دارو ملارہ ۔ توجا دہت خداوندی کے بیان کردہ با توں بر ضبوطی توجا دہت خداوندی کے بین جس کی ہمت توی ہوا سے جا ہیے کہ ہما دی بیان کردہ با توں بر ضبوطی سے عمل بیرا ہمو اوراس کے تعلق اسلامی احکام کی پوری رعا بہت ملی نظر رکھے ۔ اوراگروہ ابیا نبس کرسکتا تو وہ مفصود سے بہت ہی دورہے ۔

اوروه بجیزجس سے تم بیاس امر کا انگناف ہوکہ درق کے معاملہ میں علی نے متعانی اور بزرگائی ویکس قدر بھیرت کا لمہ کے الک تھے 'یہ ہے کہ انہوں نے اپنی زندگی کی بنا ہی توکل علی اللہ عبادت کی طرف پوری توجہ اور مخلوق سے نعلقات منقطع کرنے پرد کھی تھی ۔ انہوں نے اس موضوع پرکس کنزت سے کتب نصینیت فرائیں 'اور وصال کے وفنت اس معاملہ ببر کیا کیا وصیت کرتے ہے اور اللہ تعانی نے دین میں ان کے بیے کیسے مخلص معاویت اور دوست میں اگر دیے تھے کہ خلاف اور اللہ تعانی نے دین میں ان کے بیے کیسے مخلص معاویت اور دوست میں اگر دیے تھے کہ خلاف المی ایک شمہ بھی نصیب المی سنت وجماعت کے اعتقادوا نے عابدوں اور ذا ہدوں دیخیرہ کو ان میں ایک شمہ بھی نصیب نمیں ہوا۔ جیسے کرامید وغیرہ ۔ اس بیے کہ ان کے عقائم کی بنیا دہی اصول مختر کے خلاف پر بختی ۔ اور ہم اہل سنت وجماعت مجب تک اپنے اٹم ٹرین اور بزرگان عظام کی سیرت اور ان کے نقبی قدم پر جیلتے د ہے ، تو خلا اور مخلوق کی نظروں میں کرم ومخلم رہے ۔ اور مدارس اسلامیداور اپنی عبادت گا ہوں سے علم واخلاق کے چکے بن بن کر نجانے دہے ۔ اور مدارس اسلامیداور اپنی عبادت گا ہوں سے علم واخلاق کے چکے بن بن کر نجانے دہے ۔

بینا بخد علم میں استا والوآسیات، الوقالد، الوآل بلیب، آئی فودک اود میر سے بینے رحمت الشعلیہ بسین بحرادگ ہمارے امام اور میں بنوا ہیں۔ اور عبادت ہیں اقراسیاتی شیرازی، الوتسید الصوف اور آلا فعر مقدس جیسے باکیزہ حضرات ہمارے رہم ہیں۔ یہ لوگ علم وزہر بی فائن نزین لوگ نے۔ اضوی کہ ہمار قلوب ان حضرات کی تما بعت سے کمزور وضیعت ہوگئے۔ اور ہم ایسے علائت ہیں مبتلا ہو گئے مین کافر نوفع سے کمیں زیا وہ ہے۔ اس کا نتیجہ یہ ہوا کہ ہمیں دین کے معا لمہیں رحبت واقع ہوگئی جہتیں لیت مفع سے کمیں زیا وہ ہے۔ اس کا نتیجہ یہ ہوا کہ ہمیں دین کے معا لمہیں رحبت واقع ہوگئی جہتیں لیت مرکئیں برکات اُرگئیں۔ اور عبادت کی لذتیں اور ملاوتیں جبی گئیں۔ اب یہ امید شکل ہی سے کی جا متی مرکئی میں میں میں اور جب وہ صوف مارین محاسی عمر بن اور بین تا فعی، مرز نی اور حرب میں وہ مون مارین محاسی عمر بن اور بین تا فعی، مرز نی اور میں وہ مون مارین محاسی عمر بن اور بین تا فعی، مرز نی اور میں وہ میں اور بیروی کا معدقہ ہے۔ رحم ہم الشرنعا لی انجمیس جبیا کہ حرم مون وی اسلام نے اسلام نی ان انتعار بیں صفت بیان کی ہے:

وما وجد وامن حب سبيدهم يُدًّا

(١) وماصحبوا الايام الا تعفف

الى سيدالسادات قد جعلوا القصكا

(٢) افاصل صديقون اهل وكاية

ومكحلت الزبام من عقدهم عقدًا

( ٣) تحلل عقدا لصبوم، كل صابو

توجمه (۱) وه زمانے بس ندایدن عفت اور پاکیزگی کے ساتھ رہے۔ اوران کے بیےاٹ نعالیٰ کی مجست کے سواکرئی چیز بھی باعثِ المبینان اور سکون مذہبی ۔

(۲) بڑے بڑے فاصل اورصدیق اسلامت ہواہل ولایت تھے یم بینندان کی توجہ ریدالسادات بینی رہب تعانیٰ کی طرفت ہی رہی ۔

رس) زما نہ کے بھیا گڑے اور حوا دش نے بڑھے بڑوں کے معبر کی گرہیں کھول ڈالیس گھر ان مقدس نفوس نے صبر کی ایک گرہ بھی نہ کھول سکے۔

ہم دابل اسلام) صاراول میں دین اسلام کی پیروی کے باعث باوشاہ تھے بیکن سے دوگر دانی کی وبدسے اب عماری پرزیشن ایک بازاری خفس سے ذیا وہ نمیں یم دینی و دنیوی کمالات کے بہدان کے شہر اور نبی کے کہدر است میں کے میدان کے شہر اور اب خطرہ ہے کہ کہدر است میں کا درک سے جس کے اوراب خطرہ ہے کہ کہدر است معالم سے خطرہ کے کہدر است معالم سے خطرہ کے کہدر است معالم سے خطرہ کے کہدر اوراب معالم سے خطرہ میں معالم بر بما را درگاد ہے۔ اوراسی سے خلوص قلی ما

التجامب كردين كى جومعولى رئل بم من باقى مب وه سلب ندكر له . إِنَّهُ جَوَّا الْدُكُونِيُّ مَّكُنَانُ تَحِيْدُُ وَكَا حُولُ وَلا قَوْدَةَ إِلا يَا لِلْهَ العلى العظيم -

### "نفورض كابيان

ایک بیدکسی چیز کے بیند بانا بیندگا متیا زوہی کرسکتا ہے جو ہر معلی کو ہرجہت سے اتا ہوا اور اس کے ظاہر ، باطن ، حال اور انجام سے پوری طرح آگاہ ہو جبن خص کو اس انتیاز کا علم نہ ہو وہ اچھی بری چیزا ور غلط جی جی بر انتیاز نہیں کرسکتا کسی بدوی یا دبیانی یا چروا ہے کو آپ جی نہیں کمیں گے کہ یہ درہم دیجھنا ، کھوٹے بیں یا کھرسے ، کیونکہ وہ اس وسعت سے خالی ہے ۔ اسی طرح آپ کسی شہری سے بھی بدیات نہیں کمیں گے جو صراف نہ ہو کیونکہ وہ بھی یہ کا م شکل ہی سے سرانجام نے سک سنتمری سے بھی بدیات نہیں کہیں سے جو صراف نہ ہو کیونکہ وہ بھی یہ کا م شکل ہی سے سرانجام نے سکتا ہے۔ الذائم اس کام کے بلیے اسی خص کی طرف رجوع کرو گے جو ا ہر صراف ہوا ورسوف چاندی کے اسرار و خواص سے پوری طرح واقف ہو۔

اوربر نے کے تنعلق اس طرح کاعلم مجبط ہرجبت سے صرف ذات رتب العالمین کوہی حاصل فرات رتب العالمین کوہی حاصل فرات ر نوانٹ رتعالیٰ کے سواکسی کولائق نہیں کہ امور کی تدبیر اورکسی امر کے پہندیا نا بہدند کا فیصلہ خود ہی ابنے فرانٹر طور برکر سلے بلکہ تدبیر واختیا رکا یہ جامع وصعت انٹد وحدہ لانٹر کا بھی سے ۔ اسی لیے لٹد

تغالیٰ اینے مقدس کلام بس فرا ماہے:

وَرَبُّكُ يَخْلُنُ مَا يَنَنَّاءُ وَيَغْتَارُ مَا كَانَ لَهُ مُوالِخِيْرَةً -مَا كَانَ لَهُ مُوالِخِيْرَةً -

ادر تیرادب بی جوجا تناہے پیداکرتا ہے اور جسے جا نتاہے بہندکرتاہے ۔ لوگوں کوبندہ نابہندکا کوئی اختیار نہیں ۔ نابہندکا کوئی اختیار نہیں ۔

> پهردورسے مقام برفرایا: وَرَبُكَ يَعُلَمُ مَا يُكِنَّ صُدُورُهُمُ وَرَبُكَ يَعُلَمُ مَا يُكِنَّ صُدُورُهُمُ

اورتیرارب ہی جا تا ہے بیے لوگ ا بنے سینوں میں مجیرا شے رکھتے ہیں اور جسے طا ہرکرنے ہیں۔

پھرجب دو کرنی نئے بنرے ہے۔ ندکرے گاجس کی اجھائی بچھ برواضح نہ ہؤتو تو اس کی اس بندید گی برمراضح نہ ہؤتو تو اس کی اس بندید گی برمرگز طول اور کبیدہ خاطر نہیں ہوگا۔ بلکہ بخصے اس بربورا اعتماد ہوگا ۔ اور تیراول کا ل طور بُرطمنتُ ہوگا ۔ اور بخصے بقین ہوگا تیجھ فری جزیم سے بیٹنتخب کرے گا جو میرے ہے مفیداور تیرے متن بس بہتر ہوگا ۔ اور بخصے بقین ہوگا تیجھ فری جزیم سے بیٹنتخب کرے گا جو میرے ہے مفیداور تیرے متن بس بہتر ہو۔ اگر ج بعد بس اس کا انجام کچھ ہی ہولیکن تم کواس پر کا ل اعتماد ہوگا ۔

جب تم ایک انسان براس طرح کا عمّا وکرسکتے ہونو تمبیں کیا ہے کہ ابنے جملہ امورا بنے بروردگار جل دعلامتے سے اس کرنے ۔ حالانکہ وہی ہے بوزین ماسمان کے نظام کی تدبیر کرنا ہے، اور وہ ہرعالم سے زیادہ عالم ہے اور ہرفا درسے زیا وہ قا درہے، اور ہردھ کرنے والے سے زیا دہ رہم ہے، اور ہرفنی سے زیادہ غنی ہے۔ وہ ابنے کا مل علم اور سن تدبیر سے وہ شے تمارہے بیمنتخب کرے گاجی سک تما داویم وگان نہیں جا سکتا ۔

توجب خدانعالیٰ بی نبرے جلدا مور کاکفیل اور صامن ہے۔ تو مجھے چاہیے کہ تمام تعلقات سے منعطع ہوکر بھرتن اپنی آخرت کی اصلاح بم منتعول ہوجائے۔ اور ہو جو بجیزیں الشدنعالیٰ نبرے سامنے

لآبارسان بردامنی رہے۔ اگرچاس کاحن وقبح تھے برمنکشفٹ نہ ہو کیونکہ خلاکی طرف سے ہو ہیز مرگی وه تیرسے تی میں بہتراور خبر ہی موگی \_\_\_\_ بانله التوفیق -

### رضا بالقضاء كابيان

رضا بالعقناء كے سلسلے بیں بھی دوام زہن شین کرنے ضروری ہیں: اکس خیفت حال کی دضا

ایک تو به که رضا بالقصناء کا حال اور مآل مین کیا فائدہ ہے ؟

فى الحال تواس كا فائده بهد المحكم فراغت فلب اور ب كار فكر ونشوبن سے نجات حاصل ہوتی ہے بعض زیا د نے اسی بیے فرایا ہے کہ حب قضا وت درخ ہے تومعا ملات زندگی برغم فكريد معنى هے ١٠ وراس كى اصل وہ حديث تنريين ہے جو صفور عليالصلاة والسلام سي فقول ہے كرحفنورنے مخترت عبدالله بن مسعود رصنی الله تعالیٰ عنه سے فرما با:

المے ابن سعوں مجھے سی معاہے بن فکروتشولیش

إِيكُفِلَ همّك وَمَا قُدِينُ يكن وَمَا كَوْيُقَدُّ رُكُورَيَّا تِكَ . نبين برني جا بيد اس يد كرم كي منفدر موجها

ہے رہ آکررہے گا؛ الدہوتیرہے بیے مقدرنیں ہے وہ برگز تھے پر واردنیس ہوگا۔

يه كلام نبى أكرم صلى التذنعالي عليه ولم كاكلام مبارك ہے، جونها يت جامع اور بليغ ہے كمالفاظ بالكامخنفسري مربي تثمار معاني بيشتمل ب-

اودرضا بانفضاء کا انجام کے اعتبارسے بہ فائرہ ہے کہ قصناء پردامنی مونے والے انسان کو الشرتعا لي اجرونواب عطا فرمائے گا. اورالیسے تخص کوا بنے رب کی رصٰا اورخوشنودی بھی حاصل موگی .

رضيى! لله عنه حدود صواعنه - الته تعالى ان سرامنى مؤا اورود الته تعالى سے -

اس کے برعکس خلاوند قدوس کی ناراصگی اس دنیا میں نو فکر عم اور پریشانی وعیرہ پیلاکہ تی ہے اور تخرت ين جي خوا ومخوا و بوجهدا ورعذاب كاسبب بنے گی كيونكه تصنا داللي تومبرطال نا فذموكردسے گئ تیری ارسکی اورتیرے اوا دے معدوہ بدل نبیر سکتی بعیبا کہ ذیل کے انتعادی کہا گیا ہے: ولك الامان من الذى لم يقدر

حتم عليك صبوت ام لوتصبر

(١) ماقتاضي يانفس قاصطيري له

(٢) وتحقفى إن المقدركائن

نوجمه (۱) اسنفس ایرے بیے جو کچھ تفدر ہوجیا ہے اس برمبرکز اور ہو کچھ نیرے بیے تفدر نہیں اس سے خالفت ہونے کی صرورت نہیں کیونکہ وہ مجھ بر وارونیس ہوسکنا۔

(۲) اوراس بات پرنتین دکھ کہ جو کچھ مقدر ہو بچاہے وہ عنور ال کر رہے گا، چاہے توصیر کرسے یا ہے صبری کا نظا ہرہ کرسے ۔

اور عقلندانسان راحب قلب اور نواب جنت کو تھے واکر اس جزکوا خیتار نہیں کرنا ہوا خرت بس بوجھ اور عنداب کا باعث بنے اور جس سے بے فائدہ فکراور نشوبش لاحق رہے۔ دوسری اصولی بات یہ ہے کہ خدا تعالیٰ کی نا راضگی میں نقصان کا اندیشہ اور عظیم خطرہ صفر ہے

اور خدانعالیٰ مهربان نه موتواسے اینے برناراص کرنے والا انسان عبن اوقات کفرونفاق میں مبتلا

بوجأنا ب- الله تعالى كاسكلام بن غوركرو:

رمناور منت سے اُسے تبلیم کریں۔

فلیت تنبخ نما المها سوائی - کرده منون کا نیکرندا داکرے توابیاننخص میرے بجائے کسی اورکورب بناہے ۔

اس مدریت میں اللہ نعالیٰ گویا یوں فرما ناہے کہ نیخص جب مجھ سے راضی نہیں کیو کہ تفدیر ہر ناک منہ چڑھا تا ہے نو بھر بیا بنا رب کوئی اور بنا ہے جواس کو انجھا گئے عقلمند جا نتا ہے کہ لئنہائی زجرا ورڈوانٹ کے الفاظ ہیں۔ ایک بزرگ سے جب عبو دیت اور راد ہبت کا معنی دریافت کیا گیا ؟ قواس نے کیا ہی انجھا جواب دیا بچنا بخچے فرمایا:

"دبوبیت به ہے کہ رب نعالی جو چاہے مکم کرے۔ اور عبودیت بہ ہے کہ بندہ اس کے ہر کہ مار کے ہر کہم اور فضا کو بلا چون وج اتسابیم کرہے یہ جب التّد تعالیٰ کوئی صکم دے اور بندہ نہ تواس کی تعمیل کرہے اور نداس کولیپند کرہے تو وہ ان عبو دیت اور ربوبیت کچھ بھی نہیں''۔،
اس بیں عور کروا ور ابنے حال کو عبودیت کے مطابی کرو تاکہ تہیں التّد تعالیٰ کی مدد تو فین سے سلائتی نصیب میں۔

#### صبركابيان

صبرایک کڑوی دواہے اور ناخوننگوار نتربت ہے۔ گرنها یت بابرکت اور ہرطرح کی مفعت کا موجب اور ذربعہ ہے اور ہرطرح کی مصرت کو دفع کرنا ہے بجب دوا ایسی بابرکت اور نافع ہوا نوعفلن انسان طبیعت پر مجبر کر کے بھی ایسی دوا استعال کرتا ہے اور گھونٹ گھونٹ کے اپنے بیٹ میں ڈال بہتا ہے ، اور اس کی تلخی اور نیزی کو بردا شت کرنا ہے۔ اور بیل کتنا ہے کہ اس دوا کی تلخی توایک گھڑی بھر کے لیے ہے گراس کا نفع سالھا سال تک باتی دہنے والا ہے۔ کی تلخی توایک گھڑی بھر کے لیے ہے گراس کا نفع سالھا سال تک باتی دہنے والا ہے۔ اب ہم ان منافع کی تفصیل بیان کرتے ہیں جو صبر سے صاصل ہوتے ہیں۔ جان لو، کہ صبر جارطرح کا ہے :

د ۱) صبرعلی الطاعتر - (۱) صبرعن لمعصبته -

رسى صبرعن فضول الدنيا - رسى دنيا كے مصائم في آلام برصبر-

جب کوئی شخص صبرگی کمنی بردانشت کرسے اور ندکورہ چاروں تسم کے صبر برکاربندم و جائے،

تواسے طاعات اور طاعات براستفاست کی فعمت عظی نصیب ہم تی ہے، انٹریت بی تواب عظیم
کامنحتی بنتا ہے اورا بینے خص کو دنیا میں گنا ہوں اورگنا ہوں کے متابج بدسے معاظت نصیب ہو جا تا ہے۔ برزا بیا شخص طلب نیا
ہے اور آخرت بیں گنا ہوں کے ویال میں مبتلا ہونے سے بھی بڑی جا تا ہے۔ برزا بیا شخص طلب نیا
کر ترک کر دنیا ہے اوراس با برخ روزہ زندگی بی مثنا عل دنیوی سے الگ رہتا ہے۔ ایر انتخص اِن شاء الشرتعالی عذاب اُنٹروی سے بھی محفوظ رہے گا۔ اس کے اعمال خربھی مضافع نہیں ہوتے اور شاء الشرتعالی عذاب اُنٹروی ابناء وراس اُنٹروی اور آسائین دنیا حاصل نہ ہونے پر رہنی وہ فاطر نہیں دنیوی ابناء و آ رائن میں نابت فدم رہتا ہے اور آسائین دنیا حاصل نہ ہونے پر رہنی وہ فاطر نہیں ہوتا ہوں کے درجا ہے عالیہ ، طاعت کا تواب ، تقوی ، زیدا ور اس میرسے انسان کو طاعت ، اس کے درجا ہے عالیہ ، طاعت کا تواب ، تقوی ، زیدا ور استرتعالیٰ کی طرف سے انجھا بدلہ ، انجھی جزا اور تواب کئیر حاصل ہوتا ہے۔ اور قوا کہ میرکی پوری انشانی کی طرف سے انجھا بدلہ ، انجھی جزا اور تواب کئیر حاصل ہوتا ہے۔ اور قوا کہ میرکی پوری تفصیل در حقیفت خدا تعالیٰ ہی جا تا ہے۔

صیر صرر رساں بجیزوں کو دورکر دنیا ہے:

صبركى وجرسے ايک توانسان ہے صبری سے بيدا مونے والی جزع فزع كی مشقن سے بج جأنا ہے اور دنیا بن ہے صبری کارنج برداشت کرنے سے محفوظ رنہاہے بھرا خرت بی زکر صبربر دسیے جانبے والے عذاہیے سمفاظنت میں رہتا ہے ۔لیکن اگرانسان ہے مبری کریے گلہ ٹیکرہ کی زبان دراز کرسے نواس کی مرتفعت فوت ہوجاتی ہے اور وہ انواع وا فتیام کی معزات و تكاليعت بين هينس جاتا ہے ـ كيونكه حب وہ النه نعالیٰ كی طاعت وبندگی بجالانے كی مشقت پر صبر تنين كرسه كاتوطاعت اوربندگي مولى تغالى كى تعمت سے محروم رہے گا اورطاعت بر كاربندنه موسكا با بے صبری کے باعث طاعت براسے دوام نصیب نبس مرگا، تومرتبدُ انتفامت نبیں پاسکے گاہو و ایک اعلیٰ مرتبہ ہے۔ یا نفدان صبر کے باعث نفولیات ولغویات دنیا سے نبیں بھے گا۔ اور گناہ ومعببت میں بڑجا سے گا۔ یا فقدان صبری بنا برمز بوئ کلیفٹ ومعیبیت کے وقت ٹنکوہ ٹنکا بہت کی زبان دراز کرے گا'اوراس طرح مبرکے تواب سے محروم دہے گا۔ اوربسا اوقات زیا دہ بے مبری دکھانے بر آخرت کے نواب کے علاوہ صبر کرنے بر دنیا بیں جنعمت ملنے دالی تھی وہ بھی اس کے ہاتھ سے کل جاتی ہے اوربے مبری کا مظاہرہ کرمے ایک مصیبت کے بجائے کئی مصیبنیں مول سے بنتا ہے ،کد دنیا کی نعنیس بھی اٹھ سے نکل جاتی ہیں اور آخرن کا تواب بھی قوت موجا آ ہے کئی الجھنیں پیدا ہوجاتی ہیں میں جبی عمد و نعمت

سے عروم ہوجا تا ہے۔ بعض بزرگوں کا قول ہے:

حرمان الصبرعلى المصيبة انثد

معيبت كے وقت مبرند كرامعيبن سے

نیا مد برزمعیبت ہے۔

لنذاس بيزكوا فيتنا ركرنے كاكيا فائده جوحافسل شده نئے كوہى فوت كردسے ۔ اور كم شده شے كودابس نه لاسکے۔للذاکوسشش کروکہ اگرا یک نشے دنعمت دنیوی ، فوت ہوجائے تو دومری توفوت نہ ہو۔

فغبيلت مبرك منعلق معنرت على رضى التدتعالي عنه سعدايك نهايت جامع قول منقول سهد اب نے ایک شخص کو صبری تلقین کرتے ہوئے فرایا :

بخد پرتفتریرالئی منرورجا دی موکردسے گی -إِن اگرتومبركرسے كا تواجروتواب پلستے كا۔

اوراگرید میری کاتبیوه اختنار کرے گا توگندگا

ان صبرت جرت عليك المقادير

وانت مآجوس وان جزعت

جرت عليك المقاديروانت

بعرين كتنابول كداگرجيا ولله تغالیٰ كی ذاشت برخی به توكل و بعروسه كرتے موسئے ول كواس كی نجات کی چیزوں سے انگب کرنا ،نفس اہارہ کواس کی قمری عا دانت سے روکنا ، دنیوی معا ملانت کی تدا پیرنجا دیے كوترك كردبنا ، ابني تتعلق نفع ونقصان كى جيزوں سے اعراض كرتے ہوئے ابنا سادامعا لمرا لترتعالیٰ كے مبہوكرنا، نغس المارہ كی نگوانی كرنا ،كسی امر كے فوت ہوجا نے برنفس كوبے صبری سے دوكن جبكد ليسے موقع پر ہے مبری کرنا اس کی نطرت و مرتشت میں واخل ہے نیز نفس کورصنا کی نگام دینا اور نفرت کے يا وجودنفس كوصبر كمة بلخ اوركر وسه كھونٹ بلانا، برسب مندرجه بالا امورنا قابل برداشت بس، اورب نهابینت بھاری بوجھ اورشکل تربن طریق علاج ہے۔ بیکن اپنی اصلاح اور درستی کی بیمع تدبیرہی صرف بهی ہے۔ اور بہی صراط منتقبم ہے۔ اوراسی صراط مستقیم پر جلنے کا انجام انجھا ہے۔ اور معادت وزبائے تی كے حالات اسى سے پيا ہوسكتے ہيں۔

غاس ماللارباب منعلن كيا كنف بموجوا بني بميار بيف كحجورا ورسيب دغيره ببل كمعان كونيين تبا اوركعيل فروف كي نعمين وتينے كے بجاشے اس كوا يك سخت طبيعت معلم كے دوالے كردتیا ہے ہوسا را دن تغلیم کے لیے اسے اپنے ہاں روکے رکھتا ہے اوراسے ڈائمتار ہتا ہے۔ اوراس کا باپ اس کوسیگھی لگا کے بیے جام کے ہاں ہے جا آہے جواسے اپنے علی ہوا جی سے اور تکلیف دیتا ہے۔ کیا تم بیغی ال کرسکتے ہوکہ اس کا باپ اسے عل و کبوسی کی بنا پر کھانے کو بیل نہیں دیتا ، جبکہ اس کا باپ اجبنی دگرں کے ساتھ بھی فیامنی سے بیشی آ تا ہے اور مہ طرح الی تعاون کرتا ہے۔ ایسا شخص اپنی اولاد کے بنی میں کیسے ساتھ بھی فیامنی سے بیشی آ تا ہے اور مہ طرح الی تعاون کرتا ہے۔ ایسا شخص اپنی اولاد کے بنی میں کیسے بیل ہوسکتا ہے اور اپنی اولا دسے اپنا مال ودو دست کیو کرروک سکتا ہے۔ حالا مکہ اس کے باس جو کہیں۔ اس کی اولاد کے لیے ہی ہے۔

نبرسخت طبیعت معلم کے حوالے کرکے کیا وہ اسے دکھ اور کلیف دبنا چا ہتا ہے ، ہرگزئیں کبونکہ اس کا بٹیا تو اس کی آئکھوں کی ٹھنڈک ہے اوراس کے دل کا چین ہے۔ بلکہ بیٹے کو اگر جوا بھی لگ جائے تر باپ ہے چین ہوجا تا ہے۔ در حقیقت وہ اپنے بیٹے کے ساغوا بساسلوک اس بیے کنا ہے کہ وہ جائے تو باپ ہے کہ اس میں اس کی بہتری ہے اور تعلیم و تربیت کی اس تھوڑی می شفت و کلیف سے اس کا براے علیم کما لات اوراعل صفات کا مالک بن جائے گا۔

نیزاس خیرخوا د بخلع اور ابرطبی بین تما دا کیا جا اے جوا یک لاع اور نا درکال رائین کو بانی بینے سے دوک و تیا ہے . حالا نکہ اس مریف کو تندید بیای سال کا کلیج مبل را ہم تناہے بیک وہ طبیب اسے کراوی دوا دیتا ہے بواس ریون کا طبیعت کے باعث اس کا کلیج مبل را ہم تناہے بیک وہ طبیب اسے کراوی دوا دیتا ہے بواس ریون کی طبیعت اور نفس برگران ہم تی ہے ۔ ترکیا تم بینجال کرسکتے ہوکہ وہ طبیب مریف سے دہمی اور علاوت اور اسے ادر تیس برگران ہم تی ہو کہ وہ طبیب مریف سے دہمی اس موبی کے ساتھ مرار خبرخوا ہی ادر تیس ویے کے باعث اس میں آس مریف کے ساتھ مراس خبرخوا ہی ادر تیس ویے کہ وہ طبیب ما تتاہے کہ مریف بیتا تا ہے کہ مریف بیتا تا ہے کہ مریف بیتا تا ہے کہ مریف بیتا ہو کہ وہ تا ہا ہوں کا اور با در کھنے میں ہی اس کی شفا اور بفا ہے ۔ اور اسے اس سے دو کئے اور با ذر کھنے میں ہی اس کی شفا اور بفا ہے ۔ منسی عطا کردے کیونکہ وہ فعنل وجو دکا ایک ہے ۔ تنماری تنگر سنی سے پردی طرح واقع نے ۔ اس سے کرئی شخص اور پوسٹ بیرہ وہ دکا الگ ہے ۔ تنماری تنگر سنی سے پردی طرح واقع نے ۔ اس سے کرئی شخص کو اور نا تیس تیس تماری جا ہمت کی چیز عطا نم بیسے کہ اور نا سے با وجو داگر وہ احکم الحاکین تیس تماری جا ہمت کی چیز عطا نمیں کرد با تو اس کا برمایس برگر نئیس کہ معافا اللہ وہ شماس کے با مریف بیا ہمت کی چیز عطا نمی یہ معالب ہرگر نئیس کہ معافا اللہ وہ شماس کے با میں نئیس نیا وہ عا ہمت کی چیز عطا نمیس کرد با تو اس کا برمالی برمالی برمالی ہرمالی برمالی ہرمالی ہرمالی

تهارى ماكت كاينة نهين، يا وه مجيل هيد وه توان نمام عيوب ونفائص سے باك اور منزه هيد وه تمام غنيول مسير اغنى، تمام فدرت والول سيراتا ورئمام علم والول مسرره كمام اورنمام اسنيا ہے بڑھ کرسخی اور کر ہم ہے۔ لہٰذا تميں بفين مونا جا ہيے کہ تمهاری جا ہن کی چیز بن بسااؤ فا وه تمبین اس میلیے عطامنین کرناکداس بی تمهاری اصلاح اور بہتری صفر ہوتی ہے عطا نہ کرنے کی وجہ عجزيا بخل نهيس يلكه وه توفران مجيد بس بون ارشا دفر ما ما سهد:

نمهارے ہے بیدا کیا ہے۔

خَلَقَ لَكِ مُ مَا فِي الْاَسْ ضِ نِينِ مِن جُوكِهِ مِهِ وه سب الله نعالى نے

اورا متازنعالیٰ کی مبانب بخل کی نسبت کیسے ہوسکنی ہے جبکہ اس نے نمبیں ابنی معرفت جیسی نعم عظمیٰ عطائ جس كے سامنے تمام تعمیں ہیج ہیں ۔ ایک منتهور صدیب میں وار دہے كدا نشد تعالیٰ فرما تا ہے:

بس ابنے دوستوں کو دنیا کی تعمتوں سے اس طرح دورركفنا بوت صرط معريان جروا بالبنط ونول كوخارش زده أونطي سي الگ ركھنا ہے - انى لا ذود اوليها ئى عن نعيم الدنيا كمأيذودالساعى الشفيق ابلهعن مبأرك العركة

ا ورحب بخصے الله رتبا ای دنیا وی نندا نگرومصائب بیں رکھے نواس بات پر بفین رکھ کہ وہ نبرا امنخان بینے اور تیری آ زمائش کرنے سے بے نیاز ہے۔ رہ تیر سے طال سے وافف ہے : ببر ضعف ا ور کمزوری کوبھی جا تناہیے ۔ اور وہ مجھے پر رؤف ورجیم بھی ہے ۔ کیا تو نے حضور نبی کریم صلی التّٰر تغالى علية الدوم كايه قول مبارك نبيس سنا و آيب فرط في بين :

كله نعالى المحمد بعبد كالمؤمن من بيك الله نعالى بيضد ومومن براي بي

الوالدة الشفيقة بولدها برنفيق سيجى زياده مربان ادرشفيق ہے۔

جب نونے بہ بات جان ہی تو پھرنجھاس بات ربقین رکھنا جلہے کہ انٹرتعالیٰ تیری اصلاح کے بے تجھے تکبیف اور معیبت میں ڈالنا ہے۔ اللہ تعالیٰ کے علم میں نیری اصلاح منظور ہے گر تواس مي خرج - اسى اصلاح اورزقى درجات كے بيان تدنعالىٰ ابنے دوستوں اور مقبول بندوں كو ا تبلاء و سرزانس میں کنزن نصے وا سے رکھنا ہے ۔ حالانکہ بہ طبقہ اس کی درگاہ میں نہایت باعز نشطبقہ ہے ۔ يهان كك كدنبى كريم صلى الشرنعاني عليه ولم ندابك موقعه برفرايا:

جب الشرتعالي كسى قوم كوا بنيا دوست بناتا تواس كوختلعث آ زما لمتتوں پی ڈا لیاہے اذا احتب الله قومًا ابتلاهمر دومرسے موقع برفرایا:

بميشك سيسح زياره ابمياءامتخان اور آزائش یم داسے جانے ہیں، پھرشپیدلوگ بھروہ ہو ان کے زریک ہیں اور پیجروہ جوان کے زریک ان أشد الناس بلاء الا ببياء تحرالشهداء تحرالامثل فالإمثل

توجب توید دیجهے کدانشزنعالی نے مخصصے دنیای فعمتوں کوردک رکھاہے ؛ یا تیرے بیے کترسے مصائر من تكلات بديداكر رياسي، نويقين ركه كديد بان الندكي درگاه بس تبرس باعزت ادر صاحب مرتبه مونے کی علامت ہے اوروہ مجھے اپنے اولیا ہے داستے برجلانا جا ہتا ہے۔ بیٹک وہ پروردگار نبري تمام صالات سے وافقت ہے' اورکسی بات بین نیرامختاج نبیں۔ دبلکہ ان با توں سے اسے نیری السلاح منظورسهے) - الشرنعالیٰ فران مجیدیں فرما ناہے:

بینک تم ہماری حفاظت اور نگاہ بیں ہو۔

وَاصْرِبُورِلْحُكْ حِدَرِيكَ فَاتَلَكَ وَاتْلَكَ وَاصْرِيكِ مَمْ كَمَ مِلَا بِقَ مَبْرِسِهِ كَامِ لو

للنزامصائر فيمشكلات كےوقت بخصے الله تغالیٰ کا احسان مند ہونا جاہیے کہ وہ مخصے دنیوی لذا نگر دورر كھ كرگنا ہوں سے محفوظ ر كھنا چا تہناہے ، تیری اصلاح كرنا جا نہنا ہے ، تخصے زیا وہ ابر و نواب عطا كزنا جِا بْمَناہِ اور آخرت بن ابلار ومقربین كے مدارج پر فائز كرنا جا بتاہے . للذا بندہ ہومن كے حق بین مصائب و مشکلات کا بیجے نهابیت ہی اچھاہے ۔ اور روحانی عطاؤں کا سرخیم ہے ۔۔ والله ولى النوفيق بمنه وفضله ـ

خلاصديدكرجب تجفي يقين ستءيه ياست معلوم بوكئى كدانشذتعابى تبرس بياس قدرروزى كاضا موحيكا سيجس سيخ ببرى جبات دنباكي بغا دابستنها ورحس سيعبا دن بجالا سكے اوروہ ابيضارا و كمصموافق بربيز كوجيب جاب وجودي لانع يرقدرن دكمناه واوروه تيرس بروفت اوربركمرى اورحالت کی حاجت وضرورت سے بھی واقف ہے۔ تو تخصے الشانی کی ذمہ داری اور کفالت پرجمرہ کو خصے الشانی کی ذمہ داری اور کفالت پرجمرہ کونا چاہیے۔ الشانی اللہ باس اعتمادا ور بھروسے سے نمہار نے دل کوسکون واطبینان نصیب ہوگا، اور تمہاری طبیعت علائق واسباب دنبوی سے الگ بوجائے گی اور دل کو تعلق ان اسبا بے علائق سے کٹ، جائے گا۔

حقیفنت یه بے که تعلقات اور الباب مرنبوی مجی اس وفت ہی مفیدا ورکفایت کرتے ہی جب خلاتعالیٰ کی مشیبت ہو۔ غذا کھانے اوراس سے مہم میں آساتی اور سہولت اسی طرح بیبنے کی بجيزون كے استعال ميں سهولت مجر کھانے بينے کی اشياء ميں طبيعيت کے موافق وخوشگوار ہونے کی مفت النّدنعاني بي ان ميں بيداكرتا ہے۔ بھران اننياءسے بدن بن فوت اور نفع بھي اللّٰہ نعاليٰ بي ان مين كمتا ہے۔ نیزان خوروونوش کی انتیا مسطبیعت پرگرانی اوران کے نقصان کوا نٹرنعالیٰ ہی ابنے ارامے ا ورمشیت سے دورکزنا ہے۔ تو درخیفنت نافع اسی کی ذانت با برکات ہے اور وہی ورخیفنت کا فی المہمات ہے۔نوہرطرح کا خینا رصرص اسی کی ذات وحدۂ لانٹریک کوہے، لٹڈا اسی پرنوکل اور بمحروسه كروا ورابني معاملات بس ابني تدابيركوا بمبتت نه دو . بلكهاس ذات كي ندابيروا تنظام بركغايث انحصبادکروہومدترزین واسمان ہے۔ اورا بینے آب کوا ٹندہ کے پروگراموں بیں غوروفکرسے بھی بجا دو. اوريوں نه سوېچکه بيرکام کل مجھےکس طرح انجام دينا چا جيبے، اور بيرکام کل موگا بانبيں ،اوربېکام ا نجام دینے کے بلے کیا صورت اختیار کرنی چاہیے بنطلب یہ ہے کو 'نٹاید'' اورا گر گرکے حبکریں نہ برو كيونكهاس سيتضييع وقنت اورمصرو فبيت دل كيسوانجه حافسل نبين مزنا ممكن ہے كەكل ايسے حالات ساحضة جائين جن كاتنيس وسم وكمان بعى نذنها اورجو بانيس اور يروگرام تم بنارہے تقے اورجن معا لات بس تم عورو نومن كررہے تھے ان بیں سے كوئى نە ہوسكے اورسوپرے و بچار بیں ہے فائدہ وقت منائع جلاجائے۔ بلکہ دل کی مصروفیت اورعمر بربادجانے بینضارہ اورنیبیمانی اٹھانی بیسے یسی

سبفت مقاد برالاله وحكمه فارح فؤادك من لعل ومن لو (ترجمه) نقد برخدا وندى برشے كافيصله بوجكا ب دلندا نفكرات كوخواه مخواه البنے اوبرسلط مذكرود اور" نايد قاگر گر"كے ميكرسے ابنے آب كوامن بي ركمود

ایک اور بزرگ فرماتے ہیں :

(۱) سيكون مأهوكائن في وفته واخوالجها له متعب وهمزون (۲) فلعل ما تخشاه ليس بكائن ولعل مأترجوه ليس يكون

توجمه (۱) بحرکجه برنا ب وه ابنے وقت میں منرور بوکر دہے گا۔ اور جابل ویے خبران ان خواہ مخواہ ابنے آپ کوشفت اور غمیں ڈالے رکھتا ہے۔

دم) توممکن ہے جس کا مخص خطرہ ہے وہ نہ ہواور جس کی مخصے امید ہے وہ ہم دہ ہو۔ لہٰذا ابنے نفس کو بون کلفین کرو:

"لے تفس! ہمارے صدی میں صرف وہی ہجے آئے گی ہوا اللہ تعالیٰ نے ہمارے یعے نقد کردی ہے۔ وہ ہمارا مولی ہے اور وہی ہمیں کافی اور ہمارا کا رسا ذہے" وہ ہمارا مولی ہے اور وہی ہمیں کافی اور ہمارا کا رسا ذہے" وہ ایسا فدیرہے کہ اس کی فدرت کی انتہا ہتیں 'اور وہ ایسا حکیم ہے کہ اس کی حکمتوں کی مذہبی اور ایسا حکیم ہے کہ اس کی حمتوں کی انتہا نہیں۔ اور جوان صفات کا مالک ہے وہی اس بات کا ہل

نے کہ اسی پر بھروسہ اور توکل کیا جائے اور اپنے تمام کام اس کے حوالے کیے جائیں۔ لازاصفت تفوین بنائم رہم ۔ اور بہ عفیدہ بھی رکھو کہ الٹر تعالیٰ کے علم میں میرسے بیے جرکچھ ہوجیکا ہے اور جرکچھ ہرکا اسب

مبرے موافق حال اور مبترہے۔ اگر جیمیراعلم اس کی کیفیات اور تفصیلات کو نبیس جانتا۔ مبرے موافق حال اور مبترہے۔ اگر جیمیراعلم اس کی کیفیات اور تفصیلات کو نبیس جانتا۔

اینےنفس کو دیں ہجی تلفین کرو:

کے نفس! نوئٹنٹہ نقد پر منرور ل کررہے گا۔عفتہ اور ہے مبینی فائدہ ہے۔ اور مبتری نواس بے ہے۔ جوالتہ تعالیٰ کرے ۔ لنڈا غصتے اور نارامنگی کی کوئی وجنہ ہیں ۔

اسے نفس اِ جب نوائٹ دتعالی کے رب ہونے پر رامنی ہے نواس کے حکم اور نفذر بر پرکبوں رامنی نہیں والانکہ قصنا و قدر کر ربیت کی صفات اور اس کے دائرات بی سے بیں دندا اس کی رمنا کو اختیار کرو۔ اختیار کرو۔

اسی طرح اگرتم کسی تھیں سبت میں گرفتار ہوجا وُ یا کوئی ناگوار معا ملہ پیشیں آ جائے تو اپنے نفسس کو مختل وضبط بس رکھوا ورا بیجی فا بور کھو۔ بہ نہ ہو کہ بوزع فرع ، بے چینی اور گلہ نشکا بت کا اظہار کسے منسط بس رکھوا ورا بینے ول بربھی فا بور کھو۔ بہ نہ ہو کہ بوزع فرع ، بے چینی اور گلہ نشکا بت کا اظہار کے سند کے دفت میں وکھل ایک دشوا دامرہ ہے۔ کہ وفت ، کبوز کہ ابتدائے تھیں بنت کے دفت میں وکھل ایک دشوا دامرہ

اور بیلے صدمے کے وقت نیفس ہے اور گھنا بہت شکل ہے۔ ایسے دفت ہیں اپنے نفس سے یوں کہو:

"لے نفس! بیمعیدیت نو سر بر برطی ہے، اسے دور کرنے کی اب صورت اور تدبیز ہیں۔ اور
الشرنعالی اس سے بھی برلسے برلسے مصائب سے مخصے نجات دے جبکا ہے کیونکہ آفات وہلیات کی
بے شمارا قسام ہیں۔ اس معیدیت اور تکلیف کو بھی الشرتعالیٰ دور کر دے گا اور معیدیت کا یہ با دل
عنقریب چھٹ جائے گا۔ تو اسے نفس! مقور ٹی دیر کے لیے صبر کے دامن کو مضبوطی سے پر اسے دکھ اسے کے اس کے بدے دائمی مرورا ور تو اب غطیم عطا ہوگا "

ساخ نفس! الشرتعالیٰ تیرے حال سے بوری طرح واقعت ہے۔ بھھ برکرم کرنے والا اور مہر بان
بھی ہے۔ وہ سیس کنے کوروزی د تباہے۔ بلکہ کا فرکو بھی روزی د بباہ ہواس کا سرا سردشمن اور باغیہ
اور میں نواس کا بندہ اس کو بیجا نئے والا اور اس کو ایک ما نتا ہوں کیا جھے وہ ایک روٹی بھی نہیں سے
سکت ، یہ نوایک محال بات ہے۔ بلکہ وہ ضرور دے سکت ہے۔ اس کے باوجوداگراس نے دنیا کو مجھ سے
روک بیا ہے تو منروراس بیں کوئی نفع عظیم پوسٹ بیدہ ہے۔ اور سرتنگی کے بعد سہولت ہے۔ نولے فس!
فقور ی دیر کے لیے صبر سے کا م لے۔ تواس کے بدلے اللہ نغالیٰ کے لطف وکرم سے عمیب عجیب اور
عمدہ عمدہ بیجیزیں و سیکھے گا۔ کسی کھنے والے نے کیا اچھا کیا ہے :

توقع منع دبك سوف يأتى! بما تهوا كا من فرج قريب البيخ رب كے لطف وكرم سے اميد وابسته ركھو عنقريب وه كتادگا ورسولت تميں ل جائے گی جسے تم چا ہتے ہو۔ مل جائے گی جسے تم چا ہتے ہو۔ ولاتياس اذا منا ناب خطب فكح في الغيب من عجب عجيب ا وزهبیبت اور کلیفن کے وقت ابوسی کانشکارنه موجا وُکیونکررده مینب بس بر سے بڑے عجائب وعزائب موجود ہیں۔ ایک اور بزرگ قرمانے ہیں:

(1) الاياايهاالمرو الذى الهربه بوح

(٢) اذا اشتنات بك العين ففكوفي العرتشرح

(٣) فعسربين بيسرين اذاكررته فأفرح

ننوجه ( ۱ ) اے وہ نخص جس برغم وست كرمسلط موجيكا ہے۔

۲) جب نیراعم و مکرش دن اجنیا رکرجائے توسور الم نشرح کامضمون ذہن ہیں لا۔
 ۳) اس مشورت ہیں واضح طور برفر ما باگیا ہے کہ ایک نگی دو آسانیوں کے درمیائے
 تواس مضمون کے نکرا دسے فرحت حاصل کر۔

توجب تم اس طرح کے اذکارا وربا نیں ابنے نصور بی لانے رہوگے اوران کی منتیٰ کرنے رہوگے نزنما را بہ معالمہ آسان ہوجائے گا۔ بشرط یک مجھو وفت مک ہمت اور کومٹ میں سے کام لو۔

جب تم اس تفام پر پینے گئے تو تم نے ان ندکورہ عوار من اربع کو ابنے نفس سے دور کر ایا اور
اس کی شفت تم نے اُ تُصّالی - اللّہ تعالیٰ کے ہاں تم متو کلیس میں شامل ہوگئے - ان لوگوں کا مقام بابیا
جوا بنا ہر کا م اللّہ تعالیٰ کے حوالے کرنے ہیں اوراس کی تقدیر پر راصتی دہتے ہیں - اور تم نے صابر بن
کا درجہ ما صل کر لیا - اور دنیا ہیں تو تمہیں راحب قلب بدن حاصل ہوگئی - اور آخرت ہیں ایخظیم
اور ذخیر و تواب جمع کر لیا - اور رب العالمین کی درگاہ ہیں تنہیں بندم تبدماصل ہوگیا - اور خدا تعالیٰ نے
تم کو ابنا محبوب دوست بنا ہیا - اس طرح تم نے خبریت دارین حاصل کر ان اور عبادت کا دا ہو تنظم بالیا ۔
کیونکہ اب نہ توساسے کو ان کرکا وٹ ہے اور نہ دل کوا دھرا دھر مصروف کرنے والی کوئی چیز موجود ہے
اور اس وقت تم نے اس کی کھائی کو عبور کر لیا ۔

التُّدَتَعَالَىٰ كے صنور میں وعاہے كروجس توفیق سے تبرى بھى اور بھارى بھى مدد فرائے .كيونكه برچيز كا مالك و مختار و بى ہے - وھوا رحم الواحدين . وكاحول وكا قوتة أكا بالله العلى العظيم

# بالجنون كَانْ عَوْلِي بَانِ مِنْ اللَّهِ الْمُعْوَالِي بَانِ مِنْ اللَّهِ الْمُعْوِلِي اللَّهِ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْعُلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْعُلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْعُلِمُ اللْمُلْعُلِمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْعُلِمُ اللْمُلْعُلِمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْم

سے برا درعزیز! جب طریق عبا دت درست معلوم ہوگیا۔ اس دا وعبا دت پر جلنے بن ہولت اور آسانی حاصل ہوگئی۔ اور کوانع اور رکا وہیں دور ہوگئیں تواجب مجھے اس دا ہ پرجیانا صروری ہے۔ لیکن اس پرجیانا اس وقت کک ممکن نہیں جب کا توا پنے اندر نوف ورجاء کی صفت بیدا نہ کرسے داری کا شعور حاصل نہ کریے اور ان دونوں کو کما سختہ نہ اپنائے۔

خوف کا انزام دو وجہ سے صنروری ہے: ایک نواس بے کہ خوف کے ذریعہ ہی انسان گناموں سے بریح سکنا ہے کیونک نفس مرسن منزاور کرائی کا انتہائی دلدا دہ ہے اور فتننہ کی ہانوں کا بہت ننائی ہے ۔ بیاس وقت کک ہا زنبیں آسکنا جب نک ابنے اندرز بردست خوف نہ بیا کی با جائے اور انتہائی زجر و تنبیہ کا طریقہ اختیار نہ کیا جائے کیونک نفس امارہ طبعًا صفت وفا اورجیا سے فالی ہے جبیے کسی نے کہا ہے:

العبد يقرع بالعصا والمحرنكفية الملامة والمحرنكفية الملامة وغلام لاهى سع درست بوتا ب يكن واناا ورشريف انسان كوتفورى ملامت اور انبيه كافي بوتى ب-

لنذا اس نفس آماره کوراه عبادت برجلانے کی بہ ندبیر ہے کہ توفول ، نعل اور فکو عرض ہر طریقے اس برخوت کا کورا مستطر کھے جبیبا کہ کسی بزرگ کے تتعلق منظول ہے کہ اس کے نفس بی کسی گناه کی وجب اور جا ہمت بربا ہموئی تو وہ با ہم صحرا کی طریب بل بڑا ۔ وہاں جا کر کیرسے آنا رہ اور نمینی ریت براؤنا نشری کیا اور نعش سے نما طب ہوکر کھا:

سلے ران کے وقت مردار کی طرح جاریائی پر بڑے دہنے والے اورون تعویات بی ضائع

کرنے والے نفس! اس بمین اور حرارت کو جکھ ہے بہنم کی آگ تواس سے کمیں نیادہ گام جے بجب بہرسے بیے یہ حوارت نا قابل ہروا شہ ہے، تو دوزخ کی آگ کی گری کس طمع ہر وانشنت کرے گائ

دوسرساس بیے خوف صروری ہے تاکہ بندسے کا نفس عجب اورخودببندی بین بندا نہو۔ بلکہ راہ جادت میں بیش آنے والے خطرات و نشائد کو لمحوظ رکھتے ہوئے اپنے نفس کو فدروم جانے اس کو عبال کہ تعمیر کو المحوظ رکھتے ہوئے اپنے نفس کو فرروم جانے اس کو عبال کہ تعمیر کو المحوظ رکھتے ہوئے اپنے نفس سے عجب اور خودببندی کے ادرے کی بیخ کئی کرسے ۔ اور بہ بات خوف ہی سے بدا بول میں کا کہ حضور نبی کریم صلی اللہ تعالی علیدتی آلم واصحابہ ولم سے نفول ہے است خوف ہی سے بدا بول میں کہ جا کہ حضور نبی کریم صلی اللہ تعالی علیدتی آلم واصحابہ ولم سے نفول ہے کہ آبید نے فرایا:

اگریں اورعبیٹی ان اعمال کی وجہسے بجرائے ہوتم شیرصا درہوجکے ہیں توہم کوا یسے عذاب ہیں ڈالاجا ناجوشنے سخت ہوتا۔ لوانى وعبسى اوخذنا بما اكتسبت ها تأن لعذ بناعذا بالعربيد به احد من العالمين واشار باصبيه

حضرت حسن بقری دمنی استرتعالی عنه سے تنفول ہے کہ آپنے فرمایا:
"ہم بیں سے کوئی شخص اس بات سے بے خوت نہیں ہوسکتا کہ اس نے اپنی زندگی بیں
کسی ایسے گناہ کا ازبکا ب کیا ہوجس کی وجہ سے جشن اور بغفرت کا وروازہ بند ہو بچا ہو
اوراس کے بعد کے نیک اعمال کسی شمار بیں نہ آرہے ہوں".

مصرت عدالتّٰد بن مبارک رصی التّٰرتعالیٰ عنه اینے نفس کریوں حمّا ب کرتے تھے:

استفس ! تو با نبی تودرونیٹوں اور ژا پدوں کی

تقولين قول الزاهدين وتعملين

كزنا ہے يكن تيرسے احمال منافقوں جيسے إي -

عمل المنافقين وفي الجنه

کے صنور بی کریم صلی اللہ تعالیٰ علیہ وہم کا یہ ارشا داپی است کو نوف اور ڈرکی تعلیم کے طور برہے۔ یا صنور نے تواضاً
وانکساڈا فرایا ، یا بڑے درجے کی بی جبور کر حجوت درجے کی اختیا دکرنے کوابدیسا پر کوام علیم اسلام کی شان رفع کے مطابق گاہ
اور معیبت برجمول کرتے ہوئے اپنی اور صنرت عینی علیالعسلوۃ والسلام کی طرف علاب کی نسبت کردی کر بونکہ ابیا، علیم العسلوۃ
والسلام کو اس برجی عقاب ہوسکتا ہے جنور علیالسلام کے اس ادشا دکا برمطلب ہرگز ہرگز نہیں کر معا ذا اللہ صنورسے با حفرت
عیستی علیم السلام سے گناہ یا بمعیب کا صدور ہوگا ہے کہونکہ ابیاء کوام علیم العسلوۃ والسلام بالاجارع قبل نبوت اور بعد
بنوت صنعا ترا در کہا رسے معمدم اور باک ہوتے ہیں۔ والنہ نغالی اعلم۔ مترج عفی صنہ۔

marfat.com

تطمعين هيهات هيهات ان للجنة توما اخرين ولهم اعمال غيرما نعملين

اس بر توجنت کی اُمیدلگائے ہوئے ہے۔ کس مال بی جنت کی امیدا یک بعیدبات ہے جنیقیت مان ی اورلوگ بیں اوران کے عمال تیرے اعمال بالکل مختلف ہیں اوران کے عمال تیرے اعمال بالکل مختلف ہیں ۔

### رجاءكابيان

رجاء کا تصورون نعور دو وجه سے منروری ہے۔

ایک تواس سے کہ طاعات اور نیک کا ممل کا جذبہ پیلا ہو کیونکہ نیک علی کا نجام دی فض پرگراں ہوتی ہے بشیطان بھی نیکی کی طرف گرخ نہیں کرنے دیا اور نفسانی خواہشات بدی کی طرف پنجی ہیں۔ اورانسان ابل غفلت کے حالات کا زیادہ انر فبول کرنا ہے جو نیک کا موں کو بالکل نزک کرکے مراسر دنیا کی پیشش میں مصروف ہیں۔ اور آئورت بین نکیوں پرجو تواب عطا ہوگا وہ اس وفت آئمھوں پوئیدہ ہے۔ اوراس تواب کو پالینے کا معا لمہ بعید ہے۔ جب صورت حال پر ہو تو نیک کا موں کی طرف نفس کا متوج ہونا اور بوری طرح را عنب مونا اور حرکت کرنا ایک شکل امرہے۔ نوابسی شے کا سا نفہ ہونا صروری ہے جوان موانع کا مقا بلد کریکے۔ ان کی مدافعت کرسکے۔ بلکہ نکیوں سے رو کنے والی چیزوں کی ضروری ہے جوان موانع کا مقا بلد کریکے۔ ان کی مدافعت کرسکے۔ بلکہ نکیوں سے رو کنے والی چیزوں کی مرت خدا و ندی کی قوی امید ہوس تواب کی طرف بوری یوبت اوراجرا لئی کا بورا بھین ہما ہے ہیں مرت خدا و ندی کی قوی امید ہوس تواب کی طرف بوری یوبت اوراجرا لئی کا بورا بھین سے میاب ہورا

غم دستر کھانے کی رخبت ختم کردتیا ہے خوب اللی گنام دس سے روک دتیا ہے اور جمت خطاف کا اللی گنام دس سے روک دتیا ہے اور جمت خطاف کا کی امید نیک کا موں کی رخبت بیدا کرتی ہے۔ اور موت کی با دفعول اور فغو کا موں سے نشخر کردہتی ہے۔ اور موت کی با دفعول اور فغو کا موں سے نشخر کردہتی ہے۔

الحزن يمنع عن الطعام والحوف يمنع عن الذنوب والرجاء بقوى على الطاعات وذكر الموت بزهد في الفضول -

اسی طرح استرنعائی کے ان صاحب کوسٹسٹ بندوں نے جب جنت بیں ماصل ہونے والے آرام وآسائن کھانے بینے ،حوروقصور خوشما زبرروبها س اورا نشرنعائی کی ان تمام بیان کردہ نیمنوں پر یقین کیا اوران کی با و ذہن ہیں کھی نوان برخ تعالیٰ کی جما دت وطاحت بین بین آنے والی شقین آسان برگئیں ۔اورونیا کی لذتیں اورونیا کی لذتیں اور خوشت موجہ نے بہانیں رنج اور کوفت محموس نہ ہوئی ۔اورونیت کی خاطر دنیا ہی برطرح کے ضرر بحستہ حالی ، ہے جبینی اور شقت کو انموں سفے خوشی خوشی بروانشن کیا ۔

حکایت:

حضرت سغیان توری دیمته الشرعلیکے ساتھیوں نے آپے خوب اللی ، عبادت بی انتها ، دورجے کی کوششن دممن اورآخرت کے ڈر کی وجسے آپ کی پرنیاں حالی کو دیکھوکر عومن کی ساختا ذمخرم! آپ اس سے کم درجے کی کوشش کے ذرایعہ بھی ان شا دالشدنعالیٰ ابنی مراد بالیں گے" آپ جواب دیا : "بی براں کوسٹسن نرکروں ، حالا نکہ مجھے یہ بات بینچی ہے کہ اہل جنت اسپنے منا ذل و مکانات بی تشریعت فرما ہوں گے کہ اچا نک ان بر نور کی ایک تجملی بڑے گی جس سے آ علموں مبنیتی مجملی اکھیں گے۔ تشریعت فرما ہوں گے یہ الشرنعالی وات کا نورہ ، تو سجدے بی گریس گے۔ انہیں عمام مگی اسپنے سرمنتی گلان کریں گے۔ انہیں عمام کی ان ورہے ، تو سجدے بی گریس گے۔ انہیں عمام کی اسپنے سرمنتی گلان کریں گئے۔ انہیں عمام کی داخل کی ذات کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گے۔ انہیں عمام کی اسپنے سرمنتی گلان کریں گئے۔ انہیں عمام کی داخل کی ذات کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گے۔ انہیں عمام کی داخل کی دانت کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گئے۔ انہیں عمام کی داخل کی دانت کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گئے۔ انہیں عمام کی دانت کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گئے۔ انہیں عمام کی دانت کی دانت کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گئے۔ انہیں عمام کی دانت کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گئے۔ انہیں عمام کی دانت کا نور ہوں کی دانت کا نور ہے ، تو سجدے بی گریٹریں گئے۔ انہیں نام کی دانت کا نور ہوں کی دانت کی دانت کا نور ہے ، تو سجد کی گریٹریں گئے۔ انہیں نام کی دانت کا نور ہوں کی دانت کی دور کی دور کی دور کی دانت کا نور ہوں کا دور کی دو

سجدے سے انتخال یہ وہ نہیں ہے جس کا تمبیل گمان ہوا ہے بہ توجنی عورت کے مبم کا نورہے جوائرتے اپنے خاوند کے رہا ہے کیا ہے''۔

بجرحنرت مغيان تؤرى دحمة التُعليث بالثعاريره.

(١) ماضرمن كانت الفردوس كنه ماذاتحمل من بؤس واقتاس

رس تراه ببشى كئيبًا خا تفاوجلا الى المساجد ببتنى بين اطماس

رس) بأنفنىما لاك من صبرعلى لهب ندحان ان تقبلى من بعد إدبار

توجمہ (۱) مشقت ونگدستی برداشت کرنا اسے کوئی مصرونفضان دہ نیں جس کامسکن اللہ مائے قرار مجنت فردوس ہے۔

دم ، ایساننخف دنیا بس عمناک ، خالف اوراً خرت بس بمین آنے واسے معاطے سے ڈرتا دیتا ہے بعج وسکنت کا بہاس زیب بن کیے اوائے نماز کے بیے سجد کی طرف س کی ایرورفنت جاری دمتی ہے۔

(س) اسے نفس! تخصی تین دوزخ کے شعلے برداشت کرنے کی بہت نہیں ہے ۔ اور اس اسے نفس اسے ۔ اور است کرنے کی بہت نہیں ہے ۔ اور است اعمال برکی وجہسے قربب مہے کہ بعد از صد ذلت وخواری تجمیے وہ عذاب بردا کرنا پڑے۔
کرنا پڑے ۔

یں کتا ہوں جب ہار عبودیت دو جیزوں بہے: ایک طاعت کی بجا آوری . توم گناہ اور معصیت سے اجتنا ب اور مقصدا سف سامارہ کی موجود گی میں صرف اسی وتت حاصل ہوسک ہے میں اسے ترغیب تربمیب اورا میدوخوف کے ذریعے اس طرف متوجر کھا جائے کیونکر سرکن جیران اسی وقت فالو میں رہتا ہے جب ایک آگے سے کھینچنے والا مواورایک بیجھے سے ہانکے والا ہو بہریان جب اپنی بیند کا چارہ جب ایک آگے سے کھینچنے والا مواورایک بیجھے سے ہانکے والا ہو بہریان حب اپنی بیند کا چارہ ہونے گئا ہے اور تواسے ایک و ناز ارمید کرتا ہے اور روکن ہے ۔ انتے میں دوسری مانب سبز چارہ فظر آتا ہے تو وہ ادھر متوجہ ہوجا تا ہے میان تک کہ تو بوری ہوشیاری اور امتباط سے مانب سبز چارہ فظر آتا ہے و اور سرٹ بچنیلیم کی طرف صرف اس صورت میں توجر کراہے کا اس والدین اسے کئی طرح کا لیا ہے دیں اور معلم اپنے رحب اور و بدب کے نیچے دکھے ۔ والدین اسے کئی طرح کا لیا ہے دیں اور معلم اپنے رحب اور و بدب کے نیچے دکھے ۔ والدین اسے کئی طرح کا لیا ہے دیں ایارہ کی ہے ۔ یہ بھی ایک مکریش میوان ہے جوابنی شہوات کی جاگاہ میں بعینہ بھی حالت اس فعن ایارہ کی ہے ۔ یہ بھی ایک مکریش میوان ہے جوابنی شہوات کی جاگاہ میں بعینہ بھی حالت اس فعن ایارہ کی ہے ۔ یہ بھی ایک مکریش میوان ہے جوابنی شہوات کی جاگاہ میں بعینے بھی مالت اس فعن ایارہ کی ہے ۔ یہ بھی ایک مکریش میوان ہے جوابنی شہوات کی جاگاہ میں

رہنے کا سخت سنتا ق ہے بنون اس کے بیے ونڈا اور کا تکنے والے کا کام ویتا ہوا واربید تواب و بنات اس کے بیے سنر بخریں جس سے طاعت کی طون راغب مواسع بنیز یعنس مارہ مرکش بھی اندھ ہو جب ادت و تقوی کی گاب پڑھا نی تعصورہ ہے۔ آتِن دون خ اور عذاب کا ذکر تواس بس ڈر بیلاکرتے ہیں بھیک اس طرح بس ڈر بیلاکرتا ہے اور جب اور تواب اعمال اس بس امید و رغبت بیلاکرتے ہیں بھیک اس طرح ریاضت وعبادت کے بیعے منہ وری ہے کہ نفس می خوت و رجاء کا شور پیلاکرے ورنہ ہوا بینیس کی ماسی کی بیفس تقوی دعبادت کی گاب پڑھنے پاکا دہ بموجائے اور تم سے موافقت اختیار کرلے طاب جبادت بی بی شعور پیلاکرنے کے بیعے قرآن مجید بیس بار باراور دبا لغے کی حذک وعد و بیدا موز غیب مبادت بی بین شعور پیلاکرنے کے بیعے قرآن مجید بیس بار باراور دبا لغے کی حذک وعد و بیدا موز غیب و بیادت بی بی از دری کی خواہ مخواہ کشش بیلا بھرتی ہے ۔ اور عذاب کا اس بیرا یہ میں ذکر کیا کہ خواہ مخواہ کشش بیلا بھرتی ہے ۔ اور ماس کے برداشت کی انسان میں طاقت اور بھت نہیں ۔ ملازاتم پرضور درج کے اور می کا آوری کی موادعا صل ہو سکے اور اس راہ میں شفت و کہ بوت ورجا ، کو بیش نظر رکھونی کی کہا وری کی موادعا صل ہو سکے اور اس راہ میں شفت و کہنو میں بیار میں بیار اس کے برداشت کی انسان میں طاقت اور کی کا انتونیق بعضل و دہ حمد نہ کہنو میں بیار اس کی بیار اس کے برداشت کی اس کی بیار دری کی موادعا صل ہو سکے اور اس راہ میں شفت و میں بیار اس کی بیار میں کا اس کی بیار کی ب

بسوال: خون درجا ، کی حقیقت دا بمیت ادران کامکم دنینجد کیاہے ،
سوال: خوف درجا ، کی حقیقت دا بمیت ادران کامکم دنینجد کیاہے ،
جواب: خوف درجا ، بمارے علما ، اہل سنت کے زدیک قبیلہ خواطریں سے ہیں بندے
کی تدرت میں صرف بہی ہے کہ دوخوف درجا ، کے مقد مات کوعمل میں لاتے بیجنا بخیر خوف کی تعریف

تون اس ڈراور رزے کا نام ہے ہوکسی فریخ کے بینچے کے گمان سے ول بی بیدا ہوتا ہے۔ الخوم رعدة تحدث فى القلب عن طن مكرو كا بناله -

خشیت بھی خوف میری کیفیت کا نام ہے بیکن خثیت کے مغیرم برج سے خوف ہونا ہاں کا میبت او منظمت کا تصور ہی شا ل ہے ۔ خوف کے مقابلہ بن میبت او منظمت کا تصور ہی شا ل ہے ۔ خوف کے مقابلہ بن اور خوف وامن کیونکہ ہمن بعنی بے خوف و نفح می تا امن ہی آ تا ہے ۔ جیسے کتے ہیں خالف والی ۔ اور خوف وامن کیونکہ ہمن بعنی بے خوف و نفح می تا اس کے جوالٹ دو اس کے تعلق لاہر والی اور بے باکی کا مظاہر و کرسے بمی جبعة خوف کے مقابل ہے احکام کے تعلق لاہر والی اور بے باکی کا مظاہر و کرسے بمی جبعة خوف کے مقابل جوالت ہی ہے۔

ایناندر خوف بدلاکرنے کے جار تقدمات اور اساب بی :

د ۱) اینے گزشت تگن موں کو با دکرنا۔

د ۲ ) الشرتعالیٰ کی اس شدرت و سختی کو یا دکرنا جسے بر دانشت کرنے کی تم برسکت نبیں۔

رس ابترتعالی کے عذا مے آھے اپنے منعف ونا تواتی اورا بنی کمزوری کویا دکرنا .

رسی امتی تعالیٰ کی قدرت وطاقت کریا در کھنا کہ وہ جب جا ہے' جیسے جاہے گرفت کرسکتا ہے۔

س جاء کی تعربیب په کی گئی ہے:

يعنى الشرتعالي كصففنل وكرم كوميجإن كرالي خوشی محسوس کرنا اوراس کی رحمت کے دا من

يں راحت مامسل كرنے كانفىور -

هوابتهاج القلب بمعى فة فضل الله سبعانه واسترواحة الىسعة رحمة الله تعالى

رجاء کا بیمفہوم ومعنی خواطر بیں سے ہے اور نبدے کی فدرت سے باہرہے ، ہاں رجاء باین عنی التدتعاني كيفنل اوراس كى وسعت رحمن كو

**هوتذكرفضلاالله تعالى وسعية** 

یا دکزیا ، بند سے کی قدرت میں ہے۔

خطرات وحوإ دث محصتعلق بيارا وه اورعقبده ركممناكه بحشيت الني ان سے صزر ونفضان نهيس ببنح سكتا اس كورجا مكما كباب ب رجا م كاس بيان مي مهار سنز ديك ببلامعني مرا د ب يعني الله تعالى ك

ففنل ورحمت كويا وكريك مسترت وراحت محسوس كرنا -

رجا مکی ضدیاس (ناامبدی) ہے۔ناامیدی اور یاس کی پیتعربین کی گئی ہے: اس خیال کوکه مجعے خداکی رحمنت اوراس کا نعنس هوتناكرفوات رحمة اللهوفضل

نبين بينجي كانبرول كورب تعالى كفضل ورحمت

وقطع القلبعن ذ لك-

ک ابدسے الگ کریسے کویاس کھنے ہیں ۔

اس طرح کی ناامبدی محض گناہ ہے۔اور حب رجا کا تصور بیخنہ کرنے سے بغیرنا امیدی اور پاس کا قلع قمع كزما وشوار بوتوابسي مسورت مين رجا فرص ہے۔ اوراگرابسي صورت حال نه بوتو رجا دِفل ب جبكه اجمالي طور پرانشذتعالیٰ کے فضل وکرم اور وسعت رحمت کاعفیده دل میں مصبوط اور نجیته ہو۔

رجاء جا برجزوں سے پیدا ہوتی ہے:

(۱) بندے کی طرف سے بغیر کسی مبغارش کنندہ اور بغیر کسی رغبت وطلیکے بندے برانٹہ تعالیٰ کی طرف

كيه مُن انعامات واحمانات سابقه كويادكرنا.

(۲) الله نعالی نے ابنی ثنان حی وکری کے مطابی عظیم عز تدا اور بڑے اجرو تواب کے جو وعدے

ہے ہیں ان کو ذہن میں رکھنا ، اس اجرو تواب کو ذہن میں ندر کھنا جس کے تم اپنے اعمال کے

عوض ستی ہو کیمو نکہ اجرو تواب اگر بندے کے افعال داعمال کی حیثیت کے مطابق طے

تروہ بالکل تعیل و حقیم ہوگا۔

(۳) استحقاق کے بغیراد ہے ابھے دین و دنیا کے ہرشعیے بیںا شدتعا لی جو مختلف الاقتیام نیسی فی لحال عطاکر رہا ہے ان کویا دکرنا ۔

(۱۲) بیقسورکدان داند تعالیٰ کی رحمت و صربانی اس کے خضب اوراس کی گرفت پر غالب ہے۔ اور پیھور کہ خدا و ند قدوس رحمٰن رحیم عنی ، کریم اورا بنے بندہ مومن پر نمایت شغیق ہے بہت تم خوف ابید دونوں کے مطابق تعورات و خیالات کو ذہن میں رکھوگے ترتم میں ہروفت خوف ورجا کی نیات بیلارد ہیں گی ۔۔۔۔ واللہ تعالیٰ ولی المتوفیق بسند و فضلہ .

## فصل

نواسے بندسے ابھے پر پرری اختیا طاب پر برے دھیان اور پرری دھا ہی نما بت وشوارگزادہ۔
کی اس کھائی کو لے کرنا صور دی ہے۔ اختیا طاکی اس بیے صور دن ہے کہ یہ گھائی نما بت وشوارگزادہ۔
اس بیں طرح کے خطرات بیں بھیونکہ خوت و رجا کی اس گھائی کا راستہ دو صلک اور خوفاک استوں
کے درمیان سے گزرتا ہے۔ ایک نوائٹ تھائی سے بالکل بے خوف برجانے کا راستہ اور دو مراہ سس سے
بالکل ایریں ہم جانے کا راستہ ان دونوں ٹیٹر ھی را ہوں کے درمیان خوف و رجا کا راستہ ہے۔ اگر رجا اس تھائی کے درمیان خوف و رجا کا راستہ ہے۔ اگر رجا اس تھائی خوف اس ہوگئی کہ خوات ان کو خوف بالکل نہ رہاتو یہ می خلاراہ ہے ۔ کیونکہ الشر تھائی فر آتا ہے :
ولاکیا من می شخوف بالکل نہ رہاتو یہ می خلاراہ ہے ۔ کیونکہ الشر تھائی فر آتا ہے :
ولاکیا من می شخوف اللے والے الفر می میں میں دولے وگر بی ہے خوف اور ہے قد ہم ہے ہیں ۔
ولاکیا ہوئی نہ ورغانس تھ رغانس ہوا کہ دل سے ایر درجمت کو بشر شن کا نام ونشان مٹ گیاتو نیا ہے کا اوراگرخوف اس تھ رغانس تھ رغانس ہوا کہ دل سے ایر درجمت کو بشدش کا نام ونشان مٹ گیاتو نیا ہوئی اوراگرخوف اس تھ درغانس تھ رغانس ہوا کہ دل سے ایر درجمت کو بشدش کا نام ونشان مٹ گیاتو نیا ہوئی اوراگرخوف اس تھ درغانس بوا کہ دل سے ایر درجمت کو بشدشن کا نام ونشان مٹ گیاتو نیا ہوئی ایر کی اوراگرخوف اس تھ درغانس بوا کہ دل سے ایر درجمت کو بشدشن کا نام ونشان مٹ گیاتو نیا ہوئی ہوئی ایر کی ایر کو بیات کی کرنا ہوئی کی کرنا ہوئی کی کرنا ہوئی کو کرنا ہوئی کو کرنا ہوئی کو کرنا ہوئی کو کرنا ہوئی کرنا ہوئی کرنا

#### Trr

اور ایرسی کا ماسنه اوربیمی خلط ہے کیونکہ اللہ تعالیٰ فرما آ اہے:

انٹرنغانیٰ کی رحمت سے صرف وہی لوگ باہرس ہوتے ہیں جو کا فرہیں ۔ وَكَا يَنْيُنَاسُ مِنْ مِنْ مَنْ وَيِجِ اللهِ إِكَا اللهِ إِلَا اللهِ إِلَا اللهِ إِلَا اللهِ إِلَا اللهِ إِلَا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ وَلَا اللهِ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلِي اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ ولَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّ

بیکن اگرتم خومت ورجاء کے درمیان جلے اور دونوں کا دامن بکرا نوبی وہ صرا کھستبھم ہے جراس ان اولیاء واصفیاء کا داستہ ہے جن کی اس نے اپنی کتا ب ہیں پوں صفنت فرمانی ہے:

بیشک وہ نیک کا موں کی بجا آ دری میں جلدی کرنے نفے اورخومن وڈرکی حالن بیں ہمبیں بڑ تھے اور ہمارے سامنے مجھکے رہنتے تفے۔ رِانَّهُ مُركانُوا بِيسَادِعُونَ فِي الْخَيْراَتِ وَيَذْ عُوْنَنَا رَغَبًّا قَرَهَبًّا قَرَكَهُ الْفُالْنَا خَانِشِعِيْنَ ،

جب متبين معلوم موگيا كهاس گھاڻي بن نين فتلف راستے بن

د ۱ ) ۔ استدامن وہے باکی (مکمل ہے خوفی ) ۔

۲) ناامیدی اور مایوسی کا راسته -

س) ان دونوں را موں کے درمیان خون ورجا کا راستہ ۔

تواگرتم ذرا بھی دائیں یا بائیں ہوئے تو دوملک داستوں میں جایڑوگے۔ اور ہلاک ہونے دالوں کے ساتھ ہلاک ہوجا ڈگے۔

پیم صورت حال یہ ہے کہ بے تو تی اور ما یوسی کے دونوں راستے در بیا نے راستے کی نسبت زیادہ
کشادہ ہیں ۔ اوران کی طرف بلا نے والوں کی کشرت ہے ۔ اور در میا تی راستے کی نسبت ان دو پر جابنا نیا ڈو
سسل اور آسان ہے ۔ کبو کمہ اگرتم جانب امن دیے خوتی ) کی طرف نظر دوڑا و گے تو تمہیں الشدنعا لی کوسیع
رحمت ، اس کے بے بیابی فضل و کرم اوراس کی بخشش اور مجود کے وہ سمند رنظر آئیں گے کہ خوف و در کا
شائبہ بھی دل میں باتی نمیس رہے گا۔ تواللہ تعالی کے فضل پر بھروسہ کرکے بے خوف بھو کہ بھی جائے ۔
اورا گرجانب خوف کی طرف دیجھو گے تو تمہیں فواتعالیٰ کی غظیم قدرت ، غالب بیاست کشرت
میں بدین ، معا ماہ ساب و کن ب کی نزاکت ، اپنے دلیوں اور برگزیدہ بندوں کی بطور مختاب گرفت کے وہ
در و نجز وافعات و حالات سامنے آئیں گے کہ دجا باتی نہیں رہے گی تو ایوسی اور نا ابیدی کا شکار مجواؤ
کہ نہ نوا ایسی صورت حال کے بیٹ بی نظر تم پر یہ بھی منروری ہے کہ محض اسٹر تعالیٰ کی وسعیت رحمت پر
ہی انحصار نہ کرونا کہ ایس کی دیمت پر بھروسہ کرکے باکل بے خوف نہ ہوجاؤ کہ یہ بھی غلط ہے ۔ اور نہ

اس کی علیم ہمیبت اور آخرت بی سخت کھود کرید ہر ہی نظر دکھو کیونکہ اس طرح تم قنوطبت اور با یوسی کا شکار ہوجا و کے ۔ بلکہ دونوں میلووں کومیشین نظر کھو کچھ حصنے دف کا لواور کچھ رجا رکا پھران دونوں کے كند عصير بسوارم وكراس باريك لاه برجلو: اكد بينكف سي معفوظ دم وكيو كمده ون دجاء كارات ببت آسان اورسل سصاور براوسع اورکشاده ہے بیکناس کی منزل اورانندا عندایب فداسے بانکل بنجینی اورخساره ہے۔اسی طرح صرف خوف کا رامنہ بھی اگرچے ٹڑا وسیع وع بین ہے لیکن اس کا انجسام منلالت دگمرای ہے۔ اورا عندال کا راستہ خوت اور رجا دیے درمیان ہے۔ اور یہ درمیا فی راستہ اگرچ دشوارگذار ہے لیکن ہرخطرہ سے مفوظ اور بالکل دامنے اور میا نب ہے بیو مفران اوراحیان اور جنت ورمنوان اورلقا داللي تك ليے جاتا ہے كيا تم نے خوت ورما ، كے داستہ پر جيلنے والوں كنے علق خلاتعالىٰ كابدارشادمبارك نىيى شئا ۽ :

وه ابنے پرور وگا رکوٹوٹ وامید کی حالت جس پکا ستے ہیں۔

بِدِ عُونَ رَبُّهُ مُرْخُونًا وَكُلُّمُعًا بعران كى جزا كے منعلق فر ما يا :

كوئى انسان نبيں جان سكتا ۽ نكعوں كى شسس غندک کوج خون درجاکی راه پرجینے والوں کھیلے ان کی جزا کے طورمِر ( آخرنت بس) پرتشیدہ رکھی ہرتی ہے۔

فَلَانَعْلَمُ نَعْسُ مَّا أَخُفِي كَهُمُ مِّنُ فُتَرَّةِ أَعْيَنِ جَزَاءً بِهَا كَانُوا بَعِمُلُونَ ه

اس جملة قرآنی به بوری طرح عور کرد. بچراس راه بر جلنے کے سیے بوری طرح مستعدا دربدارم جاؤ كبونك خوف ورجاء كالمقام ماصل كرنا آسان نبيس

بهم ببمعلوم بونا بعی صنروری ہے کہ اس راہ پر جانیا اور مشسست اور مکنٹ نعنس کواس کی محبوب پیزوں سے مٹاکطاعات اوراعمال صالح بس لگانا ہواسے بڑاناگوا رہے اس وقت تک ماصل نہیں برسكنا حبب تك ين اصول ذهن مي نه ركھے جائيں . اور حب تک خفلت اور شيخ کے بغيرلگا تاروا مُماً ان اصولوں کی حفاظت ذیکھداشت نہ کی جائے۔ وہ تین اصول یہ ہیں :

- (۱) ترغيب ترمييج تنعلن خلاتعالي كے ارتثادات ۔
- (٢) گفت بامعان كرنے كے تعلق الله نعالى كارستور

(س) کا خرت میں نیک لوگوں کے نواب اور فرے لوگوں کے منزاد عذاب کو با در کھنا۔ ان بین اصولول کی کما خفهٔ تفییل مے بیے تو دفتر در کاربی بیم نے اس باب بی ایک نفل کتاب «ننبیهالغافلین نصنیف کی ہے . اوراس مخترکتاب میں ہم صرف ان کلمان کی طرف انارہ کرتے ہیں' جن كوز بهن تين كريين كريين كے بعد مفصور سے ان ثنا دالله تعالیٰ وا نفت برجاؤ بگے۔ والله ولى النّوفيق.

اصُلاقِل ترغيب زميك منعلق خلاتعالى كے ارشادات

المصرا درعز بإلتجميان آيات مي صنور ندر اورغور كرناجا مهيجن مين خدا نعالى نة رغب زيب اورخوف ورما ، كا ذكر فرما يا ہے بنيا نجہ رجا كے تتعلیٰ قرآن مجيد ميں فرما يا :

إيشٰدتعالىٰ كى رحمت سے ناا ميدندم و بينك السّٰد لاَتَفْتَنَظُوا مِنُ تَرْحُمَةِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهَ تعالیٰ تمام گناہ مجنن دے گا۔ يَغُفِمُ الذَّنُونِ جَمِيعًا ط

وَمَنْ لَيُغُفِّمُ الذَّنُونِ إِلَّا اللهُ عَافِيرِ الذَّنْبِ وَغَابِلُ النَّوْبِ

وسي اينے بندوں كى توية تبول كرنا ہے اوران كى وَهُوَ الَّذِي كَيْفُهُ لَ النَّنَّوْكَةَ عَنْ عِبَادِهِ نلیلیاں معام*ث کڑیاہے* ۔

وَيَعْفُوعَنِ السِّيِّكَاتِ ـ

كَتَبَرَبُكُمْ عَلَىٰ نَفْسِهِ الرَّحْمَةَ -

وَرَحْمَنِنَي وَسِعَتْ كُلَّ شَيَءٍ فَسَاكُمُ مَا اللَّهِ عَالْكُلُّهُما لِلْنَانِينَ بَيْقُونَ -

إِنَّ اللَّهُ بِالنَّاسِ كَرُءُ وَنُّ تَعِرِيْهُ .

وَكَانَ بِالْمُؤْمِنِيُنَ سَرَجِيمًا .

ان مرکورہ آبان اوراس طرح کی دیگرست سی آبات میں رجاء کا بیان ہے۔ خوف اورمبین کی آیات:

باعِبَادِ فَا تَقُونِ ٥

الشرتعالى كصواا وركون كنا ومختشف والاسب الشر

تعالى گناه بخشتا ب اور تزبه قبول كريك -

تہارے پروردگارنے دحمت ویجشش اپنے ذہے ہے۔

مبرى حمت ہرشے كورسع ب معقرب بى رحمت ان لوگوں کے بیے مخصوص کرددں گا بختعی ہیں

بينك الشرتعاليٰ لوگوں پيرمبر بان اور شفيت ہے

وہ مومنوں برمسریان ہے۔

اسے میرسے بندو مجھ سے ڈرو۔

أَنْحَيِبْ بَهُمُ أَنَّكَا خِلَقُنْكُمُ عَبَثًا وَّ كانسادايد كمان ب كربم في تم كرب كاربيدا أَتُكُمُ إِلَيْنَاكُمُ لِوَجُعُونَ. كيلب ورتم بمارى طرمت وتاشيب جاؤكي أيخسب الإنسان آن يُنزك كياانسان يركمان كيع بيضام كداس كى بازير سُدٰی ه ښين ېرگی ۽

كَيْسَ بِآمَانِيْتِكُهُ وَآمَانِيْ آهُول أنزيت مي نجانت كامعالم ننهارى اودا إل كماب الكِنتَابِ کامیدوں کے الخست نہیں ۔

مَنُ يَعْمَلُ سُنَوْءً يَتُجْزَبِهِ وَكَايَجِلُ مِنُ دُوْنِ اللهِ وَرَلِيًّا وَكَا يَصِيْرًا.

وَهُمُ يَحْسَبُونَ أَنْهُمْ مِيْكِينِ فَوْنَ م صنعًا ه

وَبَدَا لَهُ حُرِقِنَ اللَّهِ مَاكُوْلُكُونُوا بَخْنَسِبُونَ ه

وَقَدِهُ مُنَا إِلَىٰ مَاعَيِمُ كُوْا مِنْ عَمَيِل

اوراسعا متنرتعا لأيح سواكو في حائبتي اور لمركا نبیں ہے گا۔ ا وران کا گما ن بہ ہے کہ وہ مبست ہی اچھے کام كردىيى -

فَجَعَلْنَا لَا هَبَاءً مُّنْتُورًا،

بھی نہ نغا۔ قیامت پس ہمان کے اعمال کی طرون کیش کے تمانىيں قبول كرنے كے بجاشے ذرات بناكراڑا

اوران کے سا منے انٹری طرمٹ سے عذاب

کا وہ نونہ ظا ہر ہوگاجس کا ان کووہم وگیا ن

بوشخص جى فرائى كرسے كا قزاس كا بدله يانے كا

دیں گے اور یا نکل نیست ونا بودکر دیں گے۔ ہم الشرتعالیٰ سے دعا کہتے ہیں کہ وہ ہمیں ابنے دامن رحمن بی مبکدد سے اور براعما لبول سے بچائے۔

بجندوه آیات مبارکہ جن می خوف رجار دونوں کا بان ہے: نَبِيٌّ عِبَادِي أَنَّ الْعُفُورُ الرَّحِيمُ ميرے بندوں كونا دوكري كاغفور درسيم بول-اس كي تصل بعد فرمايا:

وَأَنَّ عَكَالِينَ هُوَالْعَنَابُ الْزَلِيْمُ

بینک میراعذاب براسنت عذاب ہے۔

عذاب كا ذكرسا تقهى اس ليے فرمايا تاكه نبدسے برصرف رجاء كا ہى غلبه نه موجائے ابنى

طرح فرآن مجيدين ايك ملك جمان بيفرايا: شَرِهُ يُدُالُعِظَارِبِ.

وہ سخن گرفت کرے گا ۔

وع ن اس محصل بعد بدیجی فرایا:

ذِى الطُّولِ كَا الْهَ إِنَّا هُوَ -

وہ بڑا زور آورہے ، اس کے سواکوٹی ہستی لا*ئن عِيا*دت نبيس -

"اکہ بالکل خومت کا غلبہ ہی نہ موجائے ۔

اس سلسلة ببن الشرسُهانهُ وتعالىٰ كاعجبب نزين قول بير ہے كديبلے فرما با : الله منسين بني فدات سے فران ا ہے -

وَجُحَذِدُرُكُمُ اللهُ نَفْسَهُ ط

ا درانتہ نبدوں تنبیفین رمسر بان بھی ہے۔

بهراس کے ساتھ ہی فرا دیا: وَ اللهُ رَءُونَ اللهِ الْعِبَادِ -

اوراس سے تھی عجیب نرجیبہ قول ہے:

مَنْ خَيْنَى الرَّحْلَنَ بِالْغَيْبِ - بَخْصُ رَمَنْ كُوبِ دَ بِكِهِ اسْتِ وْرْ ارادا -

كخشيت كيرما نفدا بناذكراسم جباريامنتقم بالمنكبرسي نكبا جؤشيت كيربحاظ مسيمو فع كيرناسب ه المك خشيت كورهمن مصعلق فرايا " تاكفتنيت اور رحمن كا ذكر بموجا ئے كه دل صرف ذكر ختيت سے فنا ہی نہ ہوجائے ۔ لہٰذا ڈرانے کے ساتھ ساتھ امن دینے کا نذکرہ کیا اور تخریب کے ساتھ ساتھ

اس ایت کے صمون کی نثال ہوں ہے کہ نم کسی کوکعو" نم اپنی مہر بان ماں سے کبول نہیں ڈیستے" يا"تم اين شفن بابسكيون خون نهيل كهانت يا" تم رحمدل ما كم سي كبون نيس خورني " استسم كفت كرسيم تقصد بيهزنا ہے كہ خوت وامن كا درميا نى راسندا ختيار كرنا جا ہيے۔ اور بالكل ایوسی یا بالکل بےخوفی سے دور رہنا جاہیے۔ اللہ تعالیٰ ابنی رحمت وکرم سے بہیں اور تہبیل س ذکر حکیم میں ندترا وراس بیمل کرنے والوں سے کرے۔ بے ٹنک وہ بڑا جوا در سخی ،اور کریم ہے ولاحول ولاقوة أكم باللهالعلى العظيم

#### دوسری خاصل الٹرنعالی کے افعال ومعاملات کے بیان ہیں

اسع زبر إمندر جذبل واقعات كامطالع خوف ببراكر نے كے يسے كافى ہے:

اسے میرسے اللہ! اوراسے میرسے مالک !کبیس میرا ام نیکول کی نسٹ سے مٹاکر بدوں کی نسسٹ میں نہ الهی وسیتدی کا تغیراسی دکا تبدل جسمی۔

كردينا اوركبين ميراجيم الم معطا كے زمرہ سينكال كرا بل عقا ہے گروہ يں مذكر دينا -

(۲) سیدنا سحفرت آدم علی نبینا وعلیاله صلاه والسلام خدانعالی کے دہ برگزیدہ نبی ہیں جن کوانسہ نے براہ دراست اپنے دستِ فدرت سے بنایا۔ بھران کا اعزازظا ہرکرنے کے بیدا بینے تمسام طائکہ کوانہیں سجدہ کونے کاحکم دیا۔ بھران کو طائکہ کی گرد توں برا تھا کرا پنے بڑوس میں اپنی دہیع اور آرام دہ جنت میں جگہ عطاکی۔ بھر درف ایک دانہ جکھنے سے ان سے وہاں ہے کی تعمت بھین کی۔ اورا دائٹر نعالیٰ کی طرف سے آواز آئی :

سُن ہے! وہ تخص میرسے بڑوس میں رسینے کے

الالايجاورتي منعصاتي ـ

لائن نبیں جربیری فا فرانی کا مزلیب ہوڑاہے۔

 روتے رہے ۔ اوراس سلسلے میں آپ کو بے انتہاء شغنت اور کلیف جمیلیٰ بڑی ۔ بھراس مشغنت اور رنج کے اثرات آپ کی اولا دمیں ہمیشہ ہمیشہ کے بیے باتی رہ گئے ۔ دس مشغنت اور رنج کے اثرات آپ کی اولا دمیں ہمیشہ ہمیشہ کے بیے باتی رہ گئے ۔ دس مخرت فرح علیٰ جمیع الانبیاء العملوٰۃ والسلام ہوشنے الانبیاء بیں آ بنے اللہ نعالیٰ کے دبن کی تبلیغ کے سلسلے میں کس قدر شدیش تبین اوز تکا بیعت برداشت کیں آ اب منہ سے جب دس ایک کلمالٹ تعالیٰ کی مشینت کے خلاف تکلائو خلاف الی نے فوراً فرایا :

ایک کلم اللہ تعالیٰ کی مشینت کے خلاف تکلائو خلافالی نے فوراً فرایا :

قدر تشنا کی ماکیس کا کی بہ جملے گئے ہے ہے ایس بات کی ہرگزد خواست نہ فیکر تشنا کی ماکیس کا کی بہ جملے سے ایس بات کی ہرگزد خواست نہ فیکر تشنا کی ماکیش کا کھوں کا کھوں کے دورات اس ماکیش کا کھوں کی جملے سے ایس بات کی ہرگزد خواست نہ فیکر تشنا کی ماکیش کا کھوں کا کھوں کا کھوں کی میں کا کھوں کی میں کا کھوں کا کھوں کا کھوں کا کھوں کی کھوں کی میں کا کھوں کا کھوں کا کھوں کی کھوں کی میں کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کھوں کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کی کھوں کو کھوں کھوں کو کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کھوں کی کھوں کو کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کو کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کو کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کی کھوں کو کھوں کو کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کو کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کی کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کے دورات کی کھوں کو کھوں کے دورات کے دورات کی کھور کے دورات کی کھوں کے دورات کے دورات کی کھوں کے دور

روایات دیں آباہے کہ اس کے بعد نِشرم دہبا کے یا عنت جالیس سال آبیے آسمان کی طرف سر اُنٹھا کرند دیجھا۔

رمم ، بجرسبدنا حصارت ارابیم خیل الله علیاله صلاه والسلام سے صرب ایک نامناسب کلمیماله برگرانواس کے باعث آب کوکس فدرخون لاحق برگوا۔ اورکس فدرعجز ونضرع سے کام لیا جنائج بوں کما:

وه ذات جل عمران يَغْفِر فِي خَطِبْنَيْ وَهُ ذَات جل عمران يَغْفِر فِي خَطِبْنَيْ وَمُرى وه مِرى اللّهِ اللّهِ اللهُ اللّهِ اللهِ اللهُ الل

روایات بیں بہان تک آیا ہے کہ آپ اس فدرروئے تھے کہ اللہ نعالیٰ نسلی دینے کے پیے تھے ر بجر بل علیالسلام کو آپ کے پاس مین اتھا ، حضرت بجر بل اللہ تعالیٰ کی طرف سے یہ بینے م لاتے تھے:

با ابراهبحه هل را ببت خليلا بعنه العاراميم إنون كيما وست و كما عجر

عده ایک قول یہ کہ خطا سے مراد افی سقیم، بل فعل کیبر هد، هذا دی اور بیری کرهی اُختی کے الفاظیر بیکن درخیقت یہ الفاظ آب نے توریع اور تعریف کے طور پر کے جوخطایں واخل نیس بکہ جا گزاور درست بیں۔ ان الفاظ بین درخیقت یہ الفاظ آب نے اور تعریف کے طور پر کے جوخطایں واخل نیس بکہ جا گزاور درست بیں۔ ان برطلب معفرت کی منرور ن نہیں۔ امسل بات یہ ہے کہ انبیاء کرام کا اللہ تعالیٰ سے معفرت طلب کرنا تعلیم من اور نواضع وانکساری کے طور پر ہوتا ہے "

د مادک ج ۱۰ - من ۱۸۱ ، اسی آیت کے بخت، نترجم -

ابنے دوست کراگ کے عذاب بن ڈالے ہ

خليله يالناس،

ليكن حفرت ابراميم علبالسلام حفرت جريل كوجواب بس كنف غفي:

اے بھرل ابجب مجھے اپنی خطا یا دا تی ہے تو خونسے باعبت دیشر کے معاقد دیشنہ دوستی مجول یا جیربیل اذاذکرت خطیشتی نسیت خلتهٔ -

جآ ناسے۔

(۵) حفرت موسی علیالصلوّ والسلام سے صرف اننا ہواکہ آئے تبنیہ کے طور پرایک کا فر فبطی کو پر پر ماردی یکن اسفیل برآئے دل میں ضلاتعالی کاکس تسدر خوف و در بربدا ہوا اور آئے کس فدر گریہ وزاری اور استعفار سے کام یا بچنا بخبر فرآن مجید میں وارد ہے کہ آپ نے جناب خداؤندی مری وزاری وزاری اور استعفار سے کام یا بچنا بخبر فرآن مجید میں وارد ہے کہ آپ نے جناب خداؤندی

اے میرے رب بیں نے اپنی جان بڑھلم کیا تو محصر بخش ویرے۔ دَبِّ إِنِّى ظَلَمُتُ نَفْسِئَى فَاغُفِمْ دِلْ: دِلْ:

(۱) حفرت موسی علیه لصلاة والسلام کے زانہ کے ایک شخص ملیم بن باعو دام کا واقعہ بھی باد کرد۔
گراہ بونے سے بہلے اس کی حالت یہ نفی کہ جب وہ آسمان کی طرف دیجھتا نفا تواس کی نظر
عرش عظیم کے بہنچتی تفی ۔ اسٹر نعالی نے درج ذبل آبیت بیں اسی کا تذکرہ کیا ہے:
وَا تُلُ عَلَيْهِ عُرِيْبُ الّذِي كُونَ اللّهِ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهِ مَنْ اللّهُ مَا مَا مُنْ اللّهُ مَا مَا مُنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَا مَا مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مُنْ مَا مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَا مَا مُنْ اللّهُ مُنْ

خلاف ميل بريرا ـ

اوریدگراہی دصنالات اس برمرف اس وجسے مسلط ہوگئی کہ وہ دنیا اورا ہل دنیا کی طرف جمک گیا۔ اور مرف ایک موقع براٹ رتعالیٰ کے دوستوں میں سے ایک دوست کی عزت وحرمت فائم ندر کھی، نوالٹ رتعالیٰ نے اس سے اپنی معرفت جھین کی اور اسے دفتہ کا اسے ہوئے کئے کی طرح کردیا بینانج اس کے تنعلق فرآن مجید میں فرایا:

تواس كا حال كتے كى طرح بوكيا كداكر فواس بر

فَمُتَّلُهُ كُمَّتَلِ الْكَلْيِ إِنْ تَحْمِلُ عَكِبُهُ يَلْهَتَ ۔ عَكِبُهُ يَلْهَتَ ۔

حلية ورموزوزيان كال سالخ-

تومرف ایک بارانشرنعالی کے دوست کی ہے اوبی کرنے اورایک بار دنیا کی طرف بھکنے کی پادائی میں اسے ہلاکت اور صلالت کے سمندر میں سمبیٹیہ کے بیسے خ قاب کر دیا گیا۔

بیں نے بعق علماء سے سناہے کہ گراہ ہونے سے بولا بھی بن یا عوداء کی تبلس علم بیں مون ایک وقت بیں بارہ بارہ ہزار دینی طالب علم ہونے تھے ہو ہا تقول بی قلم دوات بے اس کے معرفت سے لبریز ملفوظات قلمبن کرنے تھے ۔ پھر گرا ہی کے بعد وہ اس حالت کو پہنچا کہ کہ ایکا رفع ایکی مشلہ پرستے بیلے اس نے کا بنا مسلم میں از گرا ہی کے بعد وہ اس حالت کو پہنچا کہ اس کے عذا برب البیم اوراس کی طرف سے ساتھ ہونے والی ذلت وخواری سے بار بار بنا ہ پرشتے ہیں۔ توقع خورکہ لوکہ و زیا کی خیانت اور خوست عوام توکیا، بڑے بڑے علماء کو ضلالت و گرا ہی کہ سے غاریس کہ ماں تک و دیا گرا ہے اور بھر من اوراعی ال مار بیا ہیں۔ نوع مون کہ اوراعی ال ما مبول سے لبریز بیں، اوراعی ال کوجا بجنے والا بڑا میں نوع مون کردے تو تھے اور بھراری لغر شوں کو دوا بھے اس کردے تو اسے کہ کی مشکل اور وشوار نہیں۔

کیمرتیدنا حصرت واؤد علیالسلام سے جوزین بین فعالنا کے نائب اور فلیفہ نفے صرف ایک بیمرتیدنا حصرت واؤد علیالہ سے اس قدر روئے کہ اُن کے آنسوڈن سے زبن سے بہزواگ آیا۔
 کیمرتیدنا معدور میڑا تو خوف اللی سے اس قدر روئے کہ اُن کے آنسوڈن سے زبن سے بہزواگ آیا۔
 کا بیب بارگارہ فعلاوندی بیں بوں عرض کرتے ہتھے:

اے اللہ! میری اس گریہ وزاری کو دیکھ اور مجھ برجم فرا

انهى توخعر بكائى و تضرعى -

ا نتاناني كى طرف سيرواب آبا:

ا سے دا وُد اِلْجِمْ اِبنی لغزش تو بھول کی ہے، گر

يا داؤد نسيت ذنيك وذكرت

تخصے اپنارونا با دہے۔

كاؤك

منقول ہے کہ جابیس روز نک اور بعض روا بان سے مطابی جالیس سال نک آب کی تو بہتول نہ بور قی ۔ نہ بور قی ۔

(۸) بھرستیرنا معنرت بونس علبالصلاۃ والسلام سے صرف اننی بات عما درموگئی کرآبیا کی دفعہ بے محل غفتہ میں ہے ' ترسمندر کی گرائبوں میں جالیس روز تک مجیلی کے بہیٹ میں قبیب کر كرديه كمن ولال آب يتبيع يشف اور خلاكونداكرت تع: لَدَالْهُ إِلَّا أَنْتَ سُيُحْنَكَ رَافِيْ

نبیں کوئی معبود مگر تو ہی ' پاک ہے تو۔ بے ٹاک

كُنْتُ مِنَ الظَّلِهِ بُنَ ، مِن الظَّلِهِ بُنَ ، مِن اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الل

فرشنوں نے آب کی اوارسی اورع من کیا" اسے الٹرا لعالمبین ! اواز توبیجانی جاتی ہے گراس کا مفام اوراس کی مگرمعلوم نبیس ہونی "اس برانٹہ نعالیٰ نے فرمایا برمبرسے بندہ بونس کی آواز و برارہے اس فرشتوں سے مفارش کی۔ گران تمام باتوں کے باوجودانٹ زنعانی نے آب کا نام برارک بونس ببنے کے بجائے ذوالنون کے نام سے آب کا ذکر کیا۔ اوراس فصر کوبوں بیان فرایا:

عَالْمُتَعَبِّمُ الْحُوتَ وَهُو مُركِيمٌ وَ وَلَا مُركِيمٌ وَلَيْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللهِ اللهُ الله

فَلُوْلِا أَنَّهُ كَانَ مِنَ الْمُسَبِيحِينَ أب كوكوست فف فراكراب اس وفنت تبسيح

لَلِبِنَ فِي بَطْنِهِ إِلَىٰ يَـوْجِ يهمسرون نهوت و تيامن كمجلى كيب يبعنون ،

یں ہی بندرہتے، باہرنہ آ مکتے۔

اس بیان کے بعدا نشرنعا کی نے حضرت بونس علیہ السلام براینی تعمت اورا پنے احسان کا ذکریوں قربا با لَوْلَا آنُ تَكَارَكَهُ نِعْمَهُ كُنُوبِنَ اگراس کے رہے کی نعمت اس کے ثنا مل نہم تی تواسے

بِالْعَمَاءِ وَهُوَمَذُ مُوهُرٍ. يحلى كيبي سايك شيل مكرس بينك باجاتا

اور تفام مدح سے دور کر دیا جاتا۔

لهذا اسعز بزاخلا نعالیٰ کی اس روش کوعورسے دیکھدا وراس سے ڈس ۔

( 9 ) بھررب تعالیٰ تے خود اس مہتی کو بجسے تمام انبیاء پر سیاوت و فضیلت اوراس کی اپنی درگاہ میں سے

نهاده مكرم ومحترم بونے كامغام حاصل ہے يوں خطاب فرمايا:

فَاسْتَقِعُمُ كُمَّا أُمِرُتَ وَمَنُ نَابَ اسے بی! نویجی بما رسے احکامات کی بجا آوری میں

مُعَكُ وَكُا تُطْعَوْ إِلَّنَهُ مِمَا نَغُمَلُوْنَ اننقامت دكھا اوروہ بھی جو تبرے ساتھ ہماری طر

رجوع کرھیے ہیں (الل ایمان) ۔ اور رکٹنی کے راستہ پر

من چلوبیشک وہ تمالے تمام عال کو دیکھ رہے۔

اس حكم خداوندى كے زول كے بعد بنى كريم صلى الله نغالیٰ عليه الدولم فرا باكرتے نفے:

شیبتی هود واخوانها محصرة برداوراس کا طرح دور بری مورتون

بوڑھاكردياہے۔

علماء كرام فرات بین صنور علیالسلام كی اس سے به آیت اوراسی طرح كی دوسری آبات مراد بی -ورآن مجبدی خلانغالی نے آب كو به حكم بھی دیا : قرآن مجبدی خلانغالی نے آب كو به حكم بھی دیا :

اس کم کے مطابق محضور علیالسلام سلسل استغفار کرنے رہے بیان کک کراٹ توالی کی طرف سے بیان کک کراٹ وقالی کی طرف سے بیران کا فروق :

اور تم نے آپ سے وہ بوجھ آنار دیاجس نے آپے کم نور دی تمنی -

وَوَضَعَنَا عَنْكَ وِزُرَكِ الْكَذِي وَوَضَعَنَا عَنْكَ وِزُرَكِ الْكَذِي وَنُفْضَ ظُهُمَ كَ -

نىزىدايت بمى نانل بونى:

اس طرح کی آبات کے زول کے بعد حضور علیالصلوۃ والسلام کی بیرحالت تھی کہ آب سونے نبیب تھے بلکہ ساری سادی ران عبا دت بین مصروف رہنے تھے بیان کک کہ آب کے قدم مباک ورم کہ آئے جا دہ سے سوال کرتے تھے :

اَتَفَعَلُ هَٰذَا يَارَسُوْلَ اللهِ وَقَالُ اللهُ لَكُ مَا تَفَاذَهُم مِن ذَنْبِكَ وَمَا اللهُ لَكُ مَا تَفَاذَهُم مِن ذَنْبِكَ وَمَا اللهُ لَكُ مَا تَفَاذَهُم مِن ذَنْبِكَ وَمَا اللهُ لَكُ مَا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

یا رسول انتدا آپ ننی زیاده عبادت کرنے ہیں ؟ حالا کما انتدنعالی نے آپ کی گزشندا درآئندہ ہرطرح کی معزشیں داگران کا وجود فرمن کر لیا جائے) درگزر

فرمادی ہیں ۔

ترآب جراب میں فرماتے تھے: انلا اکون عبداً تشکوسًا ؟

کیایں الٹرنعانی کا شکرگڑ ربندہ نہ بنوں ؟

معنورعلىالعلاة والسلام يهجى فراباكرنے تھے:

اگرمیری اصطبلی کی ان اعمال برگرفت ہوتی جو

لوا نى وعبيلى الخدنا بعماً كسَّبَتَتْ

بم سعداد بوچکے بین قرم ایسے مذاب یں ڈالے جانے جوسیے زیا دہ سخت ہوتا۔ ها تأن لعذبناعذا بالعربيد به احدمن العالمين .

آب ساری ساری دان نازی معقد بنے تقد اور دو تقد بنے تقے اور ذبان بارک سے یعا مقد بنے تھے اور ذبان بارک سے یعا م

كتق

اساندای ترسعفات تری معانی یادی آبا بون اور جمع سیزی دمنای پناه ین آبا بون اور جمد سیتری پناه ین آبا بون یندی شنا برگزنیس کریک تواسی طوع به جس طری و فیفود شنا برگزنیس کریک تواسی طوع به جس طری و فیفود اعوذ بعفوك من عقاً بك وبرضاك من سخطك واعوذ بك منك لا احصى تناء عبيث انت كما اثنيت على نفسك

این تناکی ہے۔

بعرصحابه کام سے جن کا زمانہ بعد کے زمانوں سے بہتر تغااور جو تمام امت سے افضل تنے الم پس میں میں میں ایک میں می مرت ایک دفعرکمیں مہنسی مذان کا واقعہ دونما ہوگی توفوظ بر آیت نازل ہوئی:

کیا اہل ایان کے بیے ابی کمک دہ وتنت نہیں آیا کدان کے دل پررسے شوع کے ساتھ ذکرا لئی کی طرف اَكَهُ بَايُنِ لِلَّذِيْنَ الْمَنُوْلَانَ نَخْتُعَ مُودُ مِنْ مُلِيدِينَ الْمَنُولَانَ نَخْتُعَ فَلُوبُهُ مُنْ لَذِي كُرِاللّهِ الأية

منزم بموجاش

بھرانٹ تعالیٰ نے اس است کے مرحومہ برنے کے با وجود جوائم کا اڑکاب کرنے والدل کی تبید اوب کے ایس کے مرحومہ برنے کے با وجود جوائم کا اڑکاب کرنے والدل کی تبید اوب کے بیصر ایس اور تدابیر مقرد کردی ہیں۔

حفرت یون ان عبید کماکرتے منے کہ اگر بیال کسی کے پانخ دریم چری کرنے سے فنمالا بنتری خور ( اللہ )کٹ سکت ہے تو و ان آخرت میں تم کو عذاب سے بھی ہے فکر نہیں ہونا چاہیے۔ بم اللہ تعالیٰ سے ہروقت التجاء کرتے ہیں کہ وہ ہمارے سا غذا ہے کرم وفضل کے مطابق سلوک کے۔

اته هوارحمالواحمين.

رجا سيمتعلن سيندوا فعان:

مفام رجا کے حصول کے بیے الٹرنغالیٰ کی جمت دیسے کود حیان بیں رکھنا جاہیے۔ رجمیت خدا وندی کا نذکرہ کرنا ایک اچی بات ہے۔ اس میں کوئی میں اور مضائعة نہیں ۔ الشر تعلیٰ کی رجمت کا بیان اوراس کی

ror

marfat.com

نهایت وغایت اس سے طاہروعیاں ہے کہ وہ ایک گھڑی کے ایمان سے بنتر برس کے کفرکواڑا دنیا ہے۔ قرآن مجید میں فرمایا گیا :

اسے نبی اکفارسے کہ دسے کہ اگر بہ لوگ اب بھی بازآ جائیں قدان کے گزشنہ نمام گناہ معاف کردیے رئے ہے۔ عُلُ لِلَّذِيْنَ كَعَمَّوُا إِنْ بَيَّنَكُهُوُا يُغُفَّمُ كَهُمُ مَا تَدُ سَكَفَ لَمُ

تم فرعون کے جا دوگروں کے واقعہ کونہیں دیجھتے ہوسے متن کا بیالسلام کے ساتھ جنگ اور مناظرہ کرنے کے بیے آئے متنے اور خطائی کا فرائی کی مخترت کونٹم کھائی تھی، اور مفاجلے پڑل گئے مناظرہ کرنے کے بیے آئے متنے اور خدا کے دنٹمن فرعون کی عزت کی شم کھائی تھی، اور مفاجلے پڑل گئے متنے ۔ انہوں نے حضرت موسلی علیالصلوۃ والسلام کا صرف ایک مجزہ دیجھا نوعوفا بن تی نصب ہوگیا اور اول اسم کے ۔

ہم رتب العالمین پرایمان سے آئے۔

أَمَنَّا بِرَيِّ الْعَاكِمِينَ ه

ان جا دوگروں کے متعلق بد ذکر کمیں نہیں آیا کہ انہوں نے ایمان کے علاوہ نیک اعمال بھی سکیے
عظے بیمن ایمان فبول کرنے کی وج سے الشرنعالی نے اپنے کلام مجید ہیں بار بار مدح اور نزا کے طور بران کا ذکر کیا ہے اوران کے را بقد صغائر و کہا ٹر ایک گھڑی بھر بلکہ ایک لحظ بھر کے ایمان کی برکت سے معاف کردیے۔ انہوں نے صدق دل سے صرف آنا کہا تھا کہ ہم رہ العالمین پرایمان ہے آئے۔ اضلاص کے رہے۔ انہوں نے صدق دل سے صرف آنا کہا تھا کہ ہم رہ العالمین پرایمان ہے آئے۔ اضلاص کے ساتھ صوف انتظامان کی دو مانیت ہیں آنقلاب بیدا کردیا۔ اوران پر اپنی ساتھ صوف انتظامی دی ۔ اورقیامت ہیں ہمیشہ کے بیے ان کو شہدا کا مردار بنا دیا۔ یہ الشرنعالیٰ کی ان کو گوں پر کرم نوازی کا مال ہے نہیں صرف ایک کے طلے کے بیے ان کو شہدا کی مردار بنا دیا۔ یہ الشرنعالیٰ کی کا موفع وارت کی سابقہ زندگی جا دو گری 'کفر 'گراہی اور نئرون ادیس گزری تھی۔ نوان اوراس کی توجید برنا تھا مت اور عبادت ہیں گزری تھی۔ نوان اور ونول جبان تعالیٰ کی عنایا ہے کس فدر موں گی جن کی زندگی توجید براستھا مت اور عبادت ہیں گزرگئی۔ اور دونول جبان بیس اپنے تمام معاطلات اسی سے وابستہ رکھے۔

اصحاب کمف کے واقعہ برغور کرو، کہ عرصہ دراز تک یہ لوگ حالت کفریں رہے۔ بھران کو کیا کیہ توجید وابیان کی نوفین نصیب ہوگئی۔ فرآن مجید بیں ہے: او می ایک ایک ایک ایک ایک استہاری السیہاری سے ایک کا میں ایک کا ایک کا السیہاری سے ایک کا المان کے السیہاری السیہاری

100

ده جرواسمان اورزمبنون کارب ہے بمان معاکسی اور معبود کی مرکز عبادت منیں کریں مجے۔ وَالْاَسْ ضِ لَنْ نَدُوعِ مِنْ دُونِهِ الْهَا۔ اِلْهَا۔

اور طیرجب وه حق تعالیٰ کی طرف مبخی بوئے تواس نے ان کوفورا مغیول بندوں کا مقام عطا فرایا ۔ اور انہیں روحانی نعمنوں کے ساتھ نوازا۔ پھران کا نمایت عزاز واکرام فریا بیجا پخر قرآن مجید بی وارہے:

وَ نُقِیَلِهُمْ خَاتَ الْبَیمِیْنِ وَ ذَاتَ مِم وَدان کی دائیں یائیں کروٹیں بدہتے ہیں۔

الیسی کا لیسے کیا ۔

برندانعالی نے ان کی عزت وحرمت فائم اور محفوظ رکھنے کے بیان کو دہشت اور ہیبت کاباس بینا دیا کہ کوئی ان نک بینے نہ سکے ریمان بک کڈان کے رعب وہمین کے متعلق اکرم الخلق بعنی حصنور عبیدلسلام کوفروایا:

اگرآب ان کوجھا نک کردیکھ لبس فردم شنت سے باعث بھاگ پڑیں اور آب کا دل یعب اور تشت لِوَاتَّطَلَعْنَ عَلَيْهِ مُحْرَلُولَيْنَ مِنْهُمُ فِوَاتَّمَا وَكُمُلِمُ مَنْهُمُ مُرُعِبًا، فِوَاتَّمَا وَكُمُلِمُ مَنْهُمُ مُرُعِبًا،

سے بھرجائے۔

بلک خدانعالی نے ان کے کئے کا اعزا زواکرام فرایا بیمان کک کداپئی کا پر منفدس بی منعدد یا رہے۔ رہا کہ خدات کا اعزا زواکرام فرایا بیمان کک کداپئی کا پر منعدد یا رہے۔ ذکر فرایا ۔ بھرونیا بیں اس کوان کا ساتھی کر دیا ۔ اور آخرت بیں ان مجے اعزا زکے طور پراس کتے کوجنت بیں داخل ہونے کی سعا دن عطا کرے گا۔

به اس کا ایک گفته برفضل دکرم ہے ، جو بلا خدمت اور بلاعبا دت صرصن چند دن اور حبیب زندم ابل نوجید وعز نان کے ساتھ چیلا ، توانشہ نفوالی کا اس بنده مومن برگس مت دفضل دکرم ہوگا جومتر رہن کر اس کی خدمت بین مصروفت رہا اورنشہ توجیدسے مخور رہا ۔ اوراس کی بندگی بین سنغرق رہا ۔ بلکہ نترسال تو کجا ، اگر بہ بنده مومن ستر ہزا درسس زندہ رہتا تواس کی بندگی بین شغول دہنا ۔

كالمتين بترنيس كما للدتعالى في صفرت الراميم عليالعسلاة والسلام ركس طرح عناب فرايا جبكه آني مجرم لوگوں كت تباه وبربا دمونے كى برد عاكى تقى -

اور بجبرانشدنغانی نے حضرت نوسی علیدانسلام پر فارون کے بارسے بیں کیساغناب فرما بااورا ہے یوں کہا:" اے نوسی ااس نے مخصر سے مدوجا ہی گر تو نے اس کی مدد نہ کی مجھے اپنی عزت کی قسم!اگر وه جهس فرياد كرنا ترمي منروراس كوبجاليتا اوراس كرمعاف كرديا"

اسى طرح حضرت بونس علیالسلام سنصان کی قوم کے بارسے پی کس طرح عنا بازگفست گوکی کہ "لے بونس! تجھے کڈو کے ایک درخت کے ختک ہوانے کا ڈیم ہے جسے بی نے ایک گھڑی یں اكايا اوردومرى كمعرى مي خشك كرديا بكن ميزئ شهرك ابك لا كه بالا كمدست زائد بالثندگان كا تجے کوئی عم لاحق نہ مؤا؟ --- پھراس بریمی نظر کروکدانٹ دنعا لیٰنے ان کی قوم کاکتنا جلدی عذر نبول كربيه اوران سے عذابِ عظيم أن الى عالا كرببلے ان كوتبقا مناہے عدل گراہى ميں ڈال دكھا تھا۔ بعراس وانعه بربمي عوركروكه الشرنعان فيصصنورستيدا لمرسلين صلى الشرتعان عليدة لدواصحابه المبعين سيعي غنابا فيكعنت كوفرائي جبكه ايك دفعاتب باب بن شببست اندرتشريف لاشت وكجيولول كودىجياكى مېنى دىسىيى - نۇخرا يا"كيول مېنىت مېرائىدە يى تم كومېنىتا بۇا نەدىجيىل ؛ بربان كهركر " بب جراسود کے پاس بہنجے نوول سے اُسٹے یا وُں فوڑا واپس لوٹے اوراکراُن نوگول سے فوظنے محداجى المجى ميرسے باس جبريل ابين آف اور خلانعال كى طرف سے يہ بنيام لائے ہي كدا ہے بہر جبیب اِ نزمیرے بندوں کومیری رحمت سے کیوں ایس کڑنا ہے۔ میرے بندوں کو <sup>نیا</sup> دوکہ مِی عفودِ

ر محیم موں -مصنورعليالصلاة والسلام كا ديب ارثثا ومبارك ہے كدا تتٰدتعالیٰ ابنے بندهٔ موثن پرمسریان ا کے ابنے بچے پڑھیق ہونے سے بھی زیا دہ مربان ہے۔

ادما يك منشور دريث بن كريم صلى الترطيد ولم سے دارد مے كرا بيا:

بينك الله نعالي مح إس موجنين تين زاس نے ان یں سے صرمت ایک رحمنت کوجنوں انسانوں ادر جيوانات كے درميان تيبيم كيا زمرتنفس مون اس ایک وحت سے ایک دوسرے سے زی کا شفعت سے شیا کہ باق ایک کم سرمنیں اس نے بنی ذات کے ہے خسوص کردکھی ہے نہیں وہ نیامت کے دون لیے بندوں کے درمیان تیم کرمگا۔

أن لله تعالى مائة رحمة فواحدة منها تسسها بينالجن والإنس والبهائمرنيها ينعاطفون و بها ينزاحمون وادخرمنهانسغة وتسعين لنفسه ليرحع بها عباده يوم القيامة

جب اس نے اپنی دخمت کے موصوں میں سے صرف ایک حصے سے دنیا میں مجھ پراس قلار نعمتين كين كر يخصر إبنى مع وفت عطائ اس أمت م مومه بين بيدا كيا - اورط بقدا بل منت وجاعست كي پیچان تعیب کی - اس سے علاوہ بے نثمارظا ہری اور باطنی ممتیں عطاکیں نواس کے فضل عظیم سے اس بات کی بھی اید ہے کہ وہ اپنی نعمیں مجھ برحمل کردے۔ کیونکہ جواحیان کی ابتلاء کرتا ہے اس کے ذمے مِنَا بِ كماس كوممل محى كريدا ورنقبيدا يك كم مورمتون سيحد وافرعطاكريد بم الشانعان سے التجا کرتے ہیں کہ رہ ہمیں ابنے فعنل عظیم سے نامراد نہ کرسے ۔ بیٹک وہ بڑا معا حب کرم واحدان ما لک ہے اور بڑا رحیم اور جوا دہے۔

تيسىرىاصل أنزت كے وعدو وعبد كے بيان مي

مماس سلسلے يس بايخ تسم كے حالات كا ذكر كرتے ہيں : مولت . قبر ـ نياتكن بجنت . دوزخ -

اوربرمغام کے مناسب ان خطرات عظیمہ کا تذکرہ بونکو کار، نافر مانوں، نیک کام بس کوتا ہی کہنے والول اورنکی میں بوری کوششن کرنے والوں کو پین آئیں گے۔

موت کا بیان:

اس باب میں دوآ دمیوں کا حال ذہن میں رکھو۔ ایک تووہ جوابن نئرمہ سے مروی ہے۔ وہ بیان کرتے میں کدایک دفعہ بس اور تبعی ایک مربین کی عیادت کو گئے۔ اس پرندع کی حالت طاری ہوجکی تنی اول سے باس مبھا مرًا ایک شخص اس کو کلمہ کا الله اکا الله وکند کا کا نئی نیاف که کی تلفین کرد یا تھا جعنرت شعبی نے استخص سے کما مربین سے زمی اور شغفنن سے پیٹیں آؤ۔ انتے بس مربین بول اُٹھا اور کھنے لگا نوجھے کلمطیبہ كى تلقين كرسے باندكرسے بيں بد منرور رام موس كا يجواس مربين نے قرآن كريم كے بدا لغاظ برسے:

التذنعالى نے كلمة تغری ان كے بيلے لازم كرديا ال

وهاس كے بست خفلارا ورا بل بقے۔

وَالْزَمَهُ مُكِلِّمَهُ التَّقَوْي وَكَانُوا آحَقَّ بِهَا وَآهُلَهَا \_

اس خدا کی حمد ذناجس فے ہماسے دوست کونجات عطافرائی۔

الحمد للهالذي نجاصاحبنا

بجردوا درآ دميوں كے حال بيغوركرو:

ایک نوصرت عبدالله بن برارک بین که جب ایک آنزونن آیا تونظر آسمان کی طرف اسمان کی طرف اسمان کی طرف است است و منسداور زبان سے و

ع کرنے والوں کوا بیسے ہی عمل کرنے چا ہمیں ۔

لِيننُول هٰذَا فَلَبَعْمَ لِمَا الْعَاصِلُونَ • لِيننُول هٰذَا فَلَبَعْمَ لِمَا الْعَاصِلُونَ • مَدَالفًا ظِرْدُ صِصِدا وروصال كريك .

اور میں نے اپنے استا ذرحضرت اما لمحرین رہنی اللہ تعالیٰ عنہ سے کہ وہ اپنے تا ذ حضرت او کر رحمتہ اللہ علیہ کی زمانی بیر کا بت بیان کرتے ۔ نفے کہ زمانہ علیم میں میرا ایک سائنی تھا جوانبائی کن بیں بڑھتا تھا تعلیم میں نمایت محنتی اور پر بہر گارا ورعبا دت گزار نھا لیکن محمنت وکؤشش سبار کے باوجو دنعلیم میں مبت کم آ کے بڑھتا تھا جمیں اس کے حال زنیجب ہزنا تھا۔ وہ طالب علم اچانک بمیار ہرگی' اور وہاں اولیا والٹ کر ایک خاتھا و میں بڑگ یہ ببنال میں واض نہ محما لیکن سخت جمیاری کی مانت یم بھی اس نے پڑھنے کی کوشن خواری رکھی بیمان مک کداس کی مانت ذیا دہ نازک ہوگئی۔ اس وقت بیں اس کے باس نقا۔ اجا بک اس نے ابنی نظر آسمان کی طرف اُ ٹھا تی اور بجر تجھ سے کہا " اے ابن فورک الیوٹیل ھنڈا مَلْمَتُ مَسَل الْعَاصِلُونَ ، (بینی اسے ابن فررک اِکام کرنے والے اسی شل کے بیے ابن کورک الیوٹیل ھنڈا مَلْمَتُ مَسِل الْعَاصِلُونَ ، (بینی اسے ابن فررک اِکام کرنے والے اسی شل کے بیے ابساکام کونے ہیں)۔ بہ الفاظ کے اور فوت ہوگیا۔ رحمت الترتعالیٰ علیہ

دو مرا وا فقد وہ بے جو صفرت الک بن دینار جمنا الشرعلیسے بنقول ہے۔ آپ فرما تے ہیں میرا

ایک بڑوی تھا بیں بو نتب موت اس کے باس گیا ۔ اس دفت اس برسکرات موت طاری تھے مجھے دبکہ کہ

کفت لگا اے ایک باس دفت مجھے اپنے سائے آگ کے دو بہاڑ نقرا تے ہیں اور کما جا تا ہے کا اُن کہ

چر صور الک بن دینار کنتے ہیں کہ یں نے اس کے قسروالوں سے اس کے تعلق پوجیا ۔ انہوں نے کما اس خص نے غلہ کے دیے دو بیما نے در کھے ہوئے ہیں ۔ ایک غلہ بینے کا اور دو سرا دینے کا ، ہیں نے وہ دو فرل ہم بانے منگرائے اور کی دو سرے پر ارکر نوٹر دیے ۔ بھریس نے اس سے دیا فت کیا اب کی مال ہے ، اس نے کما معا لمر تو اور ہی زیادہ نازک اور خواب مور ہا ہے ۔

فبرا وربعدالمونت كاحال:

اس باب میں بھی دوآ دمبول کا نصدخاص طور بربا ور کھنے کے لائن ہے ۔ ایک تو وہ ہوکسی بزرگ نے فرا با ہے کہ میں نے حضرت مغیان توری رحمتہ الشرعلیہ کوان کے وصال نثر بعیت کے بعد خواب برجھیا تو میں نے کما "اسے ابوعبدالشرائم کس حال بن مجوبہ تو آب نے مجھ سے اعراض فرایا اور فرابا" بہ کنیت تو میں نے کما "اسے ابوعبدالشرائم کس حال بن مجوبہ تو آب نے مجھ سے اعراض فرایا اور فرابا" بہ کنیت سے بلانے کا وقت نہیں "بھریں نے کما" لے میان اکس حال بین مجوبہ تو آبے جواب بیل نی خار بڑھے:

(١) تظرت الى تربى عيكاناً فقال لى هبيئار ضائى عنك بأابن سعيد

(٢) لفدكنت توامًا إذا الليل قد حجاً ببصرة مشتاق وقلب عميل

رس) فدونك فأختزاى تصرتريه كأ وزرنى فانى عنك غبربعيب

(۱) بعدازموت پی نے اپنے پروردگارکو بالکل ساسنے دیکھا بمیرسے پروردگا دینے فرایا: اسے ابن سید انتھے میری دضا مندی مبارک ہو۔

د ۲) نونادیک دانوں بی بمبری یاد کے اندر کھڑا رنہا تھا۔ اس دفنت نبری آنھھوں سے ذوق و تنوف کے آنسوجاری ہونے تھے اور تیرا دن پوری طرح میری طریب منوجہ ہونا تھا۔ (۱۳) اب جنت فردوس کے محلات تیرے ماضے ہیں۔ نوجس کو جا ہتا ہے' لیسے اور مِرْقت میں میں کا میں اب کے اور مِرْقت میں میں کے محلات تیرے ما منے اور مِرْقت میں اب تیرے ما منے اور تیرے فریب ہی کا میں کا ۔

دورسرا واقعان خصر کا ہے بیسے بعض اوگوں نے خواب بس دیجیا کہ اس کا رنگ بدلا ہو اسطور والی اقتد کردن سے بند سے ہوئے ہیں۔ اس سے دریا فنت کیا گیا" انتیخس اللہ نے بیرے ساتھ کیا معا لمرکیا ہے؟ قاس نے جواب میں بیٹھر بڑھا سے

تولى زمان لعبنا به وهذا زمان بنا يلعب

وه زان بيت گياجس سے محيلنے تھے اب يه وه زمانه ہے جم سے کھيل رہا ہے -

نیزاس باب میں دواورآ دمیوں کا حال بھی ذہن میں رکھنے کے فابل ہے۔ ایک فریہ کرکسی بزرگ کا اورکانٹرید مہوگیا۔ وہ ابنے باب کو کہمی خواب میں نظر خرا یا حرف اس دن خواب میں بابسے طاجس ن مدنا سحفرت عمر بن عبدالعزیز رضی اللہ تعالی عند نے وصال فرایا۔ بابنے دیکھ کر فرابا اسے برے بیلے کمیا بخھ برموت نہیں واقع ہو جکی ، تواس نے جواب دیا میں مردہ نہیں جوں ، بلکہ مجھے نہا دن نصیب ہوئی ہے اور میں اللہ تعالیٰ کے فرب میں زندہ جوں۔ اور مجھے افراع وافسام کی دوزی متی ہے۔ بابنے کما آج نو کیسے ادھر آگیا ، تواس نے کہا آج تمام آسمان والوں کوآ وازدی گئی کرآج کوئی نبی صدیق اور

تشیداده در به بسب عمر بن عبدالعزیز کے جنازہ میں شرکب ہوں۔ تو بس بھی ان کی نماز جنازہ میں نمرکت کے بیصا دھر آبا نفا بھر میں نماز جنازہ سے فارغ ہو کرنتیں سلام کیفٹاگیا ہوں۔

ادر دو مراوا تعدوہ ہے جو صفرت ہتام بن حسان سے منقول ہے۔ وہ کننے ہیں کہ میرا ابکہ جھوٹی عمرکا بچہ فوت ہوگیا ۔ بعداز موت بس نے اسے خواب ہیں دبھا کہ بوٹر صا ہو جکا ہے ۔ ہیں نے بوجھا اسے بچے ، نو بوڑ حاکس طرح ہوگیا ، تواس نے جواب دیا جب فلان تفض دنیا سے ہمارہے باس بنجا تو دوزخ نے اسے دبھ کر غصبے سے ایک سانس لی جس کے خوت سے ہم سب ایک گھڑی ہیں بوڈھے ہوگئے ۔

\_\_\_نعوذبا لله الرّحيم من العذاب الالبم-

دوزنیامت:

روزقیامت بی توگوں کی کیفیت اس آبست بس بیان کی گئی ہے:

اس دن بم يريمز گار اوگوں كور يمن كا و بى موار كرك لے جائي گے افر مجرين كودون فى طرون برياں باكيس كے۔ يَوْمَرَنَحْتَنَمُ الْمُتَّقِبُنَ إِلَى الرَّحُلِينَ وَفَدًا ه وَ نَسُونَ الْمُجْرِمِيْنَ إِلَى جَهَنَّمُ وَذَكًا ه

ایک نخص قبرسے اُ مضے گا نواس کی سواری سے بیے قبر پرباق تبار ہوگا۔ نو قبرسے نکلتے ہی اس کے بیے قبر پرباق تبار ہوگا۔ نو قبرسے نکلتے ہی اس کے مربز زری ناج رکھا جائے گا اعلیٰ بساس بینا یا جائے گا۔ اور برات پر بٹھا کر جنت کی طرف سے جا یا جائے گا۔ اس کے اعزاز واکرام کی خاطراس کے ببیل نبیں چلنے دیا جائے گا۔

اورایک دور از نعمی قبرسے اسطے گا تو دورخ کے فرسنتے دونے کی زیخیرا درا نواع دافتا ہے عذاب اسے دوزخ کی طرف بیل چلنے کی فرصت بھی نہیں دیں گے بلکہ قبرسے نکلتے ہی اسے جرسے کے بلکہ قبرسے نکلتے ہی اسے جرسے کے بلکہ قبرسے نکلتے ہی اسے جمرسے کے بلکہ قبرسے نکلتے من خصبتہ ۔ جمرسے کے بلکھ میں خصبتہ دوزخ بی ڈال دیں گے ۔ نعوذ با مللہ من خصبتہ ان میں نے بعض علما مرکام سے یہ صدریت مبارک سنی ہے کہ صنور نبی کریم ملی اکتئر تعالیٰ علیہ آلہ واصحابہ ولم نے فرایا:

توفرشنتان سے بوجیس کے کیا تعال حمایہ كتاب بمريجاء وه جواب ديں محم الاكن منا نبين بحار بجرفرست دريافت كري كركب تهارسه اعمال تولي چاچى بيى ، دداس كاجى نغی میں جواب دیں گئے ۔ پھر فرسننتے ان سے دربا كين منكيام نفابغاعمال اعبره ليين وه كبيل محےنبيں . توفرسنتے ان سے كبيل محالي چلو كبونكىربىب كارروائى يىجىجىردىكى بى -نز وہ لوگ جواب دیں مے کیاتم نے ہم کوئی جبردی تقى جس كابم سيحساب بيا مائعه دومرى حدیث بیں ہے و دجواب دیں گے دنیا میں تم کسی شے کے مالک نبیں تھے کہ ہم عدل وانصا ت

واله وسلع فتقول لهم المليكة هلحوسبتم ، فيقولون كا -فتقول المليكة هل وزنتم فيقولون كارنتقول الملائكةهل قرأت كتبكم، نيفولون لا. نتقول الملائكة ارجعوا نكل أدلك ورائكم فيقولون هلاعطيتموتا شيئافتحاسب عليه وفيخبر اخرما ملكنا شيتافنعدلاو نبعوس ولكن عيدنا دبينا بحتنى دعانا فاجبناه فينادى مناد صدقعبادى مأعلى المحسنين من سبيل وألله غفوررحيم و كتي إظلم كانكاب كن يم تودنيايس لي

رب كى بندگى ورعبادت يس معروف رہے بهان كك كرآج اس نے م كويبال بلايا نويم آگئے اننے بركونى آواز دینے والاآ واز دسے گا میرسے بندوں نے ٹھبک بیان کیا ہے۔ اخلاص سے نبکی میں زندگی گزار کرآنے والوں سے کوئی بیست اعمال نبیں اورانٹد نعالی عفور رهیم ہے۔

اسے مخاطب ای تونے خلاتعالیٰ کا ببر فرمان مبارک نبین سنا:

اَ فَهُن يُلِقَىٰ فِي التَّارِحَهُ وَ إِلَّا مِنْ تَدَانِي أَنَّ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْمُحَامِدُ إ ا مِنًا يَوْمُ الْفِيمُ الْمِ اللهُ مَا يَعْتُ مِن مَا يُعْتِ مِن مَا يُعْتِ مِن مِلاَ عَلَى اللهِ اللهِ اللهُ

تودة بخص كس مت رعظيم المرتبيه وكاجو فيامت كان خوفناك مناظئ ميبت ماك زلزلول ورورة واسے وا نعان کو دیجھے گا گراس کے ول کوکی ٹوف ، گھبراہمٹ اوربوچھے موس نہیں ہوگا ، بمکہ وه خداکی مسربانی سے عصابت نیا من میں سے سکون وائن کے ساتھ گزر کر حبت کی طرف میلاجائیگا \_\_\_ ہم اللہ تعالی سے ورخواست کرتے ہی کہ ہمیں اور تمیں سب کوان نیک بحتوں میں واخل کرسے۔

اوريه التدجل جلالة كع بيدكو في منتكل تيس-

# بمن ورون كايان

اس باب می قرآن مجید کی ان دوآیات پر فؤرکرو- ایک ایت یه ہے:

وسقاهم ديهم شرابا طهوساه

الشدتعالى انبين نزاب طور كم جام بالمشكاء اِنَّ هٰذَا كَانَ لَكُمْ جَزَّاءً وَكَانَ ادران سے کماجائے گا بہے تمالیے اجال کی

سَعِيكُمُ مِّنْسُكُوْسًا. بزا اورتسادى كوستسن مقبول بونى .

اوردوسری آیت وہ ہے جس میں انٹرتعالیٰ نے اہل دوزخ کا حال اس طرح نقل کیا ہے:

دَيْنَا أَخُرِجُنَا مِنْهَا فِإِنْ عُدُنَا عون كري مح اسع بماسع يدورد كارابيساس

فَانَّاظٰلِمُوْنَ • قَالَ اخْسَفُوا فِيهَا دونغ سے کال اگریم نے دویارہ تیری افزانی

وَكُا تُتَكِلِّمُونِ . کی تربینک بم ظالم بول محے۔افٹرتعالیٰ جواب پی

فرائے گا اسی میں ذلست وخواری کے ساتھ پڑسے رہوٰ اور مجدسے بات ہی نذکرو۔

ردایت بی ہے کہ اس سے بعدان کی شکیس کتوں کی طرح ہوجا ٹیس گی اور وہ اس بیں کتوں کی طرح

بمو كنت بيمرس كم . نعوذ بالله المروف لهجيم من عذا به الالبعر ترمعالمه ايها بى بصحبها معنرت يحبى بن معا ذرازى دحمة الله نفائي عليه فرايا ميك :

"ہم نمیں جاسنے کہ دومصیبتوں پی سے بڑی معببت کونسی ہے بجنت کر ہم تھے دینا یا دوزخ

یں جانا جنت سے مبرکی کوئی گنجا تن نہیں۔ اور عذا ب دوزخ کو بردا شت کرنے کی کوئی مورت نہیں

یکن بهرصورت تعمت کا فرت مونا عذا ب دوزخ برداشت کرنے سے نبتاً امان ہے۔ پھردوزخ

ي بميشدر بنا ما دنه كبرى الامعيب يتعظى ب اس بيكدا كرعذاب كسى وتنت خم برجان العالابمنا

توهيم بين قدرسے سولت متى بيكن وہ توا بدالة با وتك دسے گا۔وہ كى انتها پرجاكرا فتتام پذيرنه ہوگا۔

زکس دل میں ایسا عذاب بردانشت کرنے کی طاقت ہے۔ اورکس کی جان اس پیمبرکسکتی ہے۔ اس لیے

معفرت عينى عليبالصلاة والسلام في فرايا عذاب والمي كالذكره ورسف والول يحد ولول كوكريت كمرا

کردنیا ہے"۔

معزت میں اللہ تعالیٰ عند کے سامنے ہا سی خواک ذکر کیا گیا ہو سب سے آخر دو ذخ میں میں اللہ تعالیٰ میں اللہ تعالیٰ میں اللہ تعالیٰ میں اللہ تعالیٰ ہوا ہوگا ۔ وہ یا حتان بیا متان بیا آئے دو نے دو نے سے باہر آئے گا ۔ قواس کا حال من کر دو پڑے اور فرا نے گئے کا ش ہنا دیں ہوتا ۔ وگوں کو آپ کے اس قول پڑھیں ہوا ۔ آپ نے فرایا تم پرافسوس کہ بات نمیں سیھتے ۔ وہ ایک ایک دن عذاب سے بھل قوآئے گا ۔ یم کہتا ہوں کہ خوت و ڈر کا یہ سالہ معالمہ ایک اصول بات کی طرت ور تا یہ سالہ معالمہ ایک اصول بات کی طرت ور تا یہ سالہ معالمہ بات کی طرت میں ۔ ول تحریح ہوجاتے ہیں ۔ اور دونے والوں کی آٹھیں خون کے آنسو برساتی ہیں ۔ وہ نکھتہ ہم مواتے ہیں ۔ اور دونے والوں کی آٹھیں خون کے آنسو برساتی میں ۔ وہ نکھتہ ہم موفت اللی کا تھی وہ امس بات ہے جس کا خوت ڈرنے والوں کو ہم وقت اللہ موفت ڈرنے والوں کی آٹھیں ہروقت آٹسو بمائی رہتی ہیں بعی زبار کی نفوت خرین طرح کے ہیں ۔ طاحت اور نیکی کاغم کو شایہ دو قبول نہ ہو ۔ گناہ اور معیست کاغم کو شاید و تھی میں نہا نے بیعن اہل اطلام سے نکا ہم کو کھی دونت میں نہا ہم کہ دور نہیں ہوسات ہم کہ درجے کا ہے کیو کہ وہ کہی وقت تھی دور نہیں ہوسات ہم درجے کا ہے کیو کہ وہ کہی وقت ختم ہوسات ہم ہوسات ہم دور نہیں ہوسات ۔ یہی ساسہ موفت کاغم کمی دور نہیں ہوسات ۔

سے فلاح وکا میا بی نعیبیب مردجا ہے۔

مسوال: تم اگریه دال کردکر" بیم بین کونسالاسته اختیار کرناچا ہیے؛ خوت کا داستہ یا مبار کا داسسته"؛

نداس کا جھوا ہے ہے جہیں ان دونوں کے درمیان کا داستا میتارکرنا چا ہیے کیونکہ کما گیا ہے کہ جو کہ کہا گیا ہے کہ جس پر رجا کا غلبہ ہوگیا وہ مرجمہ بن جا تا ہے۔ اوداس کے تعلق اکثر پیخطرہ دہما ہے کہ تیغی حمالعتا کہ بن جائے۔ اورمس پیخون کا غلبہ ہوگیا وہ خوارج میں سے ہوگیا۔ اس مقولے کا مطلب بھی ہی ہے کہ مون ایک بنیوا خینار نہ کرے ، اور حقیقت بھی یہ ہے کہ دجا رخیقی خون حقیقی سے انگ نہیں ہو سکتی ۔ اور خون حقیقی رجا دہمیت کا سب اہل خون کے خون حقیقی رجا دہمیت کا سب اہل خون کے خون حقیقی رجا دہمیت کی کہ دہما در اورخون سب کا سب اہل رجا کے لیے ہے ، یاس اور ناامید کی سے انہیں کوئی واسطہ نہیں۔ اورخون سب کا سب اہل رجا کے لیے ہے ، یاس اور ناامید کی سے انہیں کوئی واسطہ نہیں۔

سوال:

کیا و قات اور حالات کے اعتبار سے ان بی سے کسی ایک کو تربیح اور زیادتی حاصل ہو سکتی ہے یا ہر حال میں دونوں کے دربیان راستے پر ہی قائم رہنا صروری ہے ہو

معلوم ہونا چاہیے کہ جب انسان تدرست اور قری ہوتوا ہیں حالت بی خوت غالب ہونا چاہیے اور جب ہمار بڑجا کے اور صفحت ولاغری کا شکار ہوجا ئے ، خاص کر جبکہ ہمؤت کی طرف رخت سفر باتھ کا وقت آجل نے تواس وقت رجا د کا غلیہ ہونا چاہیے بیں نے علماد کرام سے بوں ہی سنا ہے ہیں کمننا ہموں اس کی ایک ولبل ہی ہے ۔ مروی ہے کہ التہ شبحان و تعالیٰ فرنا تا ہے بیں ان لوگوں کے باس ہوتا ہوں جن کے دل میرے خوت سے چور ہو ہے ہیں ۔ تواہیے وقت میں اس کے بیے رجا اولی اور بہتر ہوتی ہے کہ وقت میں اس کے بیے رجا اولی اور بہتر ہوتی ہے کہ کہ کہ خوت نے اس کی ایک محت ، فوت اور قدرت کے زیا نے بیں اس پر خوت نا لب رئے ہوتا ہوں اس کیے ان سے اس کے اس کی اس کے اس کی اس کے اس کی ان کہ کہ تو تا ہوتا ہوتا کہ کہ قام کا خوت نہ کہ واور زہ کوئی خرک کرو۔

كيابهست سي اخارا وراحا دبت اس سيسيدي واردنبيس بوتين كدا تثرتعا في سيخش ظن ركمينينا

جاہیے۔اوراس حن ظن کی ترعیب میں ہی سبت روایات واروہیں۔

جواب بمعلوم ہونا چاہیے کہ اللہ تعالی سے مناب اس کی نا فرانی سے بھے، اس کے عذاب اورموا نمذے سے اوراس کی فارمیت اور بندگی میں کوسنسٹ کرے ۔ عذاب اورموا نمذے سے ڈرسے ۔ اوراس کی فارمیت اور بندگی میں کوسنسٹ کرے ۔

معلوم مونا چاجتیے کہ بیاں ابکٹ نمنیوط اصل اورا ہم نکتہ ہے جس ہیں اکٹرلوگ غلطی کا شکار ہیں اوروہ بہ ہے کہ رجا اورامنیت داکرنروی پی فرق ہے ،کیونکہ رجا تو دلیل اصل سے وابستہ ہوتی ہے ، گرکمنیت داکرندی ا یک ہے اصل اور ہے دلیل چیزہے۔ ان دونوں کی نثال ہوں ہے کہ ایک تشخص بیج ڈا ہے۔ بھراس کی دیجھ مجال بيركوششش اودمحنت كرسد يجوفعل كاف كركمليان بس ركمھ ربجريد كہے تجھے اميدہے كہودى فعل مهوجاشے گی۔ توبیر رجاءا ورامید ہے اس کے برعکس ایک دوسرائنخص ہوجس نے موقعہ پریز بہج ڈالا ا ورکمینی باثری کا ایک دن مجی کام ندکیا ، گھر پر ہی سویا ریا اورسال سال غفلت بیں گزار دسے اورفصل انتھا کے وقت کنا شروع کردسے کہ امبدہے کہ موبوری غلہ حاصل ہوجا شے نوا بیٹنخص سے کہا جائے گا کہ نبری يهام برمتي غنين ابرينبي بلكريه تومحف أمنيت اوراً رزوسه بالكل اسى طرح بنده جب بيك اعما ل مين كوسشنش كرسته اورمعيست ونافرماني سيه بيحانوي كمه سكتا بسي كمجعيه اميد بسيركه التأذنعالي اس حفيركي خدمت كونبول فرماشے اور كمى كو بوراكرسے ساوراس پر بڑا نواب عناببت كرسے ساورلغز شوں كومعات كريے ا در مجھے التٰدنعانی کی ذامن سے حن طن ہے۔ تو بندسے کا اس طرح کی امیدرجاء کہ لاتی ہے۔ بوشرع بیں محمود سے۔لیکن ایک شخص اگرینا فل اور لابروا رہے نیک کاموں کو ہا تنہ ندلگائے یعصیبت اور نافر مانی کا ارتکاب کرسے۔الٹرتعالی کے عصے ورنا المنگی کی کی پرواند کرسے۔اورالٹرتعالی کی منااوراس کے وعدہ وعيدكوخاطريس ندلاشه بهريول كتابيرس كمجعدام يرسه كدالتدنغالي مجع جننت عطاكرس كاراوردوزخ كمه عذاب سے بچاہے كا توبي أبين اور آرزوب سرجاء اور اميد نبيں راور بدا بك لاحاصل شف ہے اس نے اس کورجاءاورحن طن کا نام دسے دیا۔ وہ اس سلسلے میں میٹسکا ہوا ہے۔اورخطاا ورغلط فعمی میں مبتلاسے-ایک ثناعرنے پیمعنمون ہوں اداکیا ہے

توجو النجاة ولعرتسلك مسكالكها التالمتنفينة كالجنوى على البس ترجمه تم نجات كاميد كفته موركين نجات كراستة اختيار منين كمينة كشتى خشكى برمنين

چل سکتی۔

ببن كتابول اس اصل اور فاعد نے تائيديس سے بوتی ہے و معنور نبی کرم عليہ العساؤة والسلام كى يہ حديث ہے كم آب نے فرما يا :

الك يس من دان نفسه دان دو به بوا پنف كودين اور شرع كه وعمل طابعه الموت و تابي كرسه اور ابعلا لوت كه يه زيروا مال العاجز من انبع نفسك جع كرسه اورا مت و مه واها و ندنى على الله عق من الله عق من الله عق و جن كايروى كرسه اورا لله تعالى سه خات اور و جل الاماني و جل الاماني و جن كايروى كرسه اورا لله تعالى سه خات اور

اس بارسے بی صفرت میں بھری رحمتہ الشرعلیہ کا بیقول ہے یہ بچھ ہوگ وہ ہوتے بیں جو دنیا میں مجنشنش اور مغفرت کی امیدوں بی رہتے ہیں ، نیک عمل کچھ مندیں کرتے۔ دنیا سے آخریت کی طرف مفلس اور قلاش جاتے بیں ، ان کے باس کوئی نیک بھری ہوتی ۔ اور کہتے یہ بیں کہ ہمیں ا بینے رب سے من طن ہے۔ رکہ وہ ہم سے بہر معلوک کرے گا۔ لیکن ا بیے لوگ جھو نے بیں ۔ کیونکہ اگر امنیس الشدنعالی سے من طن مہوتا تو ان کے اعمال معلی ایسے میں ایسے میں ایسے میں ایسے میں ایسے میں اور کھے اور کھے میں ایسے میں ایسے میں اس کے اعمال میں ایسے میں

فَكُنْ كَانَ بَرْجُوْ لِفَا تَوْرَبُهِ فَلْبِعَمُ لُنُ الْعِمْ لَلْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّ

ہ جعفرضی فیربیے النہ تعالیٰ علیہ فرما نے ہیں ہیں نے ایک دفعہ صفرت ابو میسرہ عابد کو دیکھا کہ عبادت و بندگی ہیں کیسٹن و محنت اورکٹرت مجا بھاست کے باعث ان کی پیلیا ن تکلی ہوئی تغییں۔ ہیں نے کہا النّدا ب پر رحم کرے النّد تعالیٰ کی رحمت تو بوری وسیع ہے۔ آپ بدالفاظ من کر عفتہ ہیں آگئے اور فرمایا تو نے میر نے اندرایسی چیز دیکھی ہے جس سے بہ طاہر ہو کہ ہیں النّد کی رحمت سے ابوس اور ناامید میوں النّد نعالیٰ کی رحمت تو نبکو کارلوگوں کے بالسکل قریب ہے یجعفرضی سے بین کہ جھے ناامید میوں النّد نعالیٰ کی رحمت تو نبکو کارلوگوں کے بالسکل قریب ہے یجعفرضی سے بین کہ جھے

آب كى يات من كرونا آليا كرجب انبيا وكرام عيبم الصلوة والسلام اورتمام اوليا اورا برال عبادت بركوست في المستن ومحنت اوركناه اورمعهيت سے پورى طرح پر ميزاورا جنناب كے با وجود بروقت خوف و خشيت سے لبريز رہے۔ تو تمها لاكيا خيال ہے كما منبس الشرتعالی سے حن طن منبس مالانكہ امنبس اس كى رحمة واسعہ بر برط ايقين تقا اورا نبيس الشرنعالی كے جود وكرم سے برط احن ظی تقار در تفیقت وہ جائے مقت كر طاعت بي كوست شراور محنت كے بغير خالى من طن جمن طن نبيس بلكه تجو في ارز واور دھوكا اور غرو سے اس نكتے سے عبرت كي فرو اور صالحين كے حالات برع وركر واور خواب غفلت سے ببدار مهوجا ؤ ۔۔۔۔ والله ته الى ولى النوفيق

فكثل

ظلام گفتگوب مواکیجب تم الندتعالی کی رحمت کاتصور کرد گے جواس کے غضب برغالب ہے۔ اور جونمام استشيا وموجودات كومجيط سيد بميراس كالمجي نصور كروكه خلانعالى نيتم كواس امت مرحومه كمرمه بربياكيا بچراس کے فعنل عظیم اور اس کے کمال جود وکرم کا ہجی تصور کرو۔ بھراس امرکا ہے نصور کردکہ جوکتاب اس نے تيري بالبن كے ليے نازل فرائي اس كوبىم الشدالرطن الرجم سے مشروع كيا بينى بىم كے اندر ہى ابنى حمانيت اور وهمیست کا ذکر فرمایا به میراس کا بعی تصور کروکداس ذاست کریم نے نهاری طرف سے کسی سفارشی اوکسی سابق خدمت كے بغبرمحض اپنے فضل وكرم سے تمييں ہے شمار ظاہرى وباطنى مىر با نيوں اورانعا مات سے نواز ا-دوسری طرون اس کے کمال جلال ۱۰س کی عظمن ۱۰س کی عظیم قدرت و بہیبت نیز اس کے تندید عضب وغصہ کا مجی تصور کروج سے اسے اسمان اور زبن معی نبیل مظہر سکتے۔ بھرتم اُخریت کے معاطبے کی نزاکت اور خطرے کے ساتقه ابنى انتهائى غفلت ابن لاتعالى كالمراني سنكدلى كالمبئ نصوركرو يجراس بات كانصوركروكما لتذنعالى تمارى تمام حركات وسكنات ،تمهارسے تمام عيوب اور يوسنسبده بانوں سے بھی بوری طرح واقعت او آگاہ ہے۔ پیم اس مے من وعدہ اوراس نواب کو بھی ذہن میں لاؤ جس کی کنداور خفیقن انسانی وہم و گمان سے بست بلندسے يېراس كى شدىدوعيدوں اوراس كے عذاب اليم كولمى خيال ميں لاؤس كے خلوب انساني منحل نبیں بوسکتے نیزتم اس کے فضل وکرم اس کے مقابلے ہیں اس کے عذاب بھراس کی رحمت وشفقت بجرابينفس كى زيادتى اورب زاه روى اورجرائم اورمعاصى كويمى زبن بس ركھوكے نوبينام بايس تماري اندرخوت ورجاء کی صفت چیداکردیں گی۔ اورتم درمیانی را ہ پرجل بڑوگے۔ اورتم بینحونی اور نا امیدی کے

دونوں ہلاک کن واسنوں اور بے تو نی اور ناامیدی کی وادیوں میں جیران مجرنے والوں سے الگ ہوجاؤگہ
اور ہلاک ورباد مبونے والوں سے کنارہ کش ہوجا وُگے اور خوف ورجاء کی مقتدل شراب سے مرخار ہوجاؤگہ
بعرفہ نوصرت رجاء کی شنڈک سے ہلاک ہوگے ساور نہ معنی فوت کی آئش میں جلوگے ساورات م ابنے فقعود
سے ہمکنار ہوگئے ساور دونوں مملک امراج ن سے بچے گئے ساب تم اپنے نفس کو طاعت و بندگی پر گا ما دہ پاؤگہ
اور وہ فقلت اور سنتی کے بغیرون وات فلامت بین مصروت ہوجا سے گا ساوراس طرح تم گنا ہوں اور
ذری مفعلت اور سنتی کے بغیرون وات فلامت بین مصروت ہوجا سے گا ساوراس طرح تم گنا ہوں اور
ذریل حرکتوں سے بوری طرح محفوظ ہوجاؤگے۔ اور برائیوں سے بوری طرح کنارہ کئی مامل ہوجائے گی۔
ذریل حرکتوں سے بوری طرح محفوظ ہوجاؤگے۔ اور برائیوں سے بوری طرح کنارہ کئی مامل ہوجائے گی۔
مضرت نوت بکالی رحمند الشرعلیہ فرما تے بین نوت جب جنت کا ذکر کرتا ہے تواس کے دائیں جنت
کا شوق بہلا ہوجا نا ہے۔ اور جب اسے آنٹ میں دوز خیا دا تی سے تو مارے خوت کے اس کی

خوت درجاء کی بیمجے کیفیسٹ پیدا ہوجانے سے بعدتم الٹن نعالی سے برگزیدہ اورخواص عابرین بی سے ہوجا ؤ کے ربن کا الٹر تعالی نے اس آیتہ میں ذکر کیا ہے۔

بیشک یہ لوگ نیک کام کرنے بیں جلدی کرتے تھے اورخون ورغبت کی حالت بیں ہماری بندگی کرتے ہے۔ اور ہما درسے آگے تیمکے رہنے تھے۔ إِنْهُ حُرِكَا نُوا يُسَارِعُونَ فِي الْخَيْزَاتِ وَيَدْعُونَنَا رَغَبًا قَرَهَبًا ، وَكَانُوا لَنَا خَانِنْهِ بِنِي . لَنَا خَانِنْهِ بِنِي .

اوراب نم نے النّذنعالی کے اذن اوراس کے حُن توفیق سے اس خطرناک گھاٹی کو عور کر دیار اب تمہیں دنیا ہیں بہت صفائی اور حلاوت نعب برگڑی۔ اور نم نے عفیلی کے بیے ذخیر عظیم اوراج کنیر حاصل کر لیا اللّٰہ تعالی سے دعا ہے کہ وہ ہماری اور نمهاری ابنی توفیق اور درستی سے مدد فرما نے بنیک وہ ارجم الراحمین اللّٰہ تعالی سے دعا ہے کہ وہ ہماری اور نمهاری ابنی توفیق اور درستی سے مدد فرما نے بنیک وہ ارجم الراحمین ادر نمام سخیوں سے بڑاسنی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔ وکا کے فوا کا کا کیا تا الْعُولِي اللّٰهِ الْعُولِي اللّٰهِ الْعُولِي الْعُولِي اللّٰهِ الْعُولِي الْعُولِي اللّٰهِ الْعُولِي اللّٰهُ الْعُولِي اللّٰهُ الْعُلْمُ اللّٰهِ الْعُولِي اللّٰهِ الْعُلْمُ اللّٰهِ الْعُلْمِ اللّٰمُ اللّٰهُ الْعُلْمُ اللّٰهُ الْعُلْمُ اللّٰمُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ الْعُلْمُ اللّٰهِ الْعُلْمُ اللّٰمِ اللّٰهُ الْعُلْمَ اللّٰهُ اللّٰهُ الْعُلْمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْمُعْلِي اللّٰمُ الْعُلْمُ اللّٰمُ الْعُلْمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْعُلْمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْعُلْمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ الْعُلْمُ اللّٰمُ اللّٰ

#### چھٹا ہائی

## مجهى كما في مين - اوربه عقبة القواح سيموسوم،

بهراس برادر (اَبَدَكَ اللهُ حَوايّاً مَا يِحْسُون تَوْفِيقِ ، تحديراس لاستفى ببجإن اور معرنسن اوداس راستے پر جینے ہیں اشتقادت کے لبدیجا دست اور بندگی کوخراب اور بر با دکینے والی پہڑوں معالك ركمناا ورمجبيناهي لازم اورمنرورى مبعداوربيربان اخلاص كوقائم كرسف الثرتعال كعراصانات بإد كرف اورنارواامورسے اینناب كے دحر ہی سے حاصل ہوسكتی ہے۔ اور پہ باسٹ دو وجہ سے لازم اور منرورى بهدايك تواس يليكه اخلاص سعالث زنالى كصحفور بم على كوحن فبول كانفام ماصل مبؤناسبه اور ثواب مامل كرنے ميں كاميا بي نصيب مونى بسے ورين اخلاص مفقود مونے كى صوريت بي اعمال مردود موجات بن اوران كانواب بانوبالكل بى بالمجدن كمجد صانع اوربر باد سوجاتا بسد كيونك شهور صديث بس صفور نى كريم ملى الشدعلية ولم سعم وى بهد-اس بي الشّرسِحانهُ وتعالى فرماً ما ہے -

میرے فیرکوشر بک کرے۔ تومیرا مصفحیاس شرکی كوبى بينجإ - بين صرت أسعل كوتبول كزنا بول تو خالص میرے بیے کیا گیا ہو۔

اناً اغنى الاخنياء عن المتنه ك من المنه ك من المنه الما المنه المنه ك من المنه المنه المنه ك ا عمل عملا فانشرك فيه غبرى فنصيبى كه فأنى لا اقبل ألا ما كان

مروى بهے كەتيامىن كے روزىجب بندە التدنعالىسے ابنے اعمال برنواب طلب كريے گانوالتدنعالے فرماشے کا کیا تجھے مجانس ومحافل میں دسعت منیں وی گئی تھی کیا وہاں تجھے سرداری نہیں دی گئی تھی کیا تجھے دنياين نيرك كاروبار تنجارت بين نرتى اورسبولت اوربرنسم كى ارزانى عطائنيس كى كئى تفي كيا تخصاسى طرح مے بے نتمارا عزازات وانعامات منبس دیے گئے تھے۔ اور تجھے انواع وافسام کے خطرات و مضرات سے محفوظ منيں ركھاكيا تفاريبني بيسب كچھ جزائے اعمال كے طور بردنيا بي تجھے دے دياكيا تفا۔

بین کنتا ہوں ریا و کھے خطرات بیں سے کم از کم دونسم کی نوندامت انسان کو لاحق ہوتی ہے۔ اور دو معيبتين اس برمسلط موفى بين-ابك برامت نوليست بده نعم كى سے ده نمام ملائكد كے ساحض نزندگى اور ندامت ہے۔ جب کے روابیت بی ہے کہ ملائکہ ایک بندے کے اعمال خوشی خوشی او پر سے جاتے بیں۔ گرالٹد
تعالی کی طوف سے حکم ہوتا ہے کہ براعمال بجبی بی بجبینک دوکیونکہ اس نے براعمال بری رصنا اورخوشنودی
کے بیے نہیں کیے خفے آتواس و قست اُس بندھے اوراس کے علی کو ملائکہ کے ساعف ندامت لاحق ہوتی ہے
دوسری ندامت اور شرندگی علا نیراس کو لاحق ہوگی ، جو فیامت کے دن تمام مخلوقات کے ساعف ندامت
اور رسوائی لاحق ہوگی ہے منورنی کریم صلی الشرنعالی علیہ و لم سے روابیت ہے کہ:

ریاء کارکوقیامت کے دن چارناموں سے پکالا جائے گا-اسے کا فراسے فاجر،اسفلار،اسے خارہ الحلف والے نیزی کوسٹش ہے کا چاکئی نیرسے اعمال ہے کا رمبو چکے ہیں، بیاں آخرین پی نیرک فی صدنیں -اسد صریحہ بازا پنے اعمال کا اجو تواب اسی کی کور کھانے کے لیے توعل کرتا تھا۔ ثواب اسی کی کور کھانے کے لیے توعل کرتا تھا۔ الاالممائى بنادى يوم القيامة بادبعة اسماء ، ياك فو، باخاجر، يا غادر ايا خاسى ضل بافاجر، يا غادر ايا خاسى ضل سعيك وبطل عملك فلاخلاق للشالة سالاجرممن كنت نعمل له يا هخادع . ايك رواين برمبي هكه :

ينادى مناد يومرالقبان بيسمع الخلائق اين الذين كانوايعدون الناس قوموا خذوا اجوس كعر ممى عملتعرله فافي لا افبل عملاخا لطه شئ.

نیامت کے دوزایک نداکرنے والانداکرے گا جے نمام مخلوقات سنے گی۔ کماں چی وہ جونواکے بہائے گوں کی مخلوقات سنے گی۔ کماں چی وہ جونواکے بہائے گوکوں کی جا وت کرتے تھے جا ڈا در اپنے اعمال کا برلہ ان سے لوجن کے بیے کہتے تھے ہیں اس علی کو تبول نہیں کرتا جس چی ریا واور نمائش اس علی کو تبول نہیں کرتا جس چی ریا واور نمائش

کی ملاوی ہو۔

اوررباء سے آنے دالی دومعیبنوں بیں ابکے معیبیت بینت سے محروبی سے کیونکہ صنورنی کریم ملی الٹرعلیہ ولم سے مردی سے کہ :

جنن نے گفتگوکی اورکہا ہیں بخیل اور ریا وکار

ان الجنة تكلمن و قالت اناحزم على كل بخيل و هراءٍ

پرحرام ہوں۔

اس حدیث نثریف کے دومحی موسکتے ہیں بک یہ کہ اس بخیل سے وہ بخیل مراد ہے ہوسب سے مینز کھے کو

زبان پرلانے سے بخل کرتا ہے ، بینی لا الدا الله محدرسول الشعلی الشد علیہ ولم تعدیق ظبی کے ساختیں پڑھنا اور اس رباء کا رسے وہ مراویے بویڈزبن فیم کی ریاء کاری کا مظاہرہ کرتا ہے بینی منافق جوا بنی نوحیدا ور اپنے ایمان پی رباء کاری کرنا ہے ۔ صدیث کے اس معنی ہیں امبد کی طرف اشارہ ہے کہ اگرصد تی اور اظلاص پیلیہ والمی تواس کا معا ملہ درست ہوسک ہے ۔ صدیث کا دوسرامعنی بیر ہوسکتا ہے کہ وہ نوشخص بخل اور دیاء کاری سے باز مزاہ ہے اور ابنی پروا ور ربا بیت نہ کرہے ۔ نوالیی صورت بیں وفت طرب ہیں ایک نوب کی مکن ہے اس بخل اور رباء کاری کی نوست اس پر آ پڑے اور وہ کو ایمان کی اور رباء کاری کی نوست اس پر آ پڑے اور وہ کو کی کو صدیبی واگرے اور اس طرح مینت سے بالکل محروم ہوجائے ۔ اور اس طرح مینت سے بالکل محروم ہوجائے ۔ اور دور خامن من میں مدب ہوجائے ۔ اور اس کی اور زندی پرخصن ہوجائے ۔ اور اس کی مارٹ کی اور زندی پرخصن سے بناہ ما تکتے ہیں۔

اوردوسری معیبت دوزخ بیں جانا ہے۔کیونکہ ابوہریرہ روایت کرتے ہیں کہ نبی کریم صلی التّدعلیہ وسلم نے فرط یا :

تیامت کے روزسب سے پیلے میاب کے لیے
جرشخص کو بلایا جائے گا وہ حافظ اور تاری ترکن
ہوگا اور ایک مالدار شخص کو توالٹہ توالی قاری سے
اور ایک مالدار شخص کو توالٹہ توالی قاری سے
خرائے گا کیا ہیں نے تجھے وہ کناب نیس کھائی تی
جوہی نے اپنے رسول پرنازل کی تعی وہ جواب دیگا
ہاں یارب توالٹہ تعالی پوچھے گا تو عملے کے مطابق تو
نے علی کیا۔ قاری جواب وسے گا ہیں تیری خرشنوں کا
مختلفہ بس آیات قرائی کی ملاوت میں شخول وہ عمرو
رہا ، الٹہ تعالی خرائے گا توجیوٹ بوت ہے اور اللہ خوالی
فرشتے ہی کہیں گے توجیوٹ بوت ہے پوالٹہ تعالی
فرائے گا تلاوت آیات سے تیرا ادا وہ یہ تعاکی لوگ

اول من يدعى يوم الفيامة رجل قد عالى قد جمع القران و دجل كثيرالمال في سبيل الله تعالى الفارى الماعلة ما نزلت على الرسول، في قول بلى يا دب في قول ما ذا عملت في قول ما ذا عملت به اناء الليل و اطراف النها د في قول الله كذبت و تعتول الملائكة كذبت في قول الله الملائكة كذبت في قول الله الماد تكة كذبت في قول الله الماد تكان الله الماد تا مرئ ، فقد قيل الله فلان تا مرئ ، فقد قيل الله خال في المراد تا الله الماد تا مرئ ، فقد قيل الله خال في المراد تا مرئ ، فقد قيل الماد خال في مناد في الماد تا مرئ ، فقد قيل الماد خال في المراد تا مرئ ، فقد قيل المناد في المراد تا مرئ ، فقد قيل المناد في المراد تا مرئ ، فقد قيل المناد في المناد في المراد تا مرئ ، فقد قيل المناد في المراد تا مرئ ، فقد قيل المناد في المناد ف

كميس فلان تخص فارى جصراوريه بات تجعيرها صل موكئ تتى يهمصلحب مال شخع كوبلايا جاشته كاالثر تعالى اس سے پوچھے كاكيابس نے تھے رزق بي فراخى اوردسعت عطائنين كينى بيان ككري نے تجھے کسی انسان کا مخاج منیں رکھا مختا۔ وہ كحكايان يارب تعال رتواس سعيد مجي كاير فيع بخيمال كوتونے كس عمل ميں مرون كيا وہ كہے گاہيں نے اس مال کے ساتھ مدرحمی فائم کی اور نبری راہ ببن صدفنها ورخيرات كيا التأرنعاني فرمائ كأذ محبومًا ج ، فرنتے ہی کمیں گے تو جموما ہے ، الترسمان ونعالى فرماشے كابلكه تيرى نبيت توبيعتى كدونيا تجھے سخى اورنياص كمعنام سع پكارسے -اوريہ چيزدنيا يبى تجصه حاصل بوكئي راوراس تنحص كودر بإرخلاونك بين لا با جا مح كاسب في الشرى راه بين جان دى بوك الشدنعالى اس مع بوتھے گانونے دنیا میں کیا نیکام كيد عرص كري كالمحص تيرى راه يس جهاد كاحكم لما توبس جادب معروت بوگياحتى كم بزے راستے ين جان كمادى الشرتعال فرمائے كا توجيوٹ بوت ہے۔ ملائکہ می کبیں گے توجیوٹ بول رہاہے اللہ

ديؤن بصاحب المال فيقول المالحال فيقول المالحاوسع عليك حتى لم ادعك تحتاج الخااحد فيقول على ياسرب فيقول ما ذاعملت فيما اليتك فيقول كنت اصل الرحم وا نصدق فيقول الله كذبت و نقول الملائكة كذبت الله كذبت و نقول الملائكة كذبت إلى فيقول الله معمانة بل اردت ان فيفال الله جواد فقد قيل ذاك.

تعالے فرائے گا بلکہ نیرا تو مرتعد دخاکا گھنے دہراور شجاع کیں۔ اور یہ بات بھے دنیا یں ماصل ہوگئی ہے ر بی کریم صلی الشد علیہ ولم نے ابنا دست مہارک ہیرہ گھنے پر مالا اور فربا با سے ابو ہر پرہ ہیں وہ لوگ ہیں عن کوس سے اول دوزخ میں بھینیک کرالشر تعالیٰ دوزخ کی اگر ہو کا ہے گا۔ ایک دوسری حدیث مصرت ابن عباس رصی الشد عنہ سے مروی ہے وہ فرما نے ہیں:۔ بی نے دسول اللہ ملی اللہ والی دورخ ریا مکا دوں فرماتے تھے دورخ اورائل دورخ ریا مکا دوں سے چیخ المحیں گے۔ کہاگیا بارسول اللہ دورخ کیوں جینے گئے۔ آپ نے فرا با اُس آگ ک بیوں جینے گئے۔ آپ نے فرا با اُس آگ ک تین سے جس سے ریا و کا روں کوعذاب وبا

سمعن رسول صلى الله علي ملم يقول ان النارواهلها يعجوب من اهل الرباء قيل يارسول الله وكيف تعبج الناس قال من حتر النارالتي يعن بون بها-

نیامن کے روز لائ مونے والی شرندگیوں اور ندامتوں بیں اہل بھیرت بیں درس عبرت ہے وانله سبعانه ولی الهداید بفضلہ -

سوال: آب بمیں اخلاص اور رہاء کی خینفسٹ اوران کے نتیجے سے آگاہ فرائیں۔نیزان سے انسان کے اعمال میں کمن تم کا اثر روغا مبونا ہے۔اس بریعی روشنی ڈالیں ؟

جواب بهمارے علمائے اہم سنت کے نزدیک اضلاص کو قسین ہیں۔ (۱)عمل ہیں اضلاص (۱) طلب تواب بین اخلاص ان العمل توبیہ ہے کہ بندہ اپنے عمل سے نقرب بنی نعالی اس کے حکم کی تعظیم اور اس کے فرمو دات کی ہجا آوری کا اوادہ کریے ۔ اور بیر اضلاص اغتقاد میرچ سے نصب ہوتا ہے۔ اس اضلاص کی خدر نفاق ہے۔ جس میں غیرالٹ کا نقرب مقصود سوتا ہے۔ ہمارے نینے رحمت اللہ علیہ نے فرمایا نفاق اس اغتقاد کی خدر نفاق ہے۔ جس میں غیرالٹ کا نقرب مقصود سوتا ہے۔ ہمارے نینے رحمت اللہ علیہ نے فرمایا نفاق اس اغتقاد فارد و کے فبیلہ بیں سے فاس کا نام ہے جوالٹ نعالی کے بارے بیں منافق کے دل میں پایا جاتا ہے۔ اور بیراغتقاد اوادہ کے فبیلہ بیں سے منبی ہے۔ جیساکہ ہم دوسرے منعام پر ذکر کر بھے ہیں۔

لین طلب تواب بین اخلاص کر تعیقت برسے کہ بندہ نیک عمل سے نفع آخرت کا ارادہ کرہے۔ ہمارے بین طلب تواب بین اخلاص کر تعیقت برسے کہ بندہ نیک عمل سے نفع آخرت کا ارادہ کرنا جے نئرعار د بین خرصت اللہ میں تعقیقت بربان کرتے تھے تھے تاب کام پر نفع آخرت کا ارادہ کرنا چین اس کرنا دیئروا وررد کر دینے کی صورت بین آخرت بین نفع کی امید باتی ندرہے۔ ہم اخلاص کی اس تعرفین بین ملی ظ تیدوں کی نئرح دوسرے منعام پر کر بی جبیں۔

ایک دند تصرت عینی علیه العساؤة والسلام کے تواریوں نے آب سے دریافت کیا" اخلاص کیا ایک دند تصرت عینی علیه العساؤة والسلام کے تواریوں نے آب سے دریافت کیا" اخلاص برہے کہ بندہ الشرنعالی کے بیے نیک کام کرسے اور دل بین اس کی چاہت نے "آپ نے جواب دیا" اخلاص برہے کہ بندہ الشرنعالی کے اس فول مبارک کامطلب نہ رکھے کہ اس براس کی حمدو نناکی جائے۔ معنون عینی علیہ العساوة والسلام کے اس فول مبارک کامطلب

ہی بہے ہے کہ بندہ رباء کونزد کیک ندا نے دسے اور حمد و ثناء کی تصوصیّت سے نفی اس واسطے نرما ٹی کہ یہ رباء کے افویٰ اسب بسب ہیں جوا خلاص کو تباہ و بر با دکرتے ہیں۔

تحضرت جنید بغلادی دصی التی بخند فرما تنے ہیں سریاء کا ری دغیرہ کے بیل کچیل سے انھال کو پاک و صاف رکھنے کا نام اخلاص ہے ہے

تحفرت نفنیل بن عبامن رمنی الشرتعالی عند فرما نے بین " تمام نفیانی اور دبینی تقاضوں کو بھو جانے اور الشد نعالی کی ذات پاک کے ساتھ دوام ربط اور دوام مراقبہ کا نام اخلاص ہے یہ اخلاص کا مکمل بیان ہے۔ اخلاص کی تعربیت سے اتوال بیں ۔ لیکن انکشان حقائق کے بعد نقل اتوال بیں افرائی فائدہ نمیں۔ کوئی فائدہ نمیں۔

تعنورنبی کریم ملی الله تعالی علیه و لم سے بب اخلاص کی تغیقت در بیافت کی گئی توابی فریایا تعول سی الله شعر تست تعدید کما اظلام یہ ہے کرتو کھے میرارب الله بیدادر در بیرور احر ت - مجیم کم ہے اس برقائم ادر مغبوط ہوجا ہے۔

کے نزدیک عارف سے ریا المحض کا صدور مجی ہوسکتا ہے اوراس سے ڈگنے کا نصف تواب منائع ہوتا ہے اور ریا مخلوط ڈکنے کا پوتھائی تواب بریا دبہوتا ہے۔ اور ہمارے نینخ قدس سرؤ کے نزدیک ججے بات یہ ہے کہ عارف سے آخرت کا تصور ہوتے ہوئے ریا المحصن کا صدور نہیں ہوسکتا۔ ہاں آخرت سے سہو کی صورت ہیں ریا المحصن کا صدور نمکن ہے۔ مغارا ور لب ندیدہ بات یہ ہے کہ ریا الائن شرسے عمل کی قبولیت نختم ہوجاتی ہے اور الموار نواب میں کمی واقع ہوجاتی ہے۔ باتی بداندازہ نہیں ہوسکتا کہ نصف تواب ضائع ہوتا ہے یا جو تھائی تواب اور السرار اور الموان سائل کی شرح بطری طوبل ہے۔ ہم ان کی مکمل اور لپوری شرح وقع بیل کا ب اجباء العلوم "اور" اسرار موال مالمات دین "بیل کرچکے ہیں۔

سوال: اگرتم بیسوال کردکدا خلاص کاموتعه محل کونسا ہے۔ اورکس طاعت بیں بہ پایا جا تا ہے، اورکماں واجب ومنروری ہے ؟

جواب: تواس كاجواب يه ب ك بعض علماء ك نزديك اعمال نين قسم بي الك قسم وه ب جس میں دونوں تنسم کے اخلاص یا یا جب تا ہے۔ اور وہ عبادات ظاہر واصلیہ ہیں۔ دوسری تسم عبادات کی دہ ہے حب ميں دونوں تسم کا اخلاص نبیں پایا جا تا۔ وہ عبا دان با کھنيہ اصليہ ہیں۔ اوراعمال کی نبیری تسم وہ سیے جس ہی طلب اجرونواب كالخلاص نوبإ بإجأ ناسهه ليكن اخلاص العمل نبير بإ بإجا نا-اوربيروه مباحات بيرجيسانا<sup>ن</sup> م خریت کے طور پرانسان اپنے پاس رکھتا ہے۔ ہما رسے ٹینخ رحمتہ الٹرعلیہ نے فرمایا ہے وہ عبا واست اصلیہ جوعبرات كصيب يسكى بوسكتي ببران ببرا خلاص عمل بإياجا ناسهد نواكثرعبا وان باطندبر اخلام عمل تنحفق ىبذنابىدىكىن كلىب اجرمين اخلاص ،نوبداك رشنا شخ كرامبه كصنز ديك عبادات با كهندين منين بإياجا تا-كبونكه إن برالشد سبحان وتعالى كصراكو في مطلع منبس مونا- توان بين رياء كصامباب ودواعي منين يا مص جاسكتة - لدذا ان بس طلب اجر كمه اخلاص كى حاجبت اورصرورت نبيس بيرتى - بهمارسے بنبخ رحمنذ التّٰدعليد كا كمناسك كرجب ايك بنده مقرب عبادات باطنه سے دنبوی نفع كانصدكرسے نوب يمي رياء بي واخل سے ببركتنا بوں اس صورت بیں کوئی ببید نبیں کہ بہت سی عبا دات با طنہ بیں دونوں تنم کا اخلاص پایا جائے۔ اسى طرح نوا فل مشروع كرننے دننت دونوں تسم كا اظلام مبونا منرورى سبے ـ ليكن وہ مباحات جو تيارى اخريت كي عرض سے انسان نے اپنے پاس مکھے ہوئے ہیں ان ہیں طلب تواب كا اخلاص تو پا یا جا تاہے گرا خلاص عمل نبیں یا یا جا تا کیونکہ تیرمها حاست بزانت خودعبا دت وقربیت نبیں بیں ربککہ قربیت وبندگی کا

كا ذر ليبرا ورموجب بيس ر

سوال: اگرنم کموکریرجربیان کیا گیا ہے ہدودون ٹم کے اظلام کے موتعہ ومحل کا بیان تھا۔ ان دونوں کا وقت ہی بنائیں۔

جواب : اخلاص عمل توفعل کے ساتھ ہی میونا ہے۔ اس سے متا خرنبیں ہوسکتا۔ لیکن اخلاص طلب اجرعمل سے متا جرم رسکتا ہے۔ اور نعض علماءعمل سے فراغت کے دفنت کا اغنبار کرتے ہیں۔ یعنی عمل سے فراعنت اخلاص کی کبغیت پر ہوتی ہے تواخلاص کا اغنبار ہوگا اوراگر ریاء پر ہوتی ہوتوریاء کا اغنیار ہوگا۔اور پرنکہ عمل سے فراغن ہو جی سے اس بیے اب اس کا ندارک مکن منیں۔اورمشا نے کرامیہ کے نزدیک بجب تك عمل سے كوئى دنبوى منفعن مذا كھالى بواورا خلاص كااراده كرليا جاھے توا خلاص محبّر بروجائے گا۔ ليكن أكرد نبوئ تنفعت عاصل كربي موتو تجراخلاص كااعنبار بنبي كيا جاسكتار اور بعض علماء كاخيال ہے كافرائض بين موت كك اظلام كا پيداكرلينا مكن سهديكن نوافل بيني ساوراندول في فرائض اورنوا فل میں فرق کی بیر ومبر بیان کی ہے۔ کہ فرائعن میں الشرنعالیٰ کے حکم سے بندہ داخل ہزنا ہے۔ نو اس بیں النٹرنعائی کے فعنل اوراس کی طرون سے آسانی کی امید مبوتی ہے۔ لیکن نوافل بیں بیرصور بن حال نبين كيونكه نوانل بنده ابني مرمني اورجابهن سعيشروع كرنا بيد لعذان بي اس مع طالبركيا جأناب کروہ انبیں کما مخداد اکرسے ساوران بیں ذراسی کونا ہی نہ آ نے دسے سیں کمنا ہوں کہ اس سکر ہیں ایک فائدہ ہے۔ وہ بیر کہ جشخص سے ریاء کا صدور ہو چکا ہو، یا نرک اخلاص کا ارتکاب ہو بیکا ہونواس کے بیے مذکورہ وجوہ کی روشنی بیں تلافی اور تدارک کی گنجائش ہے۔ ان باربک اور وقبق مسائل بیں لوگوں کے مخلف مذابب نقل كرنے سے ايك مفعد زوب ہے كہ بربات معلوم ہوجائے كہ فى زمانہ بچے عمل كرنے واسدىبىت كم بب اوراس را ەتھوت ونغر پر جینے والول كى رغبت اوران كاشوق فتم ہوجیكا ہے۔ اسى ليے وہ ان د قائن و منفائن کو جا شنے کی طرف منوجہنیں ۔نفل مذا بہب سے دومرامقصد بہہ ہے کہ اس راست كم مبندى كوعبادات بن اور قريب لايا جلسه الداس كوابني بيماريون كاعلاج ايك مذبهب بين نهط تودوسرے مذبهب بين بإسے كيونكم انساني امراحن ، اعراض ، اعمال كي خوابيان اوران كى اً فان مختلف ببن ان شاء الشذنعالي تم به بابين الميمي طرح مجمد لوكي \_ سوال: كيابرعل بي اخلاص مغرد بي صرف كافي بيومكنا ہے۔ يا برعل كے برجزوكے ليے

علیحدہ علیحدہ اخلاص جدید کی ضرورت ہے۔

جواب اس بن علماء کرام کا انخلان ہے، بعض نوید کتے بین سارے علی کے لیے ایک ہی اخلاص کی صرورت ہے۔ اور بعض یہ کہنے ہیں کہ کچھا عمال ایسے ہیں ، جن بین ایک اخلاص ہی کفایت کرتا ہے اخلاص کی صرورت ہے۔ اور بعض یہ کہنے ہیں کہ کچھا عمال ایسے ہیں ، جن بین ایک اخلاص ہی کفایت کرتا ہے جیسے وہ اعمال جو مخلف ارکان سے مرکب ہیں لیکن من حیث المجموع درستی اور وہنے اور کے لحاظ سے ایک خشیرت رکھتے ہیں۔ جیسے نماز ، روزہ وغیرہ۔

سوال: ایک شخص اپنے عمل خیرسے اللہ تعالی رضا اورخوشنودی نہیں بلکہ اپنے نفع اورفائیے
کا ادادہ کرتا ہے۔ لوگوں سے کوئی ادادہ نہیں رکھتا بعنی اس کے دل ہیں بیہ بات نہیں کہ اس علی خیر پر لوگ میری
حمد و تناء کریں بیا میرسے عمل کو دیکھیں یا مجھے کوئی نفع پہنچا ہیں۔ تو کیا اس قیم کاعمل میں ریا کا ری ہیں واض ہے۔
جواب: اس فیم کاعمل خالص ریاء کا دانہ عمل ہے۔ علماء کرام فرما تے ہیں کہ عمل میں مراد کا اعتبار
موزنا ہے۔ اس کا عتبار نمیں ہوتا ہیں سے مراد طلب کی جارہی ہو۔ لدنا عمل سے تیری مراد اگر دنیوی نفع اللہ
غائدہ ہوتو ہر حال ہوریاء ہے چاہے خدا تعالیٰ سے بیر مراد طلب کی جارہی ہویا لوگوں سے۔ الشر تعالیٰ

بختنعی اخرین کی کمیتی کا ارا ده رکھتا ہو۔ نو ہم اس کی اس کمینی میں اضافہ کریس گے۔ اور بورنیا کی کمیتی چا بنا ہو تو ہم اسے کچھ دیے دینے ہیں۔ لیکن اخریت میں اسے کچھ تعنین

من كان يربدحوث الأخرة نزدله في حرثه ومن كان يربدحوث الدنبانوته منها يربدحوث الدنبانوته منها وما له في الاخرة من نصب .

اورلفظ رباء کا اعتبار نبیں۔ بلکہ نین ادرمراد کا اعتبار ہے اور یہ لفظ رویۃ سے شنتی ہے۔ اس سے اسٹ نتا تی کی و مبر ہیں ہے کہ بیرارا دہ فاسدہ اکٹرو بیٹنتر لوگوں کی طرف سے اور ان کے دیجھے کی وجہ

سوال: اگرایک خص الٹرنعان سے دنیااس بیے طلب کرے کہ وہ لوگوں کے سامنے دست حاجت در از کرنے سے بچے اورالٹر تعالیٰ کی بندگی اور عبادت ہیں دل جمعی سے صرف فوخول رہ سکے توکیا ایسا نعمد والادہ بھی ریاء ہیں داخل ہے۔ جواب الدق سے منیں ہونا۔ بلکہ یہ چرتو قناعت اور فرانفان برکا مل بھروسے اور توکل سے ہوتی ہے کی اگر للب و منیں ہونا۔ بلکہ یہ چرتو قناعت اور فرانفان برکا مل بھروسے اور توکل سے ہوتی ہے کی اگر للب دنیا سے اس کا مغصد کے سور کہ سے جادت بیں معروت ہونا ہونو اس طرح کا مغصد والا دہ ریا ہیں والی کا منیں۔ لیکن اس سے وہی چیزیں مرا دہوں گی جوائے رہت اور اسباب آخریت سے تعلق رکھنی ہیں۔ اور اس کا تعدیقی قطعاً آخریت کی تباری سے ہی منعلق ہو۔ اگر کی عمل خیرسے اس قیم کا الا دہ ہونو وہ ریاء نمیں۔ کیونکہ دنیوی اموراس الا دہ سے خیرین جانے ہیں، یا اعمال آخریت کے علم کے نحت آجانے ہیں۔ اور کسی خیر کا الا دہ ریاء نمیں ہو۔ اگر کی المور کی کورکوں میں تماری عزت ہوا ور مشائخ اور نمیں خیر کا الا دہ ریاء نمیں ہو۔ کا اس موری اس سے تعمالا مفصود سے ہو کہ توگوں میں تماری عزت ہوا ور مشائخ اور نہ ہو کی قادر سے میں اس سے تعمالا مفصود سے ہو کہ توگوں ہو تاکہ اس طرح موزر طور طریقہ پر ابن برعت کا دور کہ ہو کا الدی سے مقام دین کی انائیہ واقعی سے موری کی خلات و کی قدرت طاصل ہو۔ یا اس طرح موزر طور طریقہ پر ابن برعت کا روگر سکو۔ اپنے نفس کی عظمت و کی قدرت طاصل ہو۔ یا اس طرح موزر طور طریقہ پر ابن برعت کا روگر سکو۔ اپنے نفس کی عظمت و موزر کی اور حصول دنیا کی بنیت منہ ہوئو دبن سے متعلق اس طرح کے تمام مفیو طالا دے اور اپھی بیتیں رہاء ہیں داخل میں۔ کر بیک کوروں کی مقت کا مقبود طالا دے اور اپھی خیتیں رہاء ہیں داخل میں۔ کر بی داخل میں۔ کر کی اور حصول دنیا کی بنیت منہ ہوئو دبن سے متعلق اس طرح کے تمام مفیو طالا دے اور اپھی خیتیں رہاء ہیں داخل میں۔ کر کی اور حصول دنیا کی بنیت منہ ہوئو دبن سے متعلق اس طرح کے تمام مفیو طالا دیں۔ اور اپنی خیتیں رہاء ہیں داخل میں۔ کوروں کوروں کی متعدور کی اور حصول دنیا کی بنیت منہ ہوئو دبن سے متعلق اس طرح کے تمام مفیو طالا دیں۔ اور اپھی خیتیں رہاء ہیں۔ داخل میں۔

بین نے بعض منتائی سے پوچھاکہ کئی اورباء التندی عادت ہے کہ وہ عرت ونگی کے اہام بین سورہ واقعہ بڑے بیف کے دورکرے واقعہ بڑے بیف کی دورکرے واقعہ بڑے بیف کی اس عمرت اور ننگی کو دورکرے واقعہ بڑے بیف کی اس عمرت اور ننگی کو دورکرے اور اسنین رزق کے معاملہ بین فراخی اور وسعت عطا کرے۔ کیاعمل آخریت سے معاملہ بین فراخی اور وسعت عطا کرے۔ کیاعمل آخریت سے معسول دنیا کا المادہ کرنا ورست سے۔

بعض مننائخ کی طرف سے اس کا بوجواب تھے ملااس کا مفہوم بیر نفاکدا و بیاءکرام کی مرا دونین اس سے بیر مبونی ہے کہ اللہ نغالی امنیس فناعت عطا کرسے - اوراننی مغلامیں روزی عطا کرسے جس سے وہ جادن اللہ کا لاتے رہیں - اور درس و ندربیں کی قوت بحال رہے - اور اس طرح کا ارا وہ نیک ارا وہ جدنیا کا ارا دہ نمیں -

جاننا چا بینے کو عُشرت وَنگی کے وقت فراخی رزق کے لیے اس سوریت کو پڑھنے کامعمول بنانا خود معنور بنانا خود معنور بنانا خود معنور بنی کریم علیہ العملوۃ والسلام ا ورصحا بہ کرام رصنی المشرعنم سے مروی ہے۔ ربیاں تک کر معنوت ابوسعود رصنی المشرعنہ نے ہوئے ہوئے انواس فیل پرجب رصنی المشرعنہ نے ہوئے انواس فیل پرجب

رزن کی وسعت اور تنگی کے منعلق ان کا نقطم نظریں نے اس لیے بیان کیا ہے تاکہ مخالف جمالت کی وجہ سے ان کو تغیر اور مجبور خیال نہ کرہے۔ یا جمعے العقیدہ مبت ہی ان کے منعلق علمی میں مبتلانہ ہو۔

معرفی الل : اہل علم ،اصحاب نجردوز بداور ارباب صبروننا عت کو بیرکب لائت ہے کہ وہ صول د نبا کے لیے وظیفے کرتے بھریں ؟

جواب : جب كمقصود صول نناعت اور نيارى الخربت بوتو مير قوت لا يروت كے يے كوئى
وظيفة برخ صنايا قرآن كى سورة برخ صناسنت سے نابت ہے - ہاں حرص وشهوت كى بيروى كے يے ايساكونا
ورست نييں رنيز عرب اور تلك ستى سے پر بينان بهوكر بيراسندا ختياركر نالبى تھيك نييں اورجب مفصود نيارى الخربت بوتواس كے نيجے اكثرو بينتر توابينے ول بين تناعت محسوس
كرے كا اور يمبوك اور صنعت ولا عزى كو بعى مفقود يائے كا - نيز طعام سے بے بیازى اور عدم صابت
بى محسوس كرے كا يجن لوگوں نے اس كا نجر به كیا ہے ان كواس كا الجى طرح علم ہے الشرف ال تجھے توفق دے اس تحقیق كو ذہن بين ركھ۔

الشرف ال تجھے توفق دے اس تحقیق كو ذہن بين ركھ۔

### عجب

دوسراامرقادح محبب ہے۔ اس بینا دو دجہ سے مزوری ہے۔ ایک توبیہ کے مجب کے باعث
انسان توفیق فزائید ایز دی سے محروم ہوجا تا ہے، مجب بیل گرفتا دانسان انجام کار ذلیل وخوار ہونا ہے،
مجب انسان توفیق وزنا بُید خلاوندی سے محروم ہوجا تا ہے تو بلاکت وبربادی کا مبلاشکار ہونا ہے، اس لیے
بیک کے مسلی الشرعلیہ ولیم نے فرایا کہ انسان کو نیمن چیزیں بلاک کرتی ہیں۔ بخل جس کی چیروی کی جائے ہواہش
نفسان جس کا انسان متبع بن جائے۔ اور آدمی کا اپنے آپ کو اچھا جا ننا۔

دوسری وجربیب کر عجب علی العدادة والدام من وجربیب کر عجب علی العدادة والدام فی حواریبین سے فرایا ربست سے جاغ بی بن کو بوانے بچها دیا اور دست سے عابد بی بن کو السلام فی حواریبین سے فرایا و بیت سے جاغ بی بن کو بوانے بچها دیا اور دست سے عابد بی بن کو عجب فی نباہ کر دیا ربیب انسان زندگی سے مقصود اور غرض و غایت عبادت و بندگی ہے اور پر خصلت انسان کو اس منفصود سے محروم کر دبتی ہے کہ انسان کسی خیر کو ماصل بنیں کرسکنا اوراگر کچھ تقوالی بست نبکی ماصل بھی کے بھی بنیں رہنا۔ تو بست هزوری ماصل بھی کرسے نو بی عبال کر دبتا ہے ۔ اور اس کے باتھ بیں کچھ بھی بنیں رہنا۔ تو بست هزوری سے کہ انسان اس سے نبے اور محفوظ رہے ۔ والله ولی النو فیق والعصمة :

عجب كى حفيفن اوراس كامعنى:

اگرتم بردریا فن کردکر عجب کی حقیقت اوراس کامعنی کیا ہے۔ نیزاس کی تاثیراوراس کا حکم اور نتیجہ
کیا ہے۔ اس کی وضاحت میونی جا بیئے ، تو تمبیل معلوم ہونا چا بیئے کرعجب کی حقیقت بہہے۔
العجب استعظا حرالعہ ل اپنے اعلام مالحہ کو ظیم خیال کرنے کا نام
الصا کے

ہمارے علماء کرام علیم الرحمند کے نزدیک عجب کی تعقیل ہے ہے کہ بندہ ہے ذکر واظمار کرسے کہ عمل صالحے کی نقلیل سنے دنزرگی فال سنے سے یا مخلوق یا نقس سے ہوئی ہے ۔ مذکہ فلا تعالیٰ کی طرف سے اس کا محصول ہوا ہے ۔ ملماء کرام کا بیان ہے کہ مبعض او قات عجب ہیں بہتالا انسان تمینوں چیزوں کا ذکر کرتا ہے۔ اور بعض او قات مرف ایک کا ذکر کرتا ہے۔ اور بعض او قات مرف ایک کا ذکر کرتا ہے۔ اور بعض او قات مرف ایک کا ذکر کرتا ہے۔ اور بعض او قات مرف ایک کا ذکر کرتا ہے۔ اور کی فدا صاب اور منت ہے۔ اس مان ومنت سے بیر مراد ہے کہ انسان ہے ظاہر کرے کہ ہے مب بزرگی و

نضیلت فدادندتعالی سجاندگی تا ئیروتوفیق سے ہے۔ادر مجھے یہ حاصل شدہ طرک وہزرگی اور مرزنہ و مقام عطاکرنے والارب نعائی ہے۔ عجب کے اسباب وعلامات کے ظہور کے وقت فوا نعائی کے احمان کا ذکر کرنا فرض ہوجا تا ہے۔ اور عام اوفات وحالات بیں اس احمان خدا وندی کا تذکرہ منتحب و بہتر ہے۔

باقی رہی عجب خودستائی می مل صالح میں نا بنر تواس کے متعلق بعض علماء کوام فرماتے ہیں کہ عجب والے انسان کے اعمال کو ضائع کرنے کے تعلق انتظار کی جاتی ہے۔ اگر وہ موت سے پہلے توبہ کر ہے نواس کے اعمال ضائع ہونے سے زیج جاتے ہیں، ورنہ ضائع کر دیے جاتے ہیں ۔ مثارُخ کرام یہ میں سے نحد بن صابر کا بہی فد مہر ہے ہوئے کا مطلب میں سے نحد بن صابر کے نزدیک اعمال کے ضائع ہونے کا مطلب یہ ہے کہ عمل صالح برنسم کی انجھائی سے خالی ہوجائے کہ اجرو ڈواب اور ملہ خ نک کا استحقاق ختم ہوجائے محد بن صابر کے علاوہ دوسروں کے نزدیک اعمال ضائع ہونے کا مطلب یہ ہے کہ عمل صالح پڑوگانا تگنا فرج بن صابر کے علاوہ دوسروں کے نزدیک اعمال ضائع ہونے کا مطلب یہ ہے کہ عمل صالح پڑوگانا تگنا فرج بونے کا مطلب یہ ہے کہ عمل صالح پڑوگانا تگنا فرج بونے کا مطلب یہ ہے کہ علی صالح پڑوگانا تگنا ہے۔

سوال: عارب شخص پربیربات کیسے پوسٹیدہ رہ سکتی ہے کہ عمل معالیح کی توفیق دینے والا الٹر نعالیٰ ہی ہے۔اور وہی ابنے نعنل واحسان سے بلندم زنبہ اور کنیر ٹواب عطاکر ناہے۔

جواب : درامل بیان ایک عمده ذخیره اور نظیف نکته ہے جس کو زبن نئین کرلینا ہوا ب
کے تمام بیلوه امنح کردیتا ہے۔ ادروہ بیر ہے کہ عجب کے معاملہ میں لوگ تین قیم ہیں۔ ایک وہ ہیں ہو ہر حال ہیں
عجب وخود سائی کا ٹرکار ہیں۔ اور بیر عنزلدا ور فدر بیر کا گروہ ہے جواپنے انسال کا خود اپنے آپ کو خالق جا تنا
ہے۔ اوراس معاملہ میں اللہ نغال کا اپنے اور پرکوئی احسان سلیم بنیں کرتا۔ اوراس کی مدو نصرت اور نوفیق اور
لطف خاص کا منکر ہے۔ اور بی خوابی امنیں اس شبہ کی بنا پر لاحق ہوتی ہے جس نے ان کو ننائر کیا ہواہے
دوسراگر دوہ وہ سنتی مالیال کا ملین ہیں جو ہر حال ہیں اللہ نغالی کے احسان کو ہی بادکر تے ہیں۔ ان
کوا بنے کسی بھی عمل ہیں عجب لاحق بنیں مونا۔ اور یہ اس بھیرت کے باعث ہے ہوان کو عطا ہوتی ہے۔ اور

تبسراگروه عام ابل سنست وجاعن بی بوجب بدار بوتے بی نوالٹرتعالی کابی احسان مانتے ہیں اورجب ان برخفلت طاری بوتی ہے توعجب اورخودسستائی کا شکار ہوجاتے بیں اور بیرعارضی خفلت سسنى اوركى بعيرت كى ومرسے برزاہے۔

سوال: تدریدا درمغتزله کے افعال واعمال کی صورتِ حال کیاہے۔کیااس عجب کی وجہسے ان کے سب اعمال ضائع اور بربادیں ؟

جواب : اس میں بست اختلاف ہے۔ بعض کا قول ہے کہ ان کے قام اعمال منا نع اور ہے کار
میں۔ کیونکہ ان کا عقیدہ ہی خواب ہے۔ اور بعض کہنے ہیں اگرا بکٹنخص ٹی الجعلہ اسلامی عقیدے رکھتا ہوتہ خواج
بست اعتقادی غلطی سے اس کے اعمال منا تع نہیں ہونے جب تک ہرعمل ہیں عجب موجود شہو ہوں طرح
عقیدہ اہل سنت ہونے ہوئے بیاضروری منبس کہ عجب سے محفوظ رہے ہے جب تک خصوصیت سے
الشہ تعالیٰ کے اصان کا اظہار نزکر ہے۔

سوال: كيارياءاورعب كے علاوہ مى كوئى چيزاعال كونقصان دبنى ہے۔

میحواب : ان کے علاوہ بی بست ایس چیزیں بیں جواعمال کوخراب کرتی ہیں ہم نے ان دوکا خصوصیت سے اس بیے ذکر کیا ہے کہ بربا وی اعمال میں اصل اور فیا و کی جنٹیت رکھتے ہیں۔ ور در بعض منانج کا نول ہے۔ کہ بندہ پر لازم ہے کہ اپنے علی کو دس چیزوں سے محفوظ رکھے۔ (۱) نقاق سے دب) منانج کا نول ہے۔ کہ بندہ پر لازم ہے کہ اپنے علی کو دس چیزوں سے محفوظ رکھے۔ (۱) نقاق سے دب) مرباء سے (۳) اور بالا کو سے بیل جول سے (۳) اصان جنلا نے سے (۵) افریت ویئے سے (۱) نلامت سے دیا اگریں نے فلاں عجب سے (۸) صرب سے (۹) سمنی اور کا ہی سے (۱) ملامت کے نوون سے ۔ بینی اگریں نے فلاں نبک کام کیا تولوگ ملامت کریں گے ربھر جا رہے نینی مکرم رجمت الٹر علیہ نے ان میں سے برایک کی ضداور ان سے اعمال کو چوم فرینی تا ہے سب بیان کیا ہے۔ بینا پچھ آپ فرماتے ہیں نفاق کی ضدا ظلامی عمل ہے اور رباء کی صند الملامی بیدا کر زا ہے ۔ اور اور کی مند طلب نواب ہیں افلام پر پر کر زا ہے ۔ اور اور کرین و پینے کی صند اپنے کی کو خدا اور ان کی صند اللہ کے احدان کا اظہار ہے۔ سے ۔ ندامت کی صند نیک اور خیر کو فیا منا اسے سے ساور تو بیتی خدان نو کی صند نیک اور خیر کو فیا منا سے سے ۔ ندامت کی صند نیک اور خیر کو فیا منا سے سے ۔ ندامت کی صند نیک اور خیر کو فیا منا سے سے سے مند نیک اور خیر کو فین مند توفیق خداوندی کی مند اللہ کو فیون ملامت کی صند اللہ نوالی کو خلیمت اور اس کا ڈر سے سے ۔ کو مند نیک اور خیر کو فیون ملامت کی صند نیک اور خیر کوفیت کا فیوندی کی مند اللہ کو فیون ملامت کی صند نیک اور خیر کوفیت کی صند نیک کا خور سے کوفیت ملامت کی صند ان نا کی صند اور اس کا ڈر سے سے ۔

نغاق سے عمل صّائع اور برباد م و تا ہے۔ ریاع عمل کوم دود بنا تا ہے۔ اصان خبلانا اور از ببت ویا صدقہ کے ٹواب کو بربا دکرتے ہیں۔ اور بعض مشّا ٹنج کے نزد کیسے من وا ذی سے اصل عمل کا ثواب صائع نبیں بوتا البت دگنا گذا تواب جو ملنا تعاوہ ضائع بوجانا ہے۔ لیکن بیک میں پرندامت بھی بالانفاق مل کو ہے کار کرتی ہے یجب سے اعمال کازائد تواب ضائع بونا ہے۔ اور صرت اور سنتی اور نوت ملامت سے مل کا تواب کم ہوتا ہے۔ اور عمل کی قدر و قیمت ناقص ہوجاتی ہے۔

میں کتا ہوں اعمال کا مقبول ہونا یا مرود وہونا اصحاب تعمیل کے نزدیک مختلفت می کنظمتوں اور نصانات

کی طرت رجرع کرتا ہے۔ اور اعمال کے حبط وضائع ہونے کی می ختلف صور تیں ہیں۔ بعض اوفات تو بالفعل عمال

کا فقع بریاد ہوتا ہے۔ اور بعض اوفات اعمال ہیں ریاء وغیرہ کی تحلی کے ہے کار مبوجانے کا سبب بن جاتی

ہے۔ بعض اوفات اعمال پر تواب منیں ملکا ساور بعض و فعد اعمال کا زائد تواب منیں ملکا۔ تواب توعمل کا اصافی

ہے۔ بی تعمال انسان کو ملنا چا ہیے۔ اور عمل کی حالت ثواب کی شقاصی اور اس کا قرینہ ہوتی ہے۔ اور تواب کا گوئ

ہے۔ بی تعمال انسان کو ملنا چا ہیے۔ اور عمل کی حالت ثواب کی شقاصی اور اس کا قرینہ ہوتی ہے۔ اور تواب کا گوئ

منام وجانا اصل تواب پر اصاف اور زیاد تی جو الشر تعالی انسان کو علما کرتا ہے۔ اور اعمال کی فدر و قرائی سے علی میں پیلا ہوتا ہے۔ شاگر نیک لوگوں سے حس سلوک کرنا مجی

بڑے تواب کی چیز ہے۔ مگر والدین سے حس سلوک سے پیش آنے بی اس سے بھی زیا دہ تواب ہے۔ پھر

ایک بنی سے حس سلوک سے پیش آئی نامیت ہی زیا دہ تواب کا باعث ہے۔ توبعض اوقات ایک علی کی میں میرے ذہی بی آئی ہے۔ اس کا تواب کا جو بھی اس کا جو اس کا تواب کا جو بیا تھا کہ شکہ کو خلا صد ہے۔ اس کا جو اس کا اس خوب و با ملک النو فیق

میں میرے ذہی بیں آئی ہے۔ اس کو انجی طرح سمجھور۔ و با ملک النو فیق



#### فصل

### عجب اور آباسے بیخے کے اُصول

تم پر عجب ورباء جبسی نئونناک نئے کا عبورا و قطع کرنا بھی صروری ہے بوکٹی طرح کی ہاکتوں اور رسنرنی کی وار دان کو ابینے اندر بیے ہوئے بھے۔ لدندا س بی سخست اختباطی صرورت ہے۔ مطاعات اور نیکیوں کا سرایہ رکھنے والے کے بیے ان گھا ٹیوں سے گزرنا بڑنا ہے اوراس راسنے کی تمام شنفتیں بڑتا کرنا بڑتی ہیں۔ اور ان گھا ٹیوں کو جور کرنے سے ہی عابد کو در مختبقت عبادت کا معزز اور عمدہ سرما بیاتھا کا کرنا بڑتی ہیں۔ اور ان گھا ٹیوں کو جور کرنے سے ہی عابد کو در مختبقت عبادت کا معزز اور عمدہ سرما بیاتھا کا سے ساوراس سرما ہے کا ضائع ہونے کا زیادہ فرز خطرہ اس گھا ٹی ہیں پیش آتا ہے۔ کیونکہ اس گھا ٹی ہیں رہز ن شیطان کے ایسے ایسے مفا مات اور اعمال کی نیا ہی و ہربا دی کے ایسے ایسے مواضع موجود ہیں جن بی اس سرما بیا کہ ایسے ایسے مفا مات اور اعمال کی نیا ہی و ہربا دی کے ایسے ایسے مواضع موجود ہیں جن بی اس مرما بیا کہ تو مات کو بیان کے دیتی ہیں۔ سب سے زیادہ کثیر الوقوع ، سب سے خطبی ہے دور سبز ن کی عبادت و طاعت کو بے کا رکز کے رکھ دبنی ہیں۔ سب سے زیادہ کثیر الوقوع ، سب سے خطبی ہے دور سبز ن ہیں۔ ایک رہا و دوسرا عجب ۔ لدنا ہم بیال ان دولؤں سے بچاؤ کے بیند صروری اور جا مع اصول ذکر کرتے ہیں۔ ان مناء الشرقع الی توان کے نقصانات سے بچاؤ ہے جائے گا۔

#### يبلااصول:

رباء كے بارسے بین سے پہلے ہیں خلانعالی كا برارشادنقل كرنا بوں۔

قداحاً طكل شي علماً ه. جدادراس كعلم فيرشف كااماط كيابوا بهد

اس آیبن بی الندسبحاندونعالی نے گویا یوں فرمایا ہے۔ بیں نے آسمان پیلا کیے اور زمینیں بیلا کیں ساوران دونوں کے درمیان اپنی صناعی کے عجیب وعزیب نونے بھی پیدا کیے، برسپ کچھ بپاک کے تیری نظر عرب کے حوالے کردیا تاکہ توخود منا برسے سے جان ہے کمیں قادر بھی ہوں، عالم بھی ہوں۔ ادراسے
انسان تیرسے نعمی ادر صعف کا یہ حال ہے کہ دورکعت نماز پڑتا ہے گراس بی بھی تجھ سے کئی طرح کی کوتا ہی
دا تع ہر جاتی ہے۔ اور کئی تم سے عیوب و نعا نص رہ جاتے ہیں۔ بی پچ نکہ قادر مہونے کے ساتھ ساتھ عالم
میں ہوں اس بیے تیری ان دورکعتوں کو اچھی طرح دیکھ دیا ہوں۔ مگر نوا بنی اس تغیرس عبادت کے بارے
میں میری نظر میرسے علم میری مدح و ثنا واور میری قدر دانی پر کھا بیت منبی کرتا۔ بلکہ تو اس کا طالب بوتا
ہے کہ لوگوں کو تیری اس عبادت کا حال معلیم ہوتا کہ لوگ تیری مدح و ثنا وکر ہیں۔ کیا بیرا بیرویہ وفا داری
کار دید ہے۔ کیا بید دانشمندی کی بات ہے۔ ایسا رویہ کوئی غلندا بنے لیے اختیار منبیں کرتا تھے پاؤسوں
تدر طری ہے میکی کا مظامرہ کرتا ہے۔

دُوسرااُصول:

جن فخص كے باس ايك نغيس شے بوجے بيج كروه لاكھوں د بناروصول كرسكتا بولھروه ايك بيسے كعصوم فروضت كردس توكيا يغطيم خسارا منيس كملاشه كابدا وربيرانتهائي درجه كانقصان نيس بوكاراور اس کا بیفعل اس کی بیست سمتی اورتعسورعلم کی دلیل منین گی اور بیراس کی کمزوری را سے اور بیطفلی کا نبوت بنين ومنروراس كالمعقلي كاثبوت ب - بعينه بي حالت اس بندي بيدي على مع والنه على سے خلا تعالے ک رضاء، اس کی فدر دا بی ، اس کی مدح وست انش اور اس کے تواب کو چیوڑ کر مخلوقات کی مدح وستائش ا در كميني دنيا كا طلب كارمور الشرتعالي كى رمناء وتنواب كمدمنفا بليدين تحلوق كى مدح وثناءا وردنيا كى طلبكارى لا کھوں دینارکے متعابلے میں ایک پیسے سے میمی کم جنٹیت رکھتی ہے بلکہ تمام دنیا وما نیہ ابکہ ایک دنیا نیں اس طرح كى بيسيوں دنيا بمي خلاتعالى كى رمناء كے ساھنے بيج اور بے حثيبت بيں۔كيا بيخسران مبين منيس كو البخي نعن كواعمال صالحه كمصعوص التدتعالى كاطرف سعد علنه والىعنا باستعظيمه ينزيفه كوجهو لأكران حقير ا در کمینی چیزوں کو چاہسے اور قبول کرسے۔ میم اگر کمینی دنیا کی چاہست ا ورکم ہمتی کا مظاہرہ کرنے سے بإزمنين أسكنة توبيربى آخريت بى كوچا بودنيا اس كيرسا تقنود بخود مل جائے گى ملكه صرف خداتعالیٰ كی رضاءاورخوشنودی کے ہی طلب گا رہنوا لٹرتعالیٰ تمہیں داربن کی معتوں سے مالا مال کردے گا ،کیونکہ وہ ونيا وأخرين سب كامالك بصداسي چزكوالشرتعالى اس أيتري بيان فرأ اسه-جشخص دنياكا لمالب بوتواس كودنيا كعي ضلا من كان يريد تواب الدنيا فعند

بى سے طلب كرنى جا جيےكيونكردنيا ما خرب

الله تواب الدنبيا والاخرة ـ

دونوں کی متیں اللہ تعالیٰ ہی کے پاس ہیں۔

حصنورنبی کریم صلی الشرتعالیٰ علیہ <del>در</del>م فرمانے ہیں۔

التدتعانى نيك اعمال كصطفيل دنيا بمي عطاكر

ان الله ليعمل الدنيا بعمل

دینا ہے۔ مگراعال دنیوی کے ساتھ آخرت

الأخوة ولا يعطىالاخسولة

عطانبیں کرتا۔

بعمل الدنيا ـ

نوجبتم نیت فالص کرلوا در آخرت کے بیے دنیوی افکارسے ہمت فالی کر لور تو تمیں دنیا و اخرت مل جائیں گی۔ لیکن اگرتم نے صرف دنیا کو ہی جا ہا تو انتخاب ہا تھے سے نکل جائے گی۔ ادر باادفات اُننی دنیا ہجی تم کو نہ سے گی جننی تم جا ہتے ہے ۔ افراصب منشا دنیا تم کو مل ہی گئی تو بچر ہجی وہ بنا دفات اُننی دنیا ہجی تم کو نہ سے گی جننی تم جا ہتنے تنے سے ۔ افراصب منشا دنیا تم کو مل ہی گئی تو بچر ہجی دہ بنددن کی بمارہ ہے۔ تو طالب دنیا بن کرتم نے دنیا وا خرت دونوں کا خسارہ مول سے لیا۔ لمذا دانشمندی کا نبوت دو۔

تبيىرائصول:

وہ مخلوق جی کے لیے ہم کام کرو گے اور جی کی رمنا کے طالب بنوگ اگراسے معلی ہوجائے کہ تم اس کی رمنا کے لیے بید کام کررہے ہوتو وہ تنہیں بڑا جانے گی اور تم پر ناراض ہوگی۔اور تنہیں ذہبل اور بلکا جانے گی۔ نوا بک عفلمند آ دمی اس کے بیے کوئی کام کرنے کو تیار تنہیں ہوسکت جس کواگر بینہ چل جائے کہ وہ میری رمنا کے بیے کام کررہا ہے تواس پر ناراض ہو۔ا وراس کو ذہبل جانے لدارا سے سکین بند ہے اس کی رمناء و نوشنودی کے بیے کام کراوراس کوا پنا مقصود اور اپنی کوسٹ شوں کامرکز بنا ہو بچھ سے مجمت کرے۔ جو تجھے نمت عطا کرے اپنی رحمت بچھ بر تجھا ورکرے۔ تیری عزت کرے۔ بہاں تک کہ مجمت کرے۔ جو توشنودی میں بھا۔ میں رماہ ورتواب دے کرخوش اور رامنی کرے۔ اور تجھے سب سے بے نیاز کر دے۔ اگر توعفلندہے تواس نکت کو ذہن ہیں بھا۔

بجوتفااتصول:

جن خص کے پاس کوسٹن وسی کا ایسا سرما یہ موجود ہوس کے ذریعہ وہ دنیا ہیں سب سے مرحد یا دنیاہ کی نوشنودی نوحاصل مرحد یا دنیاہ کی نوشنودی نوحاصل مرحد یا دنیاہ کی نوشنودی نوحاصل

ندكرے بلكه اس سے ابك جارد بكش كى رضاء ونونننودى كانوا باں بنے نواسس كى برحركت اس بان كى دليل بهد كريتخص ب ونوف اوراحمق ب رمائب الرائ تبس برنجت اوريزمت به، سب لوگ اسے کمیں گے جب عظیم بادشاہ کی نوٹننودی حاصل کرنا بنرے بیے مکن تفانوتیے اسے ترک کر کے ایک جاردب کش کی خوشنودی حاصل کرنے ہیں کی مبنزی محسبس کی۔خامی کڑیجب کہ بادشناہ کی نارامنگی کی وجہ سے وہ جاروب کش ہم تجھے سے نارا من ہوگا۔نواس طرح دونوں کی خوشنودی سے تو یا تھے دمسو بیٹھا۔بعبنہی حال رباء کارانسان کاسے۔ جب کدانسان الشررب العالمین کی بوانسان کی نمام مهمانت ومشکلات کے لیے کافی بدر منا واور خوننودى ماصل كرسكنا ب - نوخفر ضعيف ديه ونعست محلوق كى رمناجى كى كيام ورست وماجت بصري اكرنمهارى بمبت كمزودم واورتم بعيرت سصفال موكدلامحاله دمنا ومخلوق كمعيى لحالب بنونوابي معورت بس بعي تميس إباالاده عبرى رضاء صفالى كرناجا ببصاورابني سعى وكوستنش فالعس فدانعاك کے بیے ہونی چا بہے کیونکہ لوگوں کے قلوب اوران کی پٹیانیاں اس کے قبعنہ میں ہیں۔وہ دلوں کونبری طرت جھکا دسے گا-اورنفوس انسانی کونبراگردیدہ بنا وسے گا اور توگوں کے بیٹے نیری مجست والغت سے بربزکر د سے گا ۔ نواس لمرے نہیں وہ کچھ ملے گا جونم اپنی کوشنش او تنصدوا را و۔ سے سے حاصل نہیں کرسکتے تھے كين اكرتم إن كويت عشون كوندا تعال كے بيے خالىس ندكر ديلكدرضا و مخلوفات كے بى طالب بنوتواليم سورت بیں الشرنعان دگرں کے دل نم سے بھیرد سے گا۔اور توگوں کے دنوں بیں تیرسے منعلق نفرن ڈال دسے گا۔ ادر مخلون کو تجدبرِ نالاص کردیسے گا۔نو تمہارسے اس روبے سے خلاتعالی بھی نالاص موگیا اور مخلوق بھی نالاص برگئے۔ نوابیے نیخس کے خسارے اور محروم کاکیا ٹھکانا۔

حكايت،

سعفرن حن بعری رحمنه الشرطید سے منقول ہے کہ ایک شخص کماکرتا تھا خدا کی تسم بھی ایسی جا دت

کردں گاجی سے لوگوں میں میرا چرچا مہور پشخص نماز کے بیے سب سے بہلے مسجد ہیں داخل مبونا ادرسب
سے اخرسے دکلتا۔ اوقات نماز بیں ہرونت نماز پڑھتا ہی نفراتا۔ ہمیشد دوزہ دار بہنا مجالس ذکر
میں با بندی سے مشریک ہوتا ۔ سات ماہ کا خرصہ دہ اسی طرح کرنا رہا ۔ بیکن اس کے متعلق لوگوں کا مذہبہ
بی با بندی سے مشریک ہوتا ۔ سات ماہ کا خرصہ دہ اسی طرح کرنا رہا ۔ بیکن اس کے متعلق لوگوں کا مذہبہ
بی فلاکہ جب بھی کہیں۔ سے گزرتا نوسب ہوئے۔ بین کھنے الشد نوالی اس ریا کا رکو سے اور شیعلے۔ آخراس نے
بین فلاکہ بین ملامت کی اور کھا کہ مبری عبادت اور بندگی نوصائع گئی اور اس کا کچھ نتیجہ نبین نکالہ اکنیدہ کے
استہدا ہے بیر ملامت کی اور کھا کہ مبری عبادت اور بندگی نوصائع گئی اور اس کا کچھ نتیجہ نبین نکالہ اکنیدہ کے

بیے بی بندگی دع ادت مرت رمناالئی کے بیے کروں گا۔ اس نے عبادت بیں بیدے کی نبست مزید اضافہ نہ کیا۔ بلکدانتی ہی مقدار میں کرتا رہا جننی مقدار میں پہلے کرنا نفا۔ اس نے صرف نبیت بیں نبد بلی کی دراس میں اخلاص پیدا کیا۔ اس کے بعد جمال سے بھی وہ گزر تا سب بھی کہتے الٹرنغال فلان شخص پر رحمت نازل فرمائے۔ برحکا بت بیان کرنے کے بدر حضرت امام حس بصری علیہ الرحمنہ نے بیرا کیوجی

إِنَّ الْكِنِينَ الْمَنُوُّ وَعَمِلُوا الصَّيلِ خِيتِ بِعِلَوْلَ اعان لا مُعادد عَلَم كِدالتُرْواكِ اللهِ اللهِ عَدد مِن الرَّح اللهُ اللهِ عَدد مِن الرَّود واللهُ اللهُ الرَّح المن وُقَدًا و مَن الرَّود واللهُ الرَّح اللهُ وَقَدَّا و مَن اللهُ الرَّح اللهُ الرَّح اللهُ وَقَدَّا و مَن اللهُ اللهُ الرَّح اللهُ وَقَدَّا و مَن اللهُ الل

بعن الشرتعال نود بھی ان سے دوستی کرسے گا اور لوگوں کے دلوں بیں بھی ؛ ن کی دوستی اور مودنت ال دیے گا۔

### کی نے بہت تھبک کہاہے:

د١١ يأمبتغي الحمد والنثواباً في عمل تبتغي همالا

(٢) قدخيب الله ذاس ياء وابطل السعى والكلالا

(٣) من كان يرجولقاء رب اخلص من خوفهالفعالا

(١٧) الخلدوالنارفي يديه فرأنه يعطيك النوالا

(٥) والناس لايملكون شيئًا فكيف رايتهم خيلالا

#### نرجمهاشعار:

(1) اسالوگوں سے ممدوثواب کے طالب نواہے عمل سے ایک امر محال کا تصدر کررہا۔ ہے۔

(۲) الشرّفال رباء کارکوناکام ونامرادکرنا-ہے۔ س کسمی اورشفنت کہیے کارکر د بناہیے۔

رم) بوملافات رب تعالی کا میددار بوده اس بھے ڈرسے اپنے افعال میں اخلاص بیداکزناہے۔

(مم) جنت اورد درخ اس کے ہانند بی بیں۔اس لیے اپنے ایمال اس کود کھا وہ تجھے اپنی عطا ڈں سے مالا مال کرد۔ےگا۔

(۵) دگوں کے قبصنہ اختیار میں کچھنیں۔ توہے مجھی کے باعث ان کے بیے رہا، کاری کیوں کے تاہے۔

# عجب كابيان

بم اس سے بجاؤ کے بیے بھی چند حنروری اورجامع اصول بیان کرتے ہیں:

پیلااصول یہ بے کہ بلا شبہ بندسے کا فعل اسی وقت مغیدا ورقابل اعتبار مہوتا ہے جبکہ اسے محف صول رضا اللی کے لیے کیا جائے۔ ورشاس کی مثال اس مزدور کی طرح ہوگی جو کہ سالادن دو در صموں کے لیے مالا مالا بجر تاہے اوراس چو کیدار کی طرح ہوگی جو صرف دو پیروں کے لیے تمام رات جاگتے اپنی آنکھوں سے نکال دیتا ہے اورا یے مبیا کہ کار وباری کو گرے معنی جزد کموں کے لیے شب وروز اپنے ادتات عزیزہ کو ضائع کرتے رہتے بی تو ہوجب مبیدہ شائع محف جند کموں کے لیے شب وروز اپنے ادتات عزیزہ کو ضائع کرتے رہتے بی تو ہوجب بندہ شائع محف اللہ تعالی کی خوشنودی کے لیے ایک روزہ رکھتا ہے تو یوں مجھنا چا ہیے کہ اللہ تعالی کی خوشنودی کی وجہ سیدہ منز محف اللہ تعالی کی خوشنودی کی وجہ سیدہ منز میں میں کہ دراکی مثال منبی میں کہ رب تعالی نے خود فرایا ہے۔

مشكلات پرمبركرنے والوں كوبے شما را جرد ياجائے كا۔

انها يوقى الطنبرون اجرهم بغيرحساب

اسی مدبیث شریعت بس دار دسیے۔

بی نے اپنے روزہ دار نبدوں کے بیے ایسا اجرمتیبن کردکھاہے میں کوکس آنکھ نے دیجھا تک نیس اور نہ بی کسی کا ن نے اسے منا اور نہ بی کسی کے دل پر اس کا کھٹا تک گزرا۔ منا اور نہ بی کسی کے دل پر اس کا کھٹا تک گزرا۔

اعددت لعبادی الصائد بین ماکا عین دأت و کا اذن سمعت و کاخطم علی قال باشد -

بېرمسورت بنده حبب الشرتغالي كے يدا بك روزردزه ركفتا بناوره كي تيمن اوراجريدانلازه بو جانا به اسى طرح اگر بنده كسى رائ محفر صحول رصا النى كى خاطرتيام كرتا به تواس اغتبار يدينيام ببشما راعزازا لا ابنهام كامستن موجانا به جيباكه الشدنبارك و تعالى نے فرايا ب

کر نفس کویے علم نبیں کہ اس کے اعمال کا بدلداس کی آنکھول کے بیے کس تندر شنڈک کا موجب موگا۔ کے بیے کس تندر شنڈک کا موجب موگا۔

فلانعلم نفس ما اخفی لهم من قرة اعین جزاء بما کا نوا بعملون ه

برسنج بہمعولی عبادت می قبیت دو درحم یا روپیہ تقی جبکہ اللہ تنائی رضا کے بیے کی جائے تواس کے بیار میں جائی ہوئے تواس ک بیے بہا قبیت ہوجانی ہے جلکہ یوں سمجھنے کہ اگر ایک کی گھڑی بیں محفی رضا النی کے بیے دورکتیں پڑھی جائی بلکہ ایک سانس جس بیں لاالدالاالشداللہ تفالی کونوش کرنے کے بیے بڑھا جائے جبیا کہ النہ تفالی نے ارشا دفرایا ہے۔ بوتخص نیک عل کرے مرد جویا عورت بجکروہ ایبا تدار موتودہ جنت بی داخل ہوں گئے جمال انہیں بالصاب و کتاب کھانے کورزق دیا جائے گا۔ ومن عمل صكالحا من ذكر اوانتى . وهوم ومن فاوليك يدخلون الجنة برزقن فيها بغير حساب.

#### مراب:

توب ایک سانس میں کا دنیا داروں کے ہاں کوئی عزت وقیمت نیس جبکہ اس کور مناالئی کے تعسول کے

ان اوقات عزیزہ کو نفنول اور بہبودہ کلاد ہومی ضائع کرتا ہوا نظرا تا ہے ہیں عفلند کو یہ سوئیا جا ہیے کہ وہ فعل ان اوقات عزیزہ کو نفنول اور بہبودہ کلاد ہومی ضائع کرتا ہوا نظرا تا ہے ہیں عفلند کو یہ سوئیا جا ہیے کہ وہ فعل ہو کہ بلار مناالئی کچے قیمیت نمیں رکھتا تھا و ہی تعسول رضا الئی کے نظریہ سے کس قلار شرافت اور احرت ام کا مستی سوچا باہے سواس کا ہر نعل خوشنودی خلاکے لیے ہونا لازی ہے تاکہ دنیا وائز مت بی ہر طرح سے مفید تا بت ہوا ور اس کی لیوں ایک مثال دی جا ساتھ ہے کہ شکل انگور کا گوشہ یا ریجان کا شگونہ جس کی بازار میں ایک ومطری یا بیہ تیجیت ہوا گرکوئی اس کو یا دشاہ کی خدمت ہیں بطور ہر بر بیش کرے اور وہ وہ بادشاہ اس تغیرے تخور کوئز ون تولیت بخش اور نوشن سے ایک ہزار دینا کی کیفیت ہے کہ ان کو دیکھ کو قبول نے کہ ان کا مناز کی مناز کا ان کو میں ہوگئی اور اگر وہ اس کو جدرے ایک ہزار دینا کی کیفیت ہے کہ ان کو دیکھ کو قبول نے کہ ان کا مناز کی مناز کی مناز کی خفیر کرنا بندے کے لیے ایک ملک شی ہے بلکہ براتو ان کی مزوری ہے کہ اے الٹر میں میں ہو جب ایک ملک شی ہے بلکہ براتو ان کی مزوری ہے کہ اے الٹر میں میں ہو جب ایک ملک شی ہے بلکہ براتو ان اور دوسروں کے اعمال کی نفیق کر منا بندے کے لیے ایک ملک شی ہے بلکہ براتو ان اور وہ میں بیا وہ نوب ایم وقوال وافعال و نیا وہ نوب وہ وقوال ہوں۔

اورددسراامس به سه کنمبین معلوم سه که دنیا کے بارشاہ جب کس اُدی کوکوئی کھانا یا مشروب یا باس با جندابک فانی درم و دنیارعطاکرتے ہیں تو وہ اُدی دن را نساس بارشاہ کی فدمت بربالا اسے حالانکہ اس فدمت بی ذلت بھی ہوتی ہے وہ اس کی فدمت ہیں اس طرح کھڑا رہتا ہے کہ اس کے پاؤں بے جس ہوجاتے ہیں اورجب با دنناہ ابنی سواری برسوار ہوتا ہے تو وہ اس کے سائفسا نے دوڑتا ہے کمی ساری ساری را نساس کے دروازہ پر بہرہ دیتا ہے اورکبی دشمن سے متعا بلہ کی نوبت اُتی ہے توابی وہ جان اس پر قربان کر دنیا ہے ہوا سے بی کہوں موس کے برداشت کے اور نظمان مورت اس تفور اُس کے دروازن کی دروائن کی اور بر تمام خدمت اور تکلیف اور خطرات اور نظمان صرف اس تفور ہے سے متعقر منافع کے بیے برداشت کر جاتا ہے مالانکہ حقیقت بی بیر تمام اس اللہ تعالی کی طرف سے مہوتے ہیں اور با دشاہ صرف ایک طا بری

مبب موتا ہے۔ پیرنیراوہ رب جس نے تھے پیاکیا جکہ تبری کوئی خفیقت ندنتی پیرنیری تربیت کی اور بست الجبى كى تعير تجعه برديني دنياوى اورجانى ظاہرى اور بالمنى منافع كى تجھ بريارش برسا دى كريم تحصف سے بنرى عفل، فهم اورفراست قامر ب خلاد ندنعالی فرمانے ہیں۔ 

(الأية)

بجرد بجدكة نودوركعت نماز بإصناب بن بن كئ ابك تصورا دركذنا ببال بونى بب اور بجراس كے با وجود اس نے تجھے سے آئندہ کے بیے بہترین جزاا در رنگارنگ نواز شان کا دعدہ فرمار کھاہے اور پھر تو ا ن رکعات کوببت کچھمجننا ہے اوران برمغرد رہزنا ہے اگرنوغورکرے گانو تجھے معلوم ہوگاکہ بیغفلمندی كاكام سبب-اسے يادر كھ-

اورنبسراا مل ببهد به كدايها بادشاهي كاخدمت دنيا كمه بادشاه اورامراء كريت بول جس كى خدمت بي برسے بڑے اورسردارلوگ دست بسند کھوے ہول جس کی خدمت بہددانا یان زمانداورعقالوع عمر فخصوس کرتے ہوں جس کی تعربیت عقلاء اور علماء کرتے ہوں جس کے آگے آگے رؤسا اور اکا بردوڑتے ہوں وہ بارشاہ اگر كسى بازارى بادبيانى آدمى كومحن ابنے فعنل وكرم سے ابنے دروازه پرما منر بہونے كى اجازت بخش دسے جس کے دروازہ پر بادشا ہوں۔ بھے توگوں۔ سرواروں اور علماء و نصلای بجبر ملی ہواور تھے وہ بادشاہ اس کو ایک معززمنفام برجكه دساوراس كمغدمن كونبظري بندد يجع مالانكهاس بي كئى ابك عيب بعى بون توكيا يهنين كما جلتے گاکداس حقیرانسان بربادشاہ نے بہت بڑاکرم فرایا رہے اگر بیختراینی ناکارہ فدیمت کی وجہسے بادشاہ برا بنا اصان جناف مكداوراس كوسبت بجه يمحداوراس بريغرور بوزكيا يرمنبس كما جائے كاكدوه مدور مركابيوتون اور بالگان دی ہے سے کوئی کسی تم کا ہوش نبیں ہے۔ سبب بیربان ثابت ہوگئی نواب سمجھنا جاہیے کہ ہما را معبود برحن ایک ایدا با دشاه سهری نسیحات آسمان زمین اوران کی تمام موجودات کرر بی سے۔ كوئى چيزايسى نبيس جواس كى حمدا ورتبيع نهبان وَإِنْ مِنْ شَيْءِ إِلَّا يُسَبِيعُ بِحَمْدِهِ

ا درا بک ابیامعبود ہے س کے سامنے تمام آسمان اور زمینیں سجدہ ریز بین نواہ خوشی سے یا ناخوشی سے اور اس مح عنب عالیہ کے فقام میں سے بیں جبر بل امین ، میکانیل ، اسرافیل عزرا ثیل اورع ش المغانے والے فرضتے۔ کرد بی اوررد مانی اور تمام ملائکہ مقربین کوئی تعداد کو الشدرب العالمین کے سواکوئی بھی نیس جان ا با دمجود بکہ ان کے مقامات بڑے لیند بیں ان کے نفوس پاک بیں ان کی جا دت بھی میست بڑی اور زیادہ ہے۔ اور پھراسی کے باب عالی کے خادم بیں نوع ، ابرا بتم ، موسی ، عیشی اور محد مجود تمام کا ثنات کا خلاصہ بیں اوران کے علاوہ دومرے انبیاء اور رسول بھی خدا تعالیٰ کی ان پر دخمتیں اور سلام نازل ہوں حالاتکہ ان کے مرانب بڑے بندان کے مناقب عزیز اور مقامات بزرگ اور عادات جلیل بیں۔ بچر علماء۔ اٹمہ۔ نیک لوگ اور زا ہد بھی ا بنے بزرگ مرانب اور بابک اجسام اور عبادات کنٹرو خالصہ کے با وجود بھی اسی کیچ کھٹ کے غلام ہیں۔

اورونیا کے بادشا ہ اور جابر لوگ اس کے دروازہ کے ایک اوئی خادم بین نمایت ذکت ہے اس کے سابغہ سیدہ رہز ہوتے بین نمایت خفوع وخشوع سے اس کے سابغہ اپنے بچرے خاک پرر کھنے بی روروکر عاجزی کے ساتھ اپنی حاجزیں اس کے سابغہ بینی کرتے بیں اس کی ضلاوندی اوراپنی غلامی کا اقرار سجدہ عبود میت سے کے ساتھ اپنی حاجزیں اس کے سابغہ بینی کرتے بیں اس کی ضلاوندی اور پنی غلامی کا اقرار سجدہ عبود میت سے کرنے بیں ۔ پیمرود کھی ان کی طون نگاہ اعفا تا ہے اپنے نفسل وکرم سے ان کی حاجتیں لوری کرتا ہے اپنے کم سے ان کی تعقیر ان سے درگزر کرتا ہے ۔ اور پھر اس نے اپنی اس عظمت اور جلال اور بادشا ہی اور کمال کے تجھ کو باوجود نیری حفارت ، نیرے عبوب اور نیری گندگی کے اس بنے دروازہ پر حاصر ہونے کی اجازت نہ ہے اگر جود نیری جناگر کے اپنے تاہم کے سابغہ سجدہ دریز وہ تنہ کے سردار سے درا ملدی اجازت نہ ہے گاگر اپنے شہر کے سابغہ سجدہ دیز سیار کو وہ تو وہ تھ سے نہ ہوئے اوراگر تو اپنے شہر کے حاکم کے سابغہ سجدہ دیز وہ تو وہ تا کہ اوراگر تو اپنے شہر کے حاکم کے سابغہ سجدہ دیز وہ تو و

اوراس الشدنے تجھے اجازت دے رکھی ہے کہ تواس کی عادت کرے اس کی تنا کے اسے مخاطب کرکے بلکمانی حاجیں اس پر بیش کرے دل کھول کر با بیل کرے ابنی صرور بات اس سے مانگ سے اور وہ نیری نمام مرادیں پوری کرت ۔ بھروہ نیری ان دور کعنوں سے خوش ہے حالانکہ ان بی بہت سے عیوب بیں اور کھی ال برات نا نواب عطافر ما آب کہ کسی انسان کے دل بیں اس کا نصور بھی نہیں آسکنا اور بھر توابنی ان دور کعنوں پر مغرور ہے اور ان کو مبت بھے محمقا ہے اور بڑا جا ننا۔ ہے اور اس محا ملہ بیں الشرفعالی کے اصافات کو منبی بھتا تو کتنا بڑا اعلام ہے اور کتنا جا بی انسان ہے ۔ الشرفعالی بی سے مرد کی در خواست ہے اور اس جا بی نفسی کی شکایات اس کی بارگاہ بیں بیں اور مرون اسی پر بھرور سہے۔ اس کو بادر کھو۔

فصل:

اب ایک اورطریقیہ سے دیجیور اگرکوئی بست بڑا بادشاہ تخانف اور بدایا ندر کرنے کی اجازت بخشے اور اس کی بارگاه بین امراء کبراء سروسا ،عفلااوردولت مندلوگ قیمتی مبیرون بفیس دخیرون اور بسے انداز مال و دولت كے تعانف بیش كرنے لكير مجراكركونى سبرى فروش كوئى معمولى سبرى ياكوئى دىياتى انگوركا كچھا بیش كرسے مس كى تىمىت ا یک دمڑی یا ایک رتی مجرمواوران بڑے بھے اوگوں اوردولت مندول کے گروہ میں گھس جائے جو بہترین تحانعت بے کر کھڑے ہوں اور میبروہ بادشاہ اس نقیرسے اس کا بدیب بول فرا سے ایسندیدگی اور تبولیت ك نكاه-سے ديجھے اوراس كے بيے خلعتِ فاحرہ اورعوت واحترام كا حكم صادر فرائے توكيابياس كا انتما أي فضل كرم نه بوگار كم براگر به نقر بادشاه به اصان بتلف لگے اورا بنے بربر كومبن كچھ سمھے اور بادشا ہے اسسان كا ندكره كرنا بمول جائے توكيا سے ديواند-برحواس يا بروقون اور برتميزاورانتها في نادان سمجها جائے گا اب تجدر للزم ب كرجب نوخلانعالى كے سلمنے كمورا بواوردوركعت اداكرے توفارغ بونے پردراسوج كداس داست بس الشدنعالى كى بارگا و بس كنف خادم كھرسے موسے مبول گے زمین كے خلف گوننوں ہیں۔ جنگلوں سمندروں ربیا دروں اورشہروں میں کئی ایک استقامیت واسے۔ صدیق مفائف مشتباق مجتندین اور عا جزی کرنے والوں کے گروہ اور خورکر کہ اس گھڑی ہی خلاف ند تعالیٰ کی بارگاہ بی کتنی ہی خالص عباد ن اور کھوٹ سے مترا خدمت پیش مبور سی موگی اوروہ می ڈرنے واسے لوگوں، پاک زبانوں، رونے والی انکھوں۔ آباددلوں۔ پاک ببنوں اور برمبزگار توکوں کی طون سے اور نبری نماز اگر جبر تونے اس کواچی طرح اداکریتے بیں اس کے اظلام اورمعنبوطی بیں اپنی طاقت کے مطابق کوسٹنش کی موگی لیکن بجربوی اس بادنشادہ عظیم کی بارگا ہ بیں بیش ہونے کے فابل کماں ہے اوران عبادات کے مقالمے میں اس کی کیا جثیب سے جدد ہاں پنی بورسی میں کیونکہ نونے اسے غافل دل سے اداکیاجی بس طرح طرح کے عیوب شامل تھے بدن گناموں کی اود گیسے نا پاک تھااورزبان نفسول اورگناه کی اِنوںسے تعمری موئی منی بھرایسی نمازاس کی بارگاہ میں بینی مونے کے قابل کمال منی اورب العزت کی بارگاہ بیں بربیرے کی اس بی کونٹی صلاحیت تقی۔

ارکاہ بی بدببرے ما ۱ ماری و ما ماری کا است خفلند عور کرا سمان کا طوف نماز میں بین تر نے کہی دہ تو فہا کہ ہمارے شیخ رحمہ الشد نے فرایا اسے خفلند عور کرا سمان کا طرف نماز میں بین تر نے کہ بین کرتے وقت تو کرتا ہے۔ ابو مکر دیدا ق فرما باکرتے کہ جب بی نماز سے مرکز کا میں میں استے کھانا پیش کرتے وقت تو کرتا ہے۔ ابو مکر دیدا ق فرما باکرتے کہ جب بی نماز ہے۔ فارغ ہوئی ہو۔
فارغ ہونا ہوں نواس عورت سے زیادہ مشرمندگی مجھ پرستھ ہو میانی ہے جوزنا سے فارغ ہوئی ہو۔

بميرالندتعلى ببحاند في محض البند فعنل وكرم سعدان دوركعتول كالدا فزانى كا وران يرمبن بشد تواب كاوعده فرمايا حالانكه نواس كاغلامهداس كاديا ببواكمها نلهداد دميريهم لمعيماس كي تونين اورا ملادسد تون كيديد مجريا وجودان نمام چيزول كے نوان پرمغرورہے اورا پنے اوپرالٹرنعالی کے احدان کومعول رہاہے۔ خلاکی تسم بہتمام عجاثبات مين سيعجيب بين سيداد الماس كامدورا يسع جابل بى سعى دمكنا بيع مى كوئى عفل زموا درايير غا فل سے عبی کاکوئی ذہن نہ ہوا وں یا بھیرکسی مروہ ول سے عبی بیں کوئی میللٹی نہ ہوراس کو با در کھے۔ ہم الشد نعالیٰ ہی سے اس کے فغل وکرم کا واسطہ دے کرمبترین کنا بہت کا سوال کرتے ہیں۔

فصل:

میران گذارشات کے بعد میں کہوں گاکہ اسے انسان اس گھائی میں اپنی خواب فغلنت سے ببیار مو ور نہ خساره المقاشے گا۔ بیگھاٹی بڑی سخنٹ ومٹوارگزار۔ نهابین کڑوی اورنقعیان دہ ہے جو بخصے اس راہ میں بیش آنی ہے كيونكه ليجيلى نمام كمعاثيول كمي ثمراست بيئ أكرنتن بوشفي اكرتوبيال سعه بيج كزمكل كيا توغنيمين ا ورفا نُده مامل ريَّةٍ ادراگردوسری طرح کامعا لمه موانوتمام محنت را ٹسگاں مباشے گی امبیریں خاک بیں مل جا بیٹن گی بجرصائع ہوجا ہے گی ۔ ميراب معامله ببهت كه اس گمعا في في نين اموراً كرمخنع بو گفت بير-

بيلابه ہے کہ معاملہ نمایت باریک ہے اور نقصان بڑاسخست اورخطرات ہے انداز رمعاملہ کی باریکی تویہ ب كداعمال بي ريا واورعجب كى را بين نهايين باريك بين ان پرديني اموريس بعيرت ركھنے والار نهاييت عفلمند بيداردل اورمبوست بياداً دمى بي مطلع بوسكتا بصاورا يك جابل - كمندُرا اورغغلست كي ببندسويا بوما آ د مي

بن نے آبینے علما وکرام رحمم الشدسے بیشا پور میں سنا بیان کرتے تھے کہ عطا وسلمی رحمۃ الشرعلیہ نے ایک پڑا نهايت الحجا بنابرانوبعوديث كيزا تيارمواآب استداهاكر بازاري كفادر بزازكوماكرد كمعاياس نعاس ك تيمنت ببست فغور كا في اوركماكراس ميں فلاں فلاں عيب بين توعطاء نے اس كودايس ہے ليا اور رونے مگے اور براسخنت روشے بزازکواس پرندامت ہوئی اورآپ سے معذرت کرنے سگا اورعطاء کی مانگی ہوئی تیمنت دینے يرتيار ہوگیا توعطا ونے کہامی اس ہے منیں رویا۔ بلکہ دونے کی وجریہ ہے کہ میں بیمنعنت جا نتا ہوں میں نے اس كيوس كامضبوطى اورددمتى اورنوبعورتى بيربسن كومشسش كابيان كمسكرميرى وانسست بيراس بيركوني عيب نه تفارهچرجب اس کے بیوب کو جانتے واسے پر پیش کیا تو اس نے اس کے بیوب ظاہر کردیے جن سے بس بے خبر

تعابیر بهارسه ان اعمال کاکیا مال موگا جکه کل وه خلاوندنعان کیمعنوییش کیے جابی گے معلوم نبیں ان برکننے عبوب اورنقعان فلا برہوں گے جن سے آج ہم بے نبریں۔

بعن نیک دو سے دوایت ہے کہ میں ایک دات سوی کے وفت برلب سوک ایک بالا فانے برسورة کلئر پھرھ دیا تھا برج بیں نے سورة کوختم کرلیا۔ تو مجھے کچھ او گھرسی آگئی ہیں نے نواب ہیں دیجھاکد ایک آدی آسان سے نازل بہوا اس کے بند بیں ایک مجمع فرتھا اس نے وہ میرے ساسنے بھیلاکر کھ دیا نواس میں وہی سورة کلا تھی ہو ٹی فتی اور ہم کھر کے نیچے دس نیکیاں تھی ہو ٹی فتیں۔ گرایک کلم میں نے دیجھاکدوہ شاہوا ہے اوراس کے نیچے کچھ بی نہیں لکھا بھوا۔ بیں نے کہا ہی نے میں اور تاس کا نواب تھھا ہوا ہے نہ یہ کلم ہی تکھا ہوا ہے ۔ نواس آدی نے مائم میچے کتے ہوئم نے اسے پڑھانو تھا اور تاس کا نواب تھھا گر ہم نے آسمان سے ایک آواز دینے والے کوسنا اس نے کہاکد اس کلہ کوشا دوا وراس کا نواب بھی ختم کر دونو ہم نے اس کوشا دیا۔ اس آد می نے کہاکہ بیں اپنے خواب ہی میں رونے سے لگا اوران سے پرچھاکہ تم نے ایساکہوں کیا تو اس نے سواب دیا کہ ایک آدی سوک پرسے گزوا میں میں رونے سے لگا اوران سے پرچھاکہ تم نے ایساکہوں کیا تو اس نے سواب دیا کہ ایک آدی سوک پرسے گزوا میں کونا نے کے بینے تم نے یہ کلمہ بلندا واز سے بچرہا تھا تو اس کا نواب ختم ہوگیا۔ اس کو یا دراکھ۔

تو اس کورنا نے کے بینے تم نے یہ کلمہ بلندا واز سے بچرہا تھا تو اس کا نواب ختم ہوگیا۔ اس کو یا دراکھ۔

تو اس کورنا نے کے بینے تم نے یہ کلمہ بلندا واز سے بچرہا تھا تو اس کا نواب ختم ہوگیا۔ اس کوریا۔ اس کوریا کوریا۔ اس کوریا

باتی رہی نقصان کی شدت تواس کی و مبر ہہ ہے کہ ریاءاور عجُب ایک بہت بڑی آفت ہے جوا بکے تط میں صاقع ہوجاتی ہے اور بسااو فات سنرسال کی عبادت کو بگاڑ کرر کھ دبنی ہے۔

بیان کیا جا تا ہے کہ ایک آدی نے سفیان توری رحمہ الشداور ان کے سائفیوں کی ضیافت کی تو اپنے گھروالوں سے کہا کہ اس تفال میں روٹی رکھ کر لاؤ ہو میں دوسرے جے کے موقع برلا با تفا پہلے جے گھروالوں سے کہا کہ اس تفال میں روٹی رکھ کر لاؤ ہو میں دوسرے جے کے موقع برلا با تفا پہلے جے واسے نفال میں روٹی نہ لانا توسفیان نے اس کی طرف د بجھااور کہا کہ اس مسکین نے اننی سی بات بیں اینے جے کو یا طل کر دیا۔

اور بعض نے نقصان زیادہ ہونے کی برنوجیہ کی ہے کہ دہ تفور کی سے بادت ہوریاء اور عجب سے سالا رہے اس عبادت کی تیمت خلاتعالی کے نزدیک ہے انداز ہے اورالبی بہت سی عبادت ہے یہ آفت بینجی جائے اس کی کوئی قیمت منیں رہنی گرید کرالٹہ تعالی اس کو بیچا ہے جبیبا کہ صفرت علی صفی الٹہ عند سے منعقول ہے کہ آپ نے فریایا مقبول عمل کم میں مہزنا - اور مقبول عمل کم موہمی کیسے سکتا ہے امام نحی سے بہ جیجا گیا - کہ فلان فلان عمل کا کتنا تواب ہے آپ نے فریایا جب وہ قبول موجا نے توان

ك تواب كى كو ئى مدينيس-

اور دسب سے دوایت ہے کہ بیلے لوگوں ہیں ایک اوجی تفاجی نے سترسال تک الشرتعالیٰ کی مجاوت کی ایک بیفتہ کے بعدروزہ افطار کیا کرنا فغالی نے الشرتعالی سے ایک صابحت کا سوال کیا تواس کی دہ ماجت پوری کردی جاتی فئی ۔ وہ اپنے نفس کو ملامت کرنے سگا اور کھنے لگا اگر نیزے پاس کوئی بعلائی بدوتی تو تیزی حاجت پوری کردی جاتی تو الشرتعالی نے ایک فرشنہ کو نازل فرما با اور کھا اسے آوم کے بیٹے نیزی وہ ایک گھڑی جس بی تو نے اپنے نفس کو سے بیٹے بیٹری وہ ایک گھڑی جس بی تو نے اپنے نفس کو سے بیٹے بیٹری وہ ایک گھڑی جس بی تو نے اپنے نفس کو سے بیٹر ہے۔

بب كنتا موں كوعفل مندكواس كلام برعوركرتا جا ہينے كيا بيزنديدنقصان نبيں ہے كدايك أو مى سترسال تك تكليف اورمنت أنصلف اوردوسراايك كمطرى سويج ببجاركرس نوائس كمايك كمطرى كاكرات تعانى كمانحذوبك سنرسال كاعبادت سے انفنل ہو مبلئے۔كبا بيغلم نقعان نبيں ہے كہ سترسال سے ابك كھڑى زيادہ مبتر بمعطائے ا درسنرسال کی نمام عبادت بریکار چلی جلنے رخدا کی تعم بربست بڑا نقصان ہے۔اوراس سے بے خبرر بنا اِس سے بی برانفصان ہے اور وہ خصلت جس کی برقیمت ہوا درا بیے خطرات موں صروری ہے کہ اُس سے ا جنناب اور بربيزى جائے اور إسى منى بىن عفل مندلوكوں كى نكا دايسى بار يكيوں بربي تى ہے - بيرود إن اسراركو بېجانے كا ولاً توابتمام كرتتے بس اورلبدیں اُسی رعایت اورحغاظت کا خیال رکھتے ہیں۔اُن کی نگاہ اعمال کی ظاہری کنزت پر ىنى*ں ہوتى- دە كىنتے ہېں كەنئان مىغافى ہى جەكنزى*ت بىرىنىس- دە كىنتے **بى**دا يك بىبرا بزادكولربون سىرىمىز ہے۔ ربکن جن لوگوں کا علم کم میزنا ہے۔ اور جن کی نگاہ اس باب بین فاصر ہے وہ ایسے معانی ہے ہے نیر ہیں۔ ادر ده دلول کے بجبوب سے بے نجر ہیں اورا بنے نفوس کورکوع اور سجود اور کھانے بینے سے روک کر تف کا دینے بی سان کوتعداد اورکشرت نے دھو کا دسے رکھاہے۔ اوروہ صفانی اوریزرگی پرنگاہ نبیں رکھنے اور ایسے اخرو لوں ك كنزت كوئى فائده نبيل دني جن بيركونى گود اند مبو-اورايسے مكانوں كى لمند چينبى كوئى نفع منيں دينين جن كى نبيادي مضيوط نه بول -ا درا ن مخفائق كوصرف عالم لوگ بى جان سكتے بيں جن برخدا نعائی كی طرف سے كنشعت مبو-ا ورا لنڈ نعائی ہی ابنے فضل وکرم سے ہلایت کا ولی ہے۔

اورباتی ر باخطرات کا برا ابونانواس کی کئی ایک وجویات میں-

پہلی برہے۔ کرمعبود ایک ایسا با دشاہ ہے۔ کہ جس کے جلال اور علمت کی کوئی انتہا نہیں اور اُس کے بھے

پراسا نا مت استے ہیں جو حساب اور شمار سے با ہر ہیں اور نیزا بدن لپر سنبدہ عبوب سے الودہ ہے۔ بیشماراً فات
سے بھرا مواہد اور معا ملہ خطر ناک ہے۔ اگر نفس کی مبلدی سے نیزا یا فرن میسل گیا تو بھرتو محتاج مبو گا کہ عبب دار

بدن در فرانی طود بریلان رکھنے واسے اور فرانی کا حکم و بنے واسے نفس سے کسی خالص عمل کا استخراج کرے

ا سے طویغیہ پرکدوہ رب العابین کے جلال اور خطمت کے لائن ہو۔ا ورائس کی نعتوں اور اصانات کی کثرت

کا شکرا نہ بن کے ۔اور اُس کی بارگاہ بیں بسند بدگی اور خبولیت حاصل کر سکے ور نہ تجھے سے وہ عظیم فائدہ

فوت ہوجائے گاجی کے فوت ہونے کو کوئی نفس برضا ورغبت قبول نہیں کرسکتا۔اور بیہ بھی ہوسکتا ہے۔

کر تجھے کوئی ابن صببت بینے جائے کہ جس کی تجھے طاقت نہ ہو۔اور خلاکی تسم بدایک عجیب حالت ہے۔ اور ایک عظیم کیفیتن ہے۔

اوربدرسولوں کے سروار کا ثنات کا خلاصہ نمام مخلوقات سے زیادہ علم اور نفیبلت رکھنے والے سعفرت محرصلی الٹرعلیہ ولئم بیں جوفر ماتے بیں کہ بین نیزی ابسی ثناء بیان منیس کرسکتا جس نناء کا نوشتی سعفرت محرصلی الٹرعلیہ ولئم بین جوفر ماتے بیں کہ بین تیری اُس تعربیو کو بیان کرنے سے فاصر بیوں جس تعربی کا نومستی ہے ۔ پھر اُس جبادت کا تعتود بھی کیا جا سکتا ہے جس کا نوا بل ہے ۔ اور آپ بی تو بین جنوں نے فرما یا کہ کوئی آدی جنت میں اپنے عمل سے داخل منیس ہوسکتے تو میں اپنے عمل سے داخل میں موسکتے تو میں اپنے عمل سے داخل میں موسکتے تو میں ایس نے درایا ہوسکتا۔

ياتى رب انعامات اوراسانات نوجيد الله تعالى نے فرايله -

اوراگرتم الشذنعالی کے احسانات کوشمار کرنے لگو نوشماریمی نمیں کر سکتے۔

وَإِنْ نَعُدُّوا نِعُمَةَ اللَّهِ كَا تُخْصُوُهَا۔ تُخْصُوُهَا۔

الدجيباكه صريث بي ہے-

يعشرالناس على ثلثة دواوين - ديوان العسنات وديوان السيات وديوان النعم فتقابل الحسنات الاق بألنعم فلا يؤت بحسنة الااق بنعمة حتى بغنم الحسنات النعم وتبقى السيئات والذنوب فلله تعالى فيها المنشبة -

وگوں کے اعمال کے تین دفتر بوں گلایک نیکی کا دفتر ایک برا ٹیوں کا دفتر اورا یک فلانعائی کا دفتر اورا یک فلانعائی کی نفتوں کا دفتر نیکیوں کونمتوں کے متقابل لایا جلٹے گاجب کوئی نیکی لائی جائے گاؤائی کے متقابل برخصت رکھ دی جائے گی بیان تک کہ متعابل برخصت رکھ دی جائے گی بیان تک کہ نیکیاں فعنوں بی ختم ہو جائیں گی اور گنا ہ اور برا برای باتی رہ جائیں گئے تو ہم رائے تھی الزر تنا فاکو برا برای باتی رہ جائیں گئے تو ہم رائے تھی الزر تنا فاکو برا برای باتی رہ جائیں گئے تو ہم رائے تھی الزر تنا فاکو

اك براختيارسے

بانی سیدندس کے بیوب اور آئ کی آفات سی ہم پیلے اس کو اس ہیں اور وہ اُٹ کے میں اور مطراک معالمہ تو یہ ہیں کہ آدی عبادت میں سنز سال تک محنت کرتا ہے۔ اور اُٹ کے عیب اور وہ اُٹ کے عیب اور اُٹ کا خات سے بے خبر بوتا ہے۔ میر کبھی تو ایسا بوتا ہے۔ کہ اُن میں سے ایک بھی مقبول نہیں میں تا۔ اور کبھی وہ کئی سال تک محنت کرتا ہے۔ اور ایک کھڑی اُسے بریاد کرکے رکھ ویتی ہے اور ان تمام خطرات سے برطور کریے تعلق بیں اور وہ خلات اُل کی جا دت اور خطرات سے برطور کریے تعلق بیں اور وہ خلات اُل کی جا دت اور خطرات سے برطور کہ کہ میں اللہ نہدے کو دیکھتے ہیں اور وہ خلات اُل کی جا دت اور خدمت نوگوں کو دکھانے کے لیے کرتا ہے۔ اس طرح کہ اُس کا ظاہر تو اللہ تعالیٰ کے لیے موتا ہے۔ اور باطن خلاق کے لیے میوتا ہے۔ اور باطن خلاق کے لیے میوتا ہے۔ اور باطن میں بنا سکتا۔ میں معالی بنا ہے۔ کہ اُسے کوئی میں مدا کہ باں مقبول منیں بنا سکتا۔ اس سے خلالی بنا ہے۔

ادربیف علما و سے سنا ہے۔ کہ وہ صن بھری کے متعلق بیان کرتے تھے کدائن کی وفات کے بعد اُن کو خواب بین دیکھا گیا تو اُن اللہ تو ایا اللہ تعالیٰ نے مجھے اپنے سامنے کھڑا کر بیا اور قربایا است خواب بین دیکھا گیا تو اُن سے اُن کا حال بوجھا گیا۔ تو فربایا اللہ تعالی کو سے کے کہ کہ دی نومسجد بین نما زبو صور یا نقالوگوں نے تجھے کو دیکھا تو تو نے اپنی نما نما جھی کرکے برطمی اگر تیری میلی نما زمیر سے بیا ناک دیتا اور تجسے بیا تھے اُن میں نام وی تو میں تجھے کہ اپنے دربار بیں سے ہائک دیتا اور تجسے اپنے تعالیٰ منقطع کر لیتا۔

ا درجب معامله شکل اور بار یکی که وجه سے اس عظیم مدتک پڑھا ہوا ہے۔ توعقلمند تو کوں نے اس میں عزر کیا اور وہ اپنی جانوں پڑ ڈریتے رہے میان کک کہ بھی اُن ہی سے اپنے اُس عمل کی طرف توجہ بی منیں کہتے تھے

جودگوں پر ظاہر مبوجائے۔ بہاں تک کورا بعد بعسر یہ سے بان کیا جا تا ہے۔ کراننوں نے فرما یا کو بہرا ہو عمل خلام مبوجائے میں اُسے شمار میں نئیں لاتی ۔ اورکسی اور نے کسا ابنی نیکیوں کو اس طرح تھے باحس طرح آوا بنی بُرائوں کو چھیا تا ہے۔ اورکسی اور نے کسا ۔ اگر تھے نیکیوں کو چھیا کرر کھنے کی کوئی جگہ مل سکے تو ابسا ہی کر بسیان کیا جا آ ہے۔ کو لابعہ سے سوال کیا گیا ۔ کہ آب کو اپنے کو ن سے عمل پر سب سے زیا وہ امید ہے۔ تو انہوں نے فرایا اس علل پر کہ بین اپنے اعمال سے الیوس مبوں۔

بیان کیاجا کہہے۔کہ محدین واسع اور مالک بن دینار دونوں کی ملاقات ہوئی۔ تو مالک نے کما یا توالٹرتغالیٰ کی عبادت ہوئی۔ اوم الک نے کما یا توالٹرتغالیٰ کی عبادت ہوگی یاجہ نم نو مالک نے کما یا الٹر تعالیے کی رحمت ہوگی یاجہ نم نو مالک نے کما یکھے تیرے جیسے استناد کی کتنی ضرورت ہے۔

بایزید بسطا می رحم الشدسے روایت ہے آپ نے فرایا ہیں نے تمیں سال تک عبادت ہی محنت کی ہجر میں نے ایک کھنے والے کو د مکیما ہو مجھ سے کنے لگا اے بایز بدائس کے خزانے عبادت سے تھے ہوئے ہیں اگر توائس کی بارگاہ تک بنجیا جا ہتا ہے۔ تو تجھے ذلت اور سکینی اختیار کرنی جا ہیںے۔

اور میں نے استنا والوالمحن سے سنادہ استنا والوالففل رحمالتہ سے بیان کرتے تھے۔ کہ آب نے فرمایا بیں اچی طرح ما تنا ہول کہ بیں ہو بھی عبادت کرتا ہوں وہ التہ تعالیٰ کے نزدیک تقبول بینجا ہے۔ آپ سے اسی معاملہ بیں گفتگو کی کئی تو آپ نے بواب ویا کسی کام کے مقبول ہونے کے لیے بین چیزوں کی صورت ہوتی ہے۔ اُن کو بیں ما تنا ہوں اور مجھے یہ بھی ملوم ہے۔ کہ بیں اُن کو پورا ننیں کر دیا ہوں۔ تو بیں ما تنا ہوں اور مجھے یہ بھی ملام ہے۔ کہ بیں اُن کو پورا ننیں کر دیا ہوں۔ تو بیں موانا ہوں کہ میرے عمل میر مقبول ہیں۔ تو آپ سے کہا گیا۔ پھر آپ عمل کیوں کرتے ہیں۔ فرمایا ہوسکتا ہے کہ الشرفعالی کی دِن مجھ کو درست کر دبی تو نقص کو اچھے کام کرنے کی عا وات تو ہوگی۔ اور ان تداسے عادت دُ النے کی صورت منہوگ ہیں مال اُن بوے برے لوگوں کا ہے بو مساحب مجا برہ اور شکالات کو بور کرنے والے اور مضبوط قدم رکھتے تھے۔ مال اُن بوے برے لوگوں کا ہے بو مساحب مجا برہ اور شکالات کو بور کرنے والے اور مضبوط قدم رکھتے تھے۔ تیری حالت ابھی ہے۔ مبیا کہی شاعر نے کہا ہے۔

وتع الاباس وخابت الأمال كدو النفوس وسأعد الاقبال

فاطلب لنفسك صبة مع غيرهم هيهات تدرك بالنوان سادة

بجر محص خیال براکہ میں بیاں وہ مدیث بیان کردوں بوصادن المصدون سے منتقول ہے۔ اور م نے اس کوکئی تی بوں میں ذکر کیا ہے۔ بچراً ببرطی دیرتک رونے رہے بھرکھنے مگے رسول الٹرصلی الٹرعلبہ و کم اوراُن کی ملاقات کانٹوق صرسے بڑھ گیا ہے۔

بهرفر بابابك دفعه بس رسول الشرملى الشرعلية ولم كے پاس تفاساً ب سوارى بريبھے را در مجھے ہى لينے بيهي به الاسهر بم يطاب ندان لكاه آسمان كاطرت أنها في بجرفرايا - تمام نعري أس التركيب ہے جوابی تخلون بیں جو جا بتا ہے۔ نیصلہ فرما تا ہے — اے معاذبی نے عرض کیالیک یاسیر المرسلین آب نے فرایا بیں جھے ایسی بات بیان کررہا موں کہ اگر نونے اس کویا در کھانو تھے نعے دے گی اور اگرتھ نے اس كوضائع كرديا ـ نوالنَّدعزد جل كے نزديك نيزي حجبت ختم سرجائے گی ---- اےمعاذ النَّه تبارك وتعالیٰ نے زبین اوراً سمان کی پیائش سے پہلے سان فرشتوں کو اسمانوں کے خازن اور در بان کی جیثیت سے پیدا کیا۔ اور سرایک آسمان کے دروازے برایک فرشتہ کو بھیٹیت دربان کھڑاکردیا۔ بھرکراٹا کا تبین نبدے کے اعمال ہے کرچڑھتے ہیں اُن ہیں روشنی اور جبک ہوتی ہے۔ جیسے سورج کی روشنی۔ بیان نک کہ وہ پہلے آسمان بریلے جاتے بب اوركا مًا كانبين أس كم عمل كوبهت زياده محفظ بب اورأس كوخالص جانتے بب ريجرجب وه وروازه پرسيخيد بي تودربان فرشته أن سے كنتا ہے - اس عل كوعمل كرنے واسے كے منہ بروسے مارو - بیں غیبت كا فرشتہ بوں - اللہ تنائل نف مجھے حکم دباہے۔ کہ میں ایسے آدمی کاعمل اُوپرنہ جانے دوں بولوگوں کی نیبسن کرتا ہے۔ وہ مجھے بچھوڈ کردیوں كى طرىت منوجر بروجاً ناہے \_\_\_\_ كيمردوسرے دن فرشنے أويرجاتے بيں رأن كے ياس ببت الصحالي بوتے بى - وه عمل نور سے روشن موتے بيل كوا ماكاتبين أن كوبسن زياده اور ياكبزه خيال كرتے بيں - بيان تك كرجب ده دوسرے اسمان برجانے بی توفرست تدکتا ہے کا خرجا و اور اِس عمل کوعمل کرنے والے کے مند پروے مارو كبونكم أس كى نتبت إسعمل سے دنيا كملنے كى ختى مجھے ميرسے اللہ نے حكم دے ركھ ہے كہ بس كسى ایسے آ دمى كاعمل ا وبرنه جا۔ نے دول جو مجھے تھے واکر غیر کی طرف منوجہ جونا ہے۔ بھر فرشنے شام تک اُس پرلعنت کرتے رہتے میں ---- پیرفرنے نبدے کاعمل بے کرا و برجاتے ہیں اور اُن سے بھا توش ہوتے ہیں - اُن نی صدفہ

روزه اورببت سی نیکیاں موتی ہیں۔ فرشنے ان کوببت زیا دہ مجھتے ہیں اورخانص جانتے ہیں۔ پھرجب وہ بیرے آسمان تك بينية بين تودر بإن فرشة كتناسه - كمعتبرجاؤا وداس عمل كوعل كرف والد كے مذہروسے مادو بي تكروالول كافرت متبول ميرس الشرف محصمكم وس ركها سدكم بركسى ايسة أدى كاعمل أوبرنه جان دول جو مجھے حجود کر عبر کی طرف منوجر ہور یہ آوی لوگوں بران کی مجانس برب اپنی بڑائی بیان کرتا ہے ۔۔۔۔ اور فرنتے بندے کاعمل ہے کراور ماتے ہیں اور وہ عمل اس طرح جیکتے ہیں جیسے سنتارے یاکوئی روشن سستارہ اُن اعال يس سيتميع كاوازاني ب- أن بين روزه - ج- نمازا ورعمره بوتا ب- - ميرجب وه جريف اسمان بر جلتے ہیں۔تودیاں کا موکل دربان فرشنتدائ سے کتاہے۔ کھیرجاؤ۔اوراس عمل کوعمل کرنے والے کے منہ پر دسے مار در بیں عجب والوں کا فرسٹ نہ ہوں سجھے مبرسے الٹدنے حکم دے رکھا ہے۔ کریں ایسے آ دی كاعل أوپر بنرجانے دوں چو مجھے چیوڑ کر غیر کی طرف متوجہ مہذتا ہے۔ بیہ آد بی جب کوئی عمل کرنا ہے۔ توانس پر مغرور برماً تا ب اور فرشتے بندے کاعمل مے کراو پرجاتے ہیں وہ عمل اس طرح آراستہ ہوتے بں جیسے دہن سرال جانے کے دفت رہب وہ اُن کویے کہ پانچویں اسمان کک پہنچے ہیں ان ہیں جہادہ ع - عره وعيره الجصاعال مبوت بي أن كي جيك مورج مبيى ببوتى ہے - توذر شنة كمتا ہے بين مدكرنے والول كا فرست تدبول - بداً دى لوكول براك چيزول بي صدكرنا تقاجواً ن كوالند نے اپنے نفسل سے دى ہيں - بد آدمی خداتمالی کی پسندیدہ تقیم پرنارا من ہے۔ میرے الشرنے مجھے حکم دے رکھا ہے۔ کہیں اس کے عمل اور نہ جانے دوں کروہ مجھے مجھولاکردوسروں کی طرف منوم ہے ۔۔۔۔۔ اور فرنتے بندے کاعل نے كاُورٍ جاند بين أن بن الجيم وصنور ببت سي نماز بن -روز سے - جج اور عمرہ بونا ہے۔ وہ بچھے آسمان نک بنج جانے ہیں۔ تودروازے پرمقررہ کمبان کتاہے۔ ہیں رحمت کا فرمشتہ ہوں إن اعمال کوعمل کرنے والے کے مذہردے مارو-بہادی کمبی کسی انسان پر رح نبیں کرتا تھا اورکسی بندے کومعبیب کہنجتی ہے۔ توضوش ہوتا ہے۔ مبرے الندے مجے مکم دے رکھا ہے ۔ کہیں اِس کے اعمال کوا دبرنہ جانے دوں یہ مجھے تھے ورکر غبروں كى طرف متوجه ہے \_\_\_ پیرفرنتے بندے كاعمل ہے كرچراستے بیں اس بین سا صدف ماز۔ ردزه-جهاداورمرمبزگاری مونی ہے۔ان کی آوازمونی ہے۔ جلے رعد کی آوازاور حمک جلیے بعلی کی چک \_\_\_\_ بجرجب ده سانوی آسمان پرسینے بیں۔توفرسٹ ندجواس اً سمان پرموکل ہے کتا ہے۔ بیں ذكركا فرسشته بول يبنى سنانے كا اور توگوں بين آ واز دينے كا-إس عمل والے نے اس عمل بيں تجلسوں بي

تذكره اوردوستوں بیں بلندی اور بڑسے لوگوں کے نزدیک جاہ پسندی کی نیت کی تنی۔ بیرسے الٹرنے مجھے علم دسے رکھاہے کہ بین اس کے علی کوا و برنہ جانے دول کہ پر مجھے چھوٹ کردوسروں کی طرف متوج ہوتا ہے۔ اور بروه عمل جوالت كي خالص نه بوره رياء ب-اوررياء كاركاعمل الشدتعالى قيول نيين فرمات -اور فرشق بندسے کے اعمال نماز-زکوۃ روزہ - جے عمرہ - انجھا خلن خاموشی اور ذکر اللی ہے کراوپر جانے ہی ساتول سماؤں كے فرشتے ان كى مشابعت كے يا ساتھ ہوجاتے ہي سان كك كدالله تغالى كى بارگا ہ كے سامنے سے تمام بردے بجنث جاتنے بیں۔ پھرد والندعز وجل کے سامنے کھڑے ہوکرائس کے لیے ننماوت دینے بیں کواس کاعمل نیک خالص التٰدنعالی کے لیے ہے۔۔۔۔ توالتٰدنعالیٰ فرماتے ہیں نم میرے بندیے کے اعمال پرنگران ہوا ور يبن أس كے دِل كَ نكرا في كرينے والا مون إس عمل سے اس كا ادادہ مجھے نوش كرنا منبي نفا بلكم ميرسے سوا امدول كونوش كرنا مفصود تفاسبس إسسابيف بياض منين مجفنا ادربس نحوب جاننا بول بوعمل كرنے سے إس كى نيت تفى اس بريمبرى لعندت وإس نے بندوں كويمى دھوكدد بااور نم كويمى ميكن مجے دھوكدنيں دے سکتا۔ بین غیبوں کا جاننے والا ہوں۔ دلوں کے خبالات سے واقعت موں۔ محصر کوئی پوسٹ بدہ چیز جیبی نبين ره سكنى اوركوني هجيئ چبز بحصيصا وهجل نبين سبه مبراعلم حاضر كيمنعلق بمي أسي طرح سهه يعيض نقبل کے متعلق ہے۔اورگزری موئی بپیزوں کے ساتھ میراعلم اُسی طرح ہے مبیباکہ باقی پیپزوں کے متعلق اور میراعلم يبط لوكول كمصمانخ أسى طرح ب مصيب كيبلول كے ساتھ ين بيت بيده كو جا تنابون اوردِل كے خبالات كوبعى أمبرا بنده اببن عمل كمص ساتحه تحصكس طرح وصوكه دئے سكتا ہدے وصوكہ تو مخلوق كھاتى ہے رہن كو علم نبين مبونا ادربين نونيبوس كاجانن والابول اس يرمبرى لعنت ہے۔ اورسانوں فرشتے اور نين ہزار فرشتے وداع کرینے والے سب کہتے ہیں اسے ہمارسے رب اس پرتیری تعنیت ہے۔اور ہماری بھی تعنیت ربھر آسمانول ولسلے کنتے ہیں اِس برالٹر کی لعنت اورلعنت کرنے والوں کی لعنت رپھرمعا ذرصی الٹرعنہ رونے ملكے اور بڑاسخنت روستے اور كما اسے الٹركے رسول آب نے بوذكر فرا با ہے ۔ اِس سے نجان كى كيا صورت بسے - توفر ابا اسے معا ذاہینے نبی کی نفین بیں افتراکر میں نے کہا - آب نوالٹر کے رسول ہیں اور بیں معا ذ بن جبل مبول مجھے نجات اور خلاصی کس طرح نصیب مبوسکتی ہے۔ آب نے فروایا اسے معا ذاگر تیرے عمل بب كونا بى موتولوگول كى ہے آ بروئى كرنے سے اپنى زبان كوروك نصوصًا اپنے بھا يُوں۔ قرآن پڑمصنے والول سے اور لوگوں کی بے آبرُوئی کرنے سے اپنے نفس کے عیبوں کا علم تجھے روک دے اور اپنے

بعا نیول کی خدمت کرکے ا بنے نفس کو پاک نہ بناا ورا بنے مجا ٹیواں کوگراکرا بنے آب کو بلندکرنے کی کوششش بذكرا ورابنے عمل میں ریاء كارى ندكركه تولوگوں بیں پہچانا جائے۔اوراس طرح دنیا بین مشغول نہ ہوجا كہ تخفية خرن كامعا لمديمبول جائے -اور حب تنرے پاس كوئى اوراً دى يمى ببيھا ہو توكسى دوسرے سے مجبب كرمشوره نهكراورلوكون ببن برانى ماصل كريف كاكوششش نهكركه دنياا ورأخرت كالمجلا ثيان تجهد سيمنه موڑ لیں گی۔اور اپنی مجلس میں اس طرح فخش گوٹی نہ کر کہ لوگ تبری بدا خلاقی کی وجہسے مخصسے گریز کرنے مگیں۔اوربوگوں براحیان نہ جنا اور بوگوں کی عزت کا بہدہ اپنی زبان سے جاک نہ کرکہ تجھے جمعے کئے کیجاڑ الماليس كيداوريبي مصالتدنعالي كاقول-

وَالنَّا نِسْطَا تِ نَشْطًا ۔ بین پڑیوں سے گوشن کوالگ کردیں گے۔

یں نے وض کیا اسے اللہ کے رسول إن باتوں کی کون لحاقت رکھ سکتا ہے۔ آپ نے فرا با استعاذ ہویں نے تجھے سے بیان کیا ہے۔وہ اُسی اُد ہی بر آسان ہے۔ جس براللہ آسان کرے۔ تجھے اِن نمام یا توں سے بہ جیز کفابت کرتی ہے۔ کہ تولوگوں کے بیے وہی کچھ لیب ندکرے جو توا پنے نفس کے بیے لیب ندکرتا ہے۔ اورلوگوں کے بیے وہی کچھنا بہند کرے ہوا پنے نفس کے لیے ناپسندکز ناہے ساگر نوایسا کرے گا تو سلامت رہے گا ورسجات یا جائے گا۔

خالد بن مدان نے کماکہ حضرت معاذ قرآن باک کی تلاوت بھی اِس کنرت سے نہبر کرتے تھے جننا کہ اِس مدیث کو بیان کرنے اور ابنی مجلس میں اس کا تذکرہ کرتے اور اسے اُد می حب نونے بیعظیم صربیث اور ببن بوی نورس لی ہے۔ جس کا انجام بڑا در دناک ہے جس کے انسے ول اُڑنے لگتے ہیں اور عقول بریشان ہرجاتی ہیں۔اورجس کوسینے اکھانے سے ننگ ہیں۔جس کی دیست سے نفس گھرانے بین نوابینے مولاکی رحمت کا دامن تفام ہے اور عاجزی اور نصرع اور دین رات کے رونے سے اُس کے دروازہ کولازم کیڑے جیساکہ دوسرے عاجزی کرنے واسے اور تضریح کرنے والے کرتے ہیں اِس معاملہ بین نجانت صرف اُس کی رحمت سے ہے۔اور اِس سمندر سے سلامتی کے ساتھ بچے نکلناصر ب اُس کی نوجہ اور توفیق اور عنابین سے ہے۔ غافلوں ئ بیندسے بیلار مبواوراس کام کوأس کاحق دے اور اس خوفناک گھائی بی اینے نفس سے جہادکر ناکہ تو بلاک مبونے والوں کے ساتھ بلاک نہ مبوجائے۔ اور سرحالت بی اللہ تعالیٰ بی سے مدد کی التجاہے وہ مبنزن مددگارہے۔اوروہ سیب رحم کرنے والوںسے زیادہ رحم کرنے والا ہے اورگناہ سے بینے اور نبکی کرنے کی

طاقت بمی الشرنعالی بلندا ورعظیم کی توفیق سے ہے۔ فصل :

سهم العبون لغبر وجهك بأطل وبكا و هن لغبر فقد حسائع و بكا وهن لغبر فقد حسائع من العرب الدين المعرب المارة المدين المارة المدين المارة المدين المارة المدين ا

نرجمہ - نبرے چبرے کے سوا آنکھوں کا جاگنا باطل ہے -اور نبرے کم بونے کے سوا اُن کا رونا نبائع ہے۔

اورکبواسے نفس کی ہمیشندی جنت بہنرہے یا دُ نیااور اُس کا ناکارہ اور فانی صام سے آلودہ سامان مالانکہ تجھے طاقت ہے کہ تجھے نیری إس عباوت سے ہمیشندی نعمیں صاصل مبوں بین نہ ہوتو خیس ہمت ردی مالانکہ تجھے طاقت ہے کہ تجھے نیری اِس عباوت سے ہمیشندی نعمیں صاصل مبوں بین نہ ہوتو خیس ہمت ردی اراد سے اور کمیندا فعال والا رکیا تو عور منیں کرنا کہ کوزر جب نصایس بلند اُ اُسے والا موزو اُس کی تعمیت کس طرح برصوح الله میت کو آسمان کی طرف بلند کر اور برصواتی ہے۔ سوتو ابنی تمام ہمت کو آسمان کی طرف بلند کر اور

ا پنے دِل کو اکبلے اللہ تفالی کے بیے خالی کردسے سم کے اختیار بی تمام امور ہیں۔ اور رنا کارہ نیجیزوں کی وجہ سيساپي كمائى مبوئى عباونت كومثاثع نه كرراورإس طرح مبب نواجيى طرح عود كرست گانوالتُدتعالیٰ كی معتوں اور يرثيب برثيب احسانات كوإس عبادت بي ابينه او برملا منظه فرمائے گاكداس نے تجھ كواس كى تونىتى بخنى اور أس نے إس كا سامان فراہم كيا-اوراُسى نے تمام موانعات كو تجھے سے دُورفروا يا بيان تك كماس عبادت

بعرائ فے مجھ کو توفیق اور تا میدسے خاص کیا اور اس کو تجھ پہاسان بنا یا اور نبرے ول بیں اس کو زىنىت ىخشى ببان كك كەتوپىنے إس بيىمل كيا-

بعرائس نداین عظمت اور جلال اور تیری عبادت اور تجع سے بے نبازی اوراینی تجعریہ ہے انداز نعتنوں کے باوجود نیرہے بیے اس معولی عمل برزنائے جبل اور ثواب عظیم کا اجر تبار کرر کھاہے جس کا توکسی مورت بین سنخی نبیل ہے۔ مجروہ اس برتیری شکر گزاری کرناہے۔ اوراس معملی کام پرتیری نناکتا ہے۔ اوداسی کی وجہ سے تجھےسے مجبنت رکھتیا ہے۔

خامهًا بيسب كجهائس كمدبست براسے نعنل كى وجه سے ہے۔ مذكسى اور وجہ سے ورند نبراكونسائق بصاور تبرس إس عيب دارا ورحقيرعمل كى كونسى قدر بدر سواس نفس ابنے رب كربم رحيم بسحان و تعالىٰ كما الله الداركه أس في تجدير إس عبادت كم بعالاف بين كننا العدان كيا اوراس سيسترم كركه تو ابنے عمل کی طرون نو مبرکرے بلکہ التٰدتعالیٰ ہی کا ہم پرہرحال ہی فعنل اورا مسان ہے اور اس عبادت کے حاصل ہوجانے کے بعد تبراننغل الشدنعالی سبحانہ کی بارگاہ بین تعزع اور عاجزی کے سوااور کھیج نہیں ہونا چاہیے کہ وہ اسے اپنی رحمت سے قبول فرما ہے۔ کیا تو نے الٹرنعائی کے خلیل ایرا ہیم کی بات نہیں سنی۔ کہ ىبب وە خلاتعانى كے گھركى تعميرى خدمىت سى فارىغ بىوشے توكس طرح النّدتعانى كى جناب بىں گيرُگراسے كە وہ اِس کو تبول فرماکراً ن براحسان کرسے انہوں نے کہا:

اے ہمارے رب ہم سے تبول فرما ببشک نو بى سننے والا جا شنے والا ہے۔

> اور جب ابني دُعاسے فارغ ہوئے نوفر ما یا : مَنَّبَنَا وَتُقَبَّلُ دُعَاء -

رَتَبَنَا تَقَبَّلُ مِتَّا ٓ إِنَّكَ اَنْتَ السَّمِيْعَ

اسعهما رساد وعاكو تبول قرط

بعراراً أن ف إلى معونى بو بحى كوتبول فراكر بخدير احدان كياتواس في ابنى تعمت كو كمل كرويا اور احسان عظيم فربا بإركتنى الجيمى سبصر برسعا دن اور دولت اورعزت ورفعت اور ببخلعت اورنعمت اور ذنبهروا وركرامت بخصر بركتنى زبب دسے گی-اور اگردوسرى كيفيت بهوتى تو إس خماسے اور نفعان اور محرومى برنساببن انسوس ببن تواكه اور إس كيفيست بين مشغول بوجار جب تو إس عل برجيشكى كريد گا اورا بنى عبادت سے فارغ ہونے پرا بنے دِل براس كى كراركرے كا اور خداوند تعالى سے مدد چاہے گا تو ده تجھے مخلون اورنفس کے النفات سے بیا ہے گا اور عجب اور رباء کاری کے شغل سے محفوظ رکھے گا ادر يخصفالص اخلاص برعبا داحت ذكرالئى بببآ ماوه كرسي كااور بجرتمام مالاست ببن تخعربرا لتندنعا لئ كارحسا ن ہوگا شخصے ظاہری اطاعنت حاصل ہوگی جوامبد کے فابل ہواوراببی نبکیاں میسرآ بٹی گیجی میں کوئی کدورنت نه موا درایسی مغبول عباد تبس ماصل بهور گی جن بین کوئی نقعی نه به وا درایسی عبا دست اگر با نفر مین زندگی بین ایک ہی دنعه مبسر ہوجائے اور کھرکہمی مبسر نہ جونو دہ کھی حقیقنت بیں بہت ہے۔ اور مجھے اپنی عمر کی تسم اگر جبراس کی نعداد کم بولبکن اس کے معنی بست بین اس کی قدر بڑی ہے۔ اِس کا نفع کثیرہے۔ اِس کا انجا کا الچھاہے۔ اوراس طرح کی توفیق ملنا ہمنت عزیزہے۔ اور بندیے پرخدا نعالیٰ کا بہنت بڑا احسان ہے بجرأس تحف سے كونسانحف بشاہوسكنا ہے كہ جس كوالٹ رب العالمين فبول كرہے اور أس كوشش سے ايجي ا در کون سی کوسششن موسکتی ہے۔ جس کی شکرگزاری بے فراروں کی د عابیش سننے والاکرے اورربا بعالمین اس پرنعربین کرسے اور کون سی بونجی اِس بونجی سے زیادہ معزز سے۔ سس کورب العالمین بپسند کریے ا در اُس بِرِخوش ہوجائے۔ بِس اسے مسكبن غوركر! اور بوسٹ بار ہوجاكة نوخسارہ بانے والوں سے نہ بهوجاف اورجب معامله إس مذنك بينج جائے كاتونوالتُدنعالي كے مخلص ور نے والے مكركينے والے الشيكے احسانات پردامتی ہونے واسے لوگوں ہیں سے ہوجائے گا۔اور تو اس نوفناک گھافی كو ا جنے بيجيج ججود مبائے گائس كى آفتوں سے سلامت رہے گاا ورائس كى مبلائياں اور كيل اپنے سانف ہے جائے گا اُس کی سعاد نوں اور کرامتوں پر ہمبنہ کے بیے فائز ہوجائے گا اورالٹڈنعالیٰ ہی اپنے نفسل وکرم سي عقمت اور زنونبن كے والى بيں ساورالشد ملبند عظيم كى تونين ہى سے گنا ہ سے پر ميزاور نيكى كى فوت حاصل کی جاسکتی ہے۔

# سأنوبس كمها في

الابه گھائی حمدا و شکر کی ہے سالٹر تجھے ہمی تونیق دسے اور ہمبس ہمی اِن کھا میوں کے نطع کرنے کے بعداوداببى عبادت كيعصول كے بعدمجوآ فان سے بجح سلامنت موالٹہ تعالی كانتكراورحمد بجالانا اسى تعسن يخطيمها وداحسان كريمبربرلازم سهدا ورببه تجعه وودجر بإنت سيدلازم سهدا يك تونعمن عظیمہ کے دوام کے لیے اور دوسرے زبارہ حاصل مبونے کے لیے ہے نعمت دوام کے بیے اس بیے ضرور ہے کوشکر کے سا تف معین مغید موجاتی ہیں۔ اور ہمیشہ ہمیشہ کے بیے باتی رہنی ہیں۔ اور اس کو ترک کر دينے سے جلی جاتی ہیں۔اللہ تبارک دنعال نے فرمایا ہے:

الشدنعال كسى فوم كے مالات بيں اُس وقت تك إِنَّ اللَّهُ كَا يُغَيِّرُمُمَا بِفَرْمٍ حَتَّى بُغَيِّرُوا مَا بِأَنْفُسِهِمْ -

فكفرت بانعم الله فأذاقها الله لباس الجوع والخوف بماكانوا يصنعون-

ا وراك تنال في فرمايا:

مايفعك الله بعذابكمان شكرتم

ا در بنی علی الشرعلب و الم نے نرطایا:

ان للنعم إو ابد أكا وابد الوحش فقيدها بالشكر-

تبديلي سيس كرت حب تك د فحود مد تبديل م جائب

بپیائس نے الٹرکی معتنوں کا انکارکیا توالٹرتیا نے اس کوخرے اور کھوک کا لباس بینا و بابیدلہ نغاان کی کمائی کا -

اگرتم شكركردا درا بمان سے أو نوالله تعالیمین كبول سزادس كا-

نعتين تعي اس طرح بعاگ جاني بين بيعيد جنگلي جانور بھاگ جاتے ہیں نوان کوشکر کے ساتھ

بانی رہازیادت کا جعسول! توجونکہ شکرنعمنوں کے لیے زنجیرہے نودہ زبادت کا پھل دیں گ-

الشدتعالي نے نرمایا :

الزم شكركرو مح تومين تم كوزياده دول كار

لَيِنَ شَكَمُ ثُعُرَازَ ذِيُدَ ثُلَاثُمُ

اور فرمایا:۔

جن لوگوں نے برابہت کونبول کیا توا لٹدائن کو برابہت زیادہ د تباہیے ر وَالْكِذِينَ اهْنَنَدُوْ اخْرَادَ هُسِمُ مُلَّى ۔ هُدَّى ۔

اورفرمايا

جن لوگول نے ہماری راہ بس کوششش کی ہم آن کواپنے داستوں کی راہنمائی کرتے ہیں۔ وَالَّذِيْنَ جَا هَدُوا فِبُنَا كَنَهُدِ بَنَّهُمُ مُسُيِلَنَا -سُيُلَنَا -

بیر عقلند مالک جب غلام کو دیکیفنا ہے کہ دہ اُس کی تعمت کا حق اداکر رہاہے تو اُس پرادر ہی اِسان کو ناجا تا اِسے اورا اُس کو اُن کا اہل مجمعنا ہے ۔ در حاس سے اپنے اِسانات منقطع کر لیتا ہے ۔ پیر نعمت کی جب و بیا نفع کی جب اِلیان کے بین میں اور دنیا وی دو تعمی کی جب بیل نفع کی تعمت اور دو رسری مدافعت کی تعمت بنغ کی تعمت اور دو رسری مدافعت کی تعمت بنغ کی تعمت اور دو رسری مدافعت کی تعمی بیل تعمی اور مناسب اور منافع کی چیز بین عطا فرما بیس چیر منافع کی دہ تیمیں بین میچے پیالٹن کا توجہ ایک مناسب اور منافع کی چیز بین عطا فرما بیس چیر منافع کی دو تیمیں بین میچے پیالٹن کا در جمانی سامنی اور مافیت اور مرغوب چیزوں کا مہیا کرنا سنالاً کھا نابین ایس نکاح و خیرہ کے نوا کمد اور مرغوب کے دوالی اور نکلیفت و بینے والی چیزوں کو تجھ سے روگ رکھے۔ ادر بینی دو تنم ہے ۔ بیلی نفس میں کہ الٹرتعالی بھے نمام افتوں ۔ بیمار پوں سے محفوظ در کھے اور دو سری اور بینی دو تنم ہے ۔ بیلی نفس میں کہ الٹرتعالی بھے نمام افتوں ۔ بیمار پوں سے محفوظ در کھے اور دو و سری اُن جیزوں کی مدا نعت بھی سے نجھے کو ٹی نقصان بینچ سکے یاکو ٹی انسان یا جی یا در ندہ اور مرزی جانور اُن بینچانے کا تعمد کرے ۔ ر

الدبانی رہیں دبنی نعمنیں!نو دہ بھی دونسم کی ہیں۔ نعمنت **نوفینی اورنع**منت بحصمت ۔

تونین کی نعمت نو بہ ہے کہ اللہ تعالیٰ تجھے پیلے تواسلام کی تو نین بخشے پیرز نباع سنت کی پیرا طاعت کی۔
ادر عصمت کی نعمت بہ ہے۔ کہ سب سے پیلے اللہ تعالیٰ تجھے کغرادر شرک سے بچائے بچر پیعت اور
گراہی سے پیرتمام گنا ہول سے اوراس کی تفصیل اس کا ثنات کے الک کے سواکوئی نہیں جا تنا ہی نے تجو پر
احسانات کیے ہیں۔ میساکہ اوٹر تعالیٰ نے فر ما باہدے۔
و کان نعک آفا یعند کے اللہ کے احسانات کوشمار کرنے

لگونوشماریمی شکرسکو-

م. و رو ما تخصوها

اوران نمام نعتوں کارواج بعداس کے کوالٹرتعالی نے تجھ پر اِن کا اصان کیا اور برطر ن سے اس بیل فنا فرایا کہ جس کو نیرا و بہم نہ توشار کرسکتا ہے اور نہ ویان تک پہنچ سکتا ہے۔ اور بیز غام چیزیں ایک ہی چیز سے منعلت بیں اور وہ الٹرنعال کی تعریف اوراس کا شکر۔

ادروہ کام جس کی بیز قیمنت ہوجس ہیں بیر تمام فاٹدہ ہوں خن رکھنا ہے کہ اس کوکسی حال ہیں فلنت کے بغیر نظام رکھا جائے۔ بیرا بک قیمتی بیرا ہے اور عز برزکیمیا ہے۔ اور الٹدہی اپنے فضل ورجمنت سے توفیق کا والی ہے۔

اگرسوال کیا جائے کہ عمداور شکر کی حقیقت کیا ہے۔ اوراُس کے معنی کیا بیں اوراُن کا حکم کیا ہے تو جان اینا جائے۔

کہ علما و نے حمداور شکر میں کچھ فرق کیا ہے۔ دہ بر کہ حمد تعیج وتعبیل کن سم سے ہے۔ تو یہ طاہری کو ششوں میں سے موگار اور شکر میں برگائی کے مقابل موگار اور شکر میں برگائی کو شششوں میں سے موگار کیونکہ شکر کفر کے مقابل ہے ۔ اور حمد مذمر من کے متقابل ۔ اور دوسرا فرق یہ ہے کہ حمد عام ہے اور اکثر ہے۔ اور شکر کم ہے اور فاص ہے ۔ اور شکر کم ہے اور فاص ہے داور حمد مذمر من کے متقابل ۔ اور دوسرا فرق یہ ہے کہ حمد عام ہے اور اکثر ہے۔ اور شکر کم ہے اور فاص ہے داور حمد مذمر نے فرا ما :

وَقِلِبُلُ مِنْ عِبَادِى النُّنكُوير، و ادربير الدربير عَنكرُدار بند عقور عبى -

تو نابن بواکہ یہ دونوں الگ الگ معانی رکھنے ہیں۔ بھریہ فرق بھی ہے کہ حمدکسی کے ایھے کام کرنے پہ تعربین کرنے کو کنتے ہیں۔ ہمارے بنیخ رحمدالٹ کے کلام کا مفتضا ہی ہے۔

باتی رہا شکرتواس کے معنی بیں علماء نے بست کام کیا ہے معزت ابن عباس رمنی اللہ عنہ ہے مودی ہے۔

کہ آپ نے فرابا۔ فعلوند تعالیٰی کا براور باطن بیں تمام اعضاء ہے اطاعت کا نام شکر ہے۔ اور ہمار ہے بعض
مثانغ کا بھی بی تول ہے۔ کہ انہوں نے کہ ظاہراور باطن بیں اطاعت کا اداکر ناشکر ہے ۔ بھردو سرے تحل کی طن
رجوع کیا اور کہ اکہ ظاہراور باطن میں گنا ہوں سے پر مبز کرناشکر ہے ادر کسی اور نے کہ اللہ تعالیٰ کی نافرہا نیول کو فیلائے

کرنے ہے اپنی صفا ظلت کرنے کا نام شکر ہے ۔ کہ تواپنے ول اور زبان اور اعضاء کی اس طرح صفا ظلت کرے
کہ ان نینوں سے کسی طرح بھی اللہ تعالیٰ کی نافرہانی نرکر سکے اور اس قول اور بہلے شنخ کے قول بین فرق ہے۔
کہ ان بینوں سے کسی طرح بھی اللہ تعالیٰ کی نافرہانی نرکر سکے اور اس قول اور بہلے شنخ کے قول بین فرق ہے۔
کہ اور نافرہانی
کرشنخ بزرگ نے محفا ظلت کو گنا ہوں ہے اجتناب پر ایک زائد معنی کی تیزیت سے تا بت کیا ہے۔ اور نافرہانی نرکرے اور اس تورائی نورو دموں تو انسان نافرہانی نرکرے اور اس تورائی نورو بھی موجود مہوں تو انسان نافرہانی نرکرے اور اس تورائی نورو بھی موجود مہوں تو انسان نافرہانی نرکرے اور اس تورائی نورے اس تورائی نوروں تو انسان نافرہانی نرکرے اور اس تورائی نوروں تورائی موجود میں تورائی نوروں توروں توروں تورائی نوروں توروں تو

کے مطابق کوئی ایسامعنی اپنے نفس بی ماصل منیں ہوگاجی سے بندہ شخول رہے اور ناشکری سے بچارہے اور ہمارے نیخ رحمہ اللہ نے فریا اصان کرنے والے کی نعمت کے مقابلے بین اس طرح نعظیم کی جائے کہ اصان کرنے والے کی نافر مانی اور ناشکری سے اُس کوروک دے اِس کا نام شکرہے ۔ اور اگر احسان کے مقابلے بی محس کی نعظیم رکھی جائے تو ابیوں صورت بیں برہی میچے ہوگا کہ اللہ تفائل بندے کا شکر کرے اور یہ بہت ایجی تعربیت ایجی تعربیت ایسے ۔ اور اس بی کا فی نفی سل ہے ہوس کو ہم نے اپنی کما ب اجیائے علوم الدین و مینرو بیں پوری طرح بیان کی سے ۔ اور اس بی کا فی نفی سل ہے ۔ کہ بندے سے شکریہ ہے ۔ کہ اپنے محس کی اس طرح تعظیم کرے کا اُس کی نا ذبائی سے باز آجائے اور یہ اُس کے احسان کے یاوکرنے سے ہوتا ہے ۔ اور شکر کرنے والے کا حال شکر بیں بہت ہوتا ہے ۔ اور شکر کرنے والے کا حال شکر بیں بہت برترہ ہے۔ اور ناشکری کرنے والے کا حال شکری بیں بہت برترہ ہے۔

یں کتا ہوں کو منعم کاکم از کم بیری ہے۔ کہائس کی نعمت کے ساتھ اُس کی نا فرما نی نہ کی جائے۔ اور
کتنی بر نر مالت ہے۔ اُس آ دبی کی جو منعم کی نعمت کو اُس کی نا فرما نی پر بنجیبار کے طور پر استعمال کرے
پر سندے پر شکر کا صفیفت بیں بہ فر من ہے۔ کہ اُس کے دل بیں الشر تعالیٰ کی ایسی تعظیم ہو کہ وہ خلیا
تعالیٰ اور اُس کی نا فرمانی کے در میبان مائی ہوجائے۔ بیجکہ اُس نعمت کو باد کرے یوب اُس نے ایسا کر
بیا نوائس نے شکر کا اصل او اکر دیا۔ بھراس کے مقابل خلا تعالیٰ کی اطاعت بیں کو مشعش اور عبادت بیں
جدو جمد ہے۔ کو نا فرمانی سے حقوق بیں سے ہے۔ تو نا فرمانی سے بچتے ربتا ابھی صروری ہے۔ اورالیڈ
تعالیٰ ہی کی طرف سے نوفیق ہے۔

اگرتم برسوال کرو کوشکر کا مقام کونسا بوتا ہے۔ تو معلوم بونا چاہیے کہ اُس کا مقام دبنی اور دنیا کی نفتیں بیں۔ باتی رہا مصیبتوں اور سختیوں پر دنیا بین نواہ وہ اپنے نفس پر بہوں یا ہی اور مال پر شکر کرنا بندے پر لازم ہے۔ بیا بنین نو بعض نے کہا ہے۔ کہ بندے کواُن پر اُن کی جیٹیت سے شکر کر تا لازم نیں ہے۔ بلکہ اُن پر مبر کرنا لازم ہے۔ باتی رہا شکر تو وہ معتوں پر بہوتا ہے نہ کہ کسی دو سری جیز پر اور بعض نے کہا ہے کہ کوئی سنحتی ایسے کہ کوئی سنحتی ایسے کہ کوئی سنحتی ایسے کہ کوئی سنحتی ایسی کہ بیار میں اللہ تفالی کا احسان مذہور تو اُس بغت پر جو اُس سختی سے ملی ہوئی ہے۔ بندے پر شکر یہ لازم ہے۔ مذکر سنحتی اور مصیب بند پر ساور یہ نعتیں وہ بیں جو اِس بی اللہ تفالی اللہ عنہ مانے فرما بیں آپ نے فرما یا کہ جب کبھی بھی کوئی مصیبت بھے پر آئی ۔ تو بیں نے اُس بی اللہ تفالی اسے زیا دہ نہ آئی۔ دو سری بر کہ اس سے زیا دہ نہ آئی۔

نیسری برکرمی رصا با نقصاسے فروم ندریا - اور پوئنی بیر کو فیصائس پر نواب کی امید ہے - اور بر بھی کہا گیا ہے - کہ بیر بھی لیک نعمین ہے - کہ وہ بختی دور مہوجانے والی ہے مہیشہ رہنے والی نہیں - اور برالٹرنعالی کی طرف سے ہے نہ کہ کی دومرے کی طرف سے -

ما رسے بندگاس کی طرف سے بنونو و ذیری طرف سے اُس پریسے بندگاس کی طرف سے اور اگروہ سختی کسی مخلون کے سبب سے بنونو و ذیری طرف سے اُس پریسے بندگاس کی طرف سے اُن مندوں برجوسختی کے ساتھ ملی ہوئی ہیں۔ بخصر پر سندے برشکر بہلازم ہے اُن مندوں برجوسختی کے ساتھ ملی ہوئی ہیں۔

پھرپر سوال کو مائے موسی ہوتے۔ اور ہما ہے تہے رہ متنا السطید نے اس قول کو رائے قرار دیا ہے۔ کو دنیا اور کچھ لوگوں نے بر بھی کہ اب اور ہما ہے تہے دیکہ برختیاں حقیقت میں تعمین بہی کیونکہ بندے کو اس کے معاوضے بین عظیم منا فع بے انداز تواب اورا چھا بدل آخریت بیں منابہ ہے جن کے مقابلہ میں ان سختیوں کی کوئی جنیب نہیں رہتی ۔ اور اس سے برط ھوکرا ورکونی نعمت ہوگی اس کی مثال الیوں ہے جسیا کہ سختیوں کی کوئی جنیب نہیں رہتی ۔ اور اس سے برط ھوکرا ورکونی نعمت ہوگی اس کی مثال الیوں ہے جسیا کہ خصے برم واور کرطوی ووائی بلائے ناکہ خطر ناک بیماری دور ہوجائے یا کسی بہت برطی سالمانی اور زندگ خطرے کی وجرسے کوئی نیزافصد کرے یا سینگی لگائے ۔ تو اس کا نتیجہ نفس کی صحت ۔ بدن کی سلامتی اور زندگ کی صفائی ہوگا نوائس کا نجھے کرطوی دوائی بلاکر نگلیف دینا یا فصد کا زخم سگانا یا سینگی کھینیا حقیقت میں ایک بست برطی اصان اور عظیم نعمت ہوگی ۔ اگر جب اس کی طاہری صورت نا پسند بدہ ہے اُس سے طبیعت نفرت بست برطی اصان اور عظیم نعمت ہوگی ۔ اگر جس کی خاتم رہا کہ کا شکر بیادا کر تا ہے ۔ اور نفس وحشت محموس کرتا ہے۔ بھر بھی تو اُس اَد می کا شکر بیادا کر تا ہے۔ بلد اپنی ہمت کے مطابق اُس کوا جبھا معا و صند بھی دیتا ہے ۔ نو بہی علم اِن صعیب نوں اور سختیوں کا ایمی ہے۔ کیا تم غور نہیں کرنے کہ تی تعمیر اُس کوا جبھا معا و صند بھی دیتا ہے ۔ نو بہی علم اِن صعیب نوں اور سختیوں کا ایمی ہے۔ کیا تم غور نہیں کرنے کہ تی تعمیر و بیا کہ خور نہیں کرنے کو تی تعمیر کور ایکی اس کور جماد درشکر اور اگر اور کے معداد درشکر اور ایکی اس کور جمداد درشکر اور ایکی اس کور حمداد درشکر اور ایکی کا میں کور کی جیزوں رہے آپ نے فر مایا ۔

المُحَدِّدُ وَلَيْهِ عَلَىٰ مَا سَاء و تمام تعربِفِيلِ للْدَكِيهِ بِي بِما يُول بِرَفِي اور الْحَدِّدُ وَلِيْهِ عَلَىٰ مَا سَاء و

ى*جلائىيول برىجى-*

سى كياآب الله تغالى كے قول كى طرف غور منيں فرماتے كىر:-

ہوسکتا ہے۔ کہ تم کسی چیزکونا بہندکرواورالٹدتعا خوشک ہے۔ کہ تم کسی چیلائی رکھی ہو۔ نے اُس میں ببنت سی جلائی رکھی ہو۔

عَسٰى آنُ تَكُمُ هُوا نَشَيْنًا وَ يَجُعَلَ اللهُ فِينُهِ خَنْدًا كَتْنُبُوا -الله فِينُهِ خَنْدًا كَتْنُبُوا -

ادرالتہ تغالی جس کانام مطلائی رکھے وہ اِس سے بہت زیادہ ہے۔ کہ نیرانجال بھی وہان کک پہنچے سکے۔ اور ادرالتہ تغالی جس کانام مطلائی رکھے وہ اِس سے بہت زیادہ ہے۔ کہ نیرانجال بھی وہان کک پہنچے سکے۔ اور اس کی نائبداس تعمل سے ہوئی ہے۔ کہ نعمت صرف وہ ہی نہیں ہوتی جس میں خوشگوارمزہ ہویا جے طبیعت کے تقلصے کا دمسے نفس چاہے بلکہ وہ چیز بھی نغمت سے جس سے درجات ہیں رفعت نعیب ہو۔ یہی وجب کے رفعت نعیب ہو۔ یہی وجب ک کو نعمت کو زبادت کے معنی ہیں بھی استعمال کرتے ہیں۔ اور جب سختی بندے کے شرحت اور درجات کی بلندی کا سبب ہے۔ تو یہ بھی تقین ہیں نعمت ہوگی۔ اگر جہ اپنی ظاہری صورت سے اسے سختی اور تکلیف شمار کیا جا تا ہے۔ اس کوا بھی طرح یا در کھ خلائجے تو فیتی دے۔

بجراگرتم بربوجهو کوشکر گزارافضل ہے۔ یا مسرکرنے والانوسطوم مونا چاہیے کوشکر کرنے کا فضل ہے اوراس کی دلیل الشدتعالیٰ کا نول ہے۔ فرمایا:۔

میرے متوالے بندے شکرگزاریں۔

وَظِيلُكُ مِّنْ عِبَادٍ ىَ النَّسُكُوْم

نوالتُدَافالكِ نَعَالُ مُواحْف النّواص بنا ياسه راودنوح عليه السلام كالعربين بن التُدْفال في فرايار النَّكُ كَانَ عَبُدًا نَشَكُوْمًا - يَعِينُا وه شكرُوار بنده تعار

اورابرابيم علبدالتلام كيمنعلن فترايان

دەأس كى نعسوں كاشكرگزارتغا-

شأكرالانعمه

ادراس بید بھی کر برانعام اور عافیت کے مقام پر بوناہے۔ اور اسی بید کما گیا ہے۔ کہ اگر جمعہ پر احسان کیا جائے اور بیں شکر کروں نو براس سے مجھے زیادہ بہتندہے۔ کہ بیں سختی بیں مبتلا کیا جاؤں اور صبر کردں۔

ا در بہ بھی کماکیا ہے۔ کہ مسبر کرنے والا زبادہ افعنل سے۔کبونکہاٹس کی مشقنت بچونکہ بڑی ہیں۔ اس بھے اس کا نُواب بھی بڑا اور در مانت بھی بند ہوں گے الٹرنغالی نے فربا یا ۔۔

بم ف اس كومبركرف والايايا-وه براايها

إِنَّا دَجُدُنَاءُ صَارِبُوْا۔ يِع**َـُحَ** ور

بنده تمقار

اورالتُدتعالىٰ نے فرمایا ہـ

إِنَّمَا يُوَقَ الصَّابِرُوْنَ ٱلْجَرَهُ مِهِ بِرِ سِنَ

بِغَيْرِحِسَارِبِ.

اورالتُدنعاليٰنے فرمايا:-

وَاللَّهُ جُعِبُ الصَّابِرِيْن

مابردگر بغرصاب کے پورا پورا اجردیے جابئں گے۔

اودالتهم كرنے والوں كوبسندكرنلہے۔

rip

marfat.com

میں کتا ہوں کو تعنیقت میں شکر کرنے والا ما بر کے سواکوئی نبیں اور مبر کرنے والا سخیقت ہیں شکر الرکے سوالا ورکوئی نبیں کیونکہ شکر گزار امتحان بیں ہے۔ اس میں سختی کے سواچارہ نبیں جس پر وہ لازی طور پر مبر کرے گا اور ہے مبری ندکرے گا رکبونکہ شکر احسان کرنے والے کی البی تعظیم ہے جواس کی نافر مانی سے دوک دے اور ہے مبری بھی نافر مانی ہے۔

اورمبرکرنے والا بھی نعمت سے خالی منیں ہے۔ جیسا کہ ہم پیلے ذکر کر چکے ہیں کہ پیلے معنی کے مطابان
سختی بھی حقیقت ہیں فعمت سے ۔ توجب اُس پر صبر کرے گا توحقیقت ہیں یہ بھی شکر بوگا ۔ کیونکہ مبریہ ہے۔
کہ اللہ کی تغلیم کے بیے اپنے نفس کو بے صبری سے رو کے اور شکر بھی بعینہ بہی ہے ۔ کیونکہ وہ البی تغلیم ہے۔
جونا فرمانی سے بچائے اور اس بیے بھی کہ شکر گزاراپنے نفس کو ناشکری سے روک ہے ۔ اور نافر مانی سے صبر
کزنا ہے ۔ اور ابنے نفس کوشکر براً مادہ کرنا ہے ۔ اور عبا واست پر صبر کرتا ہے ۔ توخینت ہیں یہ بھی صاب ہے۔
اور صابر نے اللہ تعالیٰ کی تعظیم کی جس نے اُسے بے صبری نظے فزوک دیا اور صبر پر آبادہ کیا تو اُس نے اللہ تعمل کو ناشکری سے روکنا جکہ
تعالیٰ کا شکر بیرا داکیا ۔ تو تعقیقت ہیں بہی شاکر ہے ۔ اور اِس بیے بھی کہ نفس کو ناشکری سے روکنا جکہ
تقس اس کا ارادہ رکھنا ہو۔ ایک سختی ہے جس پر شکر گزار صبر کرتا ہے ۔ اور صابر کی تو نبتی اور

ادراس بیے می کردہ بعیبرت جوان دونوں پرانسان کو آبادہ کرنی ہے۔وہ ایک ہی ہے۔اوردہ ہمارے
بعن علماء کے فول کے مطابق است نقامت کی بعیبرت ہے۔انہیں وجو ہات کی بنا پر ہم نے کہا ہے۔کہ
برلیک دوسرسے الگ ننیں ہیں۔ اِس جلے کوخوب ذبن نثین کراور تونین اللہ ہی کی طرف سے ہے۔
برلیک دوسرے الگ منیں ہیں۔ اِس جلے کوخوب ذبن نثین کراور تونین اللہ ہی کی طرف سے ہے۔
میں ہے۔ و

اسے مردِ خلاتی میں ہمت خرج کراس اسان سی گھاٹی کوعبور کرنے کے بیے اپنی ہمت خرج کردے
یہ ایسی گھاٹی ہے کہ جس کی شنفت بہت مفوری ہے۔ معادضہ بہت زبارہ ہے۔ اور جس کا وجود نہا بہت
عزیزا در فدرومنزلت نہا بیت عظیم ہے۔ دو جیروں پر عور کر پہلی یہ ہے۔ کہ نعمت اُس کو دی جاتی ہے جو
اُس کی تیجت کو جا نتا ہمو۔ اور اس کی فدر کو مرف شکر گزار ہی جا نتا ہے۔ اور ہما رہے اس قول کی دلیل
اس کی تیجت کو جا نتا ہمو۔ اور اس کی فدر کو مرف شکر گزار ہی جا نتا ہے۔ اور ہما رہے اس قول کی دلیل
اسٹر تعالیٰ کا قول ہے۔ جو کہ فعلا و ندنیا لی نے کھا رسے سے کا بیت کرتے ہوئے اور اُن کا جواب دینے

<u> بوے فرما پاس</u>ے۔

كياسي د ولوگ عي جن يهانشدن بم بي سے اصلن كيسهد كيا الثرتعالي شكرگذاروں سے

اَهْوُلَاءِ مَنَّ اللهُ عَلَيْهِ مَرَّ اللهُ عَلَيْهِ مَرْضِنُ بَيْنِنَا ٱلْكِبُسَ اللَّهُ بِأَعْلِمِ بِالشِّيكِينِ.

توان جابل توثول نے ببرنجال کرد کھا نغاکعظیم نعمت اور بڑاا سمان اُسی پرکیا جا تاہے جو مالی لحاظہ سے زياده اورحسب ونسب كے لحاظ الصے انٹرن مورتو كينے لگے إن نقيروں كاايك مقام ہے - كمان كے نول كے مطابق غلام اوراً زاد منفے كران كوي نعمت عظيمه دى جائے اور بمبس اس سے محروم ركھا جائے توانوں نے کمبری را داور منزاق کے طریق برکما کیا ہی وہ لوگ ہیں پرالشدنے م میں سے احسان کیا ہے۔ نوائن براللہ تعالى نے إس روش نكته سے جواب دياا ور فرما يا: -

اليسَ الله بأعلم بالمنتأكيرين كانتوان أكرارون كوينين جانتار

جس كلام كامدعا ببرہے-كدآ قاءكريم أسى كونعمت ديتا ہے جواس كى قلاكو بيجا تيا ہواوراُس كى قدروہى ببجانا ہے جوأس برا بنے نفس اور دل سے متوجر ہو۔ اور دوسری چیزوں کو جبور کراس کوپ ندکر ہے ادرأس کے محصول بیں ہومشکلات برداشت کرنا پڑیں اُن کی برواہ نہ کہے بھرائس کا شکرا ما کرنے کے لیے بمبتنه منعم كے دروازے يركھ ارب - اور بمارسازلى علم بن يربيلے سے موجود تفاركه بركزور لوگ اس نعست کی ندر کو جا بیں گے۔ اور اِس کے شکریہ کے بیے کھڑے ہوں گے تو تماری نسبت بیراس نعمت کے زباده خن دار نفع اور نمهاری دولت مندی ا ورثروت اور دنیا وی جاه و خنمت ا ورصب ونسب کی الٹر کوکوئی برواه بنین نم لوگ نمام نرنعمت دینا اوراُس کے سامان اورصب ونسب کی بنندی کو سمحقتے ہوستہ کہ دبن رعلم ین اورمع دنت کو۔ بہی وجہ ہے کہ تم لوگ اسی کی تعظیم کرتے ہواور اسی پر فخر کرنے ہو کیا تم غورنیں كريته كذنم إس دبن اورعلم اورحن كواكر نبول كرن بهونواس پر اصان جنات بوجوبير چيزين تمهار بياس ہے کرآیا ہے۔اور میراس میے ہے۔ کہ تم ان چیزوں کو حقیر مجھتے ہوا ور ان کی بیت مقود ی بروا ہ کرتے ہو ا در به کمزورلوگ اس براینی جانیں قربان کرتے ہیں۔اس کی ابباری کے بیے اینانون دیتے ہیں۔ا درجو کچھ اُن كے ہا تفول سے إس سلسلم بن نكل جا ناہے۔ اُس كى بروا و منيں كرتے اور ندائن كى بروا وكرتے بين جوائى سے دہمنی رکھتے ہیں۔ اور بیراس بیے ہے۔ کہ تمہیں معلوم ہوجائے کریسی وہ لوگ ہیں جنوں نے اس کی قلد کو پیچاناجن کے دلوں بن اِس کی تعلیم راسخ ہے۔ اور اِس کے سوا ہر ہین کا منائع ہوجانا اُن برنما بیت آسان ہے۔ اور اس میں ہرختی کو بر واشت کرنا اُن کو ب ندہے۔ تو یہ لوگ اپنی نمام عمرو اِس کے شکر یہ بین ختم کرتے ہیں۔ یہ وجہ ہے۔ کہ وہ اِس نعمت عظیمہ اور احسان جلیلہ کے اہل فرار پائے اور ہما رہے سابغہ علم کی وجہ ہے ہے اُن کو خاص کر لیا اور تمیں اِس سے محروم کر دیا۔

پیریں کتا ہوں لوگوں میں سے ہر طرین کا بی حال ہے۔ کہ جن کوالٹر نغالی نے دبنی نعمتوں میں سے کسی نعمت من کوئی کا بی حال ہے۔ کہ جن کوالٹر نغالی نے دبنی نعمت من کوئی کوئی کوئی کوئی کوئی کا میں مند کے سائند خاص کیا ہے نئواہ دہ علی ہو یا عملی سجب نم تعقیقت میں عفور کروگے نوان لوگوں کوئی کی فدر کا سب سے زیادہ سخت اور اُس کے حصول میں سب سے زیادہ کوسٹ ش کرنے والااور اُس کی نعظیم میں سب سے بطراا ورائس کے شکریئے ہیں سب سے زیادہ مفیدوط یا ڈگے۔

اوربعن لوگوں کوالٹدنغالیٰ نے اِسے محروم کیا ہے ۔اُن کواپنی تقدیر کے مطابق اسی ہے بروا ہی ا ور ہے اوبی کی وجہ سے محروم کیا ہے۔ بجراگر علم اور عباد سن کی تعظیم عوام اور بازاری توگوں کے دلوں بس کھی دہب ہی ہوتی جیبی کہ علماء اور عبادت گزاروں کے دِل میں ہے۔ تووہ کیمی بازاروں کو اختبار ندکرتے اور اُس كرجيوا وبناإن برآسان بوجا تاكبانم عوربنين كرته كدكو أي فقهيه جب كسى البيع مسئله كودر بإنت كرلنيا ہے۔ جس بیں بیلے اُس کو التباس نفاندائس کا دل کننا نوش ہوجا ناہے۔ اُس کی خوشی کننی بڑی ہوتی ہے۔ اور اس کے دل میں اُس کا مفام کننا بزرگ بوزلہے۔بیان نک کہ اگرائس کو ہزار د بنار مل جا نا تواسے اُننی خوشی نہ ىبونى -اوركىبى دېن كے معلىطے بىر كوئى مسئىلەش كوپرېشان ركھتا ہے - نودە اس بىرسال كىزنگ بكددس سال بلكه بين سال تك بعي عورو فكركز نار بنناجيدا وريجر بمي وه اس سيداك منين ما نابيان نك كريمي الله نعالیٰ اس کو بیمسئله تمجها دینے ہیں۔ نو تھے اس کوالٹہ کا بست بڑا اصان اورسب سے بڑی نعست مجھنا ہے۔ ادراس كى دجهسے ابنے آپ كونمام اغنياء سے زيادہ غنی الا برنٹرلیب سے زيادہ الشرت مجتنا ہے۔ بلکہ کبھی اس مسئلہ کوکسی بازاری پاکسی سسنت طالب علم کے سامنے بیان کردنیا ہے۔ بہمجھتے ہوئے کہ وہ بجی علم کی مجست اور رغبت بیں اُسی مبیاسے سیس وہ اُس کی طریب کان ہمی نبیں رکھنناا درکیمی اگراُس پر كلام لمبا بوجائے نواكنا جانا ہے ۔ باسوجا ناہے۔ اگراس كے بيے بيز ظا برجوجانے نواسے كوئى معاملہ نبیں سمجفنانو ہی معاملہ الشدنعالی کی طرف نوبہ کرنے والے کا ہے۔ کدوہ ریاصنت ادرنفس کوشہوات اورلذات

سے محفوظ رکھنے کے بیے کننی کوسٹنٹ کرنا ہے۔ اور اپنے اعتباء کوم کان وسکنات بیں کس طرح پابند
رکمتا ہے۔ کہ بوسکنا ہے۔ کہ نثا بدائٹ تعالیٰ پوری طمیارت اور آوا ہے کے سافقہ دور کعن کی توفیق ہے ہے
اور اللہ تعالیٰ کی جنا ہ بیں کننی زاری کرنا ہے۔ کہ اللہ نتا الیٰ اس کو صفائی اور طلاوت کے سافقہ ایک ساعت
کی منا جات نسب کردے اگر وہ معینہ بھر بیں بلکرسال بھر بیں بلکہ اپنی ساری زندگی بیں ایک مرتبہ بھی
اس پر کا میاب ہوجائے تو اس کو مبت بڑا اصابی اور سب سے عظیم نعمت ہجننا ہے۔ اور کننا خوش مختا ہے۔
اور کننا اللہ تعالیٰ کا شکر یہ اداکر نا ہے۔ اور اُئی شفتوں اور نکلیفوں کی کوئی پرواہ منیں کرنا ہوائس نے داتوں کو جور اُسے۔

اَكَيْسَ اللهُ بَاعِلْمِ بَالنَّمَا كِرِيْنِ ، كِي النَّهُ النَّالُ اللهُ النَّمَا النَّالُ اللهُ النَّالُ النَّ

بساس کو بھے اور اس کے من کی رعابیت کراور جان ہے کہ جم مجلائی کی توخواہش کرتا ہے۔ اس سے تو مرت اس وجہ سے محروم ہے کہ تواس کے قدر کو نمیں جا ننا سو توابنی ہمت مرت کرکہ اللہ کی نعمت میں اور پری مرت اس وجہ سے محروم ہے کہ تواس کے قدر کو نمیں جا ننا سو توابنی ہمت مرت کرکہ اللہ کی نعمت میں اور پری تعلیم کی تعدید اس کی مطابقے نعیب ہوگی بچروہ جھ پر اس کی بھا کے تعلیم کی تعدید اس کی بھا کے ناور اس کی مطابقے نعیب ہوگی بچروہ جھ پر اس کی بھا کے ساتھ بھی اصان کرے کا جیسا کہ اس میں بیان کریں گے ساتھ بھی اصان کرے کا جیسا کہ اس میں بیان کریں گ

بینک وہی ہے شفقت کرنے والامبربان -

دوسرااصل برسے کہ جواد می کسی چیز کی قدرنہ جانے وہ نعمت اُس سے تجبین کی جاتی ہے۔ اورجو فدر نبیں جا تناویں ناشکر سے جس نے اُس نعمت کی فدرنہ کی اور اُس کا شکرادا نہ کیا اور اس کی دیل اللہ تعالیٰ کا قول ہے۔

اوربره حان برخراس آدی کی جس کو بم نے اپنی آبینیں دہی بیم وہ اسسے تکل گیا بیم نبیطان اس کے بیجھے لگا سودہ گرا ہوں سے مہوگیا اور اگرچلہ ہے تو اُس کو اِن آبینوں کے ذریعے سے بلندگر دبیتے۔

كلام كامتفصد بيب سيركه بم نے اُس بندسے پر بڑی بڑی نعمتوں اور عظیم احسانات سے دبن كے تنعلق جوم<u>م نے ام</u>س کوبھیرین دی متی انعام کیا اور الرا زنبدا ور رفیع منزلین اپنے دروازے براس کوعطاکی تاکہ وہ بمارسے پاس بلندم زنب عظیم القدر را سے جاہ و حالال والا موجائے لیکن وہ ہماری نعست کی فدرسے جا بل رہا ا در خغرا ورکمبنی دنیا کی طرمت ما نمل موگیا سا وراینی کمینی اور ردی نوابنناست نفس کواختیا رکر لیا ا وربدنه جاناکه ساری دنیاالٹڈنغالیٰ کے نزدبک دینی نعمتوں ہیں سے ایک نعمت کے برابرہی نبیں ہے۔ اوریہ مجیر کے ا بک پر کی جننبیت بھی نہیں رکھنی ۔ نو اِس آ می کی شال اُس کتے کی سے ۔ بچوعزے اور راحت اور تو ہی اور مشقن بين تميز نهبل كرسكنا راور مذر نعنت اور شرت كو حفاريت اورخسن سے الگ ديكيفنا ہے خوبر دونول مالتوں میں ہا نبتا ہے۔ اس کے نزد بک نمام بزرگی روٹی کے ایکٹ کھیے بیں ہے ہے وہ کھا ہے با دمنزنوان كماكيب بلرى بيرسص أس كما وت بعينيك ديا جائت برابره بسدكه نواست اينيسا تفنخن برببطائ يا ابنے سامنے اسے گندگی اور مٹی بیں کھڑا کردے سوائس کی ہمنت اور کرامت اور نعت سب کھے اسی بیں سبے رتو اِس بڑسے انسان نے جب ہماری نعمن کی فدرکونہ پیجا نا اور جویزرگی ہم نے اُس کو دی متی اُس کا حق ندبیجا نا تواس کی بعیبرن کند مبوگنی اور بمیں مجبول کردوسروں کی طرف توجہ کرنے کے سبب سے مقام قرب بس اُس کا دب برز صورت اختیار کرگیا اور ہماری نعنوں کے نذکرہ کوجیوڑ کر حفيرونيا ادخسيس لذن مين مشغول موكبارنو بم نے اُس كى طرف قىركى نظرى تعربى عادراُسے انصاف کے مبدان ہیں کھڑاکر دیا۔ اورائی کے متعلیٰ غیمت کا فیصلہ نا فذکیا۔ پیرائی سے اپنی تمام خلعیں اور کرائیں ہے مبدان ہیں کھڑاکر دیا۔ اورائی کے مبدان ہیں معرفت کھینچ لی پیروہ ننگا ہوکرائن تمام نعمتنوں سے با ہرنکل گیا ہوہم نے اُس کو اپنے نام اس کے دل سے اپنی معرفت کھینچ لی پیروہ ننگا ہواگا اور ٹیسطان مردود ہوگیا۔ ہم الٹدی نارا منگی اورائی کو اپنے میں دہ ہم پرشفقت کرنے والا دریان ہے۔ دردناک عذاب سے اُس کی پناہ چاہتے ہیں دہ ہم پرشفقت کرنے والا دریان ہے۔

بجرايك بادشاه كى مثال برقناعت كركه وه ابنے كسى بندے كى عزت كرے اور أسے خاص ابنے كورے ببناف اورأس ابن فربب كرس اوراب يتام خادمون وربانون برأس كومردار بنا وسعاوراً سعاب دروا زے کی ملازمن کا حکم دے مجرحکم دے کہ اُس کے لیے کسی دوسری جگدیں محل تعمیر کیے جابش اوراُس کے بیے بند تخن بچھائے جا بئی ۔اُس کے بیے طرح طرح کے کھانے پہنے جا بٹی آراستداونڈیاں اُس كوبهياكى جابئن منالمهائس كمصراحف وسنت بسته كمطرس ببون ببان كك كرجب وه إس ملازمنت سوايس مائے نواس مگدا بک مخدوم بادشاہ کی جنبیت سے بیٹھا یا جائے ادراس کی معدمت کی مالت اورا ہے ملک اورولایت کی مانت بس ایک بی ساعت کا فاصله مبویا اس سے مبی کم مجراگرید بندہ بادشاہ کے دردازے برجانوروں کی نگرانی کرتے ہوئے کسی نوکرکوروٹی کا مکڑا کھاتے دیجھے پاکسی کھے کو بڑی جانے سوئے توباد شاہ کی خدمت کر تھیں وکر اُن کو دیجھنے ہیں مشغول ہوجائے اوراینی توجداس طرت ہیےردے ادر شابی خلعنوں اور کرامنوں کی طرف توجہ ندکرے ادر اُس ملازم کی طرف دوڑے اور ا بنا یا تخفہ پھیلا أس سے روٹی کا عموا مانگنے لگے باکسی کتے کو بڑی بجانے ویکھ کرمزاحمت کرنے لگے اور اُن بررشک کرے اوراُن کی اِس مالت کوبڑا اجھا جانے توکیا باد شاہ حب اِس آدمی کو اِس مالت بیں دیکھے گا تو یہ مسجعے گا كه ببهبونون اور كمينه بمن آ دى ہے واس نے ہمارى كرامىن كاسى نەببىجا نا اورىم نے إس كوضلعت عطا کرکے اورا بنی بارگاہ بیں حا صرکرکے اورا بنی عنا بہت اِس پرمبذول کرکے اِس کی جوعزت افزاق کی متی اس نے اُس کے فدرکونیں دبکھااور ہم نے اِس کے بیے دولت کے ذخیرے اورکئ نسم کی ممنیں مہیا کی تغییں۔ یہ کمبنہ بمت اورعظیم ابھل اور برنمیزانسان ہے۔إس سے خلعنیں تھیں لوا ور اس کو ہما رہے دروازے سے

یں بیں حال عالم کا ہے۔ جب وہ د نباکی طرف تمبک جائے اور بیں حال عابر کا ہے جب وہ نواہش کی ہروی کرنے مگے بعد اِس کے کدالٹڈ نعالی نے اس کو ابنی عبادت اور ابنی نعمنوں کی پیجان اورا نی شربیت

ادرأس كے احكام سے سرفرازكيا تقارى بائس فى إن كے قدركون جانا تووہ الله كے نزديك سب سے حقيراور سبسے ذلبل ہے۔ کہ اِس بیں رغبت کرتا ہے۔ اوراس کی حرص رکھتا ہے۔ اوراُس کے دِل بیں بیسب سے بڑی اورسبسے مجبوب چیزہے اُن تمام چیزوں سے جواس کوعلم اورعبادت اور حکمت اور حفائن سے بم ندعنا بت كي تقين اوريى طال بدأس أدى كاكرج كوالشدتعالى ندطرح طرح كى توفيق اورعصمت سے خاص کرلیا-اوداینی خدمنت اورعبادت کے انوارسے اُس کوزنیت نجشی اوراکٹراو قان ہیں رحمنت کی نظر سے اُس کو دیکھاا وراس کی وجہسے فرشتوں پرفخرکیا اور اُس کوا بینے دروازے کی سرداری اور و جا بہت بخثی اوراً سے شفاعت کے مفام پر کھڑا کیا -اور اس کوعزت کی منزل پراُ تارا بیان نک کہ جب وہ اِس جننيت كابوكياكه اكرأس كوبكارس تووه نبول كرساورلبيك كصاور الرأس سدما تك توأس كودساورغنى و محردے اوراگر دنیا بھرکی شفاعت کریے توان کے متعلق اُن کی شفاعت کونبول کرسے اور اُسے را منی کریے اوراگرخلاکونسم دے نورہ اُس کی تعم کو بورا کرے اور اگر اُس کے دِل بس کسی جبر کا خیال آئے تو اُس کورا كرنے سے پہلےعطاكرے بھے سے کیے سب کے بہ حالت ہوا ور بھے بھی وہ ان تعمنوں کی فدر نہ پہچانے۔اوراس منزلت کی فدرکونه دیکھے اور ہے جیانفس کی ردی نوا ہشات کی طرفت چلا جائے۔ یا کمینی دنیا کے حصول بب مك مائے جس كوكوئى بغامنيں- اوران كامنوں اور طعنوں اور بدبوں اور احسانوں اور عطا ۋں كون د مجھے بھراُن چیزوں کوندملحوظ رکھے جن کااس نے وعدہ کیا ہے۔ بچرآخرت میں اُس کے لیے نیاز میں طبیم آواب ادر ہمیشند کی رسنے والی پوری نعمیس تو یہ کتنا حقبراً دمی ہے۔ اور کتنی بدنر حالت میں بندہ ہے اوراگروہ جانے توكنف خطرناك منفام بيب ساور إس كايبكام اكروه مجعة نوكنني برى بيرحيا في سهد بم الشدتعالي رحيم اور شغيق سے سوال كرتے ہيں -كدوه اپنے عظیم فصل اور وسیع رحمت سے ہمارے حالات كودرست كردے بيك ده . سب رحم كيف والول سع زياده رحم كيف والاسه-

تواے مردتم پرلازم ہے کہ تواپنی ہمت مرف کرسے تاکہ تواپنے اوپر اللہ تعالی کے احمانات کے فدر کو بیچانے اور رسب بخد پر دین کی نعمت کا احسان فرمائے تود نیا اور اس کے سامان کی طرف توجو کر بیچانے اور میسے بر میز کر کیونکہ یہ مخدسے ایک طرح کی بستی ہوگی کہ اللہ تعالی نے تھے دین کی متعل کو اللہ بنایا اور میچر تونے قدر ندکی کیا تو نے اللہ تعالیٰ کے قول کو منیں سنا جوسے برا المرسلین کو مخاطب کا والی بنایا اور میچر تونے قدر ندکی کیا تو نے اللہ تعالیٰ کے قول کو منیں سنا جوسے برا المرسلین کو مخاطب

كرك فرما ياسه: -

اور بے نئے دی جم نے مخھ کوسات آیتیں پاربار بڑھی جانے والی اور فرائی ہے کہ عظا فرایا تو ہم نے اُن کوطرح طرح کا سامان دیا ہے۔ اُس کی طرف نگاہ اُسٹاکریمی ندد یکھے۔ ولفندا تيناك سَبْعَ من المثانى والقرأن العظيم و لانمدّن عينيك الله ما متّعتا به ازواجا منهم كا ية

اس کامطلب بیہ ہے کہ ہے قرآن عظیم دیا جائے اُس کا سی ہے کہ وہ تغیرہ نیا کی طرف بہدند بائی اور مرضامندی کی نگا ہ سے کہ جی نہ دیکھے۔ چہ جائیکہ اُس کو اِس بیں رغبت ہو۔ اس پرالٹر تعالیٰ کا ہمیشہ شکرادا کرے کہ بید وہ بزرگی ہے جس کی حرص الٹرنعالیٰ کے دوست ابرا بہتم نے اپنے باب کے منعلق کی کہ اس پراسان کرے لیکن اُس نے اِس کو فیول نہ کی اورالٹر نعالیٰ کے جبیب محد مصطفے صلی الٹر علیہ وہ کم نے خواہش کی کہ اپنے بیکن اُس نے اِس کو فیول نہ کی اورالٹر نعالیٰ کے جبیب محد مصطفے صلی الٹر علیہ وہ کم نے خواہش کی کہ اپنے بھا ابوطالب پر اس کا احسان کرے اُس نے بھی قبول نہ کیا۔

اوربانی رہاونیا کاسامان نویہ وہ جبزہد سوالت زمائی ہرکافر فرعون ملحدزندین جاہل اورفاسن کو عطافر ما ناہدے ہوکہ اللہ تعالی نگاہ ہیں سب سے زیادہ ذلیل ہیں بیال تک کہ وہ اس میں ڈوب جانے ہیں۔
اور اس سامان سے ہرایک بنی - برگزیدہ - صدیق - عالم - ادر عا بدکوموم کرد نیاہدے ہوکہ اُس کی نگاہ ہیں سب سے بہتر بن مخلوق ہیں - بیان مک کہ ان کوروٹی کا ٹکٹر اور کیبڑے کا بیپنغ المجی بعض وفعہ نعیب بنیس بوتا اوراُن بیا صان جا تا ہدے ۔ کہ اُن کو اس گندگی سے آلودہ منیں کیا - بیان نگ کہ اللہ تعالی نے موسی اور بون سے فرما یا - اگر ہیں جا ہوں تو نم کو زمینت و بدول تا کو خون کو معلوم ہوجائے جب کہ اُس کو طاح طرک یہ برگراس کی قدرت اِس سے عاجز ہے - تو ہی کرسکتا ہوں لیکن میں تم دونوں سے ونیا کولیسیٹ بوں گاا ورائس کو برگراس کی قدرت اِس سے عاجز ہے - تو ہی کرسکتا ہوں ایکن میں تم دونوں سے دنیا کولیسیٹ بوں گاا ورائس کو طرح ہا نگ دیتا ہوں جس طرح منطق چروا ہا اپنے اونٹوں کو خطرناک جگوں سے دوک دیتا ہے - اور دنیا کے طرح ہا نگ دیتا ہوں جس طرح منطق چروا ہا اپنے اونٹوں کو خطرناک جگوں سے دوک دیتا ہے - اور دنیا کے عیش اورا طبینا ن کو اُن سے الگ رکھتا ہوں اور بیراس یے منیں کہ وہ میری لگاہ ہیں ذلیل ہیں بلکاس لیے عیش اورا طبینا ن کو اُن سے الگ رکھتا ہوں اور بیراس یے منیں کہ وہ میری لگاہ ہیں ذلیل ہیں بلکاس لیے کہ وہ میری گرامت سے لیرا صحیحا صل کرسکیں اورالٹہ تعالی نے فرمایا : -

اوراگریخطرہ نه بہوتاکہ لوگ ایک ہی گردہ موجائیں گئے نوجم خلاتعالیٰ کا انسکا دکھینے والوں کے مکا نوں کی جہتیں جا ندی کی بنا دسیتے۔ ولوكا ان يكون الناس الملة واحدة لجعلنا من يكفر بالرحلن لبيونهم سقفاً من فضند الأبة -

بس دونوں امور بی عور کراگر تجھے بھیرت ماصل ہے۔ اور کہ تمام تعربیت اُس الٹر کے لیے ہے۔ کہ جس نے ہم پرابینے اولیاء واصفیاء کی نعمتوں سے اصان فرمایا۔ اورا بینے دشمنوں کے فکنے کوہم سے دور کر دبا " ناكه بم حمد اكبراور بورسے شكراور برسے اصان اور نعست عظمیٰ كے ساتھ مخصوص مبوجا بنس اور حقد حا مل كريں۔ جوكداسلام بسے رہیں پینعمت اس قابل ہے۔ كذنواس كى شكرگزارى سے دِن رات بى كى وفت كھى غفلىن نە كريسا أكرتواس كمئة فدركوبيجا ننصب عاجز بهاتوجان بدكرا كرنودنيا كما نبدا بهي ميريداكرايا جأنا اور اسلام كى نعمت كے شكريدا واكرنے بي اول وقت سے ہے كريمينية نك بھرون رمبناتو تواس كاحن ادانه كرسكنا ملكماس فضل عليم كمص بعن صفوق بمي ادانه مهوسے۔

ببن كتنابون جاننا جابيدكه يدمفام مبرى دانست كے مطابق جوبس اس نعست كا قدرجا ننا مبوں اِس کامنحمل منیں ہوسکنا۔اگر جبراس کے متعلق ایک کروڑ در نی بھی تکھے جا بیں نو بھر بھی مبرا علم اس سے زبادہ مبونا - با وجود اس اعنزا مت کے کہو کچھ بیں جانتا ہوں وہ نہ جاننے کے مقابل ہیں تنام دنیا کے سمندروں کے مقلبلے میں ایک نظرے کی جنبیت رکھناہے۔کی تونے ستبرالمرسلین کو خطاب كرتے بروئے الله تعالیٰ كافول منیں سنا : ۔

ىنبى نفانوجا نىاكەكئاب كياپيېزىيەادرا بمان ماكنت تدرى ماالكتاب وكا الايمان الخان قال وعلمك ما كيابجيزييان نك كهفر بإباا ورشخصوه كجيسكهايا جوتونبين جاننا كفارا درتجه برالتدنعالي كابت لعرتكن تغلعروكان فضل الله عليك عظيماً ه

اورالشدتغالى في ايك قوم كو مخاطب كرك فرمايا :-

بلكه الشرتعالى نم براسان مجلا مله كدأس ني بلاالله يَمُنَ عليكمان هديكم تم كوايمان كى راه نما ئى كى-للايمان الأبة

اوركباتولى الشرسلى الشرعلية وللم كافول منيس سناجب كداب في ايك أدمى سے سناكه وه

تمام تعریفیں الٹرکے لیے بیں کراس نے الحَمْد ثله عَلَى الاسْلام ـ

اسلام کی دولت کخشی ر

توآب نے فرمایا نونے الٹدنغالی کی بہنت بڑی تعمین برنع رہینے کی۔

اورجب بعقوب کے باس خوشنجری لانے والا آیا تو آپ نے فرما یا تونے بوسٹ کوکس دبن پر جیسوٹا ہو اگر کی کا مدالتہ اس نے کماد بن اسلام پر تو آپ نے فرما یا اب نعمت پوری ہوگٹی اور کما گیا ہے کہ اس نے کہ است زیادہ کوئی کلمہ اللہ تعالیٰ کو مجوب نیبس اور نہ اِس سے زیادہ شکر گزاری میں کوئی کلمہ ہے۔ کہ بندہ کے نمام تعریفیں اُس اللہ کے یہے بین جس نے ہم پراحسان فرما یا اور دین اسلام کی راہنمائی کی۔

اوراس سے ہوسندیار رہناکراسلام کے نشکراند بین کھی غفلت ندکرنا اوراسلام اور معرفت اور توفیق اور عصمت کے جس مال پر نو فائز ہے۔ اِس سے وصو کہ ند کھا جا نا کیونکہ اس کے یاوج مدامی اور غفلت کا یہ مظام نہیں ہے کیونکہ تمام امور کا نعلتی انجام سے ہے۔ سفیان نوری رحمہ الشرنعالی فربا پاکرتے نفے ہو آدی اپنے دین پرمطمئن موجائے اُس سے دین تھیں یہا جا نا ہے۔ اور ہمارے شیخ رحمۃ الشرفر بایاکرتے نفے کر جب اور اپنے نفس پرمطمئن نہ ہوکیونکہ معاملہ خطر ناک ہے۔ اور توکا فرول کا حال اور ان کا ہمیشہ آگ بیں رہنا سنے تو اپنے نفس پرمطمئن نہ ہوکیونکہ معاملہ خطر ناک ہے۔ اور تونیس جا نناکر انجام کہا ہوگا۔ اور نیرے منعلق غیب بیں کی فیصلہ ہوچا ہے۔ نوا پنے اوفات کی صفائی تونیس جا نناکر انجام کہا ہوگا۔ اور نیرے منعلق غیب بیں کی فیصلہ ہوچا ہے۔ نوا پنے اوفات کی صفائی والے گرو واس کے بنچے نما بیت گری آفت ہے۔ الشدنعالی نے ابلیس کوطرے طرح کی عصمت سے مزین کیا اور والے گرو واس کے بنچے نما یون گا اور بلیام کواپنی ولایت کے نورسے مزین کیا۔ حالا نکہ وہ اُس کے حقیقت بیں وشمن نیا۔ اور صفرت علی شعیم مردی ہے۔ کہ آپ نے فربایا کینئے ہی کوگوں کوارسان کوکے معملی بردہ پوشی مینالا بیں۔ اور کینئے ہی آدمی صلاکی بردہ پوشی صفر کہیں مینالا بیں۔ ووالنون مصری سے پر تھیاگیا۔ کہ وہ کونسی ضطرفاک جوبر ہے جسے سیدہ وصوکہ بیں مینالا بیں۔ ووالنون مصری سے پر تھیاگیا۔ کہ وہ کونسی ضطرفاک جوبر ہے جس سے بندہ وصوکہ کی مینالا بیں۔ ووالنون مصری سے پر تھیاگیا۔ کہ وہ کونسی ضطرفاک جوبر ہے جسے سے دور کیا ہے۔ والیا کینے ور بابا ہے :۔

ا بل معرفت نے کہاکہ ہم اُک پڑھتیں پوری کرتے ہیں اور اُک کوشکرا داکرنا میلا دینے ہیں رجیباکہ کسی نناع سنے کہا ہے: ۔

وله تخف سُوء ما يأتى به القدى

احسكنت ظنك بألابا ماذحسنت

وسالمنك الليالى فأغنزس من بها وعند صف الليالى يجدث الكدس

ترجید: رجب بخد پرانچے دن بول نوتوان کوا چھا بھھنا ہے۔ اور اس کا نوف نبیں رکھنا ہوئفد کے اور اس کا نوف نبیں رکھنا ہوئفد کے بیست کا معدن ہے آت ہے۔ اور اس کا دصوکہ کھا جا تا ہے۔ اور را توں کی معنائی کے دنت کدور تیں پیا ہوجاتی ہیں۔

اورجان بیناچا بینے کرجب توبست زیادہ قریب ہوجائے تو تیرامحاملہ بہت زیادہ نوفناک اورشکل بھے۔اور نیرانحطرہ بہت براامربست زیادہ سخت اور باریک ہے۔اور نیرانحطرہ بہت برا اسے۔کہ کوئی چیز جب انتہائی بندی پر پہنچ جانی ہے۔نوجب وہ نیچ گرتی ہے۔توبست بڑی طرح سے گرتی ہے۔جیاکہ کہا گیا ہے۔ ما طارطیوفا د تفع الاکما طاس و قع

نرجمہ: مجب کوئی پرندہ افرکر لمبند چلاجا تاہے۔ نوجس طرح سے اُٹو تاہے۔ اُسی طرح گرناہے۔ تواس وفت مطمئن ہونے اورشکرانے سے غفلت برشنے اور اپنے حال کی تفاظن بیں عاجزی اور ناری کو تھے وڑ دینے کا کوئی مفام نہیں ہے۔ ابراہیم بن ادھم فربا باکرنے تھے ہم کیسے مطمئن ہوسکتے تھے جب کہ ابراہیم خلیل پرع ص کرتے ہیں:۔

واجنبنی و بنی ان نعب کمفی ادرمیری ادلادکونبول کی عبادت سے الاحنا م م الاحنا م الاحنا م م الاحنا م م الاحنا م الاحنا

اور بیسف معدیق علیه السلام عرمن کرتے ہیں :-تَوَیِّنی مُسْسَلِمًا ۔ تَوَیِّنی مُسْسَلِمًا ۔

ا درسفیان توری ہمیشہ کھنے رہتے یا اللہ بجائے بچائے گوباکہ آپکشتی بیں بیں جس کے عزت ہونے کا اندیشہ ہے۔

ادر بمیں محد بن یوسف رحمہ اللہ سے روایت بینی ہے۔ آپ نے کما میں نے سفیان توری کو ایک اِت عورسے دیکھاوہ ساری رات روتے رہے میں نے بوجھاکیا گنا ہوں پررونے ہو ؟ تو آپ نے ایک نکہ اُسٹا یا اور کما گنا ہا اللہ تعالی کے نزدیک اِس سے بھی زیادہ تغیرہے۔ بی اِس سے ڈرتا ہوں کہ اللہ جھے اسلام خوری ہے اور اس سے خلاکی بناہ ۔

اوربی نے بعض عارفین سے سناہے ۔ کفتے تھے کہ بعض ابدیا علیهم السلام نے الٹارتعالیٰ سے بلعام اور اُس کے مردود ہوگیا ۔ توالٹارتعالیٰ نے فریا یا اُس کے مردود ہوگیا ۔ توالٹارتعالیٰ نے فریا یا جو کھے میں نے اُس کے مردود ہوگیا ۔ توالٹارتعالیٰ نے فریا یا جو کھے میں نے اُس کو دیا نظاائس پر اُس نے ساری زندگی میرا یک دن بھی شکراد انہ کیا۔ اوراگر ایک دفعہ بھی وہ میرا شکریہ اداکر دیتا تو بی اُس سے نہ جھینیا۔

بساسة دى بوسن بار موا ورشكرك ركن كربت زياده صفاظت كراور دينى نعتنول پراس كى جديان كركرسب نعتنول سے بالا تراسلام اور معرفت ہے اور سب سے جيو في نعمت تبيع كئے كى توفيتى يا بے مغصد بات كررسب نعتول سے بالا تراسلام اور معرفت ہے اور سب سے جيو في نعمت تبيع كئے كى توفيتى يا بے مغصد بات كر نے سے پر بیز ہے - كوالله تعالى اپنى نعتيں تھے پر بورى كرسے - اور زوال كى كروا بسك بعد بير بحد مبتلان كرسے كرسب سے زيادہ نتاكل عزت كے بعد ذلت اور قرب كے بعد بير اور و ممال كے بعد فرات ہے - اور الله تعالى بزرگ كريم شفتى اور مريان ہے -

> كَتَبَنَا لَا يُزِعُ قُلُوْ بَنَا يَعُدُ إِذْ هَدُ يُنَنَا وَهَبُ لَنَا مِنْ لَكُ نُكَ مَ خُمَةً هَ إِنَّكَ اَنْتَ الْوَهَا بُ

اے ہمارے رب برابیت دینے کے بعد ہمار دلوں کو مبر صانبہ کرا در ہمیں ابنی جاب سے رحمت منابین فرما میں بنیک نوبی عطا کرنے والا ہے۔ عنابین فرما مینیک نوبی عطا کرنے والا ہے۔

بین کہتا ہوں اس کا مطلب بہ ہے۔ اور النہ تعالیٰ ہی بہتر جا بیں کہ ہم نے نجھ سے نعمت حاصل کی اورد وسری نعمت کے ہم امبد وار بین کہ توہی سنی اورعطا کرنے دالا ہے۔ بھرجی طرح تونے ہمیں انعام کی نصبیات ابتدا بین بخشی ہے۔ اس طرح انمام کی رحمت انتہا بین عطا فرما ۔ کیا تو نے غور نیس کیا کہ سب کی نصبیات ابتدا بین بخشی ہے۔ اس طرح انمام کی رحمت انتہا بین عطا فرما ۔ کیا تو نے غور نیس کیا کہ سب بیلی و عاجوالٹ درب العالمین نے اپنے مسلمان بندوں کوسکھائی ہے جس کو الٹدنے اپنی نحلوق کے لیے انتخاب فرمایا۔ وہ الٹہ تعالیٰ کا بہتول ہے ہے۔

بمين سبدهے راسنے كى را بنمائى فرما-

إِهْدِنَا الطِّمَاطَالُمُسْتَقِيْمَ.

بینی ہمیں ہمیبشہ اِس پر ثابت قدم رکھ اسی طرح ہم ہمی اُس کی جناب بیں النجاکرتے ہیں کہ معاملہ ن عظیم ہے۔

کماگیاہے کہ حکماء نے عور کیا توجہان کی تمام معیبہتوں اور مختوں کویا نجے چیزوں ہیں پایا مسافری میں بہاری ۔ بڑھا یا ہی فقیری رجوانی ہیں موت ۔ اور دیکھنے کے بعدا ندھا ہوزا۔ اور معرفت کے بعد ہے ہمبرت ہوجا نا۔ اوراس سے بھی بڑھ کرکسی کا بہ قول ہے:۔

لكل تشى اذا فارقته عوص وكيس يلهان فارفت من عوض مرجم، مرجر كاكوئي فدكوئي عوض مرجم، مرجر كاكوئي فدكوئي عوض بحرب اس كوجهو وربا جائي مربي الرنو فداكو جهو وردب و اس كاكوئي عومن نبين الماكوئي عومن نبين الماكوئي عومن نبين المركسي اور في كما به : -

اذا ابقت الدنياعلى المراء دبيله فما قاتد منها فليس بضائر ترجم، سجب دنياكس دى كادين فراب مرك ترجو كجد عمائس سے منافع بوجائے وہ نفسان دبينے والانيں سے۔

اوراس طرح ہرایک نعمت کا معاملہ ہے رجوہ تھ کوانعام فرائے اوران گھاٹی ہے اسے ہیشرد کھے اور تھے بڑی کمنا ورخواہش سے بھی زیادہ دے ہیرجوب تو اس مقام پر بہنج جائے تو تو نے اس خطوناک گھاٹی کو عود کر بااور تو اس سے بھی زیادہ دے ہیرجوب تو اس مقام پر بہنج جائے تو تو نے اس خطوناک گھاٹی کو عود کر بااور تو نے دو نمایت اچھے نمز انے حاصل کر لیے جو کہ استقامت اور زیادت ہیں۔ ہیروبودہ فعمیں جو اس نے عطائی ہیں نیرے باس ہیں ہیں۔ ہی ۔ بھے ان کے زوال کا نمطرہ ندہوگا۔ اور جو نعمیں بھے اُس نے عطائی ہیں نیرے باس ہیں نہیں کھاٹی کے فوت مطائل ہیں نیرے باس ہیں نہیں در گھاٹی دو نمایت کے اس کے خوال کو فوت موجود کے اس کے خوال کو نمایت ہو جائے گا جو کہ عادت ۔ عالم ۔ وین کے عامل گان ہول سے ہو جائے گا جو کہ عادت ۔ عالم ۔ وین کے عامل گان ہول سے نمو جائے گا جو کہ عادت ۔ عالم ۔ وین کے عامل گان ہول سے نو بر کہ خوال کے معرف کے دو اے اس کو نمایت کے لیے الگ مہونے والے تنبیطان کو مناوب کرنے والے بناک مغوس دورا نے کام کو ندا کے میں در کو اسے میں مونا ہے گا ہو کہ کا جو کہ خوالے کے میں ہونے والے رامنی برضا چھر کرنے والے ایک میں مونا ہے کام کو ندا کے میں در کو اسے مار میں کہ کو ندا کے میں در اورا جو کے اس میں مونا کو سے میں کو دورا کے میں کو دورا کو میں کی میں کو دورا کو میں کو دورا کو میں کو دورا کو دورا کو میں کو دورا کو کو دورا کو میاں کو دورا کو میں کو میں کو دورا کو میں کو دورا کو میں کو دورا کو میں کو دورا کو میں ک

بجراگر تو کے کہ گرمعاملہ اس طرح کا ہے۔ تو اس معبود کی عبادت کرنے والے اور اس مفسود پر بہنچنے والے بہت نفور نے داکون اِن کہ بہت نفور نے داکون اِن بہت نفور نے اور کون آدی ایسی مشفتوں کی طاقت رکھتا ہے۔ اور کون اِن بہت نفر اُنے ہیں:۔ نزائط اور سنتوں کو ما صل کرسک ہے ۔ تو معلوم ہونا چا جیسے کہ خلاوند تعالیٰ بھی ایسا ہی فرمانے ہیں:۔ و تَوَلَّدُ لُ مِینَ عِمَا حِدی الشّدَ و مُن عِمَا حِدی الشّد کو میں ۔ اور مبرے تعویرے بندے شکر گزاد ہیں۔

اور فرما یا: –

لیکن ساکٹرلوگ شکرنییں کرتے ینیبر عفل کرتے منیں جانتے ۔ وَلٰكِنَّ اكْنُوالَنَّاسِ كَلَّ يُشْكُونُ . الرَّيَعُقِلُونَ . لَا يَعُلَمُونَ . بعرب معالمه أس اً دمی پرنمایین آسان سے جس پرالتٰدا آسان کردے۔ بندہ کے ذمہ کوشش کرناہے۔ اورالتٰدسبحاط کے ذمہ بوابین سبے سالتٰد تعالیٰ نے فرمایا :۔

اور بین لوگول نے ہماری راہ بیں کوشنش کی ہمانی رامبول کی ان کورا ہنمائی کریں گئے۔ وَالْكَذِيْنَ جَاهَكُوْلِفِينَاكَنَهُ دِيَنَهُمُ مُ

اورجب ایک کمزور مبنده اینے فرانعن کو بچرا کرنے کی کوسٹسٹ کرنا ہے۔ نورب قدیرعنی اور کرم اور رجم کے متعلق تم کیا نیال کرنے ہو۔

پیمراگرتوکے کی مختلفوری ہے۔ اور یہ گھا فیاں بڑی طوبل اور سخت ہیں پیمرکس طرح عربا نی رہے گا کہ یہ تمام شرائط پوری ہوسکیں۔ اور یہ گھا فیاں سط کی جا سکیں۔ تو مجھے اپنی عمر کی ضم برگھا فیاں وا نعی بڑی طمریل بیں اور ان کی شرائط بھی بڑی سخت ہیں۔ لیکن جب الشرتعالی کسی بندے کو انتخاب کر لینتے ہیں تو بھریا فی اس پر تجیعہ فی ہوجا تی ہیں۔ میان تک کہ بندہ ان کو نظع کرنے بھر لمائی اُس پر تجیعہ فی ہوجا تی ہیں۔ میان تک کہ بندہ ان کو نظع کرنے کے بعد کتنا ہے۔ کو بندگان تھا ہے۔ کتنی مختفر ہے۔ کتنی مختفر ہے۔ کتنی مختفر ہے۔ کتنی مختفر ہے۔ کتنی اُسان اور نرم ہے۔ اور ہیں جب اِس منگل ہیں کھڑا تھا تو ہیں نے برشعر کھا تھا :۔

وادى القلوب عن المحجة في على موجودة ولقد عجبت لمن نجياً علم المحبحة واضع لمريدك ولقد عجيت لها لك و بحاته

نرجمہ: سبدسے داستے کا علم چاہنے والے کے بلے دامنے ہے۔ اور بس دلوں کو دیجھا بول کہ دہ برجے دامنے ہے۔ اور بس دلوں کو دیجھا بول کہ دہ برجے داستے سے اندسے بیں۔ اور بیس نے تجب کیا بلاک ہونے واسے پرحا لانکدائس کی نجان موجود دھی اور بیس نے نجان بانے والے پر بھی تعجب کیا۔

بیان مک کوبیض ایسے لوگ بیں جو ان گھا ٹیوں کوسٹرسال بیں طے کرنے بیں اور بیض بیس سال بیں اور بعض دس سال بیں اور بعض دس سال بیں اور بعض ان کوایک مدیندیں طے بعض دس سال بیں اور بعض ان کوایک مدیندیں طے کرلیتے بیں بلکہ ایک مساعت بیں بیان نک کہ بعض کوخلاو ند تفالیٰ کی خاص توفیق اور عنایت سے ایک کے تعلمیں حاصل بوجانی ہیں۔

کیانواصحاب کمعن کاوا نعه یا دسنیں کرتار کہ اُن کی مّدت کننی مختصر کفی بجب اندوں نے اپنے با دشاہ وقیا نوس کے چہرے میں نغیرد مکیمانو کہا :۔۔ تو کنے لگے ہمارارب وہی ہے ہواسمانوں اور زبن کا رب ہے۔ ہم اُس کے سواکسی معبود کو کھی رَّيُّنَا دَبُّ التَّمَوْنِ وَالْاَمُ خِي كَنُ نَّذُ عُواْمِنْ دُوْنِهِ إِلْهًا كَنُ نَّذُ عُواْمِنْ دُوْنِهِ إِلْهًا

اُن کویمعرفت ماصل ہوئی اور اِس راہ کے مفانتی اننوں نے ملاحظہ کیے اور اِس راہ کو بھے کیا نووہ اِن کو معرفت ماصل ہوئی اور اِس راہ کے مفانتی اننوں نے ملاحظہ کیے اور اِس راہ کو کھے جا مدا لہ اللہ کو میر وکرنے والے اُس پر مجروسہ رکھنے والے اور اِس راہ پر قائم رہنے والے بن گھے جبکہ اننول نے کہا :-

كَاْدُوْ الْكَ الكَهُفِ بَيْنَتُمُ لَكُوْ الْكَالِمِ بَيْدِهِ الْمِي الْمُعَنَّمُ بِهِ الْمُعْتِمُ الْمُعْتِمَ الْمُعْتِمُ الْمُعْتِمُ الْمُعْتِمُ الْمُعْتِمِ اللَّهِ الْمُعْتِمِ الْمُعْتِمِ اللَّمِ الْمُعْتِمِ اللَّهِ الْمُعْتِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعْتِمِ الْمُعْتِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعِلِمِ المُعِلِمِ الْمُعْتِمِ الْمُعِلِمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ المُعِل مُعْلِمُ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَّمِ الْمُعِلَ

ا در برسب کچھاُن کوا بک ساعت یا ایک محظہ بیں ما ممل ہوگیا۔ کیا تمہب فرعون کے جا دوگروں کا واقعہ با دنہیں کہ اِن کی قدن ایک محظہ بھر متنی جب انہوں نے مربئی کامعجزہ دیکھانو:۔

تَاكُوا اَمَنَا بِرَبِ العالمين پرايان لائے ہو مُوسَى دَهَا دُون ه

اننوں نے ایک ہی لحظہ بیں اِس راہ کو دیجھا اور اُست طے کر گئے اور خلانعالی کو پیچا ننے والوں اللہ نالی کی نفذ ہر پر راضی رہنے والوں اور اُس کی معید بتوں پر مبر کرنے والوں اور اُس کی نعمتوں کا شکر کرنے والوں اور اُس کی نعمتوں کا شکر کرنے والوں اور اُس کی نعمتوں کا شکر کرنے والوں اور اُس کی ملاقات کا شوق رکھنے والوں سے بچھ گئے اور دیکا راُس کے:۔

ہم سے بیان کیا گیا ہے کہ ابراہیم بن ادھم دنیا ہیں ایک بادشا ہ تھے۔ انموں نے بادشا ہی جمدور دی اوراس راہ کا تعد کیا اُن کے لیے بیر راہ اتنی ہی ثابت بوئی جننی دیر ہیں دہ بلخ سے مروتک جائے نے دیران تک کہ وہ اِس منعام پر پہنچے کہ ایک آد بی بل پر سے بست گرے بان بس گرا۔ ابراہیم نے اشارہ کرکے کہا مشہر جا تو وہ آد بی بم والی میں معلق مشرگیا اور پان سے نج گیا۔
اشارہ کرکے کہا مشہر جا تو وہ آد بی برائی ہیں معلق مشرگیا اور پان سے نج گیا۔
اور دا بعد بھری ایک بور می نوزشی متی اس کو بھرہ کے بازاروں میں گھما یا جاتا اور بور می مونے

ى وجس<u>ے اس كوكوئى نەخرىدتا ايك</u>سود اگركوائس برحم آيائس نے اُس كوسو درسم سے خريدكر آزادكرديا-بھراً سنے ببرا مستدا خنیا رکرایا-اورعبادت پرمنوجہ ہوئی ایک سال بھی ننیں گزرا نفاکہ ہے ہے زا ہد، فاری اور علماء لوگ اُس کے مرتبہ کی بلندی کی وجہسے اُس کی زیارت کوآنے لگے۔

ا وربس آدمی کوخلاوندنعانی کی عنابین شامل حال نه بهوا ورائس پرنفسل اور برابیت کامعامله نه کیا جائے تواسے اس کے نفس کے میرد کردیا جاتا ہے۔ بیربسااو فات وہ ایک بی گھائی کی کسی وادی بیں سترسال تک بإرار بهتاب اورائس طے نبیس کریاتا ورکتنی د نعیر جیخ جیخ اٹھنا ہے۔ کہ بیراہ کننی اندھیری کننی شکل ہے۔اور بیمعاملہ کتنا ننگ اورد شوارہے۔یس مالت ابک ہی لفظ کی طرمت لوٹنی ہے۔اور وہ ہے غالب جانن والاعادل اور حكيم كي تقدير-

بهراگرنوبيسوال كرسے كماس كونونين خاص سے كيوں نوازا كيا را وراس كوكيوں محروم ركھا كيار حالا نکہ بیرود نوں مننز کہ طور بیہ غلامی کی رسی ہیں بندسصے ہوئے ہیں۔ تو اِس سوال پرخدا وند نعا لی کے جلال کے بردوں سے آمازاً فی ہے کہ اور ، کموظر کھیں۔ اور رابیبیت کے اسرار کو بہجانوں اور عبودیت كى خنىفنت معلوم كروكه وه: -

جو کچھ کرنا ہے۔اس سے وجہنب پوھی جاسکنی

كَايُسْتَلُّعَتَا يَفْعَلُ وَهُــُهُ يُنتَ كُونَ؟ ادر بانى سب لوگ يو چھے جاتے ہيں۔

بیں کتنا ہوں دنیا بیں اِس راہ کی مثنال آخرت ہیں لیصرا طرکی گھا میموں اورمسا فروں کھے اِس کوسطے کرنے کی ہے۔کہ مخلوق کے اتوال وہاں مختلفت ہیں۔اُن ہیں۔سے بعض بلیصرا طاکواس طرح عبورکزیں گے <u>جیسے چکنے والی بجلی اور لعض نیزو تندا کی معرح اور لعبض نیزر ف</u>نارگھوڑے کی مثل ساور کچھ برندوں کی طرح كجه ببيدل چلتے بوئے كچھ كھسٹتے نبوٹے بيان كك كدوه كو ملے كى طرح بوجا يش كے اور كچھ اُس كى آ داز بن سنبن گے ادر کچھ اُس سے آنکروں میں گر تنار ہو جا بئی گے ادر اُن کوجہنم میں بھینیک دیا جائے گا بہی حال إس راه كادنيابي ابنے مسافروں كے ساتھ ہے ريس بير دونوں راستے ہيں ابك دنيا كاراستدا درا يك آخرت كاراسند آخرت كاراسنة تونفس كاراسته ب- كه وه اس كى ببولناكيان أنكھوں والے دىكجيب كے اور دنيا كا راستندد بوں کا راستہ ہے۔ اِس کی مبولنا کباں بھیرت اور عفل والے دیکھتے ہیں۔ اور آخرت ہیں معمر نے والوں کے حالات مخلف موں گے کیونکہ دنیا میں ہی ان کے حالات مخلف ہوں گے ہیں اِس پر ہوری طرح

توجد کراور توفیق الٹرسی کی طرت سے ہے۔ فصل :

بیرجا ننا چاہید کہ جو کچھ اس باب ہیں محقق ہے۔ وہ یہ ہے۔ کہ پر داستہ بااور چھوٹا ہونے ہیں اُن مسافتوں کی طرع منبی ہے ہے کہ ور دور ہے ہیں۔ بیر نفس کی فوت اور اُس کے ضعف کے مطابق اُس کو طے کرتے ہیں اور فکر سے طے کرتے ہیں۔ ایواس کا اصل ایک آسمانی نداور فلاوندی نگاہ ہے جو ہیں۔ ایواس کا اصل ایک آسمانی نداور فلاوندی نگاہ ہے جو کسی بندھ کے دل پر پڑھ ہے بھر وہ اِس کے ساتھ وولوں جالؤں کے معاملہ پر تفیقت کے ساتھ مخدر کرتا ہے۔ بھر یہ نوروہ ہے۔ کہ بندہ اُس کو سوسال تک نلاش کرتا رہتنا ہے۔ اوراً سے منبی یا نا اور دائس کا کوئی نشان مناہے۔ اورائس کو جو سے بوتا ہے۔ اورکوئی اس کو وہ سے بوتا ہے۔ اورکوئی اور اِس لاء کی نا دانی کی وجہ سے بوتا ہے۔ اورکوئی اس کو دس سال ہیں۔ کو ٹی ایک دن میں کوئی بندے کو اوراس کو پہلی سال کے بعدیا لیتا ہے۔ اورکوئی اس کو دس سال ہیں۔ کو ٹی ایک دن میں کوئی بندے کو کوئی سا عمت اورایک لحظ میں پالبتا ہے۔ اور و ہی ہوا بیت کا والی ہے۔ لیکن بندے کو کوشنش کا حکم دیا گیا ہے۔ اورکو کی اہتا کرتا ہے۔ اورکو کیا ہا تاکہ کا حکم دیا گیا ہے۔ اورکو کیا ہتا ہے۔ اور و ہی ہوا ہت کا حکم دیا ہے۔ اورکو کیا ہتا ہے۔ اورکو کیا ہتا ہے۔ اورکو کیا ہتا کرتا ہے۔ اورکو کیا ہتا کرتا ہے۔ اورکو کیا ہتا کرتا ہے۔

بچراگزنوبهسوال کرسے کہ پینظرہ کننا بڑا ہے اور بیمعاملہ کنناسخت ہے اور بندہ کمزود کننا مخاجے بچریہ سالاعمل اورکوششش اوران ننرا ٹسط کا سمعسول کس بہے ہے۔

نوبیں کہو*ں گلیجھے ابنی عُرکی نسم نوا بہنے اِس قول بی*ں بالکل سپچاہے کہمعا ملہ بڑاسخست ہے۔ اورخطرہ بسن عظیم سبے۔ اوراسی بہے الٹرنعالیٰ نے فرما با ہے۔

بم ف انسان کومحنت بیں پیدا کیا -

لَقَدُ خَلَفُنَا الْإِنْسَانَ فِي كَبَد. ادرإلشرتعالى نے فرمایا:-

إِنَّا عَمَا ضَنَا الْاَمَا نَةَ عَلَى السَّمُ وَتِ وَالْاَرْضِ وَالْجِبَالِ فَا بَيْنَ اَنُ يَحْفِلْنَهَا وَانْهُ فَعَنَ مِنْهَا وَحَمَلَهَا الْإِنْسَان. وَانْهُ كَانَ ظَلُوْمًا جَعُهُ ولَا هُ

کہ ہم نے امانت کو آسمانوں زمینوں بیا اُدہ بریمین کہا انہوں نے اس کو اُٹھانے سے لکار کردیا اور اس سے ڈر کے اور اس کو انسان نے اُٹھا لبا بغیبادہ ظالم اور جا ہل نغار

اوراس ليدستيدالمرسلين في فرمايا :-

اگرتم وه مجمع جانون بویس جاننا بون نوتم زباده دووا در منفورا منسو- لوعلمتم ما اعلم لبكية مكثيرا ولضحكتم قليلا.

اوردہ جو بیان کیا جا نا ہے۔کہ ایک آواز دینے والا آسمان سے آواز دیتا ہے۔کہ کاش مخلوق پیدا منہ موتی ۔اوراگر بیلا ہونی تھی توابنی پیلائش کے مفصد کو بجھتی اور جب مفعد کو بجھ لیا تو کاش اُس کے مطابق عمل کرنی اور سلعت مسالحیین بھی اسی طرح کہ اگرتے تفقے بھ خرت ابو بکر صدیق شنے فربایا بیں پ ندکرتا ہوں کہ بی کوئی گھاس بونا کہ جا تو اور ایسا عذا ب کے خوف سے فرباتے اور عرفارون شنے ایک آ دی کوسنا وہ تلا وت کرر ہا تھا۔

کدانسان برایک اببازماندگزداید-کرجب بر کوئی بچیزیینی ذکرکے فابل معی نه نضا۔ هَلُ أَنَّى عَلَى الْإِنْسَانِ حِيْنٌ مِنَ الدَّهُم لَهُ يَكُنُ شَنْبًا مَّذْكُورًا . الدَّهُم لَهُ يَكُنُ شَنْبًا مَّذْكُورًا .

توآب في خراباكائش معامله وبين ختم برجاتا

ا درابو عبیده بن جمائع نے فرایا بیں بہتد کرتا ہوں کہ میں اپنے گھروالوں کا مینڈ صاہر تا میرا گوشت دوگوں بین تقسیم ہوجا آبا در میرا شور بہ لوگ بی جانے -ادر بیں تیامت کو دوبارہ ببیلانہ ہوتا۔ اور و میب بن منبہ نے فرما باآ دم کا بیٹا احمق بپیا ہوا ہے۔اگر یہ احمق نہ ہوتا تو دنیا میں اِس کی زندگی کھی خوشگہ اور دسکنز ہے۔

اورنعیل بن عیامی رحمدالشد نے فرایا میں کسی تقرب فرشنے اور نبی مرسل اور مبدہ صالح پر رشک منیں کرتاکیا نیامت کے روز اِن پرعتاب منیں کیا جائے گا۔ میں نو مرون اُن پر رشک کرتا ہوں ہو بیدا منیں مہوئے۔

عطاء سلی رحمته الله علیه نے فرط باکد اگر آگ جلادی جائے اور کما جائے کہ جوآدی اپنے آپ کو افسی معلاء سلی رحمته الله علیہ نے فرط باکد اگر آگ جلادی جائے اور کما جائے کہ جوآدی اپنے ہے ایک افسی میں فوال دسے گا وہ ہمیشند ہمیشند کے بیے ختم ہو جائے گا۔ تو تھے ڈرہے کہ بین آگ تک پینچے سے پہلے ہی خوشی کی د جہ سے مرجا ڈن گا۔

تومعامله اسے انسان وافعی بڑاسخن ہے۔ جیساکہ تونے کھا ہے۔ بلکہ وہ نیرے وہم و گمان سے ہی بست زیادہ سخت اور عظیم ہے۔ لیکن بیرایک ایسامعاملہ ہے جو تقدیر ہیں ازل سے نا فذہ و جیکا ہے۔ اور نالب جلنے واسے کی ندبیرنے اِس کوجاری کیا ہے۔ تواب بندے کے پیے اِس کے سواکوئی چارہ نئیں کہ وہ فعاقعائی کی فلامی اورالٹرنعائی کی دس کو جیئنہ ہمیئنہ کے بیے عاجزی اورزاری سے نغلے۔ پیرمکن ہے۔ کہ الٹر نغائی اور الٹرنعائی کی دس کو جیئنہ ہمیئنہ کے بیے عاجزی اورزاری سے نغلے۔ پیرمکن ہے۔ کہ الٹر نغائی اِس پررحم کرے۔

باق را ایتراید کمناکه بیسب کچه کیوں ہے ہوتو یہ ایک ایسا کلام ہے ۔ کہ جو تیری عظیم خفلت بردلالت کرتا ہے ۔ بلکہ درسمت یہ تعاکد تو کتا کہ جو کچھ بندہ جا ہتا ہے ۔ اُس کے مفا بلے ہیں اس کی تفیقت کیا ہے ۔ مسالہ دو چیزیں ہیں پہلی یہ کہ دولؤں جا انوں ہیں کیا ہمتے معلوم ہے کہ بہ کرور بندہ کیا جا ہتا ہے ۔ اس کا کمتر مطالبہ دو چیزیں ہیں پہلی یہ کہ دولؤں جا انوں ہیں سلامت رہے ۔ اور دوسری یہ کہ دولؤں جمالؤں ہیں بادشاہی کرے ۔ اب دنیا کی سلامتی تو اس طرح ہے ہیں کہ اُس سے ملائکہ مغربین ہی و نیا اورائس کی آفیق اورائس فیننے اور عفلت کے پر دسے اس طرح کے ہیں کہ اُس سے ملائکہ مغربین ہی نیس نے سے یقینا تو نے ہاروت اور ماروت کا دوا قد سنا ہوگا۔ بیان تک بیان کیا جا تا ہے کہ بہب بندے کی دوج کو آسمان بہدے جا یا جا تا ہے ۔ نو آسمالؤں کے فرنستے تعجب سے کتھ ہیں کہ بیدائس دنیا سے کس طرح کی ہو اُس ہمارے بہتر بن فرنستے ہی تباہ ہو گئے ۔ اورائ خرت اپنی ہولنا کیوں اور سختیوں ہیں اس طرح کی ہے ۔ کہ جس سے ابنیاء اور رسول ہی چیخ اعظے : ۔

نَفْرِئَ نَفْرِسَىٰ كَا اَسْتَكُكَ الْيَوْمَ الْيَوْمَ الْيَوْمَ الْيُومَ الْيُومَ الْيُومَ الْيُومَ الْيُومَ الْيُومَ الْيُومَ الْيُومِ الْيُعَالِمُ الْعَالِمِينَ الْعَالِمِينَ الْعَالِمِينَ الْعَالِمِينَ الْعَالِمِينَ الْعَلَى اللَّهُ اللّهُ اللّهُ

بیان کک بیان کی جا ناہے کہ اگرکسی آدی کے پاس سنز ببیوں کے عمل بھی ہوں تورہ بھی ہیں ہمھے گا

کہ نجات مشکل ہے۔ بھیر جو آدی جا ہے کہ إن فلنوں سے محفوظ رہے۔ نواسے جا بہیے کہ دہ اسلام کو اپنے ہمراہ نے کرنگلے سلامنی کے ساتھ جلا جائے گا اُسے کوئی معیبہت نہ پہنچے گی۔ اور آ خورت کے ہولناک مناظرسے بھی کرونویت بیں سلامنی کے ساتھ دا خل ہوجائے گا۔ اُسے کوئی نگلیف سنیں پہنچے گی۔ اب سوچ کی۔ اب سوچ کی دائیں میں کہ یہ معرولی کام ہے ہو

اور باتی رہی مکومت اور کل مت تو مکومت بہہے۔ کہ انسان کا تعترف اور شیعت نا فذم وا و رہے۔
حضیقت میں دنیا بیں تو فلا وند تعالیٰ کے دوستوں اور اُس کے برگزیدہ لوگوں اُس کی تقدیر پر را منی رہنے
والوں کے بیے ہے۔ کہ جنگل اور سمند مدا ورزین ان کے بیے ایک ہی قدم ہے۔ اور پیمراور اینٹیں اُن کے
بیے سونا بیں اور بین اورانسان اور بیز ندے اور پر ندے اُن کے تابع ہیں۔ دہ ہو کچھ بھی چاہتے ہیں ہوجا تا

ہے۔ کبونکہ دہ دہی جاہتے ہیں جوالٹہ جاہے۔ اور جوالٹہ جاہد دہ ہوجا کا ہے۔ یہ لوگ کی تخلوق سے منبی ڈرتے اور اللہ جاہدے اور جوالٹہ جاہدے دہ ہوجا کا ہے۔ یہ لوگ کی تخلوق ڈرتی ہے۔ ببالٹہ تعالیٰ کے سواکسی کی غلای نبیس کرتے اور کا ثنات کی ببیس ڈرتے ہے۔ اور دنیا کے بار شاہوں کو اس رتبہ کا عشر عشیر جوی کماں نصیب ہے۔ بلکہ وہ بہت معتورہ سے اور بہت ذلیل بیں۔

باقی رسی آخرت کی بادشاہی توالشدتعالی فرماتے ہیں جب تو وہاں دیکھے گا توایک بڑا ملک اور تعنیں دیکھے گا اور جس کورب العزت ملک کبیر فرما بین اس کی عظمت کا اندازہ کروسا ور یہ تو تو ہو تا ہے۔ کہ دنیا ساری کی ساری کھوڑی ہے۔ اور اس کی ابتدا سے کر انتہا تک ساری عمر بھی بہت نفوڑی ہے اور ہم ہیں سے کسی ایک آ دی کا محصہ اس کفتوڑے ہیں سے تفوڑ اہے۔ اور کھر بھی ہم ہیں سے بعض آ دی اس کو حاصل کرنے ہیں۔ بیان تک کہ بعض او قات ہاس کو مقوڑے سے تفور اصل کر دیتے ہیں۔ بیان تک کہ بعض او قات ہاس کو مقوڑے سے تفور ا حاصل کر لیتے ہیں اور مجراس کی مدت بھی تفور دی ہوتی ہے۔ اوراگرائے حاصل ہو جائے تولوگ اُس کے محاصل کرنے ہیں۔ اور ہو کچھائس نے ہاس کے حاصل کرنے ہیں۔ اور ہو کچھائس نے ہاس کے حاصل کرنے ہیں۔ اور ہو کچھائس نے ہاس کے حاصل کرنے ہیں۔ اور ہو کچھائس نے ہاس کے حاصل کرنے ہیں۔ اور ہو کچھائس نے ہاس کے حاصل کرنے ہیں۔ اور ہو کچھائس نے کہا :۔

بکی صاحبی لما رای الدرب دونه وابقن انالاحقان بقیصرا فقلت له لانبك عیبنبك انما نعاول ملكا او نموت فنعذرا نرجمه: مبرے مائنی نے جب اپنے مائنے پھافک كود كھانوردنے لگا- اوراس نے نفین كراياكه بم فیصرے ملاقات كرنے والے ہيں توہیں نے اُس سے كما نیزی آنكھیں ندردیٹی ہم باد شاہ سے جدا كركے

دولت ما مل کریں گے با مرجا بٹی گے تو دنیا ہمیں معذور سمھے گا۔ بھراس آ دمی کاکیا حال ہو گا جو ہمیشہ رہنے والی جنت بیں بست بڑی مکومت جا ہنا ہے۔ کیاوہ اس کے منقابلے بیں اُن دورکعتوں کو جو وہ اللہ تعالیٰ کے لیے بڑے صقابے۔ باوہ دو در ہم جو خرج کرنا ہے۔ یا دوراتیں

جوجا گاہے۔ان کو کافی سمجھنا ہے۔ ہرگز ہرگز نہیں بلکہ اگرائس کے پاس ایک کروڑ بدن ہوں اور ہزار

در سزار روحیں بول اور سزار در سزار عمر س بول اور سرعمر دنیا کی عمر کے برابر بویا اِس سے بھی زبادہ اور

بجروه إس مقعد عزيز كے بيے إن تمام كونورج كرفدانے توبعى بربست كقور اب - اگراس كے بعد كبھى

وه البيد مقعد يريينج مائة توبيرالتُدتغالى كم طوت سے نعل عظيم اورغنبمت بارده ہوگا۔

سوا سے سکین اس خفلت کی بیند سے بیلار مور مجریں نے عور کیا کہ بندہ جب اللہ تعالیٰ کی اطاعت
کرنا ہے۔ ادرائس کی خدمت کو لازم مجھت ہے۔ ادرا بنی عمر مجراسی راستے پر چلتا رہنا ہے۔ تو ہو کچھ اللہ تا اللہ تعالیٰ اس کی خدمت کو لازم مجھت ہے۔ ادرا بنی عمر مجراسی راستے پر چلتا رہنا ہے۔ تو ہو کچھ اللہ اللہ تعالیٰ اس کوعنا بیت فرمانے بیں وہ چالیس کرامتیں اور خلعتیں بیں۔ بیں توان بیں سے دنیا بیں بیں ادر بیں اور خلعتیں بیں۔ یہ بیں۔ دہ بیں جو دنیا بیں بیں ان بیں سے:۔

بیلی برہے۔کدالشد نبارک و نعالیٰ اُس کا نذکرہ کرنے بیں اوراُس کی ننا کھتے ہیں اورکننامعززہے وہ بندہ جس کی نناکمہ کر الشدرب الدالمین اُس پراحسان کر ہیں۔

اور دوسری به ہے کہ اللہ جل طلالہ اس کی شکرگزاری کرنے ہیں اوراُس کی تعظیم کرنے ہیں۔اوراگر کوٹی نیرے جبسی عاجز مخلوی نیراشکر بیا داکرے اور نیری تعظیم کریے نوتواُس کو کانی عزت سمجھتا ہے بھیر اگر مہلوں اور پیجھلوں کامعبود ابساکرے تواُس کا اندازہ کرو۔

ا در تیسری برہے۔کہ اللہ تعالیٰ سے مجست رکھتے ہیں۔اگر نیرے محلے کے رئیس یا شہر کے حاکم کو نجھ سے مجست ہونو تو اس پر نخر کرے گاا ورکئی منفام پر اس سے فا نمدہ اکھائے گا۔ بھیر سوچ کہ رب العالمین کی مجست کیسی ہوگی۔

ا در جونفی بہ ہے۔ کہ الشرتعالیٰ اُس کے کا رسانہ جوجانے بیں اُس کے امور کی تدبیرکرتے ہیں۔ ادر با بیجویں بہ ہے کہ اُس کے رزن کے کفیل ہوجاتے ہیں۔الشرنعالیٰ بغیرکسی محنت اور شفت کے رزن کو اُس کی طرف لاتے رہتے ہیں۔

اور تھیٹی بیہ ہے۔ کہ وہ اُس کا مددگار ہونا ہے۔ اور اُس کے ہردشمن کوا ور ہربرائی کا ارافہ کرنے والے کو اُس سے روکنا ربنا ہے۔

سانوبی برسے کہ دہ اس کا ابیس مبوط ناہے۔ وہ کسی طال بیں بھی وحشت محسوس نیبس کزنا۔ اور نہ نبدل اورنغیر کا اُسے خودن موناہے۔

آ تھوبی نفس کی عزت - اُسے دنیا اور دنیا والوں کی خدمت کی ذلت نبیں بینچتی - بلکہ وہ اِس پر بعی رضا مند نبیں ہوتا کہ دنیا کے با دنناہ اور جا برلوگ اس کی خدمت کریں-

اور نویں ہمن کی ملندی وہ و نبااور دنیا والوں کی گندگی میں آلودگی سے مبند ہوجا تاہے۔اور اِس کے کھیل تما نشااور خرفان کی طرف توجہ نہیں کرنا۔ دسوب دِل کا غناکده دنیا کے ہرغنی سے زیادہ غنی ہونا ہے۔ ہمیشہ باکیزہ نفس اور فراخ سینہ

ر ہنا ہے۔ اُسے کوئی حاد فذگر ہوا ہدے ہیں سنیں لا ناا در زکسی چیز کے گم ہونے کا اُسے فکر ہوتا ہے۔

اور گیا رصوبی دِل کا نور ہے۔ وہ اپنے دل کے نور کے ساتھ علوم اور اسرار اور حکمتوں پر مطلع ہوتا

ہے۔ کہ اِن جی سے بعض کی اطلاع بڑی مدت اور بڑی کوسٹ ش کے ساتھ ہوتی ہے۔

اور یا رصوبی شخرے صدر ہے کہ دنیا کے مصائب اور نکا لیفت اور لوگوں کی عیا ریوں اور مکار بوں

سے دِل سنگ سنیں ہوتا۔

اورنبرصویں ہیسبت ہے۔ بولوگوں کے دلوں ہیں ڈال دی جاتی ہے۔ کہسب نیک دبراُس کا اخترام کرتے ہیں اور ہرفریحون د جا برائس سے خوف کھا ناہے۔

اور مچرد صویں دلول کی مجست ہے۔ الشرتعالیٰ اس کے بیے دلوں میں محبت پیدا کردیتے ہیں کہ تمام دل اُس کی محبست پر بجبور مہوجاتے میں اور نمام لوگ اُس کی تعظیم پر ہے اختیار ہوجاتے ہیں۔ اُس کی محبست پر بجبور مہوجاتے میں اور نمام لوگ اُس کی تعظیم پر ہے اختیار ہوجاتے ہیں۔

اور سنپدر صوبی برکت عامہ ہے جوائس کے کلام اور نفس یا فعل باکیٹر ہے یا مکان غرض ہر چیز بیں پیدا ہو جانی ہے۔ اورائس پیدا ہو جانی ہے۔ اورائس پیدا ہو جانی ہے۔ اورائس میں کو متبرک سمجھتے ہیں ہوائس کے بیاؤں کے نیچے آ جلی ہے۔ اورائس مجلہ کو بیمال وہ کسی دن بیٹھا ہو۔ اور ائس انسان سے جس نے اُس کو دبکھا ہوا وراس کے ساتھ کچھے صحبحت رکھی ہو۔

ا درسولده برجنگلوں اورسمندروں غرمن ساری زبین کی تسخیرہے بیان نک کہ اگروہ جا ہے نوہوا بیں الٹر تا ہے۔ یا بی برجلتا ہے۔ یاساری زبین کوابک گھڑی ہیں طے کرلیتا ہے۔

ا درسستارهو بی یجوانات کی نسنجر ہے۔ نواہ درندسے ہوں یا دستی جا نور با حنزان الارض وغیرہ بچرد حنی جالزرائس سے محبست رکھنے ہیں اور درندسے اُسے چاشنے ہیں۔

اورا نظارویں زمین کے خزانوں کی ملکیت ہے۔ وہ جب بھی ادادہ کرکے زمین پر ہا نظر کھتا ہے۔

نوا سے خزانے مل جاتے ہیں۔ جب اپنے پاؤں زمین پر مارنا ہے۔ نوصر ورت کے وقت بانی

کے چٹمے اسلنے سکتے ہیں۔ وہ جہاں بھی اتر ناہے۔ اگرائس کا ادادہ جو توائسے کھانا مل جاتا ہے۔

اور انبیسویں الٹدرب العزّت کے دروازے پر قیادت اور و جا بہت ہے۔ مخلوق الٹرنعالی کی بارگاہ ہیں اُس کی خدمت کر کے وسیلہ ڈھونڈ نی سے۔ اورالٹرنعالی سے اُس کی و جا بہت اور ہرکت

سعدادگ ما جنبس الملب كرتے ہيں۔

اوربیبوبرالٹرنعالی جناب میں وُعالی نبولین ہے۔ وہ الٹرنعالی سے بورکی ہے ہے میں مانگناہے اس کو دنیا ہے۔ اوراگرالٹرنعالی کوئیم دنیا ہے۔ اوراگرالٹرنعالی کوئیم دنیا ہے۔ نووہ جس طرح بھی چاہے اُس کی سفارش کو بنا ہے۔ بیان تک کداگر کو ٹی اُن میں سے بیال کی طرف تو وہ جس طرح بھی چاہے اُس کی تسم کو بوراگر د بنا ہے۔ بیان تک کداگر کو ٹی اُن میں سے بیال کی طرف انشارہ کرنے تو وہ ابنی جگہ سے مبعث جا تا ہے۔ وہ زبان سے سوال کرنے کا مختاج بنیں۔ اگر اُس کے دِل میں کسی جیز کا بنیال آجا تا ہے۔ تو وہ حاصر ہوجا تی ہے۔ اور وہ کا گف سے اشارہ کرنے کا بھی مختاج منیں ہونا۔

ببكرامات نودنيابين بين-اورده جو آخريت بين بين نو: -

اکبسویں ہے۔کہ اولاً توالٹرنعالی اُس پرموت کے سکرات کوآسان کردینے ہیں۔اور بہوہ چیز ہے۔ کہ جس سے انبہاء علبہم السلام کے دِل بھی ڈرنے ہیں بیان تک کہ اننوں نے الٹرنعالی سے سوال کیا کہ سکرات موت کو اُن پر آسان کرے۔ بیان تک کہ ان بیں سے بعض کے نز دبک موت اِس سے بعی زبا دہ نوشگوار ہوتی ہے۔ بیاسے آدمی کو معان یابی بیلینے کو مل جائے۔ الٹر نعالی نے فرمایا :۔

وہ لیگ کہ اُن کوفر نشننے فوت کرتے ہیں اور وہ باک ہوتے ہیں ۔ ٱلَّذِيْنَ تَنَوَقَّهُ مُ الْمَلِيِكَةُ كَلِيْبِيْنَ كَلِيْبِيْنَ

اوربائیسوی ایمان اورمعرفت برنابت فدی سهداور ببروه بیبر سه سیست کا انتمائی خوت اورگھبرا بهط سهدا ور اس پر بیری بے صبری اور روناسهد الٹرنعالی نے فرمایا: س

الشدا بمان داروں کو فول ثابت کی وجہ سے و نباکی زندگی اور آخرت بین ثابت قدم رب

يُنَّبِّتُ اللهُ الَّذِينَ الْمَنُوْ اِبِالْقَوْلِ النَّابِتِ فِي الْعَبْوَةِ الدُّنْ الْمَا وَ النَّابِتِ فِي الْعَبْوةِ الدُّنْ الْمَا وَ فِي الْالْمِرْدَةِ -

اورنبشوي فرتشنة اورخوشبوا وربثنارت ا وررضا مندى ا ورامان كاببنجناسه الثذنعالى

نے فرمایا:۔

ببركه نة خومت كروا ور نذع كمحا و اوراش

أَلَّا نَحَافُوا وَكَا تَحُونُوا وَ ٱبْنِيْمُ وُا

ا دراً خردن کی ائندہ ہولناکبوں سے خوف نئیں کھا تا ۔اور دنیا ہیں جو کچھے حجھے وڑ گیا ہے اُس کا اُسے غم نئیں ہوتا ۔

ادر جدبسیوی جننوں بی سمیشد کی رہائش اور خلانعالیٰ کی سمسائیگ ہے۔

ادزیجیسویں پرمشید کی میں اُس کے روح کی جلوت ہے آسمان اور زمین کے فرشنوں پروہ عزت اوراحترام سے انظایا جا تا ہے۔ اوراُس کے بدن کوظا ہر ہیں جنا زسے کی نعظیم ماصل ہوتی ہے اس پر جنازہ کی نماز کے بلے لوگوں کی بھیر لگ جانی ہے۔ اُس کی تجہیز و کمفین ہیں لوگ جلدی کرتے ہیں۔ اوراس کو مبین برااُنواب سمجھتے ہیں اور مبت برطی غنیمت جانتے ہیں۔ اور اس کو مبت برط اُنواب سمجھتے ہیں اور مبت برطی غنیمت جانتے ہیں۔

اور جیببیسویں۔ نبر کے بسوال وجواب کے فلنہ سے اُمن سے سکہ وہ اس ببول سے طمئن رہتا ہے ا درا سے جھے جواب کا انفا ہمۃ ناہے۔

اورسننامیسویں تبرکی فراخی اوراُس کی رونسنی ہے۔ وہ جنت کے باغوں ہیں سے ایک باغیم تنامین کے دن کک رہناہے۔

اورا مطائبسویں اُس کے روح اور جان کا مانوس ہونا اور معزز بونا ہے۔ اُسے سبز پرندوں۔ اُسے سبز پرندوں۔ جم بیں رکھ دیا جانا ہے۔ وہ اپنے نیک بھا ٹیوں کے ساتھ رہنا ہے۔ اور حوکچھ اُن کوالٹدتعالیٰ نے اِب نغل سے بخشا ہے اُس پرخوش رہنتے ہیں۔ نغل سے بخشا ہے اُس پرخوش رہنتے ہیں۔

اور اننبسویں عزت اور کرامت کے ساتھ اُس کا حشر ہے۔ کہ اُس کو بیاس فاخمہ اور تا بہنا یا جائے گااور ٹراق برسوار مہرگا۔

اور تبسوس جبره كامنورا ورروش مبونا ہے۔

التُدنعالي تے زمایا:-

کئی چہرے اُس دن نرونانہ ہوں گے اپنے رب کو دیکھتے ہوں گئے۔

م و كُولُولُة بَدُومَ إِن أَنَا ضِمَ الْأَرْكِ رَبِّهَا وَكُبُولُة بَدُومَ إِن أَنَا ضِمَ الْأَرْكِ رَبِّهَا كَاظِولُة "-

ا در فرمایا: ته

کئی چیرسے اُس دن سفید ہوں گے ہنسنے ہوئے نوش۔ وُجُولًا لِيَّوْمَ إِلَيْ مُسْفِرَةً ضَاحِكَةً وُجُولًا لِيَّوْمَ إِلَيْ مُسْفِرَةً ضَاحِكَةً مُسْتَنْبُنِنَهُ فَا رَ

ا دراکتیسویں نیامنت کی ہولناکیوں سے امن ہے۔ زیال نہ خیال

التُدنعاليٰ نے فرمایا : ۔

با دہ ننخص جوآئے گا نیا من کے دن امن کی

أَمَّنُ تَيَانِيْ أَصِنَّا يَوْمَ الْفِيمَةِ-

مالت ہیں۔

اوربنیسویں دائیں ہاتھ بیں نامہ اعمال کا ملناہے۔ اور ان بیں سے بعض آدمی ایسے بھی ہوں گے جنییں صاب وکتاب کی ضرورت مذہو گی۔

ا وزنینتیسویر ساب کی آسانی ہے

جوننبسویں نبکیوں کا بو تھل موجا ناا در بعض اُن سے ایسے بھی مبوں گے جن کووزن کے لیے کھڑا نہیں کیا جائے گا۔

اندربنینیسو برجومن کوٹر بربنی صلی الشدعلیہ کو لیم کے پاس حاصر ہونا بھردہ ایک ہی دفعہ پنے گا ا درا س کے بعد بھرکہ جس بیا سانہ ہوگا۔

اور چھنبسویں بیم طرح کزرجانا اور آگ سے خیات پا جانا۔ بیان تک کہ بعض اُن ہیں ہے۔ اُس کی آواز تک نہ سیس گے اور وہ البی معمتوں میں ہمبیشہ رہیں گے جن کو وہ جا بیں گے۔ اور اُن کے بہے آگ بچھ جائے گی۔

ا در ببنتیسوی نیامن کے میلان بین شفاعن کرنا جیسے کہ ابیاءا در رسول شفاعت کریں گے۔ ا درا کہ تیسویں جنت بیں ہمیشہ کا ملک ۔ ا درا کہ تیسویں جنت بیں ہمیشہ کا ملک ۔

ا در اننالىيسويى التەنغانى كىيىن بۇرى رچنامندى ر

اور چالیسویں الٹدرب العالمین کی ملا فاست بلاکیفت جل جلالۂ بچوکہ بیلوں اور بچھلوں کا معبود برحق ہے۔

بھریں کتنا ہوں کہ بیں نے اِن کوانے فہم اورا پنے مبلغ علم کے مطابق نثمار کیاہے۔ اگرچہ میرا علم نعابیت نافعی اور فاصر ہے۔ اور بھر اِس برمز بدیہ ہے۔ کہ بیں نے اِن کونعا بیت مختفر ذکر کیا ہے۔ اور اِن کواصولاً اوراجمالاً ذکرکر دیا ہے۔ اوراگر بیں ان بیں سے بعض کی تفقیل بیان کرنا نویہ کاب اِس کی متعمل نہ ہوسکتی کیا نوعزر نبیں کرنا کہ بیں نے مجبشہ کے ملک کوا بک بی خلعت شمار کیا ہے۔ اگریں اِس کو تفقیبل نے بیان کرنا تو بہی چالیس خلعتوں سے زیادہ ہوجا تی ۔ جیسے سور کا لزراور محلات اور لباس وغیرہ کی تفقیبل نے بیان کرنا تو بہی چالیس نفقیبل بہشتمل ہے۔ جن کو غیب اور حاصر کا جانے والا وغیرہ کی تفقیبل مجرا کیا ایسی نفقیبل بہشتمل ہے۔ جن کو غیب اور حاصر کا جانے والا ہی جانا ہو ان کو بہا کیا ہے۔ اور اُن کا مالک ہے۔ اور ہمیں اُن کی معرفت کی کونسی توقع ہوسکتی ہے۔ بوبکہ خداوند نعالی فرماتے ہیں:۔

کوئی آدمی نبیں جا نتاجوائن کے لیے آنکھوں کی ٹھنڈک سے بیرے درکھاگیا ہے۔ فَلَا نَغُلَمُ نَفُسٌ مِّعَا أَخْفِيْ لَهُمُ مِّنْ قُرَّةِ أَعْيُنِ .

ا ور كيررسول الشرصلى الشدعبيه و لم فرما تے ہيں:۔

کہ اُس میں وہ چیزیں ببیلاکی گئی ہیں جونہ کسی آنکھھ نے دیکیعیں اور نہ کسی کا ن نے سنیں اور نہ کسی انسان کے دِل بِرانُن کا گزر ہوا۔ خلق فيها ما لاعين سأت ولا اذن سمعن ولاخطوعلى قلب بشي

اورمفسر بن التدنعالي كے إس قول كے منعلق كفتے ہيں: ۔ كَنَوْ كَالْهِ اللّٰهِ عَلَى كَلَا اللّٰهِ اللّٰهِ كَالَ اللّٰهِ اللّٰهِ كَالَ اللّٰهِ اللّٰهِ كَالَ اللّٰهِ كَالَ اللّٰهِ اللّٰهِ كَاللّٰهِ اللّٰهِ كَاللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ كَاللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰمُ

کہ بیرہ وہ کلمات بیں جن کوالتہ نعالیٰ ابل جنت کے بیے جنت بیں لطعت اور مہریابی سے کے گا۔ اور حب کی برکیفیست ہونو ہم اس کے ہزار در ہزار صفتے کو بھی کیونکر پہنچ سکتے ہیں کہ ہم انسان ہیں بااس کے علم کو مخلوق کیونکر گھیرسکتی ہے۔ ہرگز نہیں بلکہ ہمتیں جواب دسے جانی ہیں اور عفول اُن کو سکھنے سے فاصر ہیں اور مخل تکہ ہم اس کے موافق الے ہیں ہوا ہے کہ اُس کے فضل عظیم کے نقاضے کے مطابق اور وہ غالب جاننے والے کی اُس کے فضل عظیم کے بیے علم کرنے والوں اور اس مطلوب عظیم کے بیے علم کرنے والوں کو عمل کرنا چاہیے کہ یہ کو عمل کرنا چاہیے اور وہ نالب ہے۔ سبر دار اِس مطلوب عظیم کے بیے اور جاننا چاہیے کہ یہ سب پھو اُس چیز کے مفاطے ہیں نما بیت فلیل سے سب سے وہ مختاج ہیں اور جس کا دہ اُس سے سوال کرتے ہیں۔ اور جس کو مفاطے ہیں نما بیت فلیل ہے۔ سب کے وہ مختاج ہیں اور جس کا دہ اُس سے سوال کرتے ہیں۔ اور جس کو مانی چاہیے کہ ہدے رہے لیے

چار چیزیں نما بیت صروری ہیں۔ علم عمل اخلاص اور خوف ریبلی کے ساتھ وہ داستے کومولوم کرے گادرہ وہ ایک اندصا ہے۔ کیجران کے مطابق عمل کرسے گا ورنہ وہ روک دیا جائے گا ۔ پیچرعل کو خالص کرسے گا ورنہ وہ روک دیا جائے گا ۔ پیچرعل کو خالص کرسے گا ورنہ وہ نفصان اندہ اے گا ۔ بیچروہ ہمیشہ آفات سے ڈرتا رہیے گا بیان تک کہوہ امان حاصل کر ہے ورنہ وہ وصو کہ ہیں پڑا ہوا ہے۔

ذوالنون مصری نے بالکل سیج کماکہ تمام مخلوق مردہ ہے۔ سوا علماء کے اور علماء سوئے ہوئے ہیں ماسوئے ہوئے ہیں اسوائے عمل کرنے والوں کے اور عمل کرنے والے سب دھو کے ہیں ہیں مگر خلص لوگ اور نمام مخلص مبن بڑھے خطرے پر ہیں۔

بین کتابوں چار آدمیوں سے انتہائی نعجب ہے۔ ایک وہ عظمند جو عالم نہ ہو کیا وہ اُن ہے بین کیا ہوں کا بنیام نہیں کرنا جو آئندہ بینی نہ آنے والی ہیں کیا وہ اُن چیزوں کو معلوم نبیں کرنا جن کو وہ موت کے بعد دیکھنے والا ہے۔ اُس کو دلائل اور عبر توں اور إن آ بنوں کے سننے اور إن جیالات سے دِل کی ہے خراری اور نفس کے تصورات سے اِن کو معلوم کرنا جا ہیںے۔ اسٹر نغالی نے فرمایا ہے:۔

کیا دہ زمینوں اور آسمانوں کی بادشا ہی اور جو چیز بس الشدنعالی سنے پیدا کی بیں اُن بی مخد نعین کرنے۔ أَوَكَهُ مَنْظُرُوا فِي مَكَدِيمُ وُنِ السَّمُمُ وَمَا خَلَقَ السَّمُمُ وَمَا خَلَقَ. اللَّهُ مِنْ نَنْنُ عِيد اللَّهُ مِنْ نَنْنُ عِيد

ا ورالشّه تغالى نسة فرما يا: -

کیا یہ لوگ خیال نہیں کرتے کہ وہ بڑسے دن کے بیے اُٹھائے جا بٹی گے۔ ٱكَا يَظُنُّ أُولِيكَ أَنَّهُمُ هُبِعُونَوُنَ لِيَوْمِ عَظِيدِهِ

ادردوسرے اُس عالم سے جوابینے علم کے مطابق عمل نیب کرتا کیا وہ بنیبنی طور بربنیں جانا کہ
اُس کے سامنے بہت بڑی ہولنا کیاں اورشکل گھا ٹیاں ہیں اور بی بہت بڑی خبرہے سے تم منہ
بیمبرتے ہوتیسرے اُس عامل سے جومخلص نہ ہو کیا وہ الٹرتعالی کے اس فول پر بخور بنیس کرتا: ۔

فَمَنْ کَانَ یَوْجُو لِفَا اَءُ دَیّنِہٖ فَلْیَعْمَلُ ہوا دی این سے کہ نیک عمل کرے اور عملا میں میں اور کھتا
عَمَلًا صَالِحًا قَالَ بُونِمِ اِنْ بِعِبَادَةِ سواسے جاہیے کہ نیک عمل کرے اور

رَيْهِ آحَدًا ه

ا بینے رہ کی عبادت ہیں کسی کو منزیک نہ

جبوشفاس مخلص سيجودرن والاندموكياوه الشرجل جلالؤك أسمعا لمدى طرون عورنبيس كرتابو وہ ابینے اصفیاء اوراولیا واورابینے خاوموں سے کرتا ہے جوکراس کے اوراس کی مخلوق کے درمیان واسطہ بين بيان نك كه وه ايني سبسين زياده معزز مخلوق كوفر ما لك :-

وَكُفَّكُ أُوسِي إِلَيْكَ وَإِلَى الَّذِينَ الديهِ شك دى كُنُ بْزى طرت اوراُن لوبُ

مِنْ قَبْلِكَ، الأية كون بو بھے سے پہلے تھے۔

اوراسى طرح كى اوريجى آيات بيان تك كه بيان كياجا تاسب -كهرسول الشمطى الشرعلية ولم الا كرت مخف مجھے سورہ مودادراس جبسی سورتوں نے بوڑ صاكر دبا۔

بعرفصه مخقرإن كي تفقيل وه بع جورب العالمين نے اپني كناب عزيز كى جار آينوں ہيں بيان کردی ہے۔

التُدنعاليُ فرماتے بين:-

أَفَحَسِنُهُمُ أَذَّهُ الْحَلَقْنَاكُمُ عَبَتًا وَّٱكَّكُمُ اِلْيُنَاكُ ثُرُجَعُوْنَ.

كيانم نے جال كرركھاہے - كہ ہم نے تم كوبے مفصد بيداكبادرنم بمارئ طرب سبب لولك جا ڈگے۔

جابیے کہ برآدمی اُس برعزر کرسے جو اُس نے

كل كے ليے بجبجا ہے۔ اور الترسے ڈرو

ي الشرجل جلال تصفر ما يا: -

وَلْتَنْظُوْنَفْسٌ مَّا قَدَّمَتُ لِغَدِ وَالنَّفَوْ اللَّهُ وَإِنَّ اللَّهُ وَإِنَّ اللَّهُ خَبِيْرُ بِمَا تَعْمَلُونَ ٥

بجرالشرتعالى نے فرمایا:-

وَالَّذِينَ بَهَا هَدُوْ فِينَا لَنَهُدِ بَنَّا

بے ننگ الله تنهارے عملوں سے خبردارہے۔

جن لوگوں نے ہمارے منعلن کوسٹسٹن کی بم ضرور ان کے بیے اپنی دا ہی کھول دیں گئے۔

مجرإن نمام بجيزون كوابك جامع آين مين بيان كرديا ہے- اور وه سب سے زياده سيا

marfat.com

تألى ہے۔ ارتاد بلى نمائى ہے۔ وَمَنْ عَاهَدَ قُالْتُمَا يُجَاهِدُ جَرَمْ مُوسِمُ كُرِكُ الله الله عليه الله عليه لِنَنْ الله عَنِيْ عَنِ مُرْصَصُ كُرِكُ كَا بِحَمْ الله تَعَالَى تَمَامِ الْعَلَيْدِينَ - عالم ہے بناز ہے۔

جن کائم نے تفع دیا اور ہم اس سے سمال کرتے ہیں کروہ ہمیں اور ہم اور ہم اور ہم کی جائیوں کی جائیں ہمائیوں کی جائیں ہمائیں ہمائیں ہمائیں ہمائیں ہمائیں ہمائیں ہمائیں ہمائیں کے مطابق مل کرنے کی توفیق مطافر اور ہم اور ہم اور سمال کرتے ہیں کروہ اس ملم کوہم بروبال زبائے اور اس کی نیکیوں کے ترازو ہم رکھے جب کہ ہمارے اعمال ہماری طرف واللہ مے جائیں یقنیا وہ بڑاسنی نبایت کرم فرالمنے عالی ہے۔

سیخ رخی الله منه نے فرایا ہی وہ ہے جس کا ہم نے فقد کی تفاکم عنبی کے طریق کے منوک کی کیفیت کی شرح میں ذکر کریں گے اور ہمنے اپنے منفعہ کو در الله الدیما ہوتی ہوتی ہوتی ہیں اور قام تویین اس اللہ کے یہے ہیں کہ جس کے احسان سے نیکیاں پوری ہوتی ہیں اور جس کے فضل سے برکات کا نزول ہوتا ہے اور اللہ تعالی اپنی ہترین مخلوق پر مال بی رحتیں نازل فرائے جس نے معبود حقیقی کی طرف دعوت دی یعنی حضور مرسال بی رحتیں نازل فرائے جس نے معبود حقیقی کی طرف دعوت دی یعنی حضور سید ما افر مجم احر مجتی حفرت مصطفی اور آپ کی آل پر پاکیز وادر برکت والی سلامی نازل فرائے۔ و اخود علونا ان العد دب العالمہین وصف الله تعالی علی وسول ہونا کی جو العرب میں العالم مین واصحاب وادلیا ے احت اجمعین الکر بعو الدوں و دو اور ایسا العالم مین واصحاب وادلیا ے احت اجمعین

marfat.com